UNIVERSAL LIBRARY OU_224484 AWYOU AW

TIGHT BINDING BOOK



علم باغباني

خصوصاً صوبجات متنصدة آگرة و اودة كي نگاة سے

وصى الله خال،

ایل-اے-جی ' ایم-آر-اے-ایس ۔ سیکتورو ' زراعتی کالیم ' کائبور - مصنف '' علم زراعت ''

> اله آباد هندستانی اکیڈیمی' یو - پی ۱۹۳۴

Published by The HINDUSTANI ACADEMY, U.P. Allahabad,

FIRST EDITION

 $\mathbf{PRICE} \left\{ \begin{array}{l} \mathrm{Rs.} \ 6\text{-}0\text{-}0 \ (\mathrm{Paper}) \\ \mathrm{Rs.} \ 6\text{-}8\text{-}0 \ (\mathrm{Cloth}) \end{array} \right.$

Printed by

M. Ghulam Asghar, at The City Press
Allahabad

ديبلچه

ملک کی عام زبانوں میں اس قسم کی کتابوں کا موجود ھونا ایک ایسی ضرورت ہے ' جو محتاج تشریح نہیں - لیکن اب تک اس طوف بہت کم توجه کی گئی ہے - اس لئے یہ کہنا کسی طرح مبالغه نه ھوگا که اُردو زبان میں یہ کتاب اپنی قسم کی پہلی تصنیف ھوگی ' جس میں علمی پہلو سے سائنس کے اصول پر اس مضمون کو واضح طور پر بیان کرنے کی کوشش کی گئی ہے تاکہ شایقین علم و عمل دونوں یکسال مستنید ھوسکیں -

ایسی کتابوں کی زبان کا مسئلہ همیشہ اهم هوتا هے 'کیونکہ جہاں اُس کا عام فہم هونا ضروری هے وهاں علمی بیان کے لئے بعض ایسے الفاظ کا استعمال بھی ناگزیر هے 'جن کو مشکل کہا جاسکتا هے عبارت کو خالص زباندانی کے لتحاظ سے مکمل رکپنے میں وہ خوبیاں قائم نہیں رکھی جاسکتیں 'جو نفس عبارت کے لئے ضروری هیں صرف مخصوص اصطلاحی الفاظ هی پر اگر غور کیا جائے تو اس کا کسی قدر اندازہ هوسکتا هے - چنانچہ جو لوگ ایسی تصانیف کی دقتوں سے قدر اندازہ هوسکتا هے - چنانچہ جو لوگ ایسی تصانیف کی دقتوں سے واقف هیں وہ جانتے هیں کہ اس کو کیوں نظر انداز کرنا بوتا هے - لیکن ملک میں اگر ایسی علمی تحریکیں جاری رهیں ' تو وہ وقت جلد لیکن ملک میں اگر ایسی علمی تحریکیں جاری رهیں ' تو وہ وقت جلد آجائے گا کہ هماری زبان اس حیثیت سے بھی مکمل هوجائے -

فہرست مضامین پر نگاہ ڈالئے سے معلوم ہوگا کہ حصہ اول میں علمی اصول مفصل بیان کرنے کے بعد بقیہ تین حصوں میں کم و بیش تین سو پھولوں ' ترکاریوں اور پھلوں کی کاشت کے بیان اور دیگر جدید

کیفیات درج هیں 'جن کا انتخاب کرتے وقت یہ خیال رکھا گیا ہے کہ وہ نہ صوف علمی اهمیت رکھتی هوں 'بلکہ عملی حیثیت سے بھی مفید ثابت هوں تاکہ پھولوں ' ترکاریوں وغیرہ کی کاشت کا شوق رکھنے والے اصحاب بھی اس سے کماحقہ فائدہ اُتھا سکیں - یہ کہنا تو مبالغہ هوگا کہ ایس کے بعد کسی دوسری کتاب کی ضرورت نہیں کیونکہ باغبانی کے هر ایک شعبے پر ایک علحدہ تصنیف کا امکان بھے لیکن یہ ضرور کوشش کی گئی ہے کہ معمولی حالات میں یہ کتاب اپنے ناظرین کو دیگر وارجی امداد سے مستغنی کر دے -

اس کتاب میں کم و بیش تیوا سو تصاویر بھی دی گئی ھیں ۔ اُمید ھے که اُن سے مضمون اور اس کی تفصیل کے سمجھلے میں بہت کچھه مدد ملے گی ۔ هم پی پی پوچا اینڈ کو بونه کے بہت مشکور هیں ' جن کی وساطت سے هم ان تصویروں اور خاکوں کو آسانی سے فراهم کر سکے هیں ۔

مصلف

فهرست مضامين

حصة اول

باغبانى

| | | | r | |
|------|--------------|---|----------------------------|------------------|
| صفحت | | | | |
| j | ••• | • • • | ••• | تمهيد |
| ۲ | ••• | ••• | ل کي خاصيتيں | زمین اور اُس |
| | | اوسر زمین - | ' درمت ' متّيار اور | يالوهي |
| * * | ••• | ••• | ••• | نكاس |
| | | أن كى اصلاح - | ے نقصان ' سبب اور | خرابی ک <u>ے</u> |
| ۲9 | ••• | • • • | ••• | سينچائى |
| | ل سيئنچائي - | ے اوزار [،] اور گملوں ک _و | ذریعے ؛ سینتھائی <u>کے</u> | پائی کے |
| سس | ••• | ••• | ••• | کهاد |
| | وی کهادیں - | اریقے ؛ عضوی و مصن | ستعمال ' تیاری کے م | |
| 4 1 | ••• | •5• | ••• | آب و هو ا |
| | - | دوں سے اُن کا تعلق | ً کی تسبیں ' اور پو | آب و هوا |
| ۸۲ | ••• | ••• | ار | باغبانی کے اوز |
| | | | ود فائد ہے ۔ | استعبال ا |

| صفتحة | | | | | |
|---|-------|----------------------|--------------------------------------|------------------------|---|
| 90 | ••• | ••• | | پودوں کے مش | |
| | | | ، ' پتياں وفيرہ - | ج ز ' ٽ | |
| 1+0 | ••• | ••• | | بيج كاجمنا | L |
| | | و و نبا کی ضروریات ۔ | <i>ں</i> کامیابی [،] اور نش | جبنے می | |
| 1+1 | ••• | ••• | ••• | افزایش نسل | L |
| | | اُرتَّی وغیره - | ، دانا ، څښنه ، | ييج ' قلم | |
| 140 | • • • | ••• | لگانا | ذخيره اور پود | L |
| • • | | | ور احتياط - | طریقے ، ا | |
| 157 | ••• | ••• | ••• | گملے لگانا | L |
| ,,, | | | ر احتياط - | طریقے ' ار | |
| 184 | | ••• | u | شاخيس چهان | , |
| ,,, , | ••• | | ر فائدے - | طریفے ' ا | |
| 127 | ••• | ••• | ••• | آرایش | |
| ••• | | ستعمال ـ | مان ' اور أس كا ١. | ضروری ساه | |
| 141 | ••• | ••• | ••• | سبزه زار | |
| ,, | | - | ا ' اس کی داشت | گهاس لگا: | |
| 139 | ••• | ••• | | حفاظت خانے | |
| ,, | | - 8 | [،] گرین هارُس وفیر | آئينه خانه | |
| ۱۳۳ | | ••• | | باغ كا نقشه | |
| 1. 1 | • | | ئطاب رفي _ر ه - | موقع کا ان | |
| 1m4 | | ••• | ••• [| پھلوں کے پارسل | |
| ,, . | ••• | | ارر ياهر بهيجنا - | جمع رکهنا | |
| | ••• | ••• | یاں اور علاج | پ ودرں کی بیمار | |
| • | ••• | سرى بيبارياں - | ے مکرزے ' اور دو، | | |
| 104 | | ••• | ••• | تقويم كار | |
| 1-1 | ••• | | سبېر - | جنوری تا د | |
| | | | • | | |

حصة كوم پهول باغ

| اجر آرکت است اشوا آکزی اکین |
|---|
| آرکآ استد اشوا آکوی اکید |
| آرکآ استد اشوا آکوی اکید |
| آرکآ استد اشوا آکوی اکید |
| اشوا آکزی اکینا |
| آکزی اکینا |
| اكينا |
| |
| |
| الس |
| الوك |
| الائ |
| انار |
| اننا |
| أولي |
| آذ |
| اسپ |
| ایسا |
| ایک |
| أيوا |
| الايد |
| بالا |
| باند |
| ببو |
| بگذ |
| |
| ال الدين المالية الما |

| صفحة | | 4 | ضفتح | | |
|------|-----|---------------------|------|-------|-------------------------|
| * ** | | كلير | 199 | ••• | دهلیا |
| *** | | کنیر زرد | 1+1 | ••• | ڏ اي ي تهس |
| " | | كوريالپسس | 1+1 | | ڏيزي |
| 770 | | کونی فرس <i></i> | 4+0 | ••• | <i>ڌي</i> ورينٿا |
| ,, | | كلاذيم | 11 | ••• | رام بانس |
| *,, | | كالركيبا | ,, | ••• | روذيلتهم |
| 774 | ••• | كىندى تفت (شكرپارە) | 4+4 | ••• | رينتى |
| *** | | کیورا | ,, | ••• | زعفران |
| 771 | | گوهل | " | ••• | ايليا |
| ,, | | کل اشرفی | 1+1 | ••• | سائكس |
| ., | | کل خیرو | ,, | ••• | 9) *** |
| 779 | | كل داؤدى | ** | ••• | سلطان |
| ۲۳۳ | | گل دوپهريا | 1+9 | ••• | سنرےریا |
| ,, | | گل شبو | 711 | ••• | سورج مكهى |
| 7 PM | ••• | كل عباس | 111 | ••• | سيلويا |
| 100 | | كل عجائب | 117 | ••• | شب عروس |
| ,, | | كل ليلي | ,, | ••• | شگوفه |
| " | | محك متعمل | 11 | ••• | صندل |
| ;; | | کل مہر | 111 | ••• | عقيق |
| 171 | | گل مهندی | ,, | ••• | فارگت می نات |
| 444 | | گذدهه راج | 110 | ••• | فر <u>ن</u> . د د |
| ,, | | گۇ مىمھى بىل | 414 | • • • | فلاكسى د |
| ,, | | گوے چین | 414 | • • • | ڬ ؙڔنڍ شن '' |
| " | | كهونگىچى | ;1 | ••• | كاسمىس بىر |
| tr. | | كلاب | 719 | ••• | کا من ی |
| 141 | | گلاردیا | ,, | ••• | کحچذار |
| 444 | | كالكسينيا | " | ••• | کرن پهول ع |
| *** | | الميندا | ,, | ••• | کرو <u>ٿي</u> کاروڙي |
| ,, | | لاله | 771 | ••• | کلنتونها ک |
| yro | | لين ٿينا | 13 | ••• | کلی مے <u>ٹ</u> س |
| , | | لوبهليا | 777 | ••• | كميليا |
| #M4 | | لونگ | ,, | ••• | ک دول کارال |
| " | ••• | ليوپ ئس | ,, | ••• | كذوالويولس |

| | | صفحك | | | صفحك |
|--------------------|-------|------|--------------------------|-----|------|
| مرسا | ••• | tha | نسترشيم | ••• | 10+ |
| مرغ کیس | | ,, | وال قلاور | ••• | 101 |
| مصري سوسن | • • • | 444 | رربينا | ••• | tor |
| مكنونت | ••• | 119 | ولايتني مهددي | ••• | ror |
| مولسوى | ••• | ,, | هوسنكهار | | ,, |
| مهكدى | ••• | 40+ | ھركت | | |
| نرگ س | ••• | ,, | ھىليو ٿروپ | | |
| نوا <u>ر</u> ی | ••• | ,, | <u>يوك</u> لپ ت س | | 700 |
| ر ^ک س ً | ••• | ,, | هيليو ٿروپ | ••• | ,, |

حصد سوم پھل اور میوے صنحه

| صفححة | | | صنحته | | |
|-------------|-------|-----------------|------------------|-------|------------------|
| 414 | ••• | انكور | 409 | 5 | ترتی <i>ب</i> |
| * * * | | انداس | , - 7 | ĺ | پهل |
| y 1.+ | | آنوله | 14+ | • • • | اخروت (دیسی) |
| 411 | | بادام | ,, | | اخروت (ولائني) |
| 7 1 7 | | بادام دیسی | 141 | | استار ایپل |
| 715 | | باربذوز چيرى | 444 | • • • | اس ت ابری |
| ,, | | بوهل | 4 44 | • • • | آھ پھل |
| 4 7 % | | بہی | ,, | | آکی |
| ,,, | | بير | 444 | • • • | آلو بنصارا |
| 440 | | بیل | ,, | ••• | آلوچة |
| 4 1 4 | ••• | پپ ی تا | 13 | | آم |
| 111 | ••• | يسته | 149 | | امرود |
| P A A | | ي ني الة | 7 V + | | امرول |
| | | پهوت | TVI | | أملى |
| ,, Y N 9 | ••• | تار | ,, | | انار |
| | ••• | تريوز | ,, ,,, | ••• | انجير |
| ;; | • • • |)T·F | | | - |

| فستحقة | | 4 | صنحا | |
|-------------|---|------------------------|--|---------------------------|
| r+9 | • | فالسه | 19+ | الومي الومي |
| rı+ | | كاجو | r91 | جامن |
| ,, | | كتهل | ,, | جمرول |
| "IT | | كروندا | 191 | چست نت |
| ۳I۳ | | كسيرو | ,, | چرونتجى |
| | | كمرك | rgr | چکوترا |
| | •• | كهجور | ,, | چیری |
| | • | کهرنی | 195" | چیری مویا |
| | • | كيتها | rgo | چینا نا _ر نګ |
| ,, •• | • | كيلا | ,, , | چىنى كاب |
| 719 | | گولو | rgy | خربوزه |
| m1V . | • • | موبر گلاب جامن | ,, | خرما |
| 7.7 | • • | لتكوا | r9 | دريان |
| 71 1 | •• | لسورها | ,, | رس بهري |
| 11 | •• | سورت لوکا <u>ت</u> | ,, · · · · · · · · · · · · · · · · · · | ر امبوتان |
| r19. | •• | ل ینچ ی | ,, | رام پهل |
| ,, . | • • | | | زرد آلو |
| ۳۲+ . | •• | ليمو | ,, *** | ررسار زینتون صحورائی |
| mri. | •• | ملكو ستين | | ریاری مصربی سپاتو |
| mrr . | • • | ناريل نام اد | 1, | سپه مر سردا |
| rrr. | • • | ناش پ اتی •• | r+r | سرت سنگتره' یا سنتره |
| rro. | •• | نان پهل | ۳+۳ | سممره یا سمعره سلگهاره |
| r19. | | نهنگ ن اشپاتی | ۳+٥ | , , |
| 410 | | نعترائن | ,, | سيب هــ = = |
| ,, | | وامپی | ۳+۷ | شجرى تماثر |
| · | ••• | ولاثنتي نبونيا | ,, | شريفة مست |
| 44. W A | | هرفا ریوزی | ,, ••• | شفتالو |
| | | | r+9 | شهثنوت |

حصه چهارم سبزی اور ترکاریاں

| صتحفة | | | مرنحمة | | |
|------------|-------|------------------------|-------------|-------|----------------------|
| roy | ••• | تساقر | ۱۳۳ | { | تضريم |
| 201 | • • • | <i>-</i> تيلڌ <i>س</i> | , | } | سدزی اور ترکاریاں |
| 401 | • • • | چقندر | ٣٣٢ | • • • | اجمود |
| 709 | • • • | چچندا | ٣٣٣ | • • • | ادرک |
| 11 | • • • | چنا | ٣٣٢ | • • • | اراروت |
| 34 | ••• | چولائی | 220 | • • • | ارپا |
| 411 | ••• | حلهم | 77 4 | • • • | اررى |
| " | ••• | خرفه | ۳۳۷ | • | آلو |
| ;; | ••• | دهنیا | +۳۲ | • • • | بافلا |
| 244 | ••• | ر ^{اُڙ} ي | 441 | ••• | يتهوا |
| 242 | ••• | رتالو | ,, | ••• | بى تلسى |
| ,, | ••• | رز ^ق هٔ | 444 | ••• | بهنّد _ی - |
| 440 | ••• | زيرة | ٣٨٣ | ••• | بيگن |
| 444 | ••• | زمين قند | rro | ••• | پ ارسنپ |
| 244 | • • • | سونف | ,, | • • • | پ الک |
| ,, | ••• | سويا | 424 | ••• | پڌوا |
| ,, | • • • | سهتجن | ,, | ••• | پې ول |
| 24 | ••• | سرسوں اور لاھی | 440 | • • • | پودین هٔ |
| ,, | • • • | سيلري | 34 | ••• | پوندا |
| ٣49 | • • • | سلاد | 401 | • • • | <u>پ</u> وى |
| 41 | ••• | سيم | ,, | • • • | پیاز |
| ۳۷۳ | • • • | شلجم | 404 | | پيپرمنت |
| 200 | • • • | شمرقذد | ,, | | پیتھا |
| 244 | ••• | كاسلى | ,, | • • • | تورئى |
| ۳۷۷ | | كافورى | ror | ••• | - تپـارى |
| | | 3 ,, | | | ٧٧٠ |

| صفحته | | d | صفحة | | |
|-------------|-------|--------------|-------------|-------|------------------------------|
| ۲ و ۳ | | لوبيا | ۳۷۷ | ••• | کچري |
| ., | | لوكى | •• | • • • | كريلا |
| ,, | | لهسن | 449 | • • • | كرم كلا |
| 79 7 | ••• | 7.74 | 444 | • • • | ككومتا |
| 790 | | ভ ≻⁴ | ۳۸۲ | ••• | کبری |
| • ٣91 | ••• | مرچوبه | ۳۸۳ | ••• | كلونجي |
| ۴++ | ••• | 5.4 | ,, | ••• | کمه و ا معادات |
| 4+4 | | مولى | myh | • • • | که!ا پالک |
| ۸+4 | ••• | مونگ پهلی | ,, | • • • | كهباچ |
| r+4 | | ميتهي | 440 | ••• | کهیرا |
| ,, | ••• | ونيلا | ,, | ••• | گاج ر |
| M+A | • • • | ولاينتى پياز | ۳۸۸ | ••• | گوار |
| ۴ +۸ | | ولاينتى كدو | | پهول | گوبهی (کانتهه گوبهی ، |
| 4+9 | | هاتهی چک | ٣٨9 | ••• | گوبهي وغيره ') څد ده |
| mt+ | | هلدي | r 91 | • • • | Uals |
| | | | 57 | ••• | گهور مول |
| | | | | | |

فهرست تصارير

| صفتحة | تصوير | شكل نمبر | صفحة | تصوير . | شکل نیبر |
|-------|---|-------------------|------------|---|-------------|
| ۸۲ | اے تی ترن رست | 1 1 | ٥ | «بن اتَّاهِي '' وين اتَّامِهُ اللَّهِ | ı |
| | متی پلٹنے والے ہلوں | 19 | ۲۷ | تخته بندي | r |
| | سے جوتائی کا صحیحے | | ۳۲ | بي ز ى | ٣ |
| ۸۲ | طريقة | | ٣٣ | چين پمپ | ٣ |
| ,, | تكونه هيرو | 7+ | 1"4 | بلديو بالتى | ٥ |
| A4-1 | اسپرنگ هیرو | r +-1 | ۳۷ | ڏهيکلي | 4 |
| ب_۸۹ | پنجاب پلاؤ | ا ۲ -ب | ۳۸ | اسمريو پمپ | ٧ |
| ٨٨ | هنیدهو | 11 | r 9 | رهت | ٨ |
| ۸ 9 | چاره کاتنے کی کل | * * | ۴+ | سونةياچرس | 9 |
| 9+ | گھاس کاڈنے کی مشین | ۲۳ | ۱۲ | انجن بمپ | 1+ |
| 91 | دستني کاري | tr | 90 | انهمو میتر | 11 |
| ,, | در پچکاریاں | 10 | 44 | بهرا مهتر | 15 |
| | هزاره-شاخيس تراشني | 44 | 49 | سكس تهرما مهتر | 11 |
| | کا چاقو-انگور اور پهول تراشذے کی باریک | | ٧٢ | دينيل هائگرو ميٽ ر | 14 |
| | قىنچى - شاخىس | | ۸t. | بارش ناپلے کا آلہ | 10 |
| | تراشنے کی قینچیاں۔ پیوند اور چشتہ | | | خشکی اور تری کا | 14 |
| 97,94 | پیرس اور کیسته لگانےکا چاقو اور آری | | ,, | تهرما میثر | |
| 91 | بهل جار و چوکهتا | tv | ۸۳ | ئىنتى | 14 |

| مند | تصرير | شکل نیبر | مذمحه | تصوير | شمل نسبر |
|-----|---|-------------|-------|--------------------------------|-------------|
| 114 | بغلی پیوند | Mh | 95 | تختیاں | * 1 |
| 311 | شگافی پیوند | ۲٥ | | الهمون کی جهموا | 19 |
| 11+ | دو شاخه پیوند | ۲٦ | | جز ـ باقلا کي | |
| 177 | چشمه | ۳۷ | 94 | موسلا جح | <u> </u> |
| 115 | چشمه | ľλ | 97 | شلنجم - گاجر - مولي | ٣+ |
| 144 | تربيب | ٣٦ | ,, | دهلها کي جر | 71 |
| | تربیت کے بعد کی | ٥+ | | گهوئ يان - پياز - آلو - | ۳۲ |
| 184 | دو شکلیں | | 99 | ادرک کا تنه | |
| 120 | آرایشی گملے | 01 | 1++ | ناریا سوت | ٣٣ |
| 124 | گملوں کا استمینتی | 04 | 1+1 | شاخیں | ٣٣ |
| 101 | چند ض _{رر ر} سا <i>ں</i> کی ر ے | ٥٣ | 1+1 | يته | 20 |
| | استاک کا ایک قسم | 94 | 1+1" | مرکب پتی | r 4 |
| 144 | کا پھول | 1 | 1+1 | پهول | ۳۷ |
| 142 | السى كا پهول | 00 | 111 | قلم | ۳۸ |
| lvo | الائسم | ۲٥ | 117 | قلم | r 9 |
| 144 | آئی پومیا | ٥٧ | 111 | نام | ۴+ |
| 144 | ايستر | ٥٨ | | چهلا دار دابه - | ~1 |
| | بگونیا (اکهرا پهول ' | 09 | 111 | زبان دار | |
| 111 | دوهرا پهول) | | 110 | درخت سے دابا کرنا | ۲۲ |
| 115 | بلنشه (وايات) | 4+ | 114 | گوتی | ~~ |

| صفحة | تصويير | شكل نمبر | صفحة | تصوير | شکل نمبر |
|-------|--|-------------|------|-------------------|-------------|
| 774 | كلاركيا | A J | 144 | پتونها | 41 |
| | كينتى تنت (شكر | ٨٢ | 111 | پرم روز | 4-1 |
| *** | (الله عنه الله الله الله الله الله الله الله ال | ; ; | 119 | پورتو ليکا | 11" |
| 119 | گل خير, | ٨٣ | 19+ | پهول مٿڙ. | 400 |
| 727 | گل داؤدی | ۸۳ | 197 | پينزي | 40 |
| *** | دُل عباس | ۸٥ | 19m | تهوهر | 44 |
| 724 | گل مهندی | ۱۸ | 190 | جذبه | 4 V |
| ۲r+ | گلاب | ۸۷ | 194 | جريليم | y A |
| 177 | گلار ديا | ۸۸ | 1:1 | دهلیا کا ایک پهول | 49 |
| 444 | گلاکسینیا | ۸9 | 1+1 | هذی وجی | ٧٠ |
| 444 | لوبيليا | 9+ | 7+1 | سويت وليم | ٧١ |
| tha | ليوپنس | 91 | 4+14 | دَيزى | ٧٢ |
| 4 m v | مرغ کیس | 94 | Y+V | زينيا | ٧٣ |
| 44.9 | مگذونت | 98 | 1+9 | سلطان | ۷۳ |
| 401 | نسترشيم | 92 | 11+ | سنرے ریا | ۷٥ |
| 404 | رربينا | 90 | 111 | سورج مکرہی | ۲۷ |
| ror | هیلیو تروپ | 94 | 717 | فلاكس | ٧٧ |
| 141 | إخروت | 94 | 711 | کاسمس | ٧٨ |
| | استار ایپل کے اندر | 9 1 | 111 | كدوالويولس | V 9 |
| 141 | بيېج کي شکل | | rrr | کوریا پسس | ۸. |

| صفحة | تصوير | شکل نمبر | صفحة | | تصرير | ش <i>کل</i> نمبر |
|----------------|--------------------------|-------------|--------------|-------|-------------------------|---------------------|
| 24 (1) | سیلری کا سیلرک | 119 | 140 | ••• | آکی | 99 |
| ş: | سيلرک | 17+ | 177 | ••• | انجير | 1++ |
| rv+(1) | سلان گويهي ک سلان پتا | 171 | 179 | | انناس | 1+1 |
| , , ••(1) | سلاد پتا '' آ | 177 | 717 | | بادأم | 1+1 |
| rvr(1) | فرانسيسي سيم | irr | 1911(1) | | چیری | 1+" |
| | | i I | | هوا | خرمہ سے لدا | 1+1 |
| (ب)۳۷۲ | مکهن سیم | 114 | 190 | | درخت | |
| ryr | شلجم | 140 | 791 | | دريه ان | 1+0 |
| ٣٨+ | کرم کلا | 114 | r+1 | ••• | سپاڏو | 1+4 |
| mar(1) | 13945 | 114 | m1+(1) | • • • | ک ت ہل | 1+4 |
| " 14 | ئاجر ، | 111 | m11(1) | ••• | ليتتني | 1+1 |
| max(1) | پهول گوبهی ک | 119 | " 1 | ••• | منئوستين | 1+9 |
| (ب) ۳۸۸ | برا کولی | 112+ | 770 | ••• | ن اش پاتى | 11+ |
| r9+ | گانته گربهي | 111 | 1 749 | ••• | نان پهل | 111 |
| 49 6 | مٿر | 187 | 44. | ••• | اجمود | 111 |
| 179 4 | დუ• | Irr | mm+(1) | ••• | باقلا | 111 |
| 177 1 | ا مرچ | 180 | 444 | ••• | بهذتي | ١١١٢ |
| r 99 | مرچوبة | 100 | Trr(1) | | پ ارس ن پ | 110 |
| ۲+۱ | مكا (بهتا) مما | 141 | ror | ••• | پياز | 114 |
| ٣+٣ | ولاينتى موليان | 1rv | ma A (f) | | , f | 114 |
| ,, | لمبيي مولى | ۱۳۸ | man(1) | ••• | چقلدر | 1114 |

حصد اول ، علم باغبانی

حصة أول

باغباني

تمهين

دنيا هميشه ايسي هي نه تهي جيسي ولا آج هي ؛ بلكه اُس ك شروع میں ایک زمانه ایسا بھی گذرا ہے ، جب زمیں پر انسان کی آبادی بہت کم تھی اُس وقت زندگی بسر کرنے کے لئے اُسے کچھ فکر نہ کرنی پرتي هوگی ' کيونکه آدمی اور جانوروں کي زندگي ميں اُس وقت بهت کم قرق تھا ' اور وہ چیزیں جو قدرت نے جنگلوں میں پیدا کر دی تھیں اُس کے لئے کافی تھیں کچھہ زمانے کے بعد جب انسان کی نسل بوھی اور آبادی زیاده هوئی تو جنگلی سامان کم هونے لتا - ظاهر هے که اِس اثناء میں وہ زمین پر پودون کو اُکتے بڑھتے دیکھتا رھا ھوکا زمین کی خود رو پیداوار کے ختم ہو جانے پرجب اُسے خورد و نوش کے لئے کافی سامان فراهم کرنے میں تکلیف پیش آئی هوگی ' تو اُسے خود اپنی معتنت ارر پرداخت سے ان اشیاء کے پیدا کرنے کا خیال آیا ہوگا۔ اس عمل مين رفته رفته تجربه ' ضرورت ' موقع ' موسمى حالات ' اور بهت سے دوسرے وجود سے اصلاح و ترقی ہوئی ہوگی ؛ یہاں تک که پودوں کی كاشت رفته رقته اینی موجوده ترقی یافته حالت بر پهنچ گلی ' اور علم زراعت ایک علیتحده اور رسیع علم هو گیا 'جس میں زمین سے فصلیں

پیدا کرنے اور اُن کو قرار واقعی طور پر پرورش کرنے اور کاتنے کا بیان هوتا هے - اسی میں کاشتکاری اور باغبانی کے علاوہ مویشی رکھنا اور نفع کے لئے مرغیاں' مچھلیاں اور شہد کی مکھیاں وغیرہ پالنا شامل هیں - اس طرح علم باغبانی علم زراعت کی ایک ایسی شاخ هے جس میں پھل پھول اور اسی قسم کی دوسری آسایش اور اُرائش کی چھزوں' کے زمین سے پیدا کرنے کا مفصل بیان کیا جاتا هے ۔

زمين أور اسكبي خاصيتين

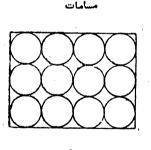
باغبانی کے لئے زمین سب سے زیادہ ضروری چیز ہے ۔ یہم چڈانوں کے رفتہ رفتہ باریک ہونے سے بنی ھے - چتانیں کئی قسبوں کی ہوتی هیں ' اور مختلف نوع کے عوامل متصوفہ کے زیر اثر رہ کر سالہا سال میں پستے پستے باریک ہوگئی ہیں ۔ ان عوامل میں ہوا ' پانی ' پودے ' جاندار ' اور قدرتی طاقتیں ' جیسے کرمی ' سردی وغیرہ شامل هيں۔ اِس صوبے کي زمينيں دو طرح کي هيں۔ پکي اور آبي۔ آبي اُس زمين کو کہتے ھیں جس کے ذرے پاتی کے ساتھ کسی دوسری جگھہ سے به کر آئے ارر جمع ہو گئے ہوں ؛ اور پکی زمین وہ ہے جس کے ذرے بجاے کسی دوسری جگهه سے آنے کے اُسی جگهه کی چتانوں سے حاصل هوئے هوں -ان دونوں زمینوں میں دو قسم کی چیزیں پائی جاتی هیں -ایک و^ہ چیزیں جو پاني یا پودوں کی باریگ جروں کی نوک سے نکلنے والے تیزاب میں حل هوجاتی هیں اور متحلول کہلاتی هیں ' دوسرے وہ جو اُن چیزوں میں حل نہیں هوتیں اور غیر محلول یا حل ناپذیر کهلانی هیں - محلول چیزیں معمولی زمینزں میں بہت کم اور ۲۵ م قیصدی کے قریب ہوتی میں ' لیکن

ولا پودے کی زندگی کے لیُے بہت ضروري دیں - ان میں آکسیجن ' سیلیکن' فاسفورس ، گندهک ، كلورين ، ذائتروجن ، هائةروجن ، كاربن ، الومينم ، پوڌاش ' سُودَيم ' ميگنيشيم ' لوها ' اور چونا هوتا هے ان سب ميں سے ناتتروجن ' پوتاش ' فاسفورس ' جونا ' لوها ' ميكنيشيم ' أور گندهك زیاده ضروری هین - اول چار چیزرن (یعلی نائتروجن ، پوتاش ، فاسفورس ، ارر چونے) کی اکثر زمینرں میں کمی دوتی ہے یہ همیشه کسی نه کسی مرکب شکل میں پائی جاتی هیں ' اور کار آمد غذا کہلاتی هیں - اُن کے موجود هونے یا نه هونے کا اندازه زمین کی کیمیاوی تحلیل یا امتحان سے هوسکتا هے - ليکن کسی زمين ميں غذا کے اجزاء کے محص موجود هونے کا پنته لگ جانا کافی نهیں هوتا ' بلکه یه بهی معلوم هونا ضروری هوتا ھے کہ اُن میں سے کون اور کس قدر اجزا فوراً پردے کے کام آسکتے ھیں صوبه متحده میں دوآبے کی زمینوں میں عام طور سے نائتروجن ام سے ٥٠٠ اور فاسفورس ٨٠٠ سے ٥٥ نيصدي تک اور پوٽاش نائٽروجن سے نصف مقدار میں موجود هوتا هے - یه چیزیں زمین کی بالائی سطم میں زیادہ موتی میں ' اور جس قدر گہرائی کی طرف بڑھتے جائیں ان کی مقدار کم هوتی جاتی هے - زمین میں پائی جانے والی دوسری قسم کی چیزوں میں بالو ' چکنی متی ' چونا ' اور فیر عضوی مادے شامل هوتے هیں - خاصیت کے لتحاظ سے یہ سب جدا جدا هیں - مثلاً چکنی • تی کے ذرے چھوتے ہوتے ہیں • نئر بہیکنے پر لسدار اور سوکھنے پر سخت هو جاتے هيں ، ليكن بالو كے ذرے نه صرف يه كه بوے هوتے هيں ، بلکہ گرمی میں جلد کرم اور سردی میں جلد تھنڈے ہو جاتے ہیں - کوڑے کرکت اور عضوی مادے کے اجزا میں پانی روکنے کی طاقت زیادہ دوتی ہے۔ یه چیزیں هر زمین میں برابر برابر نهیں پائی جاتیں ' بلکه ان میں سے

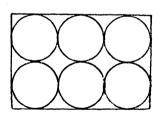
کوئی چیز کہیں زیادہ اور کہیں کم هوتی هے' اسی سبب سے زمینوں کی خاصیتوں میں بھی فرق هوتا هے ' کیوں که جس زمین میں جو چیز زیادہ هوتی هے اُس کی خاصیت اُس چیز کی خاصیت سے زیادہ ملتی جَلَتی هے - اس لحاظ سے زمین ' ذیل کی قسموں میں تقسیم کی جا سکتی هے -

- (۱) متیار زمین ' جس کے وزن میں تقریباً ۹۷ فیصدی چکنی متی هوتی هے ؛
- (ب) هلکی مقیار زمین ' جس کے وزن میں تقریباً ۹۲ فیصدی چکلی مقی هوتی هے -
- (ج) دوست زمین ' جس کے وزن' میں تقریباً ۷۰ سے ۸۰ فیصدی تک چکنی متی هوتی هے -
- (४) هلکی دومت زمین ' جس کے رزن میں تقریباً ۳۰ سے ۵۰ فیصدی تک چکنی متّی هوتی هے ؛
- (و) بہوریابالوهی زمین ' جس کے وزن میں تقریباً ۲۰ سے ۳۰ فیصدی تک چکنی متی هوتی هے -
- (ز) کنکریلي زمین ' جس کے رزن میں تقریباً ۲۰ فیصدی سے زیادہ چونا ہوتا ہے ؛
- (ح) پیتی زمین 'جس کے وزن میں تقریباً ۲۰ فیصدی سے زیادہ کورا کرکت ہوتا ہے لیکن یہ زمین یہاں نہیں پائی جاتی -

فروں کے تناسب کا اثر زمین کی کیمیاری ارر طبیعی خواص پر بہت ہوتا ہے مثلاً ' جن زمینوں میں چکئی متی زیادہ ہوتی ہے ' وہ نک صوف زیادہ طاقتور ہوتی ہیں (کیونکہ اُن میں پودے کی غذا کی بعض ضروری چیزیں موجود ہوتی ہیں ' اور خاص کر پوتاش)' بلکہ ان کی متی بھی سوکھنے پر سخت ہو جاتی ہے ۔ اسی لئے پودوں کی نشو و نیا کی غرض سے اُن کو خوب بہنانا اور باریک کرنا پرتا ہے ۔ متی کے ذرے خواہ کتنے ہی قریب قریب کیوں نہ ہوں اُن کے درمیان کسیقدر خالی جگہ ضرور باغی رہ جاتی ہے ' جسے مسام کہتے ہیں' جب چکئی متی زمین میں زیادہ ہوتی ہے ' تو مسامات چھوتے ہیں' جب چکئی متی زمین میں زیادہ ہوتی ہے ' تو مسامات چھوتے ہیں' کیوں کہ اس کے ذرے بوتے ہیں) موتے ہیں ' اور جب بالو زیادہ ہوتا ہے (جس کے ذرے بوتے ہیں)



چهوٿا ذره



موتًا ذرة

شكل ثبير ا

زمين كي تمام خاصيتوں 'خصوصاً نهي اور هوا ' پر مسامات كے اس فوق كا بہت اثر هوتا هے - نمي كا زمين ميں موجود هونا بودے كى زندگي كے لئے بہت ضرورى هے ' كيوں كه ولا اپنى غذا زمين سے اُسي وقت حاصل كر سكتے هيں جب يه پانى ميں حل هو جانے - نمى كے لتحاظ سے زمين

دو طرح کی هو سکتی هے - اول ایسی زمین ' جس میں پانی اتنا زیادہ ھو کہ موا کا آس کے مسامات میں گذر نه هو سکے ؛ دوسرے ولا زمین جس میں نعی اور ہوا دونوں ساتھ ساتھ موجود ہوں - پہلی قسم پودے کی زندئی کے لئے خراب اور درسری اجھی ہوتی ہے - پانی زمین میں ایک هٰی جگه پر قائم نهیں رهتا ' بلکه نیجے اوپر اور اِدهر اُدهر چلتا پهرتا رهتا هے -پانی کے اربر سے نیچے کی طرف اُترنےکو ''رساو'' ارر نیچے سے اُرپر کیطرف چڑھنے کو ''کشش'' کہتے میں - چھوتے مسامات میں کشش زیادہ هوتی هے اور رساؤ کم مگریوے مسامات میں کشش کم اور رساو کی رفتار تیز «وتی ہے' جس کی وجهم سے پودے کی غذا کا بہت سا کار آمد حصم بانی میں حل هوکر اُس کے ساته، نيچے چلا جاتا ہے اور اس طرح زمين ميں نمى اور غذا دونوں كي كمي هوسكتي هے؛ قوت كشش أن دونوں چيزوں كي كمى كو كسي قدر پورا کرتي رهتی هے؛ اور نه صرف پانی نيچے کي طرف سے اوپر آتا هے، بلکه اُس کے ساتھہ حل موکر فذا بھی اوپر چڑھتی اور پودے کے کام آتی ہے - کشش زمین كا ايك مفيد عمل هـ - ليكن يه خيال ركهذا چاهئے كه اس كى بهت زيادتى زمین کو بجائے نفع کے نقصان پہنچانی ہے جس کا بیان کسی دوسری مناسب جكه كيا كيا هـ - قوت كشش سے پانى زمين ميں بالكل أسي طوح چوهتا هـ جیسے کسی جلتے ہوئے لیمپ میں تیل نرجے سے کہانی کر بتی کے مسامات کے ذریعے اوپر آتا ہے جب بتی کے ارپر کا تیل جل جاتا ہے تو خالی جگہ میں نیچے سے تازہ تیل دور جاتا ہے - بالکل اسی طرح جب زمین کی بالائی سطمے کی نہی دھوپ کے اثر سے بہاپ بن کر اُز جاتی سے - یا پودرں کی جروں کے صرف میں آجاتی ہے تو نیچے سے تازہ نمی خالی جگہ کو بھرنے کے لئے ارپر آجاتي هے - جس طرح ليسپ جب تيز جلتا هے تو اُس ويں تيل زيادہ صرف ھوتا ھے اِسي طرح جب زمين سے نمي زيادہ ضايع ھوتى ھے تو قوت کشش بوّہ

جاتی ہے۔ زمین کو جن ذریعوں سے نسي پہنچتی ہے اُن میں بارش اور شبنم جیسے قدرتی ذرائع کے علاوہ زمین کی وہ طاقت بھی شامل هے "جسے قوت جذبه" کہتے هیں۔ بہت سی چیزیں ایسی هیں که اگر وه هوا میں کهلی رکھی رهیں تو وہ اس سے نمی کہینچ لیتی هیں۔ خاص کر اُس وقت جب هوا میں نمى زيادة هوتي أه - جيسے ، برسات ميں جب كر يا نمك كها ركة ديا جاتا ھے ، تو کچہ عرصے میں وہ نعی کی وجہہ سے پگہلئے لگتا ھے، اور یہ اُس نعی کی وجه سے دوتا ہے جو برسات کے دنوں میں کثرت سے دوا میں دوتی ہے -اسی طرح چکنی متی اور زمیں کے کوڑا کرکٹ میں بہی ہوا سے نسی کو جذب کرنے کی طاقت ہوتی ہے - علاوہ اس کے زمین میں بعض اس قسم کے نمک بهی دوتے دیں جو دوا سے نمی جذب کرسکتے دیں - اِن کی وجه سے وهي طاقت زمين مين آجاتي اهي - اس لئے بالوهي زمينوں مين ياني روکنے کی طاقت کم اور مقیار زمینوں میں زیادہ ہوتی ہے۔ پانی میں گرمی جذب کرنے کی طاقت بہت زیادہ هوتی هے'؛ اور جب زمین میں بانی کی مقدار بولا جاتی ہے تو وہ زمین کی حرارت بوھلے نہیں دیا -بالوهى زمين متيار زمينوں سے زيادة كرم هوتى هے - اسى طرح كهاد اور زمین کے گہرے رنگ کی وجه سے بھی حرارت زیادہ هو جاتی هے ' جس سے بعض فصلیں جلد پکتی ہیں یہی سبب ہے کہ اکثر باغباں فصل کی تداری کے قربیب خاص کو ترکاریوں کی فصل میں پتھر کے کوئلے کی سیاه راکهه استعمال کرتے هیں - جب زمین کے مسامات چھوٹے هوتے هیر،' يا أن ميں پاني زيادة بهر جاتا هے؛ تو هوا كا كذر أس ميں كم هو جاتا هے -یہ امر بہی پوں ے کی زندگی کے لئے ضروری هے ' کیونکہ اس میں آکسیجن اور نائتروجن هوتا هے' جو پودے کی فذا کا لازمی حصة هیں - زمین میں کچه، ایسے چهوتے چهوتے کهرے رهتے هیں جو آنکه، سے نهیں دکہائی دیتے

بلکہ صرف خوردبین کی مدد سے دیکھتے جاسکتے ھیں - ان کو جراثیم کہتے میں - یہ جراثیم دو طرح کے موتے میں ایک قسم کے جراثیم وہ میں' جو ہوا سے خالص نائٹروجن لے کر اُس کا مرکب زمین میں تیار کرتے ھیں ۔ اِن کو نائٹروجن بنانے والے اور ان کے کام کو نائٹروجن بنانا کہتے ھیں - دوسری قسم کے جراثیم اُس تیار شدہ نائتروجن کو صرف کرتے هیں اُنہین نائقروجن خرچ کرنے والے چراثیم ' اور اُن کے کام کو نائروجی خرچ کرتا کہتے ھیں - اِن جراثیم کو مفید اور مضر جواثيم كهة سكتے هيں اور هم آئنده يهى نام استعمال كرينگے - مفيد جراثیم کی زندگی کے لئے زمین مین کافی هوا موجود هونا الزمی هے ' ورنة وة مر جانيس كے - اِس مختصر بيان سے كسى قدر اندازة هو سكتا هے كة هوا زمین کی زرخیزی اور پودے کی تندوستی کے لئے کیسی ضروری چیز ھے ' زمین کو جوتنے اور اُس میں دل چلانے سے اُس میں دوا کا گزر زیادہ هو جاتا هے - اِس فرض کے لئے اور تدبیروں سے بھی کام لیا جا سکتا ھے -مفید جراثیم کے لئے ہوا کے علاوہ جن چیزوں کی ضرورت ہوتی ہے ' وہ ية هيں :---

(۱) گرمی: حرارت کے ایک خاص درجے تک یہ جراثیم زیادہ کام کرتے ھیں ۔ اگر گرمی ٥٥ درجے (سنتی گریڈ) سے کم یا ٥٥ درجے سے زیادہ ھوتی ھے تو اُن کا کام رک جاتا ھے ۔ ٣٧ درجے پر یہ تیزی سے کام کرتے ھیں ۔

(۲) نسی: بہت زیادہ یا بہت کم نسی میں یہ جراثیم اچھی طرح کام نہیں کر سکتے - اِس لئے زمین نه تو بالکل تر هونی چاهئے نه بہت خشک ؛ اور اِسی لئے متیار زمینوں کا نکس درست رکھنا ضروری ہے -

(۳) زمین : یه جراثیم زمین کے اول باره اِنچ کمیں زیاده کام کرتے هیں - زهریلي چیزرں اور تیز روشلی سے اُن کی تیزی کم هو جاتي هے - زمین میں فاسفورس کے تیزاب اور نمک کا موجود هونا ضروری هے - فاسفورس کا تیزاب جراثیم کو زنده رکھنے میں اور نمک اُن تیزابوں کی تیزی کو کم کرنے میں مدد دیتا هے جو جراثیم کے دوران عمل میں پیدا هوتے هیں -

دوسری قسم کے جراثیم جو زمین کی زرخیزی کو کم کرتے ھیں دلدل اور پانی اور کوڑے کرکت کی زیادتی میں کام کرتے ھیں -

یوں تو باغبانی میں جو فصلیں بوئی جاتی ھیں وہ اِتنی مختلف ھیں کہ کچھ نہ کچھ ھر قسم کی زمین میں ' بشرطیعہ وہ بالکل ھی ناقص نہ ھو ' پیدا کی جاسکتی ھیں ' اور اِس طرح باغبانی ھر قسم کی زمین میں کی جاسکتی ھے - لیکن ھلکی دو مت ' دو مت ' اور ھلکی متیار زمینیں اِس کے لئے موزوں ھوتی ھیں - دومت زمین سب سے اچھی ھوتی ھے جس زمین میں بالو یا چکنی متی بہت زیادہ ھوتی ھے ' وہ باغبانی کے لئے اچھی نہیں ھوتی اور اُسے درست کرنے اور باغبانی کے قابل بنانے کے لئے اچھی نہیں ھوتی اور اُسے درست کرنے اور باغبانی کے قابل بنانے کے لئے بہت محملت اور سرمائے کی ضرورت ھوتی ھے - اگر باغ کا رقبہ بہت بڑا نہ ھو تو اُس کی متی تھوتی تھوتی کرکے بدل کر یا خوب کھاد دے کر درست کی جاسکتی ھے - لیکن اگر رقبہ بڑا اور خواب خوب کھاد دے کر درست کی جاسکتی ھے - لیکن اگر رقبہ بڑا اور خواب خوب کھاد دے کر درست کی جاسکتی ھے - لیکن اگر رقبہ بڑا اور خواب خوب کھاد دے کر درست کی جاسکتی ھے - لیکن اگر رقبہ بڑا اور خواب خوب کھاد دے کر درست کی جاسکتی ھے - لیکن اگر رقبہ بڑا اور خواب خوب کھاد دے کر درست کی جاسکتی ھے - لیکن اگر رقبہ بڑا اور خواب خوب کھاد دے کر درست کی جاسکتی ھے - لیکن اگر رقبہ بڑا اور خواب خوب کھاد دے کر درست کی جاسکتی ھے - لیکن اگر رقبہ بڑا اور خواب خوب کھاد دے کر درست کی جاسکتی ھے - لیکن اگر رقبہ بڑا اور خواب خوب کھاد دے کر درست کی جاسکتی ھے - لیکن اگر رقبہ بڑا اور خواب لیکن اگر میں جاسکتی ہے اسکتا ھے -

کمزور بالوھی زمین کو درست کرنے کا ایک آسان طریقہ یہ ھے کہ کل رتبے کو مناسب حال چھوٹے چھوٹے رقبوں پر تقسیم کر کے ھر سال

ایک حصے میں دریا یا تالاب کی چکنی متی کے دھیلے دالے جائیں ' یهاں تک که کل رقبے میں چکنی متی اُسی طرح زیادہ هو جائے - خالی چکنی متی ذالنے سے اُس کے ساتھہ کسی قدر چونا ملا کر ذالنا زیادہ مفید ہے ۔ متیار زمینوں میں اُسی طرح بالو یا بالوہی زمین کی متّی ملا سکتے میں - هری کہاد دینا چکنی اور بالوهی دونوں قسم کی زمینوں کے لئے منید هوتا هے - جس زوروں میں گھاس بہت زیادہ هو' اُس کو کار آمد بنانے کے لئے پہلے کسی گہرے دل سے جوت کر متی کے چھوٹے چھوٹے دھیر جمع کر دئے جائیں اور پھر اُن پر کچھۃ خشک گھاس پھونس جمع کر کے اِس طرح اُلت پلت کر جلا دیم که کورا کرکت جهلس کر کوئله هو جائے - جلاتے وقت خیال رکھنا چاھئے کہ وہ اننا زیادہ نہ جلنے پائے که راکهه هو جائے ' کیونکه زیادہ جلنے پر وہین کی بعض ایسی چیزیں بھی جل کر ضائع ہو جاتی ہیں جو پودے کے لئے مفید ہیں - جلانے کے بعد متی کے دھیروں کو پھر زمین پر پھیلا دنیا چاھئے - چکنی متی کو بھی اُسی طرح جلا کر درست کیا جا سکتا ہے - جلانے سے متی کے چھوٹے چھوٹے ذریے چونکہ ایک دوسرے سے مل کر بوے ھو جاتے ھیں ' اِس للمے زمین کی طبیعی کیفیت بھی سدھر جاتی ہے - اس کے علاوہ همارے صوبے میں اوسر زمین کا بھی ایک وسیع رقبہ بیکار پڑا ہے جس سے درستی کے بعد باغبانی کا مفید کام لیا جا سکتا ہے - عموماً اُس زمین کو جس میں كاشت نه هوتي هو اور بيكار پتري هو اوسر سمجهة ليا جانا هـ - ليكن در اصل اوسر صرف ایسی زمین کو کہتے ھیں جس میں پانی میں حل هو جانے والے بعض نبک بہت زیادہ پائے جاتے موں - اُن نمکوں کی وجم سے زمین شور اور ناقابل کاشت ہو جاتی ہے ۔ ایسی زمینوں کو جو غیر مزروعه ' لیکن قابل کاشت ' هوں بنجر کہتے هیں - جب سطح زمین

میں محصلول نمک کی کثرت ہوتی ہے ' تو اُس پر کوئی فصل پیدا نہیں ہو سکتی ۽ یا کم سے کم یہ ہوتا ہے کہ فصلوں کی بازھه بالکل رک جاتی ہے ، ارر زمین غیر زر خیز ہو جاتی ہے ۔ ایسی زمین کا اکتیس لاکھہ ایکو سے زائد رقبته اِس صوبے کے مختلف ضلعوں میں پایا جاتا ہے ، جس کا بہت سا حصہ ' لکھنؤ ، اوناؤ ، کانپور ، اتاوہ ، ایتہ ، فرخ آباد ، متھرا ، میں پوری ، علی گڑھہ ، بلند شہر ، وغیرہ میں ہے ۔ یہ زمیایں زیادہ تر سخت ، متیار اور نشیب میں واقع ہیں اِن کی غیر زرخیزی کا سبب زیادہ تر یہ ہے کہ اُن میں بعض مضر نمیوں ، خصوصاً سوقیم کاربونیت اور سوقیم سلفائق یا سوقیم کلورائق ، کی کثرت ہے ۔ کلررائق اس صوبے کی اوسر زمینوں میں کہ ہے ۔ اوسر زمینوں میں نمک کی کثرت سے کچھہ نمی ہمیشہ قائم 'رہتی ہے ، اور اُن کی یہ افراط پودوں کی تندرستی اور بیج کے جمنے کے لئے مضر ہوتی ہے ۔ بظاہر یہ نمک چار طریقوں سے پیدا ہو سکتے ہیں :۔

- (۱) سطم زمین کے نیعجے کی تہوں سے آئے هوں -
- (۲) پانی کے ذریعے به کر آئے ہوں خاص کر در آبے کے علاقے میں بہت ممکن ہے که یه نمک اس وقت جمع ہو گئے ہوں جب متی جمع ہو ہو کر زمین بن رہی تھی -
- (۳) پودے کی غذا کے وہ اجزا هوں جو زمین میں پودے کے استعمال سے بچ رھے هوں ، اور هوا اور نباتات وغیرہ کی وجہ سے پانی میں حل هونے کے قابل هو دُنّے هوں -
 - (٣) نهر کے پانی کے ساتھہ به کر آئے ھوں -

ان میں سے پہلی صررت صوبه متحدہ میں پیش نہیں آتی -

اس کا ثبوت یہ ہے کہ کنوئیں بنانے کے لئے جو نل لگائے گئے ہیں اُن کی بدولت بہت گہرائی تک زمین کی تہوں کا حال معلوم هو گیا ہے ، اور نمک کی کوئی ایسی تہ کہیں نہیں پائی گئی جس سے یہ نتیجہ نکالا جا سکے کہ ایسی تہ سے ندک سطح پر جمع هوکر زمین کو ارشر بنا دیتا ہے - لیکن یہ ممکن ہے کہ جس وقت زمین بن رھی تھی نسک متی میں ملا هوا جمع هو گیا هو : کیونکه قاعده هے که جب پانی چتانوں پر سے گزرتا ہے تو اُس کے نمک کو حل کر کے اپنے ساتھہ بہا لے جاتا ہے اس لئے یہ ممکن ہے کہ کچھہ نمک متی کے ساتھہ اس طرح جمع هو جائے - علاوہ اس کے کاربہلک ایسڈ ، نسی اور ہوا کے عمل سے زمین کے ایسے ذروں میں ، جن میں معدنیات موجود هوں ، کیسیاوی تبدیایاں پیدا ہو جاتی ہیں اور اُن سے معمولی قسم کے مرکبات بن جاتے هیں - پودے کی جروں اور سرے هوئے عضوی مادوں کا بھی یہی اثر هوتا هے جو مرکبات اس طرح شوتے هیں ان کا کچهه حصه پودوں کے کام آتا ہے ، اور جو چیزیں اُن کے کم کام آتی هیں وہ زمین میں بچ رهتی ھیں - پودوں کو غذا کے لئے سودیم کے نمک کی ضرورت ھوتی ھے - لیکن اس کی مقدار زیادہ نہیں ہوتی ، اور اس لئے یہ زمین میں بیم رهتا ہے ، ارر اس کا زیادہ حصہ پانی کے ساتھہ بہہ کر چلا جاتا ہے لیکن جب نکس خراب هوتا هے ، تو وہ بھی زمین میں رکا رہ جاتا هے ؛ اور اگر یہ نمک کسی دوسری طرح بھی خرچ نہیں ہوتا تو زمین کو اوسر بنا دیتا ہے۔ نہروں کے پانی میں بھی بعض مضر نمک مرجود ھوتے ھیں ظاھر ھے کہ گر ایسے هی پانی سے کیاریوں کو سینچا جائے گا ، تو وہ نمک بھی ¿میون میں جمع هوا - مگر چونکه یه زیادہ تر پودوں کے صرف میں آجاتا ہے ، اس لئے زمین کو نقصان نہیں پہنچتا - لیگن اگر اُس کی کثرت

ھو جائے تو مضر ثابت ھو سکتا ھے ۔ اس کا یہ مطلب نہیں کہ نہر سے سنجائی کرنا مضر ھے ، بلکہ مراد صرف یہ ھے کہ پانی کا بےطرح استعمال نقصان دہ ھوتا ھے ۔

یہاں تک تو هم نے مختصر طور پر یه بیان کرنے کی کوشش کی هے که جو نمک زمین کو نقصان پہنچاتا هے اُس کی ابتدا کہاں سے هوتی هے اب دیکھنا یه هے که یه سطح زمین پر کیوں کر جمع هو جاتا هے اس کی عموماً یه صورتیں هوتی هیں -

(۱) جن مقامات پر کاشت گهری نهیں کی جاتی اور زمین پر جنگلی نباتات نہیں پائے جاتے ، رھاں بارش کا پانی ایک سخت اور کھلی هوئی سطم پر برستا هے - اس کا کچهه حصه تو فرراً دهال کی طرف به جاتا ہے اور کچھہ گڏھوں ميں جسع ھو جاتا ہے - سابق موسم کی سخت گرمی کے باوجود پانی کا بہت کم حصة زمین میں جذب هوتا هے ، اور جو کچھہ جذب هوتا هے وہ بھی بہت گہرائی تک نہیں جاتا بلکہ پھر قوت کشش اور تبخیر کے قدرتی عمل سے سطح زمین پر آ جاتا ھے -اس بانی کے ساتھہ وہ نمک بھی نیجے سے کہلیے کر آتا ہے جو اُس میں ملا ہوا ہوتا ہے ; اور جب سطم زمین پر پہنچ کر پانی بھاپ بن کر أن جاتا ہے ، تو نمک کی ته زمین پر جم جاتی ہے - جب بجالے سخت زمین کے پانی کسی ایسی زمین پر برستا ہے جس پر پہلے سے نمک موجود ھے ، تو اُس کا کھپھ حصہ پانی میں حل ھو جاتا ھے ، اور جو حصہ زمین میں جذب نہیں ہوتا وہ کسی طرف به کر چلا جاتا ہے جس زمین پر یہ پانی بہ کر پہنچتا ہے ، وہ بھی اس نمک کے اثر سے خواب هو جاتی هے -

- (۲) کاشتکار عام طور سے یہ بات مانتے ھیں کہ زمین کو ارسر بنانے میں ھوا کو بھی بہت کچھہ دخل ھے یہ خیال بالکل صحیح ھے ، کیونکہ میدانی علاتے میں گرمی کے موسم میں اور کسی قدر برساتی ھواؤں کے زمانے میں بھی جب تیز ھوا چانتی ھے تو ریہ کے باریک باریک ذرے ، جو ارسر میں بہت کثرت سے ھوتے ھیں ، ھوا میس اُڑنے لگتے ھیں اس کا اندازہ اس سے ھو سکتا ھے کہ گرمی کے زمانے میں جب کسی اوسر زمین سے گذرنا ھوتا ھے تو اکثر پسینہ آنے پر بدن میں خفیف سی کھجلی معلوم ھوتی ھے ، یہ کھجلی اُسی ریہ کے جم جانے سے پیدا ھوتی ھے جو ھوا میں اُڑتی رھتی ھے ریہ کے یہ ذرے ھوا کی وجہ سے اُڑ کر دور دور تک پہنچ جاتے ھیں ، مگر جب ھوا رک جاتی ھے تو وہ زمین پر بیتھہ جاتے ھیں اور اس طرح اوسر بوھتا رھتا ھے -
- (۳) نہروں کے رواج سے زمین کا قدرتی نکس خواب ہو جاتا ہے ، جس کی وجہ سے زمین شور ہو سکتی ہے نہروں سے نکس کا خواب ہو جانا ایسی حقیقت ہے جس سے انکار نہیں کیا جا سکتا اور اسی عیب کو دور کرنے کے لئے اب جا بجا ایسے راستے بنائے گئے ہیں جن سے غیر ضروری پانی کسی جگھہ بھرا نہ رہے بلکہ بہ کو ماک کے قدرتی فخیروں تک پہنچ سکے قطع نظر اس کے کہ خود نہر کے پانی میں مغر نمک حل ہوتے ہیں ، نہر کی وجہ سے زمین میں پانی کی قدرتی گہرائی گئے جاتی ہے یہ بات نہر کے کنارے اور اُس سے دور کے در کنوؤں کی گہرائی کی حالت کا مقابلہ کرنے سے معلوم ہو سکتی ہے نہر کے کنارے پانی کم گہرائی پر نکل آتا ہے ، اور اس سبب سے زمین کے نیچے کا قدرتی پانی قوت کشش کی حد میں آجاتا ہے ، جس سے نمین کے نیچے کا قدرتی پر جمع ہو جانا آسان ہو جاتا ہے ، جس سے نمک کا سطم زمین پر جمع ہو جانا آسان ہو جاتا ہے اور زمین رفتہ رفتہ اوسر ہو جاتی ہے

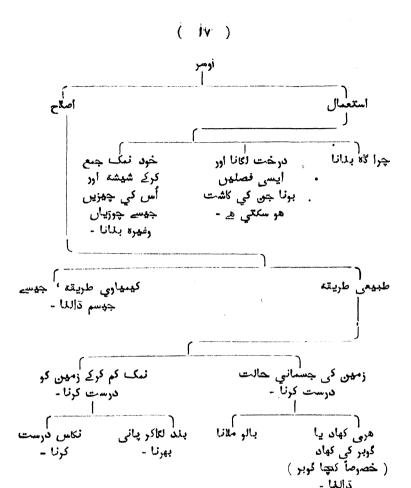
زمین پر جمع ہونے والے نمک کی مقدار کیمیاری ترکیب سے معلوم ہو سکتی ہے - یہ نمک سطح زمین پر زیادہ ہوتا ہے اور جس تدر گہرائی میں بڑھتے جائیں اُس کی مقدار گھتتی جاتی ہے ۔

اوسر زمین کی صحیم حالت کا اندازہ کرنے ، اور خاص کر اُس کی اصلام کرنے اور اُسے کار آمد بنانے کے لئے یہ معلوم کرنا بہت ضروری ہے کہ اُس میں چار فت کی گہرائی تک کس قسم کا نمک پایا جاتا ہے اور اُس کی مقدار کیا ہے - اس کے ساتھہ ہی اُس کی طبیعی حالت کو بھی جانچنا چاهئے - عام طور سے اوسر میں سودیم ، پوتاشیم اور میکنیشیم کے نمکوں کی کثرت ہوتی ہے ، اور اِن میں سے سوڈیم کاربونیت سب سے زیادہ مضر هوتا هے - زمین میں سوڌیم کلورائڈ یا سلفائڈ کی مقدار اگر ایک فیصدی تک هوتی هے تو پودے اُس کو برداشت کر لیتے هیں۔ لیکن کاربونیت کی مقدار ۹۳ فیصدی سے زیادہ هو جانے (اور بعض حالتوں میں اس سے کم هی) پر خراب اثر هونے لگتا هے - ارسر زمینوں میں پانی کی گہرائی کبھی کبھی بہت کم هوتی هے اور عام نباتات اُس پر نهیں پیدا هوتیں ، بلکه صرف اس قسم کی چیزیں اُگتی هیں جو نمک کی زیادتی کو برداشت کر سکتی هیں۔ ایسی حالت میں اگر ذرا سمجهة سے کام لیا جائے تو زمین پر اُگنے والی گھاسوں کو دیکھہ کر اُس کے اوسو هونے اور نه هونے کا فیصله کیا جا سکتا هے - جو زمینین ایسی چتانوں سے بنی هوتی هیں جن میں یہ نبک زیادہ هوتے هیں ، یا ایسی جگهہ واقع هوتی هیں جہاں پانی اوسر سے بہت کر گزرتا یا جمع هوتا هے ، وہ بھی بالاخر اوسر ہو جاتی ہیں - عام طور سے اوسر کی زمین متیار ہوتی ھے ، کیونکہ اُس کے مسامات کے چھوٹے ھونے کی وجہ سے اُس میں قوت

کشش زیادہ هوتی هے - اور اگر ایسی جگهوں پر بارش بھی کم هوتی هے ، تو زمین کی حالت بہت هی ناقص هو جاتی هے -

بعض چیزین ایسی هیں جو زمین میں نمک کی کسی قدر زیادتی کو برداشت کر لیتی هین - جهسے چقندر ، گلجر ، مولی ، امرود ، ارتقی ی رزقه ، پت سن ، لیموں ، وغیرہ - رزقه کی جو چونئنه زیادہ گهری جاتی هے ، اس لئے ایک مرتبه لگ جانے کے بعد یه اپنی غذا نیچے کی تہوں سے حاصل کر سکتی هے جن میں نمک گهرائی کی وجه سے کم هوتا هے - چقندر ، گلجر ، اور مولی کسی قدر نمک برداشت کر سکتے هیں ; لیکن اُن کی خوبی میں بہت فرق آ جاتا هے - دکھن میں نیرا نہر کے کنارے گنے کی کاشت کہیں کہیں اوسر میں هوتی هے - لیکن نہر کے کنارے گنے کی کاشت کہیں کہیں اوسر میں هوتی هے - لیکن اُچھی پیداوار حاصل کرنے کی غرض سے نه صرف یه که اُن کے لئے معمول سے پانچ گنا زیادہ نائتروجن مہیا کرنا پرتا هے باکه کثرت سے پانی معمول سے پانچ گنا زیادہ نائتروجن مہیا کرنا پرتا هے باکه کثرت سے پانی

اوسر زمین کے وسیع رقبے سے فائدہ اُتھانے اور ملک کی زراعت کو نھع پھنچانے کی غرض سے بہت سے تجربے کئے گئے ھیں ۔ اصولاً اُن کی دو صورتیں ھیں ، یعنی زمین سے اُس کی موجودہ حالت میں کوئی مفید کام لینا ، جس کو اوسر کا استعمال کہتے ھیں ، دوسرے ، کام لینے سے پہلے زمین کو کام کے قابل بنا لینا ، جس کو اوسر کی اصلاح کہتے ھیں ۔ ذیل کے نقشے سے استعمال اور اصلاح کے طریقوں کا ایک سرسری اندازہ ھوگا :۔۔۔



ھم اُن میں سے بعض وہ طریقے مختصر طور پر بیان کرتے ھیں ' جو باغبانوں کے کام آسکتے ھیں -

اوسر کو استعمال میں لانے کے لئے گھاس برھانے کا طریقۂ یہ ھے کہ اُس مھں پہلے مویشھوں کو چرنے سے روکا جائے - پھر اگر زمین کے چاروں طرف تار سے حد بندی کر دی جائے ' تو اوسر میں اگنے والی اکثر گھاسیں

بوهنم لكين كي اور أن مين كچهة كهاد ديكر برسات مهن جوتائي كر دم جائه ' تو گهاس اور جلد بوهه كي ـ چنانچة ضلع كانپور ميس ية تجربه کیا گیا ہے اور کامیاب ہوا ہے - دو ایک سال میں جب گهاس لگ جاتی هے ، تو خود بخود پہلنے لگتی هے - رفته رفته دوب اور دوساؤی گهاسیں بھی پیدا هوجانی هیں ' اور اگر ان کو کھاد ملتی رهے تو زمیں تھوڑے ھی عرصے میں درست ھو سکتی ھے - ارسر کے استعمال کا ایک اور یہ طریقہ ھے کہ جو چیزیں اُس میں ہوئی جا سکیں وہ ہوئی جائیں ' يا جو درخت أس مين ترقى كر سكين ولا لكائم جائين - اوسر مين درخت لگانے کے لئے بظاہر بہت زیادہ مصنت اور خرچ کی ضرورت معلوم هوتی هے ' ليكن يه خيال صحيح نهيں هـ - تحقيقات سے معلوم هوتا هے كه اِس صوبے کی اوسر زمینوں میں کسیٰ قدر گھرائی کے بعد چکنی متی کی ایک سخت ته پائی جانی هے ' جس میں سے پانی نہجے نہیں گزر سکتا اور نکاس خواب رہتا ہے ۔ اس ته کے بعد ایک ملائم اور اکثر بالوهى ته ملتى هے - إس لئے اكر پہلى ته ميں سوراخ كرديا جائے اور اُس کی مقی نکالئے کے بعد بالو اور کھاد بھر دی جائے اور پھر اُسی جگھھ درخت لاائم جائين تو أس كي جوين اچهي طرح بوهين اور پهيلين كي -اس طرح اگر شروع میں اُن کو برتھنے کا موقع دیا جائے تو جویں ملائم زمین میں پہنچنے کے بعد خود بخود اللے پھیلنے کے لئے مناسب جگه تلاش کرلیں گی اور درختوں کی نشو و نما میں کوئی رکاوے باقی نه رہے گی -یہ سورائے ایک خاص قسم کے اوزار سے کہا جاتا ہے ' جس کو آگریا متی سے سورائے کرنے کا برما کہتے ھیں - انثر مقامات پر اسی اصول سے اس طرح کام لیا گیا ہے کہ برسات میں ایک بار اچھی طرح بارش ہو لینے کے بعد +۲ فت کے فاصلے پر دوفت قطر کے گذھے ' جس قدر گھرے ہو سکھن '

بداکر بارش سے خوب تر ہونے کے لئے چھور دئے گئے ۔ ایک آدسی ایک دن اس قسم کے پنچاس گڑھے بنا سکتا ھے - مگر اُن کو پہلے ھی مرتبہ میں زیادہ گہرا نہیں کیا جا سکتا ' بلکہ بارش کے زمانے میں بھی کئی کئی مرتبه کهودنے کی ضرورت پیش آتی هے اور جب وہ اتنے گھرے هو جاتے هیں کم پهاؤروں سے کهدائی مشکل هو جاتی هے ' تو برمے سے اُس وقت تک کھدائی ہوتی رہنی ہے جب تک کہ وہ سخت تہ نہ مل جائے 'جس کا پہلے ذکر کیا گیا ھے۔ اس ته کو توزنے کے بعد گذھوں میں بالو اور کھاد یا اچھی متی بھر دی جانی ہے اور تین چار پودے ایک گڑھے میں اس للبے لکا دئے جاتے هیں که أن میں سے كوئى ایک لگ جائے كا - دودے لکا دیئے کے بعد بھی اُن کی معمولی نگرانی ' نکائی اور سیلنچائی ہوتی رهائي هے - اوسر سے براہ راست کام لینے سے یہ کہیں بہتر هے که پہلے أس کی اصلاح کر لی جائے ' اور یہ اس طرح هو سکتا هے که زمین کی طبیعی بناوق کو درست کر دیا جائے یا اُس میں سے نمک کی مقدار کسی طرح کم کر دمی جائے - طبیعی حالت درست کرنے سے زمین کا نکاس درست هو جاتا ہے اور پانی اُس میں کافی طور پر جذب ہونے لگتا ہے - جب پانی جذب ھو کر زمین کے نیجے کی تہوں میں زیادہ جائے گا ' تو اُس کا لازمی نٹیجہ یہ مواا کہ سطح زمین کا نمک زیادہ حل مو کر پانی کے ساتھہ نیھے جائے اور رفتہ رفتہ اُس کی حالت درست ہو جائے - زمین کی بناوہ میں ایسی تبدیلی بالو ملا کر کسی قدر کی جا سکتی ہے عموماً ایک ایکو کے رقبے میں بالوکی ایک سو کاری ڈالی جاتی ہے ' مگر اُس کی صحیم مقدار زمین کی حالت پر منحصر هے - یه عمل صرف ایسی حالت میں کیا جا سکتا ہے که زیر اصلاح رقبه بہت بوانه هو اور بالو بھی آسانی سے مل سکے - عربی کہاد یا گوہر (خصوصاً کچے

گوہر) کی کھاد دیلے سے بھی زمین کی اصلاح کی جا سکتی ہے۔ ان چیزوں کا زمیں کی کیمیاوی اور طبیعی درنوں کیفیتوں پر اچھا اثر ہوتا ھے ۔ کچے گوہر کے استعمال سے ایک بڑے رقبہ کی اصلاح علیگذاه میں کی گئی ھے۔ گوہر کی کھاد دینے یا گوہر بھرنے کے لئے بہتر یم ھے کہ سطمے زمین سے کم و بیش دو فت متی کھوں کر نکال دی جائے اور گویر بهر کر کم از کم ایک برسات بهر سرنے دیا جائے - زمین میں نمک کم کرکے اوسر کی اصلاح کرنا خود کاشتخاروں میں رائع ہے۔ اودہ کے اضلاع میں ' جہاں بارش کافی ہوتی ہے ' برسات کے دنوں میں ' یا نہر کے کنارے جہاں پانی به کثرت مل سکتا هو، زمین کے چاروں طرف اونچے اونچے بند لکا کر پانی بھر دیتے ھیں - ایسا کرنے سے کچھ نمک تو پانی کے ساتھ زمین کے اندر چلا جاتا ہے اور کچھہ اُس کے ساتھہ حل ہو کر به جاتا هے دو چار دن بهرا رکھنے کے بعد بند کات کر پانی بها دیتے میں -اِس طرح نمک دهو کر زمین پر دهان کی کاشت کی جاتی هے ، تو آس کی پیداوار اچھی هوتی هے - کیدیاری طریقہ سے اصلاح کی ترکیب در اصل نمک کم کرنے هی کی ایک دوسری صورت هے ۔ اِس طریقے میں کیاشهم سلفیت یا جیسم متی میں ملاتے هیں - یه ایک مسام بات هے که کاربونیت کے مقابلے میں سلفائد کم نقصان دہ ہوتا ہے ' اور جیسم داللہ سے کاربوئیت کیمیاری عمل سے سلفائد بن جاتا ہے اور اُس کی ضور رسانی کم ہو جاتی ہے ۔ عالوہ اِس کے چکئی ہاتی کے کھیهم چھواتے چھواتے ذرہے مل جل کر برے ہو جاتے ہیں ' اور اِس طرح زمیں کی بناوت کی بھی اصلاح هو جاتى هے - ايک ايکو ميں جس قدر جيسم معمولاً ذاللا بوتا هے اُس K خرچ بہت زیادہ هو جاتا هے - اِس لليدية توكيب صوف ایسی جگہوں کے لئے زیادہ کار آمد ہے جہاں اچھی زمھن مھی ارسر کے چھوٹے

جورتے تکوے اگئے ھوں جہسم ڈالنے کا بہترین طریقہ یہ ہے کہ اس کو باویک کوت کو زمین پر چھوک دیں ' اور پانی بھر کر ھلکی سی جتائی کو کے جیسم کو خوب اچھی طرح متی میں ملادین لیکن چونکہ سلفائڈ یا کا بھی اچھی چیزیں نہیں ھیں ' اس لئے جیسم ڈالنے کے بعد بھی اُن کے دور کرنے کا خیال رکھنا ضروری ہے ۔ زمین میں عضوی مادوں کی مقدار بڑھا کر اُس کی طبیعی حالت درست کرنے کی غرض سے کھاد دیئے سے فائدہ ضرور ھوتا ہے ؛ لیکن کھاد دیئے کے بعد زمین پر کاشت دیئے سے فائدہ ضرور ھوتا ہے ؛ لیکن کھاد دیئے کے بعد زمین پر کاشت ہوتی رھئی چاھئے ' رونہ کافی فائدہ نہ ھوکا بعض لوگ زمین درست کونے کے لئے روسہ یا اروسہ کات کر دباتے ھیں ۔

ان طریقوں میں سے کہاس لگانے کے طریقے میں حسب حال ضروری تومیم کر کے سبزہ زار بنانے میں مدد لی جا سکتی ہے ؛ خصوصاً باغوں میں جہاں اوسر کے چھوٹے ٹکڑے آجائیں اور وہ کسی دوسرے کام نه آسکیں ' اُن پر یه عمل آسانی سے کیا جا سکتا ہے ۔ ابتدا یه سبزہ زار باغ کی زیدت کا باعث ہوں ؟ ۔ ' اور جب زمین کسیقدر درست ہو جائے گی توکسی اور کام آسکیگی ۔

درخت لگانے کے لئے اگرچہ ڈھاک اور ببول اپنی سخت جانی کی وجہ سے زیادہ کار آمد ثابت ھوئے ھیں ' لیکن باغبانی کے نقطۂ خیال سے کوئی اور بھی مناسب درخت منتخب کرنا مشکل نہیں ہے ' اور اِس سلسلے میں ابھی بہت کچھہ تجربے کی گنجایش ہے ۔

زمین کی طبیعی اور کیمیاوی اصلاح کے جو طریقے بھان کئے گئے ھیں اُن سے ھوشھار باغبان اچھا کام لے سکتا ہے اور نکاس کا درست کرنا تو ایسا طریقہ ہے جو باغبانی کے لئے ھر حال میں ضروری ہے لیکن اس سے انکار نہیں کیا جا سکتا کہ کسی ہوے پیمانہ پر اوسر کی اصلاح کرنے کے خیال

کے ساتھ کہ صرف سرمائے کا سوال ہوتا ہے ' بلکھ یہ بھی غور کرنا ہوتا ہے کہ اصلاح کے بعد کافی نفع بھی ہوگا یا نہیں - اگر کسی اچھی زمین میں اوسو کے چھوٹے چھوٹے تکروں کی اصلاح کرنا ھو تو یہ طریقہ بہت مفید و آسان ثابت هوتا هے ؛ لیکن کسی برے رقبے کے استعمال اور اُس کی اصلاح میں سرمائے اور نفع کا سوال اور زیادہ اہم ہو جاتا ہے - اصولاً جو اوسر زمین اصلاح کے بعد زیر کاشت آجاتی ہے اُس میں پیدارار زیادہ اور فصل اچھی ہرتی ھے ۔ علاوہ اس کے اصلاح کے بعد زمین عرصے تک زرخیز رہتی ہے۔ پیداوار کے پہلے کی نسبت بہتر مونے کا بہت معمولی ثبوط یہ هے که غور سے مطالعه کیا جائے تو معلوم ہوگا کہ اوسر کے کنارے کی قابل کاشت زمینیں ہمیشہ اچھی هوتی هیں ' اور مضر نمک کی کمی زرخیزی کو بجها دیتی هے - اِس للمے یه کہا جاتا ہے کہ اصلاح کے بعد زمین سے ضرور نفع ہوگا - لیکن اس کا یہ مطلب نہیں ہے کہ اوسر کی اصلاح کرنا ہر شخص کے امکان میں ہے۔ یہ أن هي لوگوں کے لئے نفع بخص هو سکتا هے جو نة صرف سرماية لكا سکتے ھوں بلکہ اُس کے بعد آمدنی اور منافع کے لئے کچھہ عرصے تک انتظار بهی کر سکیل -

فكاس

سنچائی اور نکاس دو متفاد طریقے هیں جس طرح ضرورت کے وقت پودوں کو پانی دینا ضروري هوتا هے ' اُسی طرح فاضل یا ضرورت سے زیادہ پانی کو ' جو زمین پر بھرا یا کھڑا هے دور کرنے کا خیال رکھنا بھی بہت ضروری هے ۔ زمین کی حالت کے لتحاظ سے نکاس اچھا بھی هو سکتا هے ' اور برا بھی ۔ برے نکاس کی معمولی پہچان یہ هے که زمین پر اتنا پانی بھرا رهتا هے که خشک هونے پر بھی اُسکا نشان باتی رہ جاتا هے ' اور زمین کی سطح پر متی کے ایسے باریک ذرے جع

ھو جاتے ھیں جو پانی میں تیرتے رہتے ھیں - علاوہ اِس کے زمین میں برابر نسی رہنے کی وجه سے اُس کا رنگ گھرا اور سیاھی مائل ھوجاتا ہے ' ارد خشک ہو جانے پر بھی معمولی رنگ کے بتحال ہونے میں بہت دبیر لکھی ہے ۔ زمین پر پپڑی پڑنا ' اُس کا پہتنا اور خود زمین کے پودوں کی حالت بھی نکاس کی خرابی کا پتہ دیتی ھے - لیکن اِن علامتوں کو بلا تجربه ایک موتبه میں پہچان لینا مشکل ہے 'کیونکه بعض چکلی زمینوں میں بھی یہی کیفیت پائی جانی ھیں ؛ اور نه کوئی ایسا مستحکم قائدہ مقرر کیا جا سکتا ہے جس سے یہ قطعی فیصلہ کیا جا سکے کہ کس زمین میں نکاس کی اصلاح کی ضرورت ھے اور کس میں نهیں هے - صرف اِس قدر کہا جا سکتا هے که ایسی سب زمینوں میں نکاس کی اصلاح کی ضرورت هوتی آهے جن میں سطام زمین سے چار فت کی گہرائی میں اِس قدر نمی رہتی ہو کہ اُس کے مسامات پانی سے بھر جائیں ۔ بارش کے وقت یا فوراً اُس کے بعد ھر زمین کی یہ حالت هو جاتی هے - اِس لئے نکاس کی خرابی کا اندازہ کرنے کے لئے معمولی موسمی حالت میں اُس کا معاینہ کرنا چاہئے ؛ بارش کے رقت جو نتیجہ نكالا جائے وه صحیم نهیں هو سكتا - اِس میں شك نهیں كه بالكل خشك زمين اچهى نهيل هوتى ، بلكه أس كو نم هونا چاهئے - ليكن یانی کی افرات بھی نہ ہونا چاھئے - زمین کے دروں کے گرد ' بجائے اِس کے کہ بکثرت یانی بھرا رہے یہ بہتر ھے کہ صرف مرطوب ھوا ھو ' اور جس زمین کی یه کیفیت هو أس کا نکاس گویا بهت اچها هے - مثلاً اگر متی کا ایک ڈلا کسی گلاس میں رکھہ کر پانی لبالب بھر دیں تو مثم کے مسامات میں پانی بهر جانگا - زمین کی ایسی حالت خراب هوتی ھے۔ اگر گلاس کے نوجے ایک سررام کر دیا جائے تو جتنا پانی متی کا

قال روک سکتا ہے وہی اُس میں کسی قدر ہوا کے ساتھ کا رہے گا ، اور باتی سب گلس کے سورانے سے بہ جائے گا - زمین کی بھی جب بھی کھفہت ہو تو وہ اچھی حالت ہے - جن زمین میں بہ کیفیت نہوں موتی اور ضرورت سے زیادہ پانی بھرا رہتا ہے یا جن کی سطح میں شوریت یا تیزابیت بچھ جاتی ہے ، اُن کے نکس کو درست کرنا ضروری ہوتا ہے ۔ هندوستان میں مصنوعی نکس پر اتنی توجه کرنے کی ضرورت نہیں جتنی بعض دیگر ممالک میں ہے ، کیونکہ یہاں بارش کے مرسم کے بعد ایک طویل وقفے تک موسمی حالت زیادہ خشک رہتی ہے ۔ بارش میں زمین عارضی طور پر پانی سے لبریز ہو جاتی ہے ، اور اس سے نارش موں کو صدمہ پہنچ سکتا ہے ۔ لیکن زیادہ تر پانی زمین میں خذب ہو جاتا ہے ، اور اگر اُسے کسی طرح درمین میں قائم رکھا جا سکے ، تو وہ نخص ثابت ہوتا ہے ، اور اکر اُسے کسی طرح درمین میں قائم رکھا جا سکے ، تو وہ نخص ثابت ہوتا ہے کہ بہر بھی بہت سی حالتوں میں اور مقاموں پر نکس کے اصلاح کی ضرورت ہوتی ہے ۔ مثلاً ۔

- (1) سنفت متدار زميليل جن ميل باني كم جذب هوتا هے ؛
- (۲) نہیچی زمین جہاں پائی به کر جمع هوتا ہے ' اور خصوصاً وہ رقبہ جو کسی مستقل پائی یا ستجائی کے خوانے کے قریب اور اُن سے نشیب میں واقع میں ' جیس نہر کے کذاروں کی انڈر نہیچی زمینیں ؛
- ر۳) وہ جگہیں جہاں کسی چشمے کا پانی کسی طرح پہنچ جاتا ھے ' یا زمین اپنی توت کشش کے سبب سے مرطوب رہتی ھے ؛
- (۲) وہ زمینیں ' جن میں پانی کی زیادتی سے تیزابیت اور شوریت پیدا موجاتی ہے۔

اُس پانی کا پہلا ذریعہ جس سے زمین مرطوب اور خواب ہو جاتی مے بارش ہے لیکن بارش کا پانی فصلوں کے لئے مفید ہوتا ہے ۔ اگر زمین کے کچھ حصے میں تقریباً چار فت کی گہرائی تک اُس کا اثر پہچنے دیا

جائے اور باتی بانی ایسی نیچی جگھوں میں بہرا رھنے دیا جائے ، جہاں سے ضرورت کے وقت باغ کو دیا جا سکے ، تو بہت اچھا ھے - زمین کی خرابی کا دوسرا سبب وہ رطوبت ہے جو زمین کے نیعیے کے چشمے سے پہرانچتی ہے چواکم یہ رطوبت بہت مضر هوتی ہے اس لئے اِس کو پودوں کی جو تک پہچھے سے روکنا چاہئے - تیسرے زمین کو اُس پانی سے بھی نقصان پہونچتا هيجو که ايک زمين ميں جذب هوتا اور کسی دوسری جگهم پھرت نکلتا ہے اس سے بھی زمین مرطرب بنی رہتی ہے ، چنا بچہ اس کو بھی سختی سے دور رکھنا چاھئے و کیونکہ زمین کے هر وقت مرطرب رهنے سے اُس کی کیمیاری اور طبیعی دونوں حالتوں کو بہت نقصان پہچتا ہے اور اُس کی نباتات پر برل اثر هوتا هے - بیبے کے جملے کے لئے گرمی ، هوا اور نمی کی ضرورت هوتی هے اگر اِن میں سے کوئی سی ایک چیز بهی موجود نه هو ، تو بیم نهیس جم سکتا - اب اگر کسی زمین کا نکس درست نہیں ہے تو نہ صرف یہ کہ اُس کے مسامات پانی سے بھر ہے ھوں گے اور ھوا اُن میں بہت کم ھوگی ، باکہ بانی کی کثرت زمین کی حرارت کو بھی کم کر دے گی ہ اور وہ سب باتیں جو بیج جملے کے لئے ضروری ھیں زمیں میں کم یا نایاب ھوں گی ؛ اس لئے بیم بعجائے جمنے کے سر جائے گا۔ بالکل یہی آثر پودوں کی جروں پر بھی ہوگا ، جس سے اُن کی تندرستی خراب هو جائے گی ۽ يہاں تک که وہ سوکهه ارر سو جائیں گے - نکس کی خرابی سے اکثر سطمے زمین پر ایسے نمک بھی جمع هو جاتے هيں ۽ جن کي زيادتي نباتات کو نقصان پهنچاتي هے ۽ اور زمین شوریا ارسر هو جاتی هے - کبھی ایسا بھی هوتا هے که سطم زمین سے نیجے کی ته نکس کی خرابی سے هر وقت مرطوب رهتی هے اس سے یہ ہوتا ہے کہ زمین پر اُن گہاسوں کی کثرت ہو جاتی ہے جو پانی

کی زیادتی هی میں نشہ و نسا پاتی هیں ، اور رمین ناتجابل کاشمت هو جاتی هے پانی کے بہرے رهنے کی وجه سے سطامے زمین پر باریک باریک فرے به کثرت جمع هو جاتے هیں ، اور خود سطمے زمین کے فرے بهی توق کر باریک هو جاتے هیں - اس سے زمین کی طبعی بناوت بگر جاتی هے ، اور پانی کی کثرت سے پودرں کی جزیں سرنے لگتی هیں - علاوہ اس کے پانی کے ساتهہ پودے کی غذا کا جو حصہ به کر گهرائی میں چلا جاتا هے اُس کی مقدار زیادہ هو جاتی هے ، اور زمین کمزور هو جاتی هے - نه صرف یه که زمین کی نائتروجن کی نائتروجن کو اُس سے بہت نقصان پہنچتا هے ، بلکہ نائتروجن تیار هی نہیں هوتی ، اور کو پانی کثرت سے موجود هوتا هے مگر پودوں کو کانی طور سے نهیں مل سکتا ; اس کا باعث یہ هے که پانی مگر پودوں کو کانی طور سے نهیں مل سکتا ; اس کا باعث یہ هے که پانی کی افراط اور خلاف عادت عمل سے جروں کی نشو و نسا رک جاتی هے ، جریں نه زیادہ برهتی هیں نه پہیلتی هیں ، اور اُن کا کام نسبتاً مختصر رقبے میں محدود هو جاتا هے - عموماً نکس کی خرابی کی وجوہ یه وتی هیں :

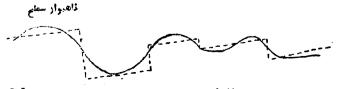
- (۱) نشیب ;
- (۲) قریب کی زمینوں سے پانی کا به کر یا جذب هوکر آنا :
 - (٣) زمين ميں تهوری سی گهرائی پر پانی کا نکل آنا چ
- (۳) سطمے زمین سے کچھہ گہرائی پر سخت کنکریلی متیار تھ کا آجانا :

نکس کو درست کرنے میں یہ خیال رکھنا چاھئے کہ صرف وہ فاضل پانی زمین سے دور ھو جائے جس کی موجودگی سے نقصان ھوتا ھے ہ اور پانی کی اتنی مقدار زمین میں قائم رہے جو فصارس کے لئے ضروری

ھے - اگر ضرورت سے زیادہ پانی خارج ہو جائے گا ، تو زمین میں نمی کم ہو جائے گی اور خشکی بوہہ جائے گی - خصوصاً متیار زمینوں پر اس کا بہت اثر ہوگا - ان میں درازیں پیدا ہو جائیں گی ، اور پانی برسنے پر اُن درازرں سے پانی کا بہت سا حصہ زمین میں سما جائے گا ، جس کے ساتھہ پودے کی غذا بھی ضایع ہو گی اور بالاخر زمین کمزور ہو جائے گی - باغوں کے نکس درست کرنے کے عام طریقے یہ ہیں :۔۔

(ا) زمین هموار کرنا - زمین کو هموار کرنے سے نکاس بہت کچھک فرست هو جاتا هے۔ معمولی نشیب یا کم گہرے گوهوں کو ، جن میں پانی بھرا رهنا هے ، اِس طرح درست کیا جا سکتا هے که اونچی جگھک سے متی کات کر اُن جگھرں میں بھر دیا جائے ۔ یہ کام مزدروں اور پہاؤزوں کے ذریعے کیا جا سکتا هے ۔ کرها کا بیان آئندہ اوراق میں اوزاروں کے سلسلے میں آئے گا ۔ اِس اوزار کے استعمال سے زمین برابر کرنے کا کم بہت کم خرچ میں کیا جا سکتا هے ۔ زمین کی اُونچ نیچ کا تھوڑا سافرق متی پلننے والے هلوں اور خاص کر قرن رست وضع کے هل سے بھی فرق متی پلننے والے هلوں اور خاص کر قرن رست وضع کے هل سے بھی فرق جتائی کر کے دور کیا جا سکتا هے ۔ اگر فرق زیادہ هو تو زمین کا نکس جتائی کر کے دور کیا جا سکتا هے ۔ اگر فرق زیادہ هو تو زمین کا نکس فرق میوار هو خواہ دو آس پاس کے تختوں کے سطح میں کتنا هی فرق کیوں نه هو ۔ یہ عمل باغوں میں اکثر کیا جاتا هے اور اس کو تخته کیوں نه هو ۔ یہ عمل باغوں میں اکثر کیا جاتا هے اور اس کو تخته بیدی کرنا کہتے هیں ۔

فیل کی شکل سے اس عمل کا اندازہ ھوگا:۔۔۔



سطع تشتلا

شکل ڈبیر ۲

(۱) زمین کی اصلاح کے لئے یہ طریقہ بہت کار آمد ہے ، اور آگر هرشیاری سے کیا جائے تو باغ کی خوشلمائی بھی بڑھہ جاتی ہے ـ

(ب) اگر کوئی زمین چاروں طرف اونجی زمینوں سے گھرہی ھوئی ھے یا دور تک هموار زمین کا ساسلہ هرنے کی وجه سے اس کا پانی کسی طرف نکالا نہیں جا سکتا ، تو اس میں ایسے ال گلائے جا سکتے ھیں ، جو گہرائی میں لے جا کر کسی بالو کی ته میں چھور دئے جائیں ۔ اس طرح فاضل پانی اُن میں هو کر نینچے اوتر جاتا هے ، اور زمین کار آمد هو جاتی هے ۔ اس عبل میں خربے کسی قدر زیادہ هوتا هے ، لیکن اس سے جو مستقل فائدہ ہوتا ہے اُس کے لحاظ سے تھوڑے سے خرچ کی پروا نہ کرنا چاھئے ۔ جن زمینوں کے قریب کوئی نالہ ، چشسہ وفیرہ ھوتا ھے ، یا پانی کسی اور طرف کو نکالا جا سکتا ھے ، تو ان کا پانی معمولی کہلی ہوئی نالیاں بنا کر دور پھینی جا سکتا ہے۔ ہوشیار بافبان فاضل پانی کو بہت سی نالیاں بنائے بغیر بھی دور کر سکتا ھے۔ بہت سی نالیاں بنانے میں زمین ضایع بھی ہوتی ہے اور اُس کی شکل بھی بكو جاتى هے ۔ ايسا كرنے كے لئے يه زيادة اچها هے كه ايك اصل نالى بناکر مختلف گوشوں سے چھوٹی نالیاں لاکر اُس میں ملا دہی جائیں ۔ اصل نالی کو قریب کے کسی پانی کے خزانے (جیسے نالہ ، چشمہ ، جهیل وغيرة) ميں گرا دينا چاهئے تاكه سب بانى به جائے ـ اگر باغ كے قريب کوئی ایسا خزانه نه هو تو خود باغ میں مناسب موقعے سے معمولی تالاب بنا کر اُن میں فاضل پانی جمع کیا جا سکتا هے ، اور ضرورت کے وقت أسى پانى سے سلنچائى كا كام بھى ليا جا سكتا ھے ۔ نالياں حسب ضرورت گہری اور سلامی دار ، یعنی ارپر سے زیادہ اور نیچے سے کم چوری هونگی اس قطع کی نالیاں جلد خراب بہیں هوتیں ۔ نالی کی دیواروں

میں ۳۵ ورجه کی سلامی اچھی هوتی هے ۔ یه تالاب اگر رسط باغ میں عفائے جائیں تو باغ کی رونق بھی بوهه جائے گی اور اُن میں بعض ایسی چیزیں بھی لکائی جا سکیں گی جو زیادہ پانی میں اچھی هوتی هیں ۔

(ج) نشیب کے باعث نئس کی خرابی سے جو نقصان ہونا ہے اُس کا ایک علاج یہ بھی ہے کہ ایسے حصے میں کم حیثیت اور اِس قسم کی چیزیں لکائی جائیں جن کو پانی کی زیادتی سے کم نقصان ہوتا ہے۔ یہ طریقہ اُن لوگوں کے لئے خصوصاً اچھا ہے جو کسی سبب سے نکس کو درست نہیں کر سکتے۔

(د) ترکاریوں کی کاشت جس حصے میں هو وهاں نکس دوست کرنے اور فاضل پانی دور کرنے کے لئے کہای نالیوں کے اصول پر متی کے بنے هوئے زمین دوز نل لکائے جا سکتے هیں ۔ ایسے نلوں کو دبانے کے لئے جو نالیاں بنائی جائیں ان کی گرائی کم و بیش چار فت هونی چاهئے ۔ طاهر هے که اس طرز عبل میں خرچ زیادہ هوتا هے ۔

سنجائي

پانی کی مدد سے نه صرف یه که زمین کی غیر کار آمد فذا کام کے قابل هو جاتی هے ، بلکه اسی فریعے سے غذا پودوں کے مختلف حصوں میں بھی پہنچتی هے ۔ یه نہایت ضروری هے که کافی پانی تهیک موقع اور وقت پر پہنچ جائے ۔ یه کام یا تو نکس درست رکهه کو زیاده پانی کے مضر اثر کو روک کو ، یا سنچائی کے فریعے زمین کی قدرتی نسی میں اور پانی پہنچا کو کیا جا سکتا هے ۔ سنچائی دو قسم کی هوتی هے ۔ ایک تو وہ سنچائی هے ، جس میں کسی چیز کی مدد سے چانی کچهه گهرائی سے اُتھا کو معمولی نالیوں سے پودوں تک پہنچایا جاتا

ھے ، اور پانی کا ذخیرہ سطمے زمین سے نیچا ہوتا ہے ۔ اس کو ڈال کا پانی کہتے ہیں ۔ دوسرے ، وہ سینچائی جس میں پانی براہ راست خزانے سے (جو سطمے زمین سے اونچائی پر ہوتا ہے) پودوں اور درختری تک پہنچایا جاتا ہے ۔ اس کو تور کا پانی کہتے ہیں ۔

زمین کو عموماً جن ذرائع سے پانی حاصل هوتا هے وہ حسب ذیل هیں :۔۔۔ هیں :۔۔۔

(۱) بارش ـ یه پانی براه راست پودون تک پهنچ جاتا هے البته یه ضروری هے که زمین میں پانی کی زیاده سے زیاده مقدار روکئے اور فرورت سے زیاده مقدار کو (جس سے نقصان هوتا هے) نکال دیئے کا انتظام رکھا جائے ـ

(ب) قوت کشش_اِس ذریعے سے حو نسی حاصل هوتی هے اس سے قرار واقعی نفع أَنَّها نے کے لکُے بارش کے زمانے میں بہت احتیاط رکھنے کے علاوہ مناسب وقت پر جتائی اور گوڑائی کرنا لازمی هے ـ

(ج) تالاب اور اسی قسم کے دوسرے خزانے ۔ پانی کے یہ خزانے یا تو سطع زمین سے بلندی پر ھوں گے ، یا گہرائی میں ۔ اِس لیُے اُن کا پانی یا تور کا ھوگا یا ڈال کا ۔ پہاڑی علاقوں میں یہ خزانے عموماً بلندی پر ھوتے ھیں ، جہاں بند باندھہ کر پانی کو روکنے کا انتظام کر دیا جاتا ہے ۔ ان کی بلندی معمولاً ۲ فت سے ۱۰ فت تک اور کبھی کبھی زیادہ بھی ھوتے ھیں ۔ بھی ھوتے ھیں ۔

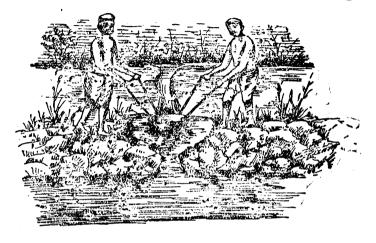
د) دریا اور چشسے۔۔۔یہ معمولی سطح زمیں سے نینچے ہوتے ہیں ، جہاں اُن کی گہرائی ۱۵ فت کے اندر ہوتی ہے ، وہاں سلنچائی کا انتظام مشکل نہیں ہوتا ۔

(8) نہر اور کنوئیں۔۔نہروں سے سنچائی کے لئے ڈال و توز دونوں طرح کا پانی ملتا ہے اور ڈھال کے لئے گہرائی ۲ فت سے ۹ فت اور بعض جگھوں پر ۸ فت تک پہنچ جاتی ہے ۔ لیکن معمولی کنوؤں کی گہرائی ، جن سے کافی طور پر سنچائی ہو سکتی ہے ، ۸ فت سے ۱۹ فت کے درمیان پائی جاتی ہے ۔ مگر سنچائی کا انتظام اس سے زیادہ گہرائی پر بھی ممکن ہے ۔

تور کی سنچائی میں پانی کی سقدار تلابہ کے قطر اور ذالی میں پانی کے زور پر منحصر ہوتا ہے اگر کوئی نل پوری تیزی سے کام کر کے ایک کیوسک یعنی ایک سکند میں ایک مکعب فت پانی دیتا ہے ، تو اس سے ایک گھنٹے میں بائیس ہزار پانچ سو (۱۲۵۰۰) گیلن پانی ملے گا۔ جبکہ ایک مکعب فت پانی کا وزن ۹۶۲۵ گیلن هوتا هے ، أور الله الله كي ايك سينچا ئي ميں في ايكو ستاون هزار باون (٥٧+٥٢) گيلن پاني صرف هوتا هـ ـ أس لئے جو نل ايک كيوسک پانی دینا هے اُس سے ایک ایکی زمین کی سینچائی دو قهنتے چالیس منت میں هوگی ، کیونکه آیرَهه سو گز لمبی نالی میں ٢ سے ٢٥ فيصدى تك پانى جذب هو كر اور بهاپ بن كر ضائع هو جاتا ھے ۔ ایک انبے بارش میں ۱۷۵۸ گیلن پانی ہوتا ھے جو ایک ایکو کے لئے بہت کافی مقدار ہوتی ہے اس میں سے تقریباً +9 ہزار کیلن جذب ھونا ھے اور بائی بھاپ بن کر یا زمین میں جذب ھو کر ضایع ھو جاتا ھے - قال کی سینچائی کرنے کے لئے جن چیزوں سے کام لیا جاتا ھے وہ يبة هين :ــــ

(۱) بیری سیه توکری کی وضع کا ایک ظرف هوتا هے ، جس کے فریعة سے پانی کھیت میں پہونچایا جاتا هے ۔ صوبة متحدم کے مغربی

اضلاع میں بیری چمرے کی بنائی جاتی ہے ، اور پرریا کہلاتی ہے ۔ مشرقی اضلاع میں بانس کی بنی ہوئی خاص رضع کی بری توکریاں ہوتی ہیں ، جن کو دو گلا کہتے ہیں ۔ (دیکھو شکل نمبر ۳) ۔

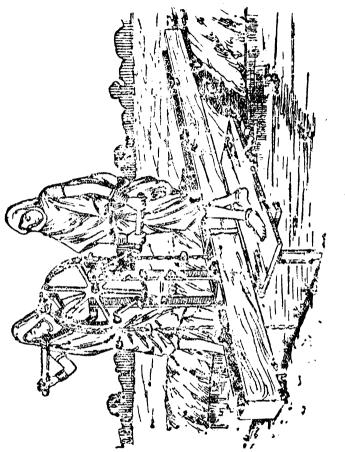


شکك ثمير ۳ پيټې

کانپور اور دیگر وسطی اضلاع میں بیتری چھوٹی اور بانس کی بنی ھوتی ھے ۔ ان سب سے ایک ھی کام لیا جاتا ھے ، اور اُن کی گنجایش کے مطابق اُن میں پانی بھی کم اور زیادہ سماتا ھے ۔ بیتریاں عموماً چار فت کی گہرائی تک کام کرتی ھیں اور نی گھنٹہ چار ھزار (+++) گیان پانی اُتھاتی ھیں ۔ جب گہرائی زیادہ ھوتی ھے ، تو تھوڑے تھوڑے ناصلے پر دو بیتریاں لگائی جاتی ھیں ۔ کم از کم تین ، اور زیادہ سے زیادہ پانچ آدمی ایک بیتری پر کام کرتے ھیں ۔

(۱) چین پسپ یہ بیری سے زیادہ کار آمد ھے اور اُس کی جگھہ پر استعمال کیا جا سکتا ھے ۔ مختلف گہرائیوں سے پانی اُتھانے کے لئے مختلف ناپ کے پمپ لکائے جاتے ھیں ۔ جس قدر گہرائی زیادہ ھوتی

ھے اُسی قدر کم چوڑا نل لگایا جاتا ھے ، تاکہ صرف دو آدمی آسانی سے چلا سکیں ۔ نل کی لمبائی جتنی زیادہ هوئی پانی کی مقدار اُسی حساب سے گھتی جائے گی ۔ اگر چین پسپ اور بیزی کا ایک ھی گہرائی پر لکا کر مقابله کیا جائے ، تو معلوم هوگا که چین پسپ بہت زیادہ پانی نکالتا هے ، اور اُس کا چلانا بھی زیادہ آسان هے ـ سرکاری محکمہ زراعت کے کهیتوں پر دو مزدور عورتیں آسانی سے چین پسپ چالیا کرتی هیں اور یہ ایسے تالابوں ، چشموں ، کفروں اور دوسری قسم کے خوانوں سے پانی اُتھانے کے لئے اچھا هوتا هے جن کی گهرائی بہت زیادہ نه هو ـ یه پسپ م فت سے 10 فت تک کام دے سکتا ھے۔ کم گہرائی سے پانی ناللے کے لئے ۳ اُ فت سے ۱۰ فت کے پمپ بیڑی کی جگھۃ استعمال ھوتے ھیں، ادر ۷ ہا سے ۱+ فت اور ۱۱ ہاور ۱۵ ہا فت کے چین یمپ ایسے چشسے اور جھیل وغورہ پر استعمال کئے جاتے ھیں جہاں زیادہ کہوائی سے پانی اُتھانا ہو۔ جہاں عام طور سے دو تھن بیزیاں لگائی جاتی ہیں ، وہاں چین پمپ اور بھی زیادہ کار آمد پایا گیا ہے پندرہ فت کا چین پسپ کم گہرے کنوئیں پر بھی استعمال کیا جا سکتا ھے ۔ یوں تو کنوئیں پر ۲۰ فت کا چین پسپ بھی استعمال ھو سکتا ھے ، لیکن اُس کے چلانے میں محنت بہت زیادہ پوتی ھے ۔ (دیکھو شکل نمبر م) ۔



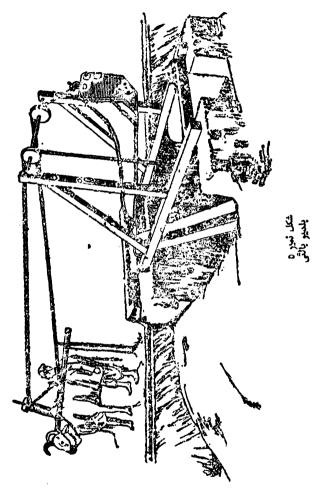
عام طور سے پانچ فت کی گہرائی تک تقریباً سات آتھ ھزار گیلی فی گھنٹہ ، اور چھہ سے دس فت تک کی گہرائی میں سے چار پانچ ھزار گیلی فی گھنٹہ پانی نکلتا ہے ۔

(۳) دو پہیوں والا چین پسپ ۔ یه پسپ مستقل طور پر ایک جگهة لکا دیا جاتا هے ، اور زیادہ گهرائی

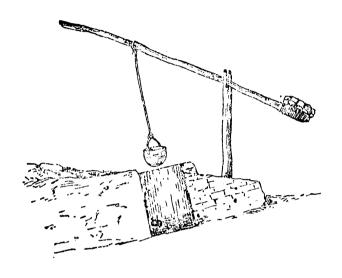
کی جگہوں میں بہت اچھا کام کرتا ہے ۔ لیکن قیست کے علاہ اس میر معمولی چین پسپ سے زیادہ خرچ ہوتا ہے ، کیونکہ اُسے ایک پختہ چبرترے پر لگانا پرتا ہے ۔ پانچ فت سے پانی اُٹھانے کے لئے پانچ انچ قطر کے دو نل لگائے جاتے ہیں ۔ لیکن 10 فت کے لئے ہم أب انچ قطر کا صرف ایک نل لگائے جاتے ہیں چھہ فت کی گہوائی تک تقریباً دس ہزار گیان فی گھنٹہ اور آٹھہ دس فت تک آٹھہ ہزار گیلن فی گھنٹہ پانی دیتا ہے ۔ اس پر دو آدمی ، ایک لڑکا اور ایک جوز بیل کام کرتے ہیں ۔ بہتر یہ ہے کہ درپہر تک ایک جوز کو استعمال کیا جائے اور درپہر کے بعد درسی جوز کو ۔

(۳) بلایو بالتی یه الله می الله الله کرتی هے ، اور فی گهنته تقریباً سات هزار گیلی پانی اُتهاتی هے ۔ تصویر دیکھنے سے اس کا عمل سمنجه میں آئے گا ۔ دونوں لوھے کی بالتیوں میں خود بخود کھل سکنے والے پردے لگائے گئے هیں ، تاکه پانی آسانی سے بھر سکے ۔ بالتیاں چوکھتے میں اس قرینه سے لگائی گئی هیں که جب ایک بالتی سے پانی گرتا هے تو دوسری بالتی میں پانی بھرتا هوتا هے ۔

ایک بیل ایک آدمی اور ایک لوکا سینجائی کے لئے لایا جاتا ہے ; اور چونکہ سینجائی کے وقت بیل اکثر خالی رہتے ہیں ، اس لئے اس کے استعمال میں خرچ بہت کم ہے ۔ اور اگر کجھ ہے تو اسے صرف ایک دفعہ مستقل طور سے لگانا پرتا ہے ۔ حسب ضررت جگہ بذلئے میں دقت ہوتی ہے اور اس کو لگانے کے لئے کسی تدر زیادہ جگہ کی ضرورت ہوتی ہے ۔ لیکن بارجود اس کے وہ بہت کار آمد چیز ہے ۔ [دیکھو شکل نمبر ہ] ۔

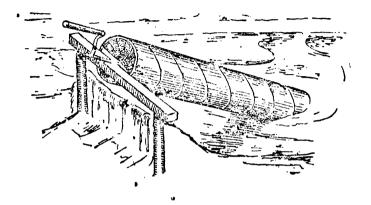


(٥) تھیکلی۔۔یہ دس نت کی گہرائی پر اچھا کام دیتی ہے اور فی گھنتہ دو ھزار گیلن پانی دیتی ہے۔ اسے چلانے کے لئے صرف ایک آدمی کی ضرورت ہوتی ہے ۔ جہاں پانی اور رقبہ کم ہو وہاں اس کا استعمال سب سے زیادہ مناسب ہے ۔ [دیکھو شکل نمبر ۲]



ڏھيکای ش*کل* ثبير ۲

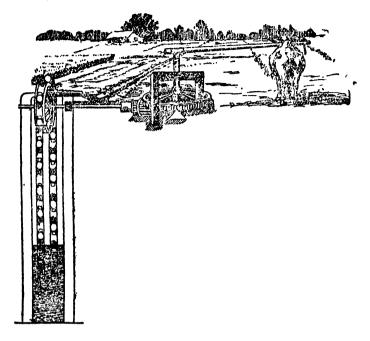
(۱) اسکریو پمپ یہ ایک دوسری چیز ہے جیسے بیتری کی جگھہ استعمال کیا جا سکتا ہے ۔ اس میں لکتری کے ایک لمبے تھول کے اندر لکتری کے پتلے پتلے تکترے اس طرح لکائے گئے ھیں ، جس سے تھول کے اندر ایک بڑا پیچ بن گیا ہے ۔ یہ تھاوان لکایا جاتا ہے ۔ اس کے ایک سرے پر ایک دستہ لکا ھوتا ہے ، جس کے گہمانے سے پانی تھول میں چڑھہ کو سامنے سے گرتا ہے دوسرا سرا پانی کے اندر لکتریوں پر اس طرح لکا رہتا ہے کہ کہمانے سے گرتا ہے دوسرا سرا پانی کے اندر لکتریوں پر اس طرح لکا رہتا ہے کہ کہمانے سے گرتا ہے۔ دیکھو شکل نمبر ۷] ۔



اسکریو پیپ شکك ثبیر ۷

اس کے چلانے کے لئے صرف دو آدمی کافی ہوتے ہیں ؛ اور مزدور عورتیں بھی اچھی طرح چلا سکتی ہیں ۔ یہ پسپ تین فت کی گہرائی سے پانچ چھہ ہزار گیلن پانی فی گھنٹہ اُتہا سکتا ہے ; مگر زیادہ گہرائی پر کام نہیں دے سکتا ۔

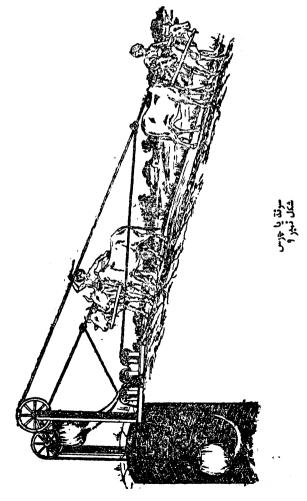
(۷) رهت یا هرت تیس چالیس فت سے دو هزار گیلن پانی فی گهنته نکل سکتا هے ۔ چلانے کے لئے ایک جوڑ بیل اور ایک لڑکے کی فرورت هوتی هے ۔ اسے چهوتے باغوں میں کامیابی سے استعمال کیا جا سکتا هے ۔ [دیکھو شکل نسبر ۸] ۔



رەق شكل دېر ۸

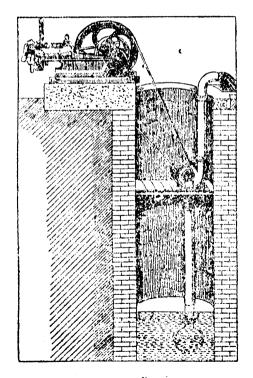
(۸) چرسا۔۔۔اس کو چرس نارموت اور پر بھی کہتے ھیں اور کئی طرح کا ھوتا ھے۔ وہ وضع ، جس میں ایک چرسا لگتا ھے ، معبولاً بیس فت تک کام کرتا ھے ۔ ایک معبولی چرس میں کم و بیش پچیس گیلن پانی آتا ھے۔ چرس بڑا اور چہوتا بھی ھوتا ھے۔ ایک گہنتے میں تقریباً پچاس چرسا پانی نکلتا ھے۔ بڑا چرسا ، جس میں بیاوں کی جگھه آدمیوں سے کام لیا جاتا ھے ، گہرا کہلاتا ھے۔ اس میں کم و بیش آتھه آدمی ساتھہ فت سے پانی نکال سکتے ھیں۔ بیلوں سے چلنے والا ایک چرسا ایسا بھی ھوتا ھے جس سے پانی اُلٹنے کے لیے کسی آدمی کی ضرورت نہیں ھوتی ، بلکہ پانی خود بخود نکل آتا ھے۔ اس میں ایک آدمی

کی مودوری کی بھت ہوتی ہے ۔ چرسے کی ایک اور قسم بھی ہے ، جس میں نہ صرف یہ کہ ایک کی جگھہ دو چرسے ایک ساتھہ لگتے ہیں ، بلکہ پانی بھی خود بخود نکل آتا ہے ۔ اس کو سونڈ یا چرس کہتے ہیں اس کے چلانے کے لگے ایک جوز بیل استعمال ہوتا ہے ۔ [دیکھو شکلی نمبر 9]



ھسارے صوبت کے مختلف حصوں میں چرس کے استعمال کی ترکیب میں کچھ کچھ فرق ہے ۔ اس فرق کے لحاظ سے وہ کئی طرح کا ھوتا ہے ، لیکن پانی کی جو مقدار ان سے نکالی جاتی ہے اس میں کچھھ زیادہ فرق نہیں ہوتا ۔

(9) انجن پدپ اگر پانی کافی مقدار میں موجود ہو ، تو سب سے زیادہ کفایت انجن پدپ سے پانی اُتہائے میں ہے ، جس کے لئے عام طور سے تیل سے چالئے والے انجن استعمال ہوتے ہیں - عمدہ قسم کے انجن پدپ دریاؤں اور جھیلوں سے بہ آسانی و بہ کفایت پانی نکال سکتے ہیں - [دیکھو شکل نمبر ۱۰] -



انجن پہپ شکل نہبر ≁ا

اس پسپ کو اگر اچھے کئرؤں یا تھوب ویل پر لکا دیا جائے ۽ تو اس سے روزانہ کافی پانی نکال جا سکتا ھے - عارہ اس کے جس وقت سینچائی نہ ھو رھی ھو ۽ اُس وقت بہی انجن سے کوئی دوسرا مفید کام لیا جا سکتا ھے - جن پختہ کئرؤں میں کم و بیش آتھہ چرسون کا بانی نه ھو ان پر انجن پسپ لکانا فائدہ مند نہیں ھوتا - اگرچتم بعض کئرؤں میں نل لکانے کے بعد پانی بوھہ جاتا ھے ۽ لیکن اس پر بھروسہ نہیں کیا جا سکتا

-سینچائی کرتے وقت یہ خیال رکھنا بہت ضروری ہے کہ پانی کی نالیاں اُچھی اور باترتیب بنی ھوں - یہ سابیقہ سینچائی سے پانی بہت ضایع ھوتا ہے - اور اس کام کے لئے اگر پنځته نالیاں بنائی جا سکیں تو بہت اُچھا ہے جن سے نہ صرف باغ کی خوشنمائی بڑھہ جاتی ہے ، باکہ پانی کا نقصان بھی کم ھوتا ہے ، اور کام بھی اُچھا و زیادہ ھوتا ہے - پانی کا نقصان بھی شاید ھی کوئی جگھہ ایسی ھوگی جہاں باغوں کی سینچائی نہ کرنا پڑتی ھو - ظاھر ہے کہ ھمارے باغوں کے لئے یہ چیز نہایت مذید ھوگی - درخترں اور پھلوں کی بالیدگی کے زمانے میں خصوصاً پانی دینے کا خیال رکھنا چاھئے -

گملوں کی سنچائی زمین کے درختوں اور پردوں سے مختلف هرتی ہے ۔ گملوں کی پودوں کو عموماً هزارے سے پانی دیا جاتا ہے ۔ گملوں کی آبیاری میں ان کے پودوں کی بالیدگی ، سرسبزی ، ان کی طبیعت اور عادت ، اور ان کے قد و قامت کا لحاظ رکھنا چاهئے ، اور جس قدر پانی درکار هو اتنا هی دینا چاهئے ، نه کم نه زیادہ ۔ اس کے ساتهه هی موسسی حالت کا بھی خیال رکھنا چاهئے ۔ اگر موسسی حالت کا لحاظ رکھے بغیر گملوں میں پانی بھرتے رہے ، اور اُن کا نہیں اچھا نه هوا ، تو پودوں بغیر گملوں میں پانی بھرتے رہے ، اور اُن کا نہیں اچھا نه هوا ، تو پودوں

کو نقصان پہنچے گا۔ گرمی کے مہینے میں دوسرے موسسوں سے زیادہ پانی دینا چاھئے - بھائے پتوں کے جوس میں پانی دینا زیادہ منید ھے -البته اس فرض سے پترں پر تهورا سا پانی ڈال دیلے میں کچھ مضائقه نہیں کہ اُن کا گرد و غبار دھل جائے ۔ بلکہ جو گیلے برآمدوں میں یا سرکوں کے کنارے رکھے جاتے ہیں ، ارن کو بھونا ضروری ہوتا ہے۔ بعض لوگ ایچ باغ کے پودوں کو مشک سے پانی دیتے هیں ۔ یہ طریقہ بہت نامناسب هے ، کیونکه مشک سے پانی تیزی سے گرتا هے۔ اور اُس سے درختوں کی جزیں کھل جاتی ھیں ؛ اور اُن کو نه صرف صدمه پهنچتا ھے ، بلکه اکثر درخت اسی میں ضایع هو جاتے هیں - ایسی آبپاشی کے لئے عمدہ قسم کے هزارے استعمال کرنا بچاهئے - جن سلوں کے پودوں کو زیادہ نسی کی ضرورت ہو ، اُن گماوں کو پانی میں رکھنا زیادہ اچھا ہے ۔ اس سے گماوں میں پانی کی افراط نہیں ہوتی ، اور پودے کی ضرورت پوری هوتی رهای هے - اگر نسی کی زیادتی کا اندیشه هو ، تو گیلوں کو اتنی دیر کے لئے پانی سے باہر نکال کر رکھہ دینا چاھئے جب تک کہ پھر پانی دیئے کی ضرورت نه محصوس هو - بافوں کے لئے سنجائی ایک اهم سوأل هے ، جس كے بغير باغباني ميں كاميابي ناممكن هے - باغ لكانے سے پہلے اس کے انتظام کی فکر ہونا چاہئے ۔ ہر باغ میں اُس کی ضروریات کے لئے پانی کا کافی ذخیرہ موجود رهنا چاهئے تاکه کسی خارجی امداد کی حاجت نه رهے - اس خزانے سے پانی سابھتے کے ساتھ نالیس کے فریعے باغ کے هر حصے میں پہنچایا جائے ؛ اور اگر باغ بڑا هو ، تو ایسے چهوتے چهوتے حوض بنا دینے چاهیں جن سے پانی هر جگه بهآسانی بهنجایا جا سکے ۔

کھاد۔۔۔پودے کی زندگی قائم رکھنے کے لئے یہ نہایت فررری ھے
 کہ زمین میں اس کی غذا کا سامان موجود رھے - پودے کو غذا کے لئے
 ذیل کی چیزیں درکار ھیں :۔۔۔

(١) آكسيجن ۽ هائڌروجن ۽ نائٽروجن ۽ كلورين ۽

(ب) کاربن ، پوتاسیم ، سودیم ، مکنیشیم ، بیتریم ، ملکانیز ، فاسفورس ، سلیکن ، لوها ، گفدهک ، اور چونا -

اس فذا کا کنچھ حصه برالاراست هوا سے ، کنچھ بارش کے پانی سے اور کنچھ زمین کے معدنی اجزاء سے حاصل هوتا هے۔لیکن کنچھ حصه هر سال پانی کے ساتھ به کر اور فصلوں کے کام آکر زمین سے ضائع هو جاتا هے ۔ گر رکھنے کی غذا کا یا خرچ اُس کی تیاری سے کم هوتا هے ، تو زرخیزی کو قائم رکھنے کے لئے زمین میں کنچھ چیزیں باهر سے ملانی پوتی هیں ان هی چیزوں کو کھاد کہتے هیں ۔ نائڈروجن ، پوتاس ، فاسفورک ایست ، اور چونا زمین میں عموماً کم پایا جاتا هے ۔ اس کسی کو کھاد کے ذریعے پورا کیا جاتا هے ۔ کھاد کے استعمال سے نه صرف یه که پودے کی غذا کے کیسیاری اجزاء زمین کو مل جاتے هیں ؛ بلکه اُس کی طبیعی بنارت کی بھی اصلاح هو جاتی هے ، جو پودے کی نشو و نما کے لئے آتنی هی ضروری می عبدی غذا کی موجودگی ۔ مختلف اصول کے لتحاظ سے کھاد که تقسیم هے جتلی غذا کی موجودگی ۔ مختلف اصول کے لتحاظ سے کھاد که تقسیم کئی طرح پر هو سکتی هے ؛ مثلاً :۔۔۔

(۱) کیسیاری اجزاد کے لحاظ سے کہاد عضوی اور غیر عضری ہو سکتی ہے۔

(ب) غذا کے ان ضروری اجزاء کے لتحاظ سے جو اُن میں زیادہ پائے جاتے ھیں ، ان کو ناٹقروجن ، پوٹاش ، فاسنورس ، یا چونے والی کھاد کہتے ھیں م

(ج) تیاری کے طریقہ کے لحظا سے کہاد کو قدرتی اور مصلوعی کہاد کہتے ھیں -

(د) طبعی حالت کے لحاظ سے منجمد یا رقیق کہتے ھیں -

عضری کهادیں۔۔زیادہ تر ایسی اشیاء سے بنتی هیں جو حیوانات یا نباتات سے حاصل هوتی هیں - أن میں كچه غیر عضري اجزاء بهی موجود هوتے هیں - کهاد کا عضری حصة سب سے زیادہ اهم هوتا ہے ، کیونکم اس میں پودے کی غذا کا سب سے زیادہ ضرورخہ حصہ یعنی نائدروجن پایا جاتا ھے ، اگرچہ اس کی مقدار بہت زیادہ نہیں هوتی - علاوہ اس کے ، عضوی حصة زمین کی طبعی حالت کی اصلاح کے لیے بھی بہت منید هوتا هے تمام غیر معدنی کهادیں سرنے کے بعد کار آمد هوتی هیں ، اور اُسی زمانے میں جراثیم کی مدد سے ان میں ناتگروجن تیار ہوتا ہے ، جس کا حال پہلے بیان کیا جا چکا ھے - فیر عضری کھادوں میں گوہر کی کھاد سب سے زیادہ عام ہے - لیکن اس کے جمع اور تیار کرنے کے طریقے میں اصلاح کی بہت کچھ گنجائش ہے ۔ گوبر کی کھاد میں مریشیوں کے گوبر اور پیشاب کے علاوہ بہت سا کوڑا کرامت بھی شامل ہوتا ھے ۔ اس کے جمع کرنے کا بہترین طریقہ یہ ھے کہ مویشی خانے کے قریب ایک گوھا گوہر أور پیشاب جمع کرنے کے لئے بنا لیا جائے - یہ گڑھا اگر پکا بنایا جائے تو اور بھی اچھا ھے : کیونکه کنچے گڑھوں میں بانی کے ساتھ کھاد کا بہت سا حصه زمین میں جذب هو جاتا هے ، اور پکے گڑھے میں یه نقص نه هواً - اُدَهِ کے چاروں طرف ایک فت اونچی میندہ بنا دینی جاهئے ر تاکه برسات کے زمانے میں اس میں پانی نه بهر جائے ۔ اس لئے بہتر یه هے که جہاں تک مسکن هو - گذها اونجے مقام پر بنایا جائے - گذهے پر ایک چهپر قال دینا بھی بہت منید هوتا هے - کیونکه ، اگر کهاد کهای

رہے گی ، تو نه صرف برسات میں گھھا پائی سے بھر جائے گا ، بلکه دھوپ کے اثر سے بھی پودے کی فذا کا ایک ضروری حصه ، یعنی نائقررجن ، امونیا بن کر ضایع هو جائے گا - مریشي خانے سے ایک نالي گوهے تک اس طرح بنانی چاھئے کہ اِسکا کل پیشاب گڑھے میں پہنچ جائے -، لیکن اگْر گڑھا مریشی خانہ سے دور رکھنا پڑے اور نالی بنانا ممکن نہ ھو ، تو یہ کھا جا سکتا ھے کہ نالی قریب ھی کسی پکے گڑھے یا حوض میں گرائی جائے ، جہاں سب کچھ بہرا رکھا جا سکے اور وقتاً فوقتاً کسی برتن میں بھر کر گڑھے میں ڈال دیا جائے - پھاس جانوروں کے لئے ۲×۱۸×۲۳ فت کے چار گڑھوں کی ضرورت ھوگی - ایک بیل ایک دن میں کم و بیش سولہ سیر گوہر کرتا ھے ، اور ھر گھھے میں ۲۵۹۲ مکعب فت گوبر سماتا ہے ۔ چونکہ ایک معکب فت تازہ گوبر کا وزن ۲۳ سیر هوتا ھے ، اس لئے هر گڑھے میں ١٥٥٥ من گوبر سما سكتا ھے - اگر گڑھے كو هر روز بهرتے رهیں ، تو ایک گڑھا ۷۸ یوم میں پورا بهر سکتا ھے -ليكن أس ميں مويشي خانے كا كورًا كركت وغيرة بهي جمع كيا جاتا ھے -اس لئے اُدھا تقریباً دو ماہ میں بھر جائے گا۔ تیسرے گوھے کے بھرنے تک پہلے گرھے کی کھاد تھار ھو جائے گی ; اور جب چوتھا گرھا بھرا جا رھا هوگا تو پهلا گوها خالی هو سکے گا۔ گوهے کو بهرنے میں یه خیال رکھنا چاھئے کہ کھاد ھر طرف برابر اور ھسوار بھری جائے ، اور جب گڑھا بھر جائے ۔ تو اُس پر پتیوں اور کورے کرامت یا متی کی ایک ته دے کر أسے دھک دینا چاھئے ، تاکہ اس مین سے امونیا ضایع نہ ھوسکے - جب پہلا گرها بهر جائے ، تو اس کا چهپر اتها کر دوسرے گڑھے پر ڈال دینا چاھئے ۔ گرمی کے زمانے میں ، اور خاص کر جب گڑھا بند نہ ھو ، کھاد کی حرارت کم کرنے اور زیادہ سواھند کو روکئے اور امونیا کو ضائع ھونے سے

بچانے کے لئے کبھی کبھی تھوڑا سا پانی چھڑکتے رھنا چاھئے - اگر مویشی خانے کا فرش پکا ھو ، تو پیشاب اور پانی وغیرہ نالی کے ذریعے گڑھے میں پہنچایا جا سکتا ھے - لیکن اگر فرش کچا ھو ، تو اس پر پتی ، بالو یا سوکھی متی کی ته بچھا دینا چاھئے - ایسا کرنے سے مویشیوں کو بھی آرام ملے تا ، اور ان کا پیشاب بھی ضائع نہ ھرنے پائے تا - کچھ دن بعد اس ته کو بھی اتھا کر کھاد کے گڑھے میں پہنچا دینا چاھئے - گڑھے میں کبھی کبھی چونا یا جیسم ڈالنا منید ھوتا ھے ، کیونکہ اس کی رجہ سے کھاد جلدی خراب نہیں ھوتی ، اور امونیا ضایع نہیں ھوتا - جو کھاد کھاد جلدی خراب نہیں ھوتی ، اور امونیا ضایع نہیں ھوتا - جو کھاد کینے ھوئے ڈھیروں میں جمع کی جاتی ھے ، وہ گڑھرں کی کھاد کی نسبت کسزور اور خراب ھوتی °ھے - کھاد کی طاقت جمع کرنے کے طریقے اور خانوروں کی عمر اور ان کی غذا کی قسم پر بہت زیادہ منحصر ھوتی جانوروں کی عمر اور ان کی غذا کی قسم پر بہت زیادہ منحصر ھوتی ھے - اگر کھاد کو اچھی طرح جمع کیا جائے ، تو اس کے ایک تن میں نو دس پونڈ نائٹروجن ، چار سے دس پونڈ تک فاسٹورس ایسڈ اور پانچ سے تیرہ پونڈ تک فاسٹورس ایسڈ اور پانچ سے تیرہ پونڈ تک فاسٹورس ایسڈ اور پانچ سے تیرہ پونڈ تک پونڈ تک پونڈ تک پونڈ تک فاسٹورس ایسڈ اور پانچ سے تیرہ پونڈ تک پونڈ تو اس تو بونڈ تی پونڈ تی تو اس تو بونڈ تو پونڈ تو پونڈ تو بونڈ تو بو

قربر کی کھاد میں پودے کی غذا کے قریب قریب تمام اجزاء پائے جاتے ھیں ۔ اس میں یہ خوبی ھے کہ یہ ھر طرح کی فصل میں دی جا سکتی ھے ۔ اس کے استعمال سے نہ صرف زمین کی طبعی حالت درست ھوتی ھے ، بلکہ اُس میں کار آمد غذا بھی بڑھہ جاتی ھے ۔ کھاد کا عضوی حصہ زمین کی گرمی اور اس میں نائتروجن تیار کرنے والے جراثیم کے کام کو زیادہ کر دیتا ھے ; اور یہ امر زمین کی کیمیاری حالت کو بہتر بنانے کے لئے ضروری ھے ۔ عضوی اشیا متیار زمینوں کو بھر بھری کرکے اس میں ھوا کا گذر آسان کر دیتی ھیں ، اور اُسے کام کے قابل بنا دیتی ھیں ، اور اُسے کام کے قابل بنا دیتی ھیں ، اور اُسے کام کے قابل بنا دیتی ھیں ۔ لیکن بالوھی زمینوں کو وھی چیز نسبتاً سخت

کو دیتی ہے اُس میں پانی روکنے کی طاقت برھہ جاتی ہے اور کار آمد غذا زیادہ ہو جاتی ہے ۔ گوبر کی کھاد کا اثر زمیں میں چار پانچ برس تک رھتا ہے ۔ یہ کھاد نہ صرف یہ کہ سب سے ارزاں ہے ، بلکہ اس کو ہر کلشتکار آسانی سے پا بھی سکتا ہے ۔ لیکن یہ کھاد اُس وقت زمین میں دینی چاھئے جب اُچھی طرح سر گئی ہو کچی کھاد دینے سے دیمک پیدا ہونے کا اندیشہ رھتا ہے ، اور وہ صرف زمین کی طبعی حالت کی اصلح کرنے کے لئے مفید ہوتی ہے ۔ استعمال کے وقت یہ خیال رکھنا چاھئے کہ کھاد متی میں اُچھی طرح مل جائے ؛ اور کھاد ڈالنے کے بعد جس قدر جلد ممکن ہو ملا دینا چاھئے ۔ اگر اُس کے دھیر عرصے تک کھلے پڑے رہیں گے ، تو کھاد جب تک کھلی پڑی رہے گی ۔ دھوپ ، ہوا اور بارش کی وجہ سے کمزور ہوتی رہے گی اور اُس کا امونیا ضایع ہوتا رہے گا ۔ ایسی صورت میں نائٹروجن کم ہو جاتا ہے ؛ اور اُس کی زمین کا امونیا ضایع ہوتا رہے گا ۔ ایسی صورت میں نائٹروجن کم ہو جاتا ہے ؛ اور یا ھی پودے کی غذا کا وہ سب سے ضروری حصہ ہے ، جس کی زمین میں اکثر کسی رہتی ہے ۔

(1) ظاهر ہے کہ یہ سب باتیں ایسے ہی لوگرں کے لئے کار آمد ہوں گی ، جن کے یہاں کہاد جمع کی جا سکے - جن لوگوں کے یہاں مریشی نہیں ، ان کو لامتحالہ میونسپلتی رفیرہ کے ذخیررں سے کام لینا پرے گا - جہاں سے گوبر خریدکر بطور خود کہاد طیار کرنا بہتر ہے ۔ (ب) مینگنی کی کہاد جہاں بھیر بکریاں مستقل طور سے رہتی ہوں ، وہاں ا کی مینگنی کی کہاد اُسی طرح جمع کرنا چاھئے جیسے گوبر کی کہاد - ترکاریوں کے لئے اُن کے گلے براہ راست ان کھیتوں میں گہائے جا سکتے ہیں جن میں کہاد دینا منظور ہو - یہ طریقہ اُس بھائے جا سکتے ہیں جن میں کہاد دینا منظور ہو - یہ طریقہ اُس بھی کہ اُس میں کہاد کہیت کے ہر حصے میں

برابر برابر پہلچ جاتی ہے - اس طریقے سے ایک ایک ورمین کو دس دس میں کھاد دینے کے لئے دو سو بھی بربرس کی ضرورت ہوتی ہے - کھاد دینے کے بعد زمین کو جوت دینا اچھا ہوتا ہے - چونگه اس کھاد میں پود کی غذا کے اجزاء گوبر کی کھاد سے زیادہ ہرتے ہیں ، اور یہ جلدی سر کر تیار ہو جاتی ہے ، اسلئے یہ زیادہ تیدتی چیز ہے اور چونکه یہ کسی جگهه زیادہ مقدار میں نہیں مل سکتی ، اس لئے صرف ایسی جگهه زیادہ مقدار میں نہیں مل سکتی ، اس لئے صرف ایسی جگهوں میں جہاں آبہاشی ممکن ہو ، یا صرف بیش قیمت فصلس اور پھل دار درختوں میں دی جاتی ہے - اگر مینگلی خشک ہو تو زمین میں تالئے سے پہلے اُس کو تو دینا چاہئے ، تاکہ وہ ہر جگهه برابر مقدار میں یہونچ کر زمیں میں آسانی سے سر سکے - پھل دار درختوں میں میں پہونچ کر زمیں میں آسانی سے سر سکے - پھل دار درختوں میں میں کہاد جروں کے قریب اِس طرح کھود کر گار دینی چاہئے مینگلی کی کہاد جروں کے قریب اِس طرح کھود کر گار دینی چاہئے کہ آسانی کے ساتھ پودے کے کام آسکے - البتہ یہ خیال رہے کہ بہت گہرا گارنا مفید نہیں ہوتا - یہ کھاد انگور ، آرر ، انجیر اور پودیئے ، وغیرہ کے گارنا مفید نہیں ہوتا - یہ کھاد انگور ، آرر ، انجیر اور پودیئے ، وغیرہ کے گارنا مفید ہوتی ہے ۔

(چ) هری کهاده دینے کے لئے کوئی مناسب پهلی دار فصل اُس جگهه بوئی جاتی هے ، جہاں کهاد دینا منظور هوتا هے ۔ فصل کی بازهه کے زمانے میں اُسے ایک خاص حالت پر جوت کر زمین میں دبا دیا جاتا هے ۔ جب وہ سر کر تیار هو جاتی هے ، تو پودے کی کار آمد غذا زمین میں زیادہ هو جاتی هے کوئی پهلی دار فصل جو تیزی سے اور زیادہ بوهتی هو اور نرم گو دے دارهو - هری کهاد دینے کے لئے موزوں هوتی هے - دال والی پهلی دار فصل منتخب کرنے کی خاص وجه یہ هوتی هے که اِس قسم کی تمام فصلوں کی جورں میی ایک قسم کی چھوتی چھوتی گرهیں هوتی هیں ۔ ان گرهوں میں نائٹروجن جمع کرنے

والم جراثيم رهاني هين ، جو هوا سے خالص نائتروجوں لے كر أسم مرکبات اور نسک کی شکل میں تبدیل کر دیتے ھیں ، جس سے زمین کی زرخیزی کو اور زیادہ فائدہ پہنچتا ہے۔ سری کہاد کو پہول آنے سے فرا بہلے هی دبا دیدا چاهئے ، کیونکه اُس زمانے میں پردا نه صرف پوری طرح بوقع چکتا ہے ، بلکہ پودے کی غذا کے اجزاء اُس میں اُس وقت زیادہ ہوتے ھیں اور فصل نوم و ملائم ھونے کے سبب سے زمین میں آسانی سے سر جاتی ہے - آیرہ دو مہینہ پہلے ہری کہاد کو کہیت میں جوت دینا چاھئے اور اگر کھاد جوتنے کے بعد بارش نہ ھو تو کھیت میں اچھی طرح پانی بھر دینا چاھئے تاکہ پودے کے عضوی اجزاء خوب سر جائیں - کھاد جوتنے کے بعد دو مہینے کے اندر اس سے فصل لینا چاهئے ، زیادہ وقنه اچها نہیں هوتا اس کا سبب غالباً یه هے که جب زمانه زیاده هو جاتا هے تو کهاد بهت زیاده سو جاتی هے و اور کار آمد غذا كا كبچه حصه ضائع هو جاتاً هي - مذكورة بالا أمور. كي لحاظ سے سنتي کی فصل هری کهاد کے لئے اچھی سمجھی جاتی ہے - اس میں یہ ایک اور خوبی هے که آس پر لائت اتنی کم آتی هے ، اور آس کی کاشت کا طریقه ایسا آسان هے که اُسے هر شخص هر جگه بو سکتا هے -

هری کهاد دینے سے زمین میں غیر معدنی اشیاء بہت بوهه جاتی هیں - سنٹی کی فصل میں اس کا وزن تین سو من فی ایکو کے تریب هوتا هے - اس کهاد سے زمین میں پودے کی کار آمد غذا زیادہ هو جاتی هے ، اور خاص کر نائڈروجن بہت پیدا هوتی هے ، اور زمین قابل کاشت هو جاتی هے - علاوہ اس کے زمین میں پانی روکنے کی طاقت بھی بوهه جاتی هے - چونکه سنٹی برسات میں بوئی جاتی هے، اس لئے ایک یہبھی فائدہ هوتا هے که اُس زمانے میں گهاسیں نہیں بوشنے پاتیں - لیکن اگر سنئی

میں کوئی ایسی گهاس پیدا هو جائے ، جو پودوں پر چڑھتی اور پهیلتی ھو ، تو اُس کو ضرور دور کر دینا چاھئے ، ورنہ جنائی کے وقت بہت دقت پیش آتی ہے ۔ ان قسم کی گھاسوں میں کھتلا ایک مشہور گھاس ہے ، جس كا بيم اكثر سندًى مين بهت ملاهوتا هي - بهتر يه هي كه بوني سے پہلے ھی جیم کو صاف کر لیا جائے - جتائی کا طریقہ یہ ھے کہ پہلے کھوی فصل پر بیلن یا پاتا چلاکر اِس کو زمین کے برابر کر دیا جائے - بیلن چونکہ پاتے سے زیادہ وزنی هوتا ہے اس لئے زیادہ منید بھی ھے ، کیونکہ اُس سے فصل اچھی طرح دب جاتی ھے - پاتا یا بیلن کے بعد کسی گہرے متّی پلتنے والے هل سے اس طرح جوتائی شروع کرنا چاهئے که هل اُسی طرف کو چلے جس طرف فصل گری ہے ، تاکہ فصل متی میں اچھی طرح دب جائے ۔ اگر ہل اُس کے خلاف چلے گا ، تو گری ہوئی فصل بجائے متی میں اچھی طرح دہنے کے بھرتی جائے گی ، اور اِس لئے زمین میں اچھی طرح نه سرے گی ، باکه اوپر پڑی رہ جانے کی وجه سے سوکھه کر خراب هو جائے کی - هری کهاد جوتنے کا بہتر طریقه یه هے که جب فصل جوتنے کے قابل ہو جائے ، تو اُس کو کات کر کھیت میں جمع کر دینا چاھیئے اور پھر ھل سے کونو بنا کر پودوں کو کونو میں اِس طرح لمہا لبمہا للنا دیدا چاھئے ، که جب اس کونو کی بغل میں نیا کونو بنے تو اُس کی متلی سے یہ پودے کونو میں دب جائیں ۔ اسی طرح سلٹی کو ہر کونو ميں اور كل كهيت ميں دبانا چاهيئے - اس طريقے ميں اگرچه مصنت اور خرج کسی قدر زیادہ ہے ، لیکن کھاد بہت اچھی طرح دب جاتی ہے ، اور اس سے پورا پورا فائدہ اُتھاپیا ہوا سکتا ہے - کھاد کے لیئے سنتی پارھی شروع هوتے هی اور اگر مسکن هو تو سینچائی کر کے قبل دارهی ہو دیپنا چاھئے جو وسط اگست میں جوتنے کے قابل ھو جائے گئی۔

(د) پاخانے کی کھاد-تازہ پاخانے کی کھاد بالو ھی زمینوں میں دی جاسكتى هے - ليكن أكر متيار زمين ميں يه كهاد زيادة دى جائے تو بجائے نفع کے نقصان هوتا هے - چونکه بالو هي زمينوں ميں يه آساني سے سو جاتا هي أس لئي مفيد هوتا هي - ياخانه عموماً زمين مين ناليان يا گوه بذاكر دفن کردیا جاتا ہے ، اور وہ زمین کچھہ عرصے کے لئے خالی چھور دی جاتی ھے - اِس طرح سے کھاد دینے کا آثر تین چار برس تک رھتا ھے - عام طور پر یہ کرتے ھیں کہ کھیت میں دینے سے پہلے پاخانے کو متی اور راکھہ میں ملا كر سوا ليتے هيں - اس كے تيار كرنے كا طريقة ية هے كة تقريباً ايك نت گہوے گوھے یا نالیاں بناکر اُس میں تین انچ موثی ته راکهه کی بحها دیتے هیں - پهر اُس پر پاخانے کی چهه انبے موتی ته جمع کر کے راکھہ اور متی سے ڈھک کر سڑنے کے لئے چھوڑ دیتے ھیں - دو تین ھفتے کے بعد اسے اچھی طرح الت بلت کر ملا دیتے ھیں - اس کے بعد کھاد گڑھے سے نکال کر ڈھیر کر دی جاتی ہے - یہ کہاد دو مہینے میں قابل استعمال هو جاتی هے - کبھی ایسا بھی کرتے هیں که راکهه کی جگهه کورے کرکت کم ته دینتے هیں - بہتر یه هے که گوھ آبادی سے دور هوں ، کیونکه ان کی وجه سے هوا خراب هو جاتی هے -

پاخانے کی کہاد گوہر کی کہاد سے جلد تیار ہوتی ہے ، کیونکہ فڈا کے اجزاء اس میں جلد کار آمد شکل میں آجاتے ہیں ۔ یہ کہاد ایسی چیروں کو دینا چاہئے جن کی آبپاشی ہو سکتی ہو ۔ میتھ پہلوں اور ترکاریوں کے لئے خصوصاً منید ہوتی ہے جو کہاد کورا کرکت ملاکر طیار کیجاتی ہے وہ اُس کہاد سے اچہی ہوتی ہے جس میں متی ملائی گئی ہو۔

﴿ ﴿ ﴾ ﴾ سيويج ايک رتيق کهاد هے جو پاخانے پر جراثيم اور پاني كے عمل سے تيار كى جاتى هے - شہروں كى ناليوں ميں جو گندا پانى

بهتا هے اسے بھی سیویب کہتے هیں - جہاں پانی سے صاف همنے والے پاخانے بنائے جاتے ھیں وہاں پانی ملا ھوا پاخانہ متعدد حوضوں سے چھانئے کے بعد ایک حوض میں جمع کیا جاتا ھے۔ جو منجمد اشھا چھن کر جمعے هوتی هیں ، أن سے پاخانے كى كهاد تيار كى جاتى هے اور رقیق حصے کو حرضوں کے ایک سلسلے میں دوراتے ھیں و جہاں وہ جراثیم کی مدد سے صاف کیا جاتا ہے ۔ اس طرح جو پانی آخری حوض میں پہنچتا ہے وہ کھیت میں کھاد کے طور پر استعمال ہوتا ہے۔ کبھی کبھی اُسے ایسے حوضرں میں سے بھی بہایا جاتا ہے جس میں اینت کے تکرے بھرے ھوتے ھیں - اس طرح کھاد تیار کرنے کے لئے زیادہ پانی کی ضرورت هوتی ها - یه کهاد بعض پهولوں اور ترکاریوں کے لئے بہت منید هوتی هے ، بالیدگی کے وقت رقیق کهاد زیادہ موثر هوتی ھے ، کہاد کے واسطے سیویم کے پانی سے سینچائی کی جاتی ھے ۔ لیکن اس یالی سے بار بار سینچائی نه کرنا چاهئے - سیریم کی هر دو تین سینچائیوں کے بعد ایک سینچائی خالص پانی سے کرنا نہایت ضروری ھے۔ بوائی کے فورا بعد ، یا جب پودے بہت کم عمر هوں ، سیویم سے سینچائے نہ کرنا چاھئے -

(و) کہلی۔۔۔کہلی دو قسم کی ہوتی ہے: ایک وہ جو کہائی جاسکتی ہے ، اور ایک وہ جو کہلے کے کام کی نہیں ہوتی ۔ جو کہلی کہانے کے کام آ سکتی ہے وہ مویشیوں کو کہلاکر اُن کے گوہر سے کہاد بنانا چاھئے دوسري قسم کی کہلی کو کہاد کے طور پر استعمال کرنا چاھئے۔ مثلًا سرسوں کی کہلی مویشیوں کے کہانے کے کام آ سکتی ہے ، اور نیم کی کہلی کہائی نہیں جا سکتی ۔ اُس لئے سرسوں کی کہلی کو کہلا کر اُس کے گہائی نہیں جا سکتی ۔ اُس لئے سرسوں کی کہلی کو کہلا کر اُس کے گوہر سے کہاد بنانے میں دوھرا نفع ہے۔ نیم ، یا ایسی سرسوں کی کہلی

جو خراب هو جائے اور کھلانے کے قابل نه ره جائے ، کھاد کے لئے استعمال کی جا سکتی هے -

کھلی صرف ایسی قیمتی چیزوں کو دینا چاھئے ، جن میں سینجائے کی جا سکتی ہے - کھیت میں دینے سے پہلے کھلی کو خوب باریک چور چور کر لینا چاھئے - یہ زیادہ تر بیم بونے کے موقع پر اور گوراٹی یا متی چوھانے کے وقت دی جاتی ھے - اس کی کل مقدار کو ایک هی وقت میں کھیت میں نه ذالنا چاهئے - آلو اور گذے میں کسی قدر ہوائی کے زمانے میں اور کنچھہ کھلی متی چوھانے کے وقت دینا بہتر ہے - کہلی میں پودے کی غذا کے اجزا بہت زیادہ ہوتے ہیں -اس لئے اُسے کفایت اور احتیاط کے ساتھہ استعمال کونا چاھئے وہ عموماً پندرہ بیس دن میں سر کر پودے کی غذا کے قابل ھو جاتی ھے - کھلی دینے کے بعد مناسب وقت سے سینتھائی کرنا بہت ضروری ھے - اگر زمیں میں پانی کی کمی هوگی تو کہلی کی گرمی سے نقصان پہنچے کا -کھلی کے استعمال سے زمین میںعضوی اشیا بھی بوھہ جاتی ھیں، اور اُس کی طبعی بناوت کی بھی اصلاح ہوتی ہے - علاوہ اس کے بعض کھلیاں ، جهسے رینڈی اور نیم کی ، ایسی هوتی هیں جو کیروں کو دفع کرتی اور دیمک رفیرہ کے نقصان سے بچاتی هیں - جن چیزوں میں کہلی دی جاتی ہے ، اُن کا رنگ دوسری فصلوں سے بہت زیادہ هوا هوتا ہے ۔ یہ خاصیت ریندی کی کہلی میں بہت هوتی هے - ریندی ، نیم ، مہوا ، کرنیم ، اور اسی قسم کی کھلیاں زیادہ تر کھاد کے کام آتی ھیں - کھلی دینے کا بہتر طریقہ یہ ھے کہ اُسے چورا کرکے تھوڑی سی گوہر کی کھاد میں ملا لیا جائے ، اور دو تین مرتبه کرکے دیا جائے - ایسا کرنے سے پودے کی غذا کے اجزا کا نقصان نہیں هوتا ، اور کهاد کا زیادہ حصہ پودے

کے کام آجاتا ھے۔ کھلی کو بہت کہرا نہ کارنا چاھئے ، کیونکہ اس حالت میں ھوا کی کسی پر جاتی ھے جو کھاد کے جلد سرنے اور کار آمد ھونے کے لئے ضروری ھے۔کھلی زیادہ تر ایسی زمینوں میں دینا چاھئے ، جن میں نائتروجن کی کسی ھو۔

(ز) پتیون کی گھاد۔۔باخ کے پتوں ، کوڑا کرکت اور اُن گہاسوں کو جو نکائی کے وقت نکائی جاتی ھیں ، پھینکلا نہیں چاھئے بلکہ اُن سب کو گوہر کی کھاد کی طرح گوھوں میں سڑانا چاھئے ۔ اگر ممکن ھو تو اُن میں مویشیوں کا پیشاب بھی ڈالا جائے ، ورنہ گرمی کے زمانے میں دو تین مرتبہ پانی ڈلوا کر اُسے تر کر دینا چاھئے ایسا کرنے سے پتے وفیرہ بہت جلد سڑ جاتے ھیں ، اور اُن سے جو کھاد تیار ھوتی ھے وہ بھی بہت اچھی ھوتی ھے ۔ اُسلوں کے لئے یہ کھاد بہت منید ھوتی ھے ۔ اگرچہ یہ عیب ضروری ھوتا ھے کہ اس میں ایسے کیڑے مکوڑے پیدا ھو جاتے ھیں ، جو پودے کو نقصان پہونچا سکتے ھیں ۔ اس لئے پیدا ھو جاتے ھیں ، جو پودے کو نقصان پہونچا سکتے ھیں ۔ اس لئے کھاد دینے سے پہلے اُن کو چھان کر دور کرنا اور صرف باریک چور استعمال کرنا چاھئے ۔ چھانئے کے بعد جو موتا چور رہ جائے ، وہ پھر سڑنے کے کرنا چاھئے ۔ پھانئے کے بعد جو موتا چور رہ جائے ، وہ پھر سڑنے کے کونا چور میں چھرڑا جا سکتا ھے ۔ یہ کھاد فرن ، پام اور اسی قسم کے دوسرے درختوں کے لئے خصوصاً منید ھوتی ھے ۔

(ح) بچالی۔۔۔اصطبل کا کورا کرکت ، یعنی گھوروں کی لید اور بچالی وفیرہ سے بھی عددہ گھاد تیار کی جاسکتی ہے ۔ لیکن وہ جب تک خوب سری ہوئی نہ ہو اُسے استعمال نہ کرنا چاہئے ۔

ط) اوں ، مجھلی ، اور خوں۔۔۔یہ تینوں چیزیں بھی اچھی کھاد کا کام دیتی ھیں ۔ اوں کی کہاد گفے کے لئے ، اور مجھلی اور خوں کی کہاد انگور کے لئے خصوصاً مفید پائی گئی ھے ۔

(م) چوہوں کی بیت اور گوانو' - کبوتر' مرغی' اور اس قسم کے دوسرے پاتو پرندوں کی بیت کو بھی کھاد کی طرح استعمال کیا جاسکتا ھے - گوانو بھی دریائی پرندوں کی بیت ھے' اور زیادہ تر بحرالکاھل کے خشک جزیروں سے منکائی جاتی ھے' جھاں یہ پرندے کثرت سے پائے جاتے ھیں گوانو ایک بیش قیمت کھاد ھے' اور ایسی طاقتور ھوتی ھے کہ اگر زیادہ دے دسی جائے تو اُس سے پودے کو نقصان پہونچنے کا اندیشہ ھوتا ھے ۔ اس لئے اُس کے استعمال میں احتیاط کرنا الزمی ھے - گماوں کے لئے ایک پونڈ گوانو میں بیس پونڈ پائی ملاکر رقبق کھاد بنائی جاسکتی ھے۔

مصلوی کهادوں میں پودے کی غذا کے صرف بعض خاص اجزا هی موجود هوتے هیں ' اور ان کے استعمال سے صرف اُسی وقت کافی نفع هوسکتا هے جب که زمین اور پودے کی ضروریات کا صحیح اندازہ شو سوا خاص حالتوں کے ' اس صوبے میں مصنوعی کهادوں کے تجربه سے کچہ بہت زیادہ فائدہ ابھی تک نہیں معلوم هوا مصنوعی کهادوں میں فیل کی چیزیں شامل هیں ۔

(۱) شورة — یه بعض مقامات میں (مثلاً پرانی عمارتوں کے کھندروں میں یا ان کے آس پاس اکثر پایا جاتا ہے ۔ یه پانی میں بہت جلد حل هو جاتا ہے ۔ عام طور پر بازار میں جو شورہ بکتا ہے اُس میں نوے فیصدی پوتاشیم نائٹریت هوتا ہے ، اور باقی دوسری چیزیں هوتی هیں - پوتا شیم نائٹریت یا قلمی شورہ کھاد کے لئے اس سبب سے مفید هوتا ہے که اس میں پوتاش اور نائٹروجن کارآمد حالت میں هوتے هیں ، اور یه دونوں چیزیں پودیے کی غذا کے لئے نہایت ضروری هیں شورے کو بہت احتیاط سے استعمال کونا چاهئے ، کھونکه یه بارش اور زمین کی نمی دونوں میں حل هوکر بہت جلد ضائع هوجاتا ہے - هر جگه برابر برابر دونوں پہونچانے کی فرض سے شورے میں کم و بیش دوگنی خشک متی ملا

وینی چاهئے - یہ کھاد پودرں کو صرف اُسی وقت دینی چاهئے جب پودے کسی قدر برے اور کم از کم نو انبی اونچے هوچکے هوں - آلو مرچ ' اور بیگن جیسی چیزوں کے لئے یہ بہت عمدہ اور قیمتی کھاد ہے ' کیونکہ ان کو پوٹاش اور ، نائٹروجن کی زیادہ ضرورت هوتی ہے - جس متی میں شورہ زیادہ هو وہ بھی بغض ترکاریوں کے لئے کھاد کا کام دیتی ہے - ایسی متی کو عام لوگ '' لونا متی '' کہتے هیں -

(۱) سوتیم نانتریت _ یه ایک نائتروجن والے نمک کی کهاد هے یه نمک پتے دار پودوں (خاص کر کرم کلا) اور اسی قسم کی ترکاریوں کے
لئے بہت مفید پایا گیا هے - شورے کی طرح یه نمک بهی پانی میں بہت

عل هو جاتا هے اس لئے بہتر هے که جب کهیت میں ضرورت معلوم هو
تب هی اس نمک کی کهاد دی جائے - ضرورت سے بہت پہلے یا سینچائی
اور بوائی سے پہلے نه دینا چاهئے - پوتائیم نائٹریت کی طرح اسے بهی
دوکنی یا تکنی خشک متی میں ملاکر دالنا چاهئے - لیکن یه خیال
دوگنی یا تکنی خشک متی میں عالت کو نقصان پہونچاتی هے اور صرف
اس حالت میں زیادہ مفید هوتی هے - جب کهیت میں اس سے پہلے
اس حالت میں زیادہ مفید هوتی هے - جب کهیت میں اس سے پہلے
کوبر کی کهاد دی جا چکی هو -

(٣) امونیم سلفیت ــ جی زمینوں میں فاسفورس کے مرکبات کافی موجود ہوں اُن کے لئے یہ کھاد اچھی ہوتی ہے۔ گئے کے لئے خاص طور پر مفید ہے '۔ مگر پھلی دار چھزوں میں نہیں دی جاتی ۔ یہ پانی میں حل ہوتی ہے ' لھکی بارش یا نمی کی وجہ سے بہت ضائع نہیں ہوتی کیونکہ چکئی متی اور عضوی اشیا اس کو روک لیتی ہیں۔ کارآمد حالت میں تبدیل ہونے کے لئے اس کو کسی قدر وقفے کی ضرورت ہوتی ہے اس لئے مناسب یہ ہے کہ اس کا انتظار نہ کیا جائے کہ زمین کو کس

استعمال کرنا چاھئے۔ اسکی کھاد دینے کا طریقہ پہلی دو کھادوں کی طرح ھے؛ اور چونکہ یہ پانی کے ساتہ بہت ضائع نہیں ھوتی ' اس لئے یہ برسات میں بھی دی جاسکتی ھے۔ گئے کے لئے اگر امونیم سلفیت کو کھلی اور گوبر کی کھاد میں ملا لیا جائے تو بہت منید ثابت ھوتا ھے۔ ایسی حالت میں گوبر کی کھاد بونے سے پہلے اور امونیم سلفیت اور کہلی وغیرہ کھتی فصل میں دینا چاھئے۔

(۲) جیسم جوں فصلوں کو زیادہ پوتاش کی ضرورت ہوتی ہے ، ان کو یہ کھاد بہت نفع پہنچاتی ہے کیونکہ یہ زمین کی معدنیات سے پوتاش کو علیتحدہ کرکے کارآمد حالت میں تبدیل کردیتی ہے اور اسطرح زمین میں پوتاش زیادہ ہو جاتا ہے سحت متیار زمین کی طبعی حالت درست کرنے اور اس کو قابل کاشت بنانے کے لئے بھی یہ بہت مفید ہے کیونکہ یہ چکئی متی کے باریک باریک دروں کو ایک دوسرے سے ملاکر ہوا کر دیتی ہے ، جس سے زمین بہربہری ہوجاتی ہے جس زمین میں مفید نمک (اور خاص کر سوڈیم کے مرکب) زیادہ ہوں اس کے لئے جیسم مفید ثابت ہوا ہے اسی طرح یہ مویشی خانے اور کھاد کے گوہوں میں جبسم مفید ثابت ہوا ہے اسی طرح یہ مویشی خانے اور کھاد کے گوہوں میں خالاے کے لئے بھی بہت اچھا ہوتا ہے ، کیونکہ اس کے ڈالنے سے امونیا کی حفاظات ہوتی ہے ۔ یہ کھاد پہلی دار اور بیکن جیسی چیزوں کے لئے مفید هوتی ہے ۔ یہ کھاد پہلی دار اور بیکن جیسی چیزوں کے لئے مفید ہوتی ہے ، بشرطیکہ اسے ہر سال یا بہت زیادہ استعمال نہ کیا جا ے ۔ اگر ہوتی ہے ، بشرطیکہ اسے ہر سال یا بہت زیادہ استعمال نہ کیا جا ے ۔ اگر ہوتی ہے ، بشرطیکہ اسے ہر سال یا بہت زیادہ استعمال نہ کیا جا ے ۔ اگر ہوتی ہے ، بشرطیکہ اسے ہر سال یا بہت زیادہ استعمال نہ کیا جا ے ۔ اگر ہوتی ہے ، بشرطیکہ اسے ہر سال یا بہت زیادہ استعمال نہ کیا جا ے ۔ اگر ہوتی ہے ، بشرطیکہ اسے ہر سال یا بہت زیادہ استعمال نہ کیا جا ہے ۔ اگر ہوتی ہے ، بشرطیکہ اسے ہر سال یا بہت زیادہ استعمال نہ کیا جا ہے ۔ اگر ہوتی میں بوتاش کی بہت جلد کسی ہو

(٥) نائتروائم کیلٹیم کاربائڈ سے بنایا جاتا ھے - یہ ایک سیاہ رنگ کا بہاری سفوف ھے ' اسے کھیت میں برابر پھیلانے کے لئے ضروری ھے کہ پہلے اسے اس سے درگنی مقدار کی نمناک متی میں ملا لیا جائے ۔

کایوں اور نازک تہنیوں کے لئے خالص نائٹرولائم مضر هوتا هے اگر اسے مثنی میں ملائے بغیر استعمال کیا جائے ' تو هوا سے به آسانی اُز جانا هے ۔ اس میں ایک اور خوبی یه هے که اس سے زمین کے بہت سے کیوے موجاتے هیں ۔

(۱) راکھہ۔اس میں چونا اور پوتاش زیادہ ہوتا ہے ۔ لکتی کی راکہ میں چونا، اور پتی کی راکہ میں پوتاش زیادہ پایا جاتا ہے ۔ اَلو ، بیگن وغیرہ قسم کی چیزوں کے لئے یہ بہت مفید ہوتی ہے ، جب راکہ کسی عضوی کہاد (مثلاً گوبر کی کہاد) میں ملائی جانی ہے ، تو اس میں بہت جلد نائٹروجن اور اس کے مرکبات تیار ہو جاتے ہیں ، یہ پانی میں بہت حل عمو جاتے ہیں ، اور اس لئے پودے کے خوب کام آتے ہیں - پودرں کو نقصان دہ کیتوں سے بچانے کے لئے بھی راکہ استعمال کی جاتی ہے ۔

(۷) هتی کی کهادیں سعتی سے کئی طرح کی کهادیں تیار کی جاتی هیں ' جیسے هتی کا چورا' هتی کی خاک ' هتی کا کوؤله ' هتی کی واکه ' اور گلائی هوئی هتی ' وغیرة ان میں سے هرایک میں کارآمد غذا کی مقدار جدا جدا هوتی هے - مثلاً هتی کی خاک سے هتی کے چررے کی نسبت کارآمد غذا جلد حاصل هوتی هے ' اور هتی کا کرئیله هتی کی خاک سے اچها هوتا هے - لیکن هتی کے جلانے میں نائٹروجن ضائع هوجانی هے - هتی کو گلانے کا ایک طریقه یه هے که هتیوں کو چور کرکے اُس کے هم وزن بالوی متی ملائی جاتی هے پهر اس سب کو ایک گرفے میں بهر دیا جاتا هے ' جس میں مویشی خانے سے مویشیوں کا پیشاب اور پانی قالتے رهتے هیں - اس عمل سے هتی سر جاتی هے ' اور بعض کیمیاوی تبدیایوں سے ان کا فاسفورک الیست کارآمد حالت میں آجانا هے - سرن

کو تیز کرنے کے لئے هتی کو گڑھے سے ایک دو مہیلے کے وقفہ پر نکال لیا کرتے هیں - گڑھے کے هر حصے میں پیٹاب پہنچانے کے لئے اکثر اس ترتیب سے انس کے نلکے لکائے جاتے هیں که جو کچہه ان میں دالا جائے وہ هتی کی مختلف تہرں تک به آسانی پہونچ جائے - اس طرح کهاد کم و بیش آتهه مہینے میں تیار هوتی هے ' اور اسکا اثر کئی برس تک رهتا هے - هتی کو عموماً گندهک کے تیزاب سے گلایا جاتا هے - اس کا طریقہ یہ هے که پہلے هتی کو چورا کرکے نم کرلیتے هیں اور ایک لکتی کے بکس میں بھردیتے هیں پھر کل مقدار کا أ حصه گندهک کا تیزاب اس پر دال کر اچهی طرح پھر کل مقدار کا أ حصه گندهک کا تیزاب اس پر دال کر اچهی طرح کسی چیز سے چلاتے اور ملاتے هیں - جب کیمیاری عمل ختم هوجاتا هے ' تو هتی کو تهندا هونے کے لئے چھور دیتے هیں - پھر باریک چورا کرکے بوروں میں بھر رکھتے هیں

ذیل کے نقشے سے چند اہم کھادوں کے متعلق یہ پتہ چلے گا کہ کس کھاد میں پودے کی غذا کے کون کون سے خاص اجزاء زیادہ ہوتے ہیں اس نقشے کے مطالعے سے مناسب کھاد کے انتخاب میں بھی مدد ملیکی:

| فیصدی فاسفورک اِیسد | فیصدی پوتاش | فیصدیی نائڈروجن | کهاد کا نام | |
|------------------------|-------------|--------------------|-------------------------|----|
| ٥٣٥ | ٧و | •0 | گوبېر کي کهاد | j |
| ٨٩ | 1.00 | 1.77 | مینگنی | ŗ. |
| 1-1 | ۳۷م | ۱۲۳ | پاخانے کی کھاد | ٣ |
| . 1 | ۳۵ | ۸ ۲۰۰۸ | هري کهاد (سنئي) | ٣ |
| ۳ | ۸۰ | ۳ | كورًا كركت | ٥ |
| 1.0 | 5و† ا | ٥-٢ | نيم ک _ي کهلي | 4 |

| فیصدی فاسفورک ایس ت | فیصدی پرٿاش | فیصدی نئتروج <u>ن</u> | کهاد کا نام | |
|-------------------------------|-------------|--------------------------|-----------------|-----|
| 1-0-1 | • | 4-r | رينڌي کي کھلي | * |
| 1.0 | ٥٧٠٤ | m20 | کرنج ، ، | ٨ |
| J | ٥و | ۲ | مهوا كي.كهلي | 9 |
| 10_1+ | | r-r | پسي هوڻي هڏي | 1+ |
| ۳٩ | | | هذی کی راکهه | 11 |
| 17 | ۸ | ۸و | گلائي هوڙي هڏبي | 11 |
| | | 1r-11 . | خون ٠٠٠ | 11" |
| ٢٣١ | Jap | 124 | ارن | IL |

اِن کهادرں کے علاوہ اور بھی چند نسخے بعض خاص حالتوں و چیزوں کے لئے ایسے راثم ھیں' جن میں کئی ایک کهادیں مناسب وزن سے ملاکراستعمال کی جاتی ھیں' اور انسے قرار واقعی نفع ھوتا ھے۔ مثل قرمنگر نے باغوں میں استعمال کے لئے ذیل کا نسخه لکھا ھے' جو اُن کے تجربے میں منید ثابت ھوا ھے:

- (1) چهدی هوانی راکهه ایک حصه ؛
- (۲) پتون کی بوسیده کهادا دو حصه ؛
 - (٣) بالو' ايك حصة ؛
 - (m) گویر کی کهاد[،] دو حصه ؛
- (٥) سوا هوا كورا كركت دو حصة ؛ اور
 - (١) چونه يا كنكريت، دو حصة -

اس نسخے پر غور کرنے سے معلوم ہوتا ہے کہ اس میں ملی کی طبعی ارر کیماری حالت کی اصلاح کے خیال سے مختلف چیزیں ملائی گئی ہیں

جو فصل اور زمین کے لحاظ سے مناسب هیں - ظاهر هے که اس قسم کے نسطے هر سمجهدار آدمی تهررے سے غور کے بعد بنا سکتا هے -

آب و هوا

بینج کے جملے کے لیئے تین چیزوں کی ضرورت ہوتی ہے: گرمی ' ہوا ' اور نمی - یہی تیں چیزیں کسی مقام کی آب و ہوا ا کے خاص حصے میں - اس سے ظاہر ہے کہ بینج اور پودے کی نشو و نما کو ملک کی آب و ہوا سے کیسا گہرا تعلق ہوتا ہے - اِس تعلق کو سمجھنے کے لئے اُب وہوا کا مطالعہ ضروری ہے - اب ہم اِن میں سے ہر ایک کا کسی قدر تفصیلی حال بیان کرتے ہیں -

(۱) هوا اور اسکی جانیج هوا تمام کرهٔ ارض پر پهیلی هوئی هوتی هی لیکن دکهائی نهیں دیتی - قدرت کا قانون هے که گرمی سے چیزیں برهتی اور سردی سے سکرتی هیں - اسی طرح هوا بهی گرمی سے پهیلتی اور سردی سے سکرتی هیں - اسی طرح هوا بهی گرمی سے پهیلتی اور سردی سے سکرتی هے - هوا کئی گیسوں سے ملکر بنی هے، جن میں سے اهم یه هیں: آئسیجن ، نائڈروجن ، کاربن تی اکسائڈ ، هائڈروجن ، اور امونیا - ان کے علاوہ هوا میں پانی کے بخارات ، جراثیم اور مثنی کے نرے ، وغیرہ بهی موجود هوتے هیں - هوا کے چلنے اور حرکت کرنے کا ابتدائی سبب یه هے که وہ گرمی سے برهتی اور پهیلتی هے - کر می کره ارض پر هر جگہه برابر نهیں هوتی ، بلکه کہیں کم هوتی هے اور کہیں زیادہ - چنانچه خط استوا پر گرمی کی شدت سے جب هوا پهیلتی، برهتی اور هلکی هوکر اُوپر اُنهتی هے ، تو قریب کی سرد هوا اس کی جگهه بهرنے کے لئے آئے برہ آتی هے - اِس طرح هوا میں اِبتدائی حرکت شروع هوتی هے - اِس طرح هوا میں اِبتدائی

سے کم و زیادہ ہوتی رہائی ہے ' جس کا اصلی سبب سورج کی گرمی کی کمی اور بیشی هے - هوا کی رفتار کی اِس کمی بیشی کو هوا کی " روزانه تبدیلیاں '' کہتے ہیں - سورج کے نکلنے کے قریب وقت میں ہوا کی چال ھر وقت سے ویادہ سست ھوتی ھے ' اور دوپہر کے بعد زیادہ سے زیادہ تیزی تک پہنچ جاتی ہے - سورج نکلنے کے ساتھہ ہی ہوا کی چال برہنی شروع هوجاتی هے ' اور تقریباً ۲ بھے تک برابر بوهتی رهتی هے ' یہاں تک که اپنی معمولی اِنتہائی تیزی پر پہنچ جانی هے - اس صوبے میں جو گرم هوا گرمی کے موسم میں دن کو چلتی هے اُسے " لوہ" کہتے هیں - لوہ کی رفتار اور اس کے انداز سے ہوا کی رفتار کے اِس روزانہ فرق کا اچھی طرح اندازہ ہوسکتا ہے - رفتار کے لحاظ سے ہوا کی چار قسمیں کی گئی ھیں یعنی مستقل ' غیر مستقل ' موسمی اور مقامی هوائیں - مقامی هواؤں میں آنده پی کو بھی شمار کرلینا چاهیئے، موسمی اور مقامی هواوں کا باغبانی سے خاص تعلق ہے - موسمی هوا اس هوا کو کہتے هيں' جو کسی خاص موسم ميں چلتی هے' جيسے مانسوں يعنی پانی لانے والی هوا ' جو جازے اور گرمی دونوں موسوں میں چلتی ہے - جازے کی مانسون اس صوبے میں پنجاب کی طرف سے شمال مغربی رخ پر بہتی ہوئی آتی هے اور دوآبه گنگ میں داخل هوتي هے۔ لیکن اسکی رفتار بہت کم هوتی هے ' اور عموماً جنوری فروری میں تقریباً تین اِنچ پانی دیتی هے -گرمی کی مانسون آخر جون سے آخر ستمبرتک خلیم بنگال سے شمال مغربی رخ میں چلتی ہے - جو شائع خابیج بنکال سے آتی ہے ' اُسے بنکال کی مانسرن اور جو بحر عرب سے آتی ہے اُسے بحر عرب کی مانسون کہتے ہیں - گرمی کی مانسون بحر هند سے شروع هوکر مغربی گهات سے گذرتی اور شمالی هند سے هوتي هوئي خليج بنال تک جنانی هے - پهر وهاں سے هماليد کی طرف گهومتی

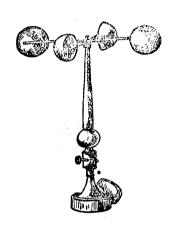
هوئی اور اس سے تکرا کر ممالک متحدہ کی طرف آتی ہے ۔ اُس کا کچھہ حصہ گجرات اور راجپوتانہ هوتا هوا اس طرف آتا هے، لیکن زیادہ حصہ خلیم بنکال هی سے آتا ہے ۔

مقامي هوا اُس هوا کو کهته هيں' جو کسی متحفوظ رقبہ اور خاص علاتے ميں چلتی هے۔ اِس کی ایک اچھی مثال وہ هوا هے' جو پہاتي حصوں ميں دن کے وقت وادی سے اُوپر اور وات کو نيجے وادی کی طرف چلتی هے۔ يه هوائيں پہاتي کی هوا اور وادی کی هوا کے نام سے مشہور هيں - علاوہ اِس کے اور بہت سي هوائيں هيں - جن کا اثر صرف ایک محدود رقبے میں هوتا هے ' اور گو رقبہ کی وسعت اکثر زیادہ هوتي هے ' لیکن پھر بھی وہ مقامی هی کہی جاتی هیں - جب هوا بہت، زیادہ تیز هوتي هے اور اس کے ساتھ بکثرت خاک ' پانی ' یا اولا هوتا هے تو اُس کو آندهی یا طونان کہتے هیں - آندهیاں عام طور سے تیز گرمی کے دن بعد دوبھر اور اکثر وات میں آتی هیں - اِس سے پہلے هوا بالکل ساکت هو جایا کرتی هے ۔ آندهی کو دیکھہ کر یہ نہ سمجھنا چاہئے کہ هوا کی یہ تیزي هر جگھہ ایسی هی هوگی -

هوا کی مختلف کیفیتوں میں اُس کی تیزی ' زور اور دباؤ کا حال معلوم هونا ضروری هے - هوا کی تیزی معلوم کرنے کے لئے ایک آله استعمال کیا جاتا هے - جس کو مقیاس الہوا کہتے هیں - [دیکھو شکل نمبر 11] -

اِس آلے میں چار پیالے ایک دوسرے کے آمنے سامنے اِس طرح لگے ھوتے ھیں کہ سب کے اندر کا رخ ایک ھی جانب کو ھرتا ھے - پیالے ھوا کے صدمے سے اللہ محدر پر گھومتے ھیں ' اور اُن کے چکر کی تعداد سے ھوا کی رفتار فی گھنتہ میلوں میں نکالی جاتی ھے - پیالوں کا قطر

چار اِنچ هوتا هے ' اور جن دستوں پر یہ لگے هوتے هیں اُن کی لمبائی ۱۲۷ اِنچ هوتی هے - پیالے ایک میل هوا سے پانچ سو چکر کرتے هیں

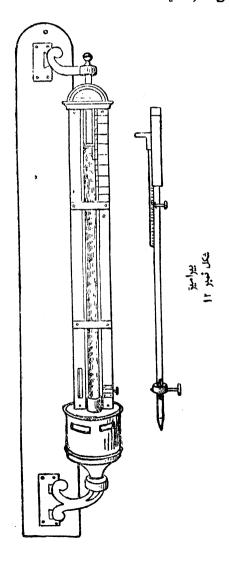


ا ئيمومي^تر ش*کل ئم*پر ا

یه آله ایسی بلند جگهوں پر لگانا چاهئے ' جہاں هوا بغیر رکاوت کے پہنچ سکے ' مثلاً عمارت کی سب سے ارپر کی چھت ' یا میناروں کی کلس پر ۔ لیکن اِس کے اِستعمال سے جو نتائج دو مختلف مقامات پر نکلیں اُن میں محض ایک سرسری مقابله کیا جا سکتا ہے ؛ کیونکه آلے کی ایک فت مقامی بلندی کے فرق سے بھی هوا کی رفتار میں کسی قدر فرق پچ جاتا ہے ۔

هوا کی رفتار کی طرح هوا کا زور و دباؤ جانچنے کے لئے بھی مختلف آلے استعمال کئے جاتے هیں - هوا کا دباؤ سطح زمین پر هر جگه

یکساں نہیں ہوتا - سمندر کی سطح سے زوین جس قدر بلند ہوتی جائی ہے ، ہواکا دباؤ اتفاہی کم ہوتا جاتا ہے - ہواکا دباؤ و معلوم کرنے کے لئے ایک آلہ استعمال کیا جاتا ہے ، جسے مقیاس الموسم کہتے ہیں - [دیکھو شکل نمبر ۱۲]



مقیاس الموسم کئی طرح کا هوتا هے - سادة تریں مقیاس یوں بنایا جاسکتا هے - شیشے کی تیس انچ (یا اس سے کسیقدر زیادة) لمبی نلی لو جو ایک طرف سے بند اور درسری طرف سے کہلی هو اس نلی کو پوری طرح پارے سے بهر دو ایک 'پیالے میں جس میں پہلے سے پارة بهرا هو' اس نلی کو الٹا کهوا کر دو' اس طرح که نای کا منهۃ پیالی میں پارة کے اندر قربا رهے ۔ یہی مقیاس ' الہوا هے - اس کو غور سے دیکھنے سے معلوم هوتا هے که هوا کا دباؤ جس قدر زیادة هوتا هے 'پارة اُتنا هی اونچا رهتا هے اور دباؤ جتنا کم هوتا هے پارة اُتناهی نیچے رهتا هے چنانچة هر ایک هزار فیت کی بلندی پر پارة اُیک درجة نیچے رهتا هے جنانچة هر ایک هزار فیت کی بلندی پر پارة ایک درجة نیچے اُتر آتا هے - جب هوا بالکل ساکت هوتی هے تو اس کا دباؤ اور وزن، برابر هوتا هے تین چار بجے صبح اور چار پانچ بجے شام کو هوا کا وزن اور دباؤ قریب قریب برابر هوتا هے مقیاس الموسم هوتا هے مون اس وقت هوا کے وزن کے برابر هوتا هے جب هوا بالکل ساکت هوتی هے لیکن یه شرط ایسی هے - جو شاید هوتا هے جب هوا بالکل ساکت هوتی هے لیکن یه شرط ایسی هے - جو شاید کبھی پوری نہیں هوتی - جو شاید

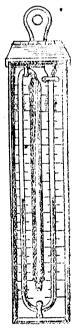
(ب) - حرارت اور اسکی جانبی - تسپریت و یا درجه حرارت چیزوں کی اُس حالت کو کہتے هیں ' جس پر ان کی کسی جسم سے گرمی جذب کرنے یا اس کو گرمی پہنچانے کی طاقت منحصر هو - زمین کو گرمی پہنچانے کے مشہور ذرایع میں سب سے بڑا ذریعه سورج هے - سورج سے جو گرمی حاصل هوتی هے وہ متعدد مختلف اسباب سے کبھی کم اور کبھی زیادہ هوتی هے - اس کے معمولی نتائیج هیں که: __(1) خط استوا پر گرمی زیادہ اور قطبین پر کم هوتی هے (1) پہاڑوں کی چوتیوں پر گرمی کم اور میدانی علاقوں میں زیادہ هوتی هے (1) پہاڑوں کی چوتیوں پر گرمی کم اور میدانی علاقوں میں زیادہ هوتی هے (۳) سمندر کے کناروں پر آب و هوا معتدل هوتی هے - گرمی کا فرق معلوم کرنے کے لئے هوا کا درجت حرارت معلوم کرنا ضروری

هے - یہ ایک آلے کی مدد سے کیا جاتا ہے' جسے تھرما میٹر یا متیاس الحرارت کہتے دیں - یہ ایک شیشے کی نلی ھرتی ہے ' جس کا ایک مله بند رھتا ہے اور دوسرے سرے پر ایک گولا بنا رھتا ہے ' جس میں پارہ بھرا ھوتا ہے - نلی کا باتی حصہ بہت سے چھوتے چھوتے مگر ابرابر فاصلے کے خطوط میں منتسم رھتا ہے - دو خطوں کے درمیانی حصے کو ایک درجه یا دگری کہتے ھیں - پارہ جب گرمی سے بڑھتا ہے ' تو نلی میں اوپر چوھنے لگتا ہے اور پارے کی اس بلندی سے درجہ حرارت معلوم کیا جاتا ہے دگریوں کے لحاظ سے تھرما میٹر تین طرح کا ھوتا ہے (1) سنٹی گرید ' اور (۳) ریمر - ان میں درجہ حرارت کے جو نشان بنے ھوتے ھیں ' ان میں فرق ہوتا ہے - چنانچہ سنٹی گرید کا انتہائی درجہ موتے ھیں ' ان میں فرق ہوتا ہے اور اوں کے ابتدائی مدارج بالترتیب صفر بتیس (۳) وصفر ہوتے ھیں ۔

دن اور رات کی انتہائی اور معمولی گرمی معلوم کرنے کے لئے مختلف قسم کے تهرما میاتر استعمال هوتے هیں -

تهرمامی تر کو ایسی کهای جگهه میں چهپپر کے نیچے التکا دیا جاتا هے ' جو عمارتوں درختوں اور کهیتوں سے علیصدہ اور دور هو - دن بهر میں دو تین مرتبه (زیادہ تر ۱۰ بجے صبح اور چار بجے شام کو) تهرمامی تر میں پارے کے مدارج پڑھه کر حرارت کا کمترین اور بیش ترین درجه معلوم کر لیا جاتا هے - پهر اُن سب کو جمع کر کے اُن کا اوسط نکال لیا جاتا هے - یه اوسط کا عدد هی وہ عدد هے جس سے ایک معاوم دن کی کمترین اور بیش ترین حرارت کا اندازہ هو تیادہ هوا زیادہ سے زیادہ ہوتا هے - سورج نکانے سے صرف چند منت پہلے هوا زیادہ سے زیادہ ہوتی هوتی هے - اس کے بعد 'سورج کے نکلتے هی پارہ تیزی سے چڑهنا

شروع هوتا هے اور تقریباً نو بجے تک اِسی طرح چوهتا رهتا هے - اِس کے بعد اُس کی رفتار گهت جاتی هے ؛ لیکن چوهنا قائم رهتا هے ، یہاں تک که آهسته آهسته اُس دن کے انتہائی درجے تک پہنچ جانا هے - یہاں سے ولا پهر اُترنا شروع کرتا هے اور تقریباً ۳ بجے شام تک تیزی سے اوترتا رهتا هے اس وقت کے بعد اُترنے کی رفتار کم هوجاتی هے ، لیکن اَترنے کا سلسله آهسته آهسته شورج نکلنے سے چند منت پہلے تک قائم رهتا هے ، یہاں تک که ولا اُس دن کے کمترین درجے تک اُتر آتا هے - پارہ کے اِس اُنار چوهاؤ سے روزمرہ کے حالات کا فرق معلوم هوتا هے - پارہ کے اِس غرض کے لئے سکس (Sexe) کا تهرما میتر استعمال کیا جاتا هے ، جس کی رضع ذیال سکس (Sexe) کا تهرما میتر استعمال کیا جاتا هے ، جس کی رضع ذیال سکس سے معلوم هوئی ہے (دیکھو شکل ۱۳) -



سکس تهرمامیتر شکل ثیبر ۱۳

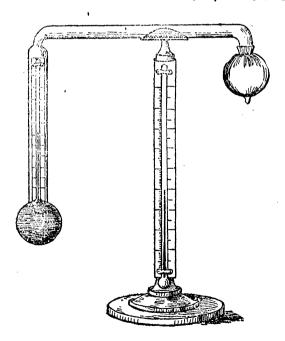
حرارت کے سالانہ فرق کی وجہ سے سال کو تین موسموں میں تقسیم کیا جاتا ہے: جازا' گرمی اور برسات - اس صوبے میں برسات آخر ستمبر میں ختم ہو جاتی ہے - اِس کے بعد چند ہنتہ گرمی ہو کر اکتوبر میں حرارت کم ہونے لگتی ہے ' اور جنرری کے آخر اور فرورٹی کے آغاز تک برابر کم ہوتی جاتی ہے - وسط فروری سے حرارت برهنا شروع ہوتی ہے ' اور مئی تک برهتی رهتی ہے ' جو اس صوبہ کا سب سے زیادہ گرم مہینہ ہے - جون کے آخر جوالئی کے شروع میں برسات شروع ہوتی ہے - حرارت کا یہ تغییر ہمیشہ ہوتا رهتا ہے ' اور '' سالانہ تغیر '' کہلاتا ہے - ان روزانہ اور سالانہ تغیر سے میں یکایک فرق پیدا ہو جائے کی وجہ سے واقع ہوتے ہو ہوا کے کیفیات میں یکایک فرق پیدا ہو جائے کی وجہ سے واقع ہوتے ہیں ' دوسرے ملکوں کے مقابلے میں ہمارے ملک میں یہ تغیرات کم ہوتے ہیں ' دوسرے ملکوں کے مقابلے میں ہمارے ملک میں یہ تغیرات کم ہوتے ہیں ارش ہوتی ہے ' تو حرارت میں یکایک فرق ہو جایا کرتا ہے ۔ زمانے میں بارش ہوتی ہے ' تو حرارت میں یکایک فرق ہو جایا کرتا ہے ۔ زمانے میں بارش ہوتی ہے ' تو حرارت میں یکایک فرق ہو جایا کرتا ہے ۔ زمانے میں بارش ہوتی ہے ' تو حرارت میں یکایک فرق ہو جایا کرتا ہے ۔ زمانے میں بارش ہوتی ہے ' تو حرارت میں یکایک فرق ہو جایا کرتا ہے ۔ زمانے میں بارش ہوتی ہے ' تو حرارت میں یکایک فرق ہو جایا کرتا ہے ۔ زمانے میں بارش ہوتی ہے ' تو حرارت میں یکایک فرق ہو جایا کرتا ہے ۔ اس نوع کے تغیرات '' غیر معمولی تغیرات '' کہلاتے ہیں ۔

(۳) نمي ' اور اُس کی جانبے۔۔۔هوا میں پانی کے بخارات اور رطوبت بھی پائے جاتے ہیں ' اور ہوا میں اُن کو جذب کرنے کی طاقت هوتی ہے۔ اس رطوبت (نمي) کا مطالعۃ بہت ضروري هے۔ نمی کو تین قسموں پر تقسیم کیا جا سکتا ہے:

- (١) ولا نسى ' جو بهاپ بن كر هوا ميں مل جاتى هے؛
 - (ب) ولا نمى 'جو هوا سے خارج هوتى هے ؛ اور
 - (ج) ولا نمى جوا هوا ميں جذب رهتى هے -
- (۱) پائی هر وقت بهاپ بن کر هوا میں داخل هوتا رهتا هے اس عمل کو تبخیر کہتے هیں تبخیر کی رفتار چار چیزوں یعنی حرارت '

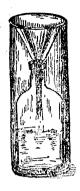
و رطوبت ' پانی کی سطح اور هوا کی کیفیت پر منتحصر هوتی هے -جب هوا مرطوب هوتی هے ' تو تبخیر کم هوتی هے - لیکون پانی کی سطح سے هر وقت بخدارات اُتهتے رهتے هيں - اور چونکه پانی کی سطح رات کو بھی ہوا کے قریب تریں طبقے کے مقابلہ میں گرم رہتی ہے ' اس لئے باوجود رطوبت کے رات کو بھی بخارات آتھتے رہتے ہیں - دن کو ہوا نسبتاً خشک رهتی هے - اِس لئے تبخیر برابر جاری رهتی هے- سطم زمین کی تبخیر کا دار مدار اس کی قوت کشش پر منصصر هوتا هے -پہاڑوں پر خشک ہوا کی وجہ سے تبخیر زیادہ ہوتی ہے - پردوں ' پتیوں اور کوڑے کرکت سے بھی بھاپ نکلتی رھتی ھے - تبخیر کا یہ اثر ھوتا ھے که جن چیزوں سے بخارات أتهتے هیں ' أن کی حرارت کم هو جاتي هے اور وہ تھنڈی معلوم ہونے لگتی ہیں - بھاپ بن کر اُڑنے والے پانی کا اندازہ کرنے کی عملی اهمیت یہ هے که اس سے پانی کے ذخیروں سے بھاپ بن کر ضائع ہونے والے پانی کی مقدار اور زمین کے خشک ہونے کی رفتار کا بته چلتا هے ، جس کا اثر فصلوں پر پوتا هے - يه اندازه ايک آلے سے کیا جاتا ہے ' جسے مقیاس الماء کہتے ہیں -

(ب) بخارات هوا کا نهایت اهم حصه هیں - اکسیجی ارر نائٹررجی کے بعد بهنسبت درسری چیزری کے هوا میں اُن کی مقدار بهت زیاده هوتی هے - اِس مقدار میں حرارت کی کمی بیشی سے فرق هو جاتا هے - چنانچه جب حرارت زیاده هوتی هے ' تو هوا میں بخارات کی مقدار بهی بود جاتی هے ؛ اور جب حرارت کم هو جاتی هے ' تو هوا میں بوانی روکنے کی طاقت بهی کم هو جاتی هے - جب هوا سرد هوتی هے ' تو وہ بخارات جو اس میں جذب نہیں را سکتے مختلف طریقوں پر اپنی اصلی شکل میں (مثلاً شبنم - باری) - بادل -



شکل ندیر ۱۳ دینیل هانگرو میتر

شبنم سے زمین میں نمی کی پچت ہوتی ہے' کیونکہ جب تک زمین پر شبذم رہتی ہے، بھاپ بن کر اُڑتی رہتی ہے، اور زمین کی اصلی نم، محفوظ ولا جاتی ہے - بعض پہاری حصوں میں جہاں شبلم زیادہ پرتی ہے، وہ ومین کو نسی پہونچانے کا ایک بڑا ذریعہ ھے - جو نمی شبئم کی شکل میں ظاهر هوتی. هے اس کا کچهة حصة زمین سے اور کچة پودوں سے حاصل هوتا هے - یہی سبب هے که شدنم پردوں پر زیادہ نمایاں هوتی هے - شدنم کی نمی کی مقدار هر جگه اور هر وقت یکسان نهین هوتی - جذانچه اِس کی مقدار خشک جگھوں (جیسے ریگستان) میں کم' معتدل آب و هوا کے حصول مين نسبتاً زياده ، اور مرطوب مقامات مين بهت زيادة هوتي هـ -شبنم بادل کی موجودگی یا تیز ہوا چلنے کی حالت میں نہیں بنتی اور وادی میں پہاڑ کی چوٹیوں سے زیادہ ہونی ھے - پالا بھی شبنم ھی کی طرح بنتا هم ؛ ليكن إتنا فرق هوتا هم كه بالا صرف أسى وقت ظاهر هوتا هم جب حرارت درجة انجماد يعنى أس درجة ير پهنچ جاتى هے جهاں تك تهرمامیتر میں پارہ آترنے پر پانی جم جاتا ہے - پالے سے فصلوں کو بہت نقصان پہنچتا ہے ' کیونکہ اس کے اثر سے پودے مر جاتے ہیں - بادل بھی-خالص پانی هی کی ایسی چهوتی چهوتی بوندوں کا مجموعة هوتا هے ، جو هوا میں قائم رہ سکیں - جب باداوں میں پانی کی بوندیں ایک دوسرے سے ملکر' یا درجہ حرارت کے گہت جانے سے' بھاری ہوجاتی میں اور ہوا میں قائم نهیں را سکتیں، تو پانی کی طرح برستی هیں - پانی کی مقدار ناپلے کے لئے ایک آلے سے کام لیا جاتا ھے ' جسے بارش ناپنے کا آله کہتے ھیں ا ديکهو شکل نمبر ١٥] -





شکل نہبر ۱۵ بارش ناپنے کا آلھ

بارش کی روزانہ پیمائش کی جاتی ہے اور زراعتی لفراض کے لئے اس کے سالانہ اور ماہوار اوسط نکالے جاتے میں۔

(ج) هوا کی نمی یا رطوبت کی مقدار تری اور خشکی کے تهرمامی تروں کے مدارج پرتا گر معلوم کی جاتی ہے' جو ایک دوسرے، سے کسی قدر فاصلے پر لٹکا دیئے جاتے ہیں [دیکھو شکل نمبر ۱۹]



شکل نیبر ۱۹ خشکی اور ت_{ري} کا تهرما ميز

اول الذكر ايسے مرطوب جسم كي حرارت كا بته ديتا هـ ، حس سے بخارات أُتّه رهـ هوں ؛ اور آخرالذكر سے خشك هوا كي حرارت معلوم هوتي هـ - جب حرارت كم هوتي هـ تو رطوبت كم هوتي هـ زياده اور جب حرارت كم هوتي هـ تو رطوبت كم هوتي هـ چلانچة صدح كو جب حرارت كم هوتي هـ ، تو رطوبت نسبتاً زياده معلوم

ھوتی ھے - اور دن میں جب حرارت برہ جاتی ھے تو باوجودیک موا میں بخارات کی مجموعی مقدار زیادہ رہتی ہے لیکن رطوبت کم معلوم ہوتی ہے۔ حرارت عوا اور رطوبت پر ملک کے طبعی حالات کا بہت اثر هوتا هے بع الفاظ دیگر کسی ملک کی آب و هوا اُس کے طبعی حالات پر بہت زیادہ منتصصر هوتی هے ، زمین اور پانی کی وسعت ، پہاڑ کے سلسلے ، زمین کی بلندى اور بناوت ، ريگستان اور جنگلى علاقه وغيرة ، يه سب حرارت اور آب و ہوا کے دیگر ضروری اجزاء پر اثر کرتی ھیں - اس میں شک نہیں که دنیا کی آب و هوا کا حال اگر معلوم بهی هو تو بیان کرنا ناممکن هے -چذانچه وسیع رقبهٔ جات ، جن کی آب و هوا کی کیفیات یکسال هوتی هین عموماً ایک هی قسم کے اندر جمع کردیئے جاتے هیں - یہ تقسیم دهوپ اور روشني کے لحاظ سے کي جاتي ھے ، جس کی وجہ سے کرہ ارض معتدالہ حارة اور باردة منطقول مين تقسيم كيا گيا هے ان منطقة جات ميں میں بھی آب و هوا، هر جگه یکساں نهیں هے ' بلکه هر جگه مختلف ھے - چنانچہ کرہ ارض کی طرح منطقہ جات بھی آبو ہوا کے ان نمایان فرقوں کے لحاظ سے مختلف حصص پر منقسم هو سکتے هیں - بحیثیت مجموعی آب و هوا دو طرح کی هوتی هے - بحصری اور بری پہلی قسم مرطوب اور دوسری خشک هوتی هے - دوسري قسم کئی طرح کی هوتی هے ' اور اس رقیے کے نام سے موسوم ھے ' جس میں وہ پائی جاتی هے ، جیسے بہازی ، جنگلی ، میدانی یا ریگستانی آب و هوا -

هندوستان میں همالیته پهار کے سلسلے کی اوسط اونچائی انهس کی هزار فت هے ' اور هوا برابر شمال کی طرف کو چلتی رهتی هے ' جس کی رفتار دن میں زیادہ هوتی هے اور رات میں کم - مانسون دوآبة گنگ میں پانی برساتی هے - چونکته پهار (اور خصوصاً همالیته) کی چوتیوں پر برف

پرتی رهتی هے اس لئے پہاڑی علاقه زیادہ تر غیر زرخیز هے اس لے مقابلے میں میدانی علاقه بہت زرخیز اور آباد هے - درآب کے جنوب مشرقی گوشے میں بارش گهت کو صرف تیس انچ را جاتی هے اور میدانی علاقه کی شمالی اور جنوبی سرحدرں کی اوسط بارش میں ۱ اسے ۱۷ انچ تک کا فرق رهتا هے بندهیاچل پہاڑ سے نیچے جنوبی هندوستان بهی زیادہ تر پہاڑی هے اس علاقے میں جنوبی مغربی مانسوں سے بارش هوتی هے ، جو مغربی گهات کو پار کرکے اس جگه تک آتی هے - یه کل علاقه گویا ایک چتیل میدان هے ، جس میں کہیں کہیں کاشت بهی هوتی هے - ان اور اسی قسم کے دیگر اهم ملکی اور طبعی کیفیات اور دیگر هوتی هے - ان اور اسی قسم کے دیگر اهم ملکی اور طبعی کیفیات اور دیگر حالت کی وجه سے هندوستان کے کسی دو حصے کی آب و هوا یکساں نہیں حالت کی وجه سے هندوستان کے کسی دو حصے کی آب و هوا یکساں نہیں کو لی گئی هیں :-

(۱) جارا کا موسم۔۔یہ وہ زمانہ ہے، جس میں آب و ہوا کی کینیات میں بہت کم فرق ہوتا ہے یہ موسم آخر ستمبر میں برسات کے ختم ہونے پر یا اکتوبر میں شروع ہوتا ہے اس زمانے میں مقیاس الہوا کا پارہ چرھا رہتا ہے ۔ دوآبے کے علاقے میں شمال مغربی ہوائیں آھستہ آھستہ چرھا رہتا ہے ۔ دوآبے کے علاقے میں شمال مغربی ہوائیں آھستہ آھستہ چلتی رہتی ہیں ، اور سال کے آخر کے قریب روز بروز سرد ہوتی جاتی ہیں ۔ آخر دسمبر یا شروع جنوری میں بارش ہوتی ہے ، اور کبھی کبھی فررری میں بھی ہوتی ہے لیکن اس کی مقدار ۲ اپ یا ۳ انہ سے زیادہ نہیں ہونے پاتی اُس زمانے میں ہمالیہ پر کم و بیش برف پرتی ہے ، اور جنوری میں سردی اپنی انتہا پر پہونچ جاتی ہے ۔

(۲)گرمی کا موسم۔۔۔شروع فروری سے حرارت آھستہ آھستہ بوھنے لگتی ھے ' یہانتک کہ گرمی میں یا تو خشکی اور جلن

رهتی هے یا تکلیف ده اُمس هوتی هے: کبهی کبهی آندهیوں یا طوفانی بارش سے کسی قدر امن مل جاتا هے ' اور موسم آرام ده هو جانا هے - یه صورت شمالی هند میں عموماً اور ممالک متحده میں خصوصاً پیش آتی هے - ملک کے دوسرے حصوں کی حالت اس سے مختلف هے -

(۳) برساب کا موسم بنگال میں برسات جون کے دوسرے هفته سے شروع هو جاتی هے ۔ اور مانسرں اکثر اسی زمانه میں صوبه بہار تک پہونچ جاتی هے لیکن ممالک متحدہ تک پہونچنے میں اُسے تقریباً دو هفته اور لگتے هیں ' جہاں برسات عموماً آخر جون میں شروع هوتی هے جب بارش میں وقعه هوتا هے تو زیادہ تر پروا (مشرقی) هوا چلتی هے لیکن کبھی کبھی هوا ساکت هوتی هے ' اور اس کے بعد عموماً زور کی بازش هوتی هے - برسات آخر ستمبر تک ختم هو جاتی هے اس صوبے کے مختلف اضلاع میں بارش کی سالانه مقدار ذیل کے نقشے سے معلوم هوگی :-

| بارشــــانچ | ضلع | بارشانچ | ضلع |
|-------------|-------------------|-------------|---------------|
| 200A | جهانسي | ۵ د ۸ م | ميرتهه |
| 84.2m | گور کهپور | ٢٤٧٣ | الهآباد |
| rv=0 | لكهنئو | 77.4 | كانپور |
| rr | رز ^ک ی | ۷۷ سے 🛧 ۸ | دهره دون |
| | | 444 | ૪ ,ઽ૧ૼ |

| | | | ` | * ** | , | |
|----------------|-----------------|------------|------------------|------|-------------------------|--------------------|
| | 3 | | ä | ری | ارهی بارهی | |
| , 7 | ۳۵۵ | 0 | rvey | 0 | My St. | **ং।৩ |
| - | b . | | 3 | - | þ | 6w.44 |
| - | þ | • | - | | þ | ا بدهام |
| - | þ | ~ | - FT | ₹ | + 32 + | اكتوبر |
| Ξ | γ + | 9 | ٧٤) | 9 | ۸۵ ۲ | سې مېدر |
| = | ٧٤٢ | 26 316 | 4 + 19 W | 7 | Asa Jisa Jisar | اكست |
| O | 924 | - £ | ٧٥. | , = | 707 | جولائي |
| 7 | 4.54 | عـ | 0 h + | < | , V=V | ન્દ |
| _ | > 6 | ~£ | 1 3 | 7 | - b 0 | مئی |
| - r | b | - | 3 | _ | 1 2 | اپريل |
| | ٧, | ~ | 10 | < | 1 EX | ~ ₁ (2) |
| ~~ | 13 | ~€ | 10 | c | p | ڊ«ري |
| - | b | ~~ | b | - | b | ÷4(5) |
| | VFV | | F 49 | | -d -d -d | ي مناب |
| | هر در در الهرام | | الكهنئو —الكهنئو | | ا —گورک _ۇ ور | |

ً ذیل کے نتشے سے بعض مقامات کی ماہوار بارش اور ہارش کے دنوں کی تعداد اوسط معلوم ہوتی <u>ہے</u> ۔

کبھی کبھی بارش اوسط سے کم و زیادہ ہو جاتی ہے چانچہ بعض مقاصات پر کثیر بارش کی پیمائش ہوئی ہے ' اور صرف ۲۲ گھنڈے کے پانی کی متدار سالانہ اوسط کے برابر پہونچ گئی ہے ۔

سطم ,زمین پر انسان حیوان اور پودون کی افزایش آب و هوا پر بہت زباده منه منه هی اور خود زمین پر بهی جس کی پیداوار انسان کی آبادی پر تہام دوسری چیزوں سے زیادہ قابو رکہتی ہے آب و هوا کا اثر هوتا ہے ۔

چنانچه بهت خشک آب و هوا میں زمین نا قابل کاشت هوتی هے بهت سردی میں ولا برف سے قدمکی رهتی هے ' اور ایسی زمین هر قسم کے جانوررں سے خالی مُوتی هے لیکن اگر کسی جگه بارش کافی هو ' تو وهاں نه تو گرمی بهت سخت هوگی اور نه سردی بهت زیاده هوگی بلک، حرارت ایسی معتدل هوگی که مختلف قسم کی نباتات آگ سکیں اور زمین زرخیز هو ایسے حصے میں آبادی بھی اچھی هوگی ' کیونکه فذا کے سامان کے علاوہ انسان کی تندروستی کے لئے اچھی آب و هوا بھی ضروری هے -

چنانچه حرارت اور تری کی مناسبت کے ساتهه هی قسم قسم کے جاندار پائے جاتے هیں حیوادات اور نباتات کے لئے وہ موسمی حالت بہت موزوں هوتی هے 'جس میں گرمی سردی معتدل اور یکے بعد دیگرے هوتی رهتی هے خط استوا کے قریب کی زمین 'جہاں کی آب و هوا غیر معتدل هے 'جاندار چیزوں کی ترقی نسل کے لئے موزوں نہیں هے ۔ لوگ عموماً اور قدرتاً ایسے علاقوں میں آباد هونا پسند کرتے هیں جہاں موسم کی سختیوں اور جنگلی جانوروں سے امین میں رهنے کے لئے

بهت زیاده سامان کی ضرورت نه هو ، بلکه تمام ضروریات زندگی آسانی سے کافی مل سکتی ہوں ۔ اور امن و اطمینان ہی پر باغبانی کا دار مدار ہے -هوشیار باغبان کو چاهئے که درختی کی پرورش و نگهداشت میں موسم کی ان تبدیلیوں کا خیال رکھے - جاڑے کے موسم میں نازک اور گرم ملک کے پودوں اور درختوں کی حفاظت کرنا پوتی ہے کہ غیر معمولی تبدیلیوں (جیسے پالا و غیرہ) سے ان کو صدمہ نہ پہنچے - جارے میں بالیدگی رک جاتی ھے اور اس لئے ان کو ایسے وقت میں صرف اتنا پانی دینا چاھئے جو أنهين زندة ركهنے نے لئے ضروری هو مكر جب كرمى هو يا تيز يجهوا هوا چل رهی هو' تو پانی زیاده دینا چاهئے یه پردس کی بالیدگی کا زمانه هوتا ہے اگر درخترں میں پھل آئے هرن تو خاص کر ان کی گورائی اور سینچائی خوب کرنا چاهئے - مئی اور جوں کے مہینوں میں ' جب که مرسم بهت زیاده خشک هوتا هے ، پانی کی کمی نه هونا چاھئے - برسات کے زمانے میں جب ہوا میں کافی تری ہوتی ہے ' جن درخترں کو ضرورت هو ان کی جگه بدلی جاسکتی هے ؛ کیونکه هوا کی رطوبت کے سبب سے ان کے خشک ھونے کا اندیشہ کم رھتا ھے - قلمیں لگانے کے لئے یہ موسم نہایت مناسب ھے - جور پودوں کو بانی کی ضرورت کم ھوتی ھے ان کے آس پاس کا نکس درست کرنا چاھئے، اور اگر ضرورت ھو تو جروں پر متی بھی چرھا دینا چاھئے - ایسا کرنے سے نہ صرف یہ که جوں کو پانی کی زیادتی سے نقصان نہیں ہوتا ' بلکہ بارش کے بعد تیز ھوا چلنے سے پودے گرتے بھی کم ھیں - یہ وہ زمانہ ھوتا ھے جب زمین کے نمناک ھونے کی وجه سے تیز ھوا چلنے پر ابرے زبرے درخت تک گر پُرتے ھیں ۔ نکاس تھیک رکہ کر اور جروں پر متی چوھا کر اس نقصان سے بہت کچہ کفاظت کی جاسکتی ہے - گملوں کو بھی اس زمانے میں

زیادہ تر سائے میں رکھنا چاھئے ' تاکہ پانی کی کثرت سے اُن کو نتصان نہ پہنچے ۔ لیکن یہ عمل صرف اُن پودوں کے لئے ضروری ھے' جن کو کم پانی کی ضرورت ھوتی ھے ۔ ذیبل کے بیاں سے واضع ھوگا کہ موسمی کھفیات کا بعض درختوں پر کیا اثر ھوتا ھے :—

- (۱) انجهر سیم درخت زیاده سردی کا متحمل نهیں هوسکتا ' حالانکه جس قدر پرانا هوتا جاتا هے' اسی قدر اس کی قوت برداشت برهتی جاتی هے ـ
- (۲) انگور زیادہ گرم موسم میں اس کی بارہ اچھی ہوتی ہے بارش اچھی ہونا ضروری ہے بہت خشکی سے اِسے نقصان ہوتا ہے -
- (٣) بادام -- یه سردی کو اچهی طرح برداشت کرسکتا هے کیکن اس کے پهول کو حرارت کی یکایک کمی سے جلد صدمه پهونچ جاتا هے پهول آنے کے وقت بہت سردی یا مسلسل بارش سے نقصان هوتا هے اور پهلوں کے پکنے کے وقت کہرا مضر هوتا هے -
- (۲) چهری سیم کی سختیاں برداشت کرنے میں شفتالو سے کم ھے ۔
- (٥) خرما—سخت گرم اور خشک آب و هوا میں اگر سیجائی کی جائے تو خوب پهل لاتا هے ٦٣ دوجه حرارت سے نیچے اس میں پہول یا پهل نہیں آتا ' اور پہل پکنے کے زمانے میں بارش سے بہت نقصان پہنچتا ھے۔
- (۲) زرد آلو۔ یہ سیب کے مقابلہ میں گرمی سردی دونوں زیادہ برداشت کر سکتا ہے ۔
- (۷) سیب اس کے لئے به نسبت گرم اور تر موسم کے خشک اور سرد آب و هوا اچهی هوتی هے گرم و تر موسم میں جب حرارت ۸۰ درجة سے آب

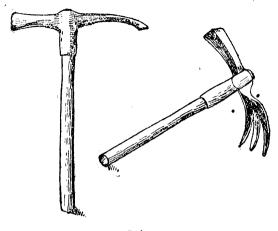
زیادہ هو جاتی هے' تو پهل میں بیماریاں هو جانے کا اندیشہ رهتا هے' لیکن •۷ درجے تک نقصان کا خطرہ کم رهتا هے -

- (۸) شفتالو—اس کے پھول کو سردی سے نقصان پہنچتا ھے، لیکن کچھه دنوں بعد ولا زیادہ طاقتور ھو جاتے ھیں یہ ٥ درجه حرارت تک زندہ رہ سکتا ھے اسے پانی کی زیادہ ضرورت ھوتی ھے ۔
- (9) کارنیشن اس پھول کے لئے +٥ سے ۹۳ درجة تک حرارت موزوں موتی ہے۔ اس سے کم یا زیادہ هونے پر کارنیش اچھا نہیں هوتا -
- (۱+) نهنگ ناشیانی تیز هوا سے اس کو نتصان هوتا هے مگر اس کی بعض قسمیں بہت زیادہ سردی برداشت کر سکتی میں حتی که اگر حرارت میں ۱۰ درجے تک هو تب بهی اس کو نقصان نهیں هوتا -

اوزار اور سامان

باغبانی میں جو اوزار عام طور سے کام میں آتے ھیں' ان کو ھر شخص جانتا ھے علاوہ ان کے اور بہت سی چیزیں ایسی ھیں جو بہت مفید ھیں' لیکن بہت کم کام میں لائی جاتی ھیں ھم یہاں بعض ضروری اوزاروں کے مختصر حالات بیان کرتے ھیں ۔

پهاورته ' كدالى' كهرپا' كهرپی' كنی' درانتي هنسیا' پنجا' یا پانچا' داغ بیل كی رسي' نابچ كا فیته' سبل' جال' گینتی' گونیا' توكریان' كلهاری دیسی هل ' پاتا' جوا' وغیره ایسی معمولی چیزیں هیں' كه سب مالی ان سے واقف هیں' اس لئے ان كی نفصیل میں الجهنا غیر ضروری هے صرف ایک گینتی دكهائی جاتی هے۔ [دیكهو شكل نمبر ۱۷]

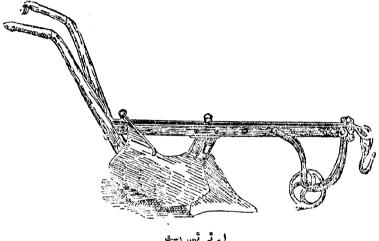


گینتی شکل نمبر ۱۷

جتائی کرنے، کے لئبے دیسی هل کے عائرہ متی پلتنے والے گہرے هل جس میں سے پنجاب وترن رست باغوں میں خاص کر کام آسکتے هیں جوتی هوی زمین کو باریک کرنے یا کہتی فصلوں میں گورَائی کرنے کے لئے هیرو اور کلتی ویٹر استعمال هوتے هیں جس میں سے کمانی دار هیرو' تکونا هیرو' اور کانیور کلتیویٹر بہت کام آتے هیں ان کے مختصر حالات حسب ذیل هیں -

پنجاب هل میں دو هیندل اور کونر کی چوزائی و گهرائی کو زیادہ یا کم کرنے کے بھی پرزے هوتے هیں - اس سے چهتم انچ گهری اور آته انچ چوزی کونر کتنی هے - اس هل کا کھولنا اور جوزنا بہت آسان هے - ایک هیندل والے هلوں کی نسبت اس سے اچھا اور یکسال کام هوتا هے - لیکن اس کے چلانے کے لئے طاقتور بیلوں کی ضرورت هوتی هے -

ترن رست هل اِس طرح بنایا گیا هے۔ که کونز کے آخر میں پہنچ کر اسکا متی بلتنے والا حصه فوراً دوسری طرف بلت لیا جاتا هے' تاکه پهر اس کونو پر هل واپس الیا جاسکے اور کھیت کے چاروں طرف جانے کی ضرورت نه وقع یه هل هر طرح کی معمولی کاشت کے لئے اچها هوتا هے اس هل کے ذریعے ناهموار زمین کو آسانی سے هموار کیا جاسکتا هے - یه هل چهوائے اور برّے کئی طرح کے هوتے هیں چهوائے هل اے تی اثرن رست کے نام سے مشہور هیں ان کو اچهے بیانوں کی ایک جوری آسانی سے چلا سکتی ہے۔[دیکھو شکل نمبر ۱۸]

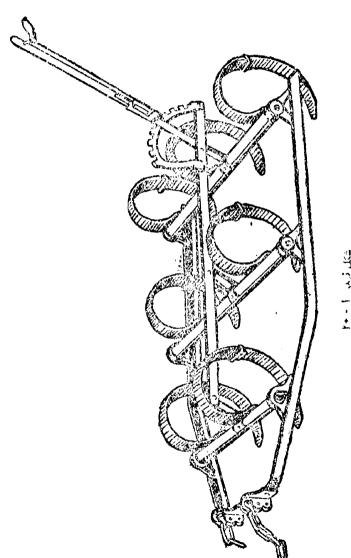


اے ٹی ڈرن رسٹ شکل ٹیپر ۱۸

عام طور سے کاشتکار دیسی هل سے کهیت کے چاروں طرف کونو کات کر جھائی کرتے هیں' اور کهیت کے بیچ میں هلائی ختم کرتے هیں' اس جوتائی اور اسکے بعد باتا یا سراوں دینے سے کهیت بیچ میں گھرا اور کناروں پر اونچا هو جاتا هے کهیت میں بارش اور آبیاشی کا پانی بهی بیچ میں هی زیادہ لگتا هے جس سے فصل کو نقصان پہچتا هے جونکہ مقی بلٹنے والے هل ایک طرف متی پلٹتے هیں' اس لئے اگر ان هلوں سے اسی طرح جتائی کی جائے تو اور بھی زیادہ نقصان هوتا هے ۔ متی پلٹنے والے هلوں سے جتائی کی جائے تو اور بھی زیادہ نقصان هوتا هے ۔ متی پلٹنے والے هلوں سے جتائی کا صحیح طریقة

یہ ہے کہ پہلی کونو کھیت کے بیچ سے شروع کی جائے' اور اس کونو کے دونو جانب داھنی طرف گھوم کو جتائی کرکے کھیت کے کناروں پر ختم کی جائے۔

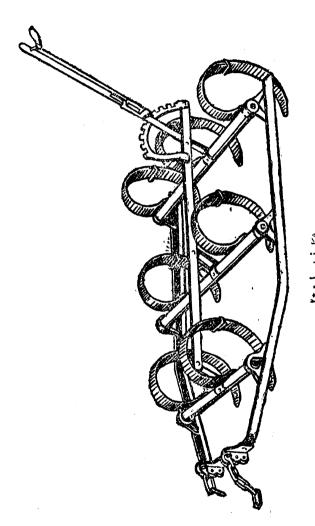
اگر کھیت ہوا ھے' تو کئی ھلائی بہری جائے اور ھر ایک، ھلائی میں پہلی کوٹو بیچ سے شروع کی جائے اِس کے بعد کی جائے میں اس طرح قعومے کئے جائیں کہ جس جگہ پہلی مرتبہ کے قعرے ختم ہوئے میں وہ ہلائی کا بیچے ہو جائے' اور اس جگہ سے دوسری کونو شروع کی جائے ایسا کرنے سے کھیت مموار رھیگا. جوتنے کے وقت اس بات کا خیال ضروری ھے کہ سب کونز ایک هی چوزائی کے بنائے جائیں - مختلف چوزائی کے کونز کاتنے سے کھیت بہت ناهموار معو جاتا ہے ۔ اگر اس طرح شروع موسم میں متی يلتنے والے هاوں سے اور بعد میں دیسی هاوں سے کھیت جوتا جائے' تو بونے کے وقت تک بالکل هموار هوجاتا هے - متی پلتنے والے هلوں سے ضرورت کے وقت ناهموار کھیت کو کسی قدر برابر بھی کیا جا سکتا ھے - اگر کسی جگہ کھیت گہرا ھے، تو ان ھلوں سے پہلی کونو سب سے نیچی جگه شروع کی جائے، اور رفته رفته گهری جگه پر متی جمع هونے سے کھیت برابر هو جائیکا - ترنرست هل سے مذکورہ بالا طریقہ سے دیسی هل کی طرح کام لینے کے علاوہ ساری متی کو ایک هی طرف پلتنے کا بھی کام لیا جاسکتا هے - جب ایسا کرنا ھو' تو جوتائی کھیت کے ایک طرف سے شروع کرکے کونز برابر برابر کاتی جائیں ' اور اس کا خیال رکھا جائے کہ هر کونو کے ختم هونے پر متی پنتنے والا حصة دوسري طرف بلت لين - اكر كهيت كا دهال ايك طرف كو هو ، تو پہلی کونو نیجے والی مینڈ کی طرف سے شروع کی جائے - اس سے نه صرف یه که کهیت برابر هو جاتا هے ' بلکه باره سے جو باریک متی پہم کر نیچے کی طرف جانی ' وہ بھی رک جاتی ہے -



شکل تریز ۱ - ۱۰ اسپرنگ ههور



*



شكل تبير ا - ١٠٠ اسيرنگ هيار

.

شکل ثمیر ب - ۲۰ پنتماب پلاؤ یه اس طرح بنایا گیا هے - که لکتی کے بھاری چوکھتے میں لوھے کی کیلیں لگائی گئی ھیں ' جو پپتی تورتی ھیں - اس میں شک نہیں که اگر ایسے ھوشیاری سے استعمال کیا جائے تو بہت کام کی چیز ھے - کمانی دار ھیرو سے بتے بتے رقبه کی جوتائی کم وقت میں کی جاسکتا ہے - میں کی جاسکتا ہے - میں کی جاسکتا ہے - دیسی ھل کے کام میں لایا جاسکتا ھے - دیسی ھل کے پانچ گنے رقبے کی جتائی اس ھیرو سے بہت آسانی کے ساتہ ھوسکتی ھے - یہ دیرو تیں قسم کا ھوتا ھے - ایک میں تیں ' دوسرے میں بانچ ' اور تیسرے میں سات کانڈے ھوتے ھیں ' جو باترتیب چھوتے اسط اور بتے بیاوں کے لئے موزوں ھیں - عموماً پانچ کانڈے والا ھیرو استعمال کیا جاتا ھے -

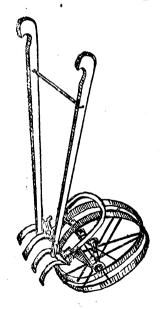
هیرو کو لوقے کے هلوں کے طرح ماچی میں زنجیر سے جوڑتے هیں اگر زنجیر کافی بوی نه هوگی ' تو هیرو کا اگلا حصه زمین پر اچهی طرح کام نه کو سکے گا۔

کھیتی کے کام کے لئے غالباً کلتی ویر سے زیادہ مفید اور کوئی آلئہ نہیں ھے - یورپ اور امریکہ کے بنے ھوئے مختلف نمونے کے کلتی ویتر بازار میں ملتے ھیں 'جن میں مقامی ضرورتوں کے لحاظ سے بہت کہچہ فرق رکھا گیا ھے - لیکن ان اوزاروں میں سب سے سادہ اوزار جو یہاں مل سکتا ھے ' وہ کانپوری کلتی ویتر ھے -

جو فصلیں قطارونمیں ہوئی جاتی ھیں اون میں یہ کلتی ویتر کہتی فصل میں جتائی کا کام دیتا ھے 'اور اگر اس سے فصلوں میں جتائی اور نکائی کی جائے ' تو مزدوری میں بھی بہت بچت ھوتی ھے اس کلتی ویتر سے کام نہایت اعلیٰ درجہ کا ھوتا ھے ' علاوہ اس کے کہ اس کے ذریعہ ہوا سا رقبہ جلد جوتا جاسکتا ھے ' اس میں یہ خو ہی بھی ھے

کہ اس سے زمین خوب بھری بھری ھو جاتی ھے ' اور ھاتہ سے نکائی کرنے کے بعد جو سختی سطم زمین پر آجاتی ھے ' وہ بھی نہیں آنے پانی - جو کام مزدور کہرپی سے زیادہ وقت اور زیادہ خرچ میں کرتے ھیں ' وھی کام یہ کم وقت اور چوتھائی یا اس سے بھی کم خرچ میں کرسکتا ھے - ضوروت کے وقت اس سے ھلکی جتائی کا کام بھی الیا 'جاسکتا ھے -

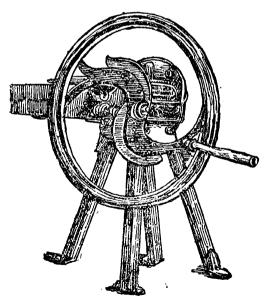
دستی هو نکائی گوزائی کرنے کے لئے نہایت مفید اوزار ہے اس سے کام بھی اچھا هوتا ہے اور نه صرف وتت کم لکتا ہے بلکہ خرچ میں بھی کفایت هوتی ہے ۔ یه هاته سے چلایا جاتا ہے اور جب کہتی فصل میں گوزائی کرنے کے لئے بیلوں کے خیال سے کلتی ویلٹر نه چلا سکیں تو اس کو استعمال کرنا چاهئے ۔ [دیکھو شکل نمبر ۲۱] •



ھئيدھو ش*کل* ئببر ۲۱

نکائی اور گورزائی کا جو کام کهرپیے سے کیا جاتا ہے۔ اس سے گرنا چاہیے ۔ اس مو کی چاہیے ۔ جس قدر نکائی کهرپی کے ذریعے کی جاسکتی ہے۔ اس مو کی مدد سے اس سے دھائی گنے بلکہ اور زیادہ رقبے کی نکائی ایک آدمی به آسانی کر سکتا ہے۔ لیکن دستی ہو استعمال کرنے کے لئے قصاوں کا قطاروں میں بویا ہونا لازم م ہے۔

مزید بران اس صوبے میں جانوروں کو چارا کات کو کھلانے کا عام رواج ہے بلکہ ہوا چارا ہمیشہ کات کر ہی دیا جاتا ہے - جن باغوں میں مویشیوں کی تعداد زیادہ ہو 'ان کے لئے کئی کاٹنے کی کل ایک مفید چیز ہے - علاوہ مزدوری کی بچت کے اس میں ایک فائدہ یہ بھی ہے - کہ چارا چھوٹا چھوٹا کٹنا ہے - [دیکھو شکل نہر ۲۲] -



چارہ کائینے کی کل شکل نہیر ۲۲

اس کل سے ایک گھنٹہ میں تقریباً دس من ہوا چارا کاتا جاسکتا

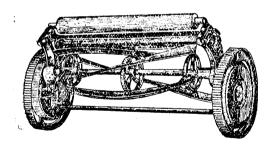
ھے - پہیا گھما نے کے لئے دو آدمی اور چارا دَالنے کے لئے ایک لوکا کافی ہوتا

ھے - اگر گنتواسے سے کام لیا جائے تو اتنے ہی مزدور ایک گھنٹہ میں صرف

ہانچ من چری کات سکیں گے اگر زیادہ چارہ کاتنا ہو تو بتی کل (جو بیلوں

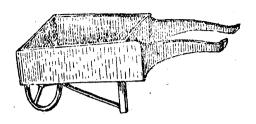
کے ذریعے چلائی جاتی ہے) استعمال کرنا چاھئے -

زمین هموار کرنے کے لئے کرها بہت اچھا اور سستا اوزار ہے؛ اور سینچائی کے لئے راگیاں بنانے میں مانجھا یا لکتی کی پھاوتی کام آتی ہے - قطاروں میں بینچ بونے کے لئے سید و قرل (جو چھوٹنا بوا کئی طرح کا ہوتا ہے) بہت مفید چیز ہے گھاس کو برابر رکھنے اور کا ٹنے کے لئے گھاس کا ٹانے کی مشین ایک ضروری چیز ہے ۔ [دیکھو شکل نمبر ۲۳] ۔



گھاس کاتئے کی مثین شکل ڈہیر ۲۳

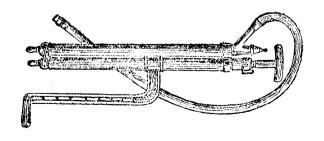
کھاد تھونے کے لئے چھوٹی دستی گاڑیاں (جو بہت سے نمونوں کی ملتی ھیں' اور خود بھی تیار کرائی جاسکتی ھیں) بہت اچھا کام دیتی ھیں [دیکھو شکل نمبر ۲۲] ۔



دستی گاری شکل نمیز ۲۳

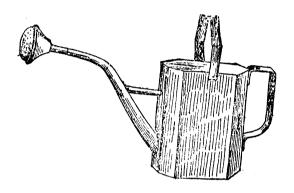
اسی طرح کی گڑیاں پھلوں کے اوتھانے اور جمع کرنے میں بھی کام آتی ھیں ۔ گملوں اور کیاریوں میں پانی دینے کے لئے ھزارہ اور کیروں وغیرہ کو دفع کرنے کے لئے دوا چھڑکنے والع پحچکاریاں کام آتی ھیں ۔ یہ، پحکاریاں مختلف نمونوں کی ھیں ۔ اُن میں سے صرف دو نمونے یہاں دئے جاتے ھیں ۔ [دیکھو شکل نمبر ۲۵]۔



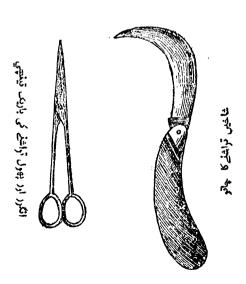


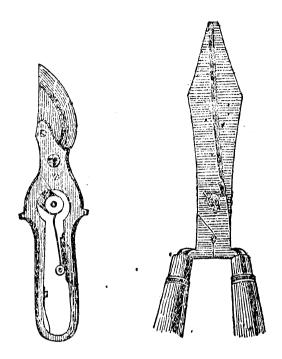
دو پیهکاریان شکل نبیر ۲۵

باغ میں پتیاں' پھول' اور شاخیں تراشنے کے لئے قینچیاں درکار ھوتی ھیں - قلم کرنے' پیوند جورتے اور چشمہ لٹانے کے لئے چاتو' اور پانی دینے کے لئے ھزارے کی ضرورت ھوتی ھے - ان کے چند نمونے ذیل میں دئے جاتے ھیں - [دیکھو شکل نمبر ۲۴] -

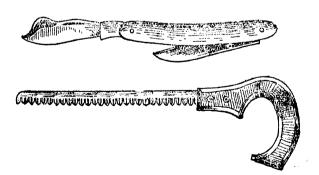


هزاره





شاخیر تراشنے کی تینچیاں



پیوند اور چشرہ اگانے کا چاتو اور آری شکل نبیر ۲۹

علاوہ ان چیزوں کے اور بھی بہت سی چیزیں کام میں آنی ھیں جن میں سے بیل جار 'شیشے کے چوکیائے اور درختوں اور کیاروں پر نمبر کی تختیاں بہت کار آمد چیزیں میں بدل جار کہلی زمیں پر پودوں کی حفاظت اور افزایھی نسل کے کام آنا ھے ۔ [دیکھو شکل نمبر ۲۷] ۔ '





بیل جار و چوکهٔتا شکل نبیر ۲۷

شیشے کے چوکھتے مختلف شکاری کے بنائے جاتے میں اگر یہ چوکھتے دھاں کے مربی تو عرصہ تک کام دیتے میں چوکھتے لکڑی کے بھی ہوتے ہیں لکتھی پر پالٹس کر دینے سے اون کی عمر کسیقدر بچہ جاتی ہے۔
نمبر لگانے کی تختیاں کئی طرح کی ہوتی ہیں لیکن معمولی کام کے لئے لوھے کی چھوٹی سی سلاج پر لکڑی یا لوھے کی تختیاں لگا لیجاتی ہیں۔
اگر ان پر سیاہ روض کر دیا جائے، یا محض تار کول سے رنگ دیا جائے، تو ان کی عمر اور بچہ جاتی ہے، عام طور پر ذیل کے نمونے کی تختیاں رئیر دیا ہوئے کی تختیاں رئیر خیل کے نمونے کی تختیاں رئیر خیل سے بہہ اوزار و تختیاں وغیرہ پوچا اینڈ سن ہونہ کے یہاں سے بہایت خوید لی جاسکتی میں۔ دیکھوشکل نسبر ۲۸]



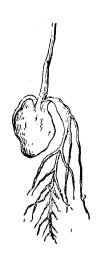
تحتیاں شک*ل ن*وبر ۲۸

پودوں کے حصے اور ان کی غذا

اگر کسی جمتے ہوئے ،بیج کو غور سے دیکھا جائے تو اُس کے دو حصے دکھائی دیتے میں :--

 را) ولا حصة جو نيچے كى طرف زمين ميں جاتا هے - اسے جو كہتے هيں -

(ب) وہ حصہ جو زمیں کے اوپر نکل آتا ہے۔ یہہ تنہ کہلاتا ہے۔ جر بردے کا یہہ حصہ زمیں میں روشنی سے دور تاریکی میں نمی کی جانب بڑھتا ہے، اور اِس میں کلیاں اور پتیاں بھی نہیں ہوتیں۔ البتہ نوک پر ایک حصہ ایسا ہوتا ہے، جو جلدی جلدی جلدی بڑھتا رہتا ہے۔ جن بیحوں میں دو دالیں ہوتی ہیں (جیسے مقرو سیم وغیرہ) ان کی پہلی جو سے بڑی ہونے پر بہت سی شاخیں نکلتی ہیں، اور گہرائی میں پھیلتی ہیں۔ ایسی جر کو موسلا جر کھتے ہیں۔ بخلاف اس کے ایک دال والے بیحوں میں (جیسے مکا، گیہوں، پیاز، کھجور وغیرہ) پہلی جر چھوتی رہ جاتی ہے اور اس کے پاس سے بہت سی پتلی پتلی چھوتی جریں پھوتتی ہیں۔ اور اس کے پاس سے بہت سی پتلی بتلی خیوتی جریں پھوتتی ہیں۔ ایسی جر جھہرا کھلاتی ہے۔ [دیکھو شکل نمبر ۲۹]



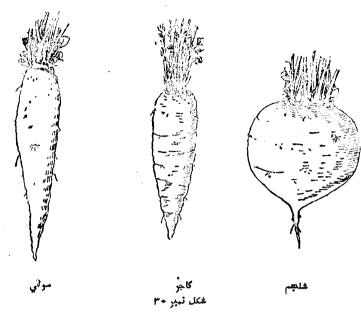


وا قلا كى موسلا جرّ

گيهوں کی جيمزا جز

شكل ثبير ٢٩

جر زمیں سے غذا حاصل کر کے پودے کو پہونچاتی اور اس کو قائم رکھتی ہے' اور کبھی کبھی جر یہہ بھی کرتی ہے کہ زمین سے حاصل کی ہوئی غذا پودے کو تقسیم کر کے اُس کا کچھہ حصہ روک کر جمع کر لیتی ہے ۔ اس طرح وہ پودے کی غذا کا ایک خزانہ بنجاتی ہے ۔ اس عمل کی وجہہ سے اُس کی شکل کسیقدر بدل جاتی ہے' اور وہ موتی ہو جاتی ہے؛ جیسے شلجم گاجر' مولی' وغیرہ کی جریں ۔ [دیکھو شکل نمبر ۲۰] ۔



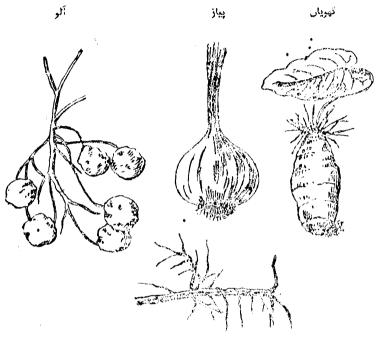
اِن شکلوں کو دیکھنے سے معلوم هونا هے که پہلی جو موتی هوگئی هے اور شاخ جویں باریک هوکئی هی حوتی اور شاخ جویں بھی حوتی هوجاتی هیں؛ جیسے دهلیا کی - [دیکھو شکل نمبر ۳۱] -



دهلیا کی جرَ ش*کل تب*بر ۳۱

تله - يه حصه جو كي التي طرف بومتا هـ ، اور اگر غور سـ دیکھا جائے تو اُس پر بعض ارر چیزیں بھی ہوتی ہیں ' جو برہ کر شائم اور پتیاں بن جاتی هیں ۔ تلک روشنی اور هوا وغیرہ میں هونے کی وجه سے زیادہ پیچیدہ حالات میں نشو و نما پانا ھے ' اور اس لئے جو کے مقابلے میں اُس کی شکلیں بھی طرح طرح کی ہوتی ہیں ۔ تنه درخت کی شاخوں اور پتیوں کو سنبھالتا ہے ۔ اور اُس غذا کے شاخوں ، پتیوں اور بودے کے دوسرے حصوں تک پہنچنے کا وسیلہ ہوتا ہے ، جو جویں زمین سے حاصل کرتی ھیں ۔ غذا کی تقسیم کا یہ عمل بودے کے زندہ رھنے کے طريقوں اور أن حالات كے لحاظ سے 'جن ميں بودا نشو و نما باتا ھے ' مختلف هوتا هے ؛ اور اِس لئے تنه کی بناوت و شمل بھی اوسی مناسبت سے مختلف هوتی هے ۔ مثلاً ' تنه سيدها يا كمزور هوتا هے ' اسى طرح ' گو اُسے عموماً زمین کے اُوپر رهنا چاهئے ' لیکن اکثر سطع زمین کے نیچے بھی ہوتا ہے ۔ علاوہ اس کے تلم کبھی تو سخمت اور لکتی دار ہوتا ہے ' اور عرصے تک قائم رھتا ہے۔ اور کبھی نرم اور فصلی ہوتا ہے ' جو تھوڑے ہی دنی بعد خشک هوجانا هے _ کمزور تنه نه صوف یه که زمین پر پهیلها ، سہارے پر لیتما اور دیواروں پر چڑھما ھے ' بلکہ اکثر اُس کی ایسی شاخیں زمین کے اوپر اور نیچے پھیلتی ھیں' جن میں جویں نعل آتی ھیں اگر ایسے تنہ کو لگایا جائے تو نسل کو برتھانے کا کام دیتا ہے ۔ زمین کے نيعجے جو تله هوتا هے ، وه نه صوف نسل بوهانے كا كام دينا هے ، بلكه اس سے پودے کو یہ فائدہ بھی پہنچتا ہے کہ پودا نشو و نما کے ناموافق حالات کے زمائے میں زمین کے نیچے ھی نیچے ترقی کرتا ہے۔ اور ضائع ہونے سے بچے جاتا ھے موتی جروں کی طرح اس زمین دوز تنے میں بھی پودرں کی غذا کا

ذخوره هوتا هے ؛ اور أن كى شكليں طرح طرح كى هوتى هيں ، جهسے پياز أبو ، ادرك ، اردى وغيره _ [ديكهو شكل نمبر ٣٦] -

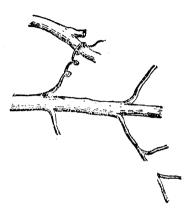


ادرک کا تنع

شكل دربر ۳۲

چونکہ یہ زمین کے نیچے ہوتے ہیں ' اس لئے عام طور پر ان کو جو کہا جاتا ہے ۔ لیکن یہ دراصل تنے کی مختلف شکلیں ہیں ' اور جویں اُن سے الگ اُسی جگہ ہوتی ہیں ۔ اگر ان کا غور سے مطابعہ کیا جائے ' تو اُن پر پتی اور کلی کے نشانات بھی نظر آتے ہیں ۔ اور جو اور تنہ میں یہی خاص فرق ہے ۔ بعض پودوں میں کسی سہارے پر لپیت کر چوہنے کے لئے نار یا سوت ہوتا ہے ' جو سہارے پر لپت جاتا ہے ۔ یہ بھی

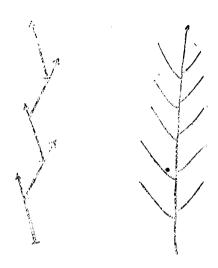
عَلَمُ هَى كَى ايك شَكِلَ هُوتِي هَـ ' جو پودے كى ضُرورت كو پورا كرنے كے لئے۔ ايسى هِوجاتى هـ ــ



گاریا سوت شامل لبہر ۳۳

بعض پهيلنے والے تنے ميں جريں بھی نکل آتی هيں' جو بيل کو چرهنے ميں مدد ديتی هيں۔ مختصر يہ که تنه پودے کي ضرورت کے لحاظ سے مختلف شکلوں ميں تبديل هو جاتا هے۔ تنے اور جرّ سے جو شاخيں پهوتتی هيں' وہ بظاهر بے ترتیب معلوم هوتی هيں۔ ليکن در اصل وہ بے ترتیب نہيں هوتيں۔ ان کي يه کيفيت دو اصولوں پر مبني هے۔ اگرچه کچهه آئے چل کر يه اصول کسيقدر ترميم هو جاتے هيں' ليکن ابتدائی حالت کا ان پر بہت نياده دار مدار هوتا هے۔ ان ميں سے ايک اصول يه هے که تنه کا وہ سرا جہاں نيسور و نما هوتی هے ، دو حصوں ميں منقسم هو جاتا هے' اور هر حصم ايک خشور و نما هوتی هے ، دو حصوں ميں منقسم هو جاتا هے' اور هر حصم ايک جدا گانه شاخ بن جاتا هے۔ يه سلسله برابر قائيم رهتا هے۔

دوسرا اصول یہ هے که پہلے شاخ کی نوک سے ذرا نیچے ایک طرف ایک شاخ نکلتی هے' پهر دوسری طرف - شاخیں نکلنے کا یہ سلسله قائیم رهتا هے - اس طرح ذیل کی شکلیں پیدا هو جاتی هیں ۔



شكل ثهيب ١٣١٧

ایک صورت میں یہ اور اور کہ جب دوسری شاخ نکل آتی ہے، تو نہلی شاخیں شاخی کا برتھنا رک جاتا ہے۔ لیکن دوسری صورت میں اِدھر اُدھر بھی شاخیں نکلتی رھتی ھیں، اور اصلی شاخ برتھتی رھتی ہے۔ اگر ان اصولوں کو سمجه کر مختلف پودوں کا مطالعہ کر لیا جائے کہ کس پودے میں کونسا اصول کام کر رھا ہے، تو شاخوں کے تراشنے میں بہت فائدہ ھوگا اور اُس غلطی کا اندیشہ نه رہ جائے گا جو انگرر، سیب وغیرہ جیسے پھلوں کی شاخیں تراشنے میں مالی عموماً کیا کرتے ھیں اُڑاور جس سے نه صرف آئیندہ فصل کو نقصاں بہنچتا ہے۔ بلکہ درخت بھی خراب ھوجاتا ہے۔ درختوں کی شاخوں کی تربیت میں بھی، جس کا آئے ذکر کیا گیا ہے، یہ اصول بہت مدد دیتے ھیں۔

پتیان — تنے سے صرف شاخیں هی نہیں پھوتتیں' بلکہ شاخوں پر پتیاں بھی نکلتی هیں هر پتی کے تین حصے هوتے هیں' (۱) پتلا چپتا حصه یا اصل پتی (۱) دنتھل جو پتی میں لکا هوتا هے' اور (۳) دَنتھل کا وہ نسبتاً موتا حصه جو شاخ میں جوا هوتا هے' اور جس کو هم اُس کی شکل کی مناسبت اور سهولیات کے لئے گھندی کہیں گے [دیکھو شکل نسبر ۳۵] - شکل اور بناوے کے لحاظ سے پتیاں کئی طرح کی هوتی هیں' جیسے گول' لمبی' نوک دار' بیضوی وغیرہ -



گینتی شکل نیبر ۳۵

بعض بتدوں کی شکل ایسی هوتي هے که گویا ایک هی شاخ میں کئی ایک پتداں جوی هوئی هیں لیکن اُن کو غور سے دیکھنے پر معلوم هوتا هے که ود کل مجموعہ اصل میں صرف ایک پتی هے جیسے املی کی پتی میں ایک پتلی شاخ کے درنوں طرف بہت سی چھوتی چھوتی پتیاں جمع معلوم

هوتی هیں - لیکن در اصل وہ کل مجموعہ ایک پتی هوتا هے - اگر غور سے دیکہا جائے - تو هر پتی اور تہنی کے درمیان کلی نہیں هوتی، بلکہ اصل تہنی کے سرے پر کلی هوتی هے، جو پوری پتی کی ایک بدیہی پہچاں هے - ایسی پتی کو مرکب پتی کہتے هیں – [دیکھو شکل نمبر ۳۱]

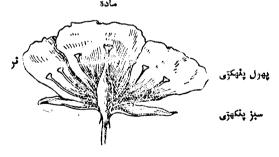


موکب پتی شکل نبیر ۳۹

گرمی ارد درشنی کے اثر سے پتیاں جو کے ذریعے زمین سے غذا حاصل کرتی ہوں - جویں زمین سے غذا لیتی ہیں رہ تنے میں ایک داستے سے ہرتی ہوئی پتیوں تک بہنچتی ہے - پتی میں پہنچ کر اس میں بعض کیداری تبدیلیاں ہرتی ہیں' اور پھر وہ دوسرے راستے سے تنے میں سے ہوتی ہوئی جورں تک واپس پھیل جاتی ہے' اور پودے کی نشو و نسا کا باعث ہوتی ہے - علاوہ اِس کے پتیاں براہ راست ہوا سے بھی زندگی کے لئے بعض ضروری اجزاء حاصل کرتی ہیں - اس سے اندازہ ہوتا ہے کہ پودے کی زندگی کے لئے بعض کے لئے پتیں کے لئے پتین کے لئے بعض خروری اجزاء حاصل کرتی ہیں اور اسی لئے پتیوں کی تندوستی سے پودے

کی تندرستی کا اندازہ کیا جاتا ہے ۔ جس طرح شاخیں اپنی شکل تبدیل کر کے نار بنجاتی ھیں اور پودے کو جسمائی امداد پہنچاتی ھیں' اسی طرح پتیاں بھی مقامی حالات کے لحاظ سے اپنی شکل بدل کر پودے کی مدد کرتی ھیں ۔۔

ان تیں حصوں (یعنی جج' تنه' پتی) کے علاوہ پودے کے دو حصے اور هوسكتے هيں جو عام طور سے پهول اور پهل کے نام سے موسوم هيں - ان ميں سے پهول افزائهن نسل كا خاص سبب هوتا هے' كيونكه اس ميں ايسے حصے هوتے هيں' جن سے بالاخر پهل اور بيج پيدا هوتا هے - اگر كسی پهول كا اچهی طرح مطالعة كيا جائے' تو اس ميں چار حصے نظر آتے هيں' جن ميں سے ايک سبز پتی نما پنکهتری اور دوسرا پهول پنکهتریوں كا حلقه هوتا هے - پنکهتریوں سے اندر كی طرف نربارر مادہ حصے هوتے هيں' نركے ايک حصے ميں پراک كيسر اور مادہ كے ايک حصة ميں گربهة كيسر بهرا هوتا هے جن كے باهمی اتحاد سے بينج اور پهل پيدا هوتے هيں - [دنيكهو شكل نمبر ۲۷] -



شكل ثبير ٣٧

یہہ حصے هر پهول میں هوتے هیں مگر ان کی بنارت مختلف پهولوں میں مختلف هو۔ میں مختلف هوتی هے - پهولوں کی تقسیم بناوت کے لتحاظ سے کی جاتی هے - اس کا مختصر بیان آگے آئے گا پراگ کیسر اور گربہہ کیسر کے باهمی اتحاد کے

بعد پھول کے مادہ حصے میں خصوصاً اور اکثر اس کے آس یاس کے حصوں میں بھی قوت نامیہ پیدا ھو جاتی ھے' اور وہ رفقہ رفقہ بوہ کر پھل بنجاتے ھیں ۔۔ ھیں ۔۔

بيدم كا جمنا بيم كو ايك طرح كا مكمل چهوتا دودا كها جا سكتا ھے' جس کی نشو وانسا کے لئے کچھ فذا خود اُس کے پاس ھی جمع رہتی ھے - یہة پودا أس وقت تك يے حس برا رهنا ھے - اور اس ميں باليدكى نہیں ہوتی' جب تک کہ اُس کے نشو و نما کی ضروریات پوری نہیں ہوتیں ۔ اِن ضروريات ميں نمي، كرمي اور هوا تين چيزيں شامل هيں - نمي سے بیج پھول جاتا ہے' اُس کے اوپر کا چھلکا ملائیم ہو جاتا ہے۔ گرمی کلے کو نشو و نما دیتی هے' جو چهلکے کو تور کر نکل آتا هے - هوا سے آکسیجن ملتا ھے' جو پودے کی زندگی کے لئے ضروری ھے - کلا اینی پیدائش کے وقت چهوتا سا هوتا هے، لیکن کچهه عرصے تک هوا اور روشنی میں ره کر وه بوه بھی جاتا ہے اور اس میں سبزی بھی آجاتی ہے - نسی، گرمی اور ہوا کے بغیر بیم کا جمنا ناممکن ہے ۔ اسی طرح اگر پودے کو روشنی نہ ملے تو اس میں سبزی نہ پیدا ہوگی - گو نسی بیج کے جمنے کے لئے ضروری ہے مگر اس کی كثرت نشو و نما كے لئے مضر هوتى هے - البته جو يود بے پانى هى ميں هوتے هیں' وہ اس کی زیادتی کو برداشت کرسکتے هیں - ایک فرانسیسی' ماهر فن کا قول هے - که بیم اپ وزن سے بھی زیادہ پانی جذب کر لیتا هے -اگر بیم کو سخت اور چکنی متی میں گهرا بویا جائے، تو بیم نہیں جمتا اس کا سبب یہہ ہے کہ اُسے ہوا کم ملتی ہے ۔

بیہ بونے کا صحیح طریقہ یہ ہے کہ وہ بہت گہرائی میں نہ پوے ۔ بیہ جمنے کے لئے جس قدر گرمی کی ضرورت ہوتی ہے' وہ ہر بیہ کے لحاظ سے بہت کچھہ کم و بیش ہوتی ہے ۔ لیکن ۳۱ درجے سے کم اور ۱۲ درجے

سے اوپر کی حرارت میں بیہے مر جاتے ہیں - گو ایسی مثالیں بھی موجود ھیں - کہ بیم تھوری دیر گرم بانی یا برف میں رکھنے کے بعد بھی جم جاتا ھے؛ لیکن ایسے بیج صرف وہ ھیں جن کے اوپر سخت چھلکا ھوتا ھے ۲۰ سے درچے کی حرارت بیجوں کے لئے عموماً موزوں ہوتی ہے - بعض نازک چیزیں ایسی بھی ھیں جو ۱۰ سے ۷۰ درجے حرارت پر جمنی ھیں - بیم میں پودے کی غذا کا جو ذخیرہ هوتا هے' اس میں بیج جمنے کے وقت بعض کیمیاوی تبدیلیال هوتی هیل - یه امر بهت کچه بیم کی قسم اور اس فذا پر منصصر هے' جو اس کے اندر موجود هوتی هے - بیمبوں میں زیادہ تر استارچ پایا جاتا هے - لیکن یہم پانی میں حل نہیں هوسکتا؛ اور جب تک پانی میں حل نه هو جائے پودے کے کام نہیں آسکتا - یہه استارچ رفقه رفته شکر میں تبدیل هوجاتا هے - چذانچه اگر گیهوں کے سخت دانے کو دانت سے دبا کر دیکھیں تو استارچ موجود ملے گا۔ لیکن اگر اُسے پانی میں بھگو کر اتنے عرصے تک کسی گرم جگھہ پر رکھدیا جائے کہ کلا پھوت آئے، اور اس وقت دانت میں دبا کر دیکھیں تو اس میں بجانے استارچ کے ایک طرح کی متهاس ملےگی۔ بیم کی غذا کی کیمیاری تبدیلیاں بہت پیچیدہ هیں گو مستقل تجربوں سے اس کی بہت کچهہ تنصیل دریافت کیجا چکی هے، لیکن اب بھی اس سلسلے کی بعض دریافت طلب باتیں مزید تجربے کی محتاج هيں _

باغبان کی کامیابی بیچ کے اچھا اور برا جمنے پر بہت کچہ منحصر هے اس لئے بیچ بوتے وقت مندرجہ ذیل باتوں کا لحاظ رکھنا چاھئے ۔

(۱) بیچ کو مناسب وقت پر اور اچھی طرح تیار کی ھوٹی زمین میں بونا چاھئے ۔ زمین کی نا کافی تیاری اور نا موزونیت اکثر ناکامیابی کا باعث ھوتی ھے ۔

- (ب) چھوٹے بیجوں کو گھرا نہ بونا چاھئے _
- (ج) بیج ہوتے وقت زمیں میں کافی نمی ہونی چاہئے۔ یعنی نمی ہونی جاہئے۔ یعنی نم تو نمی اتنی کم ہو کہ بیج خشکی میں پرا رہے ، اور نم اتنی زیادہ ہو کہ بیج ارسی میں سر کر رہ جائے۔ بعض اوقات پائی کی زیادتی سے بیج جم بھی جاتا ہے۔ اس لئے بیج ہونے سے پہلے زمین میں کافی نمی مہیا کردینی چاہئے ۔
- (د) اکثر یہ بھی ہوتا ہے کہ بیسے جمنا شروع ہو جانے کے بعد ھی نمی کی کمی اور دھوپ کی شدت ہوجاتی ہے۔ اس سے کا مر جاتا ہے۔ نازک اور چھوتے بیجوں کو خاص کر ایسی حالت سے محفوظ رکھنا چاھئے۔ گماوں اور ذخیروں کے لئے خصوصاً ایسی جگم منتخب کرنا چاھئے جہاں دن کے اول اور آخر حصرں مہیں ہلکی دھوپ آتی ہو اور اگر ایسی جگمی نہ مل سکے ' تو تیز دھوپ کے وقت اُن پر سایہ کرنے کے لئے ایسی جگمیہ نہ مل سکے ' تو تیز دھوپ کے وقت اُن پر سایہ کرنے کے لئے تخیوں کا کوئی دوسرا خناسب انتظام ضروری ہے: جیسے 'مستقل چوکیتے یا کہجور کے پتیوں کی چتائی ' جسے ضرورت کے وقت سایہ کرنے کے لئے کہ کھوا کردیا جاسکتا ہے۔ یہ بھی خیال رہے کہ ہودم سایہ بھی نہ رکھا جائے ' کیونکہ اس کی ذیادتی بھی نہی ودوں کو مضر ہوتی ہے۔
- (8) چونتیاں اور دیمک بیج کو بہت نقصان پہنچاتی هیں اگر زمین میں ان کا اندیشہ هو تو بیج بونے سے پہلے زمین میں تیز گرم ' پانی ڈالنے سے کسی قدر امن مل جاتا هے ' کیونکہ جہاں تک یہ پانی زمین میں پہنچتا هے یہ مضر جاندار مرجاتے هیں کلّے نکل آنے کے بعد راکہہ یا دھوئیں کا کاجل چھڑکنا بھی مفید ھوتا هے اگر بیج کی میں بوئے جائیں اور چونتیوں کا اندیشہ ھو ' تو گملے کو کچھہ دن تک کسی پانی کے برتن میں رکھہ کر بیج کی حفاظت کی جاسکتی هے ' کیونکہ

هر طرف پانی بهرا رهنے کے سبب سے چونتیاں اُس پر حمله نہیں کرسکتیں۔
ریلتی اور نیم کی کہلی متی میں ملانے سے بھی دیمک کم حمله کرتی ہے۔
یہ بھی خیال رکھنا چاهئے که گرم آب و هوا میں بیج جلد خراب هوجاتا ہے۔
اِس لئے خصوصاً میدانی علاقوں میں بیج کو تین کے دَبس یا بوثلوں
میں اس طرح احتیاط سے رکھنا چاهئے که اُس پر هوا اُ اثر نه هو سکے
علاوہ اس کے بیج کو ایسی بہاری متی میں نه بویا جائے ' جس میں سخت
پیتری بتن کا اندیشه هو ' بلکه گملوں اور ذخیررں کی متی کو کھاد
دے کر بھربھرا اور ملائیم بنا لینا ضروری ہے۔ پھولوں کے بیج عموماً دس
پندرہ دن میں نکلتے هیں۔ کچھ بیج بے شک اس سے جلد نکلتے هیں لیکن
بعض بہت کافی عرصے میں بھی جمنے هیں ' اور دو تین مہینے بغیر جمے هوئے
پترے رهتے هیں اس لئے اگر کسی بیج کے جمنے میں دیر هو ' تو اُس سے
مایوس هوکر ذخیرہ یا گملے کو جلد ضائع کر دینا قریں مصلحت
نہیں هوتا۔

افزایش نسل — پودے کی نسل بتھانے کے کئی طریقے ھیں - عام طور پر بیج ' قلم ' دابا ' گوئی ' پیوند اور چشمه لاا کر نسل بتھائی جاتی ہے پتیاں ' جت ' اور تنے کے حصے بھی افزایش نسل کا کام دیتے ھیں - جیسے آلو ' جو علم نباتات کے لحاظ سے ایک تنه ہے افزایش نسل کا کام دیتا ہے ' گرہ یا گتھیوں سے پودے کی نسل بتھانا یورپ کے ملکوں میں بہت رائمج ہے ۔ اور اس کا سبب یہ ہے کہ بہت سے خوبصورت پہولوں کی کاشت اور افزایش گرھوں کے ذریعے کی جاتی ہے ۔ ہم یہاں افزایش نسل کے مختلف طریقوں کو مختلف طری پر بیان کرتے ہیں ۔

هے ، اور زیداد، تر اسی طرح افزایش کا کام هوتا هے ، جن بودوں کی زیادہ

کاشت هوتی هے ' ان کے قلم یا دایے بھی لگائے جاتے هیں - مگر ترکاریاں اور فصلی بھولوں کے بیم ھی ہوئے جاتے ھیں بیم کا عمدہ اور تندرست هونا نهایت ضروری هے تندرست بیم کے جانچنے کا ایک آسان طریقه یا م کہ اگر کسی برتن میں پانی بھر کے بیج کو اُس میں ڈال دیا جائے ' تو جر بیمے پانی میں تیرنے لگے وہ ناقص هوگا - لیکن جو بیمے ها کمے هوتے هي هيں ' ظاهر هے که وه هر حالت ميں تيرتے رهيں گے -ایسے بیجوں کو اس طرح نہیں آزمایا جاسکتا - اچہا بیج حاصل کرنے کے لئے بیجوں کے جمع کرنے کا طریقہ بھی اچہا ہونا چاہئے ورنہ اچہا بيم بهى اگر برى طرح ركها جائے تو خراب هو جائيمًا - كروچ كى موتی تھیلیاں اکثر بیجی کے رکھنے کے المے اچھی ثابت ہوئی ہیں۔ خاص کر ترکاریس کا بیم ان میں اچھی طرح رکھا جاسکتا ھے پارچہ ینت کی تهدایدان بهی کام آتی هیں - بدیم جس جگهه رکها جائے رهان نسی کا اثر نه هونا چاهئے - اسی طرح جہاں تک ممکن هو گرمی کے اثر سے بھی بیجوں کی حفاظت کرنی چاھئے - بند مکان اور تھنڈی جگھ اس کم کے لئے اچھی ھوتی ھے - بیج جمع کرتے وقت یہ خیال رکھنا بهت ضروري هے که وه کچے نه ره گئے هوں - برے اور اچهے پهول پهل بیم کے لئے پہلے سے چھوڑ کر انہیں درخت میں اچھی طرح بڑھنے پکنے اور حسب معمول خشک هونے کا موقع دینا ضروری هے - بعض پودے ایسے هوتے هیں که أن كا بيم پكنے پر گر جانا هے - ایسے بیجوں كى حفاظت کرنے کے لئے باریک کپڑے کا ایک ٹکڑا بیجوں کے چاروں طرف باندة دينا چاهئے - خاص قسم كے بيبج دوسرے ملكوں سے بھى منكائے جاسکتے هیں - هندوستان میں بھی بہت سے کارخانے هیں ' جہاں سے اچہا بیج مل سکتا ہے - عالوہ ان کے سرکاری باغات (سہارنپور 'کلکتہ'

نیلگری وغیرہ میں) بھی بیبج فروخت کرتے ھیں ۔ کارخانوں میں ایک مشہور کارخانہ ہی ۔ پوچا ایندسن پونا کا کارخانہ ہے جو سنہ ۱۸۸۲ع سے ابتک برابر قابل اطمینان کام کر رھا ھے ۔ اس کارخانے کے مختلف بیبج ھمیں آزمانے کا موقع ملا ہے اور ھمیں خوشی ھوتی ہے کہ ھندوستانی کارخانوں میں ایک کارخانہ تو ایسا ہے جسپر قرار واقعی بہروسہ کیا جاسکتے ھیں ۔ جانبانی کے اوزار بھی اس کارخانے سے خریدے جاسکتے ھیں ۔ اس کارخانہ کے جن بیجوں کو ھم نے آزمایا ہے اون کا ھم شایقین کی سہولت کے لئے آئندہ بھی حوالہ دیں ئے ۔

(۲) قلم - بہت سے پودے ایسے هیں ' جن میں جر آسانی سے نكل آتى هـ - اور أن كا قلم لئانا هميشة اچها هوتا هـ - إن مين سـ كحيمة تو ايسے هيں ' جن كے لئے كشي موسم كي قيد نهيں هے' اور هو زمانے میں ان کے قلم تیار هوسکتے هیں - برسات کا زمانه عام طور سے اس کام کے لئے اچہا ہوتا ہے۔ لیکن کچہ پودے ایسے میں۔ جن کا وطن سرد ملکوں میں ہے اور وہ جاڑے کے زمانے میں تیزی سے بتھتے ھیں اس لئے اُن کے قلم لگانے کے لئے سردی کا موسم اچہا ہوتا ہے۔ قلم لگانے کے لئے یہ ایک عام اصول قرار دیا جاسکتا ہے کہ ہر پردے کا قلم اُسی زمانے میں لکانا چاہئے جس میں اس کی نشو و نما زیادہ هوتی هو۔ قام کے لئے ایسی شانم لینی چاہئے 'جس پر کلے نکلے ہوں نیکن کچی نه هو - قلموں کا ترچها گازنا سيدهم كارنے سے اچها هوتا هم - أس كا بهت زیادہ حصہ زمین پر نه نکلا رهنا چاهئے - ایک انچ نکلا رهنا کافی هے -اگرچة بعض چيزيں أيسى هيں جن ميں قام زمين سے زيادة أبهري رھتی ہے ' تب بھی جر پکرایتی ہے ؛ لیکن نازک قسم کے پوروں میں یہ احتهاط ضروری هے - قامرں کو سایهدار جگهه میں لگانا اور زمین کو حسب ضرورت نم رکھنا بھی ضروری هے - اگر سایهدار کہلی هوئی جگه اچهی نه هو ' تو قاموں پر سایه رکھنے کا انتظام کرنا چاهئے - جہاں تک ممکن هو ' شاچاب اور پخته شاخیں لگائی جائیں - قلم کے نیچے کا حصه صاف کتا هونا چاهئے - جس درخت کے قلم میں جو مشکل سے نکلتی هو ' اس کے لئے آسان طریقه یه هے که پودے کی ایک مناسب شاخ تلاش کر کے اُس پر سے کسی قدر چھاکا اِس طرح جور کے نیچے سے نکال دینا چاهئے جیسا که اس شکل میں دی۔ایا گیا ہے -



قلم شکل ندیر ۳۸

ایسا کرنے سے چھلکا جہاں سے کتا ہوتا ہے وہاں گرھیں پوجاتی ھیں - جب گرھوں کا بوھنا رک جائے تو شاخ کو نیچے سے کات کر زمین میں دیا دینا چاھئیے ' اور اُوپر کے حصے کو حسب معمول اتنا چھوٹا کردینا چاھئے که صرف ایک دو کالیاں اُوپر رہ جائیں - بعض لوگوں کا

خهال هے که به نسبت کاتے هوئے قام کے جوز پر سے توزی هوئی شاخ اچھی لگتی هے ـ

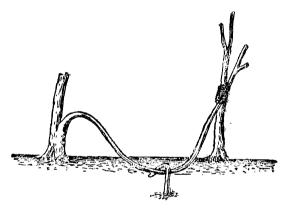


قلم ش*کل* ثبیہ ۳۹

قلم بہت سی چیزرں میں لگائے جاتے ھیں تامس' مور کا قول ہے گھ خالص بالو اس کے لئے بہت اچھا ثابت ھوا ہے - چونکہ اس میں کسی قسم کی سرّنے والی چیز نہیں ھوتی ' اس لئے قلم پر سرّاھند بہت نہیں دررّتی - کوئلے کا خالص چورہ بھی منید پایا گیا ہے - اکثر اُسے دوسری چیزرں میں ملا بھی دیا جاتا ہے - بعض قلم محتض باغ کی مثی میں جرّ پکرّ لینتے ھیں - بہت سے قلموں کا ایک سرا صرف پائی ھی میں رکھنے پر جرّ نکل آتی ہے - فرمنگر نے مس ملنگ کے حوالے سے امریکہ کا ایک طریقہ لکھا ہے - مس ملنگ کی ھدایت یہ ہے کہ پختہ قلمیں سے چند شاخیں کات کر تالاب کے کیچرّ اور اسپنچ کو پانی میں تو کو کے کسی چوزے منہ کی بوتل میں رکہ دو اور اُس میں قلم لکاؤ - آھستہ آھستہ دس دیں میں جر نکل آئے گی - بوتل کو ھوادار اور تھندی

جگہۃ میں رکھنا اور ہوتل کے منہ پر باریک جالی کا کپترا باندھنا اس لئے بھی اچھا ھوتا ھے۔ کہ کیتے مکوڑے اُس میں نہیں جاسکتے ۔ موتا کپترا باندھنے سے ھوا رک جائیگی -

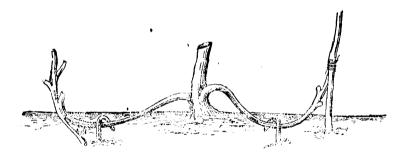
(۳) دہا۔ دابا اُس شاخ کو کہتے ھیں ' جس کا کچھ حصہ زمین میں گزکر متی سے دبا دیا جاتا ہے اس حصے میں جز نکل آتی ہے اور اس کی پرورش پودے سے ھوتی رھتی ہے ' جس سے وہ فوراً ھی الگ نہیں کی جاتی ۔ اس میں شک نہیں کہ بہ نسبت قام کے دابے کے ذریع نسل بڑھانے میں دیر زیادہ لگتی ہے ؛ لیکن اِس میں ناکامیابی بہت کم ھوتی



دابغ شکل ندبو ۳۰

ھے۔ دابا لگانے کا معمولی طریقۃ یہ ھے کہ ایک مناسب شاخ تلاش کرکے اُس کو زمین تک جھکاتے میں اور ایک کیل اس طرح لگادیتے میں که شاخ پھر اُتھہ نه جائے ۔ اُس کے آئے ایک لکتی لگا کر باتی شاخ کو سیدھا کر دیتے میں ۔ جس جگھ کیل ہوتی ھے اُس حصہ کو متی سے دھک دیتے میں ۔ اِس میں سے جج پھوت آتی ھے ' جو کچھ دنوں

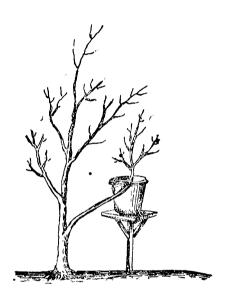
کے بعد کات دینے پر ایک نیا پودا بی جاتی هے - دایے کے لئے پخته شاخ لینا چاهئے ایکی ایسی سخت بهی نه هو که جهکانے پر چٹک جائے ـ جو شاخ جهکائی جاتی هے ' اس میں شاخ کا چهلکا اگر اس طرح اُنار دیا جائے جیسے قلم کے لئے بتایا گیا هے ' تو کامیابی اور بهی یقینی هو جاتی هے - شاخ کے جس حصے پر سے کہال اناری جائے ' وہ متی کے نیچے دبا هونا چاهئے اس کو چہلادار دابه کہتے هیں - یه بهی کیا جاتا هے که بجائے اس کے که صرف چهال چهیل دی جائے شاخ میں ایک زبان کات دیتے هیں (جیسے نوکل کے اُن باجوں میں هوتی هے ' جو



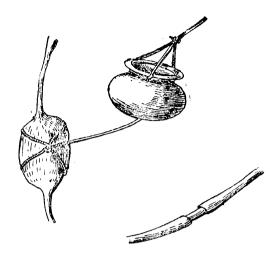
چهالدار داین زبان دار شکل نبیر ۲۹ شکل نبیر ۲۹

بچے بجاتے ھیں) - زبان کے بیچ میں ایک کنکر رکھہ کر اُسے کھول دیتے '
اور متی میں دبا دیتے ھیں ۔ اس کو زبان دار دابه کھتے ھیں فرمنگر نے
لکھا ھے کہ ترشی ھوٹی زبان اُوپر کو نکلی رھنی چاھئے ۔ لیکن عموماً
یہ شرط نہیں لگائی جاتی ۔ بجائے زبان بنانے کے یہ بھی کیا جاسکتا ھے
کہ شانے کو تیز چاتو سے کم و بیش دو انچ پہاڑ کر اس کے منہ کو زبان
کی طرح کھلا رکھہ کر متی میں دبا دیا جائے ۔ دابا کرنے کے اور بھی
کئی طریقے ھیں' ۔ لیکن اصول سب کا یہی ھے ۔ صرف موتع کی

سہولت سے آئمیں ترمیم ہو جاتی ہے جیسے ' اگر بوے دوخت سے دایا لیذا ہو تو اس کی صورت حسب ذیل ہو گی ۔ (دیکھو شکل نمبر ۳۲) دایا کر کے حسب ضرورت پانی کا انتظام رکھنا چاھئے ۔ جس جگہہ شاخ دیائی جائے ' اگر اُس میں کھاد ملی ہو ' تو بہت اچہا ہے ۔



درخت سے دایا کرنا شکل نبدر ۳۲



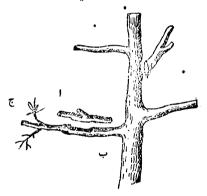
گوٿي ش*کل* نهبر ۲۳

یہ طریقہ اِنگلستان میں ایک صدی سے زیادہ پہلے سے رائم تھا۔ ماستر میں (سابق سرکاری مہتمم باغات کلکتہ) نے اس طریقے کو گوتی کے نام سے مفصل بیان کیا ہے۔

(٥) پیوند اگر دوشاخوں کی سطحوں کو اس طرح ملا دیا جائے که دونوں ایک ذات ہو کر بڑھیں اور نشو و نما پاٹین ' تو اسے پیوند کرنا کہتنے ھیں - یه ایک نہایت قدیم طریقه هے ' لیکن اس کا رواج ھندوستان میں بہت کم هے ' اور همارے مالی عموماً بہت بری طرح پیوند لگاتے ھیں - ورنه حقیقت یه هے که آرو ' نارنگی ' آم ' گلاب ' اور بہت سی دوسری چیزوں میں پیوند سے بہت کامیابی ہوئی ہے - پیوند لگانے کے لئے دونوں پودوں کا (یعنی جس پر پیوند لکا یا جائے اور جس کا پیوند لکایا جائے اور جس کا پیوند لگایا جاے) ہم نسل اور ہم خاندان ہونا ضروری ہے ' ورنه کامیابی

نهیں هوسکتی - درختوں کا پیوند کرنے میں تنے کا تندرست اور توانا هونا ضروری هے 'کیونکه یہی شاخ کی پرورش اور نشو و نما کا ذریعه هوتا هے - پیوند کر کے درختوں سے معمول سے جلد پہل اور پہول حاصل کر سکتے هیں - دابے کی طرح پیوند کے بھی بہت سے طریقے هیں 'جیسے: زباندار 'پچر دار ' بگلی' شکافی و دو شاخه پیوند وغیرہ - شکافی اور دوشاخه پیوند زیادہ عام هیں -

بغلی پیوند میں تنے کے قریب ایک شاخ پر تیز چاقو سے تقریباً نصف انچ گہرا شکاف دو اور پھر جس چگہہ شکاف دیا ہے اس کے پاس سے دیوہ انچ لمبا لکتری کا ایک تکرا چھاکے سمیت اُتار دو ۔ اس کی شکل حسب ذیل ہوگی : اسکے بعد (۱) کو (ب) پر رکھہ

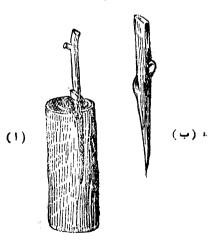


بغلی پیوند ش*کل* نم**ب**ر ۲۳

کر اس طرح باندھو کہ الف کا چہلکے والا حصہ آوپر کی طرف رھے - اگر مسالا لگاکر باندہ دیا جائے تو پیوند آسانی سے لگ جاتا ھے - اس میں تنے اور شاخ کی موتائی یکساں ھونا ضروری نہیں ھے ' بلکہ شاخ پتلی رھنا چاھئے جب شام بوھنے اگے تو اس کے سامنے اگر کوئی رکاوت ھو

(جیسے اوپر کی شکل میں ج) تو اُسے دور کردینا چاہئے ؛ اور جب شانح کانی بری ہوجائے تو پرانی شانح کو اُس کے پاس سے بالکل علیصدہ کر دینا چاہئے ۔ یہ طریقہ جہاں شاخوں کی کمی ہو وہاں ایسی شاخیں پیدا کرنے کے لئے مفید ہے جو خوب پہلیں ۔

شکافی پیوند میں تنے کا شاخ سے موتا ھونا طروری ھے ۔
تنے کو زمین سے آتھ یا نو انچ اُوپر کسی تیز اوزار سے ھموار
کاف دو ۔ پھر کسی باریک تیز آری سے شکاف کر کے اُسے کھلا رکھو ;
جیسا کہ ذیل کی شکل (۱) میں دیکھایا گیا ھے ۔ پھر شاخ
کو شکل (ب) کے موافق اس طرح تیار کرو کہ اندر کی طرف چھلکا بالکل
نہ رہ جائے ۔ اس کے بعد تنے کے شکاف میں اس طرح جماؤ کہ یہ دونوں
بالکل بیتھے جائیں اب حسب معمول مسالا رکھے کر لیبت دو



شگانی پیر**ند** شکل نمیر ۳۵

مور نے لکھا ھے کہ '' شکافی پیوند ایک خراب طریقہ ھے '' اگر غور سے دیکھا جائے تو واقعی اس میں بعض نقص ھیں ' جن پر قابو پانا بہت

مشکل ہے ۔ اور شاید یہی وجہ ہے کہ اس مہیں کامیابی کم ہوتی ہے ۔ چدانچے کیمرن نے لکھا ہے کہ '' مجھے اس قسم کے پیوند میں سوائے آرو کے دوسرے درختوں میں کامیابی نہیں ہوئی '' ۔ اس طریقے کے مقابلے میں دوشاخہ پیوند زیادہ کامیاب ہوتا ہے ' اور یہی وجہ ہے کہ بہ نسبت شکافی پیوند ' کے ' اس کا رواج زیادہ ہے ۔ آم اور آرو میں خاص کر ' اور گلاب میں اکثر ایس قسم کا پیوند لکایا جاتا ہے ۔ کم و بیھی تین سال کے تخصی درخت اس کام کے لئے اچھے ہوتے ہیں ۔

دو شاخه پیوند کا آسان طریقه یه هے که ایک درخت زمین پر اور ایک گماے میں ہو ؛ گو دونوں کے گماے میں یا زمین یو هونے میں کچهه زیادہ "حرج نہیں ہے - جس جگہه دونوں آسانی کے ساتھ، ملائے جاسکتے ہوں '، وہاں سے دونوں میں سے برابر برابر حصے چھیل دالو - دو انبے لمبائی میں چھلکے کا تھز چاقو سے اس طرح چہیل ڈالٹا کہ اس میں لکری کا داریک حصہ آجائے 'کافی ھے - پھر دونوں کو ملا کر اور مسالا لگا کر حسب معمول باندہ دو لیکن دونوں کو اِس طرح ملانا چاھئے که وہ مل کر بالکل ایک معلوم ھونے لگیں _ جب دونوں مل جائیں تو جس پر پیوند کیا گیا ہے اس کا کل اوپری حصة دومرتبه کر کے جوز کے قریب تک کات دینا چاهئے اور جب ولا اچھی طرح چل جائیں ' تو جس کا پیوند کیا گیا ہے اوسے جوڑ کے پاس سے اس طرح کات دینا چاھئے کہ اپنی جو سے اُس کا تعلق نہ رہ جائے ؛ اور جس پر پیوند کیا گیا ہے اُسی سے نشو و نما پانے لگے۔ جب تك بالكل اطمينان نه هو جائے كه درخت خوب مضبوط هو گيا هے كملے سے نه نكالا جائے ، ورنه درخت ضائع هو جائے كا -

[ديكهو شكل نببر٣]



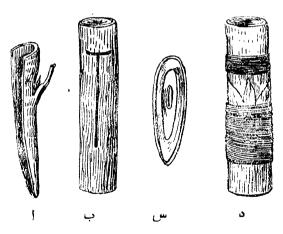
شکل نید ۲۲

پیوند کا مسالا ' حسب ذیل هے ب۔۔
الکھل چھے آونس ۔
معمولی زرد رال ایک پونڈ ۔
چربی ایک اُونس ۔
اسپرت ترپی قائن ایک چمچہ (چائے کا) ۔
اسپرت ترپی قائن ایک چمچہ (چائے کا) ۔

رال کو هایمی آنچ میں گلا کر چربی ملاتے اور خوب چلاتے هیں - چب چہر کسی قدر تہندا کر کے ترین تائن دالتے هیں اور پھر چلاتے هیں - جب هاته سے چہونے کے قابل تہندا هو جائے ' اُس کو مل دالتے هیں ـ جب اور تہندا هو کر کچهه جملے لگے تو ذرا سا پھر گرم کر کے بوتل میں بہر کر رکھ لیتے هیں ـ بوتل کا کاگ اکثر چپک جاتا هے ' اور مسالا بھی بوتل میں لیت جاتا هے ' اس وقت اگر بوتل کو کچهه گرم کردیا جائے یا تہوری دیر کے لئے اُسے گرم پانی میں دال دیا جائے تو مسالا پگہل جاتا هے ۔ اسے کسی چیز یا برش سے پتلا پتلا لگانا چاهئے ـ بعض لوگ صرف چپچپی وال لگانا کافی سمجہتے هیں معمولی مالی عموماً کچهء نہیں حجیجپی وال لگانا کافی سمجہتے هیں معمولی مالی عموماً کچهء نہیں خلگاتے اور محض مائی لہیت کر باندہ دیتے هیں -

(۲) چشمہ _ اِس عمل میں شاخوں کے کلے کو کسی قدر چہال نے ساتھہ ایک درخت سے لے کر دوسرے درخت کی اندرونی جہال کے نیچے لگاتے میں ۔ کہبی کہبی چشمہ درخت کے ایک حصے میں شاخیں بوھانے کے لئے بھی لگایا جاتا ہے - لیکن عام طور سے یہ پھل یا پھول کی اصلاح کے خیال سے کیا جاتا ھے ' اور ایک درخت کا چشمہ دوسرے پر لکایا جاتا هے ' جس کی وجه سے درخت نه صرف جاد بوهتے هیں بلکه جلد اور عمده پهل بهی دیتے هیں - تخمی درختوں پر اچهے قسموں کے چشمے باندھنے سے اچھے نتائج ھوتے ھیں - نارنگی ' بیر ' آزو اور گلاب پر عام طور سے چشمہ چوھایا جاتا ھے - بہار کا موسم وسط سردی کا زمانہ اس کے لئے اچھا ہوتا ہے اصلی اصول وہی ہے جو پیوند کا ہے۔ چشمہ لگانے میں اُس وقت خوب کامیابی ہوتی ہے جب چھال بہ آسانی لکوی سے الگ هو سکتی هو - جس زمانے میں چھال لکتی سے چپکی رهتی هے ' اس وقت چشمہ لٹانے میں کامیابی نہیں ہوتی اس کے لئے معتدل موسم مناسب ہوتا ہے۔ تیز دھوپ اور خشک ہوا کے زمانے میں بھی كاميابي مشكل هوتي هـ - چشمه باندهني كا طريقه يه هـ ، كه جس درخت کا چشمه باندهذا هو اس کی ایک ایسی شاخ لو ' جس کا چشمه خوب تندرست هو اس کی پتیان دنتهل کے درمیانی حصے پر سے کات دو اور اُس کی شکل ایسی بنالو جیسی ذیل کی شکل میں الف ہے - اس کے بعد جہاں چشمہ باندھنا ہو اس کے تنے پر موٹائی میں تیز چاتو سے ایک ڈیوہ انیم لمبا شگاف دو ' اور اس شگاف کے نیچے سے ایک دوسوا شگاف اس طرح بذاؤ کہ دونوں کی شکل مل کر انگریزی کے حرف آ کی طرح عوجائے جیسا کہ شکل (ب) ھے - پھر چشمے کو معہ چھال کے اس طرح سے نمالو کہ اس میں لکوی نہ رہ جائے اور اُس کی شکل ایک ڈھال کی سی

نعل آوے جیسے (س) فے چشمه اس کے بیچ میں ہو اس کے لئے ہاتھه کی صفائی کی ضرورت فے بہتر یہ ہوتا نے که پہلے سے ہاتھه کی صفائی کی مشق کولی جائے ۔ لکتوی نکالنے میں یہ خیال رکھنا چاہئے کہ لکتوی کے ساتھه چشمے کی جو نه کھنچ آئے بلکه اگر کسی قدر لکتوی اس کی وجہ سے لگی رہ جائے تو کچهه ہرج نہیں ہے ۔ جب چشمه صاف نکل آئے ۔ تر تنے کی چھال کا شگاف چاتو کے دستے سے اُتھا کر چشمے کو چھال کے نینچے لکتوی پر شکل (د) کے موافق چسپاں کردو اور اس طرح باندہ دو که چشمه کہلا رہے لیکن اور سب حصه دھک جائے ۔ اشکال ا ۔ ب ۔ س ۔ د ۔ [دیکو شکل نمبر ۲۷] ۔



چشملا شکل ڈبیر ۲۷

 یا مر رها هے - جب یه اطمینان هوجائے که چشمه کامیاب هو گیا هے ، تو اس کا بندهن کهول دینا چاهئے ، اور جس شاخ پر چشمه باندها گیا هے - اُس کو اس رقت چشمه کے اُوپر سے کات دینا چاهئے ، جب اس سے نکلنے والی شاخ تندرست اور مضبوط هو جائے - چشمه باندهتے وقت یه بهی خیال رکهنا چاهئے که ره دهوپ کے رخ پر نه باندها جائے ؛ هندوستانی مالی بنجائے ۱۲ کی شکل کا شکاف دینے کے صرف ایک سیدها شکاف دیتے هیں ، اور وهیں سے چہال کو اُبہار کر چشمه اُس میں پیوست کر دیتے هیں - اس کے بعد انہیں باندهنا کم پوتا هے ، کیونکه چهال خود هی اس طریقے میں مضبوط رهتی هے - ایک اور طریقه چهال خود هی اس طریقے میں مضبوط رهتی هے - ایک اور طریقه گولائی میں چهال چاتو سے نکال لیننے هیں اور دوسری شاخ سے جس کا گولائی میں چهال چاتو سے نکال لیننے هیں اور دوسری شاخ سے جس کا چشمه باندهنا هو - اُسی طرح گولائی میں چهال کو چشبے سمیت کولائی میں چهال کو چشبے سمیت خات نکال لیننے هیں ، اور اُسے پہلی صاف کی هوئی جگهه پر بائیا دیتے هیں -







چشمه شکل تمبر ۲۸

اِس طریقه میں دو تین باتوں کا خیال رکھنا ضروری ہے۔ اول یہ که اس قسم کا عمل صرف اُن هی درختوں میں هوسکتا ہے ' جن کی چھال آسانی سے صاف نکل سکتی ہے ۔ دوسرے یه که جس شاج سے چشمه لیا جائے وہ دوسری شاج سے کسی قدر موتی شونا، چاهئے ' تاکه چشمه والی چھال دوسری شاج پر چھوتی نه پرے ' کیونکه اُگر وہ بری هوجائے تو اُسے کات کر دوسری شاج پر برابر بتھایا جاسکتا ہے ' لیکن چھوتی ہو تو اُسے برخفایا نہیں جاسکتا ۔ چشمے والی شاج جمانے کے بعد حصب معمول چشمه کھلا چھور کر باندہ دینا چاهئے اگر ضرورت ہر تو چشمے والی شاج جمانے کے بعد حصب معمول چشمه کھلا چھور کر باندہ دینا چاهئے اگر ضرورت ہر تو چشمے والی چھال کو عرصے تک تالاب کی کیدیت میں محفوظ رکھا جاسکتا ہے ' اور چشمه اس سے خراب بھی نہیں بھوتا ۔ اُسی طرح چشمے کو دور دور بریجا جاتا ہے۔

(۷) پتیس کے فریعے نئے پودے تیار کرنے کا رواج کم و بیش دو صدی سے وائیج ھے لیکن یہ صرف خاص پودوں کے (جیسے گلا کسینیا) میں کامیاب ھوا ھے - اس عمل کے لئے موزوں پتی کا منتخب کرنا بہت ضروری ھے - ویادہ پرانی یا بالکل نئی پتی سے یہ کام لینے میں کا بیابی نہیں ہوتی شائے کے درمیان کی پتی جو قریب قریب آئی پورے قد کو پہنچ چکی شائے کے درمیان کی پتی جو قریب قریب آئی پورے قد کو پہنچ چکی کو قذتہل سیس کات کر بالو میں کہاد ملاکر اس طرح لیٹا کر گاز دینا چاھئے کہ قنٹہل بالو کے اندر رکھنے کے اندر رکھنے کے اندر رکھنے کے لئے اس طرح کیل لگائی جاسکتی ھے 'جیسے کہ بالو کے اندر رکھنے کے لئے اس طرح کیل لگائی جاسکتی ھے 'جیسے کہ دایے کو متی میں رکھنے کے لئے لگاتے ھیں - اس کے بعد پتی کو بل جار سے تھک دینا چانڈ ہس کے اندر حسب ضرورت نمی رکھی جائے - کچھہ عوصے کے بعد پتی کے حاشیے اور اُس کے دندانوں سے جویں نکل آتی ھیں

- (۸) فخیرہ اور پودہ لکانا فخیرہ ایسے بیجوں کا بریا جاتا ہے ' جن کی زیادہ نگرانی اور احتیاط کی ضرورت ہوتی ہے - فخیرہ بونے کے لئے زمین پسند اور تیار کرتے وقت ذیل کے امور کا خیال رکھنا چاہئے۔
- (۱) گنخیرہ کی زمین آس پاس کی زمینوں سے ارتبچی ہونی چاہئے تاکہ اُس میں ادھر اُدھر کا پانی بہہ کر نہ آنے پائے 'کیونکہ پانی کے بہہ جانے سے پودے اور بیج کو نقصان پہنچتا ہے ۔
- ب) ذخیرہ میں خرب اچھی طرح کھاد دی جائے ؛ بلکہ قریب قریب متی کا نصف حصہ کھاد شو پتی اور گوہر کی کھاد اس کے لئے اچھی ہوتی ہے -
 - (ج) فخیره پر حسب ضرورت سایه کرنے کا انتظام هونا چاهئے -
- (د) فخیرہ گھاس اور کنکر سے بالکل صاف ہونا چاھئے اور بیج کو اس طرح بونا چاھئے کہ ہر حصے میں برابر برابر پہنچ جائے ' کہیں کم اور کہیں بہت زیادہ نه پرے حسب ضرورت نمی بھی قائم رکھنی چاھئے بیج کے جمنے کے بعد پودوں کو ' اگر ضرورت ہو تو کم کرکے دور دور کردیا جائے اور ہر قسم کے پودے کی ضرورت کے لحاظ سے اُسے مناسب فاصلے پر رکھا جائے پود کو اس وقت تک ذخیرے سے نم اُٹھانا چاھئے ' جب تک که وہ لگانے کے قابل نه ہوجائے پود لگانے کے بعد فوراً پانی دینا اور پود کو بعد دوپہر اُٹھانا اچھا ہوتا ہے بدی بلکہ اگر ایسا وقت مل سکے جب بادل ہوں یا پھوار پر رہی ہو' اور بہی اچھا ہے بود کو ذخیرے سے اُکھاڑنے سے پہلے خرب پانی دینا چاھئے ' بہی اچھا ہے بود کو ذخیرے سے اُکھاڑنے سے پہلے خرب پانی دینا چاھئے ' تاکہ پود کی جروں کو صدمہ نه پہنچے جہاں پود لگانا ہو' اُس جگھه تاکہ پود کی جروں کو صدمہ نه پہنچے جہاں پود لگانا ہو' اُس جگھه کو پہلے سے اُچھی طرح تھار کر لینا چاھئے برے درختوں کی پود لگانے

کے لئے مالی صرف اتنے برے گرھے کھودتے ھیں جن میں پودا معہ اپنی متی کے گولے کے آجائے – لیکن گرھوں کو اس سے زیادہ برا اور گہرا کھودنا ضروری ھے - کم از کم دو ڈیرہ فت کہرا اور زیادہ چورا گرھا کھود کر اُس میں کھاد ملائی چاھئے ، اور پودا بتھانے سے دو تین دن پہلے گوائی کرکے پانی دے دینا چاھئے – اگر پانی دینے کے بعد گورائی کی جائے تو خیال رکھنا چاھئے کہ گورتے وقت متی ایسی نرم نہ ھو کہ بجائے بیم جانے کے بندہ جائے ۔

اگر درخت بوے هوں تو گوها اُسی مناسبت سے اور بوا بنایا جائے - بعض درخت ایسے هوتے هیں که ان کی جگهه کو جتنی بار بدلا جائے اُتنا هی ان کے لئے منید هرتا هے - اگر ایسے درختوں کو هر سال ایک جگهه سے بدل کر دوسری جگهه لئا دیا جائے تو اُن کو بہت فائدہ پہنچتا هے - درخت بوے هو جائیں تو اُن کے گرد کی متی بهی بدل دینی چاهئے - اگر درخت کی جگهه بدلتے وقت جورں کو صدمه پہنچ جائے ' تو یہ زیادہ بہتر شوتا ہے که اُسے بوے گیلے میں لئاکر دن میں اندشیرے مکان میں اور رات کو شبنم میں کچهه دن رکهه دیا جایا کوے ' یہاں تک که اُن کی صحت کی طرف سے پورا اطمینان هوجائے -

جو درخت کهودنے کے بعد عرصے تک نہیں لگائے جا سکتے ' اُنہیں کسی ہوے برتن میں پانی بھر کر رکھہ دینا چاھئے ' اور اس میں اتنا گوبر اور تالاب کی چکنی مثی ملا دینی چاھئے کہ وہ گارے یا پوتائی کے چونے کی صورت اختیار کر لے - درخت کی جو کو زمین میں لگانے سے پہلے اُسے اس محلول میں خوب غوطہ دے دینا چاھئے ۔

ذخیرہ لکانے سے نه صرف یه فائدہ هوتا هے که پودہ کی فکرانی اچھی هوتی هے ' بلکه وہ کام جو اُن کو اصلی جگهه پر لکانے سے بہت ہوے رقبے

پر پھیل جاتا ' تھوڑے سے رقبے میں ھوتا رھتا ھے ؛ کیونکہ متعدد ایکڑ کے لئے تھوڑی سی جگھہ میں فخیرہ لٹایا جا سکتا ھے - علاوہ اس کے بہت سے درخت ایسے نازک ھوتے ھیں ' کہ ان کو میدان میں لٹانے اور ایک خاص عمر تک پہنچنے سے پہلے بہت زیادہ رکھہ رکھاؤ کی ضرورت ھوتی ھے - اور بعض درخت ایسے بھی ھیں - کہ اگر ضروری مشینھن موجود ھوں تو عمر کے کسی حصے میں ایک جگھہ سے درسری جگھہ پہنچائے جاسکتے ھیں - اس مختصر بیان میں اُن مشینوں کے بنجائھ نہیں ہے اس مختصر بیان میں اُن مشینوں کے تصیل کی گنجائھ نہیں ھے - ذخیرہ بونے اور پودہ لگانے کا موسم درخت اور پودوں کی قسم اور ان کی طبیعت پر منحصر ھے -

(9) كملے للانا -- كمالوں ميں يا تو بيم بويا جاتا ھے ' يا خاص تسم کے منتخب پودے رکھے جاتے ھیں - بیبے بونے کے لئے چوڑے منهه کے ڈھلے (چھے ھوتے ھیں - اُن کو قد کی مناسبت سے کونڈا اور کونڈی بھی کہتے ھیں کونڈوں کے پیلدے میں فاضل پائی کے نکاس کے لئے سورانے کا شونا بہت ضروری ہے لیکن جب تک پودے کسی قدر برے نه هوجائیں ان کو گملوں میں نه لکانا چاهئے - (پودے کی خاصیت کے لحاظ سے بوا یا چھوٹا ہونا چاہئے) - گملے لگانے کے موسم پودے کی قسم اور اُس کے اُگنے اور بوھنے کے زمانے پر ملحصر ہے - جب تک کہ ایک گملا پودے کی جر سے نہ بھر جائے' اُس پودے کو دوسرے گملے میں منتقل نم كرنا چاهئے - گملا تبديل كرنے سے أيك فائدة يه بهى هوتا هے کہ درسرے گملے میں نکی متّی بھری جاتی ہے ' تو پودے کو تازہ غذا مل جاتی ہے ' جو اِس متی میں ہوتی ہے ' اور پرانی متی جس کی فذا ختم هو چکی هوتی هے ' بدل جاتی هے - گملے یا کوندے میں لکاتے وقت پودوں کے درمیان ضروری جگھ، چھوڑنے کا خیال رکھنا چاھئے۔ اکر پودے بہت قریب قریب هوجائیں کے ' تو اچھی طرح نه چلیں گے -

درختت کا گمله بدلنے میں تو زیادہ دقت نہیں هوتی لیکن اگر درخت کو زمین سے کھود کر گملے میں لکایا جائے ' تو کجھ دن درخت کی خاص نگرانی کرنی چاھئے ، کیونکہ زمین سے کھودنے پر اگر جو کو کچھھ صدمہ پہنچ گیا ہے تو ممکن ہے کہ پودا رکھم رکھاؤ کی کمی سے مرجائے۔ ایسی حالت میں گملے میں درخات لگانے کے بعد گملے كو أقر تين چار دن كسى تاريك جگهة مين ركهة ديا جائي ' تو يه اندبشة بہت کم هوجائیگا - تاریک مکان میں نه صرف یه فائده هوتا هے که وهاں دھوپ اور موسم کی خشکی کا اثر کم ھوتا ھے بلکہ ہودے بمقابلہ روشنی کے تاریکی میں زیادہ نیزی سے برھتے ھیں - اس لیے جب وہ تاریکی میں رکھا جائے گا : تو اس کی قوت نامیہ زیادہ هوجائے گی ؛ اور اس طرح جورں کو صدمہ پہنچنے سے پودے کو جو نقصان پہنچا ھے وہ جاد پورا هوجائے گا۔ ایک ماهر فن کی رائے هے که جو درخت بازار سے خریدے جائیں اُن کے پیندے کی متی کو پہلے پانی میں گلا کو الگ کر دینا چاہئے پہر گملے میں رکھکر ماتی کو دبانے کے بعد پانی سے تر کر دینا چاھئے - ایسی حالت میں گملے کو دن میں تاریکی میں اور رات کو شہنم میں رکھنا ضروری ہوتا ہے -

گملے میں درخت لگانے کے لئے گملے کو بہت احتیاط سے بھرنا چاھئے - اس کا طریقہ یہ ھے کہ پہلے گملے کے بیچے کے سورانے پر کوئی ایسا تھیکرا رکھہ دو جو ایک طرف سے کچھہ اُبھرا ھو' تاکہ وہ بالکل پیندے سے ھموار ھوکر اس کے سورانے کو بند نہ کردے ارر سورانے کھا رھے - اور اس کے بعد گملے میں کم از کم ایک انچ موتائی میں کنکریت بھر دو اگر اس میں کوئلہ' چونے کے تکوے بھی ملے ھوں' تو اور اچھا ھے - کنکریت کی تہ پر سوکھی گھاس پھوس کی ایک ھلکی سے تہ دے کر

کهاد متی میں ملاکر حسب معبول باقی حصه میں بھر دو ۔ گھاس کی ته دینے سے کنکریات کے درمیان کی خالی جگھوں میں متی بھر کر پانی کے راستے کو بند نہیں کر سکتی ' اور گملے سے فاضل پانی همیشه بهآسانی خارج هو جاتا ہے ' گملے کا نکاس تھیک هونا نہایت ضروری ہے ' ورنه اس میں درکت لکا کر کامیابی نہیں هو سکتی - جس درخت کو گملے میں لگانا هو پہلے اُس کی پینڈ کو پانی میں ڈال کر صاف کرو اور درخت کو بیچ گملے میں رکھ کر جورں کو آهستگی سے پھیاؤ - پھر آهستگی سے پھیاؤ - پھر آهستگی سے پھیاؤ - پھر آهستگی اُس کی متی چاروں طرف بھرو ' اور گملے کو هلاتے جاؤ تاکه متی اچھی طرح بیتھ جائے - اس طرح جب درخت بیچ میں لگ جائے ' تو متی کو آهستگی سے بیتھ جائے - اس طرح جب درخت بیچ میں لگ جائے ' تو متی کو آهستگی سے بیتھ جائے ۔ اس طرح جب درخت بیچ میں لگ خانوں تاریکی اور شبنم میں رکھو ۔

اگر درخت کو کسی گملے سے نکال کر لگانا ھے۔ تو اُس کی ترکیب یہ ھے کہ درخت کو اونگلیوں کے دومیان پکو کر گملہ کو ھتہیلی پر الت لو اور گملے کو اُوپر سے آھستہ آھستہ آھستہ آپوکتے جاؤ تاکہ درخت اپنی پینڈ سمیت گملے سے نکل آئے۔ بعض لوگرں کا خیال ھے کہ پینڈ کی متی کو پانی میں ڈال کر الگ نہ کرنا چاھئے ' بلکہ پھر اُسی متی کو مائیم کر کے پودا لگانا چاھئے ۔ مگر مستر تامس ۔ اے ۔ سی ۔ فرمنگر مائیم کر کے پودا لگانا چاھئے ۔ مگر مستر تامس ۔ اے ۔ سی ۔ فرمنگر میں انگریزی کتاب باغبانی میں (Thomas A. C. Ferminger) نے اپنی انگریزی کتاب باغبانی میں دو ہمیارے کتب خانوں کی ایک بوی کمی کو پوری کرتی ھے ۔ لکھا ھے کہ جو ھمارے کتب خانوں کی ایک بوی کمی کو پوری کرتی ھے ۔ لکھا ھے کہ اُس طرح درخت لگانے میں کامیابی ھوتی تھی ۔ گملے میں گوبر اُس کو یا پتی کی کھاد اور دومت متی دینا چاھئے ۔ اگر متی چکنی

ھو تو اُس کے ساتھہ بالو ملانا چاھئے ' اُرر متّی کو کنکریوں اور گھاس وفیرہ سے صاف کر دینا چاھئے ۔ کنکریاں صاف کرنے کے لئے متّی کو چھان لینا اچھا ھوتا ھے ۔ اس غرض کے لئے لوھے کی جالی کے چھننے بہت استعمال ھوتے ھیں ۔

(+1) شاخیس چهانتنا—اس عمل کی غرض یه هوتی هے که درخت پر بیکار چیزوں کو نه برتھنے دیا جائے ' جن کی نشو و نما میں اس کی طاقت ضائع هوتی ره اِس خیال سے نه صرف شاخیں کائی جاتی هیں ' بلکه یتیاں بهی تورتے اور جورں کی صفائی بهی کرتے هیں - جب درختوں کی کاشت اچهی کی جاتی هے ' اور مصنوعی باتوں کو اس میں زیادہ دخل هوتا هے ' تو یه عمل ضررری 'هو جاتے هیں – اگر صحیح قاعدے سے شاخوں کو چهانتا جائے تو اس سے ذیل کے قوائد حاصل هو سکتے هیں :

(۱) کسی حصے میں بالیدگی کم کر کے درسرے کی بازہ جہاں فرورت ھو زیادہ کی جا سکتی ہے۔

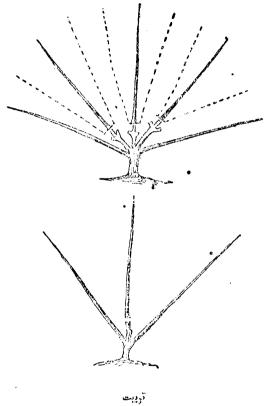
(ب) نئی کلیاں برَهائی اور پیدا کی جا سکتی هیں ' اور کمزور کلیوں کو ترقی دی جا سکتی هے -

(ج) تنے کو سیدھا اور صاف رکھ کر بڑا کر سکتے ھیں ۔ عمارتی الکتی بنانے کی غرض سے سیدھا اور عمدہ درخت تیار کر سکتے ھیں -

شاخرں کے تراشنے سے صرف یہی نہیں کہ لکتی اور پتوں ھی پر اثر ھوتا ھے ' اور درخت کی خرشنمائی اور لکتی کی عمدگی تک محدود رهنا ھے ؛ بلکہ پهل اور پهول پر بھی اُس کا اثر ھوتا ھے - پهلوں کے درختوں میں آور ' انگور ' انجیر ' بیر ' امرود اور شریفے کو شاخیں

چھاتنے سے بہت فائدہ ہوتا ہے - ان کے علاوہ دوسریے درختوں کی شاخییں کم چھاہتتے ھیں ۔ ناشپاتی میں عام طور سے صرف پتیاں ھی توڑی جاتی هیں ۔ لیکن اگر احتیاط سے اس کی شاخیں تراشی جائیں تو فائدہ ھو سکتا ھے ۔،اسی طرح پھولوں کے درختوں کو بھی پھول آچکنے کے بعد چھانت دینا چاھئے ۔ لیکن سب طرح کے پھولوں کے لئے چھانتنے کا ایک هی طریقه نهیں هوتا - عسوماً لکری دار پهولوں (جیسے گلاب) کو زمین سے کم و بیش دو فت چھوڑ کر کا آنا چاشئے ۔ اگر زیادہ کات دیا جائے گا' تو جب تک درخت اپ صحیم قد کو پھر نه پہنچے لے کا پھول نه آئے گا۔ بیلوں کی بڑی شاخوں کو سرے کی طرف دو تین ہاتھ تک کات دینا اچها هوتا هے؛ اور اگر شاخیں زیادہ هوں - تو چند شاخوں کو بیچے سے نکال کر هلکا کر دینا چاهئے - شاخوں کی طرح جویں بھی چھانتی جاتی ھیں ' اور اس عمل میں وہ کات کر کچھ چھوٹی کر دی جاتی ہے - اس كا اثر يه هوتا هے - كه دُرخت كو نشو و نما كے لئے غذا كم ملنے لكتى هے اور اس میں پهول کی کلیاں پیدا هو جاتی هیں - لیکن ایسا کرتے وقت یہ خیال رکھنا ضررری ہے کہ جویں ایک خاص حد سے زیادہ نہ کتنے پائیں ؛ کیونکہ اگر وہ زیادہ کت جائیں گی ' تو خواہ کلیاں کتنی ھی زیادہ آ جائیں لیکن درخت پہلوں کی پرورش کرنے کے ناقابل هو جائے گا۔ اس عمل میں جروں کے بہت الجہے هوئے بیکار گجہوں کو ' جنهیں مالی جالا کہتے ھیں 'صاف کر دینا چاھئے۔ بری جروں کو یکیک کات دینا مضر هوتا هے - جروں کے کاڈنے سے یہ زیادہ اچھا هے که اگر درخت بہت بری قسم کا نه هو تو اُس کو صرف ایک مرتبه متی سے اُتھا کر پھر لگا دیں ۔ آم ' آزو اور انگور کی جزیں عموماً صاف کی جاتی ھیں - جزوں کو ھر درسرے سال گاتنا اور اُن کے چاروں طرف کی متی بدل دینا ماید ہوتا ھے لیکن گورَائی رقتاً فوقتاً کرتے رهنا چاهئے ' تاکه جورں کو هوا کانی ملتی رھے ۔

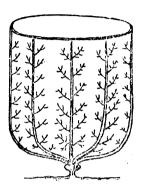
(11) آرایش-باغرس کی آرایش صاحب باغ کی استعداد اور شرق پر منتصصر هے - شوق آرایش کی سیکورن نئی بانوں کا موجد، هوا کرتا هے -باغبائی کے اس حصے کا میدان بہت رسیع ہے ہم اس جگھ اس یہ معتض سرسری نظر ڈالنا چاھتے ھیں - آرایش کا سب سے معمولی اور پہلا حصہ عمدہ قسم کے درختوں اور پھولوں کا انتخاب اور ان کو مناسب جگھ پر قرینے سے لگانا ھے - سرویس ، کیاریاں ، حاشیے ، چمن اور تعدی بندیاں ، جو سلیقے سے کی گئی ہوں ' باغ کی خوبصورتی میں اضافہ کر دیتی هیں - پودوں اور درخترں کی شاخیں قرینہ سے چھانت کر اُن کو نه صرف صاف اور ستهرا رکها جا سکتا ہے بلکہ ان کے تنے اور شاخوں کو أُن کی مرضی پر چھرز دینے کے بعجائے کسی قرینے پر نشو و نما دے کر ایک خاص شمل پیدا کی جا سکتی هے - چنانچه اکثر مالی گلاس ' گیندا ' چھتری غبارہ ' پان اور پنکھے کی شکلیس بنایا کرتے ھیں - لیکن وہ صرف پتوں کو چھانت کر ایک عارضی صورت پیدا کر دیتے ھیں ' حالانکہ یہ بطور خود ایک برا هنر ہے - درختوں کی باقاعدہ پرورش کر کے انہیں اسی طرح کی مستقل شکل دہی جا سکتی ھے ۔ مثلاً ، درخت کو پنکھے کی شکل دینے کے لئے کام اُس وقت شروع کرنا چاہئے ' جب اس میں تیں شاخیں اب س دیکھو شکل نمبر ۳۹ نکل آئی ہیں - الف اور ب کو پہلے بلندر کی طرف جانے دیا جائے ' پھر شاخیں تراشنے کے زمانے میں بھی والی س کو ایسی انکه چهور کر کات دیا جائے جس میں سے دوشاخیں - (د اور ج) دو طُرف جائیں ایک کو سیدھا اُوپر کی طرف لے جائیں ' پھر آگے چل کر ہ اور ج کو اس طوح کاتا جائے کہ اُن کے دونوں جانب کی کلیاں بوھیں اور اگر اس طرح یه عمل جاری رکها جائے تو درخت کی حسب شکل نکل آئیگی -



ر... ش*کل ن*ہب_ر ۳۹

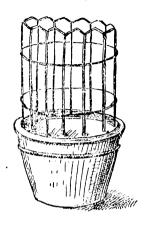
اسی طرح هوشیاری سے کام کر کے دوسری بہت سی شکلیں پیدا کی جانی جانی میں ۔ ان میں سے نمونے کے طور پر صرف دو شکلیں دکیائی جانی میں ۔ (دیکھو شکل ۵۰)





تربیت کے بعد کی دو شکلیں' شکل نمبر +0

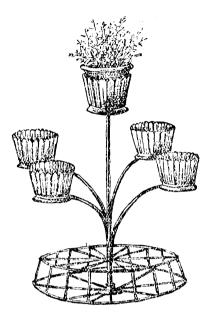
درختوں میں اس طرح شکلیں پیدا کرنے کو '' تربیت '' کہتے ھیں۔
اسی طرح بیلوں کی تربیت بھی ھو سکتی ھے ' اور وہ اس سے بہت زیادہ
آسان کام ھے ۔ چنانچہ باغ کے دروازوں اور چوراھوں پر بیلیں پھاٹک کی
شکل میں چوھائی جاتی ھیں ۔ اس کام کے لئے صرف مختلف شکل کی
جادریاں اور ڈھانچے بانسوں کے بنا کر اُن پر بیل چوھائی جاتی ھے ۔
یہ خیال رکھنا چاھئے کہ بیل اُن پر ایک ترتیب سے چوھتی اور پھیلتی
وھے اسی طرح گملے میں لگائی جانے والی چھوتی بیلوں کے لئے بانس کی
کھپچیاں یا تار کے ڈھانچے بنائے جاتے ھیں ' جو بہت پائدار ھوتے ھیں ۔
دیکھو شکل نمبر وہ ۔





آزایشی گملے مکل نمبر 01 -

بعض قسم کے پودے کونڈوں ' گملوں اور اسی قسم کے دوسرے برتاوں میں ' جو لکڑی اور تار کے بھی بنے ھوتے ھیں ' لکاکر زیدائش کے لئے لٹکائے جاتے ھیں – اکثر باغوں میں کسی مناسب مقام پر چبوترے بنا کر ان پر خوبصورت گلدان اور منقص گملے رکھتے ھیں – اسی طرح معمولی گملوں میں درخت لگا کر گلدانوں اور گملوں کے اندر رکھ دیتے ھیں – خود اُن کے اندر درخت نہیں لکائے جاتے لکڑی کے کتے ھوئے پیپوں میں بڑے بڑے اور عمدہ قسم کے پام لکانا ایک عام بات ھے - چبوتروں پر گلدانوں کے بجائے گملوں کی تیائیاں بھی رکھی جاتی ھیں – جب اُن میں گملے رکھے جاتے ھیں تو بڑے بڑے گلدستوں کے مجموعے کا لطف آتا ھے یہ لوھے رکھے جاتے ھیں تو بڑے بڑے گلدستوں کے مجموعے کا لطف آتا ھے یہ لوھے اور نکتی سے بہت طرح کے بنتے ھیں ۔ ایک نمونہ ذیال میں دیا



گملوں کا استینت شکل نیبر ۵۲

آرائش کے سامانوں میں باغ کے اندر بیٹھنے کے لئے جا بجا خوشنما بنچوں کا ھونا ایک ضروری بات ھے - حاشیوں پر اور سرکوں کے کنارے اینٹوں کے سنگھاڑے بنانا بہت بھلا معلوم ھوتا ھے اور اگر ان میں ایک اینٹت کو سرخ اور ایک کو سفید رنگ دیا جائے تو اُن کی دلکشی اور بچھ جاتی ھے - سنگھاڑا لگانے کے لئے خاص نمونے کے کھپرے بنائے جاتے ھیں - لیکن سرکوں کے کنارے لگانے کے لئے یہ اس وجہ سے اچھے نہیں ھوتے کہ بہت جلد توت جاتے ھیں ؛ اور تھوڑے دن بعد جب تک وقتاً نوتتاً بدلے نه جائیں بجائے ھیں ؛ اور تھوڑے دن بعد جب تک وقتاً نوتتاً بدلے نه جائیں بجائے ویہائش کے بدنمائی کا باعث ھو جاتے ھیں -

مصنوعی پہازیاں اور تیکرے بنا کو ان پر مناسب حال درخت لکالے سے ایک دلکش قدرتی منظر پیدا ہو جاتا ہے ' اور بلا شبہ یہ زیبائش کا ایک نفیس طریقہ ہے - سایہ دار سوکیں ' جن پر دو رویه قد آور سهدھے اور 'خوشنما درخت لگے ہوں ' بہت بھلی معلوم ہوتی ہیں ' اور گرمیوں میں تفریح کا باعث ہوتی ہیں - جھوتے جھوتے رنگین ساگوں اور گھاسوں کی قطاریں کیاریوں کی خوشنمائی کو بچھا دیتی ہیں - سبزہ زار اور گرین ھاوس بھی باغ کی آرایش کا ایک بوا سامان ہیں -

(۱۴) سبزة زار-باغوں میں سبزة زار بنانے كا شرق روز بروز توقى كر رها هي اور اس مين شك نهين كه اكر كافي جگه مل جائي تو سبزة زار بدا کر باغوں کی رونق دو بالا کی جا سکتی ہے ۔ اِس کام کے لئے دوب کھاس سب سے اچھی چیز ثابت ہوئی ہے ؛ کیونکہ وہ نہ صرف آسانی سے ملتی اور هر قسم کی زمین پر هو سکتی هے ' بلکه عرصے تک سرسبز رهنے کے علاوہ نرم ہوتی اور جلد لگتی ہے۔ سبزہ زار کے لئے زمین کا نکاس درست هونا بهت ضروری هے - جن جگهوں میں پانی بهر جاتا هے ' وهاں سبزة زار بنانے میں کامیابی نہیں ہوتی - سبزہ زار لگانے کا ایک طریقہ یہ ہے کہ پہلے زمین کو گوزائی جنائی کے بعد پاتا دے کو برابر کر لیں پھر بہت سی دوب گنداسے سے کات دالیں ' جیسے مویشی کو کھلانے کے لئے ہوا چاوہ كاتا جاتا هے - زمين كى سينجائى كركے اس كاتى كو گوہر ميں ملائيں اور اُسی سے زمین پر لیپائی کر دیں - چند دنوں میں زمین پر هموار گهاس نعل آئیگی اکثر لوگ گھاس کو کھود کر کھرپیوں سے گاڑ دیتے اور سینچائی کرتے هیں ایسا کرنے سے بھی گھاس لگ جاتی هے ' لیکن پہلے طریقے کے مقابلے میں زیادہ کامیابی نہیں ہوتی ہے - اچھا یہ ہے کہ گھاس کے چکتے متی سمیت کهرد کر چوکور بنا دئیے جائیں ' پھر اسے اینت کی طرح

ہرابر ہرابر بچھا کے بیان چاکریا لکڑی کی مونکری سے کوت کر نیچے کی مگی سے ایک ذات کر دیں - اس عمل کے لئے زمین کو پہلے پانی دے لینا فروری ہوتا ہے ' اور گھاس لگانے کے بعد بہت کم نگرانی کرنا پڑتی ہے ' جو آسانی سے جڑ چکڑ لیٹنی ہے بحدائے گھاس لگانے کے بیجے ہو کر سبزہ زار تیار کرنے میں بھی کامیابی ممکن ہے ۔

ليكن اس مقدار ميں درب كا بيم حاصل كرنا دقت طلب هے -اگرچہ باغبانی کے بیجوں کی تجارت کرنے والے بعض کارخانے دوب کا بیم بھی فروخت کرتے میں ۔ بیم سے سبزہ زار تیار کرنے کا طریقہ یہ ہے کہ زمین کی گہری جوتائی کرکے اُسے بیکار گھایسوں اور کنکروں سے صاف کرلیں اور ضرورت هو تو کهان بهی ۱۰ لئیس - اگر زمین سخت اور ۱۰ شیار هو تو اس میں تھوڑا سا بالو ملا کر اس کی تجسمانی بناوے تھیک اور سختی کم کر دینا چاھئے ۔ اِس کے بعد زمین کو بیلن اور پاتا چلا کر خوب ھموار کرکے کوئی هلکا هیرو جو کم و بیش نصف انبی تک زمین بهربهری کر دینا هو چلانا چاهئے۔ پهير بيم اِس طرح بكهير كر بونا چاهئے كة هر حصر ميں برابر بیم پوے - اس کا ایک آسان طریقة یه هے که کل رقبے کو کئی حصوں پر تقسیم کرکے ہر حصے میں برہم کی برابر مقدار بوأی جائے اور ضرورت هو تو بيم بكريرنے كے لئے ٥٥ى ١٨ لدر - بيم بوكر پهر هلكا ھیرو چلا کر بیمے ملا دینا اور پاتا دے دینا چاھئے۔ بیمے بونے کا بہترین وقت برسات کا موسم هے بیمج بونے کے بعد اگر هلکی بارش ہو جاتی هے ' تو ره بهت أچها جمعًا هے - اور اگر بارش نه هو ، بلكة مطلع صاف رهے ، تو بهم جملے تک زمین کی روزانه اچهی طرح سیلچائی کرنا ضروری هے - یه سينجدائي اگر هزارے سے كى جائے تو زيادة اچها هوتا هے ، كيونكة اس طرح ہیم کو کسی طرح پانی سے صدمه پہنچنے کا اندیشه نہیں رہتا - ایک ایکو میں دس سیر بیج بویا جاتا ہے۔ ایک تھنس لان کے دھائی یا تین سیر بیج کافی ہوتا ہے۔ جب گھاس دو تین انچ ہرہائے ' تو کسی تھز دھار دار چیر یا تلوار سے گھاس کات کر ھلکا سا بیلن چلا دینا چاھئے۔ دو تین مرتبہ یہ عمل کرنے کے بعد باتاءدہ گھاس کی مشین استعمال کی جاسکتی ہے۔ سیزہ زار کی گھاس برابر کاتتے رھنا اور بیان چلانا ضروری ہے۔ ایس کو ہرگز دو انچ سے زیادہ اونچا نہ ہونے دینا چاھئے۔ ' اور نہ دوسری گھاسوں کو نکلنے دینا چاھئے۔ مضر گھاسرں کو روکنے کے لئے رقباً فوتنا نئی کی کوال بہت ضروری ہے۔ جب سبزہ زار اچھی طرح لگ جائے ' تو اُس میں کرنا بہت ضروری ہے۔ جب سبزہ زار اچھی طرح لگ جائے ' تو اُس میں مفید ہوتی ہیں ' معمولی گھاد میں ملاکر دینا زیادہ مذہ ہوتا ہے۔ مخید ہوتی ہیں ' معمولی گھاد میں ملاکر دینا زیادہ مذہ ہوتا ہے۔ جہاں سے گھاس مر جائے وہاں دو حصے پٹھی کی کھاد ' دو حصہ گربر کی کھاد اور ایک حصہ بالو ملا کر دالنا مفید ہوتا ہے۔ ایسی جگہ کہاد دے کو جہاں سے گھاس مر جائے وہاں دو حصے پٹھی کی کھاد ' دو حصہ گربر کی کھاد اور ایک حصہ بالو ملا کر دالنا مفید ہوتا ہے۔ ایسی جگہ کہاد دے کو

وقرن اور اسی قسم کے سایہ پسند کرنے والے پودرں کی داشت کے لئے بنایا جاتا ہے۔ گرمی کے موسم میں اور شدت کی دھوپ اور گرم ہوا کے وقت حفاظت خانے نہایت خوشگوار معلوم ھوتے ھیں۔ ان کا نتشہ ارر بناوت شخصی پسند پر منتصور ھے 'کیونکۂ نقشہ یا بناوت کے قرق سے بناوت شخصی پسند پر منتصور ھے 'کیونکۂ نقشہ یا بناوت کے قرق سے اس کے اندر کی نباتات کو کوئی صدمہ نہیں پہنچ سکتا' بشرطیکہ اس کے ادر کی نباتات کو کوئی صدمہ نہیں پہنچ سکتا' بشرطیکہ اس کے اصول میں کوئی تبدیلی نه کی جائے۔ حفاظت خانوں کے لئے به نسبت لوھے کے لکتوی کا قھانچا اچھا ھوتا ھے۔ قھانچے کے بنانے میں نت و بولت استعمال کونا چاہئے تاکه بشرط ضوروت قھانچہ آسانی سے اکھاڑ بھی سکیں۔ جی ۔ مارشل اوڈ رو نے جو کتاب ھاحوستانی بانجانی پر لکھی ہے' اُس میں۔

وہ لکھتے ہیں '' کہ چہت کے لئے شیشہ آزہ ایا گیا ' لیکن اس ملک کے لئے نا موزوں پایا گیا '' کیونکہ شیشہ کے مکانات کے اندر کی ہوا بہت گرم ہو جانی ہے اور پودوں کو موافق نہیں آتی ۔ فرمنگر نے دو آئنہ خانوں کا ذکر کرتے ہوے لکھا ہے کہ ان میں سے ایک نا مناسب موقع کی وجہ سے ناکامیاب رہا لیکن دوسرا فرن ' بگونیا ' کاسمس وغیرہ سے بھرا رہا ۔ ہم نے خود ۱۹۱۹ع میں ریاسب بھوپال کے ایک باغ میں شیشہ خانہ دیکھا تھا ' جس میں مختلف قسم کے بودے پرورش پارھے تھے پودوں کی حفاظت کے لئے لوگ عموما کھلے ہوئے چھپر کھڑے کر دیتے ہیں ۔ ایکن یہ صرف کے لئے لوگ عموما کھلے ہوئے چھپر کھڑے کر دیتے ہیں ۔ ایکن یہ صرف آن پودوں کی چیز ہے ' جو زیادہ دھوپ برداشت نہیں کرسکتے ۔

آئنه خانه یا گرین هارس کو اچهی طرح رکها جائے ' تو اس میں بہت سی ایسی چیزیں رکهی جا سکتی هیں ' جن کا هندرستان میں پرورش کرنا اگر ناممکن نہیں تو سخت محال ضرور هوتا هے - پہاڑی مقامات میں آئنه خانے اتنے کامیاب ثابت هوئے هیں که وهاں اب ره باغوں میں معمولی چیز هوتے جارهے هیں - میدانی علاقے میں وہ ایسے کامیاب نہیں ہوئے لیکن پھر بھی اُن سے بہت مفید کام لیا جاسکتا هے -

یہاں گرین ھارس کے تھانچے کے لئے اوھے کے تاروں کا رواج بہت ہو گیا ہے ' جس پر مختلف قسم کی بیلیں چڑھادی جاتی ھیں عارضی کام کے لئے بہرس کے چھپر لکڑی کے تھانچے اور بانس کی جافری سے گرین ھاوس بنا سکتے ھیں - حفاظت خانے بنانے کے لئے پودیے کی فروریات سے واقف ھونا ضروری ہے اُن کے بنانے کے لئے درخترں کے سائے سے درر کہلی ھوئی اور کسی قدر اونچی جگہ منتخب کرنا چاھئے اس کے لئے ۳۰× × ۰۰ فت کا رقبہ کافی ھوگا: گو یہ امر بہت زیادہ شخصی ضرورت پسند پر منحصر ہے حفاظت خانے کے اندر کی ترتیب بھی صاحب باغ کے مذاق پر

مفتصصر هے - لیکن اُس کے اندر مصنوعی پہاڑیاں ' خوشنما کیاریاں اور حاشیہ بنانا اچھا ھوتا ھے - سب سے ضروري بات یہ هے که اس کے اندر پائی کا ایک حوض ھو اور اگر اس پر فوارہ بھی لئا ھو تو گرین ھارس کی رونتی برّہ جاتی هے - گرین ھارس کے اندر کے راستے چورائی میں تین فت سے کم نہ ھونا چاھئیں ؛ اور ان پر کوئی ایسی چیز دال دینی چاھئے جس سے پیسلنے کا اندیشہ کم ھوجائے ' جیسے سرخ کنکریت یا پتھر کے کوئلہ کا جلا عوا چورا - سرخ کنکریت میں یہ خوبی هے کہ اس سے ایک طرح کی خوشنمائی بھی پیدا ھوجاتی ھے ۔

حفاظت خانس کی نگهداشت نهایت ضروری اور یه اس کے اندر کے پودوں کی قسم پر ملحضر ہے - تامم بعض بانیں ایسی میں جو مرحفاظت خانے کے لئے مفید مو سکتی میں - چنانچه ذیل میں اس کی کچه تفصیل دی جاتی ہے -

- (۱) صفائي هر قسم کے گرین هارس کے لئے ایک نہایت ضروری شرط هے اس سے نه صرف اُس کي خوبصورتی بوّه جاتي هے ' بلکه اگر اس میں خشک پتیاں وغیرہ پوری رهنے دی جائیں تو نمی کی وجه سے جب وہ سوتی هیں تو پودوں میں بعض بیماریاں هوجانے کا اندیشه هوتا هے -
- (۲) گرین هاوس کے درجة حرارت میں جلد جلد فرق هوتے رهنے سے بھی پودوں کی تندرستی کو بہت نقصان پہنچتنا ہے اس لئے یہ ضروری ہے که کوئی مستعد آدمی هر وقت درجة حرارت کی ناگرانی کرتا رہے ۔ علاوہ اس کے پودوں کی نشو و نما کے لئے بھی ایک خاص درجة حرارت مناسب هوتا هے اگر اش میں بہت کمی زیادتی هوتی رهی تو ممکن هے که نتیجة خاطر خواہ نه نکلے ۔

- (۳) پودوں کے لئے کافی تازہ ہوا ضوروی ہے 'گرین ھارس میں اور خصوصاً شیشہ خانے میں تازہ ہوا پہنچانا لازمی ہے جاڑے کے موسم میں اور بھی زیادہ احتیاط کرنی پوتی ہے ' مبادا سرد ہوا کا کوئی جھہنکا یکایک اپنی غیر معمولی تھنڈک سے (جو گرین ھارس کے پودے کے لئے مضر ہے) کچھہ نقصان پہنچائے اس لئے اکثر اُن کو سرد راتوں میں مصدوعی گرمی پہنچانا ضوروی ہوتا ہے ۔
- (٣) سنچائي ميں كافى احتياط ايك مزيد اهم شرط هے پائى نه زياده هونا چاهئے ' نه كم دونوں حالتيں فضر هوتي هيں جہاں پائى فرارے سے ديا جاتا هے ' رهاں نيچى جگه كے پردوں كو پائي كي كثرت سے نقصان پنهچنے كا زيادة انديشة رهتا هے اكثر زمين ارپر سے خشك معلوم هوتي هے ' ليكن نيچے كافي نمي هوتي هے ـ يه اور اسي قسم كي دوسرى عام باتيں ايسي هيں جو تجربے پر منحصر هيں يه كام كسي هوشيار آدمي كے سپرد كرنا ضرورى هـ -
- (٥) پرانے اور بدنما پودوں کو نکال کر اُن کی جگه نئے اور اچھے پودے لکاتے رهنا چاہئے ؛ اور اس خیال سے اُن کا فخیرہ گملوں میں محصفوظ رکھنا مناسب ھے۔ •
- (۲) پودے کے فذا کی تمام ضروریات بہت احتیاط اور ہوشیاری سے پوری کرنی چاہئیں ' اور زمین کی ہمیشہ اچھی کاشت کرتے رہنا چاہئے ۔ زمین کا ملائیم اور بھر بھرا رکھنا اور گرین ہاؤس کو گھاسوں سے بالکل صاف رکھنا چاہئے ۔
- (۷) پودوں کی بیماریوں کا علاج اچھی طِرح هونا چاهئے اور بیماریوں کو بچھئے سے روکئے کی هر مسکن تدبیر اختیار کرنا چاهئے، ورثه گریس هارس کے تمام پودوں کو بیماری لگ جانے کا اندیشه هے -

باغ کا نقشہ—باغ کی جگہہ منتھب کرتے وقت زمین کی طبیعی اور کیمیاوی بنارت کے علاوہ موقع اور نکس ' ھوا ' روشنی ' دھوپ ' کھاد اور سینچائی کی آسانی اور بازار اور شہر کے قرب کا خیال بھی رکھنا چاھئے ۔ یہ صحیح ہے کہ باغبانی کی پیداوار اس آخری شرط کی بہت کم منتتاج ہے ' اور پھلوں کو دور دور تک پہنچانے کے جو طریقے رائج ھو ڈئے ھیں ' انہوں نے اِس کی سابق اھییت کسیقدر کم کر دیا ہے اور جو کچھہ ضررری ریا گاتی ' سرکیں وغیرہ موجود ھوں ۔ لیکن اس سے انکار نہیں کیا جا سگتا کہ شہر اور بازار کا قریب ھونا ایک نفع بخص صورت ہے ۔ اگر خودہ فروشی کرنا منظور ھو ' تو بازار کے قریب ھونے میں خاص نفع ہے ۔ اگر کم سے کم اتنا ضرور ھونا چاھئے کہ ' باغ ایسی جگھہ ھو جہاں سے کمترین وقت میں اور آسانی سے بازار تک رسائی ھو سکے ۔ زمین ایسی ھو جو ہائی سے بازار تک رسائی ھو سکے ۔ زمین ایسی ھو جو باغبانی کے لئے سب سے زیادہ موزوں ھو سکتے ۔ زمین ایسی ھو جو

علاوہ اس کے زمین پسند کرنے سے یہ اچھی طرح اطمینان کر لینا چاھئے کہ وہ کسی طرح ناملاسب تو نہیں ھے - زمین بہت زیادہ چکنی یا کمزور نہ ھونا چاھئے - اگر اس کا قدرتی نکاس اچھا ھو اور پانی برسنے کے بعد کسی طرف نکل جائے تو اچھا ھے - نیچی زمین 'جہال پانی بھرا رھتا ھو ' باغ کے لئے بہت ناموزوں ھوتی ھے - اگر زمین کا نکاس اچھا ھو ' تو اُس کی درستی پر جو روپیہ صرف کیا جائے وہ کسی درسرے کام میں لکایا جا سکتا ھے - زمین کی وسعت ' قیمت اور لکان ایک اور قابل لحاظ امر ھے - لگانی زمین پر ، بشرطیکہ پتے کی میعاد کافی طویل نہ ھو ' بانہانی اگر بری نہیں تو بہت مناسب بھی نہیں ھے - اگر لکان

بہت زیادہ ہو، تو اس کا بنجائے شہر کے قریب ہونے کے کسی قدر فاصلے پر ہونا بہتر ہے۔ باغبانی کے لئے اپنی کھاد جمع کرنا اچھا ہے، کیونکه شہر کے قریب کافی کھاد ملنے کی دقتیں بڑھتی جا رھی ھیں، گو موتر لاریوں کے رواج نے قریب کے دیہات سے کھاد لانا آسان کر دیا ہے ارر شہروں کی ضرورت پورا کرنے کے لئے گرد و نواج کے دیہات تی کھاد شہر میں پہنچ جاتی ہے، لیکن خود ان گاؤں میں بھی کھاد کی دقت روز بروز بڑھتی جا رھی ھے۔ ان سب باتوں کے لحاظ سے باغ کا سڑک کے قریب ھونا بہت ضروری ھے۔

آب و هوا اور سینچائی کے لئے پانی کی کافی مقدار کے ذخیرہ کا بھی خیال رکھنا چاھئے۔ باغوں کے لئے کافی پانی موجود ھونا ایک ایسی ضرورت هے جس کے بغیر باغبانی میں کامیابی ناممکن هے - اس لئے یه ضروری ھے کہ کافی پانی حاصل کرنے کے ذرایع اور سامان پر خوب غور کرکے اس کا بندوبست کر لیا جائے اور دیکھہ لیا جائے ۔ زمیں کی سطمے سينچائي کي ناليال بنانے کے لئے موزوں هے اور ناهدوار نہيں هے -پانی کی کافی مقدار مہیا رکھنے کی غرض سے باغ میں ایسے کنوئیں بنائے جا سکتے ھیں ' جو اس کی ضرورت پورا کر سکیں - باغ کے قریب کافی اور اچھ مزدوروں کا دستیاب هونا ایک، اور قابل غور مسئلة هے - اگرچة اس کا ایک حل یہ بھی ھے کہ مزدوروں کو باغ کے آس پاس آباد کر دیا جائے - لیکن یہ زیادہ بہتر ہے کہ باغ کے قریب ایسے لوگ پہلے ہی سے آباد هوں ' جو مزدوری کے کام کے لئے مل سکیں - ان سب امور کے طے، کر چکلے کے بعد یہ سوال پیدا ہوتا ہے کہ باغ کا نقشہ کیا ہو' اور اس میں کون کون سے پودے لکائے جائیں ؟ ان دونوں سوالور، کا

جواب باغ کے موقع اور صاحب باغ کے مذاق پر منتعصر هوتا هے - تاهم ذیل کے امور کا لحاظ رکھنا مناسب هے:

(۱) سینچائی کی نالیاں باغ کی روشوں اور کیاریوں سے کم و بیعی چھ انچ اونچی هونی چاهنیں - جہاں نالیاں اور واستے ملتے هوں وهاں پانی کے لئے لوھ یا متی کے نل لٹانے چاهنیں -

(ب) روشین اور پتریان کافی چوڙي هونی چاهئین که درختون کے بوے هوئی چاهئین که درختون کے بوے هوئی پر راستے میں رکاوت نه پیدا هو اور شاخون کو کالنے کی ضرورت پیش نه آئے - شروع شروع میں وہ ضرور زیادہ چوڑی معلوم هون کی الیکن باغ میں آئندہ کا خیال رکھنا لازمی هوتا ہے -

(ج) بوے بافوں میں کوئی سایہ دار راستہ بنانا باغ کی خوشنمائی کا باعث بھی ہوتا ہے اور اس سے تفریعے کے لئے بھی اچھی جگھہ پہدا ہو جاتی ہے ۔ ایسا راستہ کم و بیش پندرہ فت چوڑا ہونا چانگے ۔

(د) به نسبت سیدهی پاتریوں کے خمدار اور گول پاتریال زیادہ خوشنما معلوم هوتی هیں - جہال دو راستے ملتے هوں ، وهال بوی بوی جہازیال لکانا چاہئے ناکه یه معلوم هو که وه ضرورتاً ترجهے بنائے گئے هیں -

(8) باغ میں ایک رسیع راستہ ایک سرے سے دوسرے سرے تک بنانا چاھئے ' جس سے دو ایک چھوٹی چھوٹی ررشیں نکال کر اُس کی خوشنمائی بومائی جا سکتی ھے - ہوا راستہ پختہ ھونا چاھئے - سوکوں پر سرخ کنکریٹ کتوانا باغ کی خوشنمائی کا باعث ھے ' اور عربے ھرے درختوں کے درمیاں میں نکاہ کو بیلا معلوم ھوتا ھے ۔

و) درختوں کو ایسے موقع سے لکانا چاھئے کہ اُن پر ھر طرف سے دھوپ اور دھوپ اور عبانا ھے کہ جسی طرف دھوپ اور

روشنی کافی پوتی هے وہ حصه پهلوں اور پهواوں سے لدا رهتا هے اور دوسرا حصه کم پهولتا پهلتا ہے۔

(ز) درختوں کے قد قامت ' اور پترں اور پھولوں کے رنگ کے التحاظ سے مختلف تختے الگ الگ بنانے چاہئیں -

(ج) سب سے زیادہ جس بات کا خیال رکھنا، چاھئے وہ یہ ہے کہ جہاں تک ممکن ہو زمین کا قدرتی نقشہ نہ بگاڑا جائے اسے اس طرح سنوارا جائے کہ اس میں خوشلمائی پیدا ہو جائے - بهنسبت مصلوعی طرز کے اس قسم کی نیچرل باغبانی بدرجہا زیادہ دلکش ہوتی ہے - باغبان کو ہمیشہ یہ کوشش کرنا چاھئے کہ باغ کے قرایب کے عمدہ مفاظر باغ سے جہب نہ جائیں ' بلکہ ان کی موجودگی سے باغ کی خوشلمائی میں اضافہ کرنے کا کام لینا چاھئے ۔

درخت لگاتے وقت خیال رکھنا چاھئے کہ ھر لحاظ سے عمدہ قسم کے درخت خوب چھان بین کے بعد منتخب کرکے لگائے جائیں - جاد بازی سے جو کچھ مل جائے لگا دینا اچھا نہیں ھوتا - ایسا کرنے والے کو زیادہ تر بعد میں افسوس ھوا کرتا ھے - درخت روز روز تھوڑا ھی لگائے جاتے ھیں - اس لئے ان کا پہلے سے احتیاط کے ساتھہ منتخب کرنا نہایت ضروری امر ھے - پھولرں کے باغوں کے لئے عام قاعدہ یہ ھے کہ چھوٹے چھوٹے مختلف شکل کے تختے بنا کر رنگ کے لتحاظ سے پھول اس میں بوئے جاتے ھیں - تختے مختلف شکل کے عو سکتے ھیں ، اور رہ شکلیں باغبان کے مذاتی اور باغ کی گنجایش پر منحصر ھیں - اگرچہ شکلوں کا انتخاب شخصی مذاتی پر منحصر ھیں - اگرچہ شکلوں کا انتخاب شخصی مذاتی پر منحصر ھی وائے میں آسان شکلیں بہت پیچیدہ شکلوں سے ، خصوصاً عملی حیثیت سے ، اچھی ھوتی ھیں -

پھلوں کے پارسل بنانا اور اُن کو جمع رکھنا گو بظاهر یہ بہت معمولی ماتیں ہیں ' لیکن باغبانوں کے لئے بہت ضروری ہیں ' کھونکہ بری طرح سے پارسل بنانے اور پھل کو بری طرح جمع کرنے سے اچھے سے اچھے پھل کی فیست گھت سکتی ہے۔ ہر باغبان کے لئے اپنے پہلوں کے متعلق نیمنامی و شهرت حاصل کرنا تجارت کا عین راز هے - ایک مرتبه اعتبار قائم هو جانے پر خریدار اس کا بهروسه کرتے هیں - غیر ملکوں میں ان هی باتوں نے ایک خاص فوں اور ہنر کی حیثیت پیدا کر لی ہے ' کیونکہ بہایں کو اچھی طرح جمع کرکے اور پارسل بنا کے باغبان اپنے دور دور کے خریداروں کو خوش رکھہ سکتا هے' اور اس طرح اپنا مذافعہ بوها سکتا هے - هر پہل کے لئے أس كى حالت 'طبيعت إور مزاج كے لتحاظ سے اور اس فاصلے كے لتحاظ سے جو انھیں طے کرنا ھے پارسل بنانے کا الگ الگ طریقہ ھے - اگر بازار قريب هو تو بهتر يه هے كه پهلوں كو بارار پهونچا ديا جائے - لهكن اگر ية ممكن نه هو تو أُسِي هوادار مكر غير مرطوب جابهة مين كهلا ركهذا چاهلي -پارسل بنانے کی طرح پہلوں کو اچھی حالت میں محفوظ رکھنا بھی ایک بوا هنره ، جس پر باغبان کی آمدنی کا بهت کچهه دار مدار ه -مختلف پهلوں کے لئے علمحدہ علمحدہ طریقے اختیار کئے جاتے هیں -افسوس ہے کہ اس مختصر کتاب میں ان کے تفصیلی بیان کی گنجایش نہیں ہے ۔

پودوں کی بیماریاں اور علاج

موسمي كيفيات ، زمين يا طريقة كاشت كے عيب ، سينجائى كى كمى ، يا نكاس وغيرة كي خرابي سے پودوں ميں جو ناتندوستى كى آثار پائے جاتے هيں أن كا علاج كو انهيں كينيتوں كى اصلاح سے اچها هونا هے ، ليكن ان اور كے علاوة كين عمورے اور بعض

دیگر بیماریاں جو زیادہ تر نباتاتی اجرام سے پیدا هوتی هیں - پودوں کو لاحق هوتی هیں -

مویشی اور دیکر تسم کے چوپایوں کے علاوہ 'جن سے اندیشہ ہوتا ہے کہ پودوں کو کہا ادی گے ' بلدر ' خرگوش ' گیدر ' سور ' گلہری ' ساھی اور چوھا ' اور پرندوں میں چریاں ' طوطے ' کوے ' چگادریں وغیرہ باغوں کے دشین هیں ۔ ان کا دفعیہ ایک تو تار لکانے ' حد بلدیٰ کرنے اور رکھوالی کوئے سے ' نیز پھلوں یا درختوں پر جال تانئے ' کپوا باندھلے ' کانتے لگانے یا خود جانوروں کو زھر یا بندرق سے مارنے سے ھو سکتا ہے ۔ ان کے علاوہ کیوے مکورے بھی طرح طرح کے ھوتے ھیں اور پودوں کو بہت نقصان پہلچاتے ھیں ۔ ایک خاص بات یہ ھوتی ہے کہ جس درخت کا کھوا ھوتا ہے اس کی وجہ سے وہ آس کا رنگ اکثر اُسی درخت کا سا ھوتا ہے ' جس کی وجہ سے وہ آسانی سے نظر بھی نہیں آتا ۔

جن پودوں پر کیڑے حملۂ کرتے ھیں ' ان کو پہنچاننے کے لئے مذکورۃ فیل کے نشانات سے مدد مل سکتی ھے:

- (۱) پتیرں میں آر پار سوراخ ھوتے ھیں' یا ان کے کنارے کترے اور کتے ھوئے ھوتے ھیں -
- (ب) تنم کے ملائیم حصے میں سررائے ہوتے ہیں اور پتیوں پر آبلے سے ابھرے ہوتے ہیں -
- (ج) تازہ کلیاں اور ملائم جویں کٹی ہوتی ہیں اور پہلی میں سورائع ہوتے ہیں ۔ پتیاں لیتی ہوتی ہیں اور چھال کیووں کی کہائی ہوئی معلوم ہوتی ہے ۔

(د) کھروں کا فضلہ اور اُن کے مودہ اجسام وغیرہ پتھوں اور پودے کے نمین پر موجود ملتے ھیں -

یہ سب نشانات ایسے میں که اگر کیوں کی زندگی اور عادات کے حالات معلوم وس تو انهيل سے كيروں كي قسم كا اندازة لكايا جا سكتا هے ا کیونکہ ہو خاص نوع اور جنس کے کیوے اپنے اپنے خاص طریقوں سے پودوں یر حمله کرتے اور اُن کو نقصان پہنچاتے ھیں - ان کے مارنے کا ایک اچھا زمانہ وہ ہوتا ہے - جب وہ اندرں کی شکل میں متی کے اندر هوتے هيں - اُس وقت اگر زمين كو گورنا يا جوتلا مسكن هو تو گرمی کے زمانے میں ملتی جوت کہود اور پات کر چھرز دی جانے - دعوب کی شدت سے اندے خراب ہو جاتے ہیں - لیکن کھیتوں میں یہ کام آسانی سے هو سکتا هے ، مگر باغوں میں مشکل هے - باغوں میں صفائی رکھنے اور سری گلی چیزوں کو برباد کردیاہے سے کیروں کی پیداوار بہت کچھہ رک جاتی ہے۔ یہ کیرے دیوار کی اور پرانے درخت کی چھالوں میں درپردہ نشو و نما پاتے رہتے ہیں اس لئے ایسی جگہوں کو احتیاط سے صاف رکھنا چاہئے۔ اس کا آسان طریقہ یہ ہے کہ ایسی جگھوں کو دس گیلن پانی میں ایک پونڈ کاسٹک سودا حل کر کے پچکاری سے حسب ضرورت دھو دیا جائے - به نسبت اس کے که کیروں کے اندوں کو ضائع کیا جائے یه کہیں بہتر ھے که ان کو اتنا موقع هي نه ديا جائے که وه اندے ديں -

جب کهترے پودوں اور درختوں پر نظر آئیں - اُس وقت ان کو مختلف قسم کی زهریلی دوائیں دے کو هلاک کیا جاسکتا هے - یه بهی ممکن هے که ان کو پکر پکر کر مارا جائے لهکن یه طریقه آسان نهیں هے - حقیقت یه هے که بهترین طریقه ان کے برباد کرنے کا یهی هے که زهریلی دوائیں استعمال کی جائیں - اور ایسا کرنے کے لئے ، یه فروری هے که پہلے دوائیں استعمال کی جائیں - اور ایسا کرنے کے لئے ، یه فروری هے که پہلے

، ھر نوع کے کیروں کی عادت اور ان کی زندگی کے حالات سے پوری واقفیت حاصل کرلی جائے ۔ بغیر اس علم کے پوری کامیابی ممکن نہیں ھے ' اور یہ علم حشرت الارض کے متعلق کتابوں کے مطالعہ کرنے سے حاصل ھوسکتا ھے ھم یہاں صرف چند نسخے ایسے درج کرتے ھیں جن کا استعمال مفید ثابت ھو گا ۔

کیروں کو مارنے کے لئے نسخے

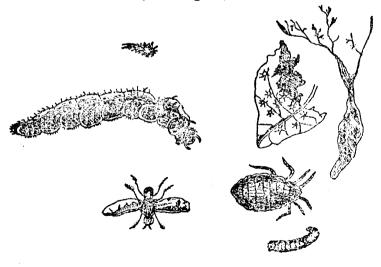
- (۱) تمباکو کے آدہ سیر ذائیہل کو پانچ سیر پانی میں دال کر چوہیس گھنٹے تک رکھے رہو جب وہ خوب بھیگ چکیں تو اس پانی کو چھان کر ہزارے یا پچکاری سے پردوں اور درختوں پر چھڑک دو اگر اس پانی میں صابوں بھی ملا دیا جائے ' تو اور زیادہ مفید اور کارگر ہوگا اس صورت میں تمباکو ڈھائی سیر اور کپڑے دھونے کا صابوں پاؤ سیر لینا چاھئے -
- (۲) سوا سیر کپتا دھونے کے صابون کو تھائی سیر گرم پانی میں حل کوو اور اس میں متی کا تیل تال کر اس قدر چلاؤ که جھاگ خوب اُتهة آئے اب اس میں اتناھی سادہ پانی ملاؤ جتنا یہ مرکب ھو اس محلول کو پچکاری سے درختوں پر چھتک دو -
- (۳) ایک سهر رال اور تین پاؤ سجی کو پانچ سیر پانی میں ملاکر آگ پر پکؤ اور جب یه دونوں چیزیں پانی میں خوب حل هو جائیں ' تو تهورًا تهورًا پانی ملاتے رهو یہاں تک که کل وزن کم و بیش دیرہ من هو جائے اس متحلول میں خوبی یه هے که اس میں بہت سا پانی ملایا جا سمتا هے ' جس کا وزن کم و بیش دس من تک هو سکتا هے ۔
- (۳) کسی بڑے برتن میں کم و بیش ایک من پانی بھر دو' اور ایک سیر توتیا کسی موائے کہوے میں باندھ کر اُس پانی کے اندر لٹکا

دو - ایک اور برتن میں تین پاؤ چونا قلعی لے کر أسے پانی سے بجها او -پھر اس میں اور پانی تھوڑا تھوڑا کرکے اس طرح ملاتے رھو کہ چونے کا پانی سوکھنے نہ پائے جب یہ پانی کم و بیش ایک من کے وزن تک پہنچ جائے ، تو چونے اور توتیا کے پانی کو کسی برتن میں ، جس میں کم و بیش چهه من ياني هو ' ملا دو اور خوب چلاؤ معطول تيار هو گيا - اس كو پودوں پر چھڑک دو - چھڑکئے سے پہلے اتنی احتیاط اور کر لینا چاھئے۔ که ایک چدک دار چاتو کا پهل پانی میں ایک منت تک دبو کر دیکھا جائے۔ اگر چاقو کے پول پر تانیے کا سا رنگ آجائے ' تو پانی میں ارر چونا ملانا چاهئے - جب چاقو پر اس رنگ کا آنا پند هو جائے ' تب سمجهنا چاهئے که محلول صحیح طور پر تیار هو گیا - اس محلول کو بورڈر مکسچر (Bordeaur Mixture) کہتے ھیں - اس میں اگر توتیا کے هموزن صابون بھی ۱۸ دیا جائے ' تو اور زیادہ نفع هوتا ہے - اگر چہرکئے سے پہلے اس میں کچھہ پانی اور زیادہ کو لیا جائے تو کوئی هرم نہیں بلکہ بعض حالتوں میں هلکا مونا هي مفيد هوتا هے - اس محاول ميں يه اندیشه ضرور باقی رهنا هے که بعض پودوں کی نازک شاخوں کو کچهه نقصال پهنچتا هے -

(٥) آدھی چھٹانک ھینگ اور ایک چھٹانک بھے لے کر آدھ سیر پائی میں حل کر لو' اور اس میں اتنا ھی پائی اور ملا دو۔ یہ محملول دیمک کو ماونے کے لئے بہت مفید ثابت ہوتا ہے۔

(۱) دیمک کے لئے سینچائی کے پانی کے ساتھ تارپین کا تیل یا فنایل دَالنَا بھی منید ہوتا ہے - فنایل کی گولیوں کو باریک پیس کر اُس کا سفوف جوں کے قریب چھوکنا اور متی میں ملا دینا بھی فائدہ دیتا ہے -

- (۱) نیم اور ارندی کی کھلی کا استعمال بھی بعض کیروں (خصوصاً دیمک) کو ملاک کرنے کے لئے فائدہ حدد ثابت موتا ہے ۔
- (۸) پتی کاتام والے کیروں سے بتجانے کے لئے عموماً پیرس گریں اور لندّن پربل (Paris Green and London Purple) استعمال کیا جاتا ہے لیکن لید آرسیات (Lead Arsenate)، ان دونوں سے اچھا ہے ' کیونکہ اس سے پتیوں کو ضرر نہیں پہنچتا یہ لیئی کی شکل میں استعمال کے لئے تیار ملتا ہے ' اور پانی میں آسانی سے حل ہو جاتا ہے ایک پوند آرسیات بیس پتیس گیان پرانی میں مالیا جا سکتا ہے لیکن کھانے کے پھلوں پر ایسی زهریای چیزیں استعمال کونے کے بعد بہت احتیاط کرنی چاہئے ' اس عمل کے بعد جب تک کافی وقت نہ کئو لے درخت کے پھل کو استعمال نہ کونا چاہئے ' اور استعمال کونے سے پہلے دھو ڈالنا چاہئے پتھوں پر راکبہ چھڑکنا بھی بعض کیروں سے حفاظت کے لئے مفید ہوتا ہے (شکل نمبر ۵۳) ۔ . .



چند ضرو رساں ک<u>یڑے</u> هکل نبیر ۵۳

نباتاتی اجرام سے بھی کئی طرح کی بیماریاں پیدا ھوتی ھیں ۔ یہ بیماریاں معمولاً پھپھوندی کی شکل میں پردے کے مختلف حصوں پر محمله کرتی ھیں ۔ ھم یہاں چند مشہور درختوں کو لے کر اُن پر ان امراض کے اثر اور اُن کی شناخت کا طریقہ بیان کرتے ھیں ۔

پودوں کی بیماریاں

- (۱) انجیر۔۔پتیرں پر هلکے پیلے رنگ کے دهبے پر جاتے هیں۔ یه بیماری اور بہت سی چیزرں میں بهی هوتی هے اور اس کے علاج کے تجربے هو رهے هیں۔ اس بیماری کو موزیک (Mosaic) کہتے هیں۔
- (۲) انگور--پتیوں پر ایک سنید سی خاک جم جاتی ہے ' اور پھل پر سیاد دھیے پر جاتے ھیں اُیسی حالت میں نکس درست کرنا اور زمین میں خشکی نه برھنے دینا چاھئے اگر پھل پھٹ جائیں اور پھپھوندی لگ جائے ' تو بورتو مکسچر چھوکا جا سکتا ہے -
- (۳) قساقر بننے پر کتہئی رنگ کی دھاریاں پر جاتی ھیں ۔ اس کا علاج صرف یہ ھے کہ درخت کو کات کر جلا دیا جائے ۔ لیکن آئر پتوں پر سیاہ دھیے پر جائیں ' تو بورتو مکسچر چھڑکا جا سکتا ھے ۔
- (۳) دھلیا۔۔۔تنے کے نیچے کا حصہ سو جاتا ھے ' اور اس پر بھورے رنگ کی پھپھوندی لگ جاتی ھے ۔ اس کا علاج بہت مشکل ھوتا ھے ۔ ایسے درخت کو جلا دینا دوسرے پودوں کو بیساری سے محفوظ رکھنا ھے ورنہ چھوت سے دوسرے درختوں کو نقصان پہچنے کا اندیشہ ھوتا ھے ۔
- (٥) سیب—(١) جو کے قریب بوی بوی گول گلتیاں پو جاتی هیں۔ لیکن یہ بہت خطر ناک نہیں هوتیں ایسی جو کو کات کر الگ کر دینا چاهئے ـ

- (ب) کبھی کبھی تنے پر بھی زخم پر جاتے ھیں ' اور شاخیں اگه صرف گتہیای اور خمدار ھو جاتی ھیں بلکہ اکسرنئی شاخیں چتک جاتی ھیں ' اور اُن •یں پہپھوندی بھری ھوئی پائی جاتی ھے - چرنکہ یہ زیادہ تر نکاس کی خرابی سے ھرتا ھے ' اس لئے نکاس کی' اصلاح سے بھی اس کا علاج ممکن ھے -
- (ج) بعض اوقات پتهرس پر ایک سفید سفوف سا جمع هوجاتا هے اور اس کا اثر قہدوں نک هوتا هے ایسی صورت میں شاخیں تراش کر جلا دینا مفید هرتا هے -
- (د) پبول کا مادہ حصہ کا پو جاتا ہے) اور اس کے نیچے کے حصے میں ایک طرح کا لسدار مادہ نکلنے لگتا ہے ' یہاں تک که پهول سوکهه جانا ہے ۔ اُس کا علاج بہت مشکل هوتا ہے ۔
- (ج) پهل پر گهرے سبز رنگ کی جنیاں پہ جاتی هیں 'ارر پهل سونے لگتا اور کبھی کبھی پیت بھی جاتا ھے شاخوں کا تراشنا اور پهل پر شروع هی زمانے میں بوردو مکسچر چهرکنا مفید هوتا ھے -
- (۱) شفتالو جهوتے چهوتے پیلے رنگ کے دھبے پتی کے اوپر اور نیچے زنگ کی سی ایک خاک جمع ھو جاتی ہے برودو مکسچر اس کے لئے مفید پایا گیا ہے کبھی کبھی پکے پھلوں پر سرخی مائیل کتہئی رنگ کے دھبے پر جاتے ھیں ' اور پھل سر کر پھت جاتا ہے پکنے سے پہلے بوردو مکسچر سے دھونا اس بھماری کو پیدا نہیں ھونے دیتا -
- (۷) گوبهی ' کرم کلا ' اور اسی قسم کی ترکاریاں پود هی سے ان کی بیماری کا ساسه شروع هو جاتا هے ' اور جب پود کمزور هوتی هے یا جلد اور قبل از وقت باتهائی جاتی هے ' تو تنا زمین کے قریب سے پتنا هو جاتا هے اور بالاخر درخت سوکه کر گر جاتا هے اکثر ایسا هوتا هے که جو بهی

سر جاتی هے اور پتی پر سفید چمکدار اُبھری ھوئی چتیاں پو جاتی ھیں - جو کی خرابی زمین میں چونا دینے سے اور پتی کی بیماری بوردو مکسچر سے جاتی رھتی ھے -

(۱) کلاب چهال پهت جاتي هے ' اور اس میں پهپهوندي بهر جاتی هے - ایسی شاح کو کات کر کتی هوئی جگهه پر تار کول لگا دینا اور درخت کو توتیا کے پانی سے دھونا مفید هوتا هے - اگر پنی پر اوپر کی طرف سیاه گول دهیے اور نیچے کی طرف پیلے یا سیاه دهیے پر جائیں اور پتی خشک هوکر گر جائے تو پتیوں کو جلا ڈالنا چاھئے -

انگریزی میں ایک مثل هے که احتماط علاج سے بہتر هے - اس لئے هم چند ایسی باتیں یہاں بیان کرتے هیں جن کا اگر باغبان خیال رکھے ' تو ان بیماریوں کے پیدا هونے کا احکان بہت کم هو جائے ' اس قسم کی باتوں میں عمدہ کاشت ' اچھا بیجے ' تھیک نکاس اور اچھی کھاد کے علاوہ ان امور کا بھی خیال رکھنا چاھئے : —

- (۱) جن پھلوں اور پودوں پر کسی بیماری کا اثر ہو ' اُنھیں کھاد کے گڑھے میں ہرگز نہیں ڈالنا چاہئے ۔ کیونکھ ایسا کرنے سے اُن کے پھر پیدا ہونے کا امکان باقی رہتا ہے ۔ احتیاط کے خیال سے اُن کا جلا دینا اچھا ہوتا ہے ۔
- (۱) بیمار پودوں اور درختوں سے قلم اور بینج هرگز نه لیدا چاهئے جن بینجوں پر اس کا شبه هو ' اُنہیں بونے سے پہلے توتیا کے پائی میں فوطه دے کر سکھا لینا مفید هوتا هے بیمار پودوں کو الگ کرکے باقی کو پوتاشیم سلفائد کے پائی سے مل کر دھونا اچھا ہوتا ہے -
- (۳) کچی اور آدھی ستی ھوئی کھاد بھی اکثر بیماریوں کے پھیلنے
 کا سبب ھوتی ھے اس لئے پودوں کو ایسی کھاد نہیں دینی چاھئے -

قلم اور چشمه وفیره لینے میں جو زخم درختوں میں هو جاتے هیں ان پر تار کول لگا دینا چاهئے - اس طرح سے بیماری پیدا هونے کا اندیشه نهیں ره جاتا -

(۳) ترکاریوں کی فصل کو اس طرح ترتھب دینا چاھئے کہ بیماری پھیلئے کا امکان کم سے کم ھو جائے - لیکن ان تدبیروں پر عمل کرنے کا زیادہ فائدہ تب ھی ھوگ کہ جب آس پاس کے تمام باغبان اتحاد عمل کرکے بیماریوں کے روکنے کی کوشش کریں -

(٥) بوردو محسجو سے پودرں کو دھونا - ان بیماریوں کے لئے خصوصاً مغید پایا گیا ھے ۔ توتیا کا پانی بھی اُن تمام حالتوں کے لئے مفید ھوتا ھے ' جن پر بوردو محسجر استعمال کیا جا سکتا ھے ۔ اس کے لئے آدھہ سیر توتیا کو ۲۵ گیاں پانی میں حل کیا جاتا ھے ۔ لیکن اس کو زیادہ ایسے موسم میں استعمال کونا چاھئے جب پودری کی بالیدگی رکی ھوئی ھو ۔

تقويم كار

میں - بافیانی کے روزانہ کام وقت کی ضرورت کے لتحاظ سے کئے جاتے ھیں - بافیانی میں جس کثرت سے مشتلف قسم کی چیزیں شامل اور نگرانی ھی سے فر روز کا کام صرف ھوشیار باغیان پرری دیکھ بھال اور نگرانی ھی سے کر سکتا ھے - حقیقت یہ ھے کہ کوئی ایسی جامع تقویم کار مقرر کرنا محال ھے جس کے بعد باغ کے مالک کو اپنی طرف سے کچھہ اور نہ کرنا پوے - لیکن اِس میں شک نہیں کہ تقسیم عمل کا ایک ایسا سرسری نقشہ پیھی کیا جا سکتا ھے جو بافیانی کے زیادہ اھم حالت پر حاوی ھو - چانچہ ھم اس قسم کا ایک نقشہ ذیل میں درج کرتے ھیں ' جس میں سال کے ھر مہینے کے لحاظ سے باغیانی کے عمل اور کار و بار کو تقسیم کرکے دکھایا گیا ھے -

جنورى

پہول۔۔۔گل داردی میں پہول آنا قریب قریب ختم ہو چکتا ہے اُسے ذخیرے میں آئندہ کے لئے لگانا چاہئے۔ کلاب میں گورَائی اور کھاد دینے کے لئے بھی یہ مہینا مناسب ہے۔

پهل -- انجیر : شفتالو اور انگور کو چهانتفا ، اور لوکات میں خوب پانی دینا چاهئے - کینڈی تفت ، ایستر اور استرابری میں بهی پهول آنے کا یہی زمانه هے - اس لئے ان کو بهی پانی دینا چاهئے - امرود ، شریفه لیمو ، سنتره ، اور گنے کی فصل تیار هوتی هے - کیلا پال ڈالنے کے قابل هو جاتا هے -

ترکاریاں -- ترکاریوں کا یہ گاص زمانہ ہے - کلجر' مولی' شلیجم' گوبھی' کرم کلا' چقندر' پیاز' سلاف' سویا' میتھی' پالک' متر' تماقر وغیرہ سب تیاری پر ہوتے ہیں۔ ان کو سینچائی کی ضرورت ہوتی ہے۔ پانی دینا چاہئے۔

فرورى

پهول -- پاتونیا ' فلاکس ' واثلت (بنفشه) اور نرگس میں پانی دینا چاههٔ - گلاب کا دایا اس ماه میں اچها لگتا هے ' اور نومبر کی لگائی هوئی قامیں گملوں میں لگا کر سایہ میں رکھی جاتی هیں - آرکڈ کو گملوں وفیرہ میں لگانے کا بہت اچها موسم هے -

پھل۔۔ آم ' بیر اور ناشپاتی میں پھل آجانے پر پانی دینا چائئے۔ انناس میں بھی گورائی اور سینچائی کی جاتی ہے۔

ترکاریاں۔۔۔اِس زمانے میں بہت کم ترکاریاں بوئی جاتی هیں باعث جو ہوئی هوئی هوتی هیں ان کی نگہداشت و سیلچائی کرئی پرتی

ھے ۔ اگر کسی چیز کے بونے میں دیر هوجاتی هے ' تو اُس کی بوائی بھی کر لیتے میں -

مارچ

پہول سیم پہولوں کی بہار کم ہونے ' اور بیسے اور گائٹھ جمع کرنے کا زمانہ ہے ۔ دھلیا کی سلسیائی بند کرکے اس کی پوتیاں 'بالو میں رکھئی چاھئیں ۔ اور نه صرف دھنیا ' بلکہ زیادہ تر پوتی دار پردوں کی پوتیاں ' اسی زمانہ میں رکھی جاتی ھیں ۔ وربینا کے عمدہ قسم کے پھولوں کو گملوں میں کرکے سایہ میں رکھنا چاھئے ۔ کروتی میں نئی پتیاں نکلتی ھیں ۔

پہل کیلے کی متی بدلی جاتی ہے' اور پانی دیا جاتا ہے۔ خربوزہ کی کاشت شروع ہوجاتی ہے آزہ 'ناشہاتی ' آم ' انگور وغیرہ کو پانی دیتے میں ' اور لیجی تیاری کے قریب آجاتی ہے۔ ارنڈ خربوزہ تیزی سے پکنے لگتا ہے۔ انگور ' انجیر اور رسبھری میں پہل آجاتے میں ۔ آم نگرانی کرنے کے قابل ہوجاتے میں ۔

ترازریاں۔ شلحم ' گاہر اور چقندر ختم ہونے کے قریب آجاتے ہیں ' اور بیہ کے الجے پیندی لگائی جاتی ہے۔ مرچوبے کی متی بدلی جاتی ہے۔ بہندی اور خوفه بویا جانا ہے۔

اپريل

پھول ۔ ایکیمینس میں بالیدگی شروع ھوجاتی ھے - یہ گملے میں بھرے جاتے ھیں ' اور جب اوپر نکل آتے ھیں تو پانی دیا جاتا ھے - کروتن اور اسی قسم کے پودوں کو ' جو دھوپ کم برداشت کر سکتے ھیں ' سائے میں وکھہ ؓ دینا چاھئے ۔

پهل ـــ استبرابری کی سینچائی کا زمانه هے ـ

ترکاریاں۔۔۔پیاز اور اسی قسم کی دوسری چیزوں کا بینج جمع کیا جاتا ھے ۔

مئی

پھول ۔ پینزی ' رربینا اور اسی قسم کے چھوٹے درختوں کی خوب آبیاشی دونی چادئے ۔ صبح اور شام پانی دینے کا رقت اچھا دوتا ہے ۔

پھل۔۔۔انناس کی سیرابی اور دوسرے پہل دار درختوں کے پیوند اور دابا کرنے کا مناسب زمانہ ہے ۔

ترکاریاں ۔۔۔ سیم 'کھیرا 'ککوی 'کدو ' مکا 'بھنڈی ' بیگی وغیرہ کے بیج جہاں سینچائی کافی محو بوئے جاتے ھیں ' اور ادرک لٹایا جاتا ھے چوالٹی کا ساگ شروع ہوجاتا ھے ۔

جون

پہول فرن هاوس کی سینجائی ' اور گل مهندی ' اشرتی اور گل مهندی ' اشرتی اور گیل مهندی ' اشرتی اور گیلدے کا ذخیرہ کرنا چاہئے ۔ دهلیا اور عقیق بھی اسی زمانے میں لگایا جانا ھے ۔ مئی اور جون میں بیکار زمین کو جوت اور گور کر چھور دینا بہت منید هوتا ھے ۔ اخر ماہ تک نکس کی نالیوں کی درستی هوجانا چاہئے ۔

کل داردی گملوں میں لکایا جاتا ھے ' اور کچھ تلمیں بھی لکائی جاتی ھیں ۔

پھل۔۔۔ تخمی پھلوں کے لئے آم کی گٹھلیاں ہوئی جاتی ھیں 'اور پیوند ' قلم اور دایا بھی لگایا جاتا ھے ۔ آرو اور انگور کا پھل اترنے لگتا ھے ۔ ترکاریاں۔۔۔بعض دیسی ترکاریاں ہوئی جاتی ھیں ' اور موجودہ

فصلوں کی سیلچائی ہوتی ہے ۔ فصلوں کی سیلچائی ہوتی ہے ۔

جولائي

پھرل -- سرو اور شمشاد کے دایے تیار کیے جاتے ھیں - وربیلا کے جورے کونڈیوں میں لگائے جاتے دیں - فرن خانه کی سینچائی بلد کردی جاتی ھے ' اور کونڈیوں کی متی عام طور سے بدلی جاتی ھے ۔ 'گل مہندی ' مرغ کیس ' دوپھریا ' سورج مکھی وغیرہ کے بیج 'بوئے جاتے ھیں - دھلیا کی پوقیوں میں جورے پھوٹ آتے ھیں ' اور گمارں سے نکال کو نئے گمارں میں لگائے جاتے ھیں - گلاب میں قام اور چشمه بھی لگایا جاتا ھی ۔

پیل -- انداس کا سر ہو کر نیا درخت تھار کیا جاتا ھے - شفتالو' نارنگی اور لیموں کے چشمے تیار کئے جاتے ھیں - ،

ترکاریاں — بیگن ' پرول ' کھیرا ' سیم ' کدو اور اسی قسم کی ترکاریاں بوٹی جاتی ھیں - مرچ کی پودہ لٹائی جاتی ھے پودینہ اور دوسری فصلوں میں پانی نه رکنے دینا چاھئے -

اكست

پهول کل مهندی ' کل شور اور عقیق وغیره سے پهول اترتے هیں - عشق پیچان کا بیج بویا جاتا هے - کلاب کا چشمه اور دایا تیار هوسکتا هے - عشق پیچان کا بیج بهول آتا هے - بیلدار گلاب کی قامیں لگتی هیں -

پہل۔شفتالو ' بیر ' ناشپانی ' نارنگی اور لیموں کا چشمہ لکایا جا سکتا ہے۔ شریفہ ' امرود اور انار کے پہلوں کی نگرانی کا وقت ہے ۔ انفاس کے جودے لکائے جاتے ہیں ۔

ترکاریاں۔۔۔مرچوبہ بویا جاسکتا - هے کسی مشہور ترکاری کی کاشت نہیں ہوتی - البتہ بعض ترکاریوں کی پودہ بوئی جاتی هے -

ستمبر

پھول – پھول بڑا کرنے کے لئے گل داؤدی کی شاخیں تراشی جاتی ھیں ۔ ھیں ۔ پخته پتیوں سے بگوئیا کے نئے درخت تیار کئے جاتے ھیں ۔ مصلوعی پہاڑیوں پر تازہ متی ڈالی جاتی رہے ۔ کیمچوے اور دوسرے برساتی کیروں سے گملوں کی جتی کو صاف رکھنے کا خیال رکھنا چاھئے ۔

پھل۔۔۔تضمی درخت تیار کرنے کے لئے شنتالو کا بیم بویا جاتا ہے ' جو آئیندہ اگست تک چشمہ باندھنے کے قابل دو جائیں گے ۔

ترکاریاں ۔۔ گونھی ' کرم کلا ' ھاتھی چک وغیرہ کی پودہ ہوئی اور بتھائي جاتی هے ۔ متر اس مہینے میں ہوئی جا سکتی هے ۔

واكتوبر

پھول ۔یہ مہینہ کام کرنے کا خاص زمانہ ھے ۔ اس کے وسط میں بہت زیافہ پھول ۔یہ مہینہ کام کرنے کا خاص زمانہ ھے ۔ اس کے وسط میں بہت زیافہ پھولوں کے بیج بوئے جاتے ھیں ۔ گلب کے پودے تراشے جاتے ھیں ۔ کارنیشن ' پینزی ' وربینا ' سویت ولیم وغیرہ از سر نو گملوں میں لگائے جاتے ھیں ۔ چونکہ برسات اس وقت ختم ھو جاتی ھے ' اس لئے ایک مرتبہ عام صفائی اور سؤک کی پھریوں کی درستی بھی کی جانی ھے ۔

پھل ۔۔لھچی ، بادام ، شریفه ، امررد شفتالو ، آلو بخارا ، اخروت ، چموترا ، بیر ، اموا ، کورنی اور وامپی کے بیج بوئے جاتے میں ؛ اور استرا بری کے لئے زمین تیار کی جاتی ہے کمرکھ پکٹے لگتے میں ۔

ترکاریاں۔۔۔ پٹوا کے پہل تور دئے جاتے هیں - شلحم ' کلجر ' آلو ' مٹر ن سیم ' چقندر ' پالک اور سلاد ہوئے جاتے هیں ' اور گوبهي ' کرم کلا ' مرچوبه وغیرہ کی پودہ لکائی جاتی ہے -

نومبر

پھول۔۔۔گلاب کی جورں کو ہوا دی جاتی ہے ' اور اس کی صفائی اور سیفنچائی ہوتی ہے - ہر طرح کے گلاب کے قلم لگانے کے لئے یہ زمانہ مناسب ہے ۔ کئی داؤدی پبولئے لگتی ہے ۔ اکثر بیج بھی برئے جاتے ہیں ۔

پهل – شفتالو ' آم ' انگور ' ناشهاتی وغیره کی جویں کهولئی چاههٔ اور سینچائی روک دینی چاههٔ - انگور کی بیل جویں کهودنے سے پہلے چهانگذا اچها هوتا هے - شفتالو میں نعٔی متی بهری جاتی هے -

ترکاریاں۔۔۔اکتوبر کی بوئی ہوئی بہت سی ترکاریاں اس مہینے میں تیاری کے قریب ہوتی ہیں ؛ اور بعض ترکاریاں اس قابل ہو جاتی ہیں که ان کے بینچ نکال لئے جائیں - لہسن کی کاشت بھی ہوتی ہے - ترکاریوں کی از سر نو بوائی کے لئے زمین تیار کی جاتی ہے -

دسمدر

پهول ۔۔۔ گل داؤدی خوب پهولتي هے ۔ فلاکس ، کینڈی آفت ' استاک ' نیسٹرتیم ' لاله ' جرنیم ' کوریا پسس ' اور سیلریا سے پهول اُئرتے هیں ؛ اور بعض پوتیاں لگائي جانی هیں ۔

پھل – شنتالو ' انجیر ' آلو بخارا ' وغیرہ کے درخت چھانتے جا سکتے ھیں ۔ جن درختوں کی جویں کہلی ھرں ' ان میں تازہ متّی دی جاتی ھے ۔ اگر درخت اس مہینے میں نه چھانتے جا سکیں ' تو وھي کام جنوري میں ھوتا ھے ۔

تركاريال-- متعدد تركاريان تيار هو جاتي هين -

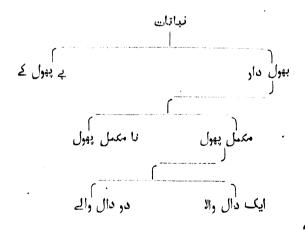
موس سعد

پھول باغ

تقسيم

دنیاے نباتات کے جس حصے پر اب هم توجه کرتے هیں اس کو اچھی طرح سمجھنے کے لئے اس کی قدرتی تقسیم کو سر سری طور پر جاننا ضروری هے - نباتات دو حصوں پر منقسم هیں یعنی بے پھرل اور پیول دار نبانات - پھول دار نباتات بھی دو طرح کے هوتے هیں - ایک وه جون کے پھول واضح اور مکمل هوتے هیں ; دوسرے نا مکمل پھول جون کی مثال تاز اور سرو وغیرہ هیں - پہلی قسم کے پھر دو حصے هوسکتے هیں - مثال تاز اور سرو وغیرہ هیں - پہلی قسم کے پھر دو حصے هوسکتے هیں ایک وہ جون کے دانے میں مدو دالیں هوتی هیں ، جیسے مثر ، سورج مکھی وغیرہ ، اور دوسرے وہ جون کے دانے میں صرف ایک دال هوتی هے ، جیسے وغیرہ ، اور دوسرے وہ جون کے دانے میں صرف ایک دال هوتی هے ، جیسے نرگس ، سوسی وغیرہ -

مندرجة ذيل شجرے سے اس كى وضاحت هوتى هے: ــ

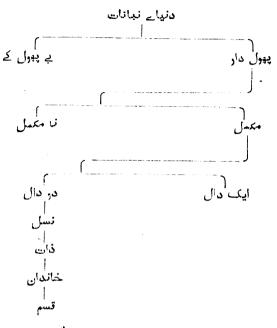


یے پھول کے نباتات کی مزید تقسیم اور تفصیل اس جگم ضروری فہیں ھے ۔ اصل یہ ھے کہ پھولوں کو نا مکمل یا مکمل محض اس لئے

کہا جاتا ہے کہ ان میں فرق معلوم ہوسکے; ورنہ صحیح معلوں میں وہ نامکمل نہیں عدر عدر بعض ایسے نامکمل نہیں ہیں کہ نباتات میں بعض ایسے دوسرے فرق میں جن میں الجہلے کی ہمیں یہاں ضرورت نہیں ہے -

يهول در اصل يودے كى ايك ايسى شاخ هے جو پُودے كى نسل بوھانے اور قائم رکھنے کا کام دیتی ہے اور جس کے تمام ضروری سامان اُس کے اندر موجود هوتے هیں - اب اگر پهول کی بناوت پر غور کریں تو یہ بات صاف ھوجائے گی کہ کس طرح اس میں نر اور مادہ حصے ہوتے میں اور کس طرح أن سے پھل اور بیمے پیدا ہوتے ہیں - پھولوں کی ظاہری بناوت کے لتحاظ سے پودے مختلف گروہ میں تقسیم ہوجاتے هیں اس تقسیم پر غور کرنے سے نہ صرف ہر گروہ کے پودوں کی باہمی مذاسبت 'کا بتہ چلتا ہے ' بلکہ یہ بھی معلوم ہوتا ہے کہ وہ سب کسی ایک مورث کی اولاد ہیں - چذانچہ جب کسی گروہ کے پودے ایک دوسرے سے اس قدر ملتے ہوں کہ اُن کے ایک مورث کی اولاد هونے کا گمان هوسکے ' تو اوس گروہ کو ''خُماندان '' کہتے هون -ھر خاندان کے پودے صرف اُن خاصیتوں میں مشابہ ہوتے ھیں جو نسلاً بعد نسلاً اولاد میں منتقل ہوتی رھی ھیں اور اس طرح متر کے کل پودے ایک خاندان میں شمار کئے جایں گے لیکن پودوں کی اولاد میں همیشة کچهه نه کچهه ذاتی فرق هوتا هے - اگر جانبی کرنے پریه معلوم هو که یه ذاتي فرق کچهه پودوں میں ایسا مستقل هے که اس کی وجه سے ایک خاندان دو حصول پر تقسیم هو جاتا هے - تو هر تکوے کو " قسم" کہتے هیں مثلًا مثر کا پھول سفید اور سرنے دونوں طرح کا ھوتا ھے ' اور دونوں میں یہ ذاتی خاصیت مستقل ہوتی ہے ۔ اس طرح متر کے خاندان کے دو حصے هوجًاتے هیں - ان میں سے هر حصے کو ایک " قسم " یعنی مالر کی سفید پهول والى قسم اور سرح پهول والى قسم ، يا سرح متر و سفيد متر كهين كه - دونوں قسموں میں ذرا ذرا سا فرق هوتا هے ' جو زیادہ تر پتیوں اور اسی قسم کی چیزوں تک محدود رهتا هے - البتہ دو خاندانوں کے پھولوں اور اُن کی خاصیتوں میں زیادہ اهم اور مستقل فرق هوتا هے - جو خاندان ایک دوسرے سے کم و بیھی مشابہ هونے کے سانیہ هی ایسی مستقل خاصیتیں بھی رکھتے هوں ' جون کی مدد سے اُن میں امتیاز کیا جا سکے ' تو ایسے تمام خاندانوں کے گروہ کو '' ذات'' کہتے هیں - جیسے ' پیپل اور برگد ایسے خامدان هیں جو ایک دوسرے سے مشابہ هونے کے ساتھ هی وہ مستقل خاصیتیں بھی رکھتے هیں ' جن کی مدد سے اُن میں فرق کیا جاسکے ان خاصیتیں بھی رکھتے هیں ' جن کی مدد سے اُن میں فرق کیا جاسکے ان جونوں گروهوں کو ایک '' ذات'' میں شمار کیا جائے گا ۔

پودوں اور درختوں کا قام علم نباتات میں اُن کے ذات اور خاندان کے نام پر رکھا جاتا ہے - دو ذاتوں میں جُو فرق ہوتے ہیں وہ دو خاندانوں کے فرق سے زیادہ واضع ' مستقل اور اہم ہوتے ہیں - اسی طرح اور زیادہ عام فرق کے لحاظ سے دو یا زیادہ ذاتوں کے گروہ کو '' نسل ' یا قدرتي نسل کہتے ہیں - اسی طرح برہتے برہتے اُن کا سلسله دنیائے نبانات تک پہونچ جاتا ہے جو آئے دئے ہوئے نقشہ میں دکھایا گیا ہے -



اس تقسیم کے حصوں کے نام مسلم نہیں میں باہم اکثر ذات و خاندان کے لفظ اس طرح استعمال کئے جاتے ھیں کہ اُن کا یہ مقررہ فرق قایم نہیں رہ جانا - آئندہ سلسلۂ بیان میں یہ الفاظ اکثر استعمال ھوے ھیں - ان کی علمی حیثیت قائم رکھنے کے لئے اُن کے اصطلاحی معنی بیان کردئے گئے ھیں - آسانی کے خیال سے پھولوں کے نام اور ان کی تشریح کو حررف تہجی کی ترتیب سے بیان کیا گیا ھے اُن ناظرین کے لئے جو محض علمی حیثیت سے پھولوں کا مطالعہ کرنا چاہتے ھیں ضمیمہ نمبر ا میں پھولوں کی خاندانی اور نسلی ترتیب معہ ان کے انگریزی لاطینی اور هندوستانی پھولوں کے بیان کی گئی ھے - بہت سے پھول ایسے ھیں جن کے هندوستانی نام می قائم رکھے ھیں ، حالانکہ مشہور پھولوں کے انگریزی نام ھی قائم رکھے ھیں ، حالانکہ مشہور پھولوں کے

علاوہ هم نے صرف وہ آسان نام لئے هیں جو اردو میں کھپ جائیں اور اُسانی سے زبان زد هوسکیں • جہاں • مکن هو سکا هے هندوستانی نام دئے گئے هیں - دئے گئے هیں ؛ اور بعض جگه آسان نام خود: بھی تجویز کئے هیں -

یهاں پہنچ کر علم نباتات کے لئے مستند هندوستانی نام تجویز کرنے کا سوال پیدا هو جاتا هے ' جو بطور خود ایک ادم سوال هے - لهمی هم سردست اس بحث سے درر راہ کر اپنا سلسلم بیان قائم رکھنا چاهتے هیں -

پهولوں کا بیان

(1) اجرے تم—ایک بہت خوبصورت چھوتا اور کھنا پودا ہے جو باغ کے حاشیوں پر لگانے کے لئے اچھا ھوتا ہے۔ اس کا پودا تین انچے سے لے کر کم و بیش اتھارہ انچ نک اونچا ھوتا ہے۔ اور جاڑے کے زمانے میں پھول دیتا ہے۔ اگر بیج پکنے سے پہلے شاخیں قلم کردی جایا کریں' تو ایک مرتبہ سے زیادہ پھول دیتا ہے۔ اگست سے اکتوبر تک اس کی بوائی ھوتی ہے' اور پہاڑی علاقوں میں شروع مارچ سے وسط اپریل تک بویا جاسکتا ہے۔ اس کا پودا نازک ھوتا ہے اور پودہ لگائی جاتی ہے۔ بیج پہلے کسی چہوتے برتن یا کھلے صندرق میں کھاد ملی ھوئی متی اور بالو میں بونا چاھئے۔ جب تین چار پتیاں نکل آئیں تو پودوں کو اکتوبر میں کم و بیش دس دس انچ کے فاصلے پر لگانا چاھئے۔ اور جب تک پودے لگانے کے قابل نہ ھو جائیں انہیں سائے میں رکھنا چاھئے۔

(۲) آرکڈ۔۔یہ پھولوں کی ایک ایسی قسم ہے ' جس کی نسل میں سیکڑوں خاندان ھیں ' اور ھر خاندان کی کئی قسین ھیں - اس کی ھر قسم کے کاشت کا طریقہ بھی یکساں نہیں ہے - اس لئے آرکڈ کے مفصل

1

بیان کے واسطے ایک پوری کتاب چاہئے - لیکن اس پہول کو بالکل نظر انداز بھی نہیں کیا جاسکتا ' کیونکہ یہ اپنی خرشندائی اور خوشبو کی وجہ سے روز بروز زیادہ ہردلعزیز ہونا جارہا ہے - اس نسل کے پودے مختلف عادت ' بناوت اور رنگ کے ہوتے ہیں ' اور منطقہ حارہ میں خود رو پائے جاتے ہیں - عام طور سے ان کی دو قسمیں ہوتی ہیں · بری آرکڈ اور ہوائی آرکڈ - ان کی پہچان حسب ذیل ہے :—

هوائی آرکڌ
(۱) درختوں کي شاخوں پر
هوتے هيں ' ارر جرّيں هوا حيں
الٽکي رهتی هيں ' جس سے وا
اپنی غذا حاصل کرتے هيں (۱) جر لمبی ' موتّي ' اور

بری آرکڈ (۱) زمین پر اُرکٹے اور اُسي سے اپنی غذا حاصل کرتے ھیں -

(۲) جو جهکوا اور شاخ دار
 هوتی هے -

بعض وقت ان دونوں قسدوں میں فرق کرنا مشکل ہو جاتا ہے ؛

تاہم مذکورہ بالا اوور سے ان میں تمیز کی جا سکتی ہے ۔ ان کی کاشت

کے لئے نه صرف سایه دار جگهه ' نمی اور گرمی کی ضرورت ہوتی ہے '

بلکه نکاس اور صفائی بھی لازمی ہے ۔ جہاں تک ممکن ہو ان کے لگانے کے

لئے وہ تمام قدرتی کینیہیں پیدا کو دینی چاہئیں ' جن میں آرکہ

واقعی طور پر ترقی کو سکتے ہیں ۔ چونکہ ہوائی آرکہ کو ہمیشہ لکتی پر

لگانا چاہئے ' اور بری کو زمین پر اس لئے لگانے سے پہلے ان کو صحیح مے

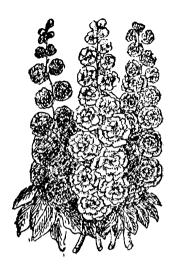
طور پر پہچان لینا ضروری ہے ۔ بری آرکہ کی متی میں پتی کی کھان '

کوئلے کے تی ہے ' کنکریت اور عدارت کا پورانا چونا اس طرح ملانا چاہئے

بلاوت میں هوتا هے - هوائی آرکڈ کو لکڑی پر لکا کر تارسے مضبوط باندہ کو هوا میں لٹکانا اور جورں کو لکوی پر اس طرح بھیلانا چاھئے که اُنھیں کسے طرح صدمة نه پهونچے - اگر آرکڈ کی جویں کمزور اور پاتلی هوں تو کائی ' رکھ^ی کر ،کسی ریشہ دار چیز سے لپیتنا چاھئے ' اور اُس کو نم رکھنے كا انتظام بهي كرنا چاهئے - لپيتنے كے لئے ناريل كا ريشة اچها هوتا هے ؛ مگر سنی کے ریشے سے بھی کام لیا جا سکتا ہے۔ اس قسم کے آرکد لٹانے کے لئے مختلف طریقے اختیار کئے جاتے ھیں اور طرح طرح کی چیزیں استعمال هوتی هیں ' جو باغبان کے مذاق اور پسند پر منحصر هیں - لیکن اُن کی بناوت کا اصول یہی هوتا هے - آرکڈ کو خاص قسم کے مکانات اور شیشے کے گھروی میں رکھذا زیادہ مناسب هے ؛ کیونکہ ایسے مکانوں میں آرکہ کی خاص طور پر نگرانی کی جا سکتی ہے - ان کی جزیں اور گتهیاں لگائی جانی هیں - جیسا که پہلے بیان کیا جا چکا ہے هر قسم کے آرکڈ لٹانے کے الگ الگ طریقے هیں - هر قسم کا علحدہ علحدہ بیان متصال ھے ۔ اس کی قسموں اور کاشت کے طریقے یا تو اُن کارخانوں سے معلوم کئے جا سکتے ھیں جہاں سے آرکڈ حاصل کئے جائیں ' یا بڑی اور مفصل کتابوں سے اس کا علم حاصل کیا جا سکتا ہے -

(۳) استناک اس پودے کی بہت سی قسمیں ھیں ' جن میں اکہرے اور دوھرے دونوں طرح کے پھول ھوتے ھیں ۔ [دیکھوﷺ شکل نمبر ۵۳] ۔

استاک کا پھول ' نیلا ' سرنے ' سنید ' گلابی اور زرد وغیرہ ہوتا ہے ۔ کناروں پر اور چھوتی کیاریوں میں اس کے جھند کے جھند بہت بھلے معلوم ہوتے ہیں ۔ استاک کا بینے اس صوبے ﴿ کے میدانی ﴿ علاقے میں اکتوبر میں اور پہاروں پر مارچ میں بویا جاتا ہے ۔ اس کے لئے کہاد اور طاقترر زمین ضروری ہے ۔



استًاک کا ایک قسم کا پھول شکل نمبر ۵۳

(۳) اشوک-یه جغوبی هندوستان کا ایک بوا سدا بهار درخت هے جو فروری اور مارچ میں پھولتا هے - پھولوں کا رنگ سرخ هوتا هے - جن میں هلکی هلکی خوشبو هوتی هے - اس کی کاشت بینج سے هوتی هے -

(٥) آکزیلس—اس پودے کے پھول جاڑے کے زمانے میں پھولتے اور بہت خوشنما ھوتے ھیں ۔ آرایش کے لئے کہلے برامدوں میں رکہنے کی خاص چیز ھے ۔ مئی میں پودے اپنی عمر کو پہنچ کر خشک ھونے لگتے ھیں ۔ اُس وقت اسے پانی دینا بند کرکے جورں کی گانآہوں کو نکال کر بالو میں حفاظت سے کسی خشک جگه پر رکھه دینا چاھئے ۔ برسات بھر والا اسی طرح رکھی رھیں گی ۔ اکتوبر میں اُن میں کا پھوتنا شروع ھو گا۔ اُس وقت اُن کو مناسب جگه پر یا گملوں میں لگادینا چاھئے ورنه کا اُس وقت اُن کو مناسب جگه پر یا گملوں میں لگادینا چاھئے ورنه کا

(۱) اکیشیا ۔ یہ ایک خوبصورت جہازی ہے ' اور آرایش کے لئے لگائی ُجاتی ہے 'اس کی پتیاں اور پہلائی ُجاتی ہے 'اس کی پتیاں اور پہلول دونو خوشنما موتے ہیں پہول کا رنگ زیادہ تر زرد ہوتا ہے بیج برسات میں بویا جاتا ہے ۔ پہولوں کا ایک خاندان اسی پودے کے نام سے موسوم ہے اس کی کئی قسمیں ہیں ' اور سب غیر ملکی ہیں ۔ فرمنگر کا بیان ہے کہ اس خاندان کے ہندوستانی پودے باغوں کے قابل نہیں ہوتے ۔

• (٧) السى--اس كى ايك قسم كى كاشت تيل نكالنے كى غرض سے هوتى هے - دوسري قسم سے هوتى هے - ليكن پهول اللہ كا بهى خوبصورت هوتا هے - دوسري قسم محتض پهولوں كے لئے بوئى جاتى هے - اللہ كا دنگ سريح هوتا هے ، اور بهت بهلا معلوم هوتا هے - [ديكهو شكل نمبر ٥٥] -

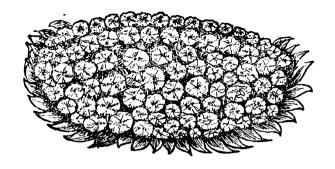


السی کا پھول شکل ٹیپر ۵۵

اس کا بیم اکتوبر میں بویا جاتا ہے۔ پودہ بہی لگائی جاتی ہے:
لیکن پودہ لگانا لازمی نہیں ہے۔ کیاریوں میں اور کناروں پر لگانے کے لئے
بہت موزوں ہے۔ اسے گملوں میں بھی لگایا جانا ہے ' مگر اس سے اس میں
خوشنمائی نہیں پیدا ہوتی ۔

(۱) الوکیشیا—اس ذات کے پودے اپنی پتیوں کی خوبصورتی کی وجہ سے بہت پسلد کئے جاتے ھیں۔ اس کے لئے پتی کی کہاد بہت مفید ثابت ھوئی ھے۔ ھلکی زمین میں بہت ترقی کرتا ھے۔ اس کے لئے پانی کا نکاس بہت اچھا ھونا چاھئے۔ اگر اس فرض سے زمین میں بالو اور کفکریت ملا لیا جائے تو مفید ھوتا ھے۔ اس کی جووں میں گرھیں ھوتی ھیں جو افزائش نسل کے کام آتی ھیں۔ نومبر کے زمانے میں سینچائی روک کر اُنھیں پکنے اور مضبوط ھونے کا موقع دینا چاھئے۔ اگر وہ اچھی طرح مضبوط نہ ھوں گی تو اچھی نہ چلیں گی ۔ الوکیشیا کی بہت سی قسمیں پائی جانی ھیں ۔ ایک قسم کا نام '' تہییٹیانہ'' ھے جو بہت مشہور ھے۔ اس کی پتیاں سبز ھوتی ھیں ' اور ان میں گلابی رنگ کی رائیں جھلکتی رھتی ھیں۔

(9) الائسم — یہ پہول بڑے حاشیوں کے کناروں پر لگانے کے لئے نہایت موزوں ھے - اس کا رنگ زرد اور سفید ' اور اس کا پودا بمشکل ایک فیت اونچا ہوتا ھے - پہول سے شہد کی سی ہلکی ہلکی خوشبو آتی ھے - اس کی ایک اور قسم بھی ھے ' جس میں خوشبو نہیں ہوتی اور اس کے پہول کا رنگ زیادہ تر زرد ہوتا ھے - [دیکھو شکل نمبر ۵۹] -



الائسم شکال نمیر ۵۲

اس کا بینج اکتوبر میرم بویا جاتا هے ' اور پھول دستجر میں آتا هے ۔

(۱+) انار - دو اصل یه ایک پهل کا درخت هے ایکی بعض اوک اسے اس کے پهولوں کی خوشنمائی کی وجه سے باغوں میں اکاتے هیں - غالباً یہی سبب هے که اس کی ایک قسم هی ایسی تیار هو کئی هے اس کی پودا بمشکل چند فت سے زیادہ اونچا دوتا هے اور اکثر گملوں میں بهی لکایا جاتا هے ۔ اس میں پهول آنے کے بعد پتای پتلی شاخوں کا تراشنا ضروری هے - عموماً اس کی کاشت بیمج کے ذریعے کی جاتی هے ۔

ارر دھاری دار ھوتی ھیں - دھاریوں کا رنگ سرخ یا گلابی ھوتا ھے - کملے اور دھاری دار ھوتی ھیں - دھاریوں کا رنگ سرخ یا گلابی ھوتا ھے - کملے میں لگانے کی چیز ھے - اس کا پودا لگانے سے پہلے گملے میں ھلکی اور بھر بھری متی خوب کھاد ملا کر بھر دینا چاھئے - افزائش نسل برسات میں جویں لگاکر کی جانی ھے -

اولیا اولیا ایک چینی پودا هے - قد میں تین یا چار فت اونتچا اور جهاز دار هوتا هے - پتیاں بیضری اور نوک دار هوتی هیں - یه فروری مارچ میں پهولتا هے - اس کا پهول سفید اور خرشبو دار هوتا هے - اهل چین اس کے پهول کو خرشبو کے لئے چائے میں دالتے هیں - افسوس یہ هے که هندوستان کی آب و هوا اس کو بہت کم موافق آتی هے -

(۱۳) آئی پومیا ۔ یہ ایک مشہور بیل ہے ' جو دیواروں ' تعیوں اور تاروں وغیرہ پر چڑھانے کے لئے بہت اچھی ہوتی ہے ۔ پودرں کے ایک خاندان کا نام آئی پومیا کے نام سے موسوم ہے ۔ اس میں کئی قسیس ہیں ' اور ہر قسم کے پھولوں میں فرق ہے ۔ [دیکھو شکل نمبر ۵۷] ۔



آئی آپومیا شکال نمبر ۵۷

زیاده تر قسمیں جاڑے میں بوئی جاتی هیں ' اور بیل چڑھائی جاتی هے ۔ آئی پومیا میں خاص بات یہ هے که وہ جلد برهائی هے اور اس کی پُنداں اچھی هوتی هیں ۔

(۱۳) اسپرے گس۔ یہ ایک چھوٹا سا کانٹے دار اور سدا بہار بہار ہوتے ہیں اور جازے پول بہت خوشیودار ہوتے میں اور جازے

میں پھولتے ھیں - اسی پودے کے نام پر پودرں کے ایک خاندان کا نام بھی ھے ' جس میں کئی قسمیں ھوتی ھیں - ایک قسم ایسی ھے جو صرف اپنی خوبصورت پتیوں کے لئے گملوں میں رکھی جاتی ھے ۔ یہ بھی دو طُرح کی ھوتی ھے ' اور دونوں کی پتیاں ایک دوسرے سے مختلف ھوتی ھیں

کاشت کے لئے اس کا بیم بریا جاتا ہے ' اور اس کا پودا کملے میں لگانے اور لقائے کے قابل ہوتا ہے ۔

(۱۵) آیستر ایک چهوتا سا پودا هے جس پر مئی کے مہینے میں چهوتے دیزی کی طرح پهول کهلتے هیں ۔ [دیکھو شکل نمبر ۵۸]



آیستر شکل نمبر ۵۸

اس کے پھول مختلف رنگوں کے ھوتے ھیں - بیبے ستمبر اور اکتوبر میں بھی ہوتے میں بویا جاتا ھے - پہاڑوں پر مارچ ' اپریل اور اکتوبر میں بھی ہوتے

هیس - بیج گدارس یا بکسرس میس بوکر سائے میس رکھنا اور پاتی دینا چاهئے - لیکس جمنے کے بعد پودرس کو کافی دهرپ اور هوا ملنی چاهئے - جب پودا بڑا هو جاتا هے ' تو بیڑ لگائی جاتی هے - اگر بیڑ کو کیاریوس میس لگائے سے پہلے ایک مرتبہ کچھہ دنرس بڑے گسنوں میس لگا رکھیس ' تو بہت منید هوتا هے - یہ کھلی هوئی، جگھه اور طاقتور زمین میس اچھا هوتا هے - لگانے سے پہلے زمین کو گہرا گوڑنا اور بھر بھرا کر لینا چاهئے - اس کو پانی کی بہت ضرورت هوتی ہے ' اور تر مقام پر خوب چلنا هے -

(۱۱) ایکیمیلزدیه ایک خوبصورت پهول هے جو برسات میں خوب پهولتا هے اور گملوں میں لگانے اور لٹکانے کے لئے بہت موزوں هے -دو فت زمین میں خوب کهاد اور الله ملاکر آسانی سے بویا جا سکتا ھے ۔ بیم کے علاوہ اس کی گتہیاں بھی لٹائی جاتی ھیں ۔ طریقہ یہ ھے کہ بوی بوی گئمیاں چھانت کر ایک ایک انہے کے فاصلے پر لگا کر تہوڑی سی متی سے تھک دیں - جب پردے تین انچ اونچے ھو جائیں ' تو گملوں میں لگانے کے قابل ہوں گے ۔ اس کی جویں زیادہ گہری نہیں جاتیں - اس لئے اسے زیادہ گہرے گملوں کی ضرورت نہیں ہوتی - اگر ایک گالے میں کئی پودے لگانا منظرر هو ' تو هر پردے میں کم و بیس تین انیم کا فاصله رکهیں اور کهلی هوئی جگهه میں رکهه کو خوب پانی دیں - یہ پودا مرطوب آب و هوا میں بہت بوها هے ـ نالیوں کے قریب یا باغ کے حاشیوں پر 'جہاں نمی ہو' لکایا جا سکتا ہے ۔ گرم خشک موسم میں اس کی بہت نگہداشت کرنا اور خوب پانی دینا چُاهیئے - جب پهول آنا ختم هو جائے 'تو پانی روک دیدا چاهیئے ، اور جب تنا سوکھہ جائے تو اُس کو کات کر پھینک دینا اور گٹھیوں کو

نکال کر متی میں جمع رکھنا چاھئے۔ یہ پھول برسات کے زمانے میں کھلی کیاریوں میں لگایا جا سکتا ھے۔ باغ کی آراستگی کے لئے اسے کملوں میں طرح طرح سے لگا کر لٹخاتے ھیں ۔ اس کا پھول کئی رنگ کا ارر خرشنْما ھوتا ھے۔

(۱۷) ایوننگ پرم روز ــ اس کو هندوستانی میں شام بہار کہہ سکتے هیں - یہ ایک بہت خوبصورت پھول ہے، اور باغوں کی آرایش کے لئے ایک ضروری چیز ہے نام سے معلوم ہوتا ہے کہ پھول صرف شام کو پھولتے ہوں گے، لیکن در اصل وہ دن قربنے سے کچہہ پہلے ہی کھل جاتے ہیں اس میں گرمی اور برسات پر پھول آتے ہیں لیکن پودا زیادہ عرصے تک زندہ نہیں رہتا - اس لئے ہر فصل میں اس کے نئے پودے لاانا اچھا ہوتا ہے - بیج اکتوبر میں بویا جاتا ہے -

(۱۸) الاینچی می یہ پودا زیادہ تر اس لئے لکایا جاتا ہے کہ اس کی پتیاں سر سبز اور شاداب ہوتی ہیں - پتیوں کو ملکر سونکھئے سے الاینچی کی سی خوشبو آتی ہے - سایہ دار اور مرطوب جگہہ میں اچہا ہونا ہے اسے پانی کی بہت ضرورت ہوتی ہے چنانچہ ہم نے اسے ایک باغ میں کنوئیں کے اُس حوض کے کنارے بھی لگا ہوا دیکھا ہے جس میں سینچائی کے لئے چرس سے پانی بھرا جاتا ہے - حوض کے چاروں طرف کافی نمی تھی اور یہ وہاں بہت شاداب اور بھلا معلوم ہوتا تھا -

الا سے یہ ایک چھوٹا سا جھاڑی دار پودا ہے' جسکا پھول کل عجائب کی طرح رنگ بداتا ہے اس کا رنگ کھلئے پر شام بھار کے پھول کی طرح کا ھوتا ہے' اور اس کے بیچے میں ایک خوشرنگ حلقہ ھوتا ہے۔ کہلئے کے کچھہ عرصہ بعد پھول بالکل سرخ ھوجاتا ہے۔ اکثرایک ھی درخت پر اتنہ

مختلف رنگ کے دو پھوئ پائے جاتے ھیں که دیکھنے والا شبه میں پوجاتا ہے که یه ایک ھی درخت کے پھول ھیں - پھول کھلنے پر بہت خوبصورت معلوم ھوتے ھیں - اکتوبر میں بیم لگاکر اُس کی کاشت کی جاسکتی ہے -

(+1) بانس — اس خاندان کے درخت کئی قسم کے ہوتے ہیں' اور عام طور پر بتی اور چھوتی قسموں میں تقسیم کئے جاسکتے ہیں اسکی بتی قسم کو باغ کے کنارے لٹاکر حد بندی کا کام لیتے ہیں - چھوتی ذات کا بانس بھی' جو '' نا نا بانس '' کہلانا ہے حد بندی کا خوب کام دیتا ہے - بعض بانس دھاری دار اور سنہرے ہوتے ہیں ' اور بعض کی پتیاں دھاری دار ہوتی ہیں ' اور بعض قسموں کی شاخیں بھی لکاتے ہیں ۔

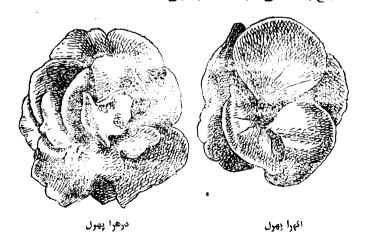
دیسی بجول کی طرح جلیبیوں کی شکل کی چکردار پہلیاں لگتی هیں' جو دیسی بجول کی طرح جلیبیوں کی شکل کی چکردار پہلیاں لگتی هیں' جو ایسی حیاتهی هوتی هیں که بعض لوگ انہیں کہاتے بھی هیں - مگریه اس قابل نہیں هے که اسے کہانے کے ابل پہل سمجھا جائے - چھوتے پودے اگر اچھی طرح چھانتے اور تراشے جائیں' تو سالها سال باغ کی حدیندی کے لئے بہت اچھی نتی کا کام دینے هیں' اور اس کام کے لئے وہ هرجگه لکائے جاسکتے هیں۔ اچھی برسات میں اس کے بیج بوکر اس کی قتی تیار کی جاسکتی هیں۔

(۱۲) بگنونیا۔بگنونیا کو پودا نہیں بلکہ چھوٹا درخت کہنا چاھئے۔
اسکا پھول عموماً سرخ یا زرد رنگ کا ھوتا ھے ۔ گو اس پھول کی خوشبو اچھی
نہیں ھوتی' لیکن اس میں شک نہیں کہ بڑے بہار کی چیزنے ۔ اسکی کم
وبیش پندوہ قسمیں ھیں ۔ کچہ قسمیں ایسی ھیں جن کی بیل پھیلتی ھے'
ارد باغوں کے لئے اکثریہی قسم پسنٹ کی جاتی ھے ۔ اس کی بیل اینت کی
دیوار پر چڑھانے کے لئے بہت موزوں ھوتی ھے ۔ اس میں ایک طرح کا

پاہجے نما حصہ ہرتا ہے جس کی مدد سے رہ خوب چومتی ہے - اس کے قلم بہت آسانی سے لگ جاتے میں - بھول بننے کئی طرح کے ہوتے ہیں - اس میں پھول بہت کثرت سے لگنتے ہیں - پھولنے کے بعد شاخوں کا تراشنا مفید بہوا ہے - ا

اسے کان کہتے ھیں۔ پھولوں کا ایک خاندان بھی بگونیا کے نام سے موسوم ھے۔ مالی کان کہتے ھیں۔ پھولوں کا ایک خاندان بھی بگونیا کے نام سے موسوم ھے۔ اس خاندان کے پودرں کی بہت سی قسمیں ھیں جی میں مختلف رنگ کے اکہرے اور درھرے پھول آتے ھیں۔ ھندوستان کے پہاڑی حصوں میں اس کی بعض اچھی قسمیں پائی گئی ھیں اور کچہ دوسرے ماکرں (خاص کر امریکہ) سے آئی ھیں : اس کی تین بڑی قسمیں یہ ھیں۔ (خاص کر امریکہ) سے آئی ھیں : اس کی تین بڑی قسمیں یہ ھیں۔ (ا) پھول معمولی ھوتے ھیں۔ مگر چونکہ پتیاں بہت خوبصورت ھرتی ھیں، اس لئے مقبول سے ۔

(ب) اس کی جوری جهکوا هوتی هیں ' اور پهول خوشنا هوتا هے - (ب) اس کی جو گانگها دار هوتی هے -



شکل نبیر ۹ ه

ان سب میں سے صرف پہلی قسم میدانی علاقے میں کامیاب ہوتی ہے ؛ لیکن پہاڑوں پر سب قسمیں اچھی چلتی ہیں - اس پھول کے لئے ملائم زمین اور سایہ دار جگہ بہت ضروری ہے - بہت زیادہ پانی دینے سے اس کے پردے خراب ہوجاتے ہیں - چونکہ اس کی جویں زیادہ گہرائی 'تک نہیں جانیں ' اس لئے اس کے گملے بھرنے کا اچھا طریقہ یہ ہے کہ پہلے نہیں جانیں جن سے زمین ملائم اور ہوا دار رہے گی اور ضرورت سے زیادہ پانی بھی جمع نہ ہوگا - تہیکروں کے اربر بالو اور پتیوں کی سوی ہوئی کھاد ملا کر گملہ بھر دینا چاھئے -

یہ پہول مصنوعی پہاڑیوں پر لکانے کے لگے بہت اچہی چیز ہے۔
گملوں میں بھی لڈی یا جا سکتا ہے۔ اس کی کئی سو قسمیں ھیں ' جن
میں سے مناسب انتخاب اپ اپ اپ مناق پر منتحصر ہے۔ عام طور پر اس
کے بیج بوے جاتے ھیں۔ لیکن گانٹھہ دار قسم کی گاشت کے لئے زیاد،
مناسب ہے کہ اس کی گانٹھہ ھی لگائی جائے۔ اس کی گانٹھیں ستمبر کے مہیئے
میں لگائی جاتی ھیں۔ اس کا بیج بہت چھوٹا ھوتا ہے اس لئے زمین
نیار کرتے وقت بونے سے پہلے اسے اس طرح پائی دینا چاھئے کہ بونے کے وقت
زمین کی سطع تک کافی نمی رہے۔ بیج کو پہلے گملے میں بو کر شیشے
سے دھک کر سائے میں رکہہ دینا چاھئے۔ اگر بگونیا کے پودے کو کھلی
جگہ نہیں ملتی تو اُس کے پنے خراب ھونے لگنے ھیں ' اور اسے ایک
بیماری لگ جاتی ہے جسے مل ڈیو کہنے ھیں۔ علج کے لئے گندھک پیس

اور خوشبودار هوتا هے - همالیة کی پهاریوں میں اس کا پودا خودرو اور

کم وبیعی چه انبی اونجا هوتا هے - پهول کا رنگ بهت خوبصورت اور اصل میں اودا یا سفید هوتا هے - اس کی کاشت نے بہت ترقی کی هے ، اور اب اس کے معمولی رنگ کے علاوہ گلابی ، زرد ، سرخ اور بعض دوسرے رنگ بهی پائے جاتے کھیں ۔ [دیکھو شکل نمبر ۲۰۰۰] ۔



بنفشه (وایلت) شکل نمبر ۲۰

کیاریوں میں اور کناروں پر لگانے کے لئے موزوں چیز ہے۔ بوے درختوں کے نیعچے اور نقلی پہاڑیوں پر بھی لگا سکتے ھیں۔ کاشت ھر زمین پر اچھی طرح کی جا سکتی ہے ' مگر دومت اور ھلکی متنیار زمین میں خوب ترقی کرتا ہے اگر متیاری زمین میں بویا جائے تو بالو اور پتی کی کھاد خوب ملانا چاھئے۔ کمزور زمین میں اچھا نہیں ھوتا۔ بیج ان اضائے میں ستمبر اکتربر میں بویا جاتا ہے' اور باقی کاشت پینزی کی طرح ھوتی ہے ' جو اسی نسل کا ایک پھول ہے۔ بنفشہ کا بیج بہت دیر میں جمتا ہے۔ اس خمروری احتیاط لازمی ہے۔ .

ایکن ویلیا ۔ یہ اصل میں امریکہ کی ایک کانٹے دار بیل هے ایکن اور (۲۵) بوگن ویلیا ۔ یہ اصل میں امریکہ کی تین قسمیں بہت عام هیں اور

باغوں میں اکثر پائی جاتی ہیں۔عرصے نک سر سبز رہتی ہے اور مضبوط تتیوں پر چڑھائی جانی ہے - پھول کے کنارے کی پتیوں کا رنگ پیلا' سرخ یا ہلکا اودا ہوتا ہے - اصل پھول بہت چھوٹا ہوتا ہے - اس کی کاشت کے لئے قلم اور بیج دونوں لگائے جاتے ہیں - اس کام کے لئے فروری اور مارچ کا زمانہ اچھا ہوتا ہے - اگر قرار واقعی طور پر اس کی نگہداشت کی جائے تو باغوں کے کنارے کنارے صد بندی کی تتی بنانے کے لئے لگائی جاسکتی ہے گرمی کے موسم میں اس کے لئے پانی بہت درکار ہوتا ہے ' لیکن جاڑے میں سینچائی کی ضرورت نہیں ہوتی -

(۲۹) بید، یا بیت بید اکثر باغوں میں خوشنمائی کے لئے لگایا جاتا ہے اس کی کئی قسمیں ہوتی ہیں - بعض قسمیں شروع شروع میں تو بہت اچھی معاوم ہوتی ہیں ' خگر اُن کی خوشنمائی برّے ہونے پر جاتی رہتی ہے - اس کی ایک قسم ایسی بھی ہے جو چھوتی اور خوبصورت ہونے کی وجہ سے گملوں میں بھی لگانے کے قابل ہوتی ہے اس قسم کا الطیلی نام کیلے نس کولیارس (Calanus Culiaris) ہے ۔

اونچا هوتا هے - اس کی شاخوں کا رنگ سبزی مائل بهورا هوتا هے اور دو تین قت اور پتیاں بچی اور گہرے سبز رنگ کی هوتی هیں - پهول سفید اور خوشبودار هوتے هیں ' اور گرمیوں میں پهولتے هیں - پانی برس جانے پر ان کی خوشبو هاکمی هوجاتی هے - اس کے قلم برسات میں لکائے جاتے هیں - بیلے کے پهولوں کا تیل بهی به کثرت استعمال هوتا هے - اسی قسم کا ایک اور پودا بهی هوتا هے ' جو بیلے سے ملتا هے ' مگر به نسبت بیلے کے اُس کے پتے اور پهول دونوں چهوئے هوتے هیں یه وهی چیز هے جسے عام طور پر '' موتیا'' کہتے دونوں چهوئے هوتے هیں یه وهی چیز هے جسے عام طور پر '' موتیا'' کہتے هیں - غالباً اس کی وجه تسمیه یه هے که اُس کے پهول موتی کی طرح چمک دار

اور چھوٹے چھوٹے ہوتے ہیں مگر حقیقت میں علم نباتات کے لتحاظ سے موتیا کوئی الگ چیز نہیں ہے بلکہ بیلے ہی کی ایک قسم ہے -

(۲۸) دام۔ آب کل شاید هی کوئی ایسا باغ ملے گا جس میں اس سدا به ار خالدان کی کوئی قسم موجود نه هو اکیونکه پام نه صرف آرایش کا ایک ضروری جزو و هوگئیے هیں ؛ بلکہ اُن کا شوق روز بروز ترقی کر رہا ہے ۔ ان کی بدوات روشوں اور سرکوں کا حسن دو بالا هوجاتا هے - یه گرم ملکوں كا پودا هے - اس كى بهت سى قسميں خالص هندوستاني هيں ـ مثلًا ذلى یا سپاری بھی ایک بہت خوبصورت پام ہے جس کی پتیاں پنکھے نما نہیں ھوتیں اور پودا چھوتا ھونے کی وجہ سے معمولی باغوں کے لئے بہت موزوں هوتا هے - پام گملوں میں جھی نگائے جاتے هیں ' اور زمین پر بھی - گملوں میں زیادہ تر چھوٹے اور زمین پیر برے قسم کے پام المائے جاتے ہیں اور حالانکہ یہ ایک محدود مدت تک آرایش کا کام دیتے هیں لیکن باغبان كى المحنت اللي الم وصول هرجاني هـ - كيونكه ان كي داشت الي كي كچه بهت زحمت نهیں درتی - تملے دیں معمولی متی ' قوبر اور پتی کی کھاد دینا چاهئے - یہی کهاد زمین میں بھی دی جاتی ہے - جن قسموں میں پہل ہوتے ہیں اُن کا بیج عموماً برسات میں بویا جاتا ہے ' لیکن سال کے دوسرے موسموں سوں بھی بویا جاسکتا ھے - بیس سخت ہوتا ھے ' اور اکثر بہت دنوں میں جمتا ہے - اس لئے اُس کو گمان میں ہوکر عرصے تک نگاه رکهنا اور نکاس بهت اچها رکهنا چاهئے - بعض لوگوں کا خیال هے که بیم جمنے میں اکثر ایک سال سے زاید مدت اگ جاتی ہے اور اس لئے بونے سے پہلے اگر بیسج کو کچھے دیر گرم پانی میں بھیو دیا جائے تو اچھا ھے -ایسا کرنے سے کلا جلد نکلتا ہے ، اس کی پتیاں زیادہ تر دو قسم کی ہوتی میں ۔ یا تو وہ پنکھے کی شکل کی ہوتی ہیں ' یا پنجے کے شکل کی ؛ جن

میں پر کی طرح رکیں ہوتی ہیں۔ اگر پام کے گدلے کمروں یا برآمدوں میں آرایش کے لئے رکھے جائیں تو کبھی کبھی ان کو نکال کر دھوپ میں رکھنا ضروری ہے گو بعض قسمیں ایسی ہیں جو سایندار جگہ پسند کرتی ہیں ' پھر بھی ان کے لئے کافی اور کھلی ہوا ضروری ہوتی ہے۔ بعض لوگوں کا خیال ہے کہ پام کے گملے کی متی کو کچھہ خشک رکھنا اچھا ہے لیکن جب ایک مرتبہ پودا لگ جاتا ہے ' تو وہ کافی نمی برداشت کو سکتا ہے۔ اس نسل کے پردوں کے بہت سے خاندان ہیں ' اور ہر خاندان کی متعدد قسمیں ہیں۔ پام کی سپاری کے عالمہ ماریشیانا ایک اور مشہور قسم ہے ' جو بڑے گملوں یا ناندوں میں لگانے والے پام کی اور مشہور قسم ہے ' جو بڑے گملوں یا ناندوں میں لگانے والے پام کی طرح ہوتا ہے ' اور ہو ہوتا کی طرح ہوتا ہے ' اور اس کی پتیاں پنکھے کئی شکل کی ہوتی ہیں۔

(۲۹) پائری تھرم یہ پھول کیاریوں کو خوبصورت بنانے کے لئے بہت کار آمد هوتا هے ارز برسات شروع هرنے پر اس کا بھیج بڑیا جاتا هے -

(۳۰) پتونیا – یه خوشبو دار پهولوں کا ایک پودا هے ' جس کی اب بہت سی قسبیں هوگئی هیں - شام کو سررج ذریتے کے بعد اس کی خوشبو سارے باغ کو مہکا دیتی هے - اس کے پهول کے کنارے کتاؤ دار هوتے هیں ۔ ان کا رنگ گلابی ' سرخ ' کشمشی هوتا هے - پهول اکہرا اور دوهرا دونرں قسم کا هوتا هے - دو رنگ کے پهول زیادہ عام هیں - سفید اور سرخ - اس کا بینج رسط اکتوبر سے وسط نومبر تک گملوں میں بریا جاتا هے - جب پردے تین انچ اونچے هو جاتے هیں تو بیؤ لکائی جاتی هے ' جس سے مارچ میں پهول آتا هے - اسے بہت زیادہ پانی دینا ' پانی دیتے وقت اس کی پتیوں پڑ بہت زیادہ پانی ڈالنا اچها نہیں هوتا - طاقتور بهربهری زمین اس کے لئے اچهی هوتی هے - بعض نهیں هوتا حافقور بهربهری زمین اس کے لئے اچهی هوتی هے - بعض



پٿرنيا شک*ل ڏ*رڊر ۲۱

قسموں کے قام بھی لگائے جاتے ھیں ۔ گملوں میں لگانے اور لقکانے یا کیاریوں میں بونے کے لئے بھی موزوں ھوتا ھے -

(۳۱) پرم روز یه ایک مشهور خاندان کا پهرل هے جو پری مولا کے نام سے مشهور هے - پهرل بهت پسند کیا جانا هے لیکن میدانی علاقوں میں بہت کم کامیاب هوتا هے - اگرچه انگریزی پرم روز اس صوبے میں هر جگهه هو سکتا هے - [دیکھو شکل نمبر ۲۲] -



پرم ررز شکل نمبر ۲۲

لیکن بهاتی مقامات پر اس کی کاشت میں بہت کامیابی هوتی هے - اس کی کئی قسمیں هیں 'جن میں سے بعض میدانی علقے میں اچهی هوتی هیں -

(۳۲) پوتو کارپس_یه ایک خوبصورت سدا بہار سرو کی قسم کا چھوتا درخت هے ' جو سبزہ زاروں میں بہت بہلا معلوم هوتا هے اور اپنی پتیرں کے لئے مشہور هے - برسات میں اس کا قام لگایا جاتا ہے -

(۳۳) پور تولیکا یہ پھول کیاریوں میں نہایت خوبصورت معلوم ھوتا ھے لیکن یہ خوبصورتی تھوڑی دیر کے لئے ھوتی ھے ' کیونکہ پھول سورج نکلنے کے بعد پھولتا اور ساپہر کو بند ھو جاتا ھے - اس کا بیج اکتوبر میں بویا جاتا ھے ـ اس کی پودہ نہیں لگتی - بونے کا اچھا طریقہ



پررٿرليکا

شکل نوبر ۳۳

یہ ہے کہ کہلی ہوئی جگہوں میں گول کیاریاں بنائیں اور کہاد قال کر پانی دے دیں - بینے اس کے بعد بویا جانا ہے - بونے کے لئے بینے کو متی میں ملا لینہ اچھا ہوتا ہے - بینے بکھیر کر کہاد کی ایک هلکی تھ دے کر گھاس پہوس سے ڈھک دینا چاھئے - اس کے پھول مختلف رنگ کے اور اکہرے و دوھرے دونوں طرح کے ہوتے ہیں -

(۳۲) پہول مقر (سویت پی) مقر کی ایک قسم معض اپنے خوشبودار اور خوبصورت پھولوں کے لئے بوئی جاتی ہے پودا بالکل دیسی مقر کی شکل کا ہوتا ہے - صرف اتفا فرق ہوتا ہے کہ اس کی پھلی اور تنے پر کسی قدر باریک بھورا رواں ہوتا ہے - اس کے پھول نہایت خوشنما اور کئی رنگ کے ہوتے ہیں - پھول بہت کثرت سے ہوتا ہے اور اس کی خوشبو نہایت پسندیدہ ہوتی ہے - باغوں میں ان کے لکانے کا ایک عمدہ طریقہ یہ ہے کا مختلف رنگ کے پھولوں کی قسمیں چھانت لی جائیں ' پھر رنگ کی مناسبت سے ترتیب دے کو اُن کی

بازه کنارر پر لگائی جائے - چونکه اس کا پودا بہت پهیلتا هے ' اس لئے اسے ایسے ایسی تقی پر چوهانا چاهئے جو آس کی سبزی میں دهک جائے - رنگ کی مناسبت سے نیلی ارر گلابی یا سرخ ' سفید ارر نیلی یا سند ' یعلی و ارغوانی مقر کی ترتیب رکھی جاسکتی هے -



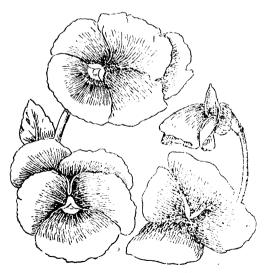
پھرل مٽر شکل ٽمبر ۲۳

ایسا کرنے سے مختلف رنگرں کے بیجوں کے الگ الگ جمع کرنے میں بھی آسانی ہوتی ہے ، اور ان کا بے ترتیب میل بھی نہیں ہونے پاتا ، بلکہ جب جس طرح چاہیں ملا سکتے ہیں - مثر ہر قسم کی زمین پر بوئی جاسکتی ہے - زمین کو باریک گور کر گوبریا پتی کی ستی ہوئی کھاد دینا چاہئے - کھاد دینے سے پودے پر جو سبزی اور تازگی آجائی ہے ، اس سے پھول اور زیادہ اچھا معلوم ہوتا ہے - ولایتی بیجوں کو اکتوبر میں بونا کھامئے - لیکن اگر دو تین برس تک مسلسل طور پر اس کی کاشت ہو چکی ہو، تو اُس کے بیجے کو آخر ستمبر میں بونا اچھا ہوگا -

بیسم بونے کے وقت زمین میں کافی نمی ہونی چاہئے۔ اگر بونے سے ایک رات پہلے بیم کو پانی میں بھگو دیا جائے اور دوسوے دن بویا جائے تو جاد اور اچھا جمتا ہے - اس کی کیاریوں کو گھاس سے صاف رکھنا اور پانی دیتے رهذا ضوری هے - ایک بیم کا درسرے بیم سے چهم انبی اور ایک قطار کا درسری قطار سے ایک فت فاصله هونا چاهیئے - بیم کو کهرپیوں سے بونا اچها هوتا هے ' ليكن أنهيں تين انهے سے زيادة گهرا نه كازنا چاهئے۔ مختلف رنگ کے پھولوں کے بیب الگ الگ پیکت میں اور صرف اچھی طرح یکی ہوڈی پہلیوں کے تندرست بیم جمع کرنے چاہئیں - جہاں تک مسكن هو پهلي يا پهول كو هانه، سے جهتك كر نه توزنا چاهئم ، بلكه هانهه کے بجائے قیلچی سے کاٹنا چاہئے - جہاتک کر توڑنے سے وہ نازک نائے جوں کو " نار " کہتے میں " اور جن کی مدد سے پودا نتیوں کو پکڑے رہتا ہے " توت جاتے هیں تو پودا گر جانا ہے - متر کی ایک اور قسم بھی ہے جس کے پھول میں خوشبو نہیں ہوتی اور ایک فصلی ہونے کے بجائے عرصے تک قائم رہتی ہے ۔ اس کے پہول گلدستوں میں بہت کام آتے ہیں - لیکن اس کی کاشت میں ہمشکل کامیابی ہوتی ہے - خوشبودار پھول متر اور اس متر میں فرق کرنے کے لئے اس قسم کو سدا بہار متر کہتے ہیں -

(٣٥) پینزی ایک فصلی پودا هے ' جو کم و بیش چپه انبی اونجا هوتا هے - اس کے پهرلوں میں خوشبو نہیں هوتی ' لیکن بنفشه کی طرح کناروں پر اور کیاریوں میں لگانے کی خاص چیز هے - کسی قدر سایه دار اور نماناک جگه میں اچها هوتا هے - طاقترر اور بهر بهری زمین میں خوب بوهتا هے - گهری گرزائی کرنا اور خوب کهاد دینا اس کے لئے بہت مفید هے - گوبر اور پتین کی ستی هوئی کهاد اچهی هوتی هے - گملوں میں لگانے کے لئے دوست زمین کی متی میں گوبر اور پتی کی ستی هوئی

کھاد ہراہر براہر ملا کر تھوڑا سا بالو بھی ڈالنا چاھئے تاکہ متی خوب بہربہری رھے ۔ اس کا بھیج ستمبر اور اکتوبر میں بویا جاتا ھے ۔ پھاڑی علاقوں میں مارچ اور اپریل میں بھی بوتے ھیں ۔ بینج کو پہلے خوب بنی ھوئی متی گملوں یا صندوقوں میں بھر کر بونا اور اوپر سے بالرھی متی سے ڈھک دینا ممکن ھے کہ بینج وقت خیال رھےکہ بینج پر متی زیادہ نہ ھرجائے ' ورنہ بہت ممکن ھے کہ بینج نہ جم سکے ۔ گملے یا صندوق میں بونے کے بعد اسے کسی تھنڈی اور سایہ دار جگہ میں رکھہ دینا چاھئے ۔ ان گملوں کو کبھی کبھی دوسرے گملوں سے ڈھک دیتے ھیں ۔ جب پودے کچھہ بڑے ھوجائیں تو ان کو دوسرے گملوں میں بدل دینا چاھئے ؛ یہاں تک کہ وہ اپنی مناسب جگہ پر لگانے کو قابل ھوجائیں دو پودرں کے درمیان میں کم ازکم نو انچ کا فاصلہ رہنا چاھئے ۔ اس کے پھول کی دو خاص قسمیں ھوتی ھیں ۔ ایک قسم میں چھوٹی سی آنکہ کے چاروں طرف خوشرنگ حاشیہ ھوتا ھے ۔ دوسری قسم



پینزی شکل لدبر ۲۵

میں آنکہ کافی ہوی ہوتی ہے - زیدائش کے لئے اس کے بہت سے قلم لگائے چاہئیں گئے - چاہئیں گئے -

ورس المثر بتیاں اور دنتھل دونوں سیاھی مائل سرخ ھوتے ھیں - پودا معمولی ھیں اکثر بتیاں اور دنتھل دونوں سیاھی مائل سرخ ھوتے ھیں - پودا معمولی کھاسوں کی طرح ھوتا ھے ، اور خوشنمائی کے لحاظ سے اس میں کوئی خاص کیند ت نہیں ھرتی ۔ بنوں میں ایک قسم کی خوشبو البتہ ھوتی ہے جسے اکثر لوگ پسند کرتے ھیں - اس کی ایک اور قسم ھے ، جسے '' دونا '' کہرت کہتے ھیں - ان دونوں کا بیج برسات شروع ھونے پر بویا جاتا ھے ، اور کثرت شے نہلتا ھے ۔ یہ پودے اکثر خودرو بھی ھوتے ھیں -

(۳۷) تھالی پات ۔یہ ایک، درخت ہے ' جس کے پتے ہوے پنکا نما ھوتے ھیں اور آرایس کے لئے لئائے جائے ھیں ۔ اس کے خاندان کے دوسرے پودے شروع عدر میں بہت خوبصورت معلوم ھوتے ھیں اس کی ایک قسم کا درخت ۱۵۰ فیت اونچا ھوتا ہے ' اور اس لحاظ سے ھر باغ کے کام کی چھز نہیں ہے ۔

(۳۸) تھی ہر جیا۔۔یہ ایک نازک بیل ہے ' جس کی پتیاں بیضوی اور پھول سفید ھوتے ھیں ۔ کھلی ھوئی چگہوں پر لٹکانے کے لئے اچھی ھوئی ہے ۔ اس کا بیج اکتوبر میں بویا جاتا ہے ' اور پودہ بھی لگائی جاتی ہے ۔ اس کی اور بھی قسمیں عیں ' جن کی پتھوں اور بھول میں کچھ کچھ کی فرق ھوتا ہے ۔

(۳۹) تهوعو یه ایک قسم کا موقا اور رس دار پودا هے ، جو امریکه سے بہت عرصه هوا جب هندوسهدان آیا تها - اس کے پودے خشک مقامات مهی کثرت سے هوتے ههی اور ایسے هی موسم میں پهولتے هیں - اکثر باغوں



تهره^تر شکل نی_{ز ۲}۲

کے کناروں پر حد بندی کے لئے لٹایا جاتا ہے۔ چونکہ اس میں کثرت سے کانٹے ہوتے میں اس لئے اس کے پودے حفاظت کے لئے بالکل دیوار کا کام دینے میں ۔ ان کی شکلیں عجیب عجیب ہوتی میں اور اس خیال سے گہاری میں بهی رکہہ سکتے میں اور کبهی کبهی باغ کی مصلوعی پہازیوں پر بھی لگاتے میں ۔

(۴+) تسکرنیاسیه ایک طرح کی بیل هے ' جس کے نام سے پردرس کا ایک خاندان موسوم هے - اس خاندان کے پیرل جذبه سے بهت کچهه مشابه هوتے هیں ' لیکن اتنے خوبصورت نہیں هوتے اور نه مهدانی عاقوں میں اچھے هوتے هیں - اس کی صرف ایک قسم یہاں اچھی هوتی هے ' اور آسکرنیا هی کہتے هیں -

(۱۱) جذبه—ایک خوشنیا پهول هے ' جس کے پودے میں پهیلئے کے لئے متر کی طرح نار هوتا هے - لیکن اس کے بونے سے زمین جلد کمزور هوجاتی هے - اس قسم کے بہت سے پودے پائے جاتے هیں ' اور سب جذبه نام 'کے ایک خاندان میں شمار کئے جاتے هیں - سر جیمس پیکستن کا خیال هے که اس کے پودیں کو انگرر کی بیل کی طرح کاتنا چاهئے - جذبے کی پتیرں میں گہرے کتاؤ هوتے هیں - اس کی بیل بہت جلد بتهتی هے اور عموماً تندرست رهتی هے - دیوار اور تتی پر چڑھانے کے لئے بہت اچھی چیز عموماً تندرست رهتی هے - دیوار اور تتی پر چڑیا بہت پھیلتی هیں ' اور وهی اور عربانی جانی هیں - پهول بتا اور خوشرنگ هوتا هے - [دیکھو شکل ندیر ۱۷] -



جدبة شكل ۲۷

(۲۲) جریئیم اس کی پتیاں بیضری اور پئول خوبصورت هوتے هیں۔ اور روز بروز اس کی نئی نئی قسمیں پیدا هوتی جارهی هیں ' لیکن میدانی علاقوں میں گرمی میں اچها نہیں هوتا ' اس لئے بہتر طریقہ یہ ہے کہ هر سال پہاڑی علاقوں سے منکاکر لگایا جائے۔ اس کے قلم بھی لگائے جاتے هیں۔ نرکھب یہ ہے که وسط اکتوبر میں کسی پتی کے نیچے تئے کو کات دیں اور

بهربهري نوم متى كملے يا صندوق ميں بهر كر قلم لكائيں أور سائے ميں ركھيں - متي ميں كافى ندي رهنا ضروري هے - پهول آنے كے وقت كهاد دينے سے بہت فائدہ هوتا هے - اس كا بينج اكتوبر ميں بويا جاتا هے - اسكا يہ بينے كتوبر ميں بويا جاتا هے -



جُرینیم شکا*ے* **نبی**ر ۱۸

(۳۳ جودی سیه ایک چهوقا سا پودا هے جس کی پتیاں چهوقی اور بیضری هوتی هیں - پتین کے ذنتهل پر دونوں طرف ایک بهت چهوقی پتی سی اور لگی هوتی هے' جسے پتی کا '' پر '' کہتے هیں - پهول اپریل ارر مئی میں آتے هیں' اور برسات تک رهتے هیں - اس کی خرشبو نهایت پسندیده هوتی هے' لیکن بارش شروع هو جانے پر کم هو جاتی هے - پهول سفید عوتے هیں -

(۳۳) جبومکا ایک هندوستانی زیور هے' جو کانوں میں پہنا جاتا هے - چونکه یه پهول شکل میں جهومکے کی طرح هوتا هے' اس الحے اس کو بهی اسی نام سے پکارتے هیں - پهول کهلئے پر بہت بہلا معلوم هوتا هے - پنکهویاں زردی مائل سرخ رنگ کی هوتی هیں' جن میں هلکی کتہلی دهاری هوتی هے اور قلم بهی اکایا جاتا هے - بیج بو کر پوده بتہائی جاتی هے اور قلم بهی اکایا چاتا هے - پرده نازک هونے کی وجه سے' سخت گرمی یا زیادہ بارش نہیں

برداشت كرسكتا اس لبُه ان موسمون مين أس كي حفاظت كي زياده ضررت هوتي هـ -

ر (٣٥), چمپا—یه ایک مشهور بهول هے اور کلی طرح کا هوتا هے۔
ان میں سے بهومی چمپا' - پیلا چمپا' - هرا چمپا اور سلطانه جمپا بهت
مشهور هیں - عام طور سے چمپا جس پهول کو کہتے هیں ' وہ پیلا چمپا اور
هرا چمپا هیں ' ورنه اگر چمپا کے کل محجموعے کو غور سے دیکھا جائے تو
اُس میں مختلف نسل اور خاندانوں کے فرد ملینگے - یه امر ' که کس
چمپا کا کوں سے خاندان سے تعلق هے ' ضمیمه میں واضح کردیا گیا هے ۔
یہاں اس جماعت کا مختصر حال بیان کیا چاتا هے ۔

(ا) بھومی چمپا اس پودے کی پتیاں بیضوی ہوتی ہیں ' جو پھول آنے کے وقت (یعنی نومبر کے قریب) گر جانی ہیں ' اور پھولنا ختم ہونے کے بعد (یعنی اپریل کے قریب) پھر نکلتی ہیں۔ پھول بلکل زمین کے قریب صبح کو نکلتا ہے اور شام تک مرجھا جاتا ہے ۔ پھول نھایت خوشبودار ہوتا ہے ۔ بھومی چمپا کو بڑے گملوں میں بھی لگایا جاسکتا ہے اور زمین پر بھی ۔ لیکن گملوں میں اچھا رہتا ہے ۔ جروں میں گرہ ہوتی ہے ' جو جروں میں گرہ ہوتی ہے ' جو جروں میں گرہ ہوتی ہے ' جو جروں میں گرہ ہوتی ہے ۔

(ب) پیلا چمپا۔ ایک چھوتا سا جھاڑ دار درخت ہے ' جو گرمیوں کے شروع میں پھولتا ہے ۔ اس کے پھول کا رنگ ھلکا زردی مائل اور پنکھویاں دبیز ہوتی ھیں ۔ پھول کی میٹھی میٹھی خوشبو بہت دور تک پہیلتی اور بہت پسند کی جانی ہے ۔ پھول آنے کے بعد شاخوں کو تراش دینا اور جو پھل نکلیں اُن کو توڑ دینا ضروری ہے ' ورنۂ بعض پھل دار درختوں کی طرح ایک سال پھلنے کے بعد دوسرے سال پھول بھی نہیں درختوں کی طرح ایک سال پھلنے کے بعد دوسرے سال پھول بھی نہیں

(ج) سلطانه چمپا۔۔یه ایک قدرے ہوا درخت هے جس کی پتیاں ہوی ' سبز اور چمکدار ہوتی میں ۔ پہول سفید اور نہایت خوشبودار ہوتا ہے ' اور جون میں پہولتا ہے ۔ اس کا بیج بویا جاتا ہے ۔

(د) ہرا چمپا۔۔یہ ایک چھوتا سا سر سبز پودا ہے۔ اس کی پتیاں بڑی بڑی ہوتی ہیں۔ گرمی اور برسات میں پتی ہی کے رنگ کے چھوتے چھوتے چھوٹے پھول آتے ہیں - پھول کی خوشبو انداس کی خوشبو سے بہت مشابہ ہوتی ہے اور دور تک پہیلتی ہے - چونکہ پتی اور پھول ہم رنگ ہوتے ہیں ' اس لئے پودے پر پھول کا تلاش کرنا مشکل ہوتا ہے - اس بھیج برسات میں بویا جاتا ہے ' اور قلم بھی لگایا جاتا ہے ۔

ر ۲۲) چنبیلی ۔۔ یہ ایک، مشہور پھول ہے جو نہ صرف اپنی تفیس خوشبو کے لئے بہت پسند کیا جاتا ہے ' بلکہ گرمی کی شام کو اس کا سفید رنگ بھی نگاہ کو بہت بہلا معلوم ہوتا ہے ۔ پردا عموماً گھذا اور تین چار فت اونچا ہوتا ہے ۔ اس کی پتیاں خوبصورت ہوتی ہیں ۔ گرمی اور برسات میں پھول آتے ہیں ۔ قام برسات میں لگایا جاتا ہے ۔ اگر اسی زمانے میں دایا لگایا جائے تو کامیابی ہوتی ہے ۔ اس کی جز دار شاخ بھی لگ جاتی ہے ۔ برسات میں جہاں شاخ متی سے چھو جاتی ہے ' جز نکل آتی ہے اور رہ لگائی جاسکتی ہے ۔ اس کی ایک قسم ایسی ہے کہ اس کی بیل بھی پہیلتی ہے ۔ معمولی درخت کو چھانت کر گلدستے کی شکل بنا دیتے ہیں ' تو بہت خوبصورت معلوم ہوتا ہے ۔ تیل کو خرشبودار بنانے ' کے لئے چنبیلی کا پھول بہت استعمال ہوتا ہے ۔ اس کی ضویے کے بعض اضلاع جیسے جونپرر ۔ غازی پور وغیرہ چنبیلی کے تیل کے خواص شہرت رکھتے ہیں ۔

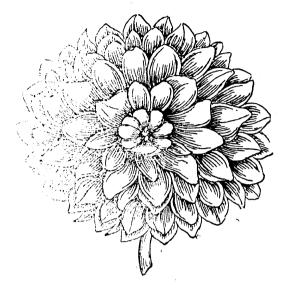
(۲۷) چھوئی موئی۔ یہ ایک چھوٹا سا لکوی دار پردا ہے ' جو زمین سے بہت اونچا نہیں ھوٹا ' بلکہ اُس کی شاخیں کسی قدر پہیلی ھوئی ھوتی ھیں ۔ اس کا ایک دوسرا نام الجونتی بھی ہے ' کیونکہ اس میں خاص صفت یہ ہے کہ اگر اس کی پتیوں کو ھاتھہ سے چھو دیا جائے تو فوراً سبت جاتی ھیں اور پھر کچھہ دیر بعد آھستہ آھستہ کبل جاتی ھیں ۔ غالباً اس کیفیت کو شرم و حیا سے تشبیہ دے کر اس پودے کا یہ نام تجویز کیا گیا ھوگا ۔ اس میں پھول بھی آتے ھیں ' لیکن وہ کوئی اھیہت نہیں رکھتے ۔ اس کا بیج بویا جاتا ہے اور برسات میں قام بھی لگتا ہے ۔

(۲۸) درب-گهاسوں کے خاندان کی ایک بہت معمولی چیزھے یہ بہت جلد پہیلتی ھے ' اور سبز اور مالائم ہونے کی وجہ سے سبزہ زار
بنانے کے لئے اپنی قسم کی صرف ایک چیز ھے - سبوہ لٹانے کا طریقہ سبزہ زار
کے سلسلے میں تفصیل سے بیان کیا گیا ھے - گهاسوں میں خس اور اگیا گهاس
بھی مشہور ھیں ۔ چونکہ خس خوشبو دار ہوتی ھے اور اس سے تھندک
پہنچتی ھے اس لئے گرمی کے موسم میں اس کی تتیاں بنائی جاتی ھیں
اگیا کی پتی میں بھی ایک طرح کی خوشبو ہوتی ھے - چنانچہ اسی
وجہ سے بعض لوگ اسے باغ میں لٹاتے ھیں -

(۲۹) دھلیا۔۔پھولوں کے ایک مشہور پودے کا نام ہے ' جس سے اسی نام کا ایک خاندان موسوم ہے۔ اس خاندان میں تین خاص قسیں ھیں ' جن سے مختلف رنگ کے پھول پیدا کئے گئے ھیں۔ اس کا بیج میدانی علاقے میں ستمبر میں بویا جاتا ہے۔ جذوری میں پھولتا ہے۔ اس کی عمدہ قسموں کی جویں لکائی جاتی ھیں۔ اس کی گئہیوں کو بالو میں حفاظت سے رکھنا چاھئے۔۔لیکن ھیں۔ اس کی گئہیوں کو بالو میں حفاظت سے رکھنا چاھئے۔۔لیکن

اپسے مقامات پر ' جہاں گرم مہولیوں میں گرمی و نسی زیادہ رہتی ہے' گتہیاں کتورر ہوجاتی ھیں ۔ وہاں بیہے ھی ہونا اچہا ہوتا ہے ۔ گتہیاں لگانے کے متعلق فرملگر کے خیال میں ملدرجہ ذیل طریقہ اچہا ہے :

فرمدگر نے لکھا ہے کہ " جوالئی میں دُمَّہیں سے کلے نکلنا شروع ھِوتے ھیں ۔ اس وقت اُنہیں ھلکی اور بہربہری مقی سے قعک کر پانی دینا چاھئے - جب کلے دو تیں انبی برے ہو جائیں ' تو ان کو چاتو سے اس طرح نکال لینا چاهئے که گتم پیوں کا کھی حصه اُن کے نیجے لکا رھے۔ ان کلوں کو گملے میں بالو بہر کر لگا دینا اور پانی دینا چاھئے۔ جب وه لك جائين' تو كملون مين يا زمين پر جهان ركهنا هو لكا دينا جاهد - ا نومبر دسمبر میں پہول آنے لگے گا۔ جہاں تک مسکن ھو اُنہیں دسمبر موس بہول آنے سے روکنا چاھئے کیونکہ جب زیادہ عمر کے پوٹے میں پہول آنا ہے تو دوهرا هوتا هے ' - وارة نے گھہداں لگانے کے طریقے کو زیادہ تنصیل سے بیان کیا ہے - وہ لکہتے هیں که "میدانی علاقے میں گانگہوں سے جون کے آخر یا جولائی کے شروع میں کلے تکلفے لگتے هیں ۔ اسی وقت ان کے لگانے کی تیاری کونا چاھئے ۔ اس کا طریقہ یہ ھے که دو فت قطر کا ایک فت گهرا روها کهود کر آتهه نو انهی تک المائی هودی متی بهر دو -پہر اتھارہ ایم تک خوب گور دو - اس کے بعد گانہی کو اس طرح گو ھے میں لگاؤ کہ کلا ملتی سے کچہ اوپر نکالا رہے - گاناتہ بتھا کر اچہی طرح پانی دے دو - اور جب پودا ہو، رہا ہو، تو رقیق کہاد سے سینچائی کرو لیکن یہ خیال رہے کہ پودے کی بارہ اتنی زیادہ نہ ہو جائے کہ پہرل چہوتا پو جائے " - [دیکھو شکل نیمر 19] -



دهلیا کا ایک پہرل شک*ل ث*ہبر ۹۹

اچہی کانتہیں حاصل کرنے کے لئے فروری سے پانی دینا ہند کر دینا چاھئے۔ اور جب پودا مرجها جائے تو اُس کو زمیں کے قریب سے کانت کر گانتہیں نکال لینا چاھئے تاکہ اُس کا ارپری حصہ جس میں آنکہہ ہوتی ہے ' خراب نہ ہونے پائے ۔ پہر فوراً کسی برتی میں خشک بالو بھر کر اُنھیں اس میں گاز دینا اور کسی متحفوظ مقام پر رکھہ دینا چاہئے ۔ پہاری مقامات پر بیع مارچ اپریل میں بویا جانا ہے ' اور گانتھہ متی میں لکائی جاتی ہے ۔ وہاں یہ پھرل میدانی علاقوں سے اچھا ہونا ہے ۔ دھلیا کے قلم بھی آسانی سے لکائے جا سکتے ھیں اور اگر شاخوں کو کانت کر گملے میں لگا کے شیشے سے تھک دیں ' تو رہ بہت آسانی سے لگ جانی ھیں ۔

(+6) آداین تھی۔۔اس پھول کی کئی قسمیں ھوتی ھیں ' اور پھول اکہرے و دوھرے دونوں طرح کے ھوتے ھیں ۔ اسکی قسمیں الگ الگ الگ نام سے مشہور ھیں ' جن میں سے چند کا مختصر حال یہاں بھان کیا جانا ھے:۔۔

(۱) چنینسس - یه جازے کے موسم میں هوتا هے اور نهایت خوشنما پهولوں میں هوں هے - اس کا بیج اکتوبر میں بویا جاتا هے - ایک مرتبه پهول نکل کر مرجهانے کے بعد اگر ان کو کات دیا جائے ' نو از سر نو تازه پهول نکل کر مرجهانے کے بعد اگر ان کو کات دیا جائے ' نو از سر نو تازه پهول نکلتے هیں اور سرخ ' گلابی ' سفید وغیرہ کئی رنگ کے هوتے هیں -

(ب) هذی وجی۔۔اس خوبصورت پهول کی تبورے عرصه سے کاشت اهونے لگی هے - کاشت کا طریقه قسم اول کی طرح بھے -



هتنی وجی شک*ل* **نب**ېر ۷۰

اس کے پھول مختلف رنگ کے اکھرے اور دوھرے ھوتے ھیں -[دیکھو شکل نمور ۷+] -

ر ج) سویت ولیم گماری میں لگانے کے لئے بہت اچھا ہوتا ہے۔ پھول بڑے ' خوشرنگ ' اور اکہرے اور دوھُرے دونوں قسم کے ہوتے ہیں۔ { دیکھو شکل نمبر ۷۱] ۔



سویت ولیم شکل **نب**یر ۷۱

اس کا بھج اکٹوبر میں بویا جاتا ھے۔

داین تهس کناروں پر اور کیاریوں میں لٹانے کی خاص چیز ھے ۔ اور اگر متر کی طرح رنگ کے حساب سے ترتیب دئے جائیں تو خاص کیفیت پیدا کرتے ہیں ۔ میزرں کی آرایھی کی فرض سے گلدستے بنانے کے لئے بہت موزوں ہوتے ہیں ۔

(01) تیزی —یه خوبصورت پهولوں کا ایک پودا هے اجس کا بیمج اکتوبر میں بونا چاهئے - پهول اُسی جاڑے کے موسم میں آنے لگتا هے - جن پودیوں میں دوهرے پهول آئیں اُن کو چهانت کر رکھا لینا اور اکہرے پهول والے پودوں کو نکال دینا چاهئے - چهانتے هوئے پودوں کو

بوے گماوں میں لگا کر دوسرے سال اکتوبر تک یعلی ایک سال رکھنا چاھئے - اکتوبر میں گملے اُلت کر ھر پودا الگ الگ کرکے تارہ گملوں میں یا کھاریوں میں لگا دینا چاھئے - زمین میں کھاد دینا اور گملے کی متی کو خوب صاف کرکے تیار کرنا بہت ضروري هے - کلمی بار جگهت بدلئے سے اس کا پہول اچھا رہتا ہے ؛ ررنہ خراب ھوجانا ہے - [دیکھو شکل نمبر ۲۷] -



قىۋى ش*ىك* قىپر ۷۲

تیزی کے نام سے دو اور پھولوں کی کاشت ھوتی ھے' ایک کو آسٹریلین ڈیزی اور دوسرے کو دریائی ڈیزی کہتے ھیں - آسٹریلین ڈیزی ایک خوبصورت پیدلنے والا نصلی پودا ھے' جس میں به کثرت اکبرے پھول آتے ھیں - دُکھن میں خاص طور سے اچھا ھوتا ھے - نقلی چھاڑؤں پر چُوھانے' گسارں میں لٹکانے اور بوے درُخٹرں کے نیچے ناندوں میں رکھنے کے لئے بہت اچھا ھوتا ھے - پھول زردی مائل گلابی اور خاشجہ دار

هوتا هے ' اور قریب قریب سال بھر پھولتنا رهتا هے - اس کی جویں لکائی جانی هیں - اسے هر سال نئی جگھه لکانا چاهئے - دریائی دیوی کناروں پر اور کیاریوں میں لکانے کے لئے اچھی هوتی هے - اس کے نازک پھول * چھوٹے شنرےریا کی طرح کے هوتے هیں ' اور پودا تقریباً نوانیج اونچا هوتا هے اس کا بیجے اکتوبر میں بویا جاتا هے ' اور پودلا بھی لکائی جاتی هے - پھول خوشنما هوتے اور بہت پھولتے هیں _

(۱۵) دیورینڈا۔۔ایک بڑا اور کسی قدر کانٹے دار پودا ہے ' جو باغوں کے کنارے نٹی یا جھاڑی لکانے کے لئے اچھا ھوتا ہے ۔ پودا چھ سات فیمت اونچا ھوتا ہے ' اور پتیاں گہرے سبز رنگ کی ھوتی ھیں ۔ سال کے زیادہ حصے میں ھلکے نیلے، پھول آتے ھیں ' اور چھوٹے چھوٹے زرد گلابی مایل پھل نکلٹے ھیں ۔ پھول اور پھل دونوں بہت خوشنما معلوم ھوتے ھیں ۔ اس کی ایک قسم ایسی بھی ہے ' جس کا پھول سفید ھوتا ھے ۔ برسات میں اس کا قلم آسانی سے لگ جاتا ہے ' اور بینج بھی ھوتا ہے ۔ برسات میں اس کا قلم آسانی سے لگ جاتا ہے ' اور بینج بھی بھی ہوتا ہے ، اور بینج بھی

(۵۳) رام بانس—اکثر باغوں کے کنارے حد بندی اور حفاظت کی غرض سے لگایا جاتا ہے ' کیونکہ اس کی پتیاں لمبی اور سخت ہوتی ہیں ' جن کی وجہ سے اُن کے درمیان سے گذرنا محال ہوتا ہے ۔ اس میں پھول بھی آتے ہیں ' لیکن یہ پودا اس غرض سے کبھی لگایا نہیں جاتا ۔ اکثر اسی کو ہاتھی چنگھار بھی کہتے ہیں ۔ کلیاں لگا کر نیا پودا تھار کیا جا سکتا ہے ۔

هوتا هے - گماوں کے المے بہت مناسب چیز هے ' مگر بہت احتماط چاهتا

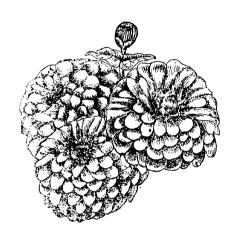
ھے - اس کے پھول کلاب کی شکل کے اور بہت دیرپا ہوتے ہیں - اس کا بینج اکتوبر میں بویا جانا ھے ' اور پود بھی لگائی جاتی ھے - کئی مرتبع جگھ بدلنا اس کے لئے اچھا ہوتا ھے - جب کئی ایک پودے ایک کملے میں لگائے جاتے ہیں ' تو زیادہ اچھا ہوتا ھے -

(٥٥) رینتی ایک چیوتا سا درخت هی جو اس صوبه میں بهکثرت پایا جاتا هے اس کے بیسج سے تیل نکالا جاتا هے جو دوائی کے طور پر بهی استعمال هوتا هے - اس کی کئی قسمیں هیں - ایک قسم جس کا درخت سب سے چهوتا اور تنے ' پتے اور دوسرے حصوں کا رنگ سرخ عوتا هے ' اکثر باغوں میں لگایا جاتا هے - باغوں کے ایسے حصے میں جہاں اور کچهه پیدا نه هو سکے ' رینتی لگاکر اس جگهه کی خوشنمالی بوهائی جاسکتی هے - ان کا شوئے سرخ رنگ دور سے اچها معلوم هوتا هے - اس کا بیمج بارش هونے پر کهرپی سے گاڑ کر کم و بیص دو دو فیت کے فاصلے پر بویا جاتا هے - اس کو ارنتی اور انتی بهی گهتے هیں

(٥٩) زعفران—کشمیر میں بہت هوتا هے اس کی بعض قسمیں ولایت سے بھی آتی هیں 'لیکن وہ زیادہ تر پہارَرں پر کامیاب هوئی هیں ' جہاں فرروی میں اس کی کُتُہماں لگئی جاتی هیں - اس کے پھول خوبصورت گہرے زرد رنگ کے اور خوشجودار هوتے هیں - یہ نه صرف رنگ اور خوشجو کے لئے استعمال هوتا هے ' باہمه دوائی کے طور پر بھی کام میں آتا هے ' اور قیمتی چھز هے - فرمنگر نے اسے کاکمتے میں بریا هے ' اور ان کو کافی کامیابی هرئی هے -

(۵۷) زینیا یه ایک خوبصورت فضلی پودا هاس کے پیول مختلف اور متعدد رنگوں کے مرتے هیں - هندوستان میں اب اس کا رواج بہت

زیادہ ہوگیا ہے - اس میں بہت عرصے تک پھول آتے رہتے ھیں ' اور اکھرے اور دوھرے ھر قسم کے ھوتے ھیں - پھول کی پنکھویاں • مختلف رضع و رنگ اور بلاوت کی ھوتی ھیں - پھول عام طور پر شروع فصل میں اچھے نہیں ھوتے - ایسے پھولوں کو کات دینا چاھئے - جس قدر پودا پرانا اور بڑا ھوتا جاتا ھے ' پھولوں کی خوشنمائی بڑھتی جاتی ھے -



زینیا شکل نبدر ۷۳

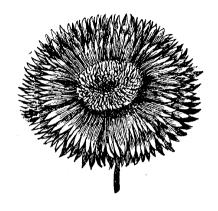
اس کا بھیج بہت گرتا ہے اور جہاں زینیا بویا جاتا ہے ' وہاں دوسرے موسم میں اس کے خود رو پودے بہت نکلتے ہیں۔ لیکن رہ رکھنے کے قابل نہیں ہوتے ۔ صرف وہی پودے کام کے ہوتے ہیں جن کے بیجوں کو حفاظت سے رکھا جائے اور با قاعدہ بویا جائے ۔ گرمی میں کیاریوں کے واسطے اچھا ہوتا ہے'' کیونکہ یہ ایسے وقت میں پھولتا ہے جب بہت کم دوسرے پھولوں کے کھلنے کا موسم ہوتا ہے۔ اس کا بھیج زیادہ تر

جون اور جوالئی میں علیصدہ برننوں میں بویا جاتا ہے - جب پودا تین چار انچ اونچا هوجاتا ہے تو اس کی بیخ لکائی جاتی ہے - کہلی هوئی جگه اور دهوپ میں اچها هوتا ہے زمین کو خوب کهاد دینا چاهئے ؛ اور اگر برسات شروع هونے سے پہلے بویا جائے ' تو بارش هونے تک خوب پانی دینا چاهئے -

(۵۸) سائکس ۔ پام کی قسم کا ایک درخت ہے ' جس کے نام سے ایک خاندان موسوم ہے ۔ بچپن میں بہت خوبصورت معلوم ہوتا ہے ۔ اس کا ننا اوپر کی طرف گار دم ہوتا ہے اور اس کے اوپر گہری کتاؤ دار پتیوں کا خوشنما چھتر ہوتا ہے ۔ اکثر باغوں میں پام کی جگت آرایش کے لئے لگایا جاتا ہے ۔

(99) سرر۔یہ ایک سدا بہار درخت هے ' اور پتدرں کی خوبصورتی کے لئے مشہور هے ۔ یہ کئی قسم کا هوتا هے ۔ اس کا بھیج جنوری فروری میں بویا جاتا هے ؛ اور تاز کی طرح بہت دیر میں جمتا هے ۔ باغرں میں بهوتانی سرو بہت عام هے ' اور آرایش کے لئے لکایا جاتا هے ۔

(۱+) سلطان — اس پهول کی دو ابتدائی قسمیں هیں 'جن میں سے ایک کا رنگ گلذار اور دوسرے کا پیلا هوتا هے - لیکن اب بہت سے رنگ کے پهول هونے لگے هیں 'جن کی شکل کسی قدر کذارے دار کهترے کتورے کی طرح هوتی هے - [دیکہو شکل نمبر ۷۳] -



سلطان شکل نهیز ۷۳

یه صرف خوشنمائی کے لئے بویا جاتا ہے - باغ کے پتلے حاشیوں اور چھوٹی کیاریوں میں لگانے کے لئے اچھا ھوتا ہے - ھر قسم کا بینج اکتوبر میں کھلی کیاریوں میں بوتے ھیں ' اور پودہ بھی لگائی جاتی ہے - پھاڑوں پر مارچ سے مئی تک بوتے ھیں - کنکریلی زمیور پر بہت اچھا ھوتا ہے ' اور بہت یانی کی ضوورت نہیں ھوتی ۔

(۱۱) سنرے ریا۔گملوں میں اور سایٹ دار درختوں کے نیچے خوبصورتی کے لئے لگاتے ھیں - اس کی کئی قسمیں ھیں ' اور ان کے رنگ کئی طرح کے ھوتے ھیں - پہاڑوں پر بہت اچھا ھوتا ھے ' جہاں مارچ میں اس کا بینچ بویا جاتا ھے ۔ تین چار پتیاں نکل آنے پر پودہ لگائی جاتی ھے ۔ برتے ھونے پر ان کو پھر گملوں میں لگا دینا چاھئے ۔ تیز دھوپ سے بچانے کے لئے سایٹ میں رکھنا اور خشک موسم میں پانی دینا ضروری ھے - میدانی علاقوں میں یہ بہت اچھا نہیں ھوتا - تاھم وہ باغ کی خوشنمائی کا بہت علاقوں میں یہ بہت اچھا نہیں ھوتا ۔ تاھم وہ باغ کی خوشنمائی کا بہت کام دیتا ھے ۔ [دیکھو شکل نمجر ۷۵] ۔



سٹرے ریا شکل ٹریزُر ۷۵

اس کے بیمج کو ستمبر میں بوکر اُسی طرح لکانا چاھئے ' جیسے اوپر بیان کیا گیا ھے - وارت نے لکھا ھے کہ اس کے بیمج کو پہلے اس طرح گمارں میں بونا چاھئے کہ گماے کی مہمی کو پہلے ہزارے سے پائی دے کر بیمج بویں اور اُسپر متی یا کھاد کی ملکی سی تہ بچھا کے کافذ سے تھک دیں پھر کافذ کے اوپر شیشے کا تکوا تھکنا اور گملے کو سایمدار جگہہ میں رکھنا چاھئے - جب پودے نکلنے لکیں تو اُنہیں کافی روشنی اور ھوا پہنچانا ضروری ھے 'لیکن تیز دھوپ میں رکھنا مناسب نہیں ھے ۔

وارت کے خیال میں بیم جمانے کا یہ طریقہ بہت مناسب ہے کہ "جب بود لگانے کے قابل ہوجائے تو کم و بیش تین انچ کے فاصلے پر دو دو بردے لگانے چاہئیں ۔ جب بودے کھی بڑے ہوجائیں اور ان کے درمیان کی جگہیں بھر جائیں تو اُنہیں پھر کسی قدر بڑے گملیں میں لگانا چاہئے 'کہونکہ اُس کی جویں زیادہ پہیلٹی ہیں '' اُس کے پودے کو

اگر هلکی رقیق کهاد دی جائے تو پهرل جلد آتا هے - سخت سردی ارد اللہ کے زمانے میں اس کے کمارں کو محابرظ رکھنا چاهئے -

(۹۲) سورج مکھی۔۔اس کی دو قسمیں بہت عام ھیں ان میں سے ایک کا پھول دوهرا اور دوسرنے کا اکہوا هوتا هے - پودا تین فت سے آٹھہ فت تک اونچا اور جنگلی کیاریوں اور کناروں پر لگانے کے لئے اچھا هوتا هے۔ کچھ دنوں سے اس کی بہت سی قسموں نے رواج پالیا ھے' جن میں بعض واقعی خربصورت هیں - همارے ملک میں اس کی کاشت صرف پہول کے لئے کی جاتی ہے - حالانکہ اس سے اور بنت سے فائدے عاصل كئے جاسكتے هيں - چنانچه جرنل [۱] آف ايلاند سائنس نے عرصة هوا اس كے بعض قسيوں كى كاشت كا مشررة دينے هونے يه بیاں کیا تھا کہ نہ صرف یہ کہ اس کے ریشے سے کام لیا جا سکا ھے ارر اس کا تیل نکالا جاسکتا ہے، بلکہ اس سے شہد کی مکھیاں پاللے میں بھی بہت مدد ملتی ہے - بعض ملکوں میں اس سے یہ سب کام لئے جاتے ھیں - ریشہ نکال ڈالنے کے بعد پودے کا بافی حصہ نیل کے ةنتهل كى طرح كهاد كے كام آسكتا هے - پهول كے لئے جوائى اور اکتوبر دونوں مہینوں میں ہویا جاتا ہے ؛ مگر پہاڑی علاقوں میں مارچ اور اپریل میں بویا جاسکتا ہے - بوے اور اچھے پھول پیدا کرنے کے لئيے زمين کو گهرا گوزنا اور خوب کهاد دينا ضروري هے -

⁻ Journal of Applied Science [1]



سور ج مکہی شک*ل* ٹی<u>ڈر</u> ۷۹

اس کا بیم کیاریوں میں بویا جاتا ہے ' اور بیر بھی لکائی جانی ہے ۔ پودوں کے درمیاں میں نو انہے سے بارہ انہے تک فاصلہ رکبنا ہاھئے ۔ جب پھول آنے کا وقت قریب ہو ' تو سہارے کے لئے پودوں کے ساتھہ ساتھہ لکڑیاں لگا دینی چاھئیں تاکہ پودے بوجھہ سے گر نہ جائیں ۔

سے بعض ایسی ھیں جن کا پودا سخت اور لکتی دار ھوتا ھے اور عرصہ تک

رها ہے اس کے بیجے اور قام دونوں لگائے جاتے ہیں - اس غرض کے لئے اکتوبر و نومبر کے مہینے مناسب ہوتے ہیں - پهولوں کا رنگ زیادہ تر سرخ یا نیا ہوتا ہے - پروے دیوہ فیت سے تین فت تک اونچے ہوتے ہیں 'لیکن 'پهول جلد مرجها جاتے ہیں اس لئے اُن کی تازگی قائم رکھنے کے لئے مرجهائے ہوے ۔ کیاریوں لئے مرجهائے ہوے ۔ کیاریوں میں لگانے کے لئے سیاویا بہت اچھی جیز ہے -

اور گره دار هوتی هیں ' اور ان میں سے بہت سی چھوتی چنوتی جویں اور گره دار هوتی هیں ' اور ان میں سے بہت سی چھوتی چنوتی جویں تکلتی هیں جن کی مدد سے وہ دیواروں یا درختوں پر پھیلتی هے - دیواروں پر چوهانے کے لئے سہارا کا افتظام اچھا هونا چاهئے - کیل لگا کر تار گنجان باندہ دینا چاهئے - مئی کے مہینے میں رات کو برے سنید تکیه نما پھرل پھولتے هیں اور صبح کو مرجها جاتے هیں - ان کی خرشبو بہت دور تک جاتی اور نہایت پسندیدہ هوتی هے - دو فت زمین میں پتی اور گوبر کی اچھی سری هوئی کهاد ملا دینا اس کی کامیابی کے لئے کافی هے - کسی خاص نگرانی کی ضرورت نہیں هوتی - اگر کھاد کے نیچے کسیقدر کنکریت بھی ملی هو تو اچھا هوتا هے قام اور دابا برسات میں لگتا هے -

(10) شکوفة ية باغوں کا بہت عام پهول هے اور جهاں بويا جاتا هے وهاں بيم گرنے کی وجة سے اکثر خودرو پايا جانا هے - پهول چهواتا اور گلفار رنگ کا هوتا هے ، اور هميشة پهولتا رهتا هے - معمولاً اکتربر ميں بويا جاتا هے ، ليکن پهاڙوں پر مارچ ميں بويا جاتا هے -

(۱۹) مندل-یه ایک هندوستانی درخت هے جو میسور اور ببیٹی کے بعض حصوں میں کثرت سے پیدا هوتا هے - صوبهجات

متحدہ میں بھی کہیں کہیں مگر بہت کم پایا جاتا ہے ۔ اس کی لکتی سے بہت تیز و عمدہ خوشبو آتی ہے ۔ بیج بوکر آسانی سے لکایا جا سکتا ہے ۔ لیکن یہ مشتبہ امر ہے کہ اس صوبے کے میدانی علاقے میں اس کے لگانے میں کامیابی ہوگی ۔ درخت میں کوئی اور خوبی نہیں ہوتی جو باغوں کے لئے بہت پسند کیا جائے ۔ لیکن ایک کمیاب چیز کی حیثیت سے قابل قدر ہے ۔ لکتی بہت کام آتی ہے ۔

(۱۷) عقیق اس مشہور پردے کے نام سے پھولوں کا ایک خاندان موسوم شے ' جس میں کئی قسمیں ھوتی ھیں ۔ اس کا بیجے بویا جاتا ہے اور جووں کی گرھیں برسات میں آسوانی سے لکتی ھیں ' بلکہ جب عقیق ایک مرتبہ ایک جگھہ آگ جاتا ہے تو اس کی جویں خود اننی پھیلتی ھیں کہ تکلیف دہ ھو جانا ہے ' اور دور کرنا مشکل ھوتا ہے لیکن پھول خوھ رنگ اور پتیاں سرسبز و بوی ھوتی ھیں اسی وجہ سے یہ اکثر پسند کیا جانا ہے اور غالباً یہی چیز اسے عام پسند بنائے ھوئے ہے ۔ نالیوں کے قریب یا پانی کی جگھہ میں خوب پھیلتا ہے ' کیونکہ ہیں خوب پھیلتا ہے ' کیونکہ ہیں خوب پھیلتا ہے ' کیونکہ ہیں نے بہت ترقی کیا ہے اور بعض جدید قسمیں خوش رنگ پھول نے بہت ترقی کیا ہے اور بعض جدید قسمیں خوش رنگ پھول نے بہت ترقی کیا ہے اور بعض جدید قسمیں خوش رنگ

(۱۸) قارگت می نات۔یہ وہ مشہور پھول ہے جس کے بدیج میں عموماً سنہری آنکھہ ھوتی ہے ' اور جو عام طور سے بہت پسند کیا جاتا ہے ۔ اگرچہ یہ بہت دنوں تک رھنے ُوالا پودا ہے ' لیکن چونکہ گرمی کے موسم میں جل جاتا ہے ' اس لئے ھر سال ہونا پوتا ہے ۔ اس کا

بهول کئی تسموں کا هوتا هے ' لیکن نیلا رنگ زیادہ عام هے - زیادہ نمی میں انچیا هوتا هے اور اس لئے جس گملے میں لگایا جائے اگر وہ زیادہ تر پانی میں رکھا رهے تو اچھا هے - پہاڑوں پر مارچ میں اور میدانوں میں اکتوبر میں بیج بویا جاتا هے اور پودہ لگائی جاتی هے - اس کا ایک هندوستانی نام '' الفت'' هے -

(١٦) فرن نيه دنيائے نباتات كى ايسى نسل كا پردا هے ، جس میں پھول نہیں آتے اور جو ابھے متعدد خاندانوں کے پودوں کی ذاتی خوبصورتی کے لئے مشہور ہے ۔ یہ پہاری علاقوں میں زیادہ تر خود رو پائے جاتے ھیں ' اور میدانی حصرں میں اگر اُن کی ضرورت کے موافق سامان جمع هو جائے تو اس کی کاشت میں بہت کامیابی هوتی هے -فرن در اصل ایسے پہاڑی ' سایہ دار اور مرطوب مقامات پر پائے جاتے هيں جهاں زمين ميں نه صرف يه كه چونا زياده هو بلكه سوى ھوئی غیر معدنی چیزیں بھی (جیسے پتداں ' کائی رغیرہ) کافی موجود هوں - اِس لئے باغ کی مصاوعی پہازیوں پر ' جہاں ترہ کافی هو ' لکائے جا سکتے ھیں خصوصاً گرین ھاؤس کے اندر جہاں نسی زیادہ اور دهوپ کم رهتی هو - مصفرعی تیکرون پر متی مین چونا اور کائی یا پتی کی کہاد دے کر بھی لگا سکتے ھیں ۔ کملوں میں لگانے کے لئے دو حصه چهرتی کنکریت ، ایک حصه پتی کی خوب ستی هوئی کهاد ، اور ایک حصة بالو ملاکر بهرنا چاهدے ؛ اور گملوں کو سایة اور توی میں ركهنا چاهئے - پالے سے فرن كو بهت جلد صدمة پهنچتا هے - جب پالے كا انديشة هو تو أن كو كسى محفوظ جگهة مين ركهنا چاهدُه - فرن لگانے کے لئے گملوں اور زمین کا نکاس بہت درست رهنا نہایت ضروری ھے۔ اگرچہ اس کو بہت تری کی ضرورت ہوتی ہے ' لیکن جورں کے پاس

پانی کا بهرا رهنا مضر هوتا هے - زمین نم رهنا چاهئے ' لیکن پانی جمع نه هونا چاهلے - گدلوں کو جو برآمدے میں رکھے هوں گرمی میں هزارے سے دونوں وقت یانے دینا چاھئے - قریب قریب ھرقسم کے فرن کی جز لگائي جا سکتی هے - اگرچه اس کي بعض قسميں بيبے يا اسپور کے فریعے جمائی جا سکتی هیں ' لیکن جورں کے فریعے کامیابی زیادہ هوتی هے - بیم کے ذریعے فرن لگانے کا ایک عام طریقه یه هے که کسی اینت پر ' جو عمارتیں میں کام آتی ہے ' ریسی ھی باریک نرم بھربھری اور نم متى بغاكر جس كا اوپر ذكركيا گيا هے، بچها دينے هيں اور اس پر بيج بوكر کاٹی کی چوتھاٹی انچ موتی تھ سے تھک کر اینت کو پانی میں اس طرح رکھ دیتے هیں که پانی ایات پر مثی کی ته تک براه راست نه پهنچے ' بلکه اینت کے مسامات سے چوہ کر نسی اوپرہ تک پہلچتی رہے - اس طریقہ میں بینے کو پانی دینے کی ضرورت نہیں رہ جاتی - جب پودے جم آتے هیں 'اور لکانے کے قابل هوجاتے هیں ' تو اُن کی بیر بتهائی جاتی هے -بیر بتھانے کا کام بہت ھوشیاری سے کونا پوتا ھے ' ورنہ پودوں کی جروں کو جو أس وقت تك نازك هوتي هيس صدمه پهچنے كا انديشه رهتا هے -

فرن کی بہت سی قسمیں ھیں ' اور چونکہ اس کی کاشت میں علمی خیال کے علاوہ شخصی شوق کی وجہ سے بھی روز بروز ترقی ھورھی ھے ' اس لئے اسکی قسمیں بھی بڑھتی جارھی ھیں ' کیونکہ اس سے دلچسپی رکھنے والے نئے نئے فرن کو خودرو حالت سے جمع کرکے برابر زیر کاشت لاتے جارھے ھیں ۔ اس وقت بھی فرن کی سیکڑوں قسمیں موجود ھیں ۔ چونکہ اُن کی تفصیل بہت طولانی ھوگی ' اس لئے ھم اِس کو اس جگہ نظر اُنداز کرتے ھیں ۔

(۷۰) فلاکس ــ یه ایک فصلی پودا هے ' جس میں خوشنما پهولوں کے گچھے پهولتے هیں - یه پهرل سفید ' سیاد ' سرح ' گلابی دهاری دار

اور آنکیه دار وغیرہ رنگوں کے هوتے هیں 'اور باغوں کی زینت کا ایک ضر ری جزو هیں - اس کا بینج اکتوبر کے مہینے میں پہلے گملوں میں بریا جاتا ہے اور جب پودے دو تیں انچ اونجے هوجاتے هیں تو کیاریوں میں لگایا جاتا ہے - پیول جلد آنے لگھا ہے 'اور ماہ مئی تک آتا رهھا ہے ۔



، ئالاكس شكل قىيىر ٧٧

فلاکس کی کاشت کے لئے زمین کو اچھی طرح کھاد دینا اور طاقتور بنانا ضروری هے - جس جگھ ایک مرتبہ فلاکس بویا جاتا هے ، رهاں بیمج گرنے کی وجہ سے درسرے مرسم میں خودرو پودے بہت نکلتے هیں - یہ پردے بطور بیخ کے لگئے جاسکتے هیں - پہاڑوں پر بیمج مارچ میں بویا جاسکتا هے - میدائے علاقے میں اگر جنوری میں بیج بوکر سائے میں رکھا جائے تو جوں جولائی میں خوب پھول آتے هیں - اس کی ایک قسم اور هوتی هے ، جس کا پودا عرصے تک زندہ رها هے ، یہ پودا پہلے پہل امریکہ سے هندوستان لایا گیا تھا - یہ قسم صرف سود مقامات پر اچھی هوتی هے ، اور اس کی کاشت کا طریقہ کل داؤدی کی طرح هوتا هے - اگر بوی کیاریوں میں کئی رنگ کے فلاکس ایک ساتھہ بوئے جائیں تو بہت بھلا معلوم هوتا هے اگر بوی

(۱۷) کارنیشن سیه نهایت مشهور پهول هے اور در اصل قاین تهس خاندان کے پهولوں کی ایک قسم هے - لیکن اس نے ایسی قبولیت حاصل کولی هے که اِسے الگ بیان کرنا ضروری معلوم هوا - اس کی خوشبو نهایت اچهی هوتی هے ' اور طرح طرح کے خوبصورت رنگ هوتے هیں - عدر کے لحاظ سے یه پودا دو طرح کا هوتا هے - اس کی ایک قسم سالانه ہوئی جاتی هے - دوسری قسم زیادہ پائدار هوتی هے - پهولوں کے رنگ - قد اور پودوں کی عدر کے لحاظ سے ان کو مختلف نام دئے گئے هیں - قد اور پودوں کی عدر کے لحاظ سے ان کو مختلف نام دئے گئے هیں - هم نے پونا کے مشهور کارخانے پوچا اینڈ سن کے تیار کئے هوئے کارنیشن دیکھے هیں ' جو همیں بہت پسند آئے - اس کی کاشت بهی قابین تهس کی طرح کی جاتی ہے -

(۷۲) کلسس ییپودا کم و بیش دو قیت اونچا هوتا هے - عام طور سے اس کی دو قسمیں پائی جاتی هیں ان میں سے ایک کا پھول خوبصورت گلابی رنگ کا ھوتا ہے اور اکتوبر میں بویا جاتا ہے - پہاڑی مقامات پر مارچ میں ہو سکتے ھیں -



شک*ل ٹی*پر ۷۸ کاسیس

دوسری قسم کی پتیاں نازک اور پتلی هوتی هیں یه تسم شروع برسات میں بوئی جاتی هے - اس میں سفید ' گلفار اور نارنجی رنگوں کے پہول آتے هیں - گملوں میں لگانے کے لئے کنچه اچها نہیں هوتا - بیم بوکو باغ کے کفاروں پر کم و بیش نو نو انبج کے فاصلے پر پرد لگانی چاهئے - خشک موسم میں پانی دینے کی ضرورت هوتی هے -

(۷۳) کامغی ۔۔ یہ ایک مشہور چھوٹا سا درخت ہے جس پر کثرت سے چھوٹے چھوٹے سفید پھول آنے ھیں ۔ پھول گو بہت خوشبودار ھوتے ھیں ' لیکن دیریا نہیں ھوتے بلکہ جلد مرجھا جاتے ھیں اس کا قام برسات میں لکایا جاتا ہے ۔ .

(۷۲) کچنار۔۔یہ ایک بوا درخت ہے جو فروری میں پھولتا ہے '
اور کثرت سے پھول آتے ھیں ۔ اس کی ایک قسم کا پھول سرخ اور ایک
کا ھلکا اودا ھوتا ہے ۔ اس میں پھلی لگتی ہے اور بیسے بریا جاتا ہے ۔
کچنار کے خاندان کے دوسرے درخت بھی بوے ھوتے ھیں ۔ ان سب
میں کچنار بھت عام ' اور باغوں میں خوشندائی کے لئے لگانے کے
ابل ہے ۔

(٧٥) کرن پھول۔۔یہ ایک معمولی پودا ہے ' جو صرف اس لئے لکایا جاسکتا ہے که پتھوں کے ملئے پر اس میں سے ایک پسندیدہ خرشمو آتی ہے ۔

کے لئے بہت لگایا جانا ہے ' اور کچھ عرصے سے اس نے بہت رواج

پالھا ہے - اصل یہ ہے کہ پتیوں کی خوبصورتی کے لحاظ سے کوئی دوسری چیز بمشکل اس کا مقابلہ کر سکتی ہے ۔ اس کی کئی سو قسیس هیں - یه آسانی سے اور قریب قریب هر قسم کی زمین میں لگ جاتے هیں ' اور سایہ دار جگهہ پر لکانے سے اچھے هوتے هیں - کروڈن گملوں میں بہت رکھ جاتے ہیں ۔ لیکن چونکہ ان میں سے بعض _کافی بوے هوتے هیں اور اُن کی جویں بہت پهیلتی هیں ' اس لائے زمون میں لگانے پر اچھ رھتے ھیں۔ وہ ایسی نیچی جگہوں میں نہیں هُوتِ جَهَالَ بِانِّي بَهِرِتًا هِي - اكْرِ كُوبُو أَرْرِ يَتَيُونَ كَي كَهَادُ بَانُو مِينَ مَلْكُو زمین میں ڈالی جائے اور کچھہ تھیکرے باریک باریک کرکے اس میں ملا دائے جائیں ' تو وہ بہت اچھے هوں کے۔ اُن کے قلم زیاد، تر بوسات میں لگائے جاتے ہیں - شاخوں کی چوٹی کی طرف کا مضروط حصہ قلم کے لئے اچھا هوتا هے - جس جگهة پودے لگے هوں ، كبدى كبهى اس كى خرب گهری گورآئی کرتے رهنا چاهدًے - گورآئی کے بعد کم و بیش بارہ گهناتم یانی نہ دینا چاھئے ۔

اس کا قلم اس طرح لگتا ہے کہ برسات میں شاخیں کات کر گسلوں یا صفدوقوں میں لگائی جائیں ۔ ایک یا آبیوھ مہینے میں کافی جویں نکل آئیں گی ۔ اس وقت اُن کو الگ الگ چھوتے کہلوں میں لگا دینا چاھئے ۔ جب جویں اچھی طرح نکل آئیں' تو اُن کو پھر بوے گملوں میں لگا دینا چاھئے ۔ ور خوب پانی دینا چاھئے ۔ کرمی کے موسم میں اچھی طرح سینچائی کرنا چاھئے ۔ ھم نے دیکھا ہے کہ آنگر کروئی کا پودا اتنے مختلف رنگ بدلتا ہے' کہ ایک حالت میں دیکھنے

کے بعد اسی کو دوسری حالت میں دیکھہ کر پہنچاننا مشکل ہو جاتا ہے ۔ اگر پودے کے نیتچے کی پتیاں گر جائیں ' ارر ڈنٹہل نکل آئے ' تو اُس سے میزوں کی آرایش کے لئے نہایت عمدہ پودے تیار کئے جاسکتے ہیں ۔ اس کا طریقہ یہ ہے کہ آخری پتی کے پاس ایک انچ لمبا شکان چاتو سے کر دیں اور اس میں ایک لکتی لگا دیں تاکہ شکاف کھلا رہے ۔ پہر شکاف کے اوپر کوئی تر چیز باندہ دیں اور اُسے برابر تر رکھیں ' تو شکاف کے قریب جویں نکل آئیں گی ۔ اس وقت اس حصے کو بالکل شکات کر حسب معمول گملے میں لگا سکتے ہیں ۔

(۷۷) کلنتونیا—یتم ایک چهرتا سا پودا هے اور گداوں میں لکانے کے لئے اچها هوتا هے - اس کے بیجے میں سنید و پیلی آنکهته هوتی هے اور اس کے پهول چهوتے و خوشلما اور نیلے رنگ کے هوتے هیں - بیجے بہت چهرتا هوتا هے اور اکتوبر میں بویا جاتا هے - بونے کا طریقة یہ هے که بیجے دور دور بکهیر کر بالوهی زمین میں بویا جائے و اور گلے میں پتی کی کهاد اور بالو اور گوبر کی ستی هوئی کهاد بهر کر اس میں تین تین پودے ایک ایک گملے میں لگا دیں - اس میں جندی اچهی هوگی اُتنا هی پهول بهی عمدہ هوگا - اسے پانی میں کی بہت ضرورت هوتی هے - اس لئے بہتر هے که گملوں کو پانی میں رکھا جائے -

(۷۸) کلی مے تس—یہ ایک خوبصورت بیل ہے ' جس کے نام سے بیلوں کا ایک خاندان موسوم ہے ۔ اس بیل کی کگی قسمیں ہیں ' جن میں سے ایک قسم اکثر باغر میں پائی جانی اور برسات میں پہولتی ہے ۔ یہ بیل آسانی سے لگتی ہے ' اور اس کے پھول خوشبودار

ھوتے ھیں۔ عمرماً اس کا بینے ہویا جاتا ہے ' اور بعض قسنوں کے قلم بھی لکائے جانے ھیں -

(۷۹) کمیلیا — یہ پھول عام طور سے بہت پسند کیا جاتا ہے الیکن اس صوبے میں بہت کم کامیاب ھوتا ہے - میدانی علاقے خصوصاً اس کے لئے بالکل ناموزوں ھیں - البتہ اس کی کاشت میں کامیاب ھونے کی ایک صورت یہ ھوسکتی ہے کہ ھر تیسرے سال چین یا یورپ سے اس کے بیجے منگا کو لگائے جایا کویں - پہاڑی مقامات پر کامیاب ھوتا ہے اور آب و ھوا کی مصنوعی کینیات میں جیسے گرین ھاؤس کے اندر بھی کامیابی مسکن ہے اکیونکہ ایسی جگھوں میں اُسے سورج کی گرمی اور تسازت سے بخوریٰی محفوظ رکہا جا سکتا ہے - مگر اس کے لئے زمین بہت طاقتور اور اچھی ھونی چاھئے - اس کے پھول جاڑے کے آخیر اور یعنی فورری مارچ میں اُنے ھیں -

(۱۰) کنول ۔۔ یہ پھول جھیلوں اور تالابوں میں اکثر خودرو پایا جاتا ھے جو زیادہ تر گرمی میں پھولتا ھے اور بہت خربصورت معلم ھوتا ھے ۔ پانی کے ذخیروں میں لگایا جا سکتا ھے ۔ پھول دوھرا اور زیادہ تر گلابی ھوتا ھے ۔ اس کا بینج بویا جاتا ھے ' اور یہ بہت آسان کام ھے ۔ اگر بینج کو صرف چکئی متی میں لپیت کر پانی میں پھینک دیا جائے تو جم جاتا ھے ۔

(٨١) كنوالويولس_ية ايك خوبصورت چهوتا سا پودا هـ ، جو كياريوں ميں لِكاتے اور كملوں ميں لِكانے كے لئے اچها هوتا هـ - يه ميدانى علاقوں ميں كم كامياب هوتا هـ ، ليكن پہاڑوں پر بہت إچها هوتا هـ -



. كتوالويولس شكل تبير ۷۹

میدانوں میں اس کا بیعج اکتوبر میں بونا چاھئے۔ فرمفگر نے لکھا ہے کہ '' میں نے اس پودے کو کاکتھ کے آس پاس بہت کم کامیاب ہوتے دیکھا ہے۔ کبھی کبھی ایک دو پھول آجاتے ھیں مگر زیادہ تر اُکھے بڑھنے کے بعد گرمیرں میں بلا پھولے مرجاتا ہے '' کلوالولس کے نام سے پیولوں کا ایک خاندان موسوم ہے ' جس میں اس کے کئی قدم کے پھول شامل ھیں اور باقی قسمیں کامیاب بھی ہوتی ھیں۔

اس کی پتدال لمبی اور پتلی اور پهول خوش رنگ هوتا هوتا هے۔ اس کی پتدال لمبی اور پتلی اور پهول خوش رنگ هوتے هیں۔ اس کی کلی تسمیل هیں ' جن میں گلابی اور سفید پهول زیادہ هوتے هیں۔ اس کے پیول گومیوں میں براتے نام اس کے پیول گومیوں میں براتے نام خوشبو بهی هوتی هے۔ اس کا تلم لگایا جاتا ہے ' اور بینج بهی پویا جاتا ہے۔

(۸۳) کنیر زرد ــ یه ایک خوبصورت چهوٹا سا درخت هے 'جس کا پودا دس فیت اونچا هوتا هے - اس میں زرد رنگ کے پهول به کثرت پهولتے هیں ' اور قریب قریب همیشه آتے رهتے هیں - پهل بادام کی شکل کے ' سخت اور برے هوتے هیں اور بونے کے کام آتے هیں ــ

ره (۸۳) کوریاپسس—یة ایک فصلی بودا هے جس کے کتھئی اور پیلے پہول بہت بھلے معلوم ہوتے ہیں - اس کے علاوہ اور بھی رنگ ہوتے ہیں - اس کے علاوہ اور بھی رنگ ہوتے ہیں - اس کا بیسے اکتوبر میں بویا جاتا ہے - اس کی کاشت میں کسی خاص احتیاط کی ضرورت نہیں ہوتی - جب پودے کم و بیش تین انچ اونچے ہوجاتے ہیں ' تو بیخ لگائی جاتی ہے - اس میں مارچ کے مہیئے میں پھول آنا شروع ہوجاتا ہے -



کوریاپسس ش*کل* قبیر ۸۰

اگر اس کے موجھائے ہوئے پھول احتیاط سے کاتے جاتے رہیں نو اس میں عرصے تک پھول آتے رہتے ہیں -

(۸۵) کونی فرس ــ یه ایک برا درخت هے - اکثر برے باغوں اور سبزہ زاروں میں لکایا جاتا هے اور بہت خوبصورت معلوم هوتا هے - یه چهوتے باغوں کے کام کا نہیں هوتا کیونکه جگه بہت زیادہ گهیرتا هے -

طرح کے پودے ھوتے ھیں ' اور برامدوں کی آرایش کے لئے بہت موزوں ھیں ؛ کپونکہ سائے میں رکھنے سے بہت اچھے چلتے ھیں - بازہ کے زمانے میں ان کو خوب پانی اور رقیق کھاد دینا چاھئے مگر جب آخیر برسات میں پتیاں مرجھانے لگیں تو پانی روک دینا چاھئے - جب پودا سوکہ جائے تو گملے کو احتیاط سے رکہ لینا چاھئے - مارچ میں اُس سے کلا نکلنا شروع ھوتا ھے - اس وقت اس کی متی بدل کر خوب کھاد دی ھوئی اچھی متی بھر دینا چاھئے - اس انجن کے جلے ھوئے کوئاے کی راکہ اور چورے سے بہت فائدہ ھوتا ھے - اس کی دو قسمیں خصوصاً مشہور اور آچھی ھیں - ایک قسم کا پودا حوبصورت اور نازک ھوتا ھے ' اور اس کی سیز پتیوں پر چاندی کے سے سفید چمکدار دھیے ھوتے ھیں۔ دوسری قسم کی پتیاں سفید اور ایسی شفاف ھوتی ھیں دھیے ھوتے ھیں۔ دوسری قسم کی پتیاں سفید اور ایسی شفاف ھوتی ھیں ۔ کہ اُن کے آر پار روشنی گزر سکتی ھے - پتیوں کی رگیں نیلی سبز عوتی ھیں ۔

(۷۸) کالرکیا۔۔۔یہ پھول بہت بویا جاتا ہے ؛ لیکن اس کے پودے صرف اُسی وقت اچھے معلوم ہوتے ہیں جب ان میں پھول آرھے ہوں - پھولرں کا رنگ گلابی ہونا ہے - لیکن اس کی ایک قسم کا پھول سفید بھی ہوتا ہے -



15,25

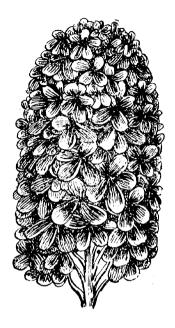
شکل نبیر ۸۱

کلارکیا کي کاشت کے لئے زمیر، کو اچھی طرح بنانا اور تیار کرنا ضروری ہے - اس کا بیج اکتوبر میں بویا جاتا ہے -

(۸۸) کینڈی تفت (شکرپارہ) ۔۔ یہ ایک خوبصورت پھول ہے جو کیاریوں اور حاشیوں کی آرایش کے لئے بہت پسند کیا جاتا ہے ۔ اس کی دو قسمیں زیادہ عام ھیں ' جن میں کئی رنگ کے پھول ھوتے ھیں ۔

[ديكهو شكل نمبر ٨٢]

اِسکے پہول کا رنگ زیادہ تر سفید ' سرخ ' زردی مائل سرخ اور گلابی هوتا هے ۔ اس کا پودا هر جگهه آسانی سے لگتا هے ' اور بیج اکتوبر میں بویا جاتا هے ۔



كىئتى تَفت (شكرپارة) شكل ئىبر ۸۲

(۸۹) کیورزا ــ یہ ایک چھرتا درخت ہے، جس کی پتیاں بہت لمبی اور نوک دار ھوتی ھیں - پتیوں کے کنارے اور شہ رگ کی پشت پر سخت چھوتے چھرتے کانتے ھوتے ھیں - اس کی شاخوں سے برگد کی طرح ھوائی جویں نکلتی ھیں؛ جو زمین تک پہنچ کر جم جاتی ھیں اور اس طرح درخت کو پھیلنے میں مدد ملتی ہے - اس کا پھول برسات میں پھولتا ہے - ایک شاخ پر بے شمار چوتے چوتے پھول پتھوں کے ایک خول میں لیٹے رھتے ھیں؛ اور ان کی سفیدہ ملائم پتیوں سے بہت خوشبو آتی ہے ۔ کیورا مرطوب مقامات پر اچھا ھوتا ہے ، اس کا قلم برسات میں آسانی سے کیورا مرطوب مقامات پر اچھا ھوتا ہے ، اس کا قلم برسات میں آسانی سے لیگ جاتا ہے ۔

(4) گوهل یه ایک چهرتا سا جهاز دار درخت هے جو باغین میں تئی لکانے اور حد بندی کرنے کے لئے اکثر لکایا جاتا ہے ۔ اس کی پتیوں کی سبزی اور پیولوں کا سرخ رنگ بہت پسندیدہ ہوتا ہے ۔ پتیاں بتی اور برسات گہری سبز ہوتی ہیں ' اور پهول بالکل سرخ ہوتا ہے ' جو گرمی اور برسات میں پهولتا ہے ۔ جازے میں اس کی پتیوں کو چهائٹنا ضروری ہے ۔ جہاں تئی لکائی جائے وہاں اِسے حسب ضرورت بلا لتحاظ موسم چهائٹنا جا سکتا ہے ۔ اس کا قلم بھی لکایا جاتا ہے اور بہنے بھی بویا جاتا ہے ۔ یہ درخت کئی طرح کا ہوتا ہے لیکن اُس کی سرخ پهولوں والی قسایی زیادہ پسند کی جاتی ہیں ۔

(91) کل اشرفی — اس کا پودا 'دو تین فت اونچا هوتا هے اور باغوں میں بہت لکایا جاتا هے - جاڑے کے موسم میں جب پھول آتے هیں تو بہت اچھا معلوم هوتا هے - پھولوں کا ونگ سنہوا زرد هوتا هے - اب اور بھی ونگوں کے پھول هونے لگے هیں - پھول چھوتا سا' اور بناوت میں گلاب سے بہت کچھک مشابہ هوتا هے - اس کا بیجے بریا جاتا هے ' اور جویس عدو، آ اکتوبر میں لگائی جاتی هیں -

(۹۲) کل خیرو به پهرل عام طور پر گلابی رنگ کا اور اکبرا هوتا هے لیکن اب اس میں بہت سے رنگ هونے لگے هیں - گو اس کے پهول الاہرے هرتے هیں الرکن کیاریوں پر اس کی قطاریس پیوای هوئی بہت خرشندا معلوم هوتی هیں - بعض رنگوں کے پهول دوهرے بهی هوتے هیں - اس کا بینے اکتوبر میں بویا جاتا هے ' پودہ لگانے میں کامیابی نہیں هوتی - [دیکھو شکل نمبر آ ۱۸] -



گلخيرو شکل نيپر ۸۳

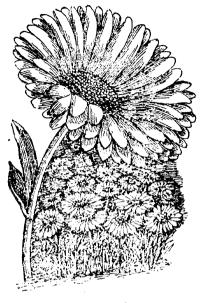
(۹۳) کلداؤدی — پود ہے کے لحاظ سے کلداؤدی دو طرح کا هوتا هے ایک قسم کا پودا فصلی ارد موسمی هوتا هے ' اور درسوی قسم کی عمر
زیادہ هوتی هے - پهول کے لحاظ سے گلداؤدی کی سیکروں قسمیں هیں جو اپنی خوشنمائی اور باغ کی آرایش کے لئے بہت لگایا جاتا هے - اس
کی کاشت روز بروز ترقی کر رهی هے - یہ پهول زیادہ تر گملوں میں لگایا
جاتا هے ؛ لیکن روشوں اور کیاریوں میں بھی لگایا جاسکتا هے ـ اس کی
کاشت میں محملت اور احتماط بہت درکار هوتی هے - اس کے گملوں کے

لئے متی تیار کرنے کا ایک خاص طریقہ یہ ہے کہ اصطبل کی بھیکی ہوئی گھاس اور لید کو تین چار دن سائے میں خشک کرکے اس طرح جالیا جائے کہ راکھہ نہ ہونے پائے بلکہ آدھا جہلس جائے یا آدھی جلے۔ پہر اس کو کوت کر بڑے بڑے تالے دور کر دینا چاھئے۔ اور بہتر ہے کہ اسے کسی آدہ آدہ آنچ کے سوراخوں کی چھلنی میں چھان لیا جائے۔ چھنے ہوئے حصے میں باغ کی عمدہ متی ' کوئلے کا چورا ' راکہ اور پتی کی سرّی ہوئی کھاد برابر برابر ملاکر گملوں میں بھرنا چاھئے۔ یہی ملا ہوا مسالا کیاری میں بھی ڈالا جا سکتی ہے۔ اس کی انزائش نسل کی کھاد کا استعمال بھی بہت اچھا بتایا جاتا ہے۔ اس کی انزائش نسل بیج ' قلم اور اُن کلوں کے ذریعے بھی ہوتی ہے جُو پودرں کی جو کے قریب بھوٹتے ہیں اور جن کو جورا کہتے ہیں۔

فرمنگر کا قول ہے کہ "مہری رائے میں پودے کے رکھتہ رکھاو کا بہتریں طریقہ یہ ہے کہ شروع جلوری میں ' یا اس وقت جب اس کے پھول مرجھانا شروع ھوں پھول والی شاخ کو کات دینا چاھئے ۔ اگر پودا گملے میں لگا ھو تو گلے کو آلت کر' یا اگر زمین پر لگا ھو تو اُسے کھود کر' کل متی جو سے درر کرکے جو کے کلے کو الگ الگ کر دینا چاھئے' اور زمین میں خوب کھاد و بالو ملاکر پھر لگا دینا چاھئے ۔ لیکن قلم کی طرح ھر کلے کو کم و بیس ایک ایک فت کے فاصلے پر رکھنا چاھئے ۔ جب تک کلے جو نہ پکو ایس ھر روز پانی دینا ھوگا ۔ ایسا کرنے سے وہ جلد جو پکو لیتے اور تیزی سے بوھتے ھیں ۔ جب مئی کے ایسا کرنے سے وہ جلد جو پکو لیتے اور تیزی سے بوھتے آئیں تو ان کو پھر نکال کر آئیں کو الگ مالگ گمارں میں لگانا چاھئے ۔ اکتوبر تک وہ گمارں میں لگانا چاھئے ۔ اکتوبر تک وہ گمارں میں رکھے جائیں تاکہ برسات میں اُن کی حفاظت اچھی طرح کی جاسکے ۔ میں رکھے جائیں تاکہ برسات میں اُن کی حفاظت اچھی طرح کی جاسکے ۔ اگتوبر میں پھر نکال کر ان کو زمین یا بوے گمارں میں لگانا چاھئے '' ۔

کل داودی کے لئے خوب کہاد اور طاقتور زمین کی ضرورت ہوتی ہے ' خاص کر دوسری قسم کے لئے جس کا پودا عرصے تک رہتا ہے ایہ باتھی بهت ضروری هیں - دو حصم متی 'ایک حصم پاخانے کی کهاد 'ایک حصّه گهوڑے کی کھاد ' اور نصف حصه بالو اس کے لئے اچھا سمجھا جاتا ھے ۔ اس کو ایک مهیدہ پہلے سے دھیر کرکے وقتاً فوقتاً رقیق کھاں (جیسے مویشیوں وغیرہ کا پیشاب آزالتے رهذا چاهئے اور دهیر کو بارش اور دهوپ سے بچانا چاھئے ' ورنہ کھاں کمزور ہوجائے گی - اس کے علاوہ ہدی اور خون کی کہاد اور کسی قدر سودیم نائٹرایت بھی دیا جاسکتا ہے - لیکن یہ چیزیں اُس وقت دیدی چاهدی جب دودا کافی طور پر برا هوجائے - پودوں کو پتلی کهاد برالا راست بهی دی جاتی هے ؛ لهکن صرف برے پردوں کو دیلی چاهئے ۔ پہلے کم ارر هلکی کهاں دینی چاهئے ' پهر آهسته آهسته مقدار بوهائی جاسکتی هے ' لیکن بہت زیادہ نہ بوهانا چاهئے - بهیج بھی اکتوبر میں بویا جانا ہے اور پودا بولا جانے پر بیو ' دو دو تین تین ایک ساتھة لگائی جاتی هے - پودوں کے درمیان کا فاصله ایک فت هونا جاهئے -پہاروں پر مارچ اپریل میں بوتے هیں ـ

قلموں سے کاشت کرنے کا ایک طریقہ یہ بھی ہے کہ جب کوئی پودا پھول دے چکے تو پھول والی شاخ کے گرھوں پر سے تکرے کرکے قام خوب کھاد دی ھوئی زمین میں لکائیں - یہ جو پکو لیتی ھیں ' لیکن ایسے قلم زیادہ کامیاب نہیں ثابت ھوتے - اس سے اچھا یہ ہے کہ پھول والی شاخ تراشلے کے بعد جو شاخ زمین یا گملے میں بچ رہے اُسے کھاد دے کر سیلمچائی کرتے رھیں ۔ کچھہ دن بعد اُس میں کلے نکل آئیں گے - جب یہ پانچ چھہ انچ کے ھوجائیں ' تو ان کلوں،کو لے کر زمین یا گملوں میں لگاکر پانی دے دیا جائے - جب یہ جو پکو لیں تو ان کو پودے کی طرح دوسرے گملوں میں لگائیں ۔



گل داۇدى ش*كل* ئىپر ۸۳

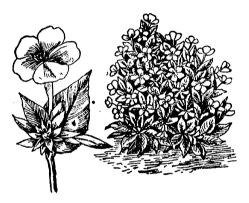
پہول آنے کے وقت اگر کلیاں بہت زیادہ ھوں تو اُن کو تور کر کم کردینا اچھا ہے ' خاص کر جنب ہوا پھول لینا منظور ھو تو یہ عمل ضرور کرنا چاھئے ۔ کلیوں کی تعداد جہنئی کم ھوگی اتلا ھی پھول ہوا ھوگا ۔ ایک شام پر صوف ایک کلی چھوڑنا کافی ہے ۔ اور اگر بہت ہوا پھول لینا ھو' تو ایک درخت پر صوف ایک کلی چھوڑنا کافی ہے ۔ اور اگر بہت ہوا پھول لینا ھو' تو ایک درخت پر صوف ایک کلی رکھنا ھوگا ۔ کلیوں پر ایک پہلا سا جھلی کی طرح ھوتا ہے ' جو اُن کو بوھنے سے روکتا ہے ۔ اس پر کسی تیز چھڑ سے اس طرح احتماط کے ساتھہ شکاف دے دینا چاھئے کہ کلی کے اندر کی پہیوں کو صدمہ نه پہونچے ۔ پہلی اور تیرھی شاخرں کو چھانت دینے سے پودا سیدھا اور اچھا بوھتا ہے ۔ پھول بوھنے کے زمانے میں شاخوں دینے سے پودا سیدھا اور اچھا بوھتا ہے ۔ پھول بوھنے کے زمانے میں شاخوں اور اکٹر پودے کو لکڑی کا سهارا دینا پوتا ہے ۔ بعض کیوے اس کو بہت

نقصان پہنچاتے ھیں - خصوصاً جاڑے کے موسم میں ایک کیڑا جڑوں کو بہت نقصان پہنچاتا ھے - نیم کی کھلی بطور کھاد دینے اور پودے پر راکھه چھڑکئے سے بہت کچھ حفاظت ہوتی ھے - لیکن جب پودا مرجھاتا دکھائی دے اور کیڑے کا شبہ ہو تو اس کی کل متمی بدل دینا اچھا ہوتا ھے - پتیوں پر کیڑوں کے آثار ہوں تو آدہ سیر گندھک اور آدہ سیر چونہ تین سیر پانی میں ملاکر کسی متمی کے برتن میں اُبالیں اور تھنڈا کرکے پچکاری سے پودوں پر چھڑکئے سے فائدہ ہوگا -

(۹۳) کل دوپہریا۔۔۔ اگرچہ یہ ایک معمولی گھاس هے ' جو اکثر وهاں کے کھینتوں میں پائی جاتی هے اور باغوں میں جگہہ پانے کے قابل نہیں هے ' لیکن کبھی کبھی کبھی کبھی کبھی کبھی کہھی کبھی کہ یہ کائی جاتی هے ۔ جو قسم باغوں میں لگائی جاتی هے ۔ جو تسم باغوں میں لگائی جاتی هے ۔ جو تسم بہتر پھول دیتی هے ۔ اس کا بیج جوں اس کا پودا دو تین فیت اونچا اور خوش ربگ هوتا هے ۔ اس کا بیج جوں جولئی میں بویا جاتا هے ' اور ستمبر اکتوبر میں پھول آتے ھیں ۔

(90) کل شہو سیہ ایک بہت عام پھول ہے ' جس کا پودا قریب قریب ھر باغ میں ملتا ہے ' اس میں شک نہیں کہ یہ ایک نفیس پھول ہے ۔ پودے میں ایک سیدھی شاخ نکلتی ہے ' جس پر سفید خوشبودار اکہرے پھولوں کا ایک جھرمت ہوتا ہے ۔ اس کی خوشبو بہت پسندیدہ ھوتی ہے اور دور نک پھیلتی ہے ۔ اس کا برہج بھی بویا جانا ہے اور کاتھیاں بھی لکائی جانی ھیں ۔ اس کی ایک قسم میں دوھرے پھول بھی ہوتے ہھیں ۔ پھولوں کی شاخ اکثر وزن سے گرجاتی ہے ' ارر پودا بدنما ہوجاتا ہے ۔ اس قسم میں خوشبو بھی کم ہوتی ہے اور بارش ہوجانے پر اور بھی کم ہوتی ہے ۔

(۹۹) گل عباس _ یه پودا باغوں میں بہت لکایا جاتا ہے۔
اس کے پہول منعتلف رنگ کے (مثلًا سنید، پیلے، سرخ،
دھاری دار، رفیرہ) ھوتے ھیں جس جگھہ یہ پودا لکا ھو رھاں پر
بیج بہت گرتا ہے، اور بارھی میں اس کے خودرو پودے پہدا ھو جاتے
ھیں ۔ یہ پودے لکائے جا سکتے ھیں ۔ بیج مئی سے جوں تک بریا
جاتا ہے ۔ اس کی جورں میں گرہ ھوتی ہے، جو دھایا کی طرح متحفوظ
رکھی اور لکائی جا سکتی ہے ۔



گل مباس شکل نهبر ۸۵

اس پهول کی ایک قسم خوشبودار بهی هوتی هے - لیکن فرمنگر فرمنگر والگات کے حوالے سے لکھا هے که خوشبردار قسم کا ایک پردا کلکاته کے سرکاری باغ میں سات برس تک رها مگر پهول نهیں آیا - معلوم هوتا هے که یہاں کی آب و هوا اس کو راست نهیں آتی - لیکن کوئی وجه نهیں معلوم هوتی که باغبانی کی موجودہ ترقی یافته حالت میں اس کو شیشه کے مکانات اور مصلوعی آب و هوا اور زمین کی کھفیات میں دیگر مختلف طریقی سے کشت کرکے از سر او نه تجربه کیا جائے -

(۹۸) کل عجائب - یه ایک معمولی پردا هے اور سات آتهه فت اوسچا هونا هے - اس کی پتهاں بیضوی هوتی هیں - پهول اکتوبر نومهر میں آتا هے - اور بوے گلاب کی طرح هوتا هے - کهلئے پر اس کا رنگ اسفید هوتا هے ، پهر گلابی هو جانا هے - اس کا قلم زیادہ تر برسات میں لگایا جاتا هے اور بینج بهی بویا جانا هے -

(99) کل لیلئ سیه ایک مشهور پهول هے ' جو مید آئی علقه میں بہت کم کامیاب پایا گیا هے - لیکن همارا خیال هے که اگر نومبر دسمبر میں اس کی گلمیاں لگائی جائیں تو اس صوبے میں بھی کامیابی ممکن هے - پهاروں پر خوب پهولتا هے ' جهاں اس کی گلمیاں فرروی میں لگائی چاهیں - بهربهری ملتی اور کهاد بهر کر بوی گلمیاں اکہلی ' اور چهوئی گلمیاں کئی کئی ایک ساته لگائی جاتی هیں ان کو کلا نکلئے تک پانی دینے کی ضرورت هوتی هے - اگر آلے کے آلمائے میں دیر هو ' تو بہت پانی نه دینا چاهئے اس سے کلچهه فائدہ نه هوگا بلکه ممکن هے که پانی کی رجه سے گلمهیاں سو جائیں - جب کلا نکل آئے ' تو اُس وقت جب تک که پودا اپنی پوری عمر کو نه پهنچ جائے اور پتیاں مرجهانے نه لگیں خوب پانی دینا چاهئے - جب پتیاں مرجهانے اور پتیاں مرجهانے نه لگیں خوب پانی دینا چاهئے - جب پتیاں مرجهانے اور پتیاں مرجهانے در کو دینا چاهئے اور پتیاں مرجهانے کی کو دینا چاهئے اور پتیاں کی جب پتیاں مرجهانے در کو دینا چاهئے اور پتیاں کی جن کانا جاهئے کو دینا چاهئے اور کانا کی دینا چاهئے در کانی کو دینا چاهئے در کانی بند کر دینا چاهئے اور کانا کی دینا چاهئے در کانا چاهئے در کانا کو کانا کی دینا کی دینا کو کانا جاهئے در کانی دینا کو کانا کو کانا کو کانا کو کانا کو کانا کو کانا کی دینا کو کانا کو کانا

(++1) کل مکمل سیه بهت عام اور هر جگههٔ أسانی سے لگ جانے والا پودا هے - برسات کے زمانے میں سفید ' گلفار اور اودا پھول آتا هے - اس کا بھیج جون میں بویا جاتا هے -

بہت بہلی معلوم هوتی هیں - یہ اپریل مئی میں سرم پھولوں سے بہلی معلوم هوتی هیں - یہ اپریل مئی میں سرم پھولوں سے به کثرت لدا رهنا هے ، جو بہت بهلے معلوم هوتے هیں - پھول آنے کے

زمانے میں پتیاں بہت کم هوتی هیں اور اس لئے سرخ پھول درخت کی خوشنمائی کو اور زیادہ بوها دیتے هیں - درخت بہت جلد بوهنا هے ، لیکن لکوی نہایت بیکر اور کمزور هوتی هے - اس میں بوی بوی بوی لمبی اور چپتی پھلیاں آتی هیں - بیج برسات میں بویا جاتا هے - ،

(۱۰۲) گل مهندی ـــیه ایک خوش رنگ فصلی پهول ه آرر بهت مقبول هـ - جهان ایک مرتبه بویا جاتا هـ ، وهان بیم گرنے کی وجه سے دوسری فصل میں خودرو پودے بہت نکلتے هیں - لیکن اُن کا پهول اچها نهیں هوتا -



گل مهندی شکل نیور ۸۲

اس کا بیج بارهی شروع هونے کے بعد سے اکتربر تک بویا جاتا هے - اس صوبے میں خصوصاً میدانی علاقے کے لئے گل مہندی بونے کا بہترین زمانه شروع برسات هے - اس کی پودع بھی لگائی جا سکتی هے - مگر اس کے لئے زمین خوب طاقتور هونا چاهئے - اس کهاد کی بھی بہت ضرورت هوتی هے - اس کی کئی قسمیں هیں ' ارر اُن کے پھول اکہرے و دوهرے اور مختلف رنگ کے (جیسے سفید ' سرخ ' بیجلی ' گلابی وغیرہ هوتے هیں) -

(۱۰۳) گندهه راج —یه ایک سات آتهه فیت اونچا چینی پودا هے ، اور هندوستان میں بہت هوتا هے - اس کی پتیاں خوبصورت اور چکلی هوتی هیں ۔ پهول مارچ اپریل میں آتا هے اور دوهرا شربتی یا سفید، اور نہابت خوشبردار هوتا هے ۔ یه پودا کئی قسم کا هوتا هے ، اور سب کے قلم برسات میں لگائے جاتے هیں ۔

(۱۰۲) گؤ مکھی بیل ۔۔۔یہ ایک بیل ہے جس کی پتیاں بیشوی ھوتی ھیں ۔ اس کا یہ نام اس لئے ھوا کہ اس کے پھول کی شکل گئے کے منھہ کی طرح ھوتی ہے ۔ پھول کسی قدر خوشبودار ھوتے ھیں لیکن بہت خوشنما نہیں معلوم ھوتے ۔ بیج فروری میں بوئے جاتے ھیں ۔

(۱+٥) گرے چین ہوا دس بارہ فیت اونچا ہوتا ہے ' اور اس کی پتیاں نوک دار ' چکنی آور بہی ہوتی ہیں ۔ گرمی اور بوسات میں سفید خرشہودار پھول ' نکلتے ہیں ' جن کے اندر کی طرف زردی ہوتی ہے ۔ اس کی ایک اور بدی خربصورت قسم ہوتی ہے ' جس کا پھرل سرخی مائل ہوتا ہے اور پنکہویوں کے سرے اوپر کی طرف پلتے ہوئے ہوئے ہوتے ہیں ۔ زیادہ تر اس کا قلم لگایا جاتا ہے اور برسات میں بہت جلد لگ جاتا ہے ۔

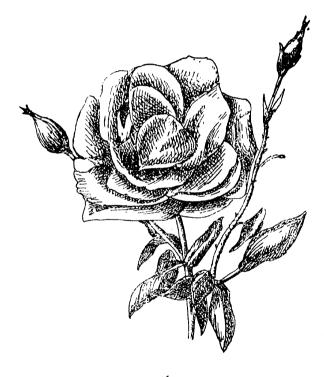
(۱+۹) گھونگچی -- یہ ایک سر سبز بیل ہے جس میں خاص بات یہ ہے کی پہلیاں پکنے پر پہت جاتی ھیں 'لیکن اُن کا دانہ نہیں گرتا - پہتی ھوئی پہلیوں سے اُس کے خوش رنگ چھوتے چھوتے بیج بہت بہلے دکھائی دیتے ھیں - اس کے پہل کسیقدر بھضری اور چھوتے مقر کے برابر ھوتے ھیں اور اُن کا رنگ گہرا سرخ ھوتا ہے - سرخی میں ایک سیاہ نشان ھوتا ہے اور سیاھی میں ایک اور چھوتا سفید نشان ھوتا ہے - اس کی ایک اور بھی قسم ہے ' جس کا بھج ھاتھی دانت کی طرح سفید ھوتا ہے -

(۱+۷) کلاب -کلاب وہ ہر دل عزیز چیز ہے جس سے قریب قریب تمام ممالک کی شاعری بهری پری هے - اگر بغاوت ' رنگ اور خوشبو کے لحاظ سے ایشیا میں اسے '' کل رعنا '' کہتے ھیں تو یورپ میں اس کو ملكة چمن كا مرتبة حاصل في - ممكن في كة هلهوستان اليس كبهى " كلاب كهلانے كى مستحق " قسميں كمياب يا ناياب رهى ھوں ' لیکن اس وقت تو وہ مغرب کے اُن باغبانوں سے بے نیاز هو سکتا هے جو هندوستان میں کلاب کی عمدہ قسیس رائیم کرنے كا احسان جتانا چاهتے هيں - اگر كوشش اور تلاش كى جائے تو هندوستان کے رسیع رقبے میں وہ سب کچھہ موجود ہے کہ وہ اس میں بھی کسی سے پھچھے نہ رھے - یہ ضرور ھے کہ پورپ کو جو دلنچسپی اس سے ھے وہ ابھی یہاں پیدا نہوں ھوئی ھے - گلاب کی جنگلی قسموں كا حسن بهى كاشت سے دو بالا هو جاتا رهے ' بلكة بهت كم پهول أيسے ھیں جو کلاب کے برابر کاشت کا اثر قبول کرتے ھوں ۔ اِس لکے اُس کی کاشت کرنے کے واسطے تمام ضروریات کا خیال رکھنا بہت ضروری هے۔ کسی باغ میں جب تک گلاب کی دو چار عمدہ قسمیں نہ ہوں وہ نامكمل رهتا هے - ليكن كسى كارخانے كى فهرست سے أن كا انتخاب کرنا عبر شخص کا کام تہیں ھے - گلاب کے بہت سے رنگ عوتے ھیں اور كسى انجان آدمي كا أن كو پركهنا محال هوتا هـ - أساني كه للهـ ولا پہلے دو قسموں پر تقسیم کئے جاتے ہیں: دیسی اور ولایتی - یہ زمین اور آب و ھوا کی مناسبت سےتین طرح کے ھوتے ھیں - اول وہ جو میدانی علاقه میں هوسکتے هیں ؛ دوسرے وہ جو صرف پہاڑی حصوں میں هوتے هیں ؛ اور تیسرے وہ جو هو جگهہ لگ سکتے هیں - یه زمین اور گمله دونوں میں لکائے جاتے ھیں۔ کلاب طانتور متیار زمین میں '

جس کا نکاس بالکل درست هو ، اچها هوتا هے - لیکن بعض تسمیں ایسی هیں ، جو هلکی زمین میں بهی اچهی هوتی هیں - گلاب لگانے کے لئے قام ، چشمت ، پیوند اور دابا استعمال کیا جا سکتا هے ، اور بیج بهی بویا جا سکتا هے - یہ امر عموماً اُس کی قسموں پر منحصر هے که کس قسم کو کس طور سے پیدا کیا جائے - بیج بوکو گلاب لگانے کا طریقه نہایت دیر طلب هے ، اور صرف نئی قسمیں پیدا کرنے کے لئے کبهی کبهی اختیار کیا جانا هے -

گلاب کے لئے زمین کو گہرا گورنا اور خوب کہاد دینا ضروری ھے -لیکر تازہ یا ہے سوی کہاد ہرگز نہیں دینی چاھئے - بہتریه ہے که پودے کے قد کے حساب سے ایک، دو ' یا ڈھائی فیت گڑھا کھود کو اس کے اوپر کی متی الگ جمع کر دیں ' اور گڈھے میں کم و بیش دس آنچ بتی اور گوبر کی ستی کهاد ' عمارت کا پرانا چونا ' کچهه تههکریاں اور پسی هوئی هذی بهر کر اور گرز کر متی میں ملا دیں -پهر جو متی اُوها کهودتے وقت نکالی گئی تهی ' اس میں کچهم کهاد ملا کو گوھے کو بھر کے برابر کر دیس - گوھا خوب کھلی ھوئی ھوا دار اور دھوپ کی جگھہ میں بنانا چاھئے 'کیونکہ گلاب سائے میں اچھا نہیں هوتا - اور اگر ممکن هو نو سالانه ، ورنه هر دوسرے سال ، گلاب کی جگهه بدلتے رہنا اچھا ہے۔ برسات کے خاتمے پر کدال سے ایک گہری گورائی كونا ضروري هے - پير لكاتے وقت جروں كو خوب پهيلا كر قدرتي شكل میں رکھنا اور متی ہر طرف سے بھر کر دیا دینا چاغلے - اور اگر زمھن خشک هو تو خوب پانی بهر دینا چاهدے ۔ الله دیری دیال نے اپنی كتاب " يهول" مين لكها هي كه جس وقت كلاب كي كليان كهلاء كي قریب موں اس وقت کسی قدر گلدھک پیس کر جو کے قریب مالی میں

اللہ دی جائے اور پانی دے دیا جائے تو حیرت انگوز فائدہ هوتا هے۔ برسات کے آخر میں گورائی کرنے کے رقت پرانی شاخرں کو تیز اوزاروں سے چھانت دینا چاہئے۔



كلاب

شكل نبير ٨٧

گلاب کے قام لکانے کا بہتریں زمانہ اکتوبر نومبر ہے - اس زمانے میں قلم لکانے سے مارچ تک اچھا خاصا چھوتا پردا لکانے کے لئے تیار ہو جاتا ہے - بعض قسموں کے قلم برسات میں بھی لکائے جاتے ہیں -

اور پھولوں کی طرح گلاب پر بھی طرح طرح کے کیوے حملۂ کرتے ھیں۔
ان میں سے دیمک اور ایک قسم کا ھوا پردار کیوا جو پتیوں پر رھتا
ھے گلاب کو نقصان پہنچاتے ھیں۔ ان سے محفوظ رکھنے کی کوشش بہت ضروری ھے اور اس غرض سے وہ ترکیبیں کرنی چاھئیں' جو اس کتاب میں کسی دوسری جگھۂ کیووں اور پودوں کی دیگر بیماریوں کے ساسلے میں بیان کی گئی ھیں۔ ھم نے گلاب کی کاشت بہت مختصر بیان کی ھے۔
اس سے یادہ کی گنجایش اس محدود کتاب میں نہیں ھے؛ ورنہ گلاب کی کاشت نے بہت ترقی کر لی ھے۔ انگریزی زباں میں صوف اسی مضمون پر متعدد کتابیں موجود ھیں۔

گلاب کی قسمیں اتنی زیادہ هیں کہ ان کا شمار کرنا بھی آسان کام نہیں ھے ۔ چنانچہ ایک مستند کارخانے نے کم و بیش چھہ سو قسمیں فروخت کے لئے شایع کی هیں ۔ اس کا ایک اصول تقسیم پردوں پر بہی منحصر ہے ۔ مثلاً ایک قسم کا پردا سیدھا ہوتا ہے اور دوسرے کی بیل پہیانتی ہے پھر ان میں سے ھر ایک کی متعدد قسمیں ھیں ۔ سیدھے پودے کی قسمیں زیادہ پائی جاتی هیں ۔ دمشقی گلاب سیوتی ' چائے کی سی خوشبو والے گلاب ' چینی گلاب فیرہ چند مشہور قسمیں هیں ۔

(۱۰۸) گلار آیا۔۔شکل میں گیندے کے پہول سے بہت ملتا جلتا ہے ' مگر اس کا رنگ گلفار اور تانبوا ہوتا ہے ۔ گرمی کے زمانے میں بہت بہار دیتا ہے ' اور اگر پانی اچھی طرح ملتا رہے اور اس کی باتاعدہ خبر گیری ہوتی رہے تو ہمیشہ پھولتا رہتا ہے ۔



گلار دیا شکل نمبر ۸۸

اس کا بیبج هر موسم میں بویا جاسکتا هے ' لیکن اکتوبر میں اور سب مہینوں سے اچھا هوتا هے ۔ پوره بھی لگائی جاتی هے ۔ بوربهری اور طاقتور زمین اس کے لئے اچھی هوتی هے ۔ ان پودوں کی کاشت اب بہت ترقی پر هے ' اور ان کے پھول بہت سے رنگ کے هونے لگے هیں ۔ ان میں سے حاشیہ دار وضع بہت خوبصورت معلوم هوتی هے ۔

(۱+۹) کلاک سینیا۔ایکی مینس کی طرح یہ پھول بھی باغوں میں بہّت ہوتے ہیں' اور اُن کی کاشت اُسی کی طرح ہوتی ہے۔ برسات میں گھنٹی کی شکل کے پھول خوب کھلٹے ہیں۔



شکل نبور ۸۹ گلاکسینیا

وارق کا بیان ہے کہ گلاک سینیا لگانے کے لئے بیج 'گٹہیاں۔ اور پتوں کے قلم ہور ترکیب سے کام لیا جا سکتا ہے۔ لیکن ان سب طریقوں میں بیج بونا سب سے اچھا ہے۔ بیج بونے کے بعد چھہ مہینے میں پھول اُترنے لگتے ہیں۔ اس کا بیج بہت چھوٹا سا ہوتا ہے ' اور احتیاط سے بونا چاھئے ۔ بلکہ ہر جگھہ برابر برابر پھیلانے کے خیال سے بیج کو بوتے وقت متی میں ملا لینا اچھا ہوتا ہے۔ بیج کو گملوں میں خوب اچھی متی بھر کر بونا اور شیشے سے تھک دینا چاھئے ۔ جس گملے میں بیج بویا ہو' اُسے ٹھنتی جگھہ میں رکھنا چاھئے۔ جب کلا نکل آئے اور پودے کچھہ بڑے ہوجائیں ' تو اُسے دوسرے گملے میں بدلنا ضروری ہے۔ پتی کے قلم ہوجائیں ' تو اُسے دوسرے گملے میں بدلنا ضروری ہے۔ پتی کے قلم کی جگھہ سے کسی قدر گہرا گہرا چھیل دو اور تر بالو پر لٹا کر لگا در گئی جگھہ سے کسی قدر گہرا گہرا چھیل دو اور تر بالو پر لٹا کر لگا در گئی جگھہ سے کسی قدر گہرا گہرا چھیل دو اور تر بالو پر لٹا کر لگا در گئی جگھہ سے کسی ہو نشان پر کلیاں نکل آئیں گی۔ اس پودے کو

سائے اور امن کی جگھۃ میں رکھنا ضروری ھے۔ اُن کو کانی نبی کی ضرورت ھوتی ھے لیکن جورں کے قریب پانی بھرا رھنا نقصان دیتا ھے ۔ اس کی کئی قسیس ھیں' جن میں طرح طرح کے پھول آتے ھیں اور سب خوبصورت ھوتے ھیں ۔ چوھے انس کی گتھیوں کو بہت شوق سے کھاتے ھیں اور اس لئے اُن سے حفاظت کی بہت ضوررت ھوتی ھے ۔

(۱۱۰) گیندا—یوں تو گیندا کئی قسم کا هوتا هے - لیکن فرانسیسی اور افریقی کیلدے باغوں میں اکثر لگائے جاتے هیں - دوسری قسم کا کا رنگ زیادہ تر گلنار اور زردی مائل هوتا هے - فرانسیسی گیلدے کا پہول گندهکی پیلا ' سنہرا اور دھاری دار هوتا هے اور اس کا پودا چهوتا مگر جهاز دار هوتا هے - اس کے علاوہ گیلدے کی هندوستانی قسمیں بهی هیں ' جن میں سے بعض کا پھول کافی برا هوتا هے ' اور پودا ایک فیت سے تین فیت تک ارنچا هوتا هے ۔

اگر اس کا بیم شروع برسات میں لکایا جائے تو آسانی سے جم جاتا ہے ۔ جہاں ایک مرتبہ ہویا جانا ہے وہاں درسرے موسم میں خود رو پودے به کثرت نکلتے هیں مگر یہ رکھنے کے قابل نہیں ہوتے ۔ گیلدے کے لئے زمین طاقتور ہونا چاہئے ۔ اچھی کاشت کا اثر پھول پر بہت جلد ہوتا ہے ۔

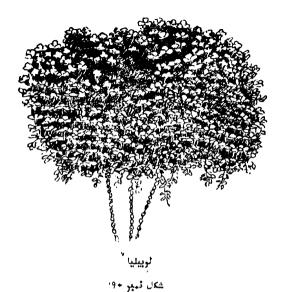
(۱۱۱) لاله — یه معمولی پوسته کا پهول هے - خوشنما هونے کی وجه سے اس کی بهت قدر هوتی هے چنانچه آب اس کی بهت سی قسمیں پیدا هوگئی ههیں ' جن کے پهول بہت خوشرنگ اور اکہرے و درهرے هوتے ههیں - بینچ اکتوبر مهن ہوئے جاتے هیں ' - اس کی پودہ نهیں لگتی - گملے اور کیاریوں میں لگا سکتے ههن - زمین خوب بهربهری اور طاقتور هونا

چاهئے ' اور بیسے ہوتے وقت کافی ندی موجود رهنی چاهئے - بیسے بکھیر کر هاتهه سے ملاسکتے هیں - لیکن پودرں کے درمیان کم و بیس ایک ایک فت کا فاصله رکھنا ضروری هے -

لاله كا بهول يون تو فصلى هوتا هـ ، ليكن ايك قسم أيسي بهى هـ جس كا بودا عرصه تك زنده رهتا أور بهولتا هـ - يه كماون مين لكانے كے لئے أيها هوتا هـ ، مكر فصلى لاله زمين هى ميں أچها رهتا هـ -

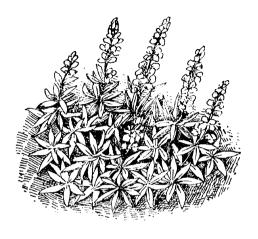
پسندیدہ خوشبو هونی هے ، اور پهول بہت خوشنما هوتا هے - گومیوں میں پسندیدہ خوشبو هونی هے ، اور پهول بہت خوشنما هوتا هے - گومیوں میں قریب قریب همیشه پهولتا رهتا هے - اور اس قدر جهاز دار هوجاتا هے که اس کو چهانگنا ضروري هوجاته هے اس کے بینج اور قلم دونوں لگائے جاتے هیں اس کی بهی کئی قسمیں هیں - جن میں سے بعص فرانسیسی نسل کے پودے اچھے هوتے هیں - یه پودا جننا پرانا هوتا جاتا هے اتنا هی زیادہ پهول دینا هے لیکن پهول چهوٹے هرتے هیں - اس کے پودے باغ کے کنارے تتی لگانے کے لئے چهوٹے هرتے جاتے هیں - اس کے پودے باغ کے کنارے تتی لگانے کے لئے بہت مناسب هیں - پهرل وربینا سے مشابه هوتے هیں -

(۱۱۳) لوبیلیا۔۔یہ چھوتا سا پودہ کہلے میں لٹکا نے کے لئے بہت موزوں مرتاھے۔ اس کے پھول کئی قسم کے ھوتے ھیں ۔ لٹانے کا طریقہ بالکل کللتاونیا کی طرح ھے۔ پودا اپنی قسم کے لتحاظ سے چار سے بارہ انبج تک اونچا ھوتا ھے ' اس میں پھول بکثرت آتے ھیں۔ اس کی نیلی اور سابید قسمیں کیاریوں کے لئے بھی اچھی ھوتی ھیں۔



(۱۱۳) لونگ—اس پودے کا بیجے بویا بجاتا ہے ' پودہ نہیں لگائی جاسکتی ' کیونکہ اس کی جویں بہت نازک ہوتی ہیں ' اور ایک مرتبہ صدمہ پہلچ جانے کے بعد پھر نہیں لگتیں - بہت عرصہ ہوا جب ہم نے پرتابگوہ (اودہ) میں اپنے ایک رئیس دوست کے باغ میں دیکھا تھا - پودا کم و بیش چار فت اونچا تھا پتیوں کو مل کر سونگھنے یا چہانے سے لونگ کی خوشہو آتی ہے -

(۱۱۵) لیوپ نس – یہ پھول دو طرح کے ھوتے ھیں فصلی اور مستقل پھر ان میں سے ھر ایک کئی طرح کا ھوتا ھے - فصلی پودوں کے بیجے اسی جگہہ ہونے چاھیئں ' جہاں انہیں رکھنا ھو ۔ پودہ لگانے سے کامھابی بہت کم ھوتی ہے ۔ اسی طرح مستقل قسوں کے بھی بیجے بوئے جاتے ھیں ان کے پھول سفید ' نیلے ' پیلے ' اور حاشیہ دار وغیرہ ھوتے ھیں ۔



ليوپئس • شكك نوير 9 1

ايوپنس کي ايک قسم خوشبودار بهي هوتي هے -

هوتا هے ' اور اس کی کئی قسمیں پائی جاتی هیں ایک قسم کے پتے کسی قدر سرخ اور اس کی کئی قسمیں پائی جاتی هیں ایک قسم کے پتے کسی قدر سرخ اور بعض کی پتیاں بالکل سرخ هوتی هیں - اس کا بیج جون جولائی میں بویا جاتا هے ؛ اور اگر کسی جگہۃ پر دو چار پودے اکتھے لگا دیئے جائیں تو بہلے معلوم هوتے هیں ـ مرسا کی ایک اور قسم میں سبز پتوں دیئے جائیں تو بہلے معلوم هوتے هیں ـ مرسا کی ایک اور قسم میں جو کاروں پر سفیدی هوتی هے - ان کے عالوہ اور بھی کئی قسمیں هیں جو کاروں پر لگانے کے کام آسکتی هیں -

(۱۱۷) مرخ کیس۔اس پھول کی بہت سی قسمیں پائی جاتی میں اور ان میں سرخ ' پیلے ' گلفار ' سفید اور گلابی رنگوں کے پھول آتے میں ۔



مرخ کیس شک*ل* **نم**یر ۹۲

ان کے علاوہ ایک قسم اور بھی ہے جس کا پودا بعث کمل چہت انچ موتا ہے ' لیکن اس کا کیس بہت خربصورت نکلتا ہے - کمزور بالوهی مثلی میں کھاد دے کر گملوں میں لگا سکتے ھیں - اس کا بیج جون سے فرمبر تک بویا جانا ہے - اور پودہ بھی لگائی جاتی ہے - کیاریوں میں پودوں کے درمیان ایک فت کا فاصلہ رکھذا چاھئے -

جو نومبر و دسمبر میں بویا جاتا ہے - اس کی جر بھی لگائی جاتی ہے - جو نومبر و دسمبر میں بویا جاتا ہے - اس کی جر بھی لگائی جاتی ہے - پھول بہت دنوں تک آتا ہے - هاکی درست زمین میں پتی کی کهاد دے کو لگانے سے بہت اچھا هوتا هے پانی کی زیادتی اسے نقصان پہلچاتی ہے جر کی کلاتی ایس کی طرح حفاظت کرنا اور متی کو بھر بھرا رکھنا حاهئے -

(119) مگلونت - (شمیم) -- یه پوده هر جگه آسانی سے لگتا اور پهولتا هے - اس کا بهیج اکتوبر میں بویا جاتا هے ، اور پود نهیں لگائی جاتی - اگر پهول مرجهانے کے بعد کات دئیے جائیں تو ان کی جگه اور پهول مرجهانے کے بعد کات دئیے جائیں تو ان کی جگه اور پهول مکلیں گے۔ اس کے واسطے هلکی دوست زمین خاص طور سے اچهی هوتی هے مگر کهاد کی بہت ضرورت هوتی هے -



مگاوئت شکل نبیر ۹۳

پھول کٹی رنگ کے اور خوشبودار عوتے ھیں -

(۱۲۰) مولسري ایک بهت بوا گهنا اور سایه دار درخت هے ' جو باغوں میں اکثر خوشنمائی اور سائے کے الحے لکایا جانا هے - اس میں چهوتے چهوتے زردی مایل سفید پهول آتے هیں ' اور ان کی خوشبو نهایت اچهی هوتی هے - اس کا پهل سرخ رنگ کا هوتا هے - دور سے اس ککچهے بہت بهلے معلوم هوتے هیں چونکه پهل میتها هوتا هے اس لئے بعض لوگ آسے کهاتے بهی هیں - اس کا بہج برسات میں بویا جاتا هے -

(۱۱۱) مہندی۔۔ایک بڑا اور جھازدار پودا ہے ' جو بہت عرصہ تک رہتا ہے۔ باغوں کے کنارے تتی کے لئے اکثر مہندی لکائی جاتی ہے۔ پھولوں سے ھاکمی خوشبو بھی نکلتی ہے اور ان کا رنگ سبزی مائل سفید ھوتا ہے۔ پتیاں سرخی و زیبائش کے لئے پیس کر ھاتھہ پھر یا ناحونوں پر لکائی جاتی ھیں۔ برسات میں اس کا قلم آسانی سے لگ جاتا ہے۔

هوتی هیں۔ اس کے لئے هلکی زمین اچھی هوتی هے۔ اسے گوبر یا پتیوں کی کھی قسییں کھاد دی جاتی هیں۔ گئیوں کی کھیوں کھاد دی جاتی هیں ، اور گٹھیاں اکتربر میں لکائی جاتی هیں۔ گٹھیوں کو تین انبچ سے زیادہ گہرا نہ کاڑنا چاھئے۔ اس کی کاشت سوسن کی طرح هوتی هے۔

ارتجا درخت هے جو شروع کرمی اور جاڑے میں بہت خوشنما معلوم هوتا هے - جب اس پر سفید پورلوں کے گچھے کہلے عوتے هیں - پهولوں میں هلکی هلکی خوشبو بهی هوتی هے -

(۱۲۲) نسترشیم سید خوبصورت اور خوش رنگ پھول کاروں اور کھاریوں میں لکانے کے لئے بہت موزوں ھوتا ھے ' اور اس کے لئے کسی خاص احتیاط کی ضرورت نہیں ھوتی ھے ۔ صرف زمین کو اُچھی طرح کھان دینی چاھئے ۔ اس کا بیج اکتوبر میں بویا جاتا ھے ۔



نسآرشیم شکل نببر ۹۳

پہول دسمبر میں آنا شروع ہوتے ھیں اور اِگرمیوں تک آتے رہتے ھیں - اس کو پالے سے بہت جات نقصان پہنچتا ہے اس لئے اس موسم میں اس کی زمین کو کافی طور پر نمناک رکینا ضروری ہے اور اگر ممکن ہو تو پودوں کو ڈھانک کر سائے میں رکھنا چاھئے ۔ اس پودے کی کئی قسمیں ہوتی ھیں ' اور ان میں کئی طرح کے پھول آتے ھیں جو زرد ' سرخ ' و زردی مائل سرخ رنگ کے ہوتے ھیں -

(۱۲۵) وال فلاورسیة ایک عرصة نک رهنے والا پودا هے - لیکن هر سال تازة بینج اچها هوتا هے - اس کی دو قسمیں هیں - ایک میں پهول جلد آتے هیں ' دوسرے میں دیر میں پهول کئی طرح کے سرخ رنگ هوتے هیں اس کی کاشت استاک کی طرح کی جاتی هے -اس کام کے لئے اکتوبر کا مهیئة موزوں هوتا هے - دیر میں پهولنے والی قسمیں میدائی علاقے میں اچهی نهیں هوتیں لیکن جلد پهولئے والی قسمیں کامیابی سے بوئی جاسکتی هیں ' جن کے سنہرے و سرخ رنگ کے پهول بہت خوشنما هوتے هیں -

المانے کے لئے نہایت موزوں ہوتا ہے - پھول گلدستوں میں بہت بھلے معلوم ہوتے ہیں۔ اس کی بہت سی قسمیں ہیں ' جن میں سے بعض کے بینج لائلے جاتے ہیں اور بعض کے قلم - بینج اکتوبر میں بویا جاتا ہے - اور پھول مارچ تک آتے ہیں باغ کی چھوتی چھوتی گول بیشوی کیاریوں میں بہت خوشنما معلوم ہوتے ہیں - اگر نصف فت اونتچے ہونے تک دو مرتبه پودوں کی جگھ کو بدل دیا جائے تو پھول جلد آتے ہیں - اس بہت زیادہ نمی سے نقصان بہنچتا ہے - برسات کے زمانے میں یہ پودا زیادہ تر خشک ہوجاتا ہے - اور اس لئے ہر سال نیا بینج بونا پوتا ہے - اس کی زمین کر جننی بھی کھاد دی جائے کتھ ہم نہیں ہے : لیکن اس کا بھر بھرا رہنا ضروری ہے ۔ اس کی شاخوں سے جویں نکلتی ہیں - اور اگر ان رہنا ضروری ہے ۔ اس کی شاخوں سے جویں نکلتی ہیں - اور اگر ان کو کات کر لگا دیا جائے ' تو آسانی سے نیا پودا پیدا کیا جا سکتا ہے -



ررييه هکل ثبير ۹۵

وربینا کی ایک قسم کا پھول خوشبودار هوتا هے - اس کا بھی بیسج بویا جاتا هے -

(۱۲۷) والیکی مہندی ۔۔ یہ هندوستان کے هر حصے میں اچھی موتی ہے ۔ اس کا پھول سفید 'خوبصورت اور چھوٹا ھوتا ہے اور جازے میں پیلے کول جھوٹے پھل لکتے ھیں اور داباً لکایا جاتا ہے ۔

دس فیت اونچا ہوتا ہے۔ اس کے پھول چھوٹے اور خوشنما ہوتے دس فیت اونچا ہوتا ہے۔ اس کے پھول چھوٹے چھوٹے اور خوشنما ہوتے ہیں۔ پھول خوشبودار ہوتا ہے۔ پھول خود تو سفید ہوتا ہے مگر دندی کا رنگ شرخ ہوتا ہے جس سے رنگ بھی بناتے ہیں۔ ستمبر سے شروع نومبر تک رات میں پھول کھلتے ہیں ' اور صبح ہوتے گرجاتے ہیں۔ پھول آنے کے بعد شاخوں کو کات دینا چاہئے۔ اس کا بھیج برسات میں بویا جاتا ہے۔ ارد قلم بھی لگتا ہے۔ اس انگریزی میں Night bloming tree of ریعنی رات میں پھولنے والا ماتی درخت) کھتے ہیں۔ یہ نام اس کے رات میں پھولنے اور صبح تک پھول کے گرجانے کے لجاظ سے بہت موری ہے۔ پھول نہایت خوشبودار ہوتا ہے۔

اونچا ہوتا ہے اس کے آسمانی رنگ کے پہول بہت اچھے معلوم ہوتے میں فت اونچا ہوتا ہے اس کے آسمانی رنگ کے پہول بہت اچھے معلوم ہوتے میں علملوں میں لکایا جاتا ہے اس کی شاخیں بھی کاڑی جاتی ھیں اور بہج بھی لکائے جاتے ھیں -

(۱۳۰) هیلیو تروپ ـ یه ایک خوشبودار پهول هے ' اور اس کا پودا پهاروں پر کافی بڑا هوتا هے - چنانچه فرمنگر نے لکھا هے که اوتاکمنڈ کے ایک باغ میں هیلیوتروپ کا ایک پودا دس فیت اونچا اور ۳۰ فیت دور میں ایک گھنی جهاری کی وضع کا تھا -



ھىليو^تررپ ش*كل* ئىبر 91

لیکن میدانی علاقہ میں وہ بہت ہوا بہیں ہوتا ۔ کداروں پر اور کھلی کیاریوں میں لگانے کے لئے اچھا ہوتا ہے لیکن اکثر بارش میں پانی کی زیادتی سے مر جاتا ہے ۔ اس کا بیج بارش ختم ہونے کے بعد جتنی جلد ممکن ہو بونا چاہئے ۔ جب پودے چار انچ اُونچے ہوجائیں ' تو اُسے بوے گملوں میں بلا جورں کو چھیوے ہوئے بدل دینا چاہئے ۔ اس کا قلم بھی ہلکی بالوہی زمین میں لگایا جاتا ہے ۔ گرمی کے زمانے میں اسے پانی خوب اچھی طرح دینا چاہئے ۔ یہ ہلکی اور طاقتور زمین میں سے پانی خوب اچھی طرح دینا چاہئے ۔ یہ ہلکی اور طاقتور زمین میں جسمیں پتی کی کھاد خوب دبی گئی ہو اچھا رہتا ہے ۔ میں میں جسمیں پتی کی کھاد خوب دبی گئی ہو اچھا رہتا ہے ۔ میں اور کلیاں تور دینا چاہئے ' تاکہ پودا کافی میلیو قروپ کی نیچے کی پتیاں اور کلیاں تور دینا چاہئے ' تاکہ پودا کافی

(۱۳۱) یوکلپٹس —یہ ایک برا درخت ہے ' جس کے تئے اور شاخوں کا رنگ راکہہ کے رنگ کی طرح کا ہوتا ہے اور اپنی پٹیوں کی ایک خاص قسم کی خوشبو کے لئے مشہور ہے ' کہا جاتا ہے کہ یہ اُن مقامات کی آب و ہوا کے لئے بھی مفید ہوتا ہے جہاں جاڑا بخار زیادہ ہوتا ہے ؛ اور اسی خیال سے اس کی اکثر قسمیں ہندوستان میں آسٹریلیا سے لائی گئیں میں - یوکےلپٹس کا تنا بالکل سیدھا اور خوبصورت ہوتا ہے جس کی وجہ سے وہ باغوں میں خوبصورتی کے لئے خصوصاً سرکوں کے کنارے پر لکایا جاتا ہے -

حصد سوم بھل اور میوے

پھل اور میومے

سرسیب سپیرل کے نر اور مادہ حصوں کے باہمی میل سے پہل پیدا ہوتا ہے ' اور اپنے پہول کے خاندان کی مناسبت کے علاوہ مختلف اصولوں بر بہت سی قسموں میں تقسیم کیا جاتا ہے ' ان میں سے ایک تقسیم سختی اور نرمی کی بنیاد پر قائم کی جا سکتی ہے یعنی پہل یا تو گودا دار ہوگا یا سخت ، پہر ان درنوں کی اور زیادہ قسمیں کی جاسکتی ہیں اور اُن کا عام پہلوں کے باغوں میں درختوں کو مرتب رکھنے کے لئے کار آمد ہوسکتا ہے ۔ لیکن ہم نے آسانی کے خیال سے حروف تہجی کے حساب سے ترتیب دیا ہے اور ضمیمے میں پھولوں کی بنیاد پر تقسیم کیا ہے ۔

هندوستان میں اس وقت تک عمدہ قسم کے پہلوں کی کاشت کی کوئی باقاعدہ کوشص ایسی اور اننی نہیں ہوئی ' جتنی ہونی چاہئے تھی اور نہ پہلوں کے لئانے میں عام طور پر کسی خاص اصول یا طریقے کی پابندی کی جاتی ہے ۔ زیادہ سے زیادہ اتنا کیا جاتا ہے کہ باغوں میں پہلوں کے تختے لئائے جاتے ہیں ' اور ہر تختے میں صوف ایک قسم کا درخت لئایا جاتا ہے ۔ اس میں شک نہیں کہ یہ ایک اصول پر مبنی ہے ' لیکن اس سے بھی انکار نہیں ہوسکتا کہ اگر پہلوں کے باغ زیادہ ہوشیاری سے اور اچھی طرح لئائے جائیں ' تو وہ مالک باغ کی آمدنی کا خصوصاً بوے شہروں کے قریب ایک بہت بوا فریعہ ہو سکتے ہیں ۔

پہلوں کے باغ لگانے کے لئے یہ زیادہ مناسب ھے کہ اُن پہلوں کی بہترین قسیس لگائی جائیں جو اُس زمین و آب و هوا میں اچھے هوتے هیں

جهاں باغ واقع هے اور اس حصه ملک میں زیادہ پسند کئے جاتے هیں -لیکن اسی پر بس نہونا چاهئے بلکہ مناسب وقت سے ایسی چیزوں کو بھی باغ میں جگهہ دینے اور اُن پر تخوبہ کرنے کی سخت ضرورت هے جو کمیاب هیں - ان میں سے بعض چیزیں آئے بیان کی گئی هیں: ۔۔۔'

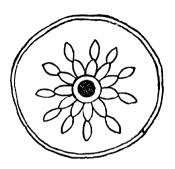
(۱) اخررت (۱) دیسی – یه ایک اوسط درجهه کا هدورستانی درخت هی جس کے پتے گوشه دار اور لمدے هوتے هیں - سارچ مهں اس میں سفید پھول آتا هے ، اور آخیر جولائی میں پھل تیار هوتا هے پھل کے اوپر سخت چھلکا هوتا هے - اس کا مزة ولایتی اخررت سے اچھا نہیں هوتا - پھل آنے کے بعد ایک مرتبه پھر پھول نکلتا هے ، لیکن اس مرتبه پھل نہیں آتا هے - کو بعد ایک مرتبه پھل کو بوکر دیسی اخروت تیار کیا جاسکتا هے ، جو ایک مهیاے سے زاید میں جمتا هے - گرمی میں اسے کثرت سے پانی دینا ضروری هوتا هے - دیسی اخروت میدانی علاقوں میں کامیاب نہیں ہوتا ، البته هوتا هے - دیسی اچھا هوتا هے -

(ب) والائتی المیدانی علاقوں میں اُس کا درخت کبھی کامیاب نہیں ہوا ' لیکن پہاڑی علاقوں میں تجربہ کرنے کی گنجائی اب بھی باقی ہے - شمالی هلدوستان کے بعض باغوں میں اسکا درخت خوب پہیلتا ہوا پایا گیا ہے - لیکن والائتی اخروق کے برابر مزے دار نہیں ہوتا - بیمج بوکر درخت تیار کیا جاسکتا ہے - گرمی کے موسم میں بہت جلد جلد بانی دینا چاہئے -



اخروت شکل ندیر ۹۷

(۱) استار ایپل - یه ایک دوخت هے جو بیس سے پنجاس فیت تک اونچا هوتا هے اس کا اصلی وطن ویست انڈیز هے - اس کی پتیال خوشنما اور نینچے کی طرف سنہری چمکدار هوتی هیں - پهل زیادہ تر گول اور قطر میں تیں چار انبج هرتا هے اس کو کاف کر دیکھنے پر بینج پهل کے اندر ستارے کی طرح جرمے معلوم هوتے هیں اور بظاهر اسی لئے اس کو استار ایپل کہتے هیں



استّار ایپل کے اندر بیچ کی شکل شکل نبیر ۹۸

یه سپاتو کی قسم کا درخت هے الیکن اُس سے زیادہ نازک هوتا هے - پالے کا اثر بہت جلد قبول کرتا هے - قریب قریب هو قسم کی زمین میں لگ سکتا هے - زیادہ اُر اس کا بیج بویا جاتا هے امکر قام بھی لگ سکتا هے - پھول کے گنچهے سرخ سرخ هوتے هیں - بہت پرانی یاد داشتوں سے پته چلتا هے که کلکته بوتانیکل گارتن میں اس کا درخت تھا - مگر فرمنگر نے لکھا هے که جو درخت اس نام سے کلکته میں هے وہ در اصل کوئی اور چیز هے کیونکه اس کا پھل چھوتا هوگیا هے اس سے زیادہ اس لذین پھل کے متعلق حالات دریافت کرنے میں کامیابی نہیں ہوئی -

٣ استابری اس کا اصلي وطن برطانية هـ ، گو يورپ کے اور بهي بعض حصوں ميں پايا جاتا هـ - يه طاقتور دوست زمين ميں اچهي هوتي هـ - زمين کا نكاس تهيک هونا ضروری هـ - گوبر کي کهاد ، راکه اور کچهه چونا دالذا مفيد هـ - هدى کا چورا بهي مفيد هوتا هـ - اس کي بهت سي قسميں هيں - ايک قسم کا درخت چهوتا اور اس کا

پھل سرخ رنگ کا ھوتا ھے - اس کی عمدہ قسموں کے رواج دیئے کی بہت گنجائش - ھے ھندوستان کے قریب قریب ھر حصے میں کم و بیھی پیدا ھوتا ھے - ھمارے صوبے میں میرٹھہ سہارن پور اور لکھنؤ میں اس کی اچھی طرح کاشت ھوتی ھے - ایک مرتبہ کا لگایا ھوا پودا کئی سال تک زندہ رعتا ھے - لیکن پھل پہلے سال ھی اچھے ھوتے ھیں - اکتوبر کے زمانے میں پودے لگائے جاتے ھیں ' اور درخت کی نسل جورے لگا کر بوھائی حیاتے ھیں ۔

اس کے جورے لٹانے کا طریقہ یہ ھے کہ برسات ختم ہونے پر ہر طرف سے ایک ایک فت کے فاصلے سے تطاروں میں آٹھہ نو انچ چورے اور اسی قدر گہرے گوھے کھود کر گوبر اور پتیوں کی کھاد بھردیں اور قطاروں کے درمیاں پانی دورتے کے لئے۔ زمین کسی قدر نینچی کر دیں ۔ ھر گوھے میں ایک پودا لٹا کر خوب پانی دیں ' اور پھر حسب ضوروت پانی دیتے رقعیں جب درخت جو پکو لیکا تو اُس میں سے ایسی شاخیں پہوٹیں گی ' جن سے زمین چھو جانے پر جویں نکل آئیں گی ۔ اُن کو کات دینا اچھا ھوتا ھے ۔ فروری تک درخت بوا ھو جائے گا ۔ اور پھول آنے شروع ھو جائیں گے ۔ پھل آنے اور درخت بوھلے کے زمانے میں پانی کا بہت خیال رکھنا چاھئے ۔ اس کی کسی بہت مضر ھوتی ھے ۔ اسی کا بہت خیال رکھنا چاھئے ۔ اس کی کسی بہت مضر ھوتی ھے ۔ اسی طرح گرمی کے موسم میں جلد جلد پانی دینتے رھنا چاھئے ' ورنه پودے کے مرجانے کا اندیشہ ھے ۔ درخت پر اگر پھل زیادہ دیر تک رھنے دئے جائیں تو بہت اچھے ھوجاتے ھیں ۔ لیکن درخت سے توتنے کے بعد جائیں تو بہت اچھے ھوجاتے ھیں ۔ لیکن درخت سے توتنے کے بعد جلد خراب ھوجاتے ھیں ۔ لیکن درخت سے توتنے کے بعد

زمین کو گھاسوں سے صاف رکھنا ضروری اھے - ورنہ پھلوں پر کیوے کا بہت جلد حملہ ھو جائے کا بہتر یہ ھے کہ متی کی رکابیاں دو تکوے

کر کے اس طرح بنوائی جائیں کہ ان کے بیجے میں ایک کٹاو اس انداز سے هو کہ تموں کو ملا کر رکھیں ' تو استابری کا تلا اُس سے نکل آوے اُن تشتریوں کو درخت کے نہجے لگانے پر پہل محفوظ رہتا ہے ۔ یہ وکابیاں اگر اٹھا کر رکہہ دی جائیں گی تو درسرے سال پھل آنے پار کام دیے سکتی هیں ۔ اس پھل کو انگریز بہت پسند کرتے هیں ' اور مختلف طریقوں سے استعمال کرتے هیں ۔ پھل کے چھلکے پر شہاوت کی طرح دانے سے ابرے هوتے هیں ' اور اندر رس دار پھل هوتا ہے ۔ اگر جورے نہ ملیں تو بھجے ہو کر پود لگاسکتے هیں ۔

بونے کا جو طریقہ گڑھے بنا کر ہم نے اوپر بیان کیا ہے ' اس سے اچھا ' یہ ہے کہ زمین پر اسی گہرائی کی نالیاں بنا کر 'کھاد بھریں ' اور ان میں ایک ایک فت کے فاصلے سے پودے لگائیں ۔ اس طرح سینچائی کرنے میں آسانی ہوگی لیکن یہ بہت ضروری ہے کہ استابری کے قطعے کے چاروں طرف ایسی نالی بنا دی جائے کہ برسات کے زمانے میں پانی نہ بھرے ' بلکہ ان نالیوں سے ہوکر فوراً نکل جائے ورنہ برسات میں پانی بھرنے سے فصل کو نقصان پہنچنے کا اندیشہ رہتا ہے ۔

(٣) آه پهل ـــ يه ايک هندوستانی درخت هـ جو جون مه به بهلتا هـ - اس مه انگور کی طرح گچهـ لگتـ ههن - اس کا گودا لهچی کی طرح کا اور کسی قدر میتها هوتا هـ - کاشت بالکل لهچی کی طرح هوتی هـ -

(٥) آکی۔۔یہ ایک بڑا درخت ہے ' جس کا وطن مغربی افریکہ ہے ۔ الچھی زمین میں تیس چالیس فت تک اونچا ہوتا ہے ۔ اس کا کچا پہل کھانے سے قے ہو جاتی ہے ' لیکن پکے تازہ پہل اچھے ہوتے ہیں ۔ جو

پھل زیادہ پک کر خراب ھونے لگے ھیں ' وہ بھی کھانے کے کام کے نہیں ھوتے ۔ پھل لیمو کے برابر ھوتا ھے ۔ بہ قول فرمنگر کے یہاں لوگ کم کھاتے ھیں ۔



آکی ش*کل* ثبپرو و

ولسن پوپینیو نے لکھا ھے کہ مکھن میں تل کریا مچھلی میں پوپینیو نے لکھا ھے کہ مکھن میں تل کریا مچھلی میں پکا کر کھانے میں لذیذ ہوتا ھے ۔ اس سے یہ نتیجہ نکلتا ھے کہ اسے بجائے پھل کے ترکاری کہنا مناسب ہوگا ۔ چنانچہ لیونارڈ نے بھی لکھا ھے کہ یہ ایک لذیذ ترکاری ہے ؛ جو کبھی کچی بھی کھائی جاتی ھے ؛ لیکس زیادہ تر مکھن میں تل کر استعمال ہوتی ھے ۔ پھل ستمجر ' اکتوبر میں آتا ھے ، اور بھج بوکر یا گوئی لکا کر درخت تیار کر سکتے ہیں ۔

(۱) آلو بخارا۔خشک آلو بخارا ایک دوا کی حیثیت سے زیادہ مشہور ہے ۔ یہ ایک لذیذ پھل ہے اس کے تازہ پھلوں سے ایک عمدہ قسم کا مربہ بھی تیار ہوتا ہے اس خاندان کے پھلوں میں سب سے زیادہ کامیابی اسی کی کاشت میں ہوئی ہے ۔ سہارنپور کو آلو بخارا کے لئے خاص شہرت حاصل ہوگئی ہے ' اور وہیں سے اس کے درخت خریدے جاسکتے ہیں ۔ پنجاب کے باغوں میں بھی ددرت سے پھلتا ہے ۔ اس کی کاشت شفتالو کی طرح ہوتی ہے۔

(۷) آلوچه—یه بهی شفتالو کے خاندان کا پهل هے ارر اُس کی کاشت بهی بالکل اُسی کی طرح هونی هے - لیکن به خلاف شفتالو کے آلوچه میدانی علاقوں میں زیادہ کامیاب پایا گیا هے - سہارنپور میں خاص کر کافی کامیابی هوئی هے ' جہال کے پکے پهل بہت عمدہ هوتے هیں - اور یورپ کے بہترین الوچوں سے کسی طرح کم نہیں هوتے - مرب اور چگنی کے لئے بہت عمدہ چهز هے - یه پهل عام طور سے گول شفتالو کے برابر هونا هے - اس کی کئی قسمیں هیں بڑا آلوچه زردی مائل سرخ هونا هے - چهوئے آلوچے میں وہ قسمی هیں بڑا آلوچه زردی مائل سرخ هونا هے - چهوئے آلوچے میں وہ قسم ' جس کا رنگ سیاہ هونا هے ' زیادہ خوش ذائقه هونی هے اگر احتیاط کے ساتھه اس کی کاشت کی جائے اور پرداخت میں بهی محصنت سے کام لیا جائے تو اس کی پیداوار میں بہت کچهه ترقی هوسکتی هے - اس کی کاشت بینج سے اور پیوند اور چشمه لگاکر هر طرح هوسکتی هے - مگر ان سب میں پہت زیادہ کامیابی کی میں پہت زیادہ کامیابی کی آمید هوتی هے -

(۸) آم ۔۔ یہ هندوستان کا بے نظیر میوہ ہے ؛ اور بلا شبہ اس قابل ہے کہ اسے دنیا کے بہترین پہلوں میں شمار کیا جائے ۔ اس کی کاشت

هندوستان میں کم از کم چار هزار برس سے هوتی هے - صوبۂ متحدہ کے میدائی علاقے میں بہت کثرت سے پیدا هوتا هے - سوا اُوسر زمین کے قریب قریب هر زمین میں سب سے اچها قریب هر زمین میں سب سے اچها هوتا هے ـ معمولی طور پر آم تخمی اور قلمی (یا پیرندی) هوتا هے - تخمی درخت بہت قدآور هوتا هے ، جیسا که دیہائوں کے باغوں میں عام طور سے دیکھا جاتا هے ، قلمی درخت چهوتا رہ جاتا هے ، لیکن پهل بہت عمده هوتا هے - اگرچة ، پودا تخمی درخت سے نازک و کمزور بھی هوتا هے ، لیکن قلمی درخت جلد پهل دیتا هے -

قلمي آموں كى يے شمار قسميں هيں ان ميں سے سفيدا 'للكوا ' مالدة ' بمبئى ' شاة پسند ' طوطا پري ' انتاس ' الفانسو ' روشن طباق ' شمر بہشت ' زرد آلو ' فحري ، مرهن بهوگ ' آمن ' سرخا ' سنگترا ' وغيرة بہت مشہور هيں - بعض قسميٰں ايسیٰ بهي هيں جو سال كے زيادة حصوں ميں پهلتي رهتی هيں ' اور بارة ماسی كهلاتی هيں - آم ميں فروری ميں پهرل آتا هے ' اور پهل وسط مئی سے پكنا شروع هوجاتے هيں هر قسم عيں پهرل آتا هے ' اور پهل وسط مئی سے پكنا شروع هوجاتے هيں هر قسم كے درخت كي كتهلى برسات ميں بوئي جاسكتی هے -

تنظمی آم لگانے کا طریقہ یہ ہے کہ شروع برسات میں عمدہ قسم کی گھھلیاں حاصل کرکے ایک کیاری میں معمولی گورائی اور کھاد دیکر اونہیں ایک ایک فت کے فاصلے پر بودیں - جب پردا نکلتا ہے تو اس کی پتیاں سیاھی مائل سرخ ہوتی ہیں - یہ پتیاں رفتہ رفتہ سبز ہوجاتی ہیں - پتیوں نے سبز ہونے سے پہلے ہی پودوں کو آکھار کر اُسی قدر فاصلے پر دوسری کیاری میں لگادیں ' اُسمیں اُس وقت تک رہنے دیں - جب تک کہ پتیاں سبز ہوجائیں ' اور پودا کچھھ بڑا ہوجائے ' تو باغ میں مناسب فاصلے پر لگاویں ' اور حسب

ضرورت پانی دیں اور نگرانی کریں - دو تین مرتبع جگهه بدلاء سے پودا زیادہ تندرست هوتا هے - تخسی آموں کے درخت سالها سال رهتے هیں ا اور پهل ديائے رهاتے هيں - ليکن قلمي يا پيوندي درختوں کو پرداخت اور احتماط کی زیادہ ضرورت ہوتی ہے ۔ اگر اس میں کہی ہوتی ہے ، تو نعینجة اکثر مایوسی هوتا هے - درخت للانے کے بعد اس پر کسی چیز سے سایه کرنا اور حسب ضرورت پانی دینا چاهئے۔ پودا لگانے کے بعد فوراً خوب پانی بهر دینا ضروری هے - آم کی ایک قسم بیل دار بھی هوتی هے ، جسے تقیوں پر چڑھانا اچھا ھوتا ھے - سردی کے زمانے میں اور خاص کر جب چالے کا اندیشة هوتا هے ، درختوں پر سایة رکهنا اور زمین کو کافی نم رکھنا بہت مفید ہے ، کیونکہ اس ترکھب سے درخت پالے کے اثر سے محفوظ رهمًا هے - جس كا أس ير جلد اثر هوتا أور درخت خشك، هوجاتا هے -دوسرے درختوں کی طرح آم کی جُرِ کو نومبر میں ہوا اور دسمبر میں کھاد دے کر نئی متی بھر دینا چاہئے۔ ستمبر کے آخیر میں فی درخت چار پانچ سیر نمک دینا بهت مفید هوتا هے - لیکن یه ترکیب صرف مرطوب مقامات کے لئے اچھی ہے - خشک آب و هوا میں اس سے کوئی خاص ننع نہیں ھوتا - جب پودا اچھی طرح بڑا ھوجائے تو برسات کے آخر سے پھول آنے کے زمانے تک پانی دینے کی ضرورت نہیں ھوتی - لیکن پیل آجانے پر پانی دینا هوگا - پهلوں کے بوهنے کے زمانے میں هر دوسرے هفتے پانی دینا چاهد لیکن پکنے کے زمانے میں بھر پانی روک دیا جاسمتا ہے۔ اوریل کے مہینے میں پانی کے سانھہ کھاد دینا اچھا هوتا هے - جس پردے پر قلم باندهنا هو ، اس کا کسی خاص قسم سے هونا ضروری نهیں هے - هر تلدرست پودا یه کام دے سکتا هے ـ پھول آنے کے زمانے میں بادل اور بارش سے فصل کو بہت نقصان پہنچتا ہے ۔ جس سال آم میں نئی پتیاں نکلتی ھیں تو آم نہیں

آتا - اور هسارا خیال هے که جس درخت کے آم کنچے توت جایا کرتے هیں اور درخت پر کم پکتے هیں وہ برابر پهل دیتا رهتا هے 'کیونکه درخت کی قوت اس طرح مصفوظ رهتی هے -

* هددوستان کے لئے آم بوی نعمت ہے کیونکہ یہ هر حالت میں کام آتا ہے : یہاں تک که درخت کی لکوی سے آم کی گھلی اور پنی تک کام دینی ہے - اکثر قلمی آم پانچ برس سے پہلے هی پھولئے لگتا ہے - اس وقت پھول کو توز دینا چاهئے ، اور پانچ برس پر بھی پہلے سال جہاں تک هو سکے ، درختوں پر کم پھلوں کو پکئے دینا چاهئے - عمر سے پہلے پھلئے پھولئے پر درخت کمزور هو جاتا ہے - اس درخت کی کاشت پر اس قدر کام هو گیا ہے - که سب کو پکھا کرنے کے لئے ایک الگ کتاب کی ضرورت هوئی - هم سر دست اسی مختصر بیان پر ختم کرتے هیں -

(9) امرود - آس کا اصلی وطن جنوبی امریکة ہے - لیکن همیں اُن لوگوں کی رائے سے انفاق ہے - جو اس کو هندی الاصل بتاتے هیں - اس کا درخت کم و بیش پندوہ بیس فت اونچا هوتا ہے - پهل کے رنگ اور قد کے لتحاظ سے اُس کی متعدد قسمیں بیان کی جاتی هیں - جن میں سے سرخ اور اودے امرودوں کے علاوہ استرا بری اور پیراگوا زیادہ مشہور هیں - اس صوبے میں القآباد کے امرود بہت مشہور هیں - اور نہایت عمدہ هوتے هیں - عمدہ قسم کے امرود طبی فوائد کے لتحاظ سے بھی نہایت مفید هوتے هیں - اس میں پهرل گرمی کے موسم میں آنے لگتے هیں - برسات سے پهل آنا میں پهرل گرمی کے موسم میں آنے لگتے هیں - برسات سے پهل آنا شروع هوتا ہے تو جازے کے آخیر تک اُترتا رہتا ہے - بہج برسات میں گملوں میں بونے کے بعد زمین میں اس وقت بتهانے چاهئیں جب

ان کی پود لگانے کے قابل هوجائیں - لیکن یہ ضروری نہیں ہے کہ عبدہ قسم کے بیم سے اچھے هی پھل پیدا هوں - اچھے پھل حاصل کرنے کے لئے پیوند لگانے میں زیادہ کامیابی هوتی ہے - پودے سوله سترہ فت کے فاصلے پر گوهوں میں کھاد بھر کر الگائے جاتے شیں - آمرود کی عمر بیس سے چالیس برس تک ہے لیکن تقریباً بیس برس بعد پھل خرنب اترنے لگتے هیں -

باغات بھوپھال کے مہتم کا بیان ہے کہ درخت آخر مھی کم اور چھوٹا پھل دیتے ھیں۔ اس کا مجھے خود بھی تجربہ ہوا ہے اور میں نے دیکھا ہے کہ اگر پرانے درختوں کو زمین سے تین فت کی بلندی پر سے قلم کر دیں تو ان میں نئی شاخیں پیدا ہوکر اچھے پھل آتے ھیں ۔ علاوہ اس کے اگر امرود کے پرانے درختوں کے چاروں طرف کی مثلی کو تین فت گہرا کھود کر اور ان کی باریک باریک عروں کے جائے کو کات کر پھینک دیں ' اور اُس گڑھے میں ھاتھی کی لید کی کھاد اور ہتیاں ملائیں تو پھل بڑا اور درخت بھی زیادہ بارآور ہو جاتا ہے۔ پھول آنے کے زمانے میں سالانہ تھوڑی سی کھاد دیانا اور گرمیوں کے موسم میں سینچائی کرنا منید ہوتا ہے۔ گرمی میں سینچائی کرنا منید ہوتا ہے۔ گرمی میں امرود کی کاشت یکساں ہے۔

(۱۰) امرول ۔۔۔ یہ جزیرہ ملاکا کا ایک درخت ہے ' جس کا پھل بہت چھوڈے سیب کے برابر اور رنگ میں سنیدی مائل سیددوریا ہوتا ہے ۔ درخت بہت خوبصورت ہوتا ہے ' اور پتیاں گہرے سبز رنگ کی ہوتی ہیں ' جازے کے شروع میں خوبصورت سرخ پھول آتے ہیں ' اور آخیر برسات تک پھل پکتے ہیں ' جو اکثر کھائے بھی جاتے ہیں ۔

لیکن زیادہ تر خوشنمائی کے لئے لگایا جاتا ھے - برسات میں بھیج بوکر درخت تیار کر سکتے ھیں -

(۱۲) انار انار انار کا درخت همارے صوبۂ متحدہ کے قریب قریب هر حصے میں هوسکتا هے بازاروں میں جو انار آتے هیں ان میں ایک قسم کابلی انار کی هوتی هے 'جو معمرای اناروں سے زیادہ میتیا اور اچیا هوتا هے - دانے کے رنگ کے لحاظ سے زیادہ تو دو تسمیل ہوتی هیں 'جی میں سے ایک کا رنگ سفیدی ماڈل هاکا گلابی هوتا هے اور دوسوا بہت شرح رنگ کا سرح هوتا هے - لیکن اسمیلی عموماً کچیم ترشی ہوتی ہے - میتی کا سرح ہوتا ہے - لیکن اسمیلی عموماً کچیم ترشی ہوتی ہے - میتی قسم کو 'نبے دائنہ'' کہتے هیں - عارہ اس کے فرمنگر نے ترکی 'مخربی اور شامی اناروں کی قسمیل بیان کی هیں 'جو دیسی اناروں سے مغربی اور شامی اناروں کی قسمیل بیان کی هیں 'جو دیسی اناروں سے اچھی هوتی هیں - عموماً دیسی انار کی کاشت پر کم توجہ کی جاتی ہے ' ورنہ اچیا نتیجہ حاصل ہونا ممکن ہے - پہل کے علاوہ اس درخت کے پہاری اس قدر خرهی رنگ ہوتے هیں کہ اُن کو باغ میں ضرور جگہ دینی

چاھئے۔ اکثر زنانہ کپڑے رنگنے کے لئے ھندوستانی رنگوں میں ایک رنگ بھی اُس قسم کا استعمال ہوتا ہے ' جسے گلنار کہتے ھیں اس سے اُس کی ھردلعزیزی کا پتھ چلتا ہے۔

اناو ہو قسم کی زمین میں ہوتا ہے ' بشرطیکہ کہ اُس کا نکس ، درست هو - فروری کے مہینے میں درخت بیسے اور قلم اور دانے سے تھار کیا جاسکتا ہے - تخمی درختوں پر عمدہ قسموں کے قلم لکاکر اچھے انار پیدا کئے جاسکتے ھیں - یہ طریقہ بہت کامیاب ثابت ہوا ہے کہ جب تخمی درخت دو ایک سال کا هو جائے ، تو پیوند لکایا جائے - گھوڑے اور ھاتھی کی ل**ی**د کی کھاد اس کے لگے۔ بہت مفید بتائی جاتی <u>ھے</u>۔ ہر سال ؑ پھل آنے کے زمانے میں کھاد ملائر خوب گوڑائی کرنا اور اُس پر سیلچائی کرتے رهنا چاهئے - پرانی شاخوں کو همیشه احتیاط کے ساته چهانت دیدے سے پہلوں پر مفید اثر هوتا هے - يمل هميشه نگی شانے ميں آتا هے · اور جب شام ایک مرتبه پهل دے چکتی هے تو ولا کات دی جانی هے -وارة نے اپنی کتاب ''هندوستانی باغبانی' میں لکھا ہے کہ انار کا درخت لکاتے وقت گڑھے میں اگر ہدی کی کہاں اور چونا دے دیا جائے تو اچھے پھل پیدا کرنے میں اس سے بہت مدد ملتی ھے - انار ھر قسم کی زمین میں 'حتی که هاکی دومت اور مرطوب زمینوں میں بھی لگ سکتا هے 'اور ظاهر هے که کاشت میں جتنی احتیاط کی جائے گی اُتنا هی اچها نتيجه حاصل هوكا ـ

(۱۳) انجیر-اس پهل کی عام طور پر دو قسمیں پائی جانی هیں ' جن میں سے ایک کابلی اور دوسری هندوستانی هے - هندی انجیر کے پهل اچهے نہیں هوتے - لیکن کابلی انجیر کا پهل اچها هوتا هے - ان میں سے ایک سنیدی مائل بهورا اور دوسرا سیاہ هوتا هے - بعض پهاتی

مقامات کے هندی انجیر بھی اچھے هوتے هیں - لیکن یہ میدانی علانوں میں نہیں بھولتے پھلتے - انجیر کی اور بھی قسمیں هندوستان کے بعض حصوں میں هوتی هیں - ان میں سے بعض ' جو زیادہ تر باهر کے ملکوں سے آئی هیں ابھی حال هی میں رائبج هوئی هیں ' اور اچھی بھی هوتی هیں جازے میں اس درخت کے پتے بالکل گر جاتے هیں ' اور شروع گرمی میں نئے پتے اور پھل ساتھہ ساتھہ نکلتے هیں - پنے گر جانے میں انگوٹھے کے برابر موتی شاخوں کو تراشنا بعض لوگ منید خیال کرتے هیں - لیکن اس میں شک نہیں کہ پھل آنے کے زمانے میں درخت کو خوب پانی دینا میں هوتا ہے - کھاد میں چونا ملاکر دینے سے پھل کثرت سے پیدا هوتا میے - بھاد میں چونا ملاکر دینے سے پھل کثرت سے پیدا هوتا هے - بھاد میں چونا ملاکر دینے سے پھل کثرت سے پیدا هوتا هے - بیڈنکٹن نے لکھا هے کہ جن درختوں کی پتیاں نیلی اور گھری سبخ



' (نجیر شکل نبیر ۱۰۰

سبز هوتی هیں ' اُن میں پہل بھی کم آتا ہے - انجیر هر قسم کی زمین میں هوسکتا ہے ' مگر دومت زمین میں زیادہ اچھا هوتا ہے فرمنگر کا بیان ہے کہ احاطوں میں انجیر خوب هوتا ہے ' جھاں وہ هوا کے جھونکے سے محفوظ رهتا ہے - تیز سردی اور پالے سے بچانے کے لئے پھلوں پر غلان چوهانا منید هوتا ہے - اگر درخت کی جورں کو زیادہ نہ پھیلنے دیا جائے تو پھل کثرت سے پیدا هوتا ہے - جورں کو محدود رقبے میں رکھنے کے لئے درخت بوے گملوں میں لگانا یا اس کے چاروں طرف کسی تدر گھرائی تک اینت سے حلقہ باندہ دینا منید هوتا ہے - درخت قلم سے تھرائی تک اینت سے حلقہ باندہ دینا منید هوتا ہے - درخت قلم سے تھار گئے جاتے هیں جو کسی سایہ دار جگہہ میں گڑ کر کافی سینچائی

(۱۳) انگور—انگور آن پھلور میں ہے ' جس کی بہت نگرانی اور داشت کرنی پرتی ہے - لیکن با وجود اس کے انگور کی کاشت نے بہت ترانی کی ہے - چذانچہ اب هندوستانی قسم کے انگور کسی دوسرے ملک کے انگوررس سے کسی طرح کم نہیں ہوتے - کشمیری انگور بہت اچھے ہوتے ہیں - انگور کی بہت سی قسمیں ہیں - چذانچہ ہم نے سہارن پور بوتینکل گارتن سے تین قسمیں جن کو وہ لوگ کشمشی ' منتی اور حسیدی کہتے ہیں منگا کر کامھابی سے پیدا کی ہیں - ان کے پہل راقعی لذیذ ہوتے ہیں - دکن میں ایک سیاھی مایل انگور ہوتا ہے ' وب به نسبت مغربی انگوروں کے زیادہ پسند کیا جاتا ہے - " بے دانہ ' اور " مسقط ' نام کے انگور بھی اچھے ہوتے ہیں - دانہ نام کے انگور بھی اچھے ہوتے ہیں - دانہ ان قسموں کے بہت سی والٹھی قسمیں بھی ہیں - ' جن کی کاشت ہدوستان میں بہت سی والٹھی قسمیں بھی ہیں - ' جن کی کاشت ہدوستان میں نہرت سی والٹھی قسمیں بھی ہیں - ' جن کی کاشت ہدوستان میں نہرت ہوتی ہے یہ سہارے کی بہت

پر اس طرح بغائے جاتے ھیں کہ کہمبوں کے درمیان چوڑائی میں دس بارہ فت اور لمبائی میں سات آتھہ فت فاصلہ ھوتا ھے - کہمیے کم و بیھی سات فت اونچے اور زیادہ سے زیادہ دیوہ فت یا پغدرہ انچ موقے ھوتے ھیں - کہبسوں کے بغانے میں یہ خیال رکھنا چاھئے کہ ان کا رخ اتر دکھی ھو - کہمبوں پر بانس کی جعفری لگائی جاتی ھے ' اور روکنے کے لئے کہمیے پر آمنے سامنے کویاں رکھہ کر وزن سنبھالنے کے لئے لکوی کے ستون لگا دیاتے ھیں - اس طرح اس کی شکل ایک دوھرے چہور کی سی ھوجاتی ھے - یہ تتیاں جن پر بیل چوھائی جاتی ھے ' بطور خود باغ کی خوشنمائی کو بہت بوھا دیاتی ھیں - کیمبوں کے درمیاں میں ایک درخت لگایا جاتا ھے ' اور بیل تاتی پر چوھائی جاتی ھے جو پہیل کر سب گہیر لیتی ھے *

مارچ میں انگور کے خوشے نکل آتے هیں پہل لینے کے بعد ان کو انکھیں چھوڑ کر کات تھینا چاهئے ۔ آنکھوں سے نئے خرشے نکلیں گے۔ جب یہ پہل دے چکیں ' تو انہیں بھی مناسب وقت سے چھانت دینا ضروری هے ۔ اسی طرح تھیک وقت سے شاخوں کو چیانٹنے رهنا چاهئے ۔ اگر شاخیں احتیاط سے نه کائی جائیں گی تو هر آنکهہ سے ایک کویل نکلے گی اور هر ایک کوپل میں انگور کے خوشے لگیں گے ' اور پہل بہت آئیں گے ۔ لیکن نه صوف یه که پھل خراب هن گے بلکه درخت بھی جلد کمؤور هو جائے گا ۔ برسات ختم هونے پر جوڑں سے مائی نکال کر کم از کم ایک ماہ تک انگور کو هوا دینی چاهئے ۔ اس زمانے میں اس کی پتیاں گر جائیں تو شاخوں کو تراش کی پتیاں گر جائیں تو شاخوں کو تراش دینا چاهئے فروری میں جب نئی شاخیں پھوٹنے لگیں تو درختوں کو خوادینا چھی سری هوئی کھاد

دى جاسكتى هے محچهلى 'خون اور هدّى كى كهاد انگرو كے لئے بہت مقيد پائى كئى هے -

فرمنگر نے انگور میں کھاد دینے کا یہ طریقہ بتایا هے کہ ایک گہرا گوها کهود کر خوب تازه گوبر بهر دو - پهر ایک برتن میں کچهه سرسون کے کھلی پانی میں پکا کر حل کرو اور اسی کے برابر شہرہ اور تھرزا سا چونا ملا کر گربر کے گوھے میں ڈال کر خوب چلاو یہاں تک کہ سب ایک ذات هو جائے - اس سب کو تازہ متی سے ڈھک دو ۔ یہ سب کچھہ گڑھے میں کم و بیش ایک ماہ بند پڑا رھے ' اور صرف کبھی کبھی چلانے کے لئے کھولا جائے - ایک مہینے کے بعد یہ مجموعہ انگور کی جو میں دیا جائے - چونکه گڑھے میں سخت بدہو هوتی ھے ' اس لئے تازہ متی سے دهك دينا اچها هوتا هـ - إليكن ذهكنے كے لئے وہ مثني له دالنا چاهئے ، جو انگور کے جو سے نالی کئی ہے۔ اسی مرکب میں مدینہلی یا خون بھی ملایا جاسکتا ہے۔ انگور کی جووں کو تھرائے سے پہلے پانی روک دینا چاهد ۔ لیکن پہل آنے پر خوب پانی دینا ضروری هے - ایسا کرنے سے پیل بڑا ہوتا ہے - انگور کے درخت بیج ' قلم یا پیوزد اور دایے سے تیار کئے جاسکتے ھیں - عام طور پر قام لگائے جاتے ھیں - پہل چھانٹتے وقت جوشاخیں تراشی جائیں وہ بطور قلم کے لگائی جاسکتی ہیں - قلم عموماً نومبر مين لكايا جانا هـ؛ اور دابه شروع برسات مين باندها جانا هـ -جب پہل کثرت سے آتے ہوں تو انہیں کم کردیئے سے نتیجہ اچھا کاتا ہے۔ اس کا طریقہ یہ ہے کہ پھولوں کے کھلنے سے پہلے ہی ضرورت سے زیادہ بے ترتیب پھول کے گچھوں کو کات دیں ' اور پھلوں کو بھی ' جب وہ متر کے برابر هون ' نكال شكتي هين - ايسي جالت مين تمام كمورر اور چهوتي پهلوں کو نکال دینا چاهئے۔

فرمنگر نے انگرر لکانے کا ایک اور طریقہ لکھا ہے' جس سے جےپور میں کابلی انگور پیدا کرنے میں کافی کامیابی هوئی هے اور دوسرے مقامات پر دیگر قسبوں کے لئے آزمانے کے قابل ھے - اس میں شک نہیں که اگر یه طریقه کاشت کامیاب هو تر بهت سی دقتیں جو انگور کی ترقی و عام طور سے کاشت میں مانع ھیں - دور ھوجائیں گی - فرمنگر نے یہ بھی لکھا ھے کہ اس طریقہ سے دیسی قسموں کے پیدا کرنے میں بھی قرار واقعی کامیابی هوئی هے - طریقة یه هے که زمین کا ایک خوب کشاد؛ تخته یسند کر کے پہلے اس میں خوب گھری جوتائی کرو پھر مئی اچھی طرح ، باریک تیار کر کے پاتا دے کر لمبائی اور چورائی دونی میں دس دس فت کے فاصلے پر داغ بہل کی رسی سے اس طرح نشان بغاؤ کہ زمین پر شطرنج کا سا نقشه بن جائے جہاں جہاں دو نشان یا خط ایک دوسرے کو کاتذے ھوں وھاں تین فت گہرے اور اسی قدر قطر کے گوھے بنا کر گوہر کی کھاد' پاخانهٔ کالی متی ' اهر بالوبهر دو - فروری کے مهینے میں هر گرفے میں ایک پودا باللها دوجو نومبر مين قلم لكا لر تيار كيا كيا هو - جب يه بوهني لكي تو هر شاخر کو اس طرح کات دو که صرف ایک آنکهه بیچ رهے - انگور کو بجائے بیل پہیلنے کے جھاڑی کی طرح بڑھنے دو - یہ عمل دو سال تک ھوتا رھے، اور پھل ند آنے پائے - ھر سال شاخیں چھاتنے کے موسم میں انگور اسی طرح تراش دیا جایا کرے' تاکہ ایک موتے تنے پر صرف تین چار شاخیں بڑھیں - تیسرے سال ھر پودے سے بہت اچھی پیداوار ھوکی' اور پھل بھی اچھے ھونگے انگور کے خوشے ایسے بوے ھونگے کہ اُن کو سہارے کی ضرورت ہوگی - انگور کی جروں پر کافی مللی چڑھائی پڑے گی ' اور ان کے گرد ایک تھالا سا بن جائیگا' جس سے سنعچائی کے وقت کافی پانی درخت کو ملے کا۔

- اس طریقے میں خاص فائدے یہ هیں که :--
- (١) تُتيان اور كهميے وغيرة بنائے كا خرچ بچ جاتا هے ؛
 - (٢) چهانتنه میں مصنت کم هوتی هے ؛
 - (٣) جگهه کی کفایت هوتی هے :
 - (٣) پودوں کی داشت میں آسانی هوتی هے ؛
- (٥) پيداوار بولا جاتي هے ؛ پهل بوے هوتے هيں ' ارر مزلا اچها هوتا هے -

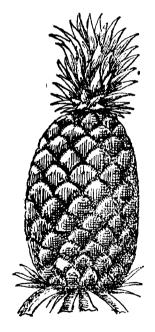
انگور کی جووں کو جھانٹنا بھی ایک ایسی ترکھب ھے؛ جس پر توجہ کرنے کی بہت ضرورت ھے - اور انگور کے بتعلق اُس عمل کے نفع و نقصان کا تجربہ کرنا چاھئے

لفتیننت پاکسن نے پرانے درختوں کی اصلاح کے لئے جووں کو ہوا دینے کے بعد رقیق کھاد دینا بھی مفید بتایا ہے -

(10) انناس—اس کے وطن کے متعلق بہت اختلاف رائے ھے۔

یعض لوگ اِسے امریکہ کا پھل بتاتے ھیں 'اور بعض ھندوستانی کہتے
ھیں ۔ اس میں شک نہیں کہ امریکہ سے انناس کی بعض عمدہ قسمیں
ھندوستان آئی ھیں ۔ شکل اور قد کے لحفاظ سے انناس کئی قسم کا
ھوتا ھے 'اور اُن مقامات کے نام سے منسوب ھے 'جہاں اسکی زیادہ
کاشت ھوتی ھے ؛ جیھسے بنگالہ ' تھاکہ ' سنگلدیپ ' سلہت وغیرہ ۔
انناس لگانے کے لئے اکست کا مہینہ زیادہ اچھا ھوتا ھے ۔ کہلی ھوئی
جکہ پر ' جہاں دھوپ و ھوا خوب پہنچے 'انناس اس طرح لکانا چاھئے
کہ قطاروں کے درمیان میں تین فت اور پودوں کے درمیان میں دو دو

فت کا فاصلۂ رہے۔ اس کے لئے طاقتور دوست زمین اچھی ہوتی ہے۔ اس کو کھاں بہت دیجاتی ہے ' بلکۂ یہ کہنا چاہئے کہ اس جہنی کہاں دی جائے کم ہے ۔ گوبر' لید اور کوڑے کرکت کی کھاں اس کے لئے اچھی ہوتی بھے ۔ ہتی کی کھاں اور ہربی کھاں بھی بہت مفید ثابت موتی ہے ۔ بعض لوگوں کا خیال ہے کہ پودے کی جگہ بدلنا اچھا ہوتا ہے ' اور اس خیال سے زمین کو خوب گور جوت کر انداس لگانا اور ایک سال بعد پرانے درخت اُکھاڑ کر نئے پودے لگانے چاہئیں ۔



انغاس شکل نبیر ۱۰۱

انداس کو پانی کی بہت ضرورت ہوتی ہے - اس لئے ماوے خمال میں اِنی اور کہاد میں پانی اور کہاد

دونوں خوب بھرے جاسکتے ھیں فروری میں جروں کو کھول کر ایک توکبی گوبر کی کھاد اور اس کے ھموزن تازہ لید اور بچالی دے کر متی سے ڈھکنا اور روزآنہ پانی دیتے رھنا چاھئے۔ لیکن صرف جوں کو پانی دینا کافی نہیں ہوتا بلکہ ھفتہ وار پترں کو بھی ھزارے سے دھونا چاھئے۔ برسات میں سچائی کی ضرورت نہیں ہوتی

انداس فروری میں پھولتا ہے اور جولائی اگستت میں پھل دیتا ہے۔ اس کے بعد ستمبر اکتوبر میں پودا بڑھتا ہے۔ کبھی ایسا بھی ھوتا ہے کہ اس وقت بجائے پودا بڑھنے کے پھر پھول اور پھل آجاتے ھیں لیکن یہ پھل گرمی کی کمی کے باعث اچھی طرح نہیں پکتا 'ارر خراد ھوتا ہے ۔ فیر ضروری کلوں کو فوراً توز دینا چاھئے۔ پھنوں کو بڑا کرنے کے لئے اکثر اُن کے پتھوں کا جو گچھا ھوتا ہے 'اُسے توز دیتے ھیں ۔ لیکن خھال رہے کہ ایسا کرنے سے پھل کا مزہ کم ھوجاتا ہے ۔ پھل توزنے کے بعد اس گچھے کو ضرور فوراً کات دینا چاھئے ؛ ورنہ یہ گچھے نشرونما کے لئے پھل سے غذا لیتنے رھیں گے اور اس طرح پھل خراب ھو جائے کا برسات کے زمانے میں جریں اور پھل کے اُرپر پتیوں کا وہ گچھا جسے کلغی کہتے ھیں میں جریں اور پھل کے اُرپر پتیوں کا وہ گچھا جسے کلغی کہتے ھیں آسانی سے لگٹی ھیں ۔

پایا جاتا ہے' جس کے پتے خوبصورت ہوتے ہیں۔ پہل کے لحاظ سے آنولے پہاڑوں کے ہر حصہ ملک میں پایا جاتا ہے' جس کے پتے خوبصورت ہوتے ہیں۔ پہل کے لحاظ سے آنولے کی دو قسمیں میں ۔ ایک کا پہل چہوتا ' اور دوسرے کا بڑا ہوتا ہے ۔ چہوتے پہل پسلد نہیں کئے جاتے - بڑے پہلوں کا مربہ عمدہ بنتا ہے ؛ پہل کا مزہ کسیلا ہوتا ہے ۔ لیکن اگر اس کا بائی نکال کر مربہ بنایا جائے تو کسیلا بن دور ہوجاتا ہے ۔ اس کی چٹنی بھی بنائی جاتی ہے ۔ جسمی ترشی اکثر لوگ پسند کرتے میں ۔ بنارس کا آنولہ بڑا ہونے کی رجہہ سے

مشہور هے - ایک صاحب اس کو مرغی کے اندے برابر بتاتے هیں - اور لیک دوسرے صاحب نے وهاں درختوں میں سیب کے برابر پہل دیکھے هیں - اِن بیانوں میں اگر میالغہ بھی هو تو بھی یہ نتیجہ نکالفا بلکل درست هے - که یه آنوله معمول سے بہت بڑا هوتا هے - باغوں میی ایک دو درخت رکھنا بلکل درست هے اور اگر قسم اچھی هو تو نفع بنخص هو سکتا هے -

(۱۷) بادام اسبادام کا وطن ایشیّا کے بعض گرم حصوں میں ھے ۔ اس کا درخت پندرہ بیس فت اونچا ہوتا ھے ۔ عام طور سے اسکی پور قسمیں هوتی هیں - ایک کی مینگ کا مزه کووا هوتا هے ' اور دوسرے کا میتھا ۔ چھلکے کے لحاظ سے بھی بادام کی دو قسمیں ہوتی ہیں ۔ ایک وہ جس کا چھلکا نوم اور پتلا ہوتا ہے اور کافذی بادام کے نام سے مشهور هے ؛ اور دوسری قسم کا چهلکا سخت هوتا هے - بینج بوکر درخت تیار کیا جاتا ہے - اُس کی ترکیب یہ ہے کہ پہلے اُپر کا سخت چھلکا اس طرح تور کر نکال دیں کہ مینگ کے سرح چھلکے کو بلکل صدمہ نہ پهنچے ' پهر بیج کو گملوں میں ہوئیں - بیج جمنے پر اُس کی لمبی موسلا جو بہت گہری جاتی ہے - اس لئے اُسے ایک جگھہ سے اُکھاڑ کر دوسری جگهة نصب كرنے ميں دقت هوني هے - لهذا بهتر يه هے كه درخت كو جهاں وکھنا هو وهيں اُس کا بيم بويا جائے - اگر بيم گملے ميں بوئے جائيں تو درخت کو بجائے گملے سے نکالنے کے یہ زیادہ اچھا ہے کہ جتنا برا گملا ھو اسی کے برابر گڑھا کھودیس اور گملے کو توزکر اُس کے اندر کی م^اتی۔ کو كره مين اس طوح جمادين كه ملى بكهون نه بائه - ايسا كون س بود ع كي جو كو نقصان كا انديشة نة ره كا ليكن ية عمل أس وقت كولهذا چاهئے جب پودا بہت بوا نه هوا هو - اگر زمین پر بیج بوئیں تو کئی

ایک بینے ایک جگھ بوئیں ' اور گملوں میں لگائیں تو کئی گملوں میں ایک ایک بینے بوئیں اور جو درخت تندرست هوں اُن کو لگائیں -



بادام شک*ل ن*مبر ۱+۱

بادام کا درخت نازک هوتا هے ' اور اس کے لئے بہت احتیاط اور نگرانی کی ضرورت هے - اس لئے اس کی کاشت پر میدانی علاقوں میں زیادہ توجهہ نہیں کی گئی ؛ لیکن پہاڑی حصوں میں اُس کی کاشت اگر شفتالو کی طرح کی جائے تو کامیابی هو سکتی هے -

بادام دیسی ایک خربصورت ارر قدآور درخت هے ' جو هندوستان کے جُنگلوں میں ملتا هے ' پتھاں گھرے سبز رنگ کی ارر چمکدار هوتی هیں - دیسی بادام هندی پهلوں میں سب سے لذیذ هوتا هے -

اس کی مینگ بلکل سفید ہوتی ہے ۔ کھانے سے پہلے پھل کا سخمت چھلکا دور کرنے کے لئے تھوتی دیر تک گرم پانی میں رکھ دیتے ہیں - یہ سال میں دو مرتبہ پھلتا ہے ۔ پہلی فصل مئی میں ' اور دوسری شروع جاڑے میں تیاو ہوتی ہے ۔ شروع برسات میں بیج بوکر دوخت تیار کرسکتے ہیں ؛ لیکن پھاڑی مقاموں پر کامیاب نہیں ' ہوتا ۔ قد کے لتحاظ سے صرف بڑے باغوں میں لگانے کی چیز ہے ۔

(۱۸) باربدوز چهری - فرمنگر نے شومبرگ کے حوالے سے لکھا ھے کہ یہ پھل بار بدوز میں مربہ اور اچار کے لئے بہت استعمال ہوتا ھے ' اور اس 'کا مزہ بجائے چهری کے رس بھری کی یاد تازہ کرتا ھے ۔ بلکال میں اِس کی کاشت کافی کامیاب ہوئی ھے ۔ لیکن صربۂ متحدہ کے متعلق کوئی بات ابھی تک و ثوق سے نہیں کہی جاسکتی - اکتربر کے مہینے میں قام لکا کر درخت تھار کیا جاسکتا ھے ۔

(19) برهل سید ایک اوسط قد کا درخت هے 'جس کی بیمبری پتیاں گہرے سبز رنگ کی تقریباً آتہہ انچ لدبی اور ۲ انچ چوڑی هوتی هیں۔ برسات کے زمانہ میں ایک تبرها میرها پهل آتا هے - کنچا پهل کسی قدر روئیں دار اور سبز هوتا هے 'جو پکلے پر سرخی مائل هوجاتا هے - پکے پهل میں ایک متمهاس سی هوتی هے جسے اکثر لوگ پسلد کرتے هیں - پهل آنے سے پہلے پتے گرجاتے هیں - بسلتی رنگ کا پهول آتا هے - جو بطور ترکاری کے بھی استعمال هوتا هے - پہل میں قریب قریب چھوتی سیم کے برابر سفید بیچ هوتے هیں - جو برسات میں بوئے جاسکتے هیں - درخت کو خاص رکھہ رکھاؤ کی ضرورت نہیں هوتی - معمولی کاشت سے هوسکتا هے مگر باغوں میں کم لکایا جانا هے - اس کی صرف ایک قسم هوسکتا هے مگر باغوں میں کم لکایا جانا هے - اس کی صرف ایک قسم

ایسی ہے کہ باغوں کے ویران حصے میں اس کے دو ایک درخت رکھے جاسکتے ہیں -

(۲۰) بہی سیم ایک مشہور پھل ہے لیکن اُسکی کاشت میں سوائے پہاری علاتوں کے بہت کم کامیابی ہوئی ہے ۔ اور جو درخت لگائے گئے اُن کے پھل اچھے نہیں اُترے بلکہ صرف مربے کے قابل پیدا ہوئے ۔ ہم نے ممالک متحدہ کے بعض مقامات (جیسے - ناگیور ، امراوتی) کے بازاررں میں کبھی کبھی یہ پھل فروخت ہوتے پایا ہے ، جو ضاع ستارہ کی پیداوار بتایا جاتا ہے ۔ ایڈل کے تول سے بھی اُس کی تائید ہوتی ہے (جسے فرمنگر نے اپنی کتاب میں نقل کیا ہے ۔) کشمیری بہی بھی اچھی ہوتی ہے ۔ اس پھل کی کاشت سیب کی طرح ہوتی ہے ۔ قاسی درختوں کا پھل اُچھا ہوتا ہے ۔ اس پھل کی کاشت سیب کی طرح ہوتی ہے ۔ قاسی درختوں کا پھل

 پر تقسیم کی جاسکتی ہے۔ اگر خور سے دیکھا جائے گول بھر کی پتیال گول اور بھفوی قسم کی پتیان بیضاوی پائی جائنگی۔ اس کا درخت معمولی بیز پر پھوند کرکے تھار کھا جانا ہے۔ پھوند لگانے کا طریقہ پنہ ہے کہ جاب پودیے پر پیوند کرنا ہو تو اس کی تمام شاخیں چھانت کر تھے کی ایک جگهہ سے کچھہ چھال چاروں طرف سے گولائی میں نکال دیں اور دوسرے درخت سے جس کا پیوند لگانا ہو کسی جگہہ سے چھال گولائی میں اور دوسرے درخت سے جس کا پیوند لگانا ہو کسی جگہہ سے چھال گولائی میں ایک کلا یا چشتہ ہونا چاہئے ۔ اس کو پہلے پانی سے کچھہ مین ایک کلا یا چشتہ ہونا چاہئے ۔ اُس کو پہلے پانی سے کچھہ یونے تک تر رکھیں اور پھر اس جگھہ لینیت دیں جہاں سے چھال چھیل کر نکال دی گئی ہے۔ پھر اُس کی موسمی تغیرات سے اُس وقت تک حفاظت کی جائے جب تک کہ کلا خوب چل نہ نکلے ۔ پھوندی دوخت معمولی درخت سے جھوٹا ہوتا ہے اور اتفا چھوٹا ہوتا ہے کہ اس کے معمولی درخت سے جھوٹا ہوتا ہے کہ اس کے بیر زمین پر کھڑے کہوے توزے جاشکتے ہیں۔

(۲۲) بیل —یه ایک هدوستانی کانتے دار برا درخت هے ' جو کم و بیش تیس فت اُونچا هوتا هے - اس کی دو قسمیں هیں - ایک قسم کا بیل چهوتا اور دوسری کا برا هوتا هے - جهوتا بیل کیتھے کے برابر اور برا آدمی کے سر کے برابر هوتا هے - چهوتے پهل کی کیچه قدر نهیں هوتی ' لیکن برا پهل برے شوق سے کهایا جاتا هے ' اور اُس کا شربت بهی استعمال کیا جاتا هے - کیتھے کی طرح اس پر بهیایک سخت موتا بهی استعمال کیا جاتا هے - کیتھے کی طرح اس پر بهیایک سخت موتا چهلکا هوتا هے ' جس کا رنگ هرا هوتا هے - لیکن پکنے پر زردی آجاتی هے - پیے پهل میں اندر ایک سرخی مائل گودا اور بینج کے علاوہ ایک بہت لس دار لعاب هوتا هے - برسات میں بینج بوکر درخت تھا کرسکتے بہت لس دار لعاب هوتا هے - برسات میں بینج بوکر درخت تھا کرسکتے هیں - اچهی کاشت کرنے سے پہل برا اور لعاب کم هوجاتا هے -

(٢٣) يبيتا ... اگرچه ايك غير ملكي درخت هے ليكن هندوستان میں اُس کی اس قدر عرصے سے کاشت هوتی هے که قریب قریب هندوستانی درخت هوگیا نے - اس کا درخت اور خصوصاً پتے رینتی کے پتوں کی طرح هوتے هیں اور تذہ معمولاً 10 فیت اور بعض اوقات زیادہ اونچا ہوتا ہے - تنے پر پتوں کا ایک چھتر ہوتا ہے - پھل تنے پر پتوں کے زاویہ میں نکلتا ہے - اور جیسے جیسے پہل بڑا ہوتا ہے ' بته خشک هوتا جاتا هے ' یہاں تک که پهل پکنے پر بالکل خشک هوجاتا هے کچے پہل کا رنگ هرا هوتا هے ' مگر پکنے پر زردی مائل هوجاتا هے - پهل گول اور بيضوي دونوں طرح کا هوتا هے - فروري ميں اول بار پھول لانا ھے ' اور اپریل و مئی تک پھلوں کی فصل دیتا ھے -پھول برابر آتے رہتے ھیں ' اور پہل الکتا رہتا ھے ' لیکن بہتر یہ ھوتا ھے کہ زیادہ پھل درخت پر نہ لگے رہنے دیں 'ورنہ سب چھوٹے ہوکر رہ جاتے ھیں گرمی کے زمانے میں خوب پانی دینا اور برسات میں اس کی جوں کے قریب پانی جمع شونے سے بحچانا بہت ضروری ہے۔ برسات میں تخم بوکر درخت آسانی سے پیدا کیا جاسکتا ہے ذخیرے میں بيم بوكر يودة لكانا أچها هوتا هي - طاقتور دومت زمين ميس أچها پيدا هوتا ہے - درخت تیزی سے پڑھتا ہے ' اور ایک ھی سال میں پہل دینے لكتا هي اس لئے اسے كيلے كے درختوں كے ساتهم هي لكانا چاهئے - اس كے ایک درخت پر ایک هی قسم کے پهول هوتے هیں اور اس لحاظ سے درخت يا تو نر هوتا هے يا ماده - نر درخت ميں پهل نهيں آنا حالانكه عام لوك سمجهتے هيں كه ماده ميں پهل نهيں هوتا مكرية عجيب مضحكة خيز بات هے که ٍ لوگ نو سے پهل حاصل هونے کی توقع رکھتے هیں' اور اتفا نہیں سوچتے کہ جدید نثل کی حامل

همیشه ماده هوا کرتی هے - خیال هے که نر درخت کو اگر نصف سے کات دیا جائے تو اس میں پھر کلے پھوٹیں گے اور اس کے بعد جو پھول آئیں گے وہ مادہ ھوں کے اور پھل دیں گے - فی زمانہ برے پیمانے پر اسع کی کاشت کرکے پیین نکالئے کے تجربات ہو رہے میں - اس میں ایک عجیب خاصیت یه هے که اگر گوشت میں قال کر پایا جائے تو سخمت گوشت آسانی سے گل جاتا ھے - پپیتا ھاضمہ کے لئے بھی بہت مفید هوتا هے ـ درخت كو ذخيرة سے باغ ميں نصب كرتے وقت كرهے میں خوب کھاد بھونا چاھئے - پھل آنے پر ایک موتبہ پھو کھاد دے دی چائے گی تو پھل بوا اور لذیذ هراً - هم نے خود گوبر اور نیم کی کھلی دے کر تین تین سیر کے وزن کے شیریس پہل پیدا کلے ھیں - درخت جس قدر جلد تیار هوتا هے - اسی طرح اُس کی عمر بھي کم هوتی ھے - تین برس بعد درخت سے خراب پھل اترنے لگتے ھیں - اس رقت تک نیئے پودے تیار کر لینا چاھئے۔ پکے پھل کھانے کے اور کچے پھل اچار بنانے کے کام آتے ھیں۔ پپیتا میں ایک خاص قسم کی خوشدو هوتی هے ' جس کی وجه سے اکثر لوگ اُسے کم پسند کرتے هیں -اچهی کاشت کرنے سے یه خوشبو بهت کچهه جاتی رهتی هے اور پهل زياده پسنديده هوجاتا هے -

(۲۲) پسته یه میود اگرچه هندوستان کے بازاروں میں کثرت سے ملتا ھے ' اور لذیذ اور مقوی هرنے کی وجه سے طرح طرح پر استعمال هوتا هے ' لیکن در اصل یه ایک شامی درخت هے - بعض سهاحوں نے لکها هے که همالیه کے سلسلے کے (پہاڑی) علاقوں میں پایا جاتا ھے - لیکن یه بات هفوز تبحقیق طلب هے - هندوستان میں جو پسته کابلی تاجو لاتے هیں وہ زیادہ تر بلخ کا هوتا هے پسته بصوہ میں بهی بہت هوتا هے - هندوستان میں اس کی کاشت

میں کلمیابی نہیں ہوئی لیکن حق بیہ ہے کہ جس قدر کوشش اس عددہ میوے کے لئے ہونا ہجاہئے تھی اتنی نہیں کی گئی' ورنہ جن جگھوں میں یہ بهکٹرت ہوتا ہے :قریب قریب اسی طرح کی آب و ہوا ہندوستان کے اکثر حصوں میں بائی جاتی ہے - مشتصر یہ کہ اگر پوری اختیاط برتی جائے اور منصنت کی جائے تو ہمارے ملک میں اس کی کامیابی ناممکن نہیں ہے -

روی پنیالا ایک هندوستانی درخت هے ، جو بوس فت سے تیس فت تک اونچا هوتا هے - اس کی شاخوں میں بہت کانتے هوتے هیں - بلکال اور بہار میں بہت هوتا هے ، اور اس صوبے کے اکثر مشرقی اضلاع میں کامیابی کے ساتھہ لگایا جا سکتا هے - اس کا پھل بیر کی طرح هوتا هے ، اور ستمبر اور اکتوبر میں پھلتا هے - پھل اگرچه بہت مزے دار نہیں هوتا ؛ لیکن اچھی طرح کاشت کرنے پر اچھے پھل پیدا کرنا ممکن هے - پاکسن کی رائے هے که پھلنے کے بعد شاخیں چھانت دینے اور جورں کے تھالے کھود کر هوا دینے سے پھل اچھا پیدا ہوتا هے - تھالے کھود کر هوا دینے سے پھل اچھا پیدا ہوتا ہے - تھالے کھود نی بعد نئی متی اور کورنے کے کچھہ دن بعد نئی متی اور کورائی میں پیج بوکر تیار کیا جا سکتا هے - کیمون نے لکھا هے که اگر اسے شکر دال کر پکا لھا جائے تو اس کا حلوا اور مربه بہت اچھا بنتا هے - کھانے کے وقت پکا پھل تخسی آموں کی طرح دبا دبا کر نرم اور شیریس کر لیا جاتا ہے -

(۲۹) پھوٹ۔یہ ایک طرح کی بڑی ککڑی ھے جو پکنے پر خستہ موکر پہت جاتی ہے۔ اسی خاصیت کی وجہ سے اس کو پھوٹ کہتے ھیں ۔ اس کا مزہ پھیکے خربوزہ کی طرح کا ھوتا ھے -

کچا پھل ھرا ارر پکا زردی مائیل ھوتا ھے - اودہ میں جایس (ضلع رائے بریلی) کا پھوت اپنے قد رغیرہ کے لئے مشہور ھے - عرصہ ھوا ھمارے ایک جایسی دوست ایک پھل تحفیے کے طور پر لائے تھے ' جو چھوتے متک سے کسی طرح کم نہیں تھا ۔ اس کا وزن تو نہیں کیا گیا تھا ' لیکن اس میں مبالغہ نہیں ھے کہ کم و بیش تیمں سیر ضرور ھوگا ۔ اس کی بوائی خربوزے کی طرح ھوتی ھے - شکر لپیت کر یا دودہ کے ساتھ کھاتے میں ذائقہ اچھا ھو جاتا ھے - تاھم اچھے مذاق کے لوگ پھوت کو پسند نہیں کرتے - یہ باغوں میں کاشت کے لئے کچہ اچھی چیز نہیں ھے - مکا کی کیاریوں میں چند درخت چھوڑے جاسکتے ھیں ' جو اگست ستمبر میں پھل دیں ئے -

(۲۷) تار-ایک هندوستانی درخت هے جو بہار اور مسالک متحده کے بعض حصوں میں خاص کر نبہت پایا جاتا ہے - اس کا تنا سیاہ بہت اونچا اور سیدھا ہوتا ہے - بلندی پچاس فت یا اس سے بھی زائد ہوتی ہے - اس میں شاخیں نہیں ہوتیں - صرف اوپر چوٹی کے قریب بوے بوے پلکھے کی طرح پنے ہوتے ہیں - چنانچہ اُن کے پنکھے بنائے بھی جاتے ہیں انگریزی میں اس کا نام Fan Palm یعنی پلکھے کا تار ہے -

معمولی تقسیم کے لحاظ سے تار در قسم کا هوتا هے - پهل تار ' اور بل تار - پهل تار سے پهل اور تاری دونوں چیزیں ملتی هیں ؛ لیکن بل تار سے صوف تاری نکلتی هے - پهل تار کئی طرح کا هوتا هے - ان میں سے قوما ' برنا ' اور جوگها زیادہ مشہور هیں - قوما کا پهل سیاہ اور دوسری قسموں سے اچها هوتا هے - تار کو اکثر خوشلهائی کے لئے بهی باغوں میں لکادیتے هیں - پرانے درخت کی لکری عمارت کے کام میں آتی هے ' ورنہ ایندهن هو جاتی

ھے۔ اگر باقاعدہ طور پر تاز کی نگرانی اور پرداخت دی جائے تو دس گیارہ برس میں ، رونہ پلدرہ سولۂ برس میں ، پہل آتا ھے۔ کہا جاتا ھے کہ اُس کی عمر دو سو برس ہوتی ھے۔ اس کے پہل کا مزہ کچھہ بہت اچھا نہیں ہوتا۔ اس میں سے کھٹمل کی سی بو آتی ھے۔ تامم اکثر نوگ اسے برے شرق سے کھاتے ھیں۔ اپریل مئی کے مہینے میں بہت بکٹا ھے۔ اس برت شرق سے کھرپروں سے مربہ اور چٹنی بھی تیار ہوتے ھیں۔ تازی نشے کے لئے پی جانی ھے۔ سرکہ بھی بنتا ھے ، اور دوا کے بہت کام تازی نشے کے لئے پی جانی ھے۔ سرکہ بھی بنتا ھے ، اور دوا کے بہت کام تازی نشے کے لئے پی جانی ھے۔ سرکہ بھی بنتا ھے ، اور دوا کے بہت کام ان ھے۔ ہر پہل میں دو تین بیج ہوتے ھیں ، جن کا وزن کم و بیش ایک پاؤ ہوتا ھے۔ بیج کو دو ایک پاؤ ہوتا ھے۔ بیج کو دو ایک پاؤ ہوتا ھے۔ بیے پہلوں کا بیج اکتوبر میں بویا جانا ھے۔ بیج کو دو فت قطر اور اسی قدر گہرائی کے گڑھوں میں کہاد بھر کر لکائیں اور پانی فت قطر اور اسی قدر گہرائی کے گڑھوں میں کہاد بھر کر لکائیں اور پانی

(۲۷) تربوز—تربوز بھی پھوت کی طرخ ایک عام پھل ہے ' جس کی بیل پھلتی ہے ۔ کاشت کا طریقہ خربوزے کی طرح ہے ۔ پھل بڑے کدو کے برابر ارر اکثر اس سے بڑا بھی ہوتا ہے ۔ رنگ سبز ہوتا ہے ارر چھلکے پر پھائکوں کے نشان ہوتے ہیں ۔ بیج سیالا یا سرح ہوتے ہیں ' ارر اورا اور اورا میٹھا ہوتا ہے ۔ صوبه مختصدہ میں فیض آباد اور فرخ آباد کا تربوز جس کی کاشت دریا کے کذارے ہوتی ہے مختھاس اور قد کے لتحاظ سے مشہور ہے ۔ فرخ آباد کا ایک تربوز ایا شکل کی مناسبت سے ''صراحی '' کہلاتا ہے اور بہت اچھا ہوتا ہے ۔ اسے سنے گنکا کے کنارے خالص بالو میں گڑھے کھود کر اور کھاد بھر کے کامیابی سے کاشت ہوتے دیکھا ہے ۔

(19) تومی تومی اس درخت کی جمله کیفیت پنیاله کی سی هے - فرق صرف آتنا هے که اس میں کانٹے نہیں هوتے اور پتیال ہوتی هوتی هیں اس کے پهل کا مزہ پنیاله سے گرا هوا هوتا هے -

(٢٠) جامن _ يه ايک بوا درخت ه ، جسم يتيار ، گهرے سبز ،نگ كى هوتى هيس - كچا پهل سدز اور پكا پهل سرخى مائل سياة هوتا هـ -چهلکا بہت پتلا هوتا هے ، اور اس کے اندر گودا اور ایک گھلی هوتی هے اس کی دو تعسین هوتی هیں - ایک کا پهل چهوتا اور دوسرے کا بوا هوتا ھے۔ عام اضلاح میں چھوٹا پھل کھٹٹ جامن اور بڑے پھل کو پھلیندا كهتم هيل - پهليندا نه صرف لذيذ اور كودا دار هوتا هے ' بلكة اس كا بیہے بھی چھوتا ھوتا ھے۔ پکے ھوے پھل کھائے جاتے ھیں ' اور اُن سے سرکہ بھی بنایا جاتا ہے۔ یہ پھل سوائے پہاڑی علاقہ کے صوبے کے اور ہر حصے میں پایا جاتا ہے اس کے لئے کسی خاص نگرانی کی ضرورت نہیں ھوتی - مارچ میں پھول آتے ھیں ' بارش ھوتے ھی پھل اُترنے لگتے ھیں بعض درخت ابارش سے پہانے بھی پول دیائے لگتے ھیں لیکی بارش هونے کے بعد پهل · زیادہ انڈیڈ هوجاتے هیں ' اس وجه سے یہ خیال ہوتا ہے کہ اگر پہل آنے کے وقت درخت کو پانی دے دیا جائے تو شاید پهل أور زیادہ اچها هو - برسات میں گٹھلی بوکر درخت پیدا کرسکتے هیں - درخت کے نیچے بیچ گرتا هے ' تو خودرو پودے بہت نکل آتے هيں۔ اُن کو لکاکر بھی درخت تيار کيا جا سکتا ہے۔

(۳۱) جسرول _ یه ایک قدآور هندوستانی درخت هے - اس کی پتیاں خوبصورت اور نوک دار هوتی هیں ' اور جب اس میں لال پهل لگتے هیں تو بہت بهلا معلوم هوتا هے - پهلوں کے رنگ کے لحاظ سے جسرول دو طرح کا هوتا هے ایک قسم کا رنگ سفید اور درسری کا زردی مائل گلابی هوتا هے - مارچ میں پهول اور ملی میں پهل آتا هے - ان قسموں کے علوہ جسرول کی ایک قسم ملاکا جمرول کے نام سے مشہور هے ' جس کا

درخت قد میں چھوتا ھوتا ھے اور اس میں پھل برسات میں آتا ھے لیکن اس کا ذائقہ اچھا نہیں ھوتا -

(۳۲) چست نت-اس کو اکثر شاہ بلوط کہتے ھیں - اس کی کئی قسمیں ھیں ' اور اُن کا نام ان کے وطن کے نام پر رکھا گیا ہے ' جهسے - چینی چست نت یا اسپینی چست نت وغیرہ ان میں سے صرف اسپینی چست نت نصب کرنے پر کسی قدر کامیابی هرتی هے -ية درخت ميداني علاقول ميل بالكل بارآور نهيل هوتا - يهاتي علاقي میں البتہ کہیں کہیں کسی قدر کامیابی ہوئی ہے ' اور اس لئے خیال ھے کہ اگر پہاڑی مقامات پر اس کی اچھی طرح دیکھہ بھال کی جائے تو کامیابی ممکن هے - چنانچه شمله ' مسوری ' مری ' اور بقول ایک هندرستانی مصنف کے دریاے ستاہم کے اُس باس اِس کے لگانے میں کامیابی هوئی هے - ان پہاڑی مقامات پر چست نت فروری میں پھولنا اور مدی جون میں پھلتا ھے - بھوپال میں اُسن کی کاشت کی کُدی اور اگرچه اس میں کامیابی نہیں ہوئی ' لیکن اتفا نتیجه نکل سکا ھے کہ چکئی مثیار زمین اس کے لئے ناموزوں هوتی ھے - پتوریلی زمین میں زیادہ اچھا ہوتا ہے - پھل کا مغز نکال کر بھوں لیتے ہیں ' اور کچا بھی کھاتے ھیں ' جس کا مزہ بادام کی طرح کا ھوتا ھے۔

(۳۳) چرونجی سیم ایک هندوستانی درخت هے ' جو جنوبی هندوستان مهی مالابار کے پہاڑی علاقے میں خودرو پایا جاتا هے - کم از کم تیس تیس فت اونچا هوتا هے - اس کے پهل چهوتی مثر کے برابر هوتے هیں ' جن کے اندر ملائم گودا اور اوپر کی طرف ایک سخت چهلکا هوتا هے - پهل بطور میوے کے مختلف طریقوں سے استعمال هوتا هے - مانے میں پهلتا هے اور برسات میں اس کا بیچے بوکر درخت

تھار کیا جا سکتا ھے ۔ اس کی زمین کا نر رھنا ضروری ھے ۔ بیجے اوپر کے سخت چھاکے کی رجع سے دیر میں جمعا ھے ۔ اس لئے اسے تھوتی دیر تک نیم گرم پانی میں بھٹو دینا چاھئے ' مگر اس طرح که گودے کو کسی طرح کا نقضان نه پہنچے ۔ اس طرح بیج جلدی جم سکتا ھے ۔ میدانی علاقوں میں یہ درخت بہت کم کامیاب پائے گئے ھیں ۔ میسور اور بھوپال میں بہت ہوتا ھے ۔

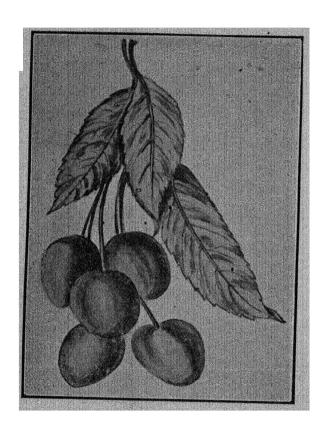
(۳۳) چکوترا یه پهل کنولے کی ایک بوی قسم هے - بنگال کا چکوتره مشهور هے ' اور صوبۂ متحدہ میں بھی هوتا هے - یه کئی قسم گا هوتا هے - اس کی ایک بہت ہوی قسم کا پھل ماهتاہی کے نام سے مشہور ھے - چکوترے کو درخت پر جتنے زیادہ عرصے تک پکنے دیا جائے اُتنا هي اچها هوتا هے - جلد تور لينے پر پهل بهت ترش اور نا پسنديده هوتا ھے - پہل آنے کے زمانے میں اس میں خوب پانی دینا ضروری ھے - جنوری میں تھالے کھودنا اور کھاد و نعی منتی قال کر بھر دینا چاھئے - نمک پیس كر درخت كے تهالے ميں ةاللے سے بهت فائد « هوتا هے - درخت لكانے كے لئے تیں فت قطر اور اتنی هی گهرائی کے گذھے کهود کر گوبر کی کهاد اور عمارت كا يرانا چونا ملاكر بهرنا اچها هوتا هـ - درخت گوتى يا دابا اور فروری میں بیم بوکر تیار کیا جاسکتا ہے - لیکن بیم لکانے سے درخت دیر میں تیار هوتا هے - فرمنگر کو چکوترا اس قدر پسند هے که ان کا خیال هے که باغ میں خواہ اور کوئی درخت هو یا نه هو 'چکوترا ضرور ھونا چاھئے 'کیونکہ اُسکی خوبصورت پٹیاں سفید خوشبو دار پھول اور خوشنما پهل باغ کی زينت کا باعث هوتے هيں -

(۳۵) چیری اس پهل کا وطن اجلوبی یورپ هے ا جهاں سے یه مختلف ملکوں میں پهیلا هے ۔ چونکه اس کا مزہ بہت پسند کیا جاتا

هے 'اس لئے اس کی کاشت بھی خوب ہوتی ہے اور اس کی بھسھوں قسمیں پیدا ہوگئی ہیں - بعض لوگوں کی وائے ہے کہ ان میں سے بعض قسموں کا وطن ایشیاء کوچک ہے ۔ رہمارے صوبے کے میدانی علاقے میں ' باوجود کوشش کے اس کی کاشت میں کامیابی نہیں ہوئی - اکثر لوگوں کا تو یہ خیال ہے کہ آب و ہوا کی جو کیفیت میدانی علاقے میں پائی جاتی ہے ' اُس میں چیری کا پروان چوھلا ناممکن ہے - لیکن بعض پہاری علاقوں (خصوصاً ہمالیہ کے دامن میں) جن لوگوں نے تجربہ کیا ہے وہ مایوس نہیں ہیں ' اور بقول ان کے وہاں اس کی کاشت کے ترقی کرنے کا بہت کچہ امکان ہے - بہاں سے پہل میدانی علاقوں کے بازاروں میں به آسانی پہونچائے جاسکتے ہیں - ان لوگوں نے تجربے کے میں به آسانی پہونچائے جاسکتے ہیں - ان لوگوں نے تجربے کے میں به آسانی پہونچائے جاسکتے ہیں - ان لوگوں نے تجربے کے میں به آسانی پہونچائے جاسکتے ہیں - ان لوگوں نے تجربے کے ہوتی ہے دلایت سے پودے منکاکر لگائے تھے' اس کی کاشت آلوچہ کی طرح

[ديكهو شكل نمبر ١٠٣] .

(۳۱) چیری مویا—یه شریفے کی قسم کا ایک پهل هوتا هے جس کی شکل بهی ریسی هی هوتی هے ایکن اس میں کچهه ترشی هوتی هے اور بقول داکٹر سیمین کے ابناس اور منگوسیٹن کی طرح یہ بهی دنیا کے بہترین پهلوں میں هے - اس کا اصلی وطن پیرو هے - اور اب بعض مقامات پر تجارت کے لئے اُس کی کاشت هرنے لگی هے - اس کا درخت چهوتا اور بمشکل پچیس فت سے زیادہ اونچا هوتا هے اور شاید 10 فت سے آئے موتا هے اور بمشک آب و هوا میں اچها هوتا هے اور پالے سے نم بچھیکا - خشک آب و هوا میں اچها هوتا هے اور پالے سے اگے اس کو بہت جلد نقصان پہنچتا ہے - برسات میں اس کا بیبے بوکر درخت تیار کرسکتے هیں - پیوند بهی لگایا جا سکتا هے - کاکمته



اور سہارنپور میں جو تجربے کئے گئے اُن میں کامیابی نہیں ھوئی لیکن یہ نا منکن نہیں ہے کہ کسی اور جگہہ کامیابی حاصل کی جاسکے ـ

(۳۷) چیدا نارناسیه ایک چیدی درخت هے 'جو کانتے دار اور چهوتا هوتا هے - بیچ میس هوتا هے - اس کا پهل سرخ رنگ کا 'چهوتا اور میتها هوتا هے - بیچ میس ایک سخت بیج هوتا هے 'جس پر کسی قدر لذیذ گودا هوتا هے - اس کے پهل کا مربه بهی بلتا هے - پهل سے سونف کی سی خوشبو آتی هے ' اور جب درخت میں کثرت سے لئا هوتا هے تو بہت بها معلوم هوتا هے - پهول خوشبودار هوتے هیں ' اور پهل سال میں دو مرتبه آتا هے - اس کی اصلی فصل فروری میں آتی هے - درخت بیج اور قلم دونوں سے تیار کیا جاسکتا هے - قلم فروری میں آتی هے - درخت بیج اور قلم دونوں سے تیار کیا جاسکتا هے -

رمینی گاب—اس کو ولایتی گاب بهی کهتے هیں۔ یہ ایک بوا درخت هے ، جو کم و بیش چالیس فت اونچا هوتا هے - اس کی پیلیاں بهی بهت خوبصورت هوتی هیں۔ هندوستان میں اُس کی کاشت زیادہ نہیں هوتی ـ فرمنگر نے لکها هے که کلکته کے آس پاس هوتا هے ۔ هارتالس کا بیان هے که دهرادون کے قریب بهی کامیاب هوا هے اور سهارن پور کے بوتانیکل گارتن میں بهی اسکا درخت تها - متیار زمینوں میں جہاں پانی نه بهرتا هو ا اس کا درخت اچها هوتا هے - درخت لگانے سے پہلے زمین کو هری کهاد دینا مفید هوتا هے - اسکا پهل اگست میں پکنا شروع هوتا هے - اگر اُسی زمانے میں اسکی گُتهلی بو دی جائے تو درخت بن سکتا هے - حالانکه سهارن پور میں قلم اور دابا لگانے کی کوشش ناکامیاب رهی ـ حالانکه بعض ماهرین کا خیال هے که اسکا قلم بخوبی لگ سکتا هے - پهل کے اندر بادام کے گنچھے آتے هیں ' جو ہی سیب کے برابر هوتے هیں - پهل کے اندر بادام کے

ور سہارنپور میں جو تجربے کئے گئے اُن میں کامیابی نہیں ھوئی یکن یہ نا ممکن نہیں ھے کہ کسی اور جگہہ کامیابی حاصل کی جاسکے ۔

(۳۷) چیدا نارنگا—یه ایک چیدی درخت هے ، جو کانتے دار اور چهوتا هوتا هے - اس کا پهل سرخ رنگ کا ، چهوتا اور میتها هوتا هے - بیچ میں ایک سخت بیج هوتا هے ، جس پر کسی قدر لذیذ گودا هوتا هے - اس کے پهل کا مربه بهی بنتا هے - پهل سے سونف کی سی خوشبو آتی هے ، اور جب درخت میں کثرت سے لگا هوتا هے تو بہت بها معلوم هوتا هے - پهول خوشبودار هوتے هیں ، اور پهل سال میں دو مرتبه آتا هے - اس کی اصلی فصل فروری میں آتی هے - درخت بیج اور تلم دونوں سے تیار کیا جاسکتا هے - قلم فروری میں لگایا جاتا هے -

روی چینی گلب اس کو والیتی گلب بهی کهتے هیں - یہ ایک بوا درخت هے ' جو کم ' و بیش چالیس فت اونچا هوتا هے - اس کی پتہاں بھی بہت خوبصورت هوتی هیں - هندوستان میں اُس کی کاشت زیادہ نہیں هوتی ـ فرمنگر نے لکھا هے که کلکته کے آس پاس هوتا هے - هارتالس کا بیان هے که دهرادرن کے تریب بھی کامیاب هوا هے' اور سہارن پور کے بوتانیکل گارتن میں بھی اسکا درخت تھا - متیار زمینوں میں جہاں پانی نه بھرتا هو ' اس کا درخت اچھا هوتا هے - درخت لگانے سے پہلے زمین کو هری کهاد دینا مفید هوتا هے - اسکا پھل اگست میں پکنا شروع هوتا هے - اگر اُسی زمانے میں اسکی گتھلی بو دی جائے تو درخت بن سکتا هے - سہارن پور میں قلم اور دابا لگانے کی کوشش ناکامیاب رهی ـ حالانکه بهض ماهرین کا خیال هے که اسکا قلم بخوبی لگ سکتا هے - پھل کے بوش ماهرین کا خیال هے که اسکا قلم بخوبی لگ سکتا هے - پھل کے بوابر هوتے هیں - پھل کے اندر بادام کے

برابر دو اور اکثر زاید گنهلیاں هوتی هیں ـ پهل کا رنگ سیندوریا 'ارر مزد اُترے هوئے سیب کی طرح کا هوتا هے - یہ چننی بنانے کے بہت کام آتا هے - سہارن پور گاردن کی ایک بہت پرانی رپورت میں باغ کے سپرنتندنت نے اسکے پهل کو خوش ذائته بیان کیا هے -

(۳۹)خربوزہ ۔۔یہ هندوستان کا ایک مشہور اور عام پھل ھے ' جس کے تشریع کی زیادہ ضرورت نہیں معلوم ھوتی - اس صوبے میں کاشت کے لتحاظ سے لکھنوی سفیدہ اور جونپوری کھرا بہت مشہور ھیں - لکھنوی خربوزے کا رنگ اوپر سے زرد اور اندر سفید ھوتا ھے - جونپوری خربوزے کا رنگ مہر کھرا اور اندر سے گودا سنید ھوتا ۔

دوست اور هلکی دوست زمین ضیں اچھا هوتا هے لیکن اس کی بہترین کاشت دریا کے کناروں پر خالص بالو میں کثرت سے کھاد ملا کر هوتی هے - گنگا اور گومتی کے کنارے خصوصاً به کثرت بویا جانا هے - گومتی کے بالو کی یه خاصیت هے که اس کے کنارے قریب قریب هر جگه خربوزه اچها هوتا هے - اس صوبےمیں لکھنو اور جون پور کے علاوہ جو گومتی پر واقع هیں سلطان پرر کا خربوزه بھی اچھا هوتا هے ، جو شکل و شباهت میں بہت کجھه لکھنوی سفیدے کی طرح کا ' لیکن لطافت میں اس سے کم هوتا هے - معمولی کھیتوں میں تو اس کی کاشت اسی طرح هوتی هے جیسی که ترکاریوں کے سلسلے میں هم نے اسی قسم کے اور پھلوں کی کاشت بیان کی هے - صرف فرق یه هوتا هے کہ اس کے لئے کھاد کی بہت ضرورت هوتی هے -

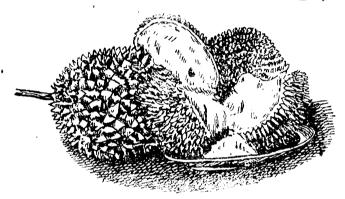
(۲۰) خرما یه عرب کا پهل هے ' اور راجهوتانه ' پنجاب ' سنده اور ممالک متحده میں کہیں کہیں هوتا هے - لیکن اس کی اصلی خوبی



غرمہ سے لدا ہوا درخت شکل ٹمبر ۱۰۴

میں فرق آجاتا ہے۔ عرب کا اصلی خرما نہایت نئیس ہوتا ہے۔ اُس کا اندازہ اس واقعے سے ہوسکتا ہے ' جو ایک انگریز سیاح نے ایچ سفر نامے میں لکھا ہے۔ اس کا بیان ہے کہ اُس نے کچھہ تازہ خرمے ایک ررمال میں باندہ کر لٹکا دئیے ایک رات دن برابر ان میں سے شیرہ تپکتا رہا۔ اگر ایسا نہ ہوتا تو متھاس کی وجہ سے ان کا کھانا متحال ہوتا ۔ ہمارے ایک فیض آبادی درست ایپ سفر حج سے راپس ہوتے ہوئے مکہ (عرب) سے خرما کی کچھہ گتھلیاں ایپ ساتھہ لائے تھے انہوں نے ان گتھلیوں کو ایپ پائیں باغ میں لگا دیا تھا ۔ ان سے جو درخت پیدا ہوئے ان کے خرمے نہایت لذیف ہوتے تھے ۔ لیکن ان میں بھی عرب کا وہ اصلی مزہ باتی نہیں رہا تھا جس کا انگریز سیاح نے ذکر کیا ہے ۔ سرکاری باغوں جیسے نہیں رہا تھا جس کا انگریز سیاح نے ذکر کیا ہے ۔ سرکاری باغوں جیسے (سہارن پور کا بوتینکل کارڈن) سے اصلی خرما کے درخت دستیاب ہوسکتے ہیں ۔ درخت کا بیج بھی بویا جاتا ہے ۔ جس کا طویقہ رہی

(۱۳) دریان ـــ یه جزیره ملابا کا ایک نیم جنگلی درخت هے اس کی کاشت نے کوئی ترقی نہیں کی ۔ شاید اس کا سببیه هے که دریان کا بیمج بہت جلد خراب هو جانا هے ' جس کی رجه سے درد درر لے جانا مشکل هے ۔ علاوہ اس کے دریان کے بھل سے ایک قسم کی بؤ آتی هے'' جو طبیعت کو بہت ناگوار هوتی هے ۔ اس کا پھل بیضہی ارر سات آتهه انچ لمبا هوتا هے ۔



دریان ش**کل نبی**ر ۱**۰**۵

درخت قدآور اور ارنچا هوتا هے - جب پهل یک کر گر جاتا هے ' تو اُس کی ہو کم هوتی هے - بینچ بهون کو کهانے پر چست نت کا سا مزہ دیٹا هے - بنگال اور ممالک متحدہ میں اُس پر جو تجربے کئے گئے اُن میں کچھت زیادہ کامیابی نہیں هوئی - لیکن ابهی مزید تجربے کی گنجائھں باتی هے -

ہدائی الاصل ہے ' جو مغربی گھات اور نیلگری میں خودرو ہوتی ہے ' اور میس بھولتی الاصل ہے ' جو مغربی گھات اور نیلگری میں خودرو ہوتی ہے ' اور میسوری رس بھری کے نام سے مشہور ہے ۔ یہ فروری میں پھولتی

ھے اور مارچ میں پہل دیتی ھے - اس کی کاشت کے لئے طاقتور زمیس ضروری ھے - اس کے تونتے برسات میں آسانی سے لگ جاتے ھیں - میتھی چٹنی و مربے بنانے کے لئے اکثر لوگ اسے بہت پسند کرتے ھیں - درسری قسم اپنے اصلی وطن کے نام پر ماریشس رس بھری کے نام سے مشہور ھے - دونوں قسمیں ھلکی متیار زمین میں اچھی ھوتی ھیں - ان کو گوبر اور ھقی کی کہاد دینا چاھئے - پودے کے تھالے میں راکھہ ڈالنا بھی مفید ھوتا ھے - اسکا بینج بھی بویا جانا ھے - پردوں کے بونے کے تھسرے سال پھل آنا ھے - پھل آنے کے زمانے میں پانی اور کچھہ کھاد دینا بہت منید شاہت ھوتا ھے۔

ر ۱۳۳) رامبوتان ہے یہ ملک ملایا کا ایک پهل هے - سنکا پور میں اس کی کاشت بہت هوئی هے ، مگر هندوستان میں اب تک اس میں کوئی ترقی نہیں هوئی هے ؛ اس کا درخت تیس چالیس فت اونچا هوتا هے - پهل بیضاوي ، لینچی کی وضع کا اور زیادہ تر سرخ هوتا هے ، اور اس پر بوا بوا رواں هوتا هے - تازہ پهل کهایا جاتا هے ، اور میٹھا هوتا هے -

رم پھل ۔ یہ شریفے کی ایک قسم ہے ۔ رام پھل اور شریفے میں یہ فرق ہوتا ہے کہ اس کے اوپر شریفے کی طرح کوریاں نہیں ہوتیں اور میتھاس بھی اس سے کم ہوتی ہے ۔ درخت شریفے کی طرح ہوتا ہے ۔ برسات میں اس کے انکھوے لگاکر درخت تیار کئے جاتے ہیں ۔

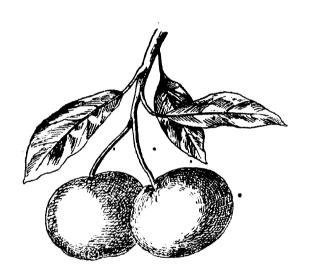
ردہ آلو کا اصلی وطن وسط ایشیا کے معتدل (۲۵) زرد آلو کا اصلی وطن وسط ایشیا کے معتدل ملکوں میں ہے ۔ اور خیال میں کے فالدا آرمینا اس کا خاص مقام ہے جہاں سے آس نے یورپ میں سن عیسوی کی ابتدا سے بہت پہلے رواج

پالیا تھا۔ فرمنگر نے لکھا ھے کہ جہاں تک مجھے معلوم ھے میدانی علاقوں میں زرد آلو اچھا نہیں ھوتا ھے ۔ کیمرن نے بھی اس رائے کی تاثید کی ھے ۔ مگر بارسلے کی تحریر سے پتہ چلتا ھے کہ سہارنپور میں اُس کی کاشت میں کامیابی ھوئی ھے ' اگرچہ پھل کا مزہ ویسا اچھا نہیں ھوا جھسا کہ پہاڑی علاقوں میں ھوتا ھے ۔ اکثر پھاڑی علاقوں میں اُس کی پودا خودرو ھوتا ھے ' اور یہ اُس بات کی دلیل ھے کہ اگر وھاں اس کی کاشت کی جائے تو ضرور کامیابی ھوگی ۔ لداخ اور کشمیر کا زرد آلو پنجاب کے بعض مقامات پر بکثرت آتا ھے۔ طریقہ کاشت وھی ھے پنجاب کے بعض مقامات پر بکثرت آتا ھے۔ طریقہ کاشت وھی ھے پنجاتے ھیں کہ اس میں زیادہ کامیابی ھوڑی ھے۔ پہاڑی علاقوں میں پیوند اپریل مئی میں لکانا مناسب ھوگا۔

(۲۹) زینون صحرائی ۔۔ یہ آیک درمیانہ قد کا درخت ہے۔ اس کی پتیاں اُرپر کی طرف سے ھری اور نیجے سے نقرئی ھوتی ھیں ۔ اس کی پتیاں اُرپر کی طرف سے ھری اور نیجے سے نقرئی ھوتی ھیں ۔ اس میں جاڑے میں پھول آتے ھیں ' اور مارچ میں پھل پکنے لگتے ھیں ' جو کروندے کے برابر ھوتے ھیں ۔ ترشی کی وجہ سے کھانے کے قابل نہیں ھوتے ۔ اس کا مربہ اور چتنی دونوں بنائے جاتے ھیں ۔ اس میں پھل بہت کثرت سے آتے ھیں ' اور بیجے بنائے جاتے ھیں ۔ اس میں پھل بہت کثرت سے آتے ھیں ' اور بیجے اکتوبر میں بو کر درخت تیار کیا جاسکتا ھے ۔

(۲۷) سپاتو سیم ایک سدا بہار دار درخت هے ' اس کی پتیاں اور پچاس سے ستر فت تک اونچا هوتا هے ' اس کی پتیاں چیک دار اور پھول سفید هوتا هے - پکا پھل زرد کتھٹی اور نرم میٹھا اور بہت لذیذ هوتا هے - بقول فرمنٹر کے اس سے زیادہ اچھا پھل اس ملک میں نم هوگا - پیٹر کی رائے

ھے کہ سپائو اصل میں میکسیکو کا پودا ھے - یہ بنکال میں بھی ھوتا ھے ' اور بسبئی کی طرف بھی ھم نے اس کا درخت دیکھا ھے ' جو سال میں دو موتبہ یعنی اگست و مارچ میں پھلتا ھے - اس کا درخت بھیے سے تھار ھوتا · ھے ' اور اس میں پیوند بھی لگائے جاتے ھیں - پیوندی درخت تخسی سے اچھا ھوتا ھے -



سپائو ش*کا*ل ئیبر ۱۰۹

درخت لگانے ہے لگے ایک فت قطر کے دس دس فت گہرے گوف کھودتے ، اور مینگنی کی کھاد بھرتے ھیں - میگنی کی کھاد دوسرے تیسرے سال دیتے رھنا ضروری ھے - بیج گرمیوں میں ایک مهیئے میں جم آتا ھے - جب یودے میں دو تین پتیاں آجائیں ، تو اُس کا گمالا بدل کر اُسے دوسرے گملے میں کم و بیش دو سال رکھنا چاھئے ، یہاں

تک که وه زمین پر لگانے کے قابل هو جائے - هارتاس کا خیال هے که اگر کھرنی سے اس کا پیوند کرا دیا جائے تو اس میں پیل جلد آتا هے ' ارر درخت کا فد چھوٹا هو جاتا هے - رگرمیوں میں اس کی سینچائی ضررری هے - درخت بہت آهسته آهسته برهنا اور سات آتهه سال میں پہلنا هے - اس کا پیوند آم کی طرح لگتا هے - کہا جاتا هے که سمندر کے کنارے سرخ بالو هی زمین پر اور دکن کی کالی متیار زمین پر یہ پہل بہت ترقی کرتا هے - دو درختوں کے درمیان بیس پچیس فت کا فاصلہ رکھنا چاہئے ۔

(۳۸) سردا<u>—یه</u> خربوزے کی قسم کا پهل <u>هے</u> - اُس کا اصلی [•] وطن کابل هے هندوستان میں عام طور سے نہیں هوتا - پنجاب کے آکثر اضلاع میں اس کی کاشت هوتی هے ' لیکن وہ اصلی کابلی سردے سے لذت میں کمتر هوتا هے پهل برا اور بیضوی هوتا هے پهل کا رنگ زردی مایل اور چهلکا کهر کهرا هوتا هے - مارچ میں جب بویا جاتا هے اور پودا طاقتور اور اچها هوتا هے - لیکن اس سے پہلے بهی بو سکتے هیں - بیم کو پہلے پانی میں بهگونا اور تر کپتے میں اس وقت تک لپیت کو رکھنا اچھا ھے جب تک کہ انکھوے نہ بكل آئين - انكهوے نكلنے پر أس كو حسب دستور ناليوں ميں 'جن میں خوب کهاد دی گئی هو 'ایک یا دیوه انبج گهرا گازنا اور پانی دینا چاہئے اور جب تک پودے کافی ہوے نہ ہو جائیں تب تک سینچائی میں بہت احتیاط رکھنا چاہئے - پھولئے کے وقت پانی کم کر دینا چاہئے پھول کے بڑھلے کے زمانے میں خوب سیراب کرنا ضروری ھے۔ یک جانے پر یانی بند کردینا چاها - اس کے کاشت کی باقی صورت اور کیفیت خربورے .کی طرح ن<u>ھے</u> - (٣٦) سنگترہ ' یا سنترہ ارنگی ' کنولا اور سنگترہ (سنترہ) ' یہ سب نام عام طور پر اس ضرح خلط ملط کر کے استعمال کئے جاتے ھیں کہ ان میں فرق کرنا مشکل ہوتا ہے ۔ لیکن ان کی حقیقی تقسیم یوں کی جا سکتی ہے کہ:کنولا ایک ایسی جنس ہے ' جس میں نارنگی اور سنترہ دونوں شامل ہیں ۔ اصل میں یہ دونوں ایک ہی ھیں فرق صرف اس قدر ہے کہ کنولے کی میتھی قسم کو سنترہ کہتے ھیں ' اور نارنگی میں کسی قدر ترشی ہوتی ہے ۔ پھر سنترے اور نارنگی کی شکل ر شباھت اور ممنی کاشت کے لحاظ سے مختلف قسمیں ھیں ۔ سنتروں میں ناگپور اور سلمت کے سنترے زیادہ مشہور ھیں ۔

جنرل جنکنس نے لکھا ہے کہ ناگیوری سنترہ سال میں دو مرتبہ پھلتا ہے۔ پہلی مرتبہ فروری مارچ میں پھولتا ہے اور جون ' جولائی میں پکتا ہے۔ دوسری مرتبہ جون جولائی میں پھولتا اور مارچ تکرھتا ہے ' میں پکتا ہے۔ دوسری مرتبہ جون جولائی میں پھولتا اور مارچ تکرھتا ہے ' ھم نے خود ان کو اس کثرت سے پھلا ھوا دیکھا ہے کہ شاخوں کو سھارا دینے کی ضوروت ہوتی ہے ؛ ورنہ شاخیں پھلوں کے بوجھہ سے توت جائیں تو تعجب نہیں ۔ اس کا درخت چشہ یا پیوند سے تیار کیا جاتا ہے ۔ چشمہ لگانا پیوند لگانے سے زیادہ اچھا ہوتا ہے ۔ اس کے لئے کہتے و میتھے لیموں کا ایک سال کا پودا استعمال کونا چاھئے ۔ میتھا لیموں اس کام کے لئے اچھا ھوتا ہے۔ برسات ختم ہونے پر جورں کو تیں چار فت قطر میں ۔ اور اٹھہ نو انچ برسات ختم ہونے پر جورں کو تیں چار فت قطر میں ۔ اور اٹھہ نو انچ مدن کھول کر ہوا دینا ضروری ہے ۔ متی کھودتے وقت جورں کو مدنہ پہنچنے سے بچانا چاھئے ۔ کم و بیھی دو ہفتے کے بعد گڑھ نئی مدنہ یہنچنے سے بہر دیئے جاتے ہیں ۔ گوبر یا پاخانے کی کھاد دی جاسکتی ہے ۔ نواب سید امداد امام صاحب (پٹنہ) لکھتے ہیں کہ اس کے نصب کرنے کا زمانہ وہی ہے ۔ جو آم کا ہے اور انہیں یہ عمل کرنے میں کہ اس کے نصب کرنے کا زمانہ وہی ہے ۔ جو آم کا ہے اور انہیں یہ عمل کرنے میں کبھی ناکامیابی

نہیں ہوئی۔ چشمہ لگانے کے لئے فررری مارچ کا زمانہ مناسب سمجھا جاتا ہے۔

نارنگی کی بھی کاشت استعرے کی طرح ہوتی ہے۔ اس صوبے میں بنارس اور فیض آباد کی نارنگیاں اچھی ہوتی ہیں ۔ انگور وغیرہ کی طرح ان کا چھانگنا ضروری نہیں ہے ابلکہ کسی حد تک مضر ہے - کیونکہ چھانگنے سے ان میں لکتی کے ٹھونگہ پیدا ہو جاتے ہیں ۔ پھول آنے کے زمانے میں پانی دینے سے پھول کر جاتے ہیں الیکن پہل آجانے پر پانی کی کمی نہ ہونا چاھئے ۔ مارچ اپریل اور مئی میں خاص کر خوب پانی دینا چاھئے ۔ ایسی زمین پر اجس میں چونے کا تناسب زیادہ ہو ' یہ چیزیں اچھی ہوتی ہیں ۔ بلکہ کہا جاتا ہے کہ جتوں کو ہوا دینے کے بعد جب پھر دھکنے لگیں ' تو کھاد کے ساتھہ تھوڑا سا پورانا چونا دینے ضرور ملادینا چاھئے ۔ ایسا کرنے سے ترشی کم ہوجاتی ہے ۔

نارنگی کی ایک قسم '' هزاره کے '' نام سے مشہور هیں ' جس کا اصلی وطن ملک چین ہے۔ اُس کا پہل تو چہوتا اور کبوتر کے اندے کے برابر هوتا ہے ؛ لیکن درخت بہت کثرت سے پہلتا ہے۔ چہوتے چہوتے سرخ پہل ایک آگ سی لگادیتے هیں۔ اِسے باغوں میں زیبائش کے لئے لگایا جاتا ہے۔ پہل مربۂ بنانے کے کام آتا ہے۔ تین برس سے پہلے اور پانچ برس کی عمر میں ان درختوں پر بعض کیورں کا حملۂ هوتا ہے۔ اُس وفت ان کی نگرانی اور حفاظت کرنا چاھئے۔ اس غرض کے لئے مختلف چیزیں پچکاری سے ڈالی جاتی هیں ' جن کا بیان کسی دوسری بگھۂ چیزیں پچکاری سے ڈالی جاتی هیں ' جن کا بیان کسی دوسری بگھۂ کیا گیا ھے۔ جشمۂ سے تیار کیا ہوا درخت تیسرے برس پہل دینے لگتا ہے۔ هندوستان میں اِس پہل کی هر دل عزیزی کا اندازہ اس امر لگتا ہے۔ هندوستان میں اِس پہل کی هر دل عزیزی کا اندازہ اس امر سے هوسکتا ہے کہ اس کے نام پر کپڑے رنگنے کا رنگ '' نارنجی

مشہور فے جو بہت پسند کیا جاتا ھے - بہ نسبت ھندوستان کے یورپ کے ملکوں میں اس کی زیادہ قسمیں پائی جاتی ھیں - باغوں میں نصب کرنے کے لئے درختوں کے درمیاق بیس بیس فت فاصلہ رکھنا چاھئے - باقی گاشت سنترے کی طرح ھوتی ھے -

(• •) سنگنهارَة _ یه ایک بهت عام پهل هے جس کی بیل تالابوں اور جهیلیں میں پانی پر هوتی هے - کہاررں کی قوم اس کی کاشت کرنے کے لئے خاص شہرت رکھتی هے - کچا پهل چهیل کو اور اُبال کر کهایا جاتا هے - شوقیں لوگ اسے خشک کر کے بعد رکھتہ لیتے هیں اور موسم ختم هوجانے کے بعد مختلف طریقوں سے استعمال کرتے هیں - پهل کے چهتے پانی پر پهیلے هوئے بهت خوشنما معلوم هوتے هیں - بهل کے چهتے پانی پر پهیلے

سنگہاڑا ھندوستان کے قریب قریب ھرصوبے میں پیدا ھوتا ھے۔
اس کی شکل تکونی کانتے دار ھوتی ھے - اس کی بیل تالاہوں میں اور
جھیلوں میں لگائی جاتی ھے ' جہاں پانی کم و بیس چھے ماہ تک برابر
بہرا رھتا ھو - بیل لگانے کا بہترین زمانہ برسات ھے - اس بیل میں ایک
سم کے کیڑے بہت پیدا ھوتے ھیں ' جو پتوں کو کھالیتے ھیں ارر ان کے
دفع کرنے کا طریقہ یہ ھے کہ کسی لکتی کے دونوں طرف ایک ایک گہڑا
آلتا کرکے باندہ لیتے ھیں - گہڑے پانی میں تیرتے رہتے ھیں ارر ارسی
کی مدد سے پانی میں گہس کر ھر بیل کو اُلت اُلت کر دیکھتے اور اُن پر

ر 01) سیب — اس درخت کا اصلی وطن برطانیه اور یووپ کے بعض معتدل حصے بتائے جاتے ھیں -

اس کا تقد موتا هوتا هے ' لیکن درخت بہت اونچا نہیں بوهتا اور چھتر دار هوتا هے - اس کے درخت کی عمر زیادہ هوتی هے چفانچه تامس مور نے لکھا هے که اگر اس کی زمین اچھی هو تو سیکروں برس تک تائم رہ سکتا هے - یورپ میں اُسکی بیشمار تسمیں هیں ' جن میں سے بہتیری همارے صوبے کے تخمی آموں کی طرح گمفام هیں -

سیب هددوستان میں بھی پوری کامیابی سے پیدا کیا جاسکتا ھے ' خاص کر کشمیر اور بعض دوسرے پہاڑی مقامات پر نہایت اچھا سیب هوتا هے ' جہاں سے وہ میدانی علاقوں میں آتا هے - هم نے بللدشهر میں بھی سیب کو بارآور ہوتے دیکھا ھے - اتنا فرق ضرور ھے کہ رھاں کا سیب پہاڑی سیبوں سے جھوتا اور میتھاس میں کسی قدر کم ھوتا ھے - اس کا ورخت بیج یا قلم یا دابا لکاکر تیار کیا جأسکتا هے - اور اگر دیسی تخمی درخت در پیوند کیا جائے ' تو زیادہ کامیابی هوگی - بعض لوگ اس کا چشمہ بھی باندھٹے ھیں - قلم لگانے کے للے برسات کا پرمانہ بہت مناسب هوتا هے ' مگر فروری میں بھی لگایا جاسکتا هے - پیوند کے لئے مارچ کا زمانة اچها هوتا هـ - كاشت كا بافي طريقة شفتالو كي طرح هـ - جنوري میں درختوں کا تھالہ کم و بیش دو هفتے کے لئے کھولنا ' تازہ کھاد بھونا اور پھول آنے کے وقت خرب سینچائی کونا چاھئے۔ پھول فروری مارچ میں آتا ہے - اس کے بعد دو ماہ میں پہل اُترنے لگتے ہیں - استوارت نے لکھا ہے کہ اکثر سیب میں ایک سال زیادہ اور دوسرے سال کم یا چھوٹے پھل آتے ھیں - یہ زیادہ تر سب پہلوں کو درخت پر پکلے دینے کا اثر ہے - جب درختوں میں پہل بہت آئیں ' تو انکو تورکر کم کردینا چاھئے اور پہلی مرتبہ کم کرکے نگاہ رکھنا چاھئے کہ پھل اس کے بعد بھی بہت قریب قریب نه رهنے پائیں ' کیونکہ بہت زیادہ پہل لیلے سے درخت کمزور هوجاتا هے -

(۷۲) شجری تماتر - یه ایک درخت هے ' جو تهور حدی هرنے امریکه سے هده رستان ایا گیا هے - ایکن میدانی عاقے میں نہیں پایا جاتا - جغوبی هندوستان کے پہاری مقامات پر اُس کی کاشت هوتی هے - کم از کم اس ضوبے کے پہاری حصوں میں آزمانے کی چیز هے - شاخوں پو به کثرت پهل آتے هیں - اس کا آچار بہت اچها بنتا هے - ترکاری کے طور پر بهی کام آتا هے ؛ اور هر اُس کام آسکتا هے جو والیتی بیگن یا تماتر سے لیا جاتا هے - پهل سبزی مائل سرخ هوتا هے ' لیکن پکنے پر پیلا پی آجاتا هے - پهل سبزی مائل سرخ هوتا هے ' لیکن پکنے پر

درمیانه قد کا هوتا هے - اس موبه کا ایک معمولی پهل هے - اس کا درخت درمیانه قد کا هوتا هے - اس موب برسات اور جارے میں پهل آتے هیں - برسات میں بینج بوکر اسکا درخت تیار کیا جاتا هے ' جو در تهن سال میں پهل دینے لگتا هے پهل آنے کے زمانے میں (اور خاص کر جارے میں) اس کے درخت میں گوبر کی کهاد اور پرانا چونا دینا بہت فائدہ ماد هوتا هے ۔ اکثر مقامات پر شریفه خودرو بهی هوتا هے ' لیکن اس کے پهل کاشت کئے هوئے شریفے کے برابر اچھے نہیں هوتے - پهلوں کو پرند اور گلہریاں وغیرہ بہت نقصان پہنچانی هیں - اس کی روک تهام کے لئے عمرمأ کیہ کیا جاتا ہے که اس کی پال ذال دی جاتی هے - لیکن اگر درخت پو جال لگاکر پهل کو درخت میں پہنچانی هیں عوقع دیا جائے تو زیادہ میتها هوتا هے ۔

(٥٣) شفتالو اس پهل کا درسرا نام آرو هے - اس کے اصلی وطن کے متعلق بہت اختلاف رائے هے - بعض ماهرین فن اسے چیلی پهل بتاتے هیں - تامس مور نے اسے ایرانی الاصل بتایا هے ' اور یہی زیادہ

ترین قیاس امر هے - اس کی بہت سی قسمیں هیں - لیکن چونکه همارے یہاں اس کی کاشت کم هوتی هے ' اس وجه سے اسکی قسمیں میں بہی بہت ترقی نہیں هوئی هے – اس کی عام طور سے دو قسمیں پائی جاتی هیں جن میں سے ایک کا پهل گُول ' اور دوسرے کا چیڈا هوتا هے - گول پهل کی گٹھلی بادام سے بڑی اور نوکدار هوتی هے - لیکن چیڈے شنتالر کی گٹھلی بھی چیڈی هوتی هے ' چیڈے ازو کو مالی لوگ چکٹی (یعنی چیڈا) آزو کہتے هیں - ایرانی شفتالو هندی آزو سے زیادہ لذیذ هوتا هے -

آرو کا درخت کسی کھلی جگه میں گھلی بوکر تیار کیا جا سکھا هے - بیم ستمبر اکتوبر میں بویا جاتا ہے اور بہت عرصہ میں جمتا ہے - ، خیال هے که گتهلی سے پیدا کئے هوئے درخت کے پهل ایسے هی عدد هونگے جیسے پیوند کئے هوئے شفتالو - لیکن ^وبہتر طریقه یه دے که آرو چشمه یا پیوند کے ذریعے تیار کیا جائے ۔ جو پردا دروری میں تخم سے نکلے گا' ولا جون جولائی میں چشمہ یا پیوند باندھنے کے قابل ھوجائے گا۔ اس طرح اس میں دو سال میں پھل آجائے گا - همالیة پر اسکی کاشت میں بہت کامیابی هوئی ہے - اور وهاں کاشت کرنے والوں کی رائے ہے کہ اگر کوشص کی جائے تو یورپ جیسے آزو یہاں بھی پیدا کئے جاسکتے ھیں -همارے صوبے میں برسات میں آرو کے درخت میں کثرت سے شاخیں اور پتیاں نملتی هیں - ان کو چهانت دینا ضروری هے ، ورنہ پهل اجها نه هوگا - اوائل فروری میں پھول آنا شروع هوتا هے - اس کے بعد پھل آتے ھیں اور اگر وہ جلد نہ پکیں ' تو گرمیوں کے زمانہ میں شدت دھوپ سے خراب ھوجاتے ھیں - اگرچہ گرمی میں اس کو پانی دینا مفید ھے ' لیکن پہلوں کو پکنے میں مدد دینے کے لئے پانی روک دینا چاھئے ' اور جوں کے گرد دو تین فت گہری متی کھود کر نکال دینا چاہئے '

تاکه هوا کا گذر خوب هو ' پهر ان گرهوں کو اچهی کهاد اور تازه خشک مثی بهر کے بند کر دینا چاهئے - کسی قدر کنکریلی زمین پر درخت اچها هوتا هے ؛ اور اگر زمین میں چونے کی کمی هو ' تو کهاد کے ساته پونا مالنا ضروری هے -

(٥٥) شهتوت کا اصلی وطن ایران بتایا جانا هے ' جہاں کا پهل نہایت ولایتی شهتوت کا اصلی وطن ایران بتایا جانا هے ' جہاں کا پهل نہایت اچها هوتا هے - اکثر مقامات پر ایران سے درخت لاکر لکایا گیا هے - لیکن اُن کی کامیابی اور ناکامیابی کے متعلق کوئی مستند اطلاع نہیں هے - هندي شهتوت رنگ اور شکل کے لحاظ سے سفید اور سیاد درنوں رنگ کا هوتا هے - شروع شروع شهر ود سرخ هوتا هے ' مگر پکلے پر اس میں سیاهی دور جانی هے - درخت بہت برا تناور اور سایمدار هوتا هے - پهل میتها اور چاشنی دار هوتا هے - سیاد شهتوت کی ایک قسم کا پهل چهوتا هوتا هے ' اور 'نے دانہ''،سهتوت کہلاتا هے -

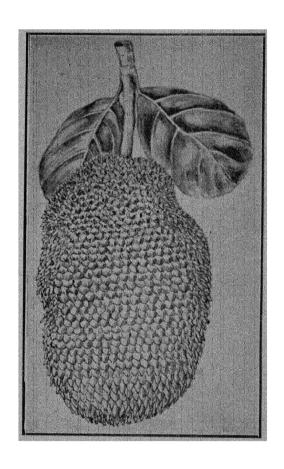
هندي شهتوت ميں پهل مارچ کے قريب آتے هيں - اس کا درخت قلم سے تيار هوتا هے ' اور اس کی افزايش نسل کا يہي طريقة زياده اچها هوتا هے - اس صوبے ميں اس کا قلم برسات ميں لکايا جاسکتا هے - ماهرين فن کی رائے سے اندازہ هوتا هے که هندی شهتوت بهت گهتيا هوتا هے - اس کے مقابلے ميں ايرانی شهتوت بهتر هوتا هے - ايران کے لوگ اسے خشک کرکے رکهہ ليتے هيں ' اور سفر ميں بطور شکر پالے کے ساتهہ رکھتے هيں - بر عکس اس کے هندی شهتوت رکھنے سے خراب هوجاتا هے -

(٥٩) فالسه-يه ايک معمولی هندوستانی پهل هے - اس کا درخت بہت اونچا نہيں هوتا 'بلکه ايک جهاری کی طرح هوتا هے -

اس کے پتے بوے بوے ہوتے هیں - پهل گرمی میں آتا هے اور مقر سے کسی قدر بوا هوتا هے - گرمی کے زمانے میں تازہ فالسے کا شربت نہایت لذیڈ اور مفرح هوتا هے - برسات میں قلم یا بینج لگاکر اس کے درخت تیار کئے جاسکتے هیں ۔ فالسے کو کسی خاص نگرانی کی ضرورت نہیں هوتی - اگر پهل آنے کے زمانے میں درخت کو خوب پائی دیا جائے تو پهل اچها هوتا هے ۔ اس کی ایک اور قسم ' فالسه شکری'' کے نام سے مشہور هے - اس کی کاشت بھی معمولی فالسے کی طرح هوتی هے ' اور اس کا استعمال بھی وهی هے -

جوار در اور سدا بهار درخت هـ ، ایک جهاز دار اور سدا بهار درخت هـ ، جوار کم و بیش چالیس فت ارنچا هوتا هـ - چونکه یه جنگلی حالت مین اچها پهنتا هـ ، اس لئے اس کی کاشت نے بهٹ ترقی نهیں کی اس کا اصلی وطن امریکه هـ ، جهال سے اقبل پرنگال اسے ایشیا اور افریقة میں لئے ، اور وهال سے هندوستان پهنچا - مگر فرمنگر کا خیال هـ که کلجو هندوستانی چیز هـ - کهانے کے لئے پهل کو مرنگ پهلی کی طرح بهون لیتے هیں - کلجو بالوهی اور کنکریلی زمین میں خرب هرتا هـ - اس کا بیج بوسات ، بی بوکر درخت تیار کیا جاسکتا هـ - اسے بالے سے بهت بید صدمه پهنچتا هـ - اس کے درخترں کے درمیان میں هر طرف سے پندر الله فت کا فاصله رکهنا چاهئے - اس میں تیسرے سال پهل آنے لئتا هـ - درخت کی عمر معمولاً پندره سال کی هرتی هـ ، جس کے بعد الله میں سے ایک قسم کا گوند به کثرت نکلئے لگتا هـ ، اور باخر درخت مسوکه جاتا هـ - ،

(٥٨) كَتَّهَلَ حَتَّهُلَ كَا دَرَخْتَ بَهْتَ بَوَا هُوتًا هَ - اَفُرَ حَالَتَ اَسَ كَ مُوافَقَ هُونُ تُو شَاتُهُ سَتَرَفْتَ تَكَ اَوْنَچًا هُوْجَاتًا هَ - اُودَةً كَى اَفْلَاعَ مَيْنَ بَهْتَ هُونًا هَوْ اُورَ كَمْ اَوْدَ كَى اَفْلَاعَ مَيْنَ بَهْتَ هُوتًا هَوْ اُورًا كُمْتُهُلَى بِاغْ كَهَالَةً هَيْنَ - اَوْدَ هُونَ هَيْنَ اَوْرُ كَتَّهُلَى بَاغُ كَهَالَةً هَيْنَ - اَوْدُ كُمْتُلِي اَفْرُ كُمُ اللّهُ لَمْ بَاغُ هُونَ هَيْنَ أَوْرُ كُمْتُهُلِى بَاغُ كَهَالَةً هَيْنَ اَوْرُ كُمْتُهُلِى بِاغْ كَهَالَةً هَيْنَ اللّهُ اللّلَّا اللّهُ اللّل



ک^تهل شکل نمپر ۱۰۷

قد اور مقدار کے لحاظ سے شاید هی کوئی پھٹ اس سے بڑا ھوتا هو۔ یورپی سیاحوں کو خصوصاً یہ بہت عجیب معلوم هوتا هے۔ اس صوبے کے مغربی اضلاع میں کم هوتا هے۔ اور هوتا هے تو اچھے پھٹ نہیں لاتا۔ بلند شہر میں ایکہ رئیس کے بباغ میں دو بڑے بڑے درخت تھے ' جس کے پھٹ بھگن کے برابر هوکر خراب هوجاتے اور گرجاتے تھے۔ اس کا سب سے بڑا سبب یہ تھا کہ اس جگھہ کی زمین کنکریلی نھی۔ کھے کانہل کا رنگ سبز اور اُوپر کا چھلکا مخاردار هوتا هے ' مگر پکنے پر رنگ زرد هوجاتا هے۔ جھلکا بہت موتا هوتا هے۔ اندر پکا هوا کویا نکلتا هے جو میٹھا هوتا هے اور هر کوئے میں ایک گٹھلی هوتی هے ' جو بھرں کر کھائی جاتی هے ' اور بقول رکس برگ کے ' مزے میں چست نت سے کم نہیں هوتی ۔ کچا پھٹل آور بقول رکس برگ کے ' مزے میں چست نت سے کم نہیں هوتی ۔ کچا پھٹل آور بقول رکس برگ کے ' مزے میں چست نت سے کم نہیں هوتی ۔ کچا پھٹل آور بقول رکس برگ کے ' مزے میں چست نت سے کم نہیں هوتی ۔ کچا پھٹل اس دار هوتا هے - خوشبو بہت آین ' اور خاص قسم کی ہوتی ہے ۔

[ديکهو شکل نمبر ۱+۷]

کتہل کی دو قسمیں ھیں - ایک کا پھل ہوا ھے اور اسے کتہل کہتے ھیں - درسری قسم کا پھل چھرتا ھوتا ھے - اسے کتہلی کہتے ھیں - پہلی قسم مزے میں اچھی ھوتی ھے ' اور پسند کی جاتی ھے - نرمبر میں پھڑل اور پھل آنے لگتا ھے اور یہ ساسلہ مارچ تک جاری رھتا ھے - بالوھی زمین میں کتہل خوب ترقی کرتا ھے - اس کا بیچ شروع برسات میں بریا جاتا ھے - بہتر یہ ھے کہ پہلے اس کا ذخیرہ بویا جائے اور جب پودے دو تیں فت اُونچے ھوجائیں تو جھاں رکھنا ھو لگا دنے جائیں - لگانے کے لئے گڑھے کود کر اُنکو گوبر کی کھاد سے بھرنا اچھا ھوتا ھے - اور حسب ضرورت پانی دیا جاتا ھے - اکثر کچھ دنوں تک سہارا دیئے کی ضرورت ہوتی ھے - اس کے علاق بہت نگرانی کی ضرورت نہیں ھوتی ۔ کم و بیش پانچ برس میں پھلتا ھے -

پہل تغے پر اور موتی شاخوں پر بھی ہوتا ھے - بعض اوقات جو کے قریب یا زمین کے اندر جو میں بھی پھل نکل آتا ھے - ایسا پھل بہت لذیذ ہوتا ھے اور قابل تعریف خیال کیا جاتا ھے -

(09) کروندا — یہ ایک معبولی هلدوستانی درخت هے 'جو کم و بیشن دس فت اونچا هوتا هے - اس کے پتے گہرے سبز ونگ کے اور چمکیلے هوتے هیں - اور شاخوں پر بتے بوے سخت کانتے هوتے هیں - پهل منے میں ترش هوتا هے ' اور عموماً اچار اور چتنی کے لئے بہت آچها سمتجها جانا هے - فروری میں پهولتا اور برسات تک پهل لاتا هے - پهلوں کو ترونے سے ایک دودہ نکلتا هے ' جو سوکھنے پر بہت لیسدار هوجانا هے - کچے پهل کا رنگ سبزی مائل هوتا ،هے ' اور پکنے پر سرخ هوجانا هے - پهل میں کئی ایک بیم هوتے هیں ' جن کو برسات میں بوکر درخت تهار کئے جاسکتے هیں - باغات بهوبال کے مہتم نے کروندا کی ایک ایسی قدم کا ذکر کیا هے جس کے پهل کا رنگ خوشنما اور سفید هوتا هے -

کروندے میں کثرت سے پھل آتے ھیں ' چونکہ اس کا درخت چھوت اور خربصورت ھوتا ھے ' اس وجہ سے اکثر باغوں کے کفارے اس کی باڑھ لگاتے ھیں ۔ جنگلوں میں خودرو درخت بھی پایا جاتا ھے ۔ اس کے لئے کسی خاص نگرانی کی ضرورت نہیں ھوتی ۔ پانی کی جگہ خرب ھوتا ھے ۔ اس لگے باغیں میں پانی کی نالیوں کے پاس لگانا اچھا ھوتا ھے ۔ اودہ کے جنگلوں میں مکو کے برابر اور اُسی رنگ کا سیاھی مائل ایک پہل ھوتا ھے ' جس میں کسی قدر رس اور متھاس ھوتی ھے ۔ اس چھوتے سے پھل میں بھی دھلگے کے برابر پتلے پتلے دو تین بھیج ھوتے ھیں ۔

اس کا دوخت قریب قریب کروندا کی طرح هوتا هے ' اور اِسے بھی کروندا هی کہتے هیں - لیکن فرق کرنے کے لئے اسکو ' راےکروندا ' بھی کہتے هیں - پکا پهل دیہاتوں میں بکثرت بکتا هے اور بہت کهایا جاتا ھے - ·

(۱۴) کسیرو۔ یہ ناگر موتھا کی قسم کا ایک پودا ہے جس کی جو میں سیالا چھوٹی اور خوشبودار گرھیں ھوتی ھیں ' اور دوا میں کام آتی ھیں۔ کسیرو کی گرہ ناگر موتھے سے بڑی اور چھوٹی بھر کے برابر ھوتی ہے ' مگر اس میں خوشبو نہیں ھوتی ۔ چھلکا کھر کھرا ھوتا ھے اور چھلکے کے اندر سنید گودا نکانتا ھے ' جو کچا کھایا جاتا ہے ۔ بھوں کر اور شربت بناکر بھی استعمال کرتے ھیں۔ بونے کی ترکیب یہ ھے کہ کسی تالاب میں ایک کنارے کی طرف تھھڑے سے حصے کا پانی نکال کر اُس میں چھوٹے چھوٹے گڑھے بنائیں اور کوڑے کی کھاد دے کر اُسے پندرہ دن تک خشک ھونے دیں، اس کے بعد اسکی جویں بتھائیں۔

(۱۱) کسرک یہ ایک معبولی درخت ہے جو هندوستان کے هر حصے میں هوتا ہے - صوبحات متحدہ میں کمرک بہت عام ہے اور کم وبیش بیس نت اونچا ہوتا ہے - درخت سایہ دار اور پتیاں خوبصورت ہوتی ہیں - پہل چمکدار ' سبز ' خوبصورت اور گہرا پہلودار ہوتا ہے - پکنے پر اس میں زردی آجاتی ہے - کمرک کا موہ ترهی ہوتا ہے اور اس میں ایک خاص خوشبو ہوتی ہے - اس کا بیسے بویا جاتا ہے - اور پہل سال میں دو مرتبہ ' یعنی ستمبر و جدری میں ' بویا جاتا ہے - اور پہل سال میں دو مرتبہ ' یعنی ستمبر و جدری میں ' کمرک میں اور قسم چینی کمرک کے نام سے مشہور ہے - معمولی کمرک میں اور آس میں صرف اتنا فرق ہے کہ چینی کمرک کا درخت اور پہل دونوں چہوتے ہوتے ہیں ' اور پہل پکنے پر بھی ہوا ہی رہتا ہے ۔

درخت خوبصورت هوتا هے اور پیوند سے تیار کیا جاتا هے - زیبایش کے لئے باغ کی سرکوں کے کذارے بھی لگاتے هیں -

(۹۲) کھجور سیم هندوستانی درخت قریب قریب ماک کے هر حصے میں پایا جاتا ھے ' اور حیدرآباد میں تو اس کی اتنی کثرت ھے که رهان کی آمدنی کا ایک برا ذریعه شمار کیا جاتا هے - رهان تاری کی طرح کہمجور سے سیندھی نکلتے ھیں۔ اس کا درخت تار کی طرح بہت اونچا اور چہتر دار هوتا هے - تلے پر کھونتیاں سی ھوتی ھیں ' جن سے چڑھنے والوں کو بہت مدد ملتی ھے - کھجور کے پھل میں کٹھلی ھی کتھلی ھوتی ھے ' اور گودے کی ته برائے نام ھوتی ھے ' جو کسی قدر میتھی هوتی هے - بعض جگہوں پر اس کی اتنی کثرت هوتی ھے کہ اُس سے شکر نکالتے ھیں - جنانبچہ ھمارے ایک رئیس دوست نے جن کے علاقے میں کہجور کثرت سے ھے ' فرخ آباد میں یہ ھی کام شروع کیا تها لیکن بعض مجبوریوں اور دقتوں کی وجه سے چهور دیا - پنجاب کے بعض حصوں کی کھجور میں جو عام طور سے ''پلڈ کھجور'' کے نام سے مشہور ھے گودا بھی کافی هوتا ھے ' اور لذیذ بھی زیادہ هوتی ھے -کھجور اصل میں عرب کی چیز ھے - اور پہلے پہل عرب فاتحون کی وجه سے هندوستان میں رائم هوئی - ریگستانی آب و هوا میں کهمور خوب بارآور عوتا ھے - مشہور شور اور بلجر مقاموں اور دریاؤں کے کلارے اونچی زمینوں پر اکثر پایا جاتا ھے - اُس کا بیج بویا جاتا ھے ' اور چھه سات بوس میں پہل دینے لکتا ہے - پاڈ کہجور کی جو سے تونیے نکلتے ہیں -وہ بھیے ہونے کے بنجائے لگانے پر زیادہ اچھے رہتے ھیں لیکن دیسی کھجور میں تونگے نہیں نکلتے - بیم کو گالے میں لکوی کا برادہ بھر کر ہونا اور اس کو جب تک کلا نہ نکلے پانی دیتے رهنا چاهئے۔ کلا نکل آلے پر

أسے لكترى كى بتي ناندوں ميں لكانا چاھئے - جب ناندوں ميں پودے كئى برس كے هوجاًئيں تب ان كو زمين پر نصب كر دينا چاھئے ' جہاں وہ تيزى سے بتھتے ھيں - اسے ناريل كى طرح سردي سے بتھانے كى ضرورت نہيں هوتي ؛ ليكن گرمى ميں پانى ديتے رهنا ضرورى هے ـ

کے اکثر حصوں میں پایا جاتا ھے اس کا پھل نیم کے پھل کے برابر ' رنگ میں زردی مائل اور مزے میں میٹھا ھوتا ھے - یہ کثرت سے بازاروں میں بکتا اور کھایا جاتا ھے - پھل سے ایک لیس دار دودہ نکلتا ھے ، میں بکتا اور کھایا جاتا ھے - پھل سے ایک لیس دار دودہ نکلتا ھے ، مجو پھل کی خوبی کو گھٹا دیتا ھے - پھل کے اندر ایک یا دو سخت سیاہ بیج ھوتے ھیں - پتیلی کمیلیا کی پتیوں سے مشابہ ھوتی ھیں ، سیاہ بیج ھوتے ھیں - پتیلی کمیلیا کی پتیوں سے مشابہ ھوتی ھیں ، درخت تیار کیا جاسکتا ھے - کہٹے ھیں کہ سانچی کے پہاروں پر ' جو برخت تیار کیا جاسکتا ھے - کہٹے ھیں کہ سانچی کے پہاروں پر ' جو برے پرانے درخت ھیں ان کی کھرنی نہایت اچھی ھوتی ھیں ، بعض لوگ اسکھجور کی طرح خشک کرکے رکھہ لیتے ھیں ' اور بعد میں کھاتے ھیں ۔

(۱۲۳) کیتھا۔۔ایک بوا هندرستانی درخت هے اور کم و بیش چالیس فت اونچا هوتا هے - پهل کریکت گیند کے برابر گول اور سفید هوتا هے - جسکے اوپر سخت موتا چهلا هوتا هے - اندر گودا اور اسمیں بہت سے بیبج هوتے هیں پهل میں تیز کهتی خوشبو آتی هے اور اس کا مزہ کهت متها هوتا هے - کیتھے کے گودے کا رنگ پکنے پر کسی قدر گلابی اور پهل ذرا زردی مائل هوجاتا هے - یہ اکتوبر اور نومبر میں پکتا هے - برسات میں بیبج بوکر اور قلم لگاکر درخت تیار کر سکتے هیں لیکن باغوں میں لگانے سے زیادہ اچها جنگلی حالت میں هوتا هے - قلمی درخت تیار کرنے پر ممکن زیادہ اچها جنگلی حالت میں هوتا هے - قلمی درخت تیار کرنے پر ممکن

(٩٥) كيلا كيلا ايك نهايت مشهور لذين يهل هـ - يه ميداني علاقوں میں بہت هوتا هے ' اور پہاڑی حصوں میں بھی هوسکتا هے - اُس کی بهت سی قسمیں هیں - ان میں سے چمپا کیلا ' چینی کیلا ' رام کیلا ' موهن بهوگ ، چنیا کیلا ، کابلی اور بمبلی کیلا بهت زیاده مشهور هیل -ان میں سے در ایک کی شکل ' مقدار اور مزے میں فرق دوتا ھے - لیکن طریقة کاشت سب کا ایک هی هے - اس کے لئے زمیں نه صوف نوم اور نم هونا چاهیئے بلکہ اس میں کهاد بہت زیادہ دینا چاهئے - عام طور پر تو چھہ چھہ فت کے فاصلے پر گہرے گہرے گڑھے بنا کر کیلا نصب کرتے ھیں۔ لیکن یه طریقه زیاده اچها هے که لمدی نالی بنا کر پانیم چهه فت گهری گورَائی کی جائے اور اس میں خوب کھاد، ملائی جائے - گوبر اور ستی هوئی پتیاں اور راکھہ دینا بھی اچھا ہوتا ھے۔ نالی میں کیلا لکانے پر آبیاشی میں آسانی ہوتی ہے ' اور اس میں نمی بھی عرصے تک باقی رہتی ہے ۔ بافیں میں کیلا ایسی نالیوں کے قریب یا نالیوں ھی میں لکایا جا سکتا ھے' جن سے سینجائی کے لئے بانی آتا ہو۔ جس درخت میں ایک مرتبه پھل آجائے ' اسے زمین کے برابر کات دینا چاھئے - جو سے جو نئے کلے نکلیں گے ' وہ بوے ہوکر پہل دیں گے ۔

هر تیسرے سال پرانے درختوں کو نکال کر هتا دینا 'اور اس میں پھر سے پہلے کی طرح کھاد بھر دینا اچھا هوتا هے کیلے کی نالیوں کو وقتا فوقتا گور دینا 'اور گھاس نکال کر ضفائی کردینا بہت فائدہ دیتا هے ۔ گرمی اور جازے میں خرب پانی دیتے رهنا چاهئے ' ورنه درخت کمزور هو جائیں گے ۔ کیلا لکانے کے لئے جولائی اور اگست کا زمانہ اچھا هوتا هے ۔ کیلے کی جورں سے جو کلے پھل آنے سے پہلے نکلیں ' ان کو ضائع کردینا اس لئے اچھا هرتا هے کہ اگر وہ بھی بڑھنے دیئے جاتے هیں تو اصلی درخیت

کمزور ہو جاتا ہے۔ زیادہ سے زیادہ دو ایک تونقے اپنی ضوورت کے لئے رکھکر باتی ضائع کو دینا چاہئے ۔ یہی تونقے لٹائے جاتے میں ۔ کیلے کا پکا پہل استعمال کیا جاتا ہے اور کچا پہل بھی ترکاری کی طرح کام آتا ہے۔

(۹۹) گولر - گولر ایک قد آور درخت هے - اس کے پهل کی شکل انجیر سے بہت زیادہ ملتی ہے ؛ لیکن مزے میں انجیر کی برابری نہیں کرتا - بعض لوگ اسے دیسی انجیر کہتے ھیں ـ پھل کا رنگ شروع میں سبز هوتا هے ، مگر پکنے پر سیندوری هو جاتا هے - اس میں کسی قدر ماتهاس بهی هوتی هے - پهل کی حیثیت سے گولو صرف شمار کے قابل ہے ' باغوں میں لکانے کے لئے کوئی عمدہ چیز نہیں ہے - اس کے درخت میں انجیر کی طُرح دودہ بھی نکلتا ہے ۔ اس کی پتیاں 'چھال ' اور دوده سب چیزیں دوا میں بہت کام آئی هیں - نرم کچے پہل ترکاری کے کام آتے ھیں ' اور پکے پھل کھائے جاتے ھیں - علمی لحاظ اور طبی ضرورت کے خیال سے باغ میں دو ایک درخت رکھنا برا نہیں ھے - درخت کو کسی خاص نگرانی کی ضرورت نہیں ہوتی - جنگلی ہونے کی وجهہ سے لكاديني ير خود نشو و نما ياجاتا هي - كولر تخم أور قلم دونوں سے لكتا هي -خودرو پودے اگر تلاش کرکے کھود کر لکا دیئے جائیں ' تو اچھا رھتا ھے۔ خودرو پودے گولر کے پرانے درختوں کے سائے میں برسات کے موسم میں کثرت سے پیدا ہو جاتے میں -

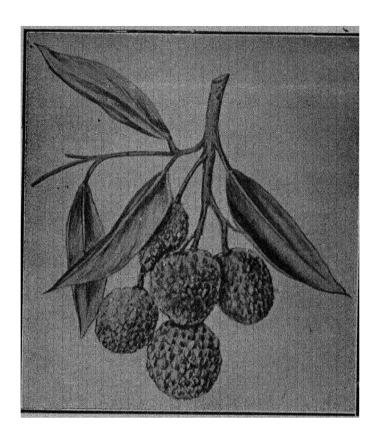
ا (۱۷) گلاب جامن - یه ایک متوسط قد کا هندوستانی درخت هے والے جنوبی هندوستان میں زیادہ هوتا هے - درخت دیکھنے میں بہت بھلا معلوم هوتا هے - اس کی شاخیس جھک کر زمین تک پہنچ جاتی هیں اور پتے لمیے اور چمک دار هوتے هیں - پهل بھی

بہت خوبصورت هوتا هے ' جو چهوتے سیب کے برابر اور خوشرنگ سیندوریا هوتا هے ۔ پھل میں گلاب کی سی خوشبو آتی هے ' لیکن مزہ بہت اچھا نہیں هوتا ۔ دَاکلّر ردَل کا بیال هے که جنوبی هندوستان میں انہوں نے صوف حیدرآباد میں اُس کو پھلتے دیکھا هے ' اور اُونہیں کسی دوسری جگهه گلاب جامن لگانے میں کامیابی نہیں هوئی ۔ درخت کو بہت زیادہ نمی کی ضرورت هوتی هے ۔ تالاب کے کنارے پر نه صرف اچھا چلتا هے ' بلکھ تالاب کی خوشنمائی کو بھی دوبالا کر دیتا هے ۔ برسات میں بیج بہکر اس کے درخت تیار کئے جاسکتے هیں ۔

(۹۸) لقكوا — يه ايك چهوتا درخت هـ ' اور برما اور مشرقى بنكال ميں بهت هوتا هـ - پهل لوكات كى طرح هوتا هـ ' اور اسى كى طرح كنچهـ كا كنچها پهلتا هـ عموماً پهارى علاقے ميں اچها هوتا هـ ' ليكن ميدانى علاقوں ميں اس كى كاشت ميں كاميابي نهيں هوئي - برسات ميں بيع بوكر درخت تيار كرسكتے هيں - فرمنگر نے اسے بهت معمولي اور بيكار سا بتايا هـ - ليكن ممكن هـ كه اچهي كاشت سے كنچهه اچها اور بيكار سا بتايا هـ - ليكن ممكن هـ كه اچهي كاشت سے كنچهه اچها ثابت هو -

بچیس تیس فت تک اونچا هوتا ہے ۔ اس کے پتے گول ' بڑے اور سایہ دار هوتے هیں ' اور پیل گول چھوتا اور لعاب دار هوتا ہے ۔ دوا کے علاوہ چٹنی اور اچار بنانے کے کام بھی آتا ہے ۔ اس کی دو قسمیں هوتی هیں ۔ ایک کا پہل بڑا ' اور دوسرے کا چھوتا هوتا ہے ۔ بڑے پہل والے لسوڑھے کو " وائے لسوڑھا '' کہتے هیں ۔ تاهم پہل کی حیثیت سے باغوں میں جگھہ پانے کے لئے کچھہ اچھی چیز نہیں ہے ۔





لیچی شکل نمبر ۱۰۸

(۱۷) لوکات لوکات کا درخت بمشکل تیس فت سے زیادہ 'اور معمولا بیس پچیس فت اونچا ہوتا ہے ۔ پہلے خیال تھا کہ اس کا وطن جاپان ہے 'لیکن آب یہ رائے قرار پائی ہے کہ اس کا وطن چین ہے ۔ ہندرستان کی ہلکی درمت زمین میں جہاں سینچائی کا کافی انتظام ہے' خوب ترقی کرتا ہے ۔ میدانی علاقوں میں اپریل میں پھل تیار ہو جاتا ہے ۔ بیج بو کر درخت پیدا کھا جا سکتا ہے ۔ لیکن جولائی کے مہینے میں پیوند لگاکر لوکات کی اچھی قشمیں پیدا ہوسکتی ہیں ۔ سہارن پور کا لوکات اسی وجہ سے خاص شہرت رکھتا ہے ۔

پہر آنے کے زمانے میں پالے سے اس کی فصل کو بہت نقصان پہرچتا ھے ؛ اور جس قدر اچھی کاشت کی جاتی ھے اسی قدر عمدہ پہل اُترتا ھے ' کیونکہ یہ درخعت کاشت کا بہت جلد اثر قبول کر لیتا ھے - بھلوں کے بڑھنے کے زمانے میں تھالوں میں کھاد بھر کر خوب پانی دینا بہت مفید ہوتا ھے - بہتر یہ ھے کہ وسط اکتوبر میں جڑوں کو ایک ھفتے کے لئے کھول کر خوب کھاد بھی دیں - معمولی گوبر کی کھاد بھی اس کے لئے اچھی ہوتی ھے - اس میں سال میں دو مرتبہ پھول آتا ھے ' مگر صرف نومبر کے پھول میں پھل لگتا ھے ۔

اونچا ھوتا ھے اور عمدہ پھل دینے کے علاوہ وہ اپنی خوبصورتی کے لئے بھی اونچا ھوتا ھے اور عمدہ پھل دینے کے علاوہ وہ اپنی خوبصورتی کے لئے بھی باغوں میں لگانے کے قابل ھوتا ھے - پھلوں کے بڑے بڑے گچھے لگتے ھیں - پکٹے پر پھل سرے ھوتا ھے ، اور اس کے اوپری چھلکے پر کچھہ سخمت دندانے اوبہرے ھوتے ھیں - ھندوستان میں مظفر پور کی لیچی مشہور ھے اس صوبے میں سہارن پرر اور اکھنؤ کی لیچی اچھی ھوتی ھے -

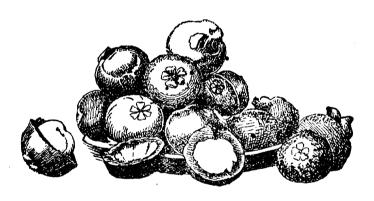
[ديكهو شكل أمير ١٠٨]

اس کے درخت کو بالے سے بہت جلد نقصان ہوتا ہے۔ یہ پہل مرطوب آب و ہوا میں خاص کو اچھا ہوتا ہے۔ گہری دومت زمین اس کے لئے زیادہ موزوں ہے۔ درخت کو کئی فت گہرے گرھوں میں لگانا چاھئے ' جو پہلے سے کھود لئے جاتے ہیں ' پھر اچھی کھاد خوب بھر دنی جاتی ہے۔ المحلی چھوتے پودوں کو بہت زیادہ کھاد شروع ہی میں نه دینا چاھئے ۔ تازہ کل جتنی کھاد دینا ہواگر وہ دو مرتبه کرکے دی جائے ' تو زیادہ اچھا ہے۔ تازہ بیجے بو کر اس کا درخت تیار کر سکتے ہیں۔ بیجے کو تر متی میر بونا چاھئے ۔ مئی میں گوتی لگانے سے درخت جاد تیار ہوتا ہے ' اور لھچی لگانے کے لئے یہ طویقہ زیادہ کامیاب ثابت ہوا ہے ۔ لیچی کا پیوند بھی لگایا جاتا ہے ۔ اس میں فروری میں پھول آتا ہے ' اور آخر اپریل سے پھل پکنا شروع ہوتا ہے ۔ بنگلرر میں دو مرتبہ فصل پکتی ہے' یعنی مئی اور دسمبر میں ۔ بعض لوگوں کا خیال ہے کہ خصک کر کے رکھہ لینے پر لیچی میں ۔ بعض لوگوں کا خیال ہے کہ خصک کر کے رکھہ لینے پر لیچی میں ۔ بعض لوگوں کا خیال ہے کہ خصک کر کے رکھہ لینے پر لیچی میں ۔ بعض لوگوں کا خیال ہے کہ خصک کر کے رکھہ لینے پر لیچی میں دائقہ ہوتی ہے۔ لیکن یہاں لیچی بہت عرصے تک نہیں شہرتی ' بلکہ عرصے تک رکھہ سے خواب ہونے اور سرنے لگتی ہے۔

(۱۲) لیمو—نارنگی اور سنترے کی طرح لیمو کی بھی بہت سی تسمیں ھیں۔ لیکن ممالک متحدہ میں دو قسمیں زیادہ عام ھیں۔ ان میں سے ایک ترش ھوتا ھے ' جو ''کاغذی '' کے نام سے مشہور ھے ' اور درسرا میٹھا ھوتا ھے ' اور ''شربتی لیمو'' کہلاتا ھے ۔ دونوں قسموں کی کاشت یکساں ھے ۔ کاغذی لیموں کو اگر گرمی میں پانی ملتا رھے ' تو برابر پھلتا رھتا ھے ۔ لیمو کی فصل سردی میں تیار ھوتی ھے اور گرمی تک رھتی ھے ' اور تک رھتی ھے ' اور اس زمانے میں اس کی مٹھاس ہوت جاتی ھے ۔ برسات میں دایا اور پیچ بھی بریا جاتا ھے ' پیوند لکا کر درخت تیار کئے جاتے ھیں اور بینچ بھی بریا جاتا ھے۔

لیٹن اس سے درخت دیر میں تیار ہوتا ہے۔ باقی کاشت نارنگی اور سلترہے کی طرح ہے۔ کاغذتی لیمو اچار اور چٹنی کے کام بھی آتا ہے۔

(۷۳) منگوستین اهل یورپ اس پیل کی بہت تعریف کرتے هیں ' چنانچه مستر تن نے لکھا هے که اس میوے سے اچها دنیا میں کوئی دوسرا میوہ نہیں هوتا - پهل معمولی سیب کے برابر هوتا هے ' جس کا چهلکا کسی قدر دبیز ارر گودا نہایت لذیذ و خوشبودار هوتا هے -



ماگوستین شکل **ن**مبر ۱۰۹

یہ پہل ہندوستان میں عموماً دوسرے ملکوں سے آنا ہے ؛ لیکن تازہ پہلوں کا مزہ اُن میں باتی نہیں رہتا - نیلگوی میں اس کے عمدہ پہل پیدا کئے جاچکے ہیں - اس سے خیال ہوتا ہے کہ پہاڑی مقامات میں اس کی کاشت میں کامیابی ہوسکتی ہے جس پہل کی ایسی تعریف کیجاتی ہو اُس کی کاشت کے مزید تجربے کرنا نفع سے خالی نہیں ہو سکتا -

(۷۲) ناریل — یه بهی تار کی طرح کا ایک درخت هے ، لیکن تار سے چهوتا هوتا هے - اُس کا پهل بہت کام آتا هے - هندوستان اور اس کے قرب و جوار میں پایا جاتا هے - بنگال ، دکن ، ساحل کارومندل اور ساحل مالابار میں بہت خوب هوتا هے - پہاڑی مقامات کی آب و هوا اسے زیادہ راست نہیں آتی - معمولاً اس میں بارہ تیرہ برس میں پهل آتا هے - محمققین نے اس کی کئی قسمیں بیان کی هیں - ان میں سے جو زیادہ مشہور هیں وہ یہ هیں :

(۱) راج ناریل—روبن سن نے لکھا ھے کہ یہ ناریل پندرہ بیس فت ارنچا ہوتا ھے اس کے پھل کا رنگ سنہرا نارنجی ہوتا ھے یہ سیلوں میں پایا جاتا ھے ' اور بہت اعلیٰ قسم کا ناریل ھے - ہر جگھہ نہیں ہوتا - ذائقہ اور خوشہو کے لُحاظ سے قابل تعریف چیز ھے - لیکن صرف امرا کے باغرں میں ہوتا ھے ' اور عام طور سے نہیں پایا جاتا ۔

(ب) باونا ناریل جیسا که اُس کے نام سے ظاہر ہے ' اس کا فرخت چھوٹا اور بمشکل پندرہ فت اونجا ہوتا ہے ۔ یہ بھی جزیرہ للکا کے باغوں میں بہت ہوتا ہے ۔

(ج) برهمنی ناریل—اس کا پهل بهی خوبصورت اور برا هوتا هے۔ اس کے پهل کا دودہ اچها اور کهوپرا معمولی هوتا هے - پهل کا رنگ سنهرا هوتا هے - پهل کا رنگ سنهرا هوتا هے - چونکه اس میں دودہ بہت هوتا هے ، اس لئے اس کی بہت قدر هوتی هے -

د) مالا باري ناريل اس كي پهل كا وه حصه جو درخت سے كا رهتا هے جوڑا هوتا هے -

(8) كارومندلى ناريل ــاس كا ية نام اس لئے هے كة ية كارومندل میں هوتا هے - یه أن چند قسموں میں سے هے ' جن کی کاشت هندوستان میں هوتی هے - پهل کا چهلکا چمک دار اور برابر ' اور اس کا رنگ سرخی مائل زرد هوتا هے - پهل کے نیجے کا حصه چپتا اور چورا هرتا ھے - سیاوں میں اس کی کاشت کا یہ طریقہ بیان کیا جانا ھے کہ اپریل کے مہینے میں پکا ناریل زمیں میں گار دیتے میں اور ایک انچ بالو اور سمندر کے سوار یا ملائیم کیچر سے تھک دیتے ھیں - اور جب تک نہ جمع پانی دیتے رہتے ہیں - بونے کے اونیسویں بیسویں دن سفید انکھوا انکلتا ہے ' جو بہت چکنا ہوتا ہے اور دو تین ہفتے تک اسی حالت میں رہتا ہے۔ ستمبر میں چار چار فت گہرے گڑھے کھود کر نیجے کیچے اور سوار رکھتے هيں اور پودے اُس پر لکاتے هيں، جب پودا اچهي طرح لگ جاتا هے نو اس کی چوتی ایک مرتبه کات دیاتے هیں تاکه درخت خوب توانا هو -دو تین سال تک اسے بہت پانی دینا پرتا ھے ' اور دھوپ سے بھی حفاظت کرنا ضروری هوتا هے - اس غرض کے لئے پودرں پر پتیاں اور چھائیاں لٹائی جاتی ہیں - دو برس کے بعد اسے سیلچائی کی ضرورت نہیں ھوتی ۔ ھر دوسرے سال جو کے قریب تازہ سیوار اور نمک کھاد کے طور پر دیا جانا ھے - بہت اچھی کاشت کرنے پر چھ سات سال میں پھول و یهل آجاتا هے - اور ایک سال میں پکتا هے - سردی کے زمانے میں اسے پالے سے بچانے کے لئے پانی دینا اور پودوں پر سایۃ رکھنا اچھا ھوتا ھے ۔

ناویل کے پھل اور پھول دونوں پر کالا بھوترا اور ایک اور بے پر کا کیوا بہت حملۂ کرتا ہے۔ آن پر کپڑے کا غلاف رکھنے اور ان کے سورانح میں نمک ڈالنے سے کچھۂ حفاظت ھو جانی ھے ۔ اکثر لوگ ذخیروں سے

پودیے منکاکر لگاتے ھیں ۔ ایسے پودوں کو لگاتے وقت گڑھے میں نمک تالاب کی کیچڑ اور دریا کا سیوار بطور کھاد کے دینا چاھئے اور اُس کے بعد وہ سب احتیاط کرنا چاھئے ' جس کا اوپر بیان کیا جا چکا ھے ۔ ناویل بہت کام کی چیز ھے ۔ کچا ناویل کئی طرح سے استعمال ھوتا ھے ۔ اور اس کے پانی اور دودہ کو بھی گرمی کے موسم میں لوگ شکر ملاکریا بغیر شکر کے پیتے ھیں ۔ اس کے دودہ سے بعض ملکوں میں گھی بنایا جاتا ھے ۔ ناویل کا تیل علاوہ سیکڑوں دوسرے کاموں کے صابی سازی میں بہت کام آتا ھے ۔

(۷۰) ناشپاتی سیب کی طرح ناشپاتی کا وطن بھی انکلستان م ھے 'یورپ کے بعض حصے ' اور مغربی ایشیا ھے ۔ اس کی قسیس بھی سیب سے کم نہیں ھیں ۔ اس کا درخت میب سے زیادہ قد آور ھوتا ھے ' جو ھندوستان میں اچھی طرح پیدا ھوتا ھے ؛ اگرچہ کشمیر اور دیگر پہاڑی مقامات میں جیسا اچھا ھوتا ھے اتنا میدانی علاقوں میں نہیں ھوتا ۔ بیجے ' قلم ' دابا ' پیوند اور چشمے سے درخت تیار کرسکتے ھیں ۔ اس کا قام برسات میں اور پیوند فروری مارچ میں اچھے ھوتے ھیں ۔

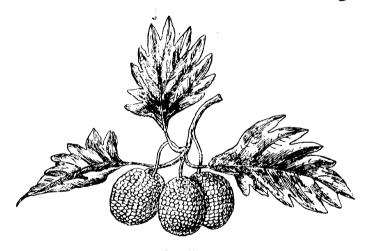


اشهاتی شک*ل* نمبر ۱۱۰

کلکویلی' طاقتور زمین اس کی کاشت کے لئے زبادہ •رزوں ہوتی ہے ؛ لیکن نکاس کا درست ہوتا بہت ضروری ہے ۔ پہل اگست اور ستیبر میں طیار ہوتا ہے ، گو بعض قسبوں کا پیوند '' بہی '' پر لکایا جاتا ہے ۔

(۷۹) نان پهل—انگریزی میں اس درخت کو برة فروق کہتے هیں۔ یه سمندر کے کنارے پر زیادہ هوتا هے۔ جس قدر اندروں ملک میں بوھتے جائیں ' اُتفا هی کم پایا جاتا هے۔ جزایر جاوا میں بہت عام هے۔ اس کا پتا چوڑا اور پهل خربوزے کے برابر ' کانٹے هوتے هیں ؛ بلکه هوتا هے ؛ مگر ویسی خوشبو نہیں هوتی ' اور نه کانٹے هوتے هیں ؛ بلکه اُن کے بجائے پهل پر ایک جال سا هوتا هے۔ اس صوبے میں آزمانے کی چیز هے ' کیونکه یه گرم حصوں میں بہت ترقی کرتا هے۔ پهل بهوننے

پر تبل روتی کی طرح هوتا هے - اس کا درخت نہایت خوبصورت اور پنچاس ساته فت اونچا هوتا هے - پهل بيبج دار بهی هوتا هے اور بغير بيبج کا بهی هوتا هے پہلی قسم اکثر خودرو هوتی هے - بيبج شکل اور قد ميس چست نت کی طرح هوتا هے - نرم اور تر زمين ميں خوب هوتا هے - بغير بيبج والی قسم کی جورں سے جو کلے نکلتے هيں ' وہ لکائے جاتے هيں اور کلے جو ميں زخم ديلے يا کسی جگہت سے اس کو مورو ديئے پر خوب تکلتے هيں - جلوبی هلدوستان کے ميدانی علاقوں ميں کاشت خوب تکلتے هيں - جلوبی هدوستان کے ميدانی علاقوں ميں کاشت کی جاتی هے - بيبج والی قسم کا دانه پهل سے نکالنے کے بعد هي بو دينا چاهئے ؛ کيونکه أن ميں جمنے کی طاقت دو ايک هفته سے زياده نہيں دهتی -



ئان پهل ش*کل* نېپر ۱۱۱

(۷۷) نہلگ ناشپاتی۔۔ایک اوسط قداکا درخت ھے جو بنگال میں زیادہ ہوتا ھے اس صوبت میں ابھی تک سنا نہیں گیا ؛ لیکن تراثی کے

اظلاع میں رواج پاسکنے کے قابل ھے - بنکال میں فروری میں پھولتا ھے اور اس کا پھول ھلکے زرد رنگ کا ھوتا ھے - آخر ائست میں پھل پکتا ھے ، اور بہری سبز ناشیاتی کی طرح ھوتا ھے - پھل میں ایک بیج اخررت کے برابر ھوتا ھے - اس کا گودا مکھو گی طرح پیلا اور ملائم ، اور اخررت کی طرح مزد دار ھوتا ھے - ایک مبصر کی رائے ھے کہ اس پھل کو پوری عمر پہونچنے سے پہلے کھانا مضرھے ، بخار اور پینچس لاتا ھے - نمک لگاکر کھانے میں خوش ذائقہ ھوتا ھے - اس کا بیج ستمبر میں بویا جاتا ھے -

(۷۸) نکترائن سیم شفتالو کی ایک قسم هے - ان دونوں میں یہ فرق ہوتا هے که اس کا چھلکا چکنا ہوتا هے ' اور شفتالو میں ایک دھاری یا سیوں پھل کے آیک، طرف لمبائی میں نینچے سے اوپر تک پائی جاتی هے - همارے صوبے کے علاوہ پنتھاب کے بعض ضلعوں میں بھی ہوتا ہے ' اور اس کی کاشت شفتالو کی طرح ہوتی ہے ۔

(۷۹) وامپی سید ایک چهوتا خوشنیا سایه دار چینی درخت هے جو همارے ملک کے میدانی علاقوں میں خاصی اچهی ترقی کوسکتا هے۔ اس کے سفید اور خوشبودار پهولوں کے گچھے اپریل میں پهولتے هیں اور پهل کے بهی گچھے هوتے هیں - لوکات کی طرح اس میں دو تین بیج هوتے هیں ، جو قریب قریب کل پهل کو گهیرے رهتے هیں - اِن کے چاررں طرف تهورا سا گودا هوتا هے ، جو لذیذ هوتا هے - بنگال میں سیب اور معمولی بیر کی طرح هوتا هے - اس کی ایک قسم کا پهل سیاهی مائل هوتا هے اور اس کا درخت بیج اور قلم لگاکر بوسات میں تیار کیا جاسکتا هے - پهل کی خوشبو نارنگی کی طرح هوتی هے -

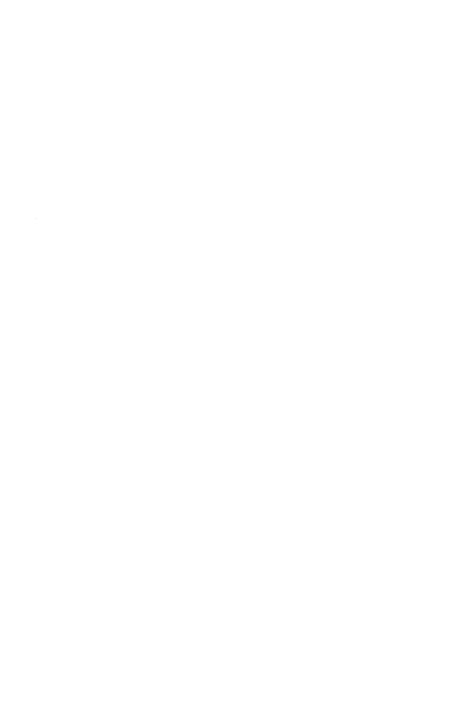
(۸+) ولایتی نونا۔۔۔اس کا اصلی وطن ویست اندیز ہے اس کا پھل اکثر خربوزے کے برابر ہوتا ہے ' اور اس پر نرم نرم کانٹے بھی ہوتے ہیں۔

پهل کهت متها هوتا هے 'لیکن مزاہ اچها نہیں هوتا - پهل معمولاً شریفے سے کسی قدر برا هوتا هے - اس میں جولائی میں پهل لگتے هیں ' اور اسی زمانے میں اس کے انکھوے بوکر درخت تیار کئے جاسکتے هیں - لیکن نه صرف یه که اس کی کلشت میں بہت کم کامیابی هوتی دھے ' بلکتہ اس کا مزاہ بھی ایسا نہیں هوتا که اسے شرق سے لگایا جائے -

(۱۸) هرفا ریوری —یه ایک چهوتا سا هندرستانی درخت هی ' جس کی پتیال بہت خوبصورت هوتی هیں ' اور پهل کا رنگ سفید سبزی مائل هوتا هے - پهل آنولے سے بہت کچه مشابه هونا هے - لیکن قد میں چهوتے آنولے سے چهوتا اور کمرکی هوتا هے - درخت بهی آنولے سے بہت کچهه ملتا هے - پهل میں دهی کی سی ایک گهتاس هوتی هے ' بہت کچهه ملتا هے - پهل میں دهی کی سی ایک گهتاس هوتی هے ' بسل کی وجه سے پکے هوئے پهل کهائے جاتے هیں - ورنه زیادہ تر مربه بنانے کے کام آتا هے - فرمنگر نے لکها هے که اثر شکر کے قوام میں جوش دے کر اس کا مربه بنایا جائے ' تو گوز بری کی طرح مزہ دار هوتا هے - هم نے گوندہ کے کمپنی بناغ میں عرصه هوا اسکا ایک دوخت دیکھا تھا ' جو سال میں دو مرتبه یعنی اپریل اور اگست میں پهلتا تھا - اس کا دوخت برسات میں گهلی بوکر پیدا کیا جاسکتا هے - اسے کسی خاص نگرانی کی ضرورت نہیں هرتی ' صرف گرمی میں کبھی کبھی پانی دینا

حصة چهارم

. سبزی اور .تر^{کا}ری

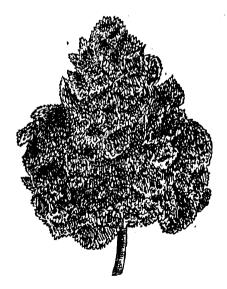


· سبزی اور ترکاریاس

* ترکاریان آدمی کی روزانه غذا کا اهم جزو هیں ۔ غذا کے متعلق انسان کی طبیعت کا خاصه هے که اگر اُسے کوئی ایک هی چیز 'خوالا وہ کتنی ھی لذیذ کیوں نہ ھو ' کہانے کے لئے روزانه ملتی رهے ' تو آدمی اس سے گھبرا جائے گا ۔ اس لحاظ سے ترکاریوں کی جتنی قسموں بھی هوں کم هے - لیکن اس پر بھی هماری ترکاریوں کی تعداد محدرد ، ھے۔ اس کے اسداب خواہ کچھہ بھی ھوں ' لیکن اس میں شک نہوں که اس وقت بهت سی ایسی ترکاریان هین ' جن کی کاشت عام طور سے نہیں هوتی - لیکن اس غرض کے لئے به آسانی کاشت کی جاسکتی ھے - چنانچہ هم نے ترکاريوں كے بيان ميں اس قسم كى أكثر چهزوں کو اسی خیال سے شامل کو لیا ہے - ترکاریوں کی کاشت یا تو شخصی ضروریات پوری کرنے کے لئے کی جاتی ہے ' یا بازار کی مانگ پرری كرك اس سے نفع أتهانا مقصود هوتا هے - جهان شخصي ضرورت كا سوال ئے ' وہاں تو اُن کا انتخاب اُس شخص کے مذاق اور پسند پر منحصر ھے ' لیکن جہاں کاشت بازار کی مانگ پوری کرنے کے لئے کی جاتی ھے ' وھاں نئی چیزوں کو رواج دینا بالکل ممکن اور آسان ھے ' کیونکہ بازار میں هر مذاق کے لوگ آتے هیں اس لئے اگر ذرا سمجهہ سے کام لے کریہ ترکاریاں ہوئی جائیں ' تو ھر لحاظ سے نفع بخش ثابت هوں گی : خصوصاً جہاں ان کی کاشت ہوے شہروں یا بازاررں کے قریب ہوتی ہے وہاں ندی، چیزوں کو اختیار کرکے نہ صرف نفع أَتَّهانا بالكل قرين قياس هے ' بلكه ايسا كرنے والا براه راست اپنى

آمدنی کے وسائل بوھانے اور ملک کی بافیانی کو وسعت دیلے کا باعث ھوگا۔

(۱) اجمود — اس کی کاشت پترس کے لئے کی جاتی ہے۔ یہ سال میں دو مرتبہ آسانی سے بویا جاسکتا ہے: پہلے مارچ اور اپریل میں پھر شروع ستمبر سے نومبر کے آخر تک ۔ اِسے هر قسم کی زمین میں بویا جاسکتا ہے ، لیکن هلکی مقیار زمین میں کہاد دے کر بونے سے نشو نما اچھی هوتی ہے۔ عموماً اس کا ذخیرہ لکاتے هیں ، اور جب پودے تین چار انچ اونچے هو جاتے هیں تو کیاریوں میں بتھا دئے جاتے هیں۔



اجبود شکل نبیر ۱۱۲

اجمود کو پانی کافی دیدا پرتا ھے - مارچ میں اس کی ایک فصل پک جانی ھے ' اُور اسی وقت دوسری فصل کے لئے بیج نامل کر محفوظ

کھا جاسکتا ہے۔ اگر ستمبر سے نومبر کے دومیان تک اس کی چھوٹی چھوٹی چھوٹی کھاریاں مختلف اوقات میں بودی جاٹیں' تو تازی پتیرں کی فصل میشد ماتی رہے ۔ مارچ اپریل کی بوئی ھوٹی فصل کو زیادہ پانی دینا پوتا ہے۔ پھاڑوں پر مارچ سے ستمبر تک بویا جا سکتا ہے۔

(۲) ادرک - عام طور پر اس کی ایک هی قسم ہوئی جاتی هے' ارر بہت کام آتی ہے ۔ اس کے واسطے طاقتور اور ایسی زمین ہونا چاہئے ' جس پر برسات کا پانی بهرا نه رهتا هو ' بلکه به کر نکل جاتا هو - مقدار زمین میں ادرک اچھا نہیں ہوتا ۔ اِسے بالوهی زمین میں کھاد دے کر بویا جائے تو پیدا وار اچھی هوتی هے - ایک ایکو میں تیس چالیس کاری گوبر کی کهاد دینی چاهئے - تالاب کی متی ذالنے سے بھی فائدہ هوتا ہے - ادرک بونے کے لئے زمین کو خوب بھر بھرا بنانا اور گہرا گورنا ضروری ہے - چھوتی چھوتی کیاریوں میں ایک ایک فت کے فاصلے پر تین انچ گہری نالیاں یا کونو بنا کے ادرک اونہیں میں بوتے ھیں - ھر دو کیاریوں کے درمیان میں سینچائی کے لئے ایک نالی بنانا ضروری آھے ' کیونکہ اس فصل کو پانی کی زیادہ ضرورت هوتی هے اور اس طرح پانی دینے میں کفایت ھوسکتی ھے - بجائے کونو بنانے کے کہاریوں میں نو نو انبی کے فاصلے پر تدن انیج کہرے کڑھے بھی کھودے چاتے ھیں' اور گڑھوں میں پہلے سال کے رکے ھوے تعرے جن میں تین چار کلے هوں هانهه سے دباکر متی سے دھک دئے جاتے ھیں ۔ بوائی جون میں کیجاتی ہے جو زمین پہلے خالی پڑی رھی ھو اور اُس میں پہلی مرتبہ ادرک بوئی گلی ھو ' تو اس فصل سے بھیم ركهنا أجها هوتا هي -

ادرک ہونے کے بعد فوراً سینچائی کرنا چاھئے - برسات شروع ھونے تک تقریباً ھنتہ وار پانی دینا ھوتا - برسات کے زمانے میں بھی اگر

بارهی دو هفته نه هو ' تو پانی دے دینا چاهئے - اس طرح بارش ختم هوئے کے بعد اور کهدائی سے پہلے کم و بیش پانچ مرتبه پانی دینا پرتا هے - ادرک کی زمین جس قدر نرم رهے گی پیداوار اُسی قدر اچهی هوگی - اِس لئے کئی مرتبه گورائی کرنی چاهئے - آخر نومبر یا شروع دسمبر میں ادرک کهود کر نکال لینے کے قابل هوجانا هے - اور اسی کو ایک خاص ترکیب سے سوکھا کر سونقهه بناتے هیں -

(٣) اراروت ــ یه ادرک اور هلدي کی قسم کا پودا هے - لیکن اس کی کئی قسمیں ہوتی ہیں ' جن میں سے بعض صرف آرائیش کے کام آتے ھیں' اور بعض سے اراروت نکلتا ھے - سب قسمیں گرمی میں لکائی جاتی ھیں ؛ برسات میں برھتی ھیں اور مجارے میں ختم هوجاتی هیں -اس کے لئے طاقتور زمین اور بہت زیادہ پانی کی ضرورت ہوتی ہے -لیکن ایسی نسی ' جو پانی کے کسی جگہہ بہت زیادہ بھرے رھانے سے پہنچے ' مضر ہوتی ہے - پانی بهرا نہیں رہنا چاھئے ' بلکہ زمین کا نکس ٹھیک ھونا ضروری ھے - اس صوبے میں بہت آسانی سے اس کی کاشت هوسکتی هے - مدی کے مہینے میں دو دو فت کے فاصله پر کیاریوں میں تین چار انچ گہری نالیاں یا کونو بناکر اراررت کی جزیں تیو^ع قیوہ فت کے فاصلے سے گاری جانی ھیں ' ارر اُن پر مقی چوھا دی جاتی ھے اراروق کے پودوں پر بھی آلو کی طرح متی چوھائی جاتی ہے - کھاد اور پانی هلدی و ادرک کی طرح دیا جانا هے - برسات میں اسے سینچائی کی ضرورت نهیں هوتی - پهول اکست میں آنے شروع هوجاتے ھیں۔ ان کا رنگ سفید ہوتا ہے۔ جنوری اور فروری تک فصل تیار هوجاتی هے - کانقه کا رنگ صاف کرنے پر شلحم کی طرح سفید هوتا هے '

اور وہ معمولي گاجر کے برابر ہوتی ہے - تھاري کے قریب سینچائی کرنا بند کر دینا چاھئے ۔

آراروت جروں سے تیار کیا جاتا ہے ' جس کا طریقہ بہت سہل ہے ۔ جروں کی متمی خوب دھوکر اوکہلی میں کچل لیا جائے ' یہاں تک کہ اُس کا گودا آتے کی طرح پیس جائے ۔ پھر اس کل کچلی ھوئی چیز کو پانی کے کسی برے برتن یا تب میں ڈال کر چلایا جائے ' تو پانی بالکل سفید ھوجائے گا ' اور کچہ ریشہ اور فضلہ پانی پر تیرنے لگے گا۔ اس کو پھر پانی سے نکل کر اوکہلی میں باریک کوتا جائے ' اور دوبارہ اس کو پھر پانی سے نکل کر اوکہلی میں باریک کوتا جائے ' اور دوبارہ دیانی میں چہان کر پانی کو ته نشین ھونے کے لئے رکہ دیا جائے ۔ آراروت پانی میں ته نشین ھوخر رہ جاتی ہے ' وہی اصلی آراروت ہے ۔ نشیار سے کھی خرائے ۔ تو پانی آھستہ سے نتھار لیا جائے ۔ جو چیز ته نشین ھوکر رہ جاتی ہے ' وہی اصلی آراروت ہے ۔ اب اس کے بین خشک کرلینا چاھئے ۔

اس پودے کے علاوہ جس کا ذکر اُوپر کیا گیا ھے ' اور بھی پودے ھیں جن سے آراروٹ نمل سکتا ھے ۔ لیکن وہ اصلی آراروٹ نہیں ہوتا ۔ اس کے روے میں اصلی آراروٹ کے روے سے فرق ہوتا ھے ۔ لیکن اُن کی کاشت بھی کامیابی سے کی جاسکتی ھے ' اور آزمانے کے قابل ھے ۔

(٣) ارپا — اس کا بیج اکتربر میں بویا جاتا ہے - کاشت کا ایک آسان یہ طریقہ ہے کہ ایک چبوترا کہاد اور نرم متی کا بناکر بیج اس پر چہوک کر بوئیں؛ اور جب پودے تین چار انچ اونچے ہو جائیں ، تو بیج کیاریوں میں لگائیں ، پودے مارچ سے خشک ہونے لگتے ہیں ۔ اس وقت ان کو کات کر اور سکھا کر بوتلوں میں بھر کر رکہ سکتے ہیں ۔

دوسرا طریقہ یہ ہے کہ گماوں میں کہاد متی اور بالو بابر برابر بھر کُر
بیج برئیں ' اور سائے میں رکہیں - جب پودے کسی قدر برّے ہو جائیں '
تو برّے گماوں میں اِسی طرح متی بنا کر لگائیں اور سائے میں رکھ کر
پانی دیتے رہیں - جب پودے اور برّے ہوجائیں ' تو پھر ان کو کیاریوں
میں پہنچا دیں - لیکن تیز دھوپ کے وقت سورج کی طرف تتی لگاکر
سایہ رکہیں ' اور حسب ضرورت پانی دیں - مارچ میں کات لینا چاہئے ۔
کیاریوں کا سرد و سایہ دار جگھہ میں ہونا اور ان کا نکس بہت تہیک
رھنا ضروری ہے ' ورنہ بارہ ہونے پر ارپا جل جائےگا - اس کی پتیاں
انگریزی باورچی خانوں میں بہت کام میں آنی ھیں -

رکھنا چاھئے - بوائی فروری و مارچ میں کی جاتی ہے - برسات شروع ھونے پر ایک گہری گورائی کرنا اور پودوں کی جورں پر متی چوھادینا چاھئے ؛ اور یہ بھی خیال رکھنا چاھئے که سوائے ایک ایک اچھے کلے کے زیادہ کلے نہ بوھیں ' اور اگر بوھیں تو تور دیئے جائیں ' ورنہ اربی و بندا چھوٹا ھوگا دو تیں مرتبہ پانی دینا اور زمین کو گھاسوں سے صاف رکھنا فیروری ہے - اربی اگست اور ستمبر میں ' اور بندا نومبر دسمبر میں طیار ھو جانا ہے ' اور کھود کر نکال لیا جاتا ہے - اربی بندا ھی نہیں بلکہ ان کے پتے بھی ترکاری کے کام آتے ھیں -

(٩) آلو — اس صوبه میں آلو کی چار قسمیں بوئی جاتی هیں جو پهلوا ' مدراسی ' جاللدهری اور پہاڑی آلو کے نام سے مشہور هیں ۔ ان میں پهلوا کی کاشت ایس صوبه میں سب سے زیادہ هوتی هے ۔ اُس کے بعد جاللدهری ' پہاڑی آلو ' جیسا که اس کے نام سے ظاهر هے ' زیادہ تر پہاڑی حصوں میں بویا اور وهیں اچها هوتا هے - پهلوا آلو کا چهلکا سفید اور هلکا هوتا هے - پهلوا بہت زیادہ آتا هے ' اور اس لئے پهلوا کے نام سے مشہور هے - جاللدهري قسم کا آلو بوا اور چهلکا سرخی مائل هوتا هے - اور اس میں پهرل بهی مائل هوتا هے - اور اس میں پهرل بهی نہیں آتے - پہاڑی آلو سب سے بوا اور میلا هوتا هے -

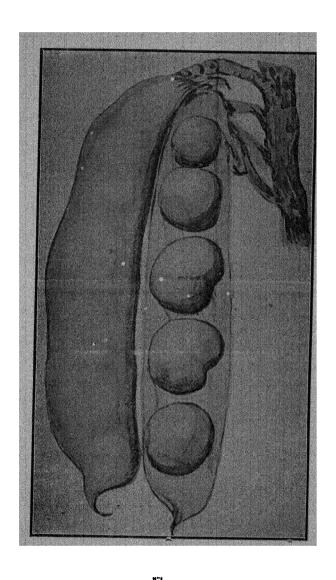
آلو کے لئے دومت اور هلکی دومت زمین سب سے اچھی هوتی هیں۔
آلو چکٹی زمین میں اچھا نہیں هوتا۔ اس ترکاری کو کھاد کی بہت ضرورت هوتی هے گوبر یا منگئی یا پاخانے کی کھاد زیادہ اچھی هوتی هے۔ اور تیس الیس گاری فی ایکر کے حساب سے دی جاتی هیں۔ جبکہ ایک گاری میں دس سے پندرہ من کھاد آتی هے۔ کسی قدر کھلی دینا اور بھی اچھا هوتا هے۔ خاص کر نیم اور ریندی کی کھلی زیادہ

استعمال کی جاتی ہے ' جُو ۸ من فی ایکو کے حساب سے کافی ہوگی -کھٹی دینے کا اچھا طریقہ یہ نے کہ اُس کو باویک، چورا کر کے کوئو یا نالیوں میں ڈالیں جو ہونے کے واسطے بدائی جاتی ھیں۔ لیکن سب کہلی ایک هی مرتبه میں نه دینا چاهئے ' بلکه آدهی بیج بونے کے وقت اور آدھی مثی چڑھانے کے وقت دینا اچھا ھے۔ لیکن بہت زیادہ کھلی دینے سے یہ نقصان هوتا هے ، که ایسے کھیت کا آلو بیمج کے واسطے اچھا نہیں هوتا اور بہت سو جاتا ہے - زمین کی گہری جمائی اور گورائی کرکے اچھی طرح نرم و باریک کرنا سخت ضروری هے آلو کھرپی سے گار کر بریا جاتا ھے ' اور جب پودے تین چار انبے اونھے هو جاتے هيں تو مٿي چڙهائي جاتي هے - ليکن همارے تجربے ميں زيادة أجها طريقه يه هے كه ستنجر يا اكتوبر ميں كہيت كو کھاریوں میں تقسیم کرکے ہر دو کیاری کے درمیان سینچائی کا ایک، برھا بنایا جائے اور کیاریوں میں دو فت کے فاصلة سے تھن انچ گہرئ کوئو کو دالی سے بناکر بیمج اُس میں چھت چھت أنهج کے فاصلے پر ہوئیں - چھوٹا آلو پورا بونا چاہئے لیکن بوے ألو كو اس طرح كات كر بوسكتے هيں ' كه هر تكرے ميں كم از كم تھی آنکہ ھو ۔ آنکہ آلو کے کسی قدر ارن گہرے نشانات کو کہتے ھیں: جس میں فور سے دیکھئے پر کلہ موجود ہونے کا پته چلتا ھے - کم از کم كله أسى جاهه سے نكلتا هے - طاقتور زمين ميں چهوتا اور معمولى حالت مين منجهولا آلو بونا أچها هوتا هـ - چهوتا بيج بونے ميں كفايت, بهى هوتی هے ' کیونکہ بیبے کم لگتا هے اور اس لئے اُس کی قیمت کم هو جاتی هے - چهتوتا آلو ایک ایکو میں تین چار من کے حساب دَالِمُا جِاعِلُهِ-

کونو میں بیمے ہوکر کونو کے دونوں طرف خالی جگہوں سے والی پھاوروں سے کھینچ کر آلو کو اس طرح ڈھک دینا چاھئے کہ نہ صرف كونو بند هوجائين ' بلكة أن ير تين چار انج متى چوه چائے - اس طوح جہاں بہلے کونو تھے وہاں راکیاں بن جائن کی ' اور برابر زمین جہاں سے متی لی گئی ہے گہری ہوکر سینچائی کے لئے نالی کا کام دینے لگے گی -بھیج ہوتے وقت زمیں میں کافی نسی ہونا ضروری ہے ؛ اور اگر نسی کم ہو تو کیاریاں بنانے سے پہلے ھی سینچائی کرلینا جاھئے۔ جب پودے راکیس پر تیں چار انبے اوندے هوجائیں ' تو دوسری مرتبه پانی دینا هوا -اس کے بعد ضرورت کے لحاظ سے هفتهوار یا دسویس بارهویں دن پانی دیدا هوگا - فصل تین مهیدے میں تیار هوتی هے ' اور اس زمانے میں قریب قریب بانیم چهه مرتبه سینچائی کرنا هوتا هے - پهلی سینچائی کے بعد پودوں پر اور متی چرهائی جانی هے - متی چرهائے وقت پودوں کا صرف اُپری حصه کبلا رکهتے هیں ' اور باقی متی سے دهک دیا جاتا ہے -اگرفصل بہت اچھی ہوتی ہے ' تو اکثر ایک مرتبۃ اور متی چرها لی جاتی ' خاص کر اُس وقت جب سینجائی کے بعد بہلی چڑھائی ہوئی متى كسى قدر خراب هو جاتى هے - غرض يه هے كه پودوں كى جوين بالعل متى كے نيجے رهيں - آلو متى كے نيجے لكتا هے ' اور اگر متى نه چوھی ھوگی تو وہ ھرا ہوجائیکا اور کھانے کے قابل نہ رہے گا۔ کھاریوں کو گھاس سے صاف رکھنا بھی بہت ضروری ھے ۔ اس لئے کم از کم دو مرتبہ نکائی کرنا پڑے گی -

آلو میں پھول آنے پر یہ ھرگز نہ سمجھنا چاھئے کہ فصل تھار ھوگئی - تیاری کی پہچان یہ ہے کہ جب فُصل تیار ھو جاتی ہے تو پھیاں کسی قبیر پیلی ھو جاتی ھیں اور مرجھا جاتی ھیں - اُس وقت سینچائی بند کرکے ایک هفتے میں حدیب ضرورت آلو کھود کر نکال لینا چاهئے۔ کھدائی کھرپیوں سے ھوتی ہے۔ آلو بہت نفع دینے والی فصل ہے 'ارر بوے بوے کھیتوں میں بہ کثرت بوئی چاتی ہے ۔ باغوں میں کم رقبے پر وسی طریقہ اختیار کرنا چاھئے ۔ اس فصل کو پالے سے بہت جلد نقصان پہنچتا ہے ۔ پالا پونے کے زمانے میں ' جب کھیت میں کافی نمی ھوتی ہے ' تو نقصان بہت کم ھوتا ہے ۔ اس لئے ایسے موسم میں سینچائی کر دینا بہت مفید ہے ۔

قسمیں هوتی هیں ۔ ایک کی پهلی لمبائی میں بری هوتی هے ' اور دوسری۔ کی چوزائی میں - چوزی پھلی کو '' ونڈ سر یاقلا '' بھی کہتے ھیں ' ارر وہ دیر میں تیار ہوتی سے - لیکن اس کا وزہ لمبی پھلیوں کے وزے سے بهتر هوتا هے - اس كا بهم اكتوبر ميں بريا جاتا هے - ليكن چونكه أس كا چھلکا موتا ہونا ہے ' اس لئے براہ راست زمین مہیں بیم بونے پر عرصے نک کلا نہیں نکلتا ' اور بیم ضائع هو جانا هے - اس مشکل سے بچنے کی آسان یہ ترکیب ہے کہ متی کی گہری کونڈیوں میں جن کے نینچے پانی نکلے کے سوراخ ھرں ' بالو بھر کر ہیہے بودیں ؛ اور بالو کو تر کردیں - جب کلا پھوت آئے ' تو اس کو نکال کر زمین پر لکادیں - دوسری ترکیب یہ ہے۔ که بهیم کو نیم گرم پانی میں کم از کم رات بهر بهگوئے رکهیں اور دوسرے روز بوئیں - بھیج اس طرح قطاروں میں تین انبج گہرا بونا چاھئے کہ قطاررں کے درمیان دوفت کا فاصلہ رھے ' اور قطاروں میں خود پودوں کا فاصلهٔ چار چهه انبج رهے - بیبج بونے سے پہلے زمین کو گہرا گور کر باریک کرنا اور کهاد ملانا چاهئے ۔ بوتے وقت زمین میں کافی نمی هونا ضروري هے ' ورنه بيہ اکثر کم جمتا هے - جب پهول خوب آنے لکيں ' تو



باقلا شک*ل* **نمب**ر ۱۱۳

شاخوں کی چوتیوں کو ایک ایک انچ تک کات دینا چاهانے ' تاکه پھولوں کی تعداد ضرورت سے زیادہ نه بڑھے ' اور بجائے اُن کے پھلھاں بڑھیں -

[ديكهو شكل نمبر ١١٣]

• پودوں کی جورں پر کسی قدر متی چوھا دینا اچھا ھرنا ھے ۔ اکثر باغدانوں کا خیال ھے کہ پود لگانے سے پھل کسی قدر جلد آتے ھیں ۔ بیل کو سہارے کی ضرورت ھوتی ھے ۔ پہاڑوں پر باقلا مارچ کے مہینے میں ہوتے ھیں ۔

(۱) بتھوا۔۔یہ ساگ ربیع کی نصلوں میں به کثرت خودرو پیدا ھوتا ھے۔ یہ سے جہاں اس کا بیج گرتا ھے ، وھاں دوسرے سال پھر پیدا ھو جاتا ھے۔ یہ ایسی معمولی چیز ھے ، جس کا باغوں میں بونا ضروری نہیں ھے ۔ لیکن اگر ایک ادلا کیاری بوئی جائے تو باغ کی معمولی زمین اچھی ھوئی ۔ پہلے کیاری کو گور کر باریک کرکے اور بھیج بکہیر کر ھاتھہ سے ملا دینا چاھئے ۔ اگر بونے ، کے وقت نسی کم ھو ، تو بونے کے پہلے پانی ضرور دے دینا چاھئے ۔ بونے کا سب سے اچھا زمانہ رسط اکتوبر ھے ۔ اس کے لئے کسی خاص نگرانی کی ضرورت نہیں ھے ۔ بتھوا ساک کے طور پر بھی کام آتا ھے ۔ پر بھی استعمال کیا جاتا ھے ، اور دوائی کے طور پر بھی کام آتا ھے ۔

(9) بن تلسی ـــ یه ایک بهت معمولی پودا هے ، اور اکثر خودرو بهی هوتا هے ، جیسا که اُس کے نام سے ظاهر هے - اس کے بینچ کو کیاریوں میں چهرک کر اکتوبر کے مهینے میں بونا چاهئے - باغ کی معمولی زمین ، جس میں کچه کهاد ملی هوئی هو ، اُس کے لئے بالکل کافی هے - بعض لوگوں نے اُس کی پود لکانے کا مشورہ دیا هے - مگر اس سے اُس کی کاشت اور مشکل هو جاتی هے - همارے خیال میں ایک معمولی سی چیز کے لئے دقتیں اُتھانا غیر ضروری هے - بن تلسی کا پودا عرصے تک چهنز کے لئے دقتیں اُر مشکل اس کا تازہ بینچ بونا اُچھا هوتا هے -

(+1) بھنتی سیہ ایک بہت عام ترکاری ہے ، اور کثرت سے ہوئی جاتی ہے - معبولی باغ کی زمین ، جس میں گوبر کی کھاد دی گئی ہو اس کے لئے اچھی ہوتی ہے - زمین کو گور کر باریک کر ایلا چاھئے ۔ اس کی کاشت سال میں دو مرتبہ کی جاتی ہے : پہلے جوالئی میں بارش کے شروع ہوجانے کے بعد ، پھر دسمبر سے مارچ تک - جوالئی کی بوئی ہوئی فصل کو سوائے نکائی کے کسی خاص 'نگرائی کی ضرورت نہیں ہوتی ۔ اس میں پھل زیادہ آتے ہیں ، اور پودا چار پانچ فت کی اونچا ہوتا ہے ۔ بیج کھرپی سے گار کر دو انچ گھرا بونا چاھئے ، اور تطاروں میں تیزہ قیت فاصلہ ہونا چاھئے - جازوں کی بوئی فصل کو پانی زیادہ دینا پرتا ہے ۔ اُس کا پھل زیادہ مزے دار ہوتا ہے ۔

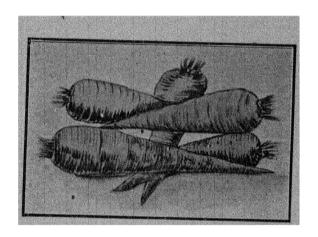


بهندی شکل نبیر ۱۱۳

سهنتچائی میں کفایت کے خیال سے دیوہ دو فت فاصلة سے راگیوں پر بونا الچھا ہے ۔ پیل میں کسی قدر لعاب ہوتا ہے ' جو پسلد نہیں کیا جاتا ۔ اگر پکانے سے پہلے اُسے کات کر اور نمک کے پانی سے دھو کر تھوری دیر کسی برے برتی میں پھیلا کر ہوا دے دی جائے ' تو لعاب بہت کم ہو جاتا ہے ۔ یہ لعاب برسات کے پھلوں میں کسی قدر زیادہ ہوتا ہے ۔

(۱۱) بیگن سیم ترکاری کئی قسم کی هوتی هے - لیکن دو قسیوں کی پیداوار عام طور سے اچھی اور زیادہ هوتی هے ؛ اور کھانے کے لئے وهی پسند کی جاتی هیں - ایک قسم کا پھل بینجنی ' موتا اور گولائی لئے هوئے لمبا هوتا هے ؛ اور دوسری قسم کا پھل لمبا ' پتلا بینجنی مائل هرا هوتا هے - پہلی قسم کو '' مارو'' اور دوسری قسم کو '' بتیا'' کہتے هیں - یہ بیگن کی نام تقسیم هے باغوں کے لئے شکل و شباهت کے لتحاظ ہے اور کئی جدید قسمیں بھی هیں -

متى ميں پهل آنا شروع هوتا هے اور اگست تک رهتا هے - تيسرے اپريل میں بہر بوکر جوں میں پودہ لگائی جاتی ھے ' تو دسمبر تک پیل آتے رھتے ھیں ۔ اس فصل کي پيری بھی رکھائي جاني ھے يعنی پھل آ چکنے کے بعد پودوں کو زمین سے کسی قدر اونچا چیوز کر باتی حصه کات، دیتے هیں ۔ اس میں پھر شاخیں پھوتتی هیں ' اور پھل آتا هے ۔ دسمبر کے فصل کی پیری اچھی هوتی هیس - پودرں کو کاٿئے کے بعد گہری گوزائی کرکے کھاد ملانا اور پانی دینا چاھئے - بیکن کا ذخیرہ بونے کے لئے جمعہ کھاد دے کر گہرا گورنا اور متی کو باریک کر دینا چاھئے - بیکن کے لئے اونچی سایه دار اور تهندی جگهه اچهی هوتی هے - بیبج کیاری میں بکھیر کر ھاتھہ سے متی میں ملایا جاتا ھے۔ بونے کے وقت فحیرے کی زمین میں کافی نمی کا موجود رهنا بهت،ضروری هے - بیج چار یا پانچ دن میں جم جاتا ہے۔ جب پودے چهه با سات انچ ارنچے هوجائیں ' تو کیاریں میں لگا دینا چاھئے ؛ اور جب تک وہ ذخیرے میں رھیں ' زمین کو تر رکھنا چاھئے - پودا اُکھاڑنے سے پہلے فخیرے کو خوب تر کو دینا چاهئے ، تاکه پودے نکالتے وقت ان کی جروں کو نقصان نه پہنچے ۔ کھاریوں میں پود لگا کو پانی دے دینا چاھئے - پودہ نگانے کے لئے کیاریاں پہلے سے گورنا یا ڈہرا جوت کر تیار کرنا ضروری ھے - پودہ اِس طرح لگائی جاتی ہے 'کہ ایک قطار کا دوسری قطار سے اور ایک پودے کا دوسرے پودے سے ڈھائی تین فث فاصلہ رہے - کمؤرر زمین میں فاصلہ کم رکھنا چاھئے -سوائے جون کی لگائی ہوئی فصل کے اور دونوں فصلوں کو قریب قریب پانچ چهه مرتبه سينچنا پوتا هے - كياريوں كو گهاسوں سے صاف ركهنے کے لئے۔ کئی مرتبہ نکائی گوزائی کی جاتی ہے - خاص کر برسات کی بوئی هوئي فصل میں نکائي بہت ضروری هوتي هے ؛ کیونکه اس زمانے میں



پارسنپ شکل نهپر ۱۱۵

گھاسیں بہت بوھتی ھیں۔ جب پودے ایک فت کے قریب اونجے هوجائیں ' تو پہاوروں سے گہری گورائی کرنا بہت فائدہ دیتا ھے۔

(۱۲) پارسنپ سیم ایک انگریزی ترکاری هے ' جس کی جویں گلجر کی طرّح هوتی هیں - اصل میں ان جورں هی کے حاصل کرنے کی غرض سے اس ترکاری کی کاشبت هوتی هے - عموماً پارسنپ کو گوشت کے ساتهم پکا کر کھایا جاتا هے - گو اس کو صرف انگریز لوگ استعمال کرتے هیں ' لیکن بہنسبت پہلے کے اب اِس کا رواج زیادہ هوگیا هے -

پارسنپ کے بونے کا طریقہ بالکل گلجر کی طرح ھے۔ مگر اس کی کاشت کے لئے زمین طاقتور ھونی چاھئے' اور یہ بھی ضروری ھے که اسے خوب کھاد دی جائے ۔ گھورے کے لید کی خوب سری ھوئی کھاد اس کے لئے مفید ھوتی سے - متیار زمین میں اس کی پیداوار کم اور خراب ھوتی ھے -

[ديكهو شكل نمبر ١١٥]

پارسنپ کی کئی قسیی هیں - جس میں سے هالو کراؤں اور استودینت اس وقت تک اچھی سمجھی جانی ھے - بیج خریدتے وقت اس بات کا هر طرح کا اطمینان کر لینا چاهدے که پرانا نہیں ھے ' کیونکہ پرانا بیج بہت خراب جمتا ھے ۔

(۱۳) پالک—پالک کئی طرح سے استعمال کیا جاتا ھے۔ عموماً اُس کا ساگ پکا کر کھایا جاتا ھے۔ اور بہت لڈیڈ ھوتا ھے۔ اس کی کئی قسمیں ھیں۔ لیکن صرف دو قسمیں زیادہ ہوئی جاتی ھیں۔ ایک کا پتا تکونا اور کتاؤ دار ھوتا ھے ' اور دوسری قسم کا پتا گول ھوتا ھے ۔ اس کا بیسج برسات ختم ھونے پر ' یعنی آخر ستمبر یا

اکتیویر میں ، بمہیر کر بویا جاتا ہے - لیکن باغیں میں قطاروں میں بونا پیداوار اور خوشنمائی دونوں لحاظ سے اچھا ہے - قطاروں میں بونے پر ایک پودے کا دوسرے پودے سے ، اور ایک قطار کا دوسری قطار سے ، بالقرتیب چھ اور بارہ انچ فاصلہ رکھنا چاھئے ۔ اکثر پہاڑی مقامات پر سال کے هر حصے میں هوتا ہے - اس کی زمین طاقتور اور ممکن هو تو کسی قدر سایہ دار هونا چاھئے - اسے باغ کے ایک ایسے حصے میں بونا چاھئے - جہاں تھزی کے وقت دھوپ کم پہنچتی ہو - اس کے پودوں کو کئی مرتبہ پانی دینا اور زمین کو صاف رکھنا ضروری ہے ۔ شروع زمانے میں اِس فصل کو چڑیاں بہت نقصان پہنچاتی هیں ۔ شروع زمانے میں اِس فصل کو چڑیاں بہت نقصان پہنچاتی هیں ۔ اس کا خاص طور سے خیال رکھنا چاھئے ، اور پودوں کی چوٹیاں کات اس کا گیں اُن کو پھولئے نہ دینا چاھئے ، اور پودوں کی چوٹیاں کات آنے لگیں اُن کو پھولئے نہ دینا چاھئے ، اور پودوں کی چوٹیاں کات دینا چاھئے ، کو بودوں کی چوٹیاں کات دینا چاھئے ، کو بودوں کی جوٹیاں کات دینا چاھئے ، کو بودوں کی جوٹیاں کات دینا چاھئے ، کو بودوں کی جوٹیاں کات دینا جاھئے کے مزید میں فرق آجاتا ہے ۔ اگر بون کے لئے ضوروت ھو تو بینے لیا جاسکتا ہے ۔ ھر سال تازہ اور عددہ بینا اچھا ھوتا ہے ۔

(۱۳) پتوا۔۔۔اِس کی کاشت عام طور سے اس کے ریشے کے لئے کی جاتی ھے - نرم پھلوں اور کلیوں کے کفارے جو رنگین اور کسی قدر دبھز پنکھڑیاں سی ھوتی ھیں ' اُن میں کسی قدر کھٹاس ھوتی ھے ' اور چٹنی بفانے کے کام آتی ھے - اس کا بہنچ برسات شروع ھونے پر معمولی زمین میں ' جس کا نکاس درست ھو بکھیر کر بویا جاسکتا ھے - اس کی ایک قسم ایسی بھی ھے جو محض چٹنی مربے کے لئے بوئی جاتی ھے ۔ نکائی کے سوا اس کے لئے کسی خاص نگرانی کی ضرورت نہیں ھوتی ۔

(اوم) مهرول سیم گرمی کے زمانے کی خاص ترکاری هے ' جس کی بیل اکثر پان کے بھیٹوں میں لکائی جاتی هے - لیکن اُس کو باهر

بھی بویا جاسکتا ہے۔ اس کا کبچا پہل سجز اور چکا ہوا زرق ہوتا ہے۔ ترکاری کے لئے کبچا پہل زیادہ پسند کیا جاتا ہے ' کھونکہ پالنے پر اس کے بیہے سخت ہوجاتے ہیں ' اور برے معاوم ہوئے ہیں۔ اسے ہائی دومت زمین میں خوب کہاٹ دے کر کریلے کی طرح بویا جاتا ہے ' اور بیل تتیوں پر بھی چوھائی جاتی ہے۔ سایتہ دار اور تھلتی جکھا اور بیل تتیوں پر بھی چوھائی جاتی ہے۔ سایتہ دار اور تھلتی جکھا میں انچھا ہوتا ہے۔ معمولی گوبر کی کھاد اس کے لئے بہت مفید ثابت ہوتی ہے۔ اسی طرح تالاب کی متی اور تھوتا سا چونا کھتی فصل میں ڈالنا زیادہ فائدہ دیتا ہے۔ کئی کئی بھیج دو ڈیوہ فت کے فاصلے پر بونے چاھئیں۔ جمئے پر کمزور پودوں کو نکال کر صوف تندرست اور طاقتور پودوں کو چھوڑ دینا چاھئے۔ اس کی کاشت آخر مارچ سے آخر جوائی تک ہوتی ہے۔ باڑھی شہری ہونے تک جلد جلد پانی دینا اور زمین کو گوڑ کر مائیم کر لھنا چاھئے۔ 'س کی کاشت آخر مارچ سے آخر رکینا ضروری ہے۔ اسی قسم کی ایک اور بھی ترکاری ہے ' جس کو کندرو رکینا ضروری ہے۔ اِسی قسم کی ایک اور بھی ترکاری ہے ' جس کو کندرو کہتے ہیں ؛ لیکن پرول کے مقابلے میں کم پسند کی جاتی ہے۔

اور (۱۹) پودینه اس کی کاشت پتیوں کے لئے کی جاتی ہے ؛ اور عموماً اس کی چتنی بنائی جاتی ہے - یہ هر طرح کی زمین میں لگ سکتا ہے - کیاری کو گور کر مالائم رکینا اور نکائی کرکے گہاسیں نکالاتے رهنا ضروری ہے - بھیر بکری کی مینگنی پودینے کے لئے سب سے اچھی کہاد ہے - گھورے کی لید بھی دی جاتی ہے - اگر مینگنی خشک هو '، تو اُس کو کوت کر چورا کر لینا اور کھرپی سے گور کر زمین میں مالا دینا چاھئے - لیکن بہت گہرا نہ ملانا چاھئے - اس کی جر اکتوبر مین لکائی جاتی ہے - چھہ چھہ انچ کا فاصلہ دے کر ایک ایک فت پر تعالوں میں لگانا اچھا ہے - جس شاخ میں جر ہو ' وہ بتھائی جاسکائی ہے -

پودید نه برسات کے زمانے میں پائی کی زیادتی سے جل جاتا ہے۔ اگر زمین اونچی هو اور پانی نه بهرے ' تو کم نقصان پہنچتا ہے۔ برسات کے ختم پر جو شاخیں جل گئی هوں انہیں کات کر نکال دینے اور باتی پودے کو گورائی کڑکے کہاد دینے سے پہر شاخیں پہوت آتی هیں ' اور اس طرح ایک مرتبه کا لگایا هوا عرصے تک ره شکتا ہے۔ کہلی هوئی جگهه میں اچها هوتا ہے۔ تیز دهوپ کے زمانے میں کہاری کو حسب ضرورت پانی دیتے رهنا چاهئے۔

رال) پوندا۔۔گئے کی تین قسمیں ھیں۔ پتلی اور متوسط قسمیں زیادہ تر گو اور شکر وفیرہ بنانے کے لئے بوئی جاتی ہے۔ تیسری قسم موتی ھوتی ھے اور زیادہ تر کھانے کے لئے بوئی جاتی ھے۔ اس کو "پوندا" کہتے ھیں۔ پوندار بوے بوے رقبوں پر بویا جاتا ھے لیکن کھانے کے لئے پوندے کی عمدہ قسمیں باغوں میں لگانا کسی طرح نامناسب نہیں ھے۔ سہارنپوری ' مدراسی اور ماریشش کی قسمیں زیادہ مشہور ھیں۔ لیکن سہارنپوری پونڈے کی کاشت سے ھر جگہہ اچھا نتیجہ نہیں نکلتا۔

دومت هلکی دومت اور هلکی متیار زمین میں پوندے کی پیداوار اچھی هوتی هے - اس کی فصل کو کھاد کی بہت زیادہ ضرورت هوتی هے ، جو چار پانچ سو میں فی ایکڑ کے حساب سے دینا چاهئے - گوبر ، مینگئی یا پاخانے کی کھاد اس کے لئے مفید هوتی هے - بونے اور متی چڑهانے کے وقت نیم یا ریندی کی کھلی دینا بہت مفید ثابت هوتا هے - کھلی دیتے وقت کو باریک کو لینا چاهئے - امونیم سلفیت ، اور هدی کی کھاد دو میں فی ایکڑ کے حساب سے کافی هوتی هے - پوندا اس زمین میں اچھا هوتا هے جو پوندا سے پہلے ایک سال خالی پڑی رهی هو اور

اُس زمانے میں اس کی بار بار گرائی جوتائی ھوتی ₍ھی ھو ۔ آلو **کی** فصل کے بعد بویا جائے تو جوتائی کم کرنا پوتی <u>ھے</u> ۔

اس کی کاشت کے لئے اچھا زمانہ فروری ھے - بونے کے دو طریقے هیں -ایک برابر کھیت میں دوسرے نالیوں میں - نلیوں میں بونے کا طریقہ نیا اور ترقی یافته هے - اس میں پیداوار اچھی هوتی هے - برابر کھیت میں بونے کے لئے دس دس فت چوڑے پالے بنا لئے جاتے ھیں اور ھر دو پالوں کے درمیان سینچائی کے لئے ایک برها هوتا هے - پالوں میں تین تین فت کے فاصلے پر کم و بیش تین انبے گہری کونز کدالی سے بناکر پونڈے کے تکوے اُس میں لسبے لمبے بوئے جاتے ھیں - بوائی کا طربیقة آلو سے مشابة هوتا هے - اس طرح بونے کے لغے کهیت تهار کرنے میں دیسی هل سے کم و بیش سولت جوتائی کونا چاهئے - هو تکوے میں کم از کم ثین گرہ ہونا ضروری ہے - نالیوں میں بونے کا طریقہ یہ ھے کہ تین چار فت کے فاصلے پر دسمبر کے مہینے میں ذیرہ دو فت چوڑی اور قریب ایک فت گھری نالیاں بغائی جائیں - نالیاں بغانے سے پہلے تین چار مرتبه گہری گورائی یا جوتائی کرنا چاهیئے - کهاد اِن نالیوں میں ڈال کر پھاوڑوں سے خوب گہری گوڑائی کرکے متی میں ملا دیں ' اور پانی بھر دیں کہ کھاد سر کر متی میں مل جائے - فروری تک بددرهویں دن اس میں گورَاثی کرتے رهیں ' اور شروع فروری میں نالیوں میں کونو بناکر گنا ہوئیں ۔ جو، کونت بونے کے لئے بنائی جائیں اس میں کہلی دینا چاھئے - جس گنے کے تکوے میں گودے پر لال نشان ہوں یا کلے توتے ہوں اُن کو نکال دینا چاہئے۔ کونو میں گئے کے تکوے تین چار انبے فاصلے پر رکھہ کر متی سے فوراً دھک دئے جاتے ھیں۔ نالیاں اگر دسمبر سے پہلے بی جائیں

تو اچها هے ' کیونکہ نالیاں بنانے میں زمین کی ارپری متلی اُٹھہ جاتی هے ' اور نیچے کی متلی نکل آتی هے ' جو کمزور هوتی هے - اس لئے هوا دهوپ وغیرہ کی مدد سے اس میں پودے کی غذا تیار هونے کے لئے جتنا زیادہ وقت ملے کا اوتنا هی اچها هے - '

یبندا بونے کے بعد هی ایک سینجائی کی جاتی هے ، اور برسات شروع هونے تک جلد جلد سیلھائی کرنا پرتی ھے۔ برسات میں سینچائی کی ضرورت نہیں هوتی - برسات ختم هونے پر پهر اس طرح پانی دینا چاھئے کہ کھیت سوکھنے نہ پائے ۔ اس طرح کل کم از کم چھہ سات مرتبہ سینچائی کی جاتی هے - بوائی سے پہلے سینچائی کرکے بونا زیادہ اچھا هے -گومی کے زمانے میں زمین کی گورائی کو کے ملائم کرنا اور نمی رکھنا نہایت ضروري هے - اور جب پودے چھوٹے هوں تو' نکائي کر کے گھاسوں کو بھی پوھنے سے روکنا چاھئے - اگر گھاسیس بوھنے دی گئیں تو پردوں کو معمولی نقصان کے علاوہ بعض کھروں سے بھی بہت نقصان پہنھے گا ' جو پونڈے کے نئے اور نرم کلوں کو کات دیتے ہیں - آخر اپریل یا شروع مئی میں جب پودے ایک فت اونجے ہو جائیں ' تو نالی بنانے میں جو متی جمع كى جاتى هے ' اور جس سے دو ناليوں كے درمياني فاصلة ميں راكياں بن جاتی هیس - اُس کو تور کر نالیوں کو بھر دینا اور برابر کر دینا چاهئے -أس كي وجه سے جروں پر متي زيادة هو جاني هے ' اور اُن كو آفتاب كي حرارت سے صدمة نهیں پهنچتا اور سطع زمین کی متی بھی پودے کے کام آجانی هے - برسات شروع هونے پر پودوں کی جورں پر چھ انچ سے آتهم انیم تک اونچی متی أسی جگه سے لے کر چوها دینا چاهئے 'جہاں پہلے راکیاں بنہی تھیں ۔ اِس طرح راکیس کی جگه پر نالیاں اور نالیس کی جگهه پر راگیاں بن جائیں کی ؛ اور قصل کو دیکهه کر یه معلوم هوگا که

پونڌا رائيس پر بويا هـ - مٿي چوهانے کي وجه سے برسات ميں جب زمين تر هوتی هـ اور هوا چلتی هـ ' تو پونڌا گرنے سے محفوظ رهتا هـ - اس خيال سے مٿی چوهانا بہت ضروری - اس کي فصل دسمبر ميں تيار هوجاتي هـ ' اور اگر چاهيں تو اُس کو سينچائي کرکے مارچ تک کهوا رکھة سکتے هيں -

(۱۸) پوی — یه ایک بیل هے جو ساگ کے لئے بوئی جاتی هے اهل بنگال خاص طور سے اِسے بہت پسند کرتے هیں - ایک قسم
کے ڈنٹٹیل کا رنگ سرخی مائل ' اور دوسری کا عباسی هوتا هے - پنے دبیز
اور گول هوتے هیں - پتوں اور تنے کے زاوئیے میں سبز پهل لگٹا هے ' جو
پکنے پر سیاہ هو جاتا هے - برسات میں اس کا بیج بویا جاتا هے ' اور قلم
بھی بہت آسانی سے لگ جاتا هے - ایک مرتبه کا لکایا هوا پودا کئی برس
تک زندہ رهٹا هے - اکثر لوگ مکانوں کے قریب لگاتے هیں ' اور چہھر
وغیرہ پر چوها دیٹے هیں - اِسے باغوں میں جافری پر چوهایا جاسکتا
هے - پوی کے پھل سے رنگ بھی بنایا جاتا ھے -

(19) پیاز—یه ایک بهت مشهور چیز هے ' اور طرح طرح سے استعمال هوتی هے - اس کی مختلف قسمیں هیں - لیکن اس صوبے میں عام طور سے صرف دو قسمیں ہوئی جاتی هیں ' جن میں سے ایک کا چهلکا بالکل سفید اور دوسری کا سرخی مائل یا گلابی هوتا هے - سرح پیاز کی کاشت زیادہ هوتی هے - اس کے واسطے هلکی دومت اور دومت زمین اچهی هوتی هے - کاشت بیج سے اور پوتیاں بتھا کر کی جاتی هے - پود بھی لگائی جاتی هے - کاشت کے لئے زمین کو خوب بھر بھرا بنانا ' اور کھاد دینا ضروری هے ؛ کیونکه پیاز صرف طاقتور زمین میں اچھی هوتی هے - گوبر کی کھاد پرندوں کی بیت اور راکھہ بہت مناسب کھادیں هیں -

بیج بونے کا طریقہ اچھا ہے۔ لیکن اس بات کا خوب اطمینان کرلیٹا چاھئے کہ بیج بہت پرانا نہ ھو۔ پیاز کے ایک سال سے زیادہ پرانے بیج میں جمنے کی طاقت جاتی رھتی ہے۔ اس لئے نیا بیج بونا چاھئے۔



پیاز شک*ل ن*یبر ۱۱۳

بیسج وسط اکتوبو میں قطاروں میں بویا جاتا ہے۔ اور اگر پودے گھنے ھوں ' تو برھنے پر کچھه پردے نکال کر اُن کے درمیان چھه چھه انچ کا فاصله کردینا چاھئے۔ جو پودے اس طرح اُکھاڑے جائیں ' وہ کسی درسری جگھه جھاں پودے کم ھوں لکائے جاسکتے ھیں ۔ قطاروں کے درمیان نو انچ سے بارہ انچ تک فاصله اچھا ھونا ہے۔ بیج بوتے وقت زمین میں کافی نسی مونا ضروری ہے۔ اگر نسی کم ھو ' تو بونے سے پہلے سینچائی کرکے زمین کو تیار کر لینا چاھئے۔ پیاز کا بیج پیدا کرنے کی آسان ترکیب یہ ہے کہ شروع جاڑے میں کچھ اچھی پوتیاں چھانت کر کیاریوں میں ایک ایک شروع جاڑے میں کچھ اچھی پوتیاں چھانت کر کیاریوں میں ایک ایک فات کے فاصلے پر الکادیں ۔ اِن سے گرمی کے شروع میں بکٹرت بیچ پیدا ھو جائے گا۔

ان کو آئندہ سال ہونے کے وقت تک احطیاط سے رکھنا چاھئے۔ پھاز میں جب پوتیاں پو جائیں ' تو اس کے پتے کات دینا اچھا ہوتا ہے ۔ پتے کات دینے سے پوتھاں جلد مضبوط ہو جاتی ہیں ۔ کچھہ دنوں کے بعد پیاز کھود کر نکال لی جاتی ہے ۔ اور اگر اچھی طرح رکھی جائے' تو کئی کئی برس خواب نہیں ہوتی اور خشک رکھی رہنی ہے ۔ پوتیوں پر متی چوھاتا مفید ہوتا ہے ۔

(۲۰) پیپر منت—أس کو رایتی پودینه بهی کہتے هیں۔ شکل صورت میں دیسی پؤدینے کی طرح هوتا ہے ؛ یعنی پتیاں قریب قریب گول اور سکتی هوئی هوئی هوتی هیں۔ صوبهٔ متحده میں خوب پیدا هوتا ہے اور معمولی پودینه کی طرح لگایا جاتا ہے - جازے کے دنوں میں اس کی جویں ' جن میں کسی قدر متی لپتی هو ' لگائی جاتی هیں ؛ اور جب تک پودے لگ نه جائیں خوب یانی دیا جاتا ہے ۔ اس کی زمین کو طاقتور رکھنا اور خوب کھاد دینا چاهئے ۔ بھیت بکریوں کی مینگنی کی کھاد اس کے لئے بہت موزوں هوتی ہے ۔

اور مربة بنانے کے کام آتا ہے - اسے بہت زیادہ کھاد کی ضرورت ہوتی ہے - اسے بہت زیادہ کھاد کی ضرورت ہوتی ہے - اسے بہت زیادہ کھاد کی ضرورت ہوتی ہے اسی لئے اکثر کھاد کے دھیر پر بویا جاتا ہے - اس کی کاشت کا عمدہ طریقہ یہ ہے کہ دو فت قطر کے اور اِتنے ہی گہرے گوھے کھود کر نصف سے زیادہ کھاد اور متی ملاکر بھر دیس اور پانی دے کر بینج جولائی میں بوئیں - اکثر خود رو بھی پایا جاتا ہے - اس کا پھئی اکر احتیاط سے رکھا جائے ؛ تو تمام سال رکھا رہ سکتا ہے - جازے کے موسم میں اس میں پھل آجاتا ہے اور مربة و متھائیوں کے کام آتا ہے -

(۲۲) تورٹی۔۔۔یہ توکاری دو طرح کی ہوتی ہے ۔ ایک قسم کی تورثی جو گھیا تورثی یا نفوا کے نام سے مشہور ہے ' ملائم اور چھوٹی ہوتی ہے۔ اور م

اس کا چھلکا ھلکی زردی لئے ھوٹے سبز ھوتا ھے۔ بعض ضلعوں میں اس قسم کے بجائے دوسری قسم کی تورثی کو گھیا تورثی کہتے ھیں۔ اس کا چھلکا موتا ھے۔ اور اُس پر بجائے زردی کے بہت ھلکی سفیدی ھوتی ھے ' چھلکے پر اُبہری ھوٹی رگیں ھوتی ھیں۔ اکثر لوگ دونوں قسوں کو درختوں کے نیچے لٹاکر بیل درختوں ھی پر چوھا دیتے ھیں۔

تورئی زیادہ تر برسات میں اور کبھی کبھی جنوری اور فروری میں بھی ہوئی جاتی ھے ۔ کیاریوں میں بونے کا طریقہ وھی ھے جو کرمکلے کا ھے ۔ یوھوں میں دو دو فت کے فاصلے پر گڑھے کھود کر اور اُن میں کھاد دے کر بوئیں ' اور حسب ضرورت پانی دیں تو بھی پیداوار اچھی ھوگی۔ · · ،

(۲۳) تباری ۔۔ یہ ایک قسم کی غلان دار مکو ہے۔ اور بہت لذیذ ہوتی ہے ۔ انگریز اسے بہت پُسند کرتے ہیں ۔ اس کے اُرپر ایک خوبصورت نیلا سا خول چڑھا رہتا ہے ۔ جس کے اندر سے چکنا دانہ نکلتا ہے ۔ اس دانے میں متعدد چہوئے چھرٹے بیج ہوتے ہیں ۔ بمبنی کے محکمہ زراعت نے میں ایک چھوٹا سا رسالہ اس کی کاشت پر شائع کیا تھا ' جس کا ضروری ملحض ہم اس جگھہ درج کرتے ہیں ۔

رساله مذکور میں تحریر هے که مغربی هندوستان میں اس کی کاشت کا وسیع میدان هے - اس کا پودا تین یا چار قبت اونچا اور چار پانچ قب چوڑا چکلا هوتا هے - اس کی میٹھی چٹنی عمدہ بنتی هے - اور اکثر لوگ گوشت میں بھی پکاتے هیں - اس کے لئے زمین کابہت طاقتور هونا ضروری هے - لیکن نمی کی زیادتی میں اچھی نہیں هوتی - اس صوبے کی بھوڑ اور هلکی دوست زمین میں اس کی فصل اچھی هوتی هے - زمین کو برسات سے پہلے دوست زمین میں اس کی فصل اچھی هوتی هے - زمین کو برسات سے پہلے کہ دے کر خوب باریک بنانا چاهئے - پانچ پانچ فت کے فاصلے پر یکے بعد

دیگرے نالیاں و راگیاں بنانی چاہئیں ' اور ایک ایکو میں بیس بچیس گاڑی کے حساب سے گوہر کی کھاد ڈالنا چاھئے - اگر گوہر کی کھاد اچھی نه هو ' تو کهری فصل میں پاخانے یا معجهلی کی کهاد اور کهلی بهی دی جاسکتی ہے - جون کے مہینے میں ایک چوتھائی آونس بیم ذخیروں ميں بويا جاتا هے ' جو چهه فت لمبے اور تين فت چوڑے هوتے هيں - اس طول و عرض کے دخیروں سے ایک ایکر میں لکانے کے لئے پود تیار ہو جاتی ھے ۔ اس کے بیجے کو آٹھہ گذا متی میں ملا کر بونا چاہئے ' تاکہ ذخیرے میں پودہ هر جگهہ برابر برابر اور دور نکلے - جب پود کم سے کم نو دس انبج اونچى هو جائے ' تو كهيت ميں لكائى جاسكتى هے - يود كو فخیرے سے نمالنے نے کے بعد کیاری میں لکانے تک اس کو چھوٹے چھوٹے دھیروں میں باندہ کر ارر بانی چھڑک کر رکھنا چاھئے - ھر ایک جاھھ دو یودے نو نو انبے کے فاصلے سے بتھانے مچاھئیں' اور پودوں کے ہر جھنڈ کے درمیان بانیم فت فاصله رکهنا چاهئے - پوده لکانے سے تهوری دیر پہلے زمین کو پانی دینا ضروری ہے۔ اور اگر پودہ لکاتے وقت علکی بارش نہ مو ا تو پودہ لگانے کے بعد سینچائی کر دینا چامئے - اس کے بعد حسب ضرورت دسویں پندرهویں دن برسات شروع هوتے تک سینچائی کرنی چاهئے۔ پردوں کے درمیان خالی جگہوں میں ایسی چیزیں لکائی جاسکتی هیں ' جن سے اُن کے بوے ہونے کے پہلے کوئی ترکاری مل جائے - لیکن تہاری پر متی چوھانے کے وقت اُن کی وجہ سے کوئی رکاوت نہ ھونی چاھئے - گنے کی طرح جب پودے ذیرہ فت اونتھے ہوجائیں ' تو ان پر متی چوھائی جاتی هے ' اور کھیت کی شکل گنے کے کھیت کی طرح بنائی جاتی هے۔ اگر کھاں پہلے کم دی گئی ھو' نو متی چڑھاتے وقت کھاد دینا مفید ھے - گھاسوں کو صاف رکھذا بھی طروری ہے ' جس کے لئے دو تین مرتبہ نکائی کرنی چاھئے ۔

اگر پودے سیدھے بڑھہ رہے ہوں تو اُن کی چوتی کات دینا چاتھئے۔
تاکہ وہ پہیلنے لگیں ۔ اس میں پھول نومبر میں آتے ھیں؛ اور آخری دستنبر
تک پھل پکنے لگتے ھیں ' اور جنوری فروری میں اچھا پھل اُترنے لگتا ھے ۔
مارچ میں بھی پھل آتا ہے لیکن اس میں بیبج زیادہ پر جاتے دھیں ۔
اور اس لئے کم پسند کیا جاتا ھے ۔ پھلوں کو پک کر گر جانے دینا اور اُس
وقت اُن کو چن لینا اچھا ھوتا ھے ' کیونکہ جو پھل پک کر گرتا ہے وہ اچھا ھوتا ہے ۔ لیکن یہ کام ذرا مشکل ھے ۔ اس لئے جب غلاف ھلکے پیلے رنگ کا ھوجائے ' تو پھل چن لینا چاھئے ۔ برے شہروں کے قریب اس کی کاشت زیادہ کی جاسکتی ھے ۔

(۲۳) تماتر—اسے ولائیتی بیٹن بھی کہتے ھیں - رنگ کے لتحاظ سے یہ ترکاری دو طرح کی ھوتیٰ ھے: سرخ اور پیلی - اس میں سے ھر ایک کی پھر کلی کلی قسمیں ھیں - بعض خوشرنگ ھونے اور کثرت سے پھیلئے کی وجہ سے پیر میں لگی ھوئی بہت بھلی معلوم ھوتی ھیں - لیکن جو قسمیں ترکاری کے کام آتی ھیں - ان میں سب سے عام قسم وہ ھے - جو بازاروں میں بہتی ھے - اور نارنگی کی طرح دونوں طرف چہتی ھونے کے عادرہ ان میں پھانکوں کے نشان بلے ھوتے ھیں -

انگریز اس ترکاری کو بہت پسند کرتے هیں ؛ اور هندوستانی بھی استعمال کرتے هیں - خصوصاً بهوپال کی طرف بہت رواج هے - اگر اچھی طرح پکائی جائے تو خوش ذائقه هوتی هے - اس جولائی سفروری تک کسی وقت بوسکتے هیں لیکن زیادہ تر بیج کا ذخیرہ آخر ستمبر یا شروع اکتوبر میں بویا جاتا هے - جب پودے پانچ چهه انچ کے هوجاتے هیں ، تو اس طرح بیر لگائی جاتی هے که قطاروں اور پوگوں کا

قاضلہ ایک دوسرے سے کم و بیش تیوہ قیمت هوتا ہے - اگر ایک فصل جولائی میں اور دوسری اکتوبر میں بوئی جائے ' تو سال کے زیادہ حصے میں تماثر استعمال کے لئے مل سکتا ہے -

• تماتر کا پودا ایسا نرم هوتا هے 'که بعض لوگ اسے بیل سمجھتے هیں۔ اس میں اس کثرت سے پہل آتا هے که پودا پہلوں کے وزن سے گرنے لگتا هے ۔ اس لئے پودے کو سہارا دیئے کے لئے پودوں کے قریب لکریاں کار کر اُن کو آهستگی سے باندہ دینا چاهئے تاکه لکتی پہلوں کا وزن سنبھالئے میں مدد دے اور پودے گرنے سے بچ جائیں۔ باغ کی معمولی زمین میں میں مدد دے اور پودے گرنے سے بچ جائیں۔ باغ کی معمولی زمین میں جہاں پانی بھرا نه رهتا هو تماتر کی پیداوار اچھی هوتی هے ۔ کیاریوں کو گھاس سے صاف اور متی کو ملائم رکھنا بہت مفید هوتا هے ۔ پانی ضرورت کے موافق کئی مرتبه دینا پوتا ہے ۔ کمزور زمین میں گوبر یا میلا کی خوب ستی هوئی کھاد دی جاتی ہے ۔ اس کی زمین کا نکاس درشت هونا بہت ضروری هے ۔

(١٥) تيندس—اس تركارى كى بيل پهيلتى يه - اس كا پهل عام طور سے شلجم كے براير سياهى مائل سبز رنگ كا هوتا هے - شروع ميں كسى قدر زوئيں دار هوتا هے ' ليكن آخيتر عمر ميں روئيں صاف هوجاتے هيں - برسات شروع هونے پر آخير جون يا شروع جولائى ميں بويا جاتا هے - اس كى كاشت اور نگهذاشت كدر كى طرح كرنا چاهئے - هلكى زمين ' جس ميں خوب كهاد دى گئى هو ' اس كے لئے اچهى هوتى هے - وازة نے لكها هے كه پنجاب اور سنده ميں اس كى كاشت پان كى طرح بهيئوں ميں كي جاتى هے - ليكن اس صوبے ميں معمولى كهائي زمين مين بوتا جاستانا هے ' اور كسى خاص نكرانى كى ضرورت نهين هوتى - مين بوتا جاستانا هے ' اور كسى خاص نكرانى كى ضرورت نهين هوتى - ايكن اس عوب ميں معمولى كهائي زمين مين بوتا جاستانا چاهئے '

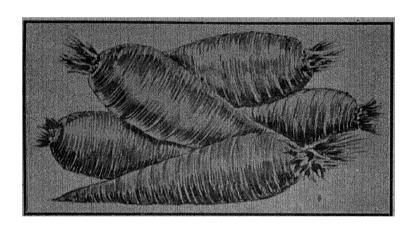
تاکہ اُن کے درمیان چھہ انچ سے نو انچ کا فاصلہ رھے - اس کی پرد بھی لگائی جاتی ہے ، لیکن کوئی خاص فائدہ اُس میں نظر نہیں آتا -

(۲۹) چقندر — یه اگرچه ایک مغربی پردا هے 'لیکن به نسبت یورپ کے هندوستان میں اُس کی کاشت زیادہ هوتی هے ؛ کیونکه یه اس وقت تیار هوتا هے که جب اور ترکاریاں ختم پر هوتي هیں - اس کی جو کام میں آتی هے جو ' معمولی مولی سے لمبی اور موتی گاجر کی طرح سدول هوتی هے - اس کی ایک اور قسم هے جس کی جو شلنجم کی طرح گول هوتی هے -

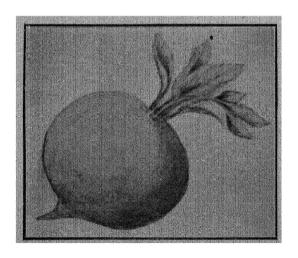
[۱۱۸ , ۱۱۷ میکهو شکل نمبر

چقندر کا رنگ خون کی طرح سرح هوتا هے چنانچه بعض لوگ اِس ترکاري کو خون کی مشابهت کی وجه سے نہیں کھاتے - اس میں گاجر کی سی هلکی منتهاس "هوتی هِ - پکا کر کھانے اور سرکے میں اچار بنانے کے لئے چقندر پسند کی جاتی هے -

اس کی کاشت گاجر کی طرح کی جاتی ہے۔ لیکن اس کو براہ
راست کھاد دینا مضر نہیں ہوتا۔ پہلی وار فصلوں کے بعد بونے پر
چقندر کی پیداوار اچھی ہوتی ہے۔ اگر فصل جلد لینا ہو تو پود
گملوں میں پہلے سے بوکر زمین تیار ہونے پر لگا سکتے ہیں۔ چقندر کی
پودہ لگانے میں اتلی زیادہ کامیابی نہیں ہوتی جننا کہ اوسی جگہہ
پر بیج بونے سے ہوتی ہے جہاں سے فصل لینا ہو۔ رائیوں پر بھی
لگایا جاتا ہے۔ بوائی کے زمانے میں تھرزے وقفے سے الگ الگ کیاریاں
بوئی جائیں ' تو عرصے تک چقندر ملتا رہے گا ' اور کوئی نقصان نہ
ہوگا۔ لونا متی یا شورہ ڈالنے سے اس کو بہت فائدہ ہوتا ہے۔ پالک کی
طرح چقندر کے بیج اور نگے پودوں کو چڑیاں بہت نقصان پہنچاتی



چ^ېندر شکل نمپ**و ۱۱**۷



چهندر شکل نمبر ۱۱۸



هیں اِس لیئے اُس کی نگرانی کے لیئے کانتے لگانا یا جال بچھانا اچھا هوتا هے - نیئے پودوں کا رنگ زمین سے ملعا هے ' اور جمنے کے وقت ان آسانی سے دیکھنا بھی مشکل هوتا هے - بینج تین چار دن میں جمعی هے - و

چقندر کی بہت سی قسمیں ھیں - لیکن سرم رنگ کے چقندر جس کے ذرا ذرا فرق سے نئے نئے نام رکھہ دئے گئے ھیں اچھا ھوتا ھے - چقندر کی فصل کو عرصے تک رکھنا اچھا نہیں ھوتا - زیادہ دن گذرنے پر ' جب وہ بہت بڑا ھوجاتا ھے ' تو سیٹہا اور سخت ھوجاتا ھے - کیاریوں کو گھاسوں سے صاف رکھنا اور موسمی حالات کے لحاظ سے کم و بیش ھفتہ وار پانی دینا پڑتا ھے - چقندر کی بعض قسموں سے شکر نکالٹے ھیں ' اور گملوں میں لگاڈر آرایش کا بھی کام لیٹے ھیں ۔

(۲۷) چچیندا — اس بیل کا پهل دو تین فت اور کبهی اس سے بهی زیادہ لدبا اور قطر میں تین چار اِنچ موتا هوتا هے - تیوه هونے کی وجه سے سانپ کی طرح معلوم هوتا هے - علاوہ سفیدی مائل هونے اُس پر اکثر دهاریاں پڑی هوتی هیں 'جو اور بهی سانپ کی کینیت پیدا کرتی هیں - اس کی بیل زمین پر بوکر کریلے کی طرح پہیلائی جاسکتی هے - لیکن کسی چیز پر چڑها کر پهلوں کو لٹکلے کا موتع دینا اچها هوتا هے - بیج بارهی شروع هونے پر بویا جاتا هے -

(۲۸) چنا — مقر کا صرف دانه ترکاری کے کام آتا هے - اور ساگ برائے نام استعمال کیا جاتا هے - لیکن چنے کا ساگ کچا اور پکا هوا دونوں طرح استعمال هوتا هے - اسی طرح هرا دانه بهی کچا ' پکا ' بهنا هوا هر حالت میں کهایا جاتا هے ' اور مختلف طریقوں سے استعمال هوتا هے - چنا کی کئی قسمیں هیں - یوں تو معمولی دیسی

چفا بھی کام دیتا ہے؛ لیکن کابلی چنا ' جس کا دانہ بڑا اور سنید هوتا ہے ' باغوں میں بونے کی چیز ہے - اس کی کاشت پالکل متر کی طرح ہوتی ہے - اس کی تطاروں میں ایک سے تیزہ فیت تک فاصلہ رکھا جاتا ہے - اس سینچائی کی ضرورت نہیں ہوتی - صرف بونے کے وقت زمین میں نمی ہونا چاہئے ؛ اور نمی کم ہو ' تو بونے سے پہلے ہلکا پانی دے دینا چاہئے - تین چار انبے گہری کونڑ یا نالی بناکر دو دو تین تین انبے کے فاصلے پر بیج قالا جاتا ہے - زمین کو بہت باریک کرنے کی خاص ضرورت نہیں ہے ۔ باغ کی معمولی زمین میں اچھا ہوتا ہے - متیار زمین اس کے لئے زیادہ موزوں ہوتی ہے -

(۲۹) چولائی ــ یه ایک ساگ هے ' جو برسات میں به کثرت خود رو هوتا هے ' اور بازاروں میں بکتا هے - اس کے پتے اور ملائم دَنتَهل پکا کر کھائے جاتے هیں - اس کی بہت سی قسمیں هوتی هیں - ان میں سے دو ایک قسمیں باغوں میں آرایش کے لئے بھی لگاتے هیں - لیکن یه ساگ کی طرح بھی استعمال هوتے هیں - اُن کو اچھی طرح پکانا ضروری هے - چولائی کا ساگ برسات کے علاوہ دوسرے موسموں میں بھی هوتا هے ' لیکن برسات اُس کا خاص موسم هے - خودرو بہت زیادہ هوتا هے ' اور بویا بھی جاتا هے -

اس کی ایک قسم لال ساگ یا مرسا کے نام سے مشہور ھے ' جو چولائی سے زیادہ پسند کی جانی ھے ۔ اُس کی اور کئی قسییں ھیں ' اور بعض قریب قریب سال کے ھر حصے میں پائی جاتی ھیں ۔ زیادہ قسمیں برسات ھی میں ھوتی ھیں ۔ اس کے لئے کسی خاص طریقۂ کلشت کی ضرورت نہیں ھوتی ۔ زمین میں بیج بویا جاسکتا ھے ۔ اگر زمین طاقتور ھو یا کہاں دی گئی ھو تو نہ صرف پھدا وار اچھی ھوگی

بلکه ساگ کا مزه بھی اچھا ہوگا - زمین مثلاثم کرکے بیج بکہیر کر هاتها، سے مثلاً دیلنا کافی هے - لیکن بیج بوتے وقت زمین میں کافی تمی کا ہونا ضروری هے -*

(۳۰) حلیم — یه ایک قشم کا ساگ هے - انگریز اِسے بہت پسند کرتے هیں - اور جب اس میں چھوقی چھوقی پتیاں نکل آتی هیں ، تو کھاتے هیں - لیکن اگر پودوں کو کسی قدر اور بولا جانے دیا جائے تب کاتنے پر زیادہ ساگ ملتا هے - اس کے بونے کا طریقہ بہت آسان اور معمولی هے - بھیج کیاریوں میں بارش کے بعد آخیر ستمبر یا شروع اکتوبر میں بویا جاتا هے - کیاریوں میں کانی نمی رکھنا چاھئے ، جس کی وجہ سے کئی مرتبہ پانی دینا پوتا هے - زیادہ اچھا یہ هے کہ بونے کے زمانے میں کئی کیاریاں مختلف اوقات میں بکہیر کر بوئی جائیں - کے زمانے میں کئی کیاریاں مختلف اوقات میں بکہیر کر بوئی جائیں - بیجے لیئے کے فاصلے سے ایک کیاری میں بھیج تیار ھوجائے گا۔

(٣١) خرقہ ألل عمولى ساك هـ اس كي پتياں چهوتي چهوتي اور گداز هوتي هيں ' اور أن كا موہ كسى قدر كهتا هوتا هـ - ان كى بهى ترشي لوگوں كو پسند آتي هـ - اس كا بينج چهوتا هوتا هـ - اس لگـ بونے كے وقت كيارى نماك اور بهر بهرى هوني چاهئـ - اس كا بينج بكهير كو بويا جاتا هـ - اس كو نكائي اور حسب ضرورت پاني كـ سؤا اور كسي خاص احتيات كي ضرورت نهيں هوتي - نرم كلـ تور كر كم مهى لئـ جاتے هيں - كلوں كے توت جانے پر اس ميں اور زيادہ شاخيں نكل آتي هيں - اس لئـ أس كو جو سے پهلي هي مرتبه أكهار لينا تهيك نهين هوتا -

کی ہتی اور دانے کے لئے (۳۲۰) دھنیا ۔۔۔ اِس کی پتی اور دانے کے لئے کی جاتی ھے ۔ ھری پتی خوشبودار ھونے کی وجہ سے چتنی کے لئے ۔ پا

بهت استعمال هوتی هے - علاوہ اس کے ترکاریوں اور کھانوں؛ میں خوشیو کے لئے ڈالتے ھیں - دانہ مسالے کے کام آتا ہے - بارش ختم ھونے پر کیاری کو بہت مالئم گوڑنا چاھئے - بونے کے لئے اکتوبر کا زمانہ سب سے اچھا ھے - بیم بکہیر کر بونا چاھئے - اس میں دو دالیں ہوتی ھے - جن میں هر ایک سے کلا نملتا هے - اِس لئے بونے سے پہلے هاته، سے آهسته آهسته مل کر دالیں الگ کر دینی چاهئیں - اگر بونے سے پہلے ایک رات بهر بیب کو بهاو دیا جائے تو اچها جمانا هے - بونے کے وقت زمین میں کافی نمی ہونی چاہئے - جمنے کے بعد معمولی نکائی اور پانی دینا چاھگے - کیاریوں سے پتی اس طرح لینا اچھا ہے کہ اگر اُس کو آخر میں دانے کے لئے چھور دیں ' تو پودوں میں چار چھھ انبے کا فاصله رہ جائے - پودوں سے نیمچے کی پتیاں تور کر اور بیچے بیچے سے پودوں کو اُکھار کر کام میں لاتے رہنے سے یہ صورت قائم رہےگی ۔ بونے کے تھورے ھی دن بعد يتهال ملنے لكتى هيل ' اور دانه مارچ ميل تيار هوجاتا هے -(rr) رائی — أس كا پودا سرسوں اور دلاهی كی طرح كا هوتا ھے ' جو علاوہ اور کاموں کے ساگ کے لئے بوئی جاتی ھے - لیکن رائی کی پھلی اور دانہ دونوں سرسوں سے چھوٹے ھوتے ھیں ؛ اور پھول کسی قدر سفیدی مائل هوتا هے - رائی زیادہ تر اجاروں کے مسالے میں کام آتی ھے اور اکثر لوگ اس کے سبز پودوں سے سلاد کی طرح سرکے کی چالنی تهار کرتے هیں - اس کی کشت میں کسی خاص احتیاط کی ضرورت نهیں هوتی - باغ کی معمولی کیاریوں میں ربیع میں زیادہ اچھی هوتی ہے - اسے کیاریوں میں ڈیزہ فت کی قطار سے بونا چاھئے - معمولی حالت میں بکہیر کر بوسکتے ہیں - بونے کے وقت اس کی زمین

کافی طور پڑ نماک اور پودوں کے درمیان نوسے بارہ انیم تک فاصلہ

رهنا جاهيُّه-

(۳۲) رتالو-اس ترکاری کی کاشت اس کی کانته دار جووں کے لئے کی جاتی ہے ؛ جس کی شکل شکر قلد سے بہت زیادہ ملتی ھے ۔ اِس کی کئی قسمیں ہوتی ھیں ۔ لیکن صرف تین چار قسیں کھانے میں زیادہ کام اُتی ھیں - اس ترکاری کی بھل چلتی میں ۔ اور جو میں رتالو هوتا هے اس کا چهلکا هلکے گلابی رنگ کا هوتا ھے اور اس پر چھوتے چھوتے گھرے داغ ھوتے ھیں - بعض رتالو بہت بوے نکلتے میں - فروری سے اپریل تک رتالو کے ٹکڑے یا چھوٹی چھوٹی گرهیں بوئی جاتی هیں - زمین کو خوب گہرا گور کر اور گھال ملا کر رتالو بونا چاهلیے - اس کی زمین جتنی گہری گوڑی هوئی اور بنی هوئی هوگی اُتلاهی اچھا رتالو پیدا ہوگا۔ ایک جگہہ لٹانے کے بعد اگر اس کی نگرانی ہوتی رھے ' تو عرصے تک رتالو ملتا رھے گاء اس کے لئانے کا طریقہ یہ ھے کہ دو دھائی فت گہرے چوڑے گڑھ ،تھوڑے تھوڑے فاصلے پر کھودیں اور ان کا نصف حصة كهاد سے بهر كے خوب گورائي كريں جب كهاد و متى ايك ذات هوجائے تو اس میں رتابو بقهائیں - جب کلے کچه، بوے هوجائیں تو بیلوں کو کسی چیز پر چوھانے کا انتظام کردینا چاھئے -

(۳۵) رزقہ ایک اس قسم دی جارے کام آتا ہے۔ اس قسم دی فصل کا تذکرہ ہے موقع نہیں ہے کیونکہ یہ باغ کی ضروریات میں سے ہے لیکن هم چارہ کی معمولی فصلوں کو نظر انداز کرکے صرف ایک ایسے هرے چارہ کی فصل کا ذکر کرنا چاهتے هیں ' جو بہت کار آمد ہے ۔ یوں تو مکا ' جوار اور بوقت ضرورت معمولی قسم کے شلجم و گاجر بھی چارے کے لئے بوئے جاتے هیں ؛ لیکن رزقہ ایک ایسی فصل ہے جس سے اس وقت هوا چارہ ملتا ہے ' جب هرا چارہ کی کوئی دوسری فصل تیار نہیں هوتی - رزقہ نے ابھی صوبے میں بہت کم رواج پایا ہے۔

رزقے کا پودا دو دھائی فت اونجا ھوتا ھے ' اور جاڑے کے زمانے میں کسی وقت ہویا جا سکتا ہے۔ لیکن وسط اکتوبر سے وسط نومبر اس كے لغے اچها زمانه هوتا هے - دومت زمين ميں ' جس كا تكاس دوست ھو ' اچھي ديداوار ھوتي ھے - گھوڑے کی ليد اُس کے لغے بہت مفيد ثابت ھوٹنی ہے ' اور تین سو من فی ایکو کے حساب سے دبی جانی ہے -برسات میں زمین کو اچھی طرح جوت دینا چاھئے ؛ اور آخر ساتعبر میں برسات ختم هونے پر کھیت کو جوت کر بونے کا وقت آنے تک دیا رکھا اور بوائی کے وقت ایک جوتائی اور کر کے بونا چاہئے ۔ فی ایکو چھ سیر کے حساب سے بیم ہویا جانا ہے - بیم بمہیر کر بویا جاسکتا ہے - اُس وقت بیم هاته سے متی میں ملاکر ہونا اور پاتا دے دینا چاهئے - لیکن بوائى كا زيادة اچها طريقة راكيوں پر بونا شے ' جو دو دو فت كے فاصلے پر بنائی جانی هیں - رائیاں بہت اونچی نه هونا چاهئیں ' اور اوپری حصة چپتا رهنا چاهئے - بونے کے وقت راکیوں پر ایک انبے گہری نالی سی بنا کر بیج اس میں هاتهه سے بوتے هیں ' اور متی سے دهک دیتے هیں -بیہ بونے کے بعد هی سینچائی کی جائی هے - ایکن پانی اتنا زیادہ نه دینا چاھئے ' جو راگیوں کے اوپر به نکلے ' بلکة اس انداز سے دینا چاھئے که راکیوں کے اوپر پانی نه چڑھے لیکن کافی نمی پہنچ جائے - اس کے بعد حسب ضرورت سینچائی کرتے رهنا چاهئے - پانی کرمی میں زیادہ دینا يوتا ھے -

چارة اس وقت كاتفا چاهئے ' جب رزقے ميں كچهة پهول آنے لكيں - ليكن بهت زيادة پهول نة آنے ديفا چاهئے ' رزنة چارة سخت هو جائهكا - اگر اچهى طرح كاشت كى جائے ' تو جس سال بوئى جائے اُسى سال پانچ چهة اور دوسرے سالوں ميں سات آتهة مرتبة چارة كاتا جاسكتا هے - اس كى

خاصیت یه هے که کاتنے کے بعد پهر کلے پهوتتے هیں ، اور از سر نو جارہ تیار هوجاتا هے - هر کتائی کے بعد پانی دینا اچها هونا هے - چارے کی اسط پهدا وار کم و بیش سالانه چار سو من فی ایکو هے - چاره کتی کرکے کهلایا جاتا هے - فی جانور چار پانچ سفر رزقه کسی سوکھ چاره میں ملاکر دیدا كافي هے - اس كا چارة مفيد اور اچها هوتا هے كل چارة ايك هم مرتبة میں نہیں کاتنا چاھئے ' بلکہ جتنا ضرورت ھو روز ھرا کات لینا چاھئے۔ برسات میں کھیت میں بانی نه بهرنے دینا چاهئے - اس زمانے میں رزقه جل جاتا هے - جو دنتهل باقی رهتے هیں ان کو برسات ختم هونے پر کات لیتے ھیں ' اور کھیت کو کھاسوں سے صاف کرکے کسی قدر کھاں ملاکر پانی دے دیتے میں ' تو نئے کلے پھوت آتے میں ۔ اس طرح ایک موتبه کے بوئے موئے رزقے کی گھاس پانچ برس تک اچھی طرح رہ سکتی ھے۔ اگر اس کا بیج لینا منظور ھو' تو دوسرے یا تیسرے سال فروری کے مہینہ سے چاوہ کاتنا بند كردينا چاهئے - مارچ اپريل تك بيم آجائيكا - بيم بهي قيمتي هوتا ھے - برسات میں گورَائِی کے بعد واکھہ اور گوہر کی کھاد دینے سے نفع ہوتا ہے ۔ رزقه میں اکثر امر بیل پیدا هوتی هے ، جو اس کو بہت نقصان پہنچاتی ہے - ایسے کھیت سے بیبے هرکز نه لینا چاهئے اور جہاں امر بیل پیدا هوجائے اس کو اس احتیاط سے کات کر جلا دینا چاهئے ، کہ اس کا كوئم قكوا كهيل ره نه جائم -

(۳۹) زیرہ —زیرہ کھانوں کے مسالم کے علاوہ دوا میں بھی کام آتا ھے۔
کشمیر کا زیرہ بہت اچھا ھوتا ھے - اگر پہاری علاقوں میں اس کی کشت
کی جائے تو کامیابی ممکن ھے - اس کا پودا عرصے تک رہتا ھے - میںانی
علاقوں میں اسے اکتوبر میں وارر پہاروں پر مارچ میں بیچ ہونا چاھئے کیاریوں کو خوب کھاد دے کر زمین بہت بھر بھی تیار کرنا ضروری ھے -

ہونے سے پہلے زمین کو پانی دے دینا چاہئے ' تاکہ ہونے کے وقت کانی نمی رہے۔ کیاریوں میں قطاریں ایک ایک فت کے فاصلے پر رکھنی چاہئیں ' اور بیج کو ایک انچ سے زیادہ گہرا نہ بونا چاہئے۔ جب پودے کچھہ بوے ہوجائیں تو انجیں چہانت کر سونف کی طرح فاصلے پر کر دینا چاہئے۔ کیاریوں کو گھاسوں سے صاف رکھنا اور حسب ضرورت پانی دینا ضروری ہے۔

(٣٧) زمين قند -- إس كا دوسرا نام سورن هے - زمين قند ' جو تركاري کے طور پر کھایا جاتا ہے ' اصل میں جو ہے ' جو بچی بچی گرھوں کی شکل میں زمین کے اندر ہوتی ہے۔ ہر بتی گانٹھ میں چھرٹی چھوٹی اور گرھیں هوتی ههن جن کو پوتیاں کھتے هیں - یہی پوتیاں ہوئی جاتی هیں - پودا سیدھا اور پتے بوے موتے میں ' اس کے سبز تئے پر اکثر اس قسم کے دهبے موتے میں جیسے بعض برّے سانپوں کے جسم پر ہوتے ہیں - جروں میں کچے بلڈے کی طرح عجیب اور بهت تیز کلکناهت هوتی هے ''جس کی وجه سے اس کا کهانا (خاص کر اگر اسے اچھی طرح نه پکایا جائه) محال هوجاتا هے - تاهم اس کی ترکاری بہت لذیذ ہوتی ہے ۔ اس کی جو دسمبر کے قریب کھود کر نکال لی جاتی ہے ' اور اوسی وقت اُس کی پوتی گار دی جاتی ہے ' جو عرصے تک زمین میں یوں هی پری رهتی هے - اس کا پودا برسات میں نكلتا هـ ، اور كرمى مين جل جاتا هـ - اكر خيال نه ركها جائي ، توية یتا چلانا مشکل هوجاتا هے که زمین قلد کس جگه تهی - جورن کو دوسرے سال نکال کر استعمال کرتے هیں ' اور اُسی وقت پهر پوتیاں گار دیتے هیں -بہتر یہ ہے کے تین فت قطر اور چار فت گہرائی کے گڑھے تین تین فٹ کے فاصلے پر کبود کر نصف حصہ کہاد اور متی بھر دیں اور پوٹیاں اُس میں گار کر پانی دے دیں - کچھ دنوں بعد ،جب پودا نکل آئے اور ہوا همچائے ' تو باقی نصف گڑھ کو بھی اُسی طرح کھاد متی سے بھر کر پانی بھر دیں - اس کے لئے کوئی خاص احتیاط نہیں کی جاتی - نکائی کوکے گڑھرں کو گھاسوں سے صاف رکھنا اچھا ھوتا ھے -

(۳۸) سونف سونف چھٹی ' اچار ' اور مسالے کے علاوہ دوا میں بھی گام آتی ہے ' اور اُس کی بہت کاشت ہوتی ہے ۔ اکثر لوگ اس کی پھیوں کو بھی خوشیو کے لئے ترکاریوں میں ڈالتے ہیں ۔ سونف کی کاشت کے لئے زمین ملائم اور طاقتور ہونا چاہئے ۔ گوبر کی کھاد اس کے لئے بہت مفید ہوتی ہے ۔ باغ کی زمین میں ' جہاں پہلے سے کھاد پتری ہو ' اس کی پیداوار زیادہ ہوتی ہے ۔ اس کی کاشت اکتوبر میں ہوتی ہے ' اور بیج کیاریوں کے اندر قطاروں میں بویا جاتا ہے ۔ اس کے پودوں کے بیج کیاریوں کے اندر قطاروں میں بویا جاتا ہے ۔ اس کے پودوں کے درمیاں و انیچ سے ۱۲ انیچ تک فاصلہ رہنا چاہئے ۔ زمین کو گھاسوں سے صاف رکھنا اور حسب ضرورت پانی دیاہا چاہئے ۔ فصل مارچ میں تیار ہوجاتی ہے ۔

(٣٩) سویا۔ سویا زیادہ تر پتیوں کے لئے بویا جاتا ہے اور ساگ میں ملاکر استعمال کیا جاتا ہے - اس کے پتوں میں ایک نہایت پسندیدہ هلکی سي خوشبو هوتي ہے - اس کی کاشت بالکل سونف کی طرح هوتی ہے -

(۱۲۰) سهجیں ۔ یہ ایک بڑا درخت ہے 'جس کی پہلیاں پتلی اونکلیوں کے برابر موتی اور کم و بیش ڈیڑہ فت لمبی ہوتی ہیں ۔ سهجین کے پهول اور پہلیاں دونوں ترکاری و اچار کے کام آتے ہیں ۔ پہلیوں کا جزہ موچوبے کا سا ہوتا ہے ۔ ترکاری کے لئے پہلیوں کو بہت سخت نہ ہونے دینا چاہئے ۔ بارش شروع ہونے پر بیج بوکر درخت پیدا کیا جاتا ہے ، جو بہت جلد بڑا ہوجاتا ہے ۔ پہلیاں مارچ اپریل میں آتی ہیں ۔

(۱۲) سرسس اور لاھی۔۔ اِس کے پتے بطور ساگ کے مضعلف طویقوں سے پکائے جاتے ھیں ۔ یہ ایسی آسانی سے تھار ھوجانے والی چیزیس ھیں کہ ان کی کاشت کے لئے کسی خاص ھدائت کی ضرورت نہیں ھے ۔ کسی نمذاک اور نوم کھاری میں آخیر ستمبر کے بعد جس وتت بیج پکہیر دیں ' تیسرے دن ' جم آئیں گے ' اور تھوڑے دن میں پتے کام کے قابل ھوجائیں گے ۔ اگر بیج لینا منظور ھو ' تو چند پودے چھوڑ دئے جائیں ۔ آخر مارچ تک دانہ تیار ھوجائیکا ۔ دراصل یہ کھیتون میں تھل کے لئے ہوئی جاتی ھے ۔

بھی کہیں کہیں اُگتا ہے ۔ اس کی دو قسمیں ھیں ۔ ایک کا رنگ سفید ' اور دامن ھمالیہ میں بھی کہیں کہیں اُگتا ہے ۔ اس کی دو قسمیں ھیں ۔ ایک کا رنگ سفید ' اور دوسرے کا سرج ھوتا ہے ۔ ھندوستان میں یہ ترکاری کم پسند کی جاتی ہے ' لیکن انگریز اسے بہت شوق سے کہاتے ھیں ۔ میدائی عاقمے میں بونے کے لئے جہاں تک ممکن ھو باھر ھی کا بیمج حاصل کرنا اچھا ھوتا ہے ۔ سرج سیاری کے درخت بڑے ھوتے ھیں ' اور اس کے سرے پر پتوں کا گچھا زیادہ گھنا ھوتا ہے ۔ لیکن سفید قسم کا بیمج بھی اگر اچھا ملے تو بری نہیں ھوتی ۔

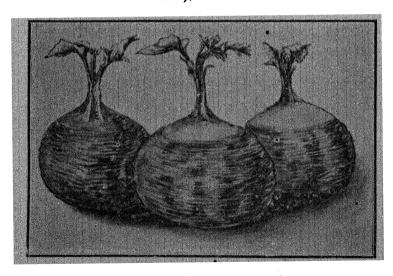
[الا و ۱۱۹ و ۱۲۰]

اگر بینج اچھ نه ملیں کے تو سیاری اچھی نه هوئی - اس صوبے میں شروع اکست سے وسط اکتوبر تک برئی جا سکتی ہے - پہلے اُس کا ذخیرہ گملوں میں یا صندوق میں اچھی متی پر بونا اور اُن کو سائے میں رکھنا جہائے ۔ اگر بینج گھنے جمیں ' تو کتھہ پودوں کو اُکھاڑ کو اکم و بیعی دو انچ کے فاصلے پر کردینا چاھئے ۔ جب پودے تھی چاڑ انچ اُونچے هوجائیں تو اُن کو کیاریوں میں زمین پر لاانا چاھئے ۔ پود لاانے کے لئے

(1) - 444



سیگری شکل ذهبر ۱۰۱۹



سیلرک ش*کل* نبیر ۱۲۰

زمین کو پہلے سے نیار رکھنا چاھئے۔ اس کا طریقہ یہ ہے کہ کم و بیھی دیوہ فیت گہری اور اِسی قدر چوڑی نالیاں بناکر گوبر کی اچھی ستی ھوئی کھاد اور ایک حصہ نالیوں کی نکٹی ھوٹی متی بھر کر خوب گوڑ دیفا چاھئے کہ دونوں چیزیں ایک ذات ھوجائیں - نالیوں کو گوڑ کر چند دن پڑا رہنے دیا جائے ، تو زیادہ فائدہ ہوگا - پھر اُس میں پود ڈیوہ ڈیوہ فیت کے فاصلے پر بٹھائی جائے ، اور حسب ضرورت پانی دیا جائے ۔ جب پودے کم و بیھن چار فیت اونچے ھوجائیں ، تو جتروں پر متی چرھا دیفا چاھئے - زمین کو گھاسوں سے صاف رھنے کے لئے نکٹی و گوڑائی کرتے دیفا چاھئے - زمین کو گھاسوں سے صاف رھنے کے لئے نکٹی و گوڑائی کرتے رھنا چاھئے - زمین کو گھاسوں سے صاف رھنے کے لئے نکٹی و گوڑائی کرتے رھنا چاھئے - زمین کو گھاسوں سے صاف رھنے کے لئے نکٹی و گوڑائی کرتے ہو اس جاتی چوھانا ہادی کے قریب دو ھنتہ پہلے چوھانا چاھئے - زیادہ پہلے سے متی چوھانا سیلری کے لئے مفید نہیں ھوتا ـ پودا تقریباً پانچ ماہ سے متی چوھانا سیلری کے لئے مفید نہیں ھوتا ـ پودا تقریباً پانچ ماہ میں تیار ھوجاتا ہے ۔

فرمنگر کا خیال ہے کہ سیلری کو بہت بڑھنے دینا اس لئے بیکار ھوتا ہے کہ بالاخر پنے سخت ھوجاتے ھیں ' اور استعمال میں لانے کے لئے اُونہیں کات دینا پڑتا ہے جو اس طرح بالکل بیکار ھوجاتے ھیں - سیلری کی ایک قسم اور ہے جس کی جڑ شلجم کی طرح ھوتی ہے - اس قسم کو سیلرک [۱] کہتے ھیں اور اُس کے بونے کا طریقہ بھی وھی ہے ' جو سنید و سرح سیلری کا ہے لیکن اول تو اس پر متی نہیں چڑھائی جاتی دوسرے پانی زیادہ دینا پڑتا ہے ' لیکن سیلرک کی کاشت کم ھوتی ہے -

دو خاص قسمیں هوتی هیں 'جن کو انگریزی میں کے بہے لٹوس [۲] - اور

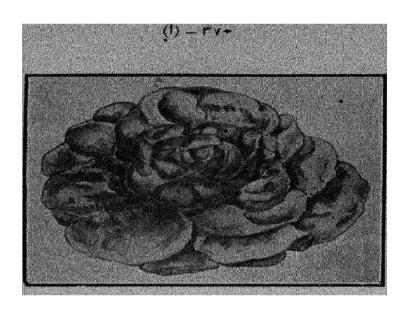
کاس لیترس [1] کہتے ھیں - ان کو ھندوستانی میں سلاد گوبھی اور سلاد پتا کہت سکتے ھیں - ھر ایک کئی طرح طرح کی ھوتی ھے ' اور ان میں برائے نام فرق ھیں - مرے کے لتحاظ سے درنوں قریب قریب یکساں ھیں - اکثر لوگ کاس لیتوس کو زیادہ پسند کرتے ھیں - کاشت کا طریقہ قریب قریب گوبھی کی طرح ھے اس کا ذخیرہ بویا جاتا ھے ' اور جب پودے تیں چار انچ ھوجاتے ھیں ' تو پود بتھائی جاتی ھے -

[ديكهو شكل نمبر ١٢١ و ١٢٢]

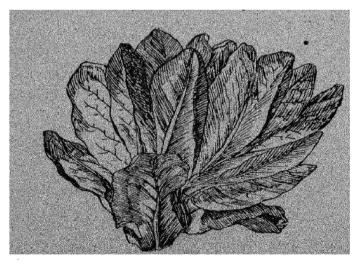
اس کا بیج بونے کے لئے اکتوبر کا زمانہ مناسب ہوتا ہے - بیج اکثر دیر میں جمتا ہے ' اور اُس کو چیونٹیاں بہت اُٹھا لے جاتی ہیں اس لئے ذخیرے کو گملوں میں بوکر انہیں پانی میں رکھنا اچھا ہوتا ہے - جس جگہہ پود بٹھانا ہو' وہاں زمین کو گہرا گور کر اور کھاد ملاکر تیار کرنا اور نرم بنانا چاھئے ۔

سلاد کے لئے گوہر اور پنہرں کی کھاد اچھی ھوتی ھے - کیاریوں میں دو فت پر پود لگا کر پانی دے دینا چاھئے - بعض لوگوں کا یہ بھی خیال ھے کہ اس کی پودہ لگانا بہت منید نہیں ھے - بیج کے لئے اچھے پودے چھانت کر چھوڑنا چاھئے - اکثر یہ خیال ھوتا ھے کہ شاید یہ بیج اچھا نہ ھو لیکن کئی مرتبہ تجربه کرنے سے معلوم ھوا ھے کہ اگر بیج اچھی طرح رکھا جائے ' تو ولائنی اور اِس صربہ کے بیج موں خاص کر رہ بیج جو پہاڑی رقبوں میں حاصل کیا گیا ھو ' کوئی خاص فرق نہیں ھوتا گرمی تک سلاد روکنے کے لئے بہت پانی دینا اور کیاریوں کا سایہ میں ھونا ضروری ھے - پانی دینے کے بعد گہری گوڑائی کرکے زمین مالام اور گھاسوں ھونا ضروری ھے - پانی دینے کے بعد گہری گوڑائی کرکے زمین مالام اور گھاسوں سے صاف رکھا چاھے - کبھی کبھی سلاد وسط اگست سے ھی بونا شروع

⁻ Coss Lettuce -- [1]



سلاه کویهی **پشکل نمبر ۱۲۱**



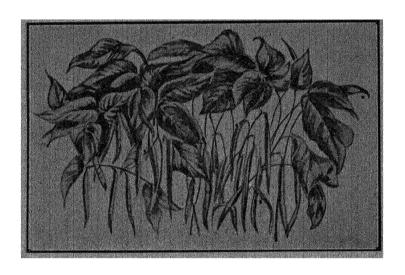
سلاد پتا شکل ذبیر ۱۲۲

کردیتے هیں - جو فصل اکتوبر سے پہلے بوئی جائے ' اس کا بینج رکھنا اچھا نہیں هوتا - رسط اگست میں جو سلاد بوئی جائے اس کی پود بکسوں میں بونا اس لئے فروری هے که زیادہ بارش سے أسے محفوظ رکھه سکیں -

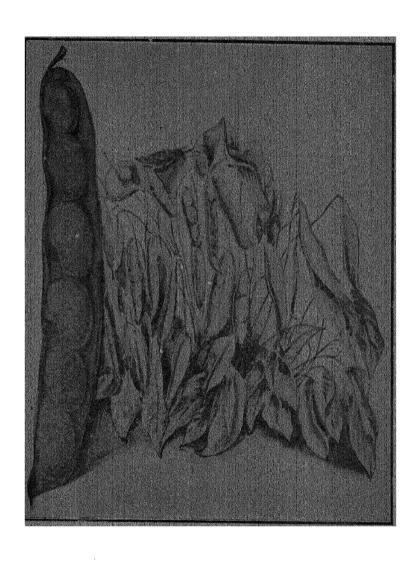
هر ایک تهوری تهوری خرق سے کئی طرح کی هوتی هے - اور ان میں سے پہلی چوری اور فرنچ یا فرانسیسی سیم کی طرح پتلی هوتی هیں - ایک قسم کی بلی چوری اور فرنچ یا فرانسیسی سیم کی طرح پتلی هوتی هے اور اُسی کی طرح کات کر پکائی جاتی هے - یہ چار طرح کی هوتی هے - ایک قسم کی بھول نذا اور پہلی سب ایک هی رنگ کے یعنی اودے سرخ هوتے هیں - اُسی ایک هی رنگ کے یعنی اودے سرخ هوتے هیں - اُس کا سبب سے معلوم هوتا هے : کیونکہ رکت کے معلی خرن هوتے هیں اور اس کا رنگ سبب سرخ هوتا هے - دوسری قسم کو ''سفید سیم '' کہتے هیں اور اس کا رنگ سنید اور چھوتا هوتا هے ' اکثر باغوں حیں کیاریوں کے کنارے بانسوں منید اور چھوتا هوتا هے ' اکثر باغوں حیں کیاریوں کے کنارے بانسوں وغیرہ پر چڑھائی جانی ہے ' اور دیسی سیم کی دوسری قسموں سے زیادہ پسند کی جاتی هے - تیسری یعنی '' جیا سیم '' کا پھول سرخ هوتا هے - چوتھی قسم کو '' گور دل سیم '' کہتے هیں ' اور وہ اُن سب قسموں سے چوتھی قسم کو '' گور دل سیم '' کہتے هیں ' اور وہ اُن سب قسموں سے بتی هوتی هے - دیسی قسم کی دوسری سیم جازوں حیں بوڈی جاتی هے - بیتی قسم کی دوسری سیم جازوں حیں بوڈی جاتی هے - اس کی پہلی نرم اور اچھی هوتی هے - کاشت کا طریقہ سب کا یکساں هے - اس کی پھلی نرم اور اچھی هوتی هے - کاشت کا طریقہ سب کا یکساں هے - اس کی پھلی نرم اور اچھی هوتی هے - کاشت کا طریقہ سب کا یکساں هے - اس کی پھلی نرم اور اچھی هوتی هے - کاشت کا طریقہ سب کا یکساں هے -

(۱) امریکن سیم ــ یه سیم بهی هندی الاصل هے ؛ لیکن امریکه میں بہت جوئی جاتی هے ، کیونکه به نسبت همارے ملک کے رهاں کے لوگ اُسے بہت پسند کرتے هیں - اس کی پهلی کا چهلکا سنفت هوتا هے - اس لئے صرف اس کا دانہ استعمال کیا چاتا هے - اس کا بیج ستمبر ارر اکتوبر میں اور سیموں کی طرح بویا جاتا هے -

- (ب) چوکور سیم اس سیم کی پہلی سات آتھہ انچ لمبی پعلی اور چوکور ہوتی ہے ۔ اس کے چاروں کداروں پر ایک خاص قسم کا حاشیہ سا بنا ہوتا ہے ۔ جاڑے کے زمانے میں اس میں خوبصورت اور بڑے بڑے نیلے رنگ کے پھول آتے ہیں ۔ اس کا بینج برسات میں بویا جاتا ہے ' اور بیل پہلتی ہے ۔
- (ج) فرانسیسی سیم --- یه سیم دو قسم کی هوتی هے ایک کی بیل چلای هے ، اور دوسرے کا پودا چهوتا سا هوتا هے جهوتی سیم کلی طرح کی هوتی هے لیکن رنگ اور شکل کے سوا مزے میں کوئی فرق نہیں هوتا بیل والی قسم میں پہل کم آتا هے مزة چهوتی قسم کا سا هوتا هے یهی سبب هے که چهوتی سیم زیادة بوئی جاتی هے دونوں کی بوائی ایک هی طرح هوتی هے بیج اکتوبر میں اس طرح بویا جاتا هے که هر ایک قطار میں دو فت اور هر ایک پودے میں چار چار انبچ کا فاصله هوتا هے بیج دو انبچ گہرا بویا جاتا هے بونے کے زمانے میں کئی کیاریاں سات آتهه فت کے فاصلے سے الگ الگ بونا اس لئے ضروری هے که اس کے پودے کی عمر تهوری هوتی هے ، اور اگر ایسا نه کیا جائے ، تو صرف چذد دنوں فصل مل کر ختم هوجائے گی چهوتی قسم سایه دار جگهه میں اچهی هوتی هے -
- (د) لال سیم سیم به بهی هندالاصل هے اس کا دانه برا هوتا هے اس کی بیل سرخ هوتی هے ، ارر چونکه بہت دور دور تک پهیلتی هے اس لئے اسے سہارے کی ضرورت هوتی هے اگر اسے کافی پانی ملتا رهے اور اس پر سایة رهے ، تو هری را سکتی هے ، ورنه گرمی میں سوکهه جاتی هے هر سال اس کا تازی بیمج بونا اچها هوتا هے آخر ستمبر سے اکتوبر تک بوائی هوتی هے پُودوں کے درمیان میں تین افیج فاصله کافی هوتا هے قطاروں میں حسب معبول فاصله رهنا چاهئے ـ



نرائسیسی سیم شک*ل* ٹبپر ۱۲۳

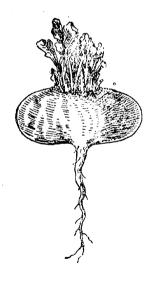


مکہن سیم غکل ٹیپر ۱۲۳

(ق) مکین سیم—یه سیم کی اُس قسم کا نام هے جس کی پہلی تلوار کی طرح خمدار 'آتهه نو انبج لمبی 'ارد کم و بہش دیولا انبج جوری هوتی هیں – جس میں سے ایک کا بہیج و پہول سرخ موتا هے - دوسری کا پہول سفید مگر بہیج میں سے سرخ هوتا هے - تیسری کا پہول سفید هوتا هے مگر اس کی پہلی قریب قریب دو فت تبسری کا پہول سفید هوتا هے مگر اس کی پہلی قریب قریب دو فت لمبی هوتی هیں 'اور یہی وجه هے که اس میں سے بہیج بھی زیادہ نکلتے هیں - مکھن سیم کی بیل کئی برس تک زندہ رهتی هے اور خوب پہیلتی هے - اکثر لوگ اسے درختوں پر چوهاتے هیں 'تو دور تک پہنچ جاتی هے - اس کا بیج جون اور جولائی میں بویا جاتا هے ' جس کے ایک ماہ بعد پہلی آنے لگتی هے اور جاتے تک اترتی رهتی هے - هر سال آخر جون میں بیل کی پتلی 'اور پرائی شاخوں کو کات دینے سے نئی زور دار شاخیں نمین بیل کی پتلی 'اور پرائی شاخوں کو کات دینے سے نئی زور دار شاخیں نکلتی هیں 'ارد خوب پہلتی ڈیں - علاوہ اس کے هر سال شاخیں نمین نکلتی هیں 'ارد خوب پہلتی ڈیں - علاوہ اس کے هر سال تمانی کی گورائی کرکے کہاد بھی دینی چاهئے - پہلی دیکھنے میں تو سخت اور موتی معلوم هوتی هے ' لیکن پکانے میں نرم ثابت هوتی هے -

[ديكهو شكل نسبر ١٢٣]

اور دوسری کا سرح هوتا هے ؛ لیکن باغوں میں بونے کے لئے هلکے پیلے رنگ کا شاہم اچھا هوتا هے ؛ لیکن باغوں میں بونے کے لئے هلکے پیلے رنگ کا شلجم اچھا هوتا هے - جس کو گولڈین بال (سنہرا گیند) کھتے هیں اس میں ولا تیز خوشبر اور جھل بھی نہیں هوتی ' جو عام طور سے شلجموں میں ناپسند کی جاتی هے - اس کے علاولا اور بھی اچھی قسمیں هیں ' جو ان هی قسموں سے نکالی گئیں هیں - شلجم هلکی دومت اور دومت زمین میں اچھا هوتا هے - اس کو کھاد کی بہت زیادہ ضرورت هوتی هے - پاخانے کی کھاد اس کے لئے بہت موزوں هوتی هے ' اور کم و بیهی پندرہ کاتی فی ایکٹ کے حساب سے دی جاسکتی هے - رقبے کی وسعت کے لتحاظ سے زمین کو گوڑ یا



شلجم شک*ل ن*بیر ۱۲۵

بونے کے وقت زمین میں کافی نمی ھونا ضروری ھے - ھمارا تجربه ھے که برابر زمین پر بونے کے مقابلة میں راکیوں پر شلجم برا اور ملائم هوتا ھے - لیکن جروں کے برھنے کے وقت زمین کو گوڑ کر ملائم رکھنا اور

کیاریوں کو گھاسوں سے صاف رکھنا ضروري هے - علاوہ اس کے راگیوں پر بونے سے سینچائی میں بھی آسانی ہوتی هے جو فصل تیار ہونے تک ہر دسویں پندرہویں دن کرنا پرتی هے - اگر شلجم برابر زمین پر بویا گیا ہو تو جمنے کے ایک ماہ بعد کدالی سے ڈہری گورائی کرنا مفید ہوتا هے - فصل تیار ہونے کے بعد اس کو جلد کھود لینا اچھا ہوتا هے - عرصہ تک روکنے سے شلجم سخمت ہو جانا هے اور اکثر پہت بھی جانا هے - بیج کے لئے اس کا بھی پیندا بٹھایا جاتا هے - جس کا طریقہ ہم کسی دوسری فصل کے سلسلہ میں بیان کر چکے هیں - اگر اینے پاس اچیا بیج متحفوظ نہ ہو تو هر سال بیج باہر سے منگنا زیادہ اچھا هے ۔ پوچا اینڈ سن پونہ کے یہاں سے اچھا ہیج مل سکتا هے -

(۲۲) شکر قند — اس کی تین قسمیں هیں - سفید ، سرخ ، زرد - تیسری قسم اس صوبے کے صرف بعض مغربی اضلاع میں هوتی هے ، سرخ اور سفید قسم عام طور پر بوئی جاتی هی هداوار کم اور سفید کی زیادہ هوتی هے - سفید شکر قند بری اور موتی بھی هوتی هے - مزے کے لتحاظ سے زرد سب سے اچھی اور سنید سب سے کم هوتی هے ؛ مگر سرخ شکر قند سفید سے اچھی هوتی هے - باغرں میں زرد اور سرخ قسم کی بھی کیاریاں لگانے کی چیز هیں - هلکی زمینیں جسے بھرز اور هلکی دومت اس کے لئے بہت مفاسب هیں - بھوز میں پیداوار سب سے اچھی هوتی هے - دس پندرہ گاری گوبر کی کھاد فی ایکو کے حساب سے کیاریوں میں دینا چاھئے ، اور کیاریوں کو جوت یا گور کر خوب نرم بنانا چاھئے - اس کی بیل کے ایک ایک فت کے تکوے گوری کر نات کر لگائے اور رائیوں پر گار ، دئے جاتے هیں - جہاں بیل نه ملے وهاں تھوری سی شکر قند برسات میں بوکر بیل تیار کر لینی چاھئے -

شکو تند کی کاشت اگست ستمبر میں هوتی هے 'اور فصل نومبر دسمبر میں تیار هوجاتی هے - برسات ختم هونے پر چار پانچ مرتبه راگیوں کو پانی دینا پوتا هے - پانی کے خیال سے راگیوں کو آلو کی راگیوں کی طرح بنایا جائے ' تو اچها هے - کیاریوں کو کهاس سے صاف رکھنے کے لئے کم از کم دو مرتبم نکٹی کرنی چاهئے - شکرقند کی بیل میں جگهم جگهم سے جویں نکلتی هیں - ان جورں کو راگیوں پر متی سے تھک دینا اور راگیوں سے الگ نم جانے دینا چاهئے اور اس خیال سے کبھی کبھی بیل کو الت کر دیکم لینا چاهئے - شروع اکتوبر میں ایک مرتبم راگیوں پر اور متی چوهانا چاهئے - شروع اکتوبر میں ایک مرتبم دائی متی خوهانا چاهئے نا کم جورں پر اتنی متی مرتبم دائی مرتبم هلی سا پانی دے 'کر کہرپیوں سے کھدائی هو جائے تو ایک مرتبم هلی سا پانی دے 'کر کہرپیوں سے کھدائی

(۲۷۷) کاسنی -- اس صوبے میں کاسنی کی صوف ایک قسم ہوئی جاتی ھے - اس کا پنتہ پالک کی طرح کا ایکن اُس سے پتلا اور کم و بیش دو آنچ چوڑا ھوتا ھے - شروع میں پالک ھی کی طرح زمین کے برابر رھٹا ھے - کچھہ دنوں بعد ایک دنتہل نکلتا ھے اجس پر کچھہ پتیاں بھی ھوتی ھیں - یہ تین چار فت اور اکثر اُس سے بھی زیادہ اُونچا ھوتا ھے - پھول بہت خوشرنگ ھوتے ھیں اور جس وقت پھول آتے ھیں اور جس وقت پھول آتے ھیں تو کیاریاں بہت ھی بھلی معلوم ھوتی ھیں - اُس کا بیچ وسط اکتوبر میں بویا جاتا ھے - بیچ کو قطاروں میں بونا اور جمنے پر پودوں کو اوکھاڑ کر ایک ایک فت کے فاصلہ پر رکھنا چاھئے - پود اچھی نہیں لگتی - کاسنی کا بیچے دوا کے بھی کام آتا ھے - دومت زمیں میں کاسنی لگتی - کاسنی کا بیچے دوا کے بھی کام آتا ھے - دومت زمیں میں کاسنی

ھے - ضرورت کے وقت سینچائی کونی چاھئے - لیکن پانی زیادہ نہ دینا چاھئے - کیاریوں کو کم از کم شروع میں گھاسوں سے صاف رکھنا ضروری ھے - واریتی کاسنی کی کاشت ترکاری کے لئے کی جاتی ھے - اور پتھاں استعمال کی جاتی ھیں -

(۳۸) کافوری کافوری ایک قسم کا ساگ هے ' جو یہاں بہت کم هوتا هے - بنگال میں اس کی کاشت زیادہ هوتی هے ' اور وهاں کے لوگ اس کو بہت پسند کرتے هیں - اس کی جرّ لگائی جاتی هے ' اور بهج بهی وسط اکتوبو میں بویا جاتا هے - کیاریوں کو گور کر گوبر کی کہاد دینا چاهئے - فروری مارچ میں پودا سوکھنے لگتا هے ؛ اور اگر تهسرے چوتھے دن پاتی فروری مارچ میں پودا سوکھنے لگتا هے ؛ اور اگر تهسرے چوتھے دن پاتی دیے دیا جائے تو کچھہ دن اور روک سکتے هیں -

(۲۹) کچری — کچری کی بیل میں چھوٹے چھوٹے پررر کے برابر پھل آتے ھیں ' اور پکلے پر اُس میں خربوزے کی طرح کی خوشبو پیدا ھو جاتی ھے ۔ کچے پھل ترکاری کے کام بھی آتے ھیں لیکن باغوں میں خاص طور سے بونے کے تابل نہیں ھے ۔ مکایا اسی قسم بکی فصلوں میں اگر کچھ بیل چھوڑ دی جائے تو دو ایک دن دستر خوان کی ترکاری بدلنے کو مل جائیگی ۔ کچری جو اکثر خودرو ھوتی ھے خاص کر کھیرا ' ککڑی اور مکا کے کھیٹوں میں برسات میں اُگٹی ھے اگر چاھیں تو اُسی زمانے میں بیج بوسکتے ھیں ۔ کسی خاص اِحتھاط اور نگرانی کی ضرورت نہیں ھوتی ۔ مگر یہ ممکن ھے کہ اچھی کاشجت اور نگرانی کی ضرورت نہیں ھوتی ۔ مگر یہ ممکن ھے کہ اچھی کاشجت کونے سے ترکاری میں کچھ نفاست پیدا ھو جائے ۔

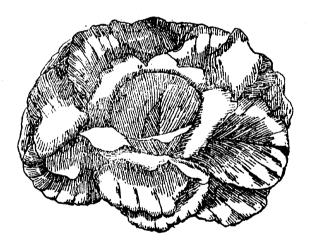
(+0) کریلا — یہ ایک بیل هے ' جس کا پہل ترکاری کے اکام آتا هے - پہل بہت کروا هوتا مے ' لیکن پکانے کی ایسی ترکیبیں هیں جس سے کرواهت باکل جاتی رهتی هے ' اور نہایت لڈیز هو جاتا هے -

اور اچھی طرح پکایا جائے تو باوجود گرمی کے کئی دن تک رہ سکتا ھے حالانکه اوسی زمانه میں اور چهزیں خراب هرجاتی هیں۔ کریلا کم و بیش چهه انبی لمها ' بیبی میں موتا اور دونوں طرف شکر قند کی طرح گاؤ دم هوتا هے ؛ اور اس پر قطاروں میں دانے سے اُتھے رهتے هیں - پہل کا رنگ گھرا سبز اور یته کتار دار هوتا هے - کریلا دومت زمین میں اچها هوتا هے ؛ اور دریا کے کفارے خالص بالو میں خوب کھاد دے کر بہت بویا جاتا ھے -كانهور ميس كلكا كے كنارے خالص بالو ميں به كثرت بويا جاتا هے - باغ میں بونے کا اچھا طریقہ یہ ھے کہ پانچ پانچ چھہ چھہ فت کے فاصلے پر اُسی قسم کے برھے کیاریوں میں بنائے جائیں جیسے سینچائی کے لئے بغائے جاتے هیں - بونے سے پہلے پانی دے دینا چاهئے - جب زمین کسی قدر حشک هوجائے ، تو ایک دیوہ فت فاصلے پر برھے میں بیم کهرپیوں سے گڑ کر ہوئیں - برھوں کے درمیان جو خالی جگھۃ ھو' اُس میں بیل پهیلائی جائے - بانی دیتے وقت خیال رکھیں کہ بانی صرف نالیوں میں دیا جائے - پتیس کے نیتے پانی پہنچانے کی ضرورت نہیں ہے ' بلکہ بانی لگذرسے اکثر بیلس کی پتیاں جل جاتی هیں - کھیت کو گھاسوں سے صاف رکھنا ' اور برھوں کو گور کر بھر بھرا رکھنا ضروری ھے - ضرورت کے لحاظ سے کئی کئی مرتبه سینچائی کرنا پڑے گی - اس طریقه سے ہونے میں کہاد اور سینچائی کی بچت ہوتی ہے ' جو صرف برھرں میں كى جاتى هے ليكن قصل اچهى هوتي هے - كرياء كے لئے معمولى كوبر کی کھاد اچھی ہوتی ہے۔ پھل اس وقت استعمال کے قابل ہوجاتا ہے جب اس میں کچھہ سرخی آجائے ' مگر رنگ مرا می رہے - جنوری فزوری کی بوئی هوئی قصل برسات شروع هونے تک پهل دے دیتی ہے۔ رسات میں بیل خراب هوجاتی هے ' اور پھارں میں اکثر کیوے ہو جاتے

ھیں - کریلے کی ایک قسم بارہ ماسی اور ھیھشہ پھل دیلے والی ھوتی ھے - ھوتی ھے -

(01) كرم كلا--يتے كے لحاظ سے كرم كلا دو قسم كا هوتا هے - ايك کا رنگ هلکا هرا ' اور دوسرے کا گہرا سبز هوتا هے - دوسری قسم کے پتے بھی زیادہ دبیز هوتے هیں - اس کے عالوہ قد ' شکل اور تیاری کے وقت کے لتحاظ سے بھی کرم کلے کی کئی قسمیں ھیں - کاشت کا طریقة سب كا ايك هي هے - بهر بهري ملائم زمين ميں اچها هوتا هے - اور بهور سے لے کر هلکم ، متیار زمین تک کاشت هوسکتی هے - دوست زمین میں بهت إچها هوتا هے - کهاد کی بهت زیادہ ضرورت هوتی هے - پاخانے کی کهاد اس کے لئے بہت موزوں ھوتی ھے - مگر گوہر کی کھاد بھی ڈالی جاتی ھے - کھڑی فصل میں لونا متی ڈالنے سے اُور زیادہ فائدہ ہوتا ھے ' جو پہلی مرتبہ بونے کے ایک ماہ اور پھر قریب قریب تین ھنتے بعد دینا چاهدیے - گوہر اور پاخانے کی کهاد ایک ایکو میں پچیس تیس گاری کے حساب سے دینا چاھئے - کیاریوں کو نہایت بھر بھرا اور گھرا تیار کونا ضروري هے - زمین کو اگر جوتفا هو ' تو چهه سات دفعه جتائي کرني چاهئے - اور اکر کیاریاں کچھھ پہلے سے گور کر چھور دی جائیں ' تو اور بهی اچها ه ـ بیم کا پهلے ذخیرہ لکایا جاتا هے - ذخیرہ بکسوں یا ناندوں میں لگانا چاھئے 'کیونکہ اُن کو حسب ضرورت دھوپ یا سایہ میں رکھه سکیں گے اور پودوں کی نگرانی زیادہ اچھی هوسکے گی -اگر پود زمین پر بوئی جائے تو ذخیرہ کی کیاری میں پتی کی خوب سجی هوئی کهاد دینا اور مالئم کرنا چاهئے - عالوہ اس کے کیاری پر سائے کے لئے ایک ایسے چہوتے چھپر یا پھوس کی تقی کا انتظام رہنا چاہئے جس سے ذخیرہ کو تیز دھوپ کے وقت تھک سکیں - کیاری کو گھاس اور

گلگر سے خوب ضاف کردینا چاھئے۔ یہ بھی ضروری ہے کہ اس کی زمین آس پاس کی زمین سے ارتچی ھو۔ بیبے کیاری میں ھاتھہ سے ملاکر کھائد کتی ایک ته سے تھک دیا جاتا ہے ' جو نصف آنچ سے زیادہ موتی نه ھوننی چاھئے۔ بونے کے بعد کیاری میں ھزارے سے روزانہ پانیٰ دینا چاھئے ' تاکہ اُس میں کانی ندی رہے ۔ اور جب پودے دو آنچ کے قریب اونچے ھوجائیں ' تو پانی کم کرکے دوسرے تیسرے دن دینا کانی ہے ۔ جب پودے پانچ چھہ آنچ اونچے ھوجائیں ' تو کیاریوں میں لگا سکتے ھیں ۔



کوم کالا شکال ڈمپور ۱۲۲

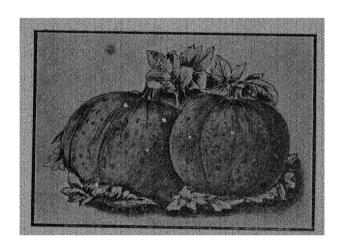
ذخیرہ اگست میں بویا جاتا ہے ' اور پود کیاریوں میں وسط ستمبر میں بتھائی جاتی ہے - ذخیرے سے پود اُکھاڑنے اور کیاریوں میں لگانے کا طریقہ تنباکو کی طرح ہے - یکنی پود لگانے سے ایک دن پہلے ۔ فکھڑہ کو خوب پانی دیتا چاھئے ' تاکہ پود آسانی سے نکالی جاسکے ۔

پود کے ساتھہ کچھہ متی بھی اُتھانی چاھئے۔ اگر ذخیرے میں فو چھٹانک بینج بو دیا جائے ' تو وہ ایک ایکڑ میں پود لگانے کے لئے کائی ھوگی ۔ ذخیرہ کم و بیش دو گز لیبا چوڑا ھونا چاھئے ۔ پود کھاریوں میں پود رکھہ کر میں پو فت کے فاصلے پر لگائی ' جاتی ھے ۔ کیاریوں میں پود رکھہ کر جڑوں کے چاروں طرف کی متی کو ھاتھہ سے دبا دینا اور فوراً تھوڑا سا پانی قال دینا چاھئے ۔ پود لگانے کے بعد فوراً سچائی ضروری ھے ۔ جہاں تک ممکن ھو پود بعد دوپہر بتھائی جائے ' تاکه لگانے کے بعد ھی اُس کو تیز دھوپ کا سامنا نہ پڑے ' بلکہ رات میں جڑوں کو زمین پکڑ لینے کا موقع مل جائے ۔ پود لگانے کے بعد کچھہ دن ھفتہ وار ' اور پہر دو دو ھفتے کے بعد پانی دینا چاھئے ۔ اس طرح فصل کے تیار ھونے پہر دو دو ھفتے کے بعد پانی دینا چاھئے ۔ اس طرح فصل کے تیار ھونے تک (جس کو قریب تریب بچار مہینہ لگتا ھے) آتھہ دس مرتبہ سینچائی کی جاتی ھے۔ پود لگانے 'کے دو ھفتے بعد اگر کیاریوں میں سینچائی کی جاتی ھے۔ پود لگانے 'کے دو ھفتے بعد اگر کیاریوں میں ایک گہری گوڑائی کدالی یا پھاؤڑے سے تھوڑی سی کھاد ملاکر کر دی

(۱۵) ککرمتا—برسات کے زمانہ میں جو چھوٹی چھوٹی چھتریوں کے شکل کی ایک چیز به کثرت خودرو پیدا ھوتی ہے اوسکو ککرمتا کہتے ھیں - فور سے دیکھنے پر اس کی دو قسمیں معلوم ھونگی - بدبودار زردی مائل اور زھریلی ھوتی ہے - دوسری قسم بوی اور بالکل سفید ھوتی ہے - یہ کھانے کے کام آتی ہے - پہلی قسم کو ککرمتا اور دوسری کو کمبہ یا کھسب کہتے ھیں - ککرمتا اور کھسب میں فرق کرنا مشکل ھوتا ہے - یہ چیز ایسی آسانی سے پیدا ھوتی ہے اور اس قدر کثرت سے ھوتی ہے اور اس قدر کثرت سے ھوتی ہے دو کا کشت کرنے کی ضرورت نہیں ھرتی - تاھم لوگوں نے مختلف طریقوں سے اِس کی کاشت کرنے کی کوشھی کی ہے - ایک

مہتم باغات لکھتے ھیں کہ میں نے حسب ذیل طریقہ سے کھسب کی کاشت کیا تو منجھ خاطر خواہ کامیابی ھوئی - طریقہ یہ ھے کہ ایک تین فت لسبا چورا اور ایک فت گہرا لکتی کا بکس بنوا کر اس کے تلے میں سوراخ کر کے دو تین انچ موتی تہ چھوتی کنکریت کی بچھا کر اس پر دوسری تہ تین چار انچ لید اور بچائی کی جمائی اور اُس پر خوب دیا کر هموار کردیا اور بکس کو ایک اندھیری جگہہ میں جہاں پکا فرش اور نمی زیادہ تھی رکھہ دیا 'وقتا فوقتا بکس کو پانی دیتے رہے قرش اور نمی زیادہ تھی رکھہ دیا 'وقتا فوقتا بکس کو پانی دیتے رہے تاکہ اس میں نمی قائم رھے - لیکن اُتنا پانی بھی نہیں دیا کہ گھاس سے سون پیدا ھو کر ہو آنے کے سواے اور کچھہ نتیجہ نہ ھو - کچھہ عرصے میں کھیب اس میں پیدا ھوگیا - کھمی، کی اُیک اور قسم بھی ھوتی میں کھیب اس میں پیدا ھوگیا - کھمی، کی اُیک اور قسم بھی ھوتی میں کہنے ھیں یہہ شور زمین میں بارش کے بعد اگست ستمبر میں به کثرت ھوتا ھے - جس کو مارل کہتے ھیں یہہ شور زمین میں بارش کے بعد اگست

(٥٣) ککتی۔۔۔اس صوبے کی ایک ایسی عام چیز ہے جس کی شکل شباهت بیان کرنا غیر ضروری ہے ۔ اس کی دو قسمیں ھیں ۔ ایک کا پہل پتلا و چھوتا ھوتا ہے ' اور کچا کھانے کے لئے زیادہ پسند کیا جاتا ہے ۔ دوسری قسم کی ککتی موتی اور لسبی ھوتی ہے ' جو رنگ کے لتحاظ سے دو طرح کی ھوتی ھیں ۔ ایک کا چھلکا نرم اور زردی مائل ھلکا سبز ھوتا ہے اور دوسرے کا چھلکا اس سے کسی قدر دبیز اور گہرے سبز رنگ کا ھوتا ہے اور دوسرے کا چھلکا اس سے کسی قدر دبیز اور گہرے سبز رنگ کا کے لئے زیادہ اچھی ھوتی ہے اس کا بیج فروری میں کریلے کی طرح کم و ییش نو انہے کئے فاصلہ پر بریا جاتا ہے ۔ دونوں قسم کی بوائی بیش نو انہے کئے فاصلہ پر بریا جاتا ہے ۔ دونوں قسم کی بوائی



کمهرّا شکل نمبر ۱۲۷

پر پہولانے کا اچھا طریقہ یہ ہے کہ جس جگھہ بیل پھیلانا ہو' وہاں ہلکا پھوس بچھا دیا جائے ۔ ایسا کرنے سے بیل و پتھاں دونوں زمین کی گرمی سے بچی رہتی ہیں ۔ لکھنؤ میں گوہتی کے کنارے بااو میں پتلی قسم کی ککویاں ہوئی جاتی ہیں ' جو اس صوبے میں بہترین ککویاں ہوتی ہیں ۔

(۱۵۳) کلونجی اس کا دانه مسالے کے کام اُتا ہے اور برسات میں یہ پودا اکثر خود رو پایا جاتا ہے - جس جگہ ایک مرتبہ اِسے بو دیا جاتا ہے ، وہاں کے گرے ہوے بیج آیندہ موسم میں خود بخود جم آتے ہیں - اِس کی کاشت میں کسی خاص اِحتیاط کی ضرورت نہیں ہوتی - بیج کو بکھیر کر ، وہ سکتے ہیں - سال میں دو مرتبہ یعنی مارچ اور شروع برسات میں بوتے ہیں - اس میں شکھ نہیں کہ یہ بہت کم کام آنے والی چیز ہے اور اس کی کاشت کسی بوتے پیمانے پر کونے کی ضرورت نہیں پوتی - اس لئے اس کی کاشت کسی بوتے پیمانے پر کونے کی ضرورت نہیں پوتی -

(٥٥) کمہوا ۔ یہ ایک بوا سرخی مائل پہل ہوتا ہے۔ اس کا رنگ کچا ہرنے پر چتلا سبو رہتا ہے اور اس میں پھانک کے تشان بنے ہوتے ہیں۔ اسے سال میں دو مرتبہ یعنی برسات اور فروری میں بویا جاتا ہے۔ گھورے کی لید کی خوب سوی ہوئی کھاد اس کے لئے اچھی ہوتی ہے۔ کمہوے کی بیل بہت بوہتی ہے' اور لوکی اور تورئی کی طرح درختوں پر بھی چوھائی جاسکتی ہے۔ ہمنے ایک مرتبہ کمہوا اور چچندا ایک آم کے درخت کے کنارے کنارے بویا' اور اُن کی بیل درخت پر چوھادی ۔ خیال تھا کہ پھل آنے پر کمہوے کی بیل شاید وزن نہ برداشت کرسکے' اور توت جائے ؛ لیکن پھل درخت میں لتکتے رہے' اور بیل کو کسی قسم کا تقصان نہیں پہونچا۔

[دیکھو شکل نمبر ۱۲۷]

سانپ کی طرح چچلدا و گول کمڑھے درخت سے لٹکے ہوے ایک عجیب کیفیت پیدا کرتے تھے - لیکن اندازہ یہ ہوتا ہے کہ درخت پر چوہانے سے بیل بہت بوہٹی ہے - اور اس لئے پہل چھوٹا ہو جاتا ہے - کمہوا کا یکا پہل عرصہ تک رکھا رہ سکتا ہے اور خراب نہیں ہوتا ہے

(٥٩) کهتما پالک کهتما پالک کی کاشت اس کی پتیوں کے لئے کی جاتی ہے ' انگریز اسے بہت پسند کرتے ' اور مختلف طریقوں سے استعمال کرتے ہیں ۔ اس کے پتوں میں ایک طرح کی کهتماس ہوتی ہے ۔ لیکن خورشید احمد صاحب مہتمم باغات بھوپال ' جنہوں نے اس کا تجربه کیا ہے ' لکھتے ہیں که یہاں اس کو کوئی نہیں کہاتا ۔ یورپ میں اس کی کاشت زیادہ ہوتی ہے ' جہاں سایہ دار ہ جگہوں میں بویا جاتا ہے ۔ کلکتہ میں اس کی کاشت میں کامہابی ہوئی ہے ۔ آخر ستمبر میں بیج طاقتور زمین میں بوکر پود سایہ دار جگھہ میں لگانا اور حسب ضرورت پانی مین چاہئے ۔ گرمیوں میں زیادہ پانی کی ضرورت ہوتی ہے ' اور پتیوں کی موزائی میں فرق آجاتا ہے ۔ احتیاط کرنے پر ایک مرتبہ کا بویا ہوا سال موزائی میں فرق آجاتا ہے ۔ احتیاط کرنے پر ایک مرتبہ کا بویا ہوا سال

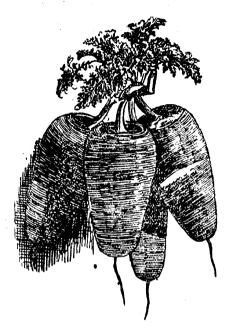
(٥٧) کہماچ۔۔یہ بھی ایک طرح کی سیم ہے۔ جس کی پھلی پانچ چھتہ انچ لمبنی ہوتی ہے اور اس پر ملائم مختملی رواں ہوتا ہے۔ پانچ چھتہ بیچ ہر پھلی میں نکلتے ہیں۔ جن کا رنگ خاکی ہوتا ہے۔ باغ کی معمولی زمین میں پیدا ہوسکتی ہے۔ لید کی خوب ستوی ہوئی پرانی کھاد اس کے لئے بہت اچھی ہوتی ہے۔ برسات میں پودے کی جو میں پانی پھرنا نقصان دیتا ہے۔ بیچ کیاریوں میں تین چار فت کے فاصلے پر بوتے ہیں۔ برسات ختم ہونے پر سینچائی کونا ضروری ہوتا ہے۔

بیج آخهر جولائی میں بویا جاتا ہے۔ پودرں کو سہارا دینے کا انتظام کرنا بھی ضروری ہے۔ پہلی آخری برسات میں آنا شروع ہوجاتی ہے ' اور جازے بھر اُترتی رہتی ہے۔

(٥٨) کههرا—کههرا بهت کثرت سے بویا جاتا ھے - اس کا پهل زیادہ ترکچا کهایا جاتا ھے؛ پکا کر بہت کم کهاتے هیں - اس میں کسی قدر کوواهت بهی هوتی ھے - لیکن سر کی طرف سے کهبرے کا کچھہ حصہ کات دیا جائے ' اور اُس تکوے کو بائی کهبرے پر نمک کے ساتھہ رکو دیا جائے تو وہ گوواهت جاتی رهتی ھے - کهبرے کو باغوں میں بونے کا اچھا طریقہ وھی ھے جو کریلے کے لئے بیان کیا گیا ھے -

بیج ایک ایک فت پر ہویا جاتا ہے - بونے کے لئے برسات اور جنوری کے مہینے اچھے ہوتے ہیں - اس کی ایک قسم '' بالم کھیرا '' کے نام سے مشہور ہے ' جو معمولی کھیرے سے زیادہ لذیذ ' بڑا ' اور نچھا ہوتا ہے -

(09) گلجر—رنگ اور شکل کے لحاظ سے گلجر کی کئی قسمیں ھیں۔ چنا چہ بیجئی ' زردی مائل سرخ ' سبزی مائل سرخ اور سرخی ماثل سفید رنگ کی قسمیں زیادہ مشہور ھیں۔ قد کے لحاظ سے اس کی در قسمیں ھیں ' جن میں سے ایک لمبی اور دوسری شلجم کی طرح ھوتی ھے۔



ئاجر شك*ل ت*ېپر ۱۲۸

گلجر چاره اور ترکاري دونوں کے لئے ہوئی جاني هے - زیادہ تر بینجئی کلجر ہوتے هیں ' جو دونوں کام آتی هے - لیکن باغوں میں رنگین قسمیں ہونا زیادہ پسند کیا جانا هے - مزے میں سبزی مائل سرخ' گلجر جو عام طور سے رلایتی گلجر کے نام سے مشہور هے ' اچهی هوتی هے - گول جو والی گلجر سے لمبی جو والی بہتر هوتی هے - گلجر کے لئے نرم اور بھر بھري زمین زیادہ مناسب هے ' اور هلکی دومت زمین میں سب سے اچهی پیداوار هوتی هے - دومت زمین میں بهی ہو سکتے هیں - متیار زمین میں اچهی نہوں هوتی - بیجئی گلجر کی پیداوار اور سب قسموں سے زیادہ هوتی

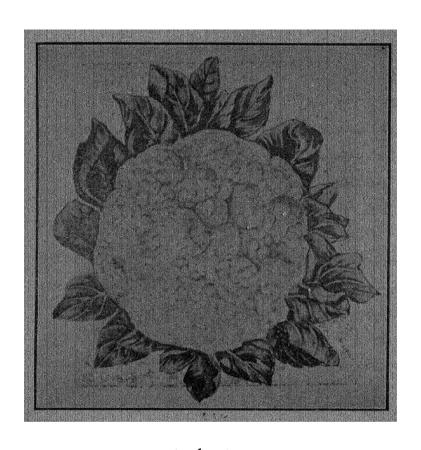
ھے - جہاں تک ہوسکے گاجر کی فصل کو براہ راست کھاد نہ دسی جائے ' بہاں اس سے بلکہ اس کی کاشت باغ کے اُس حصے میں کی جائے ' جہاں اس سے پہلے کوئی ایسی فصل بوئی رہی ہو ' جس کو تین چار سو من فی ایکو کے حیساب سے کہاد دی گئی ہو ۔ *

• کاجر بارش ختم هونے کے بعد ستمبر و اکتوبر میں بوئی جاتی ہے۔ ہوائی کے وقت کھیت میں کافی نسی کا موجود ہونا ضروری ہے - اور نسی کم هو ' تو بیمج بکھیر کو هاته، سے ملا کے فوراً بانی دے دینا چاهئے -لیکوں زیادہ اچھا یہ ہے کہ بونے سے پہلے زمین کی سینچائی کرکے اس • کی تیاری اس طرح کی جائے که بونے کے وقت نه صرف یه که زمیرن بهر بهری هو بلکه اس میں کافی نمی بهی رہے - زمین گهری جوتائی یا گورائی کرکے تیار کی جاسکتی ہے ' اور بیج ملانے کے لئے هلکا هیرو استعمال کو سکتے هيں - الهكن يه عمل رقبے كى وسعت پو منتصصر ھے ۔ کلبور کا بھیج بہت هلکا هوتا ھے - اس لئے کھاری میں هر جگهة برابر برابر پھیلانے کے لئے راکھ یا سوکھی متی ملاکر بکھیرنا اچھا ھوتا ھے - اگر بیہے کیاریس میں چھہ انیم سے نو انیم کے فاصلے پر دو انیم گھرا کھرپیوں سے کار دیا جائے ' تو اچھا جمتنا ہے ۔ هر قطار کے درمیان میں ایک فت فاصله هونا چاهئے -گار کر بوتے وقت ایک جگهة دو بیجے سے کم نه دالنا چاهئے - لیکن بیج جمنے کے بعد یہ دیکھہ لینا بہت ضروری ہے کہ ایک جگھ ایک سے زیادہ یودا نہ رہے - فاضل پودوں کو اُس وقت نکال دینا چاھئے جب ہاقی پودوں کے ضایع ہونے کا اندیشہ نہ رہ جائے - پودوں کو نکالتے وقت کمزور پودوں کو الگ کرنا چاهئے۔ گاجر تھائی تین مہینہ میں تیار هو جانی هے - اس عرصے میں تین چار مرتبه سینچائی کرنی پوتی ھے۔ کیاریوں کو گھاسوں سے صاف رکھنے کے لئے کم و بیھی دو مرتبہ

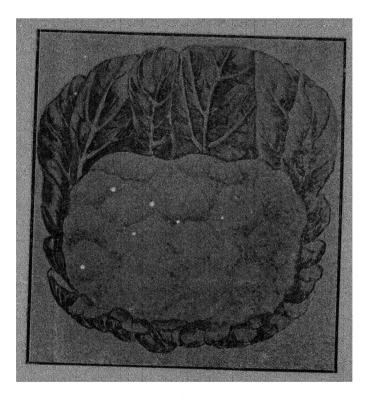
نکائی کرنی چاھئے۔ جوں کے بوھنے کے زمانے میں ایک گہری گورآئی کرنے سے بہت فائدہ ہوتا ہے۔ کھانے کے قابل ہونے پر جویں کہود لی جاتی میں -

فرمنگر نے لکھا ہے کہ اگر گلجر کو عرصے تک اچھی حالت میں رکھنا ھو' تو کھودنے سے دس دن پہلے گلجر کی سبزیتیاں زمین کے قریب سے کات دی جائیں - دوسرے تیسرے دن گلجر اُکھاڑ کو ناندوں میں خشک متی کے اندر رکھیں - ھمارے خیال میں خشک بالو اس کام کے لئے زیادہ اچھا ھے - اکثر گھروں میں اس کو چھر کر اندر کی ھتی نکال دیتے ھیں' اور باتی حصے کو خشک کر لیتے ھیں' جو گرمیوں تک محفوظ رھتا ھے - بیسے لینے کے لئے اس کا پیندا لگانا اچھا ھوتا ھے - بیسے لینے کے لئے اس کا پیندا لگانا اچھا نہ پہونچے - پھر جڑ کو اس طرح احتیاط سے کھودیں کہ پتیوں کو صدمہ نہ پہونچے - پھر جڑ کو اس طرح کات دیں کہ تھرڈا سا حصہ پتیوں میں لگا رھے' اور باقی صرف کے لئے الگ نکل آوے - پھر پتی والے حصے کو کھود کر لگا دیں اور پانی دے دیں - اس طرح یہ حصہ از سر نو کیود کر لگا دیں اور پانی دے دیں - اس طرح یہ حصہ از سر نو کھوڈ دیا جاتا ھے' اور پھول و بیسے پیدا ھوتے ھیں - اگر گلجر کو یوں ھی اگ جاتا ھے' اور پھول و بیسے پیدا ھوتے ھیں - اگر گلجر کو یوں ھی اور پرانے بیسے کی طرح اس سے بھی کچھہ خاطر خواہ نتیسے نہیں نکلتا -

(۱+) گوار گوار کا پودا عموماً تین فت کے قریب اونچا ہوتا ہے۔ لیکن جب پہلی کے لئے باغوں میں بویا جاتا ہے، تو پانچ چہہ فت تک پہلچ جاتا ہے۔ گوار کی پہلی ترکاری کے کام آتی ہے۔ گوار پاغ کی معمولی زمین جس میں کچہہ کہاد پڑی ہو، اچھی ہوتی ہے۔ اگر پانی اس کا بیج برسات شروع ہونے پر قطاروں میں بویا جاتا ہے۔ اگر پانی کا انقظام ہو، تر برسات شروع ہونے سے پہلے یعنی وسط مئی میں اچھی



پهول گويهي شکل نمبر ۱۲۹



یر^{اکو(}ی شکل ثبیر ۱۳۰

طرح ہو سکتے ھیں ۔ لیکن اس حالت میں ہرسات شروع ھونے تک کم وییھی دو مرتبه سینچائی کرنی پرتی ھے ۔ بونے سے پہلے زمین تیار کرتے وقت بھی ایک دفعہ پانی دینا پرتا ھے ۔ اس کے تنے سے شاخیں بہت پہوٹتی ھیں ۔ جب یہ شاخیں پہوٹئے لگیں ' تو کچھ دن تک اُنہیں نیچے سے تور دینا اچھا ھوتا ھے ؛ کیونکہ اس عمل سے اصلی تنه خوب توانا ھو جاتا ھے ' تو آخیر میں پھلیاں بھی زیادہ ھوتی هیں ' اور پودا بھی عرصے تک زندہ رھتا ھے ۔ گوار کو شروع میں نکائی کرنے کے سوا اور کسی خاص نگرانی کی ضرورت نہیں ہوتی ۔ پہلیوں کو بہت سخت ھونے سے پہلے کام میں لے آنا چاھئے ۔ سختی آجانے پر مزے میں فرق آجاتا ھے

(۱۱) گوبھی۔۔۔اس ترکاری کی در قسمیں ھیں ایک کو ''پھول گوبھی'' اور درسری کو ''کانٹھۃ گوبھی'' کھتے ھیں ۔ پھول گوبھی دو طرح کی ھوتی ھے: چھوتی مارر بڑی ۔ چھوتے پھول کی گوبھی اُس وقت کے لئے اُچھی ھوتی ھے' جب فصل نیار کرنے کے لئے کاشت جلد کرنا ھو۔ بڑی گوبھی دیر میں تیار ھوتی ھے۔ بڑی اور چھوتی دونوں کی تھوڑے تھوڑے تھوڑے سے اور کئی قسمیں ھیں۔

چھوٹی پھول گوبھی کی ایک قسم '' براکولی '' کے نام سے مشہور ھے ' جو زیادہ تر پہاڑی حصوں میں اچھی ھوتی ھے ۔

[ديكهو شكل نبير ١٢٩ و ١٣٠]

گوبھی کی کاشت کا طریقہ بالکل کرم کلے کی کاشت کی طرح ہے۔ فرمذگر کی رائے ہے کہ ذخیرے سے اُٹھا کر کیاریوں میں لگانے سے پہلے کعچه دنوں گملوں میں لکا رہنا اچھا ہوتا ہے - گوبھی کے پودے میں نیجے کی پعیاں توز دینا بہت منید عوتا ہے - حالانکہ اکثر پتیاں بھی ترکاری کے کام آتی ہیں 'لیکن زیادہ تر وہ پودے ہی میں خراب ہوجاتی ہیں - دوسرے نیجے کی پتیاں چونکہ توز کر بھی پھینک دی جاتی ہیں اس لئے جب اُن کو پھیکنا ہی ہے ' تو پودے پر اُن کی پرورش کا بوجهہ قالنا فلطی ہے - اگر یہ پتی نہ ہوں گی تو پودے کی وہی قوت پھول کے نہو و نما میں کام آئے کی اور پھول اچھا ہوگا -



گانگهه گوبهی شکل نمبر ۱۳۱

کانٹھے گوبھی سفید ' سبز اور سرخی ماثل ہوتی ہے۔ ان سب کے طریقے کانٹھے گوبھی طریقے کاشت اور استعمال میں محص برائے نام فرق ہوتا ہے۔ کانٹھے گوبھی مثیار زمین میں اچھی نہیں ہوتی ۔ فرمنگر کی رائے یہ ہے کہ اس کا بیج مل سے کونو میں بونا اور جمنے پر پودوں کو دور دور کر دینا چاہئے ۔ مگر مارا تجربہ ہے کہ کرم کلے کی طرح اس کی بھی پود لگانی زیادہ مناسب ہے۔

گربھی کی فصل دو مہینے میں تیار ہوتی ہے - تھاری کے قریب زمین کا ملائیم اور بھر بھرا رہنا بہت ضروری ہے - پانی بھی بہت دینا هوتا هے - باقی سب کاشت کرم کلے کی طرح هوتی هے - گوبھی کا جو بھیم میدائی علاقوں میں پیدا هوتا هے وہ کاشت کے لئے اچھا نہیں هوتا - بہتر یہ هوتا هے که هو کاشت کے لئے هر سال نیا بیسج ملکایا جائے - پوچا أيلذَ سن پونه کے کارخَانے کا بیسج هم نے اس کام کے لئے هدهشم اچها پایا هے -

(۱۲) گندنا۔ گندنے کی گٹھیاں لہسن کی طرح استعمال ہوتی ہیں۔ دیاریوں میں ایک فت کے فاصلے سے قطاریں بنا کو اس کی گٹھیاں چھک چھک انچ کے فاصلے پر المائی جاتی ہیں ۔ کاشت اکتوبر میں مکی جاتی ہے ۔ شروع گرمی میں کھردنے کے لئے تیار ہوجاتا ہے ۔ گٹھیوں کے علاوہ بیج بھی بویا جاسکتا ہے ۔

ترکاری هے ، اور هندوستانی اس کی کاشت سے بہت کم واقف هیں۔
یہ ایک مرتبہ آلمانے پر کئی سال تک اچھی طرح کام دینٹی
هے ۔ متیار زمین میں ایسی جگہہ اچھی هرتی هے ، جہاں نمی زیادہ
هوتی هے ۔ بہاری حصوں میں خاص کر خوب پیدا هوتی هے ۔ اس کا
بینج بہت کم بویا جاتا هے ؛ زیادہ تر جز لکائی جاتی هے ۔ لیکن اس کی
کاشت میں کامیابی کم هوتی هے ۔ فرمنگر نے کاشت کا ایک طریقہ بیان
کیا هے ، جس سے انہیں کلکتہ میں کامیابی هوئی تھی ۔ لیکن یہ بات
اب بھی مشتبہ هے کہ اُس طریقہ سے اس صوبے میں بھی کامیابی هوگی ۔
کیا ہے ، وہ طریقہ جس قدر دقت طلب هے ، اس کے بعد جو کامیابی
هوتی لوئی کے دی طریقہ ایسی نہیں جو آسانی سے گوارا کی جاسکے ۔ زلبتہ
شوتین لوگوں کے لئے اس کی کاشت کا تجربہ کرنے کی گلنجایی شوور

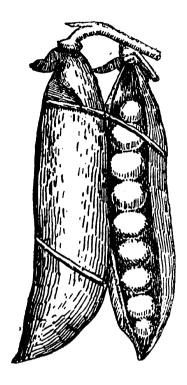
معمولي زمين ميں پيدا هوسكتا هے 'اور اس كے لئے كسى خاص نكرانى كى ضرورت نہيں هوتى - په پاغ كى فرورت نہيں هوتى - پهلي پتلى اور لمبي هوتي هے - مشرقي اضلاع ميں اس كا بينج برسات شروع هوتے هى بويا جاتا هے ؛ اور اگر سينچائي كا انتظام هو تو اس سے پہلے بهى بوسكت هيں - جازا شروع هونے تك پهلي أترتي رهتي هے - اگر اس كي بيل كو كسى دوخت وغيرة پر چرها ديا جائے 'تو بہت پهل ديتى هے - اس كى ايك قسم ايسى هے ' جو فروري مارچ ميں بوئي جاتى هے - ليكن اس صوبے ميں اُس كى كاشت كا عمدة طريقة يه هے كه نالياں بناكر اس كا بينج بويا جائے ' اور حسب ضرورت پاني ديا جائے ' البته برسات كى ويوني هوئى فصل كو سينچائي ضرورت پاني ديا جائے ' البته برسات كى ويوني هوئى فصل كو سينچائي

(٩٥) لوکی لوکی دو طرح کی هوتي هے - ایک میٹھي هوتی اور توکاری کے کام آتی هے ' اور دوسري قسم کروی هونے کي وجه سے کھائی نهدن جاتی - میٹھی لوکی بچی اور موتی هوتی هے - توری کی طرح اس کی بیل بھی اکثر درختوں اور تقیوں پر چرهائي جاتي هے - اسے زمین میں کریلے کی طرح بونا چاهئے - اس کی کاشت برسات میں اور جاوری فرروی میں هوتی هے -

(۹۹) لہسن۔۔۔اس کی کاشت بہت آسان ھے ۔ اس کی پوٹیاں الگ الگ دانوں کا مجموعہ ہوتی ہیں ان دانوں کو ''جوا'' کہتے ہیں' اور ہر جوا بینج کا کام دیتا ھے ۔ لہسن کے جوے کو کیاریوں میں اس طرح دو تین انچ گہرا کاڑنا جاہئے کہ اُس کا پیٹلا سرا اُرپر کی طرف رہے۔۔ پودوں کے درمیان چھ سے نو انچ کا فاصلہ کافی ہوتا ہے۔ اس کی زمین

کو گھاسوں سے صاف رکھنا اور حسب ضرورت پانی دینا چاھئے۔ لہسن معمولی زمینوں میں اچھا ھوتا ھے - اکتوبر میں بویا جاتا اور مارچ اپریل میں کھودنے کے قابل ھوجاتا ھے - اُس وقت اُس کی پتیاں پیلی ھوجاتی اور مربجھا جاتی ھیں - لہسن کی پوڈیاں مسالے کے کام آتی ھیں - اکثر اُس کی ھری پتیوں سے بھی کام لھا جاتا ھے - خشک کرکے احتیاط سے رکھنے پر بہت عرصے تک خراب نہیں ھوتا -

(۱۷) متر — صوبہ متحدہ میں عام طور پر دو قسم کی متر پائی جاتی ہے ۔ ایک کا پھول سفید اور دانہ بڑا ھوتا ہے ؛ اور دوسری کا پھول رنگین اور دانہ چھوتا ھوتا ہے ؛ چھوتے دانے کی متر ترکاری کے لئے اچھی نہیں ھوتی ۔ بڑے دانے کی سفید پھول والی متر ترکاری کے کام آتی ہے علاوہ اِنکے باغوں میں ہونے کے لئے تھوتے تھوتے فرق سے ولایتی متر کی بیسوں قسیس پائی جاتی ہے ، جو ترکاری کے لئے اچھی ھوتی ھیں ، اور بیج کے کسی کارخانہ کی فہرست سے منتخب کی جاسکتی ھیں ۔ جس کے لئے ہم پوچا اینت سن کی شفارش کویں ئے ۔ متر باغ کی معمولی زمین میں بوئی جاسکتی ہے ؛ لیکن متیار زمین میں زیادہ اچھی ھوتی ہے ۔

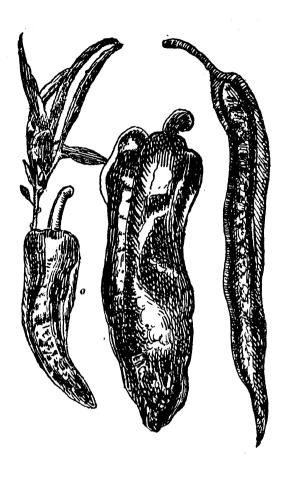


مٿر شکل نمبر ۱۳۲

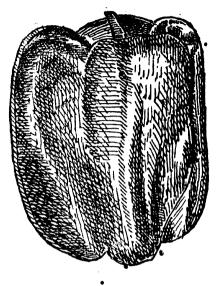
متر کو بہت زیادہ کہاد کی ضرورت نہیں ہوتی لیکن یہ بھی نہ کرنا چاھئے کہ کھاد بلکل نہ دی جائے - گوبر کی کھاد متر کے لئے بہت اچھی ہوتی ہے - بونے سے پہلے زمین میں تھوڑا سا شورہ ڈالٹا بہت مغید ہوتا ہے - پہلے زمین کو گہرا گوڑ کر اور کھاد ملاکر باریک کر دینا چاھئے - بونے کے وقب زمین میں کانی نمی کا موجود ہونا ضروری ہے - اگر نمی کی کمی ہو ' تو بونے سے پہلے تھرڑا سا پانی دے دینا اچھا ہوتا ہے - کاشت اخیر ستمبر سے نومبر تک ہوتی ہے اور بعض قسیس اور بھی دیر میں

بوئی جاتی هیں - لیکن أنکی پیداوار اچھی نہیں هوتی - بیج ۳ انچ گہرا اور قسم کے لحاظ سے قطاروں میں دیرہ دو فت کے فاصلہ پر بونا چاھئے - ایک پودے کا دوسرے پردے سے تین چار انچ فاصلہ کافی ہے جو قسیس زیادہ پھیلتی هوں ' ان کی قطاروں میں دو دو فت اور کم پھیلئے والی قسم کی قطاروں میں دیودہ فت کا فاصلہ رکھنا چاھئے - ضرورت کے موافق پانی دینا گائی هوتا ہے ' لیکن ایک دو مرتبہ سے زیادہ کھاریوں کی سینچائی نہیں کرئی چاھئے - جب پھلیاں تیار هو جائیں ' تو جہاں تک ممکن هو پھلیاں بجائے هاته سے توڑنے کے تینچی سے کاتیں - هاتهه سے توڑنے کے تینچی سے کاتیں - هاتهه سے توڑنے میں اکثر پودے کو بھی صدمہ پھنچتا اور نقصان هوتا هے -

(۱۸) مرچ - مرچ هو قسم کي هوتی هے: بری اور چهوائي - بری مرچ تين چار انچ لسبی هوتي هے ' ليکن چهوائی مرچ ايک يا سوا انچ سے زياده نهيں هوتي ان ميں سے پهر هر ايک کي عليحده عليحده مختلف قسميں هيں - چهوائي قسم معمولي کهانے کے کام آتي هے ' اور بری قسم زياده کروی هونے کی وجه سے اچار ' جاتمی کے لئے پسند کی جاتي هے ؛ حالانکه نمايشی کاموں کے لئے مرچوں کي بعض بالکل عجيب شکليں هوتی هيں جو باغوں ميں بوئي جاتی هيں - باغ کی معمولی زمين اور سايه دار اس کے لئے جگهه اچهی هوتی هے -



سرچ شکل نبیر ۱۳۳



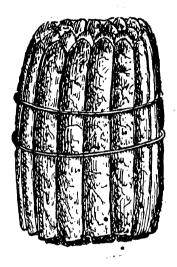
مرچ شکل ثبیر ۱۳۳

مرچ قریب قریب همیشه بوئی جا سکتی هے ' لیکن فروری سے اُپریل تک کا زمانه زیادہ اچھا هوتا هے -

مرچ کا بیجے پہلے دخیرے میں لگا یا جاتا ہے ؛ اور جب پود تین چار انچ اونچی هو جاتی ہے - تب کیاریوں میں منتقل کردی جاتی ہے - پودوں کو کیاری میں لگاتے وقت یہ خیال رکھنا چاھئے کہ هر قطار میں کم سے کم تیرہ فت اور هر پودے کے درمیان میں ایک فت کا گاملتہ رہے - پود لگانے کے بعد فوراً تھوڑا سا پانی دے دینا چاھئے ۔ کا گاملتہ رہے - پود لگانے کے بعد فوراً تھوڑا سا پانی دے دینا چاھئے ۔ اس کے بعد حسب ضرورت سینچائی کونی چاھئے ۔ کیاریوں کو نکائی کو کے گھاسوں سے صاف رکھنا بہت ضروری ہے - مرچ کی بھیں قسیس کو کے گھاسوں سے صاف رکھنا بہت ضروری ہے - مرچ کی بھیں قسیس ایسی هیں ، جو نہ صرف یہ کہ بہت کروی نہیں هوتیں ، بلکہ اُن

میں هلکی سی کوواهت کے ساتھ ایک طرح کی مقهاس بھی هوتی ہے۔
یہ مرچیں اکثر ترکاریوں کی طرح استعمال هوتی هیں مرچ کی کاشت
میں اتنی ترقی هوئی هے که اب کئی کئی رنگ اور شکل کی مرچ پیدا
هوتی هے ۔ اسی لئے فرمنگر کا خیال هے که اگر سب قسموں کی مرچیں
گملوں میں لٹاکر برابر رکھی جائیں تو اُن کے چھوتے بوے مختلف
رنگ اور صورت کے پھل دیکھنے میں بھی بہت خوشنما منظر
پیدا کریں ۔

(۹۹) مرچوبه اس کو انگریز ترکاری کے لئے بہت پسند کرتے ھیں - خاص کر اس وجہ سے کہ اس کے موسم میں دوسری ترکاریاں بہت کم هوتی هیں - سرد علاقوں کی آب و هوا اس کی کاشت کے لئے زیاد؛ موزوں هوتی هے؛ لیکن اسے میدانی علاقے میں بھی بویا جاسكتا هي - اكست ستمبر مين بيم كا ذخيرة بكهير كر بويا جاتا هي -اس کے لئے زمین طاقتور مگر هلکی هونا چاهلے - اگر زمین زیادہ متيار هو ' تو اس مين بالو ملا دينا چاهيئے - ليکن جهاں تک ممكن هو ذخیره هلکی زمین میں بویا جائے - جب پود آته، نو انبی ارنچی هوجائے ' تو اُسے جہاں رکھنا منظور هو وهیں کیاریوں میں لکا دینا چاھئے - یود لکانے کے لئے زمین کو تقریباً تین فت گہرا گورنا گوبر اور یتی کی کہاں دینا چاھئے ۔ کیاری کو کلکڑ بتھر سے صاف کر کے متی کو باریک کردینا چاهدے - ذخیرے کو ایک دن پہلے خوب پانی دے کر دوسرے دن پودہ اُکھاڑ کر کیاریوں میں لگانا اور پانی دے دینا چاہئے۔ ابجائے اس کے کہ کل کیاری کو گوڑا جائے ایہ بھی کیا جاسکتا ہے کہ اُس میں دیر فت کے قاصلے سے ایک فت چورے اور تین فت گہرے گڑھے کھوں کر گوہر اور پتیوں کی کھاں متی میں ملائيس أور گوهوس ميس بهر ديس - ليكن سب كياريوس كا گور والنا زياده اچها هے -



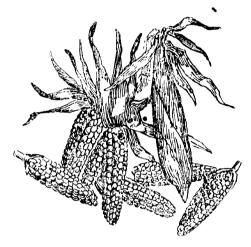
مرچوپة شك**ل ئيب**ر ١٣٥

مرچوبه میں رقیق کهاد دینا زیادہ منید ثابت هوتا هے اسکی آسان ترکیب یه هے که جس نالی سے سینچائی کا پانی آتا هو '
اُس میں گربر کی کهاد دال دی جائے ' تا که پانی کے ساتهه حل هو کر
پودے کی غذا آتی رهے - کیاریوں کا نکس درست رهنا چاهئے ؛ ورنه
بوسات میں پودے ضایع هو جانے کا اندیشه رهتا هے - اپریل مئی میں
پہرا آنے لگتے هیں - اُن کو تور دینا چاهئے - گرمی کے زمانے میں تری
قائم رکھنا ' اور سینچائی کرتے رهنا ضروری هے - برسات شروع هونے پر
سوائے کیاریوں میں نکائی گرزائی کر دینے کے کسی خاص نگرانی کی
ضرورت نہیں هوتی - اس موسم میں نئی نئی کوپلیں نکلتی هیں '

جن کو تور کر کام میں لایا جاسکتا ہے - کوپلیں پپوٹنے کے زمانے میں پودوں کے چاروں طرف سے متی نکال کر کھاد اور کسی قدر متی دے دی جائے ' تو کوپلیس زیادہ پھرٹتی ھیں - گرمی میں اگر پائی کی کسی نہ پڑے ' تو پودا خوب ' بوہتا ہے - جاڑے میں ایک یا دو مرتبہ ایک مہینے کے وقفے سے سوڈا کے نمک یا شورہ کو پائی میں حل کر کے دینا بھی مفید ھوتا ہے - فرمنگر کی رائے میں اگر پہلے سال پودے کی پتیاں استعمال کے لئے بیدردی سے نہ توزی جائیں' تو رہ زیادہ عرصے تک کام دے سکتا ہے - کیمرن کا خیال ہے کہ اگر احتیاط اور نگرائی کی جائے تو مرچوبے کی کیاریاں چار سال تک بھکار نہیں ھوتیں - اِس کی جائے تو مرچوبے کی کیاریاں چار سال تک بھکار نہیں ھوتیں - اِس کی ذکر کیا گیا ہے -

(+۷) میا—دانے کے رنگ کے لحاظ سے میا تین طرح کی ہوتی ہے ۔ ایک کا دانہ زرد ' دوسري کا سرح ' اور تیشری کا سفید ہوتا ہے ۔ زرد میا کو '' دیسی میا '' بھی کہتے ھیں ۔ اس کا بھٹا اوسط قد کا ' اور پھڑا چھوٹا ہوتا ہے ۔ لیکن اور سب سے جلد تیار ہوجاتا ہے ۔ سرح رنگ کا بھٹا و پودا دونوں زرد سے بڑا ہوتا ہے ' لیکن بھٹا دیر میں ہوتا ہے ۔ سفید دانے والی میا کو '' جونپوری میا '' بھی کہتے ھیں ۔ اس کا بھٹا ' دانہ اور پودا پہلی دونو قسموں سے بڑا ہوتا ہے ' لیکن یہ سب سے زیادہ دانہ اور پودا پہلی دونو قسموں سے بڑا ہوتا ہے ' لیکن یہ سب سے زیادہ دیر میں تیار ہوتی ہے ۔ اگر بھٹا جلد پیدا کرنا منظور ہو تو دیسی میا اور بڑا بھٹا منظور ہو تو جونپوری میا بونا چاہئے ۔ ان قسموں کے علاق چید قسمیں امریکی میا کی بھی ہیں ' لیکن اُن کی پیداوار میدانی علاقوں میں عام طور سے اچھی نہیں ہرتی ۔ میا دوست زمین میں علاقوں میں عام طور سے اچھی نہیں ہوتی ۔ میا دوست زمین میں اچھی ہوتی ہوتی ہے لیکن اور زمیلوں میں بھی ہوئی جاسکتی ہے ۔ جب

برسات زیادہ ہوتی ہے ' تو مکا اچھی نہیں ہوتی - اس لئے اس کی کیاریوں کا نکاس بلکل تھیک رکھنا چاھئے ' تا کہ مکا کی جرری میں پانی نہ بھرنے پائے - اسے کھاد کی بہت ضرورت ہوتی ہے - گوبر کی کھاد اور بھیت کی مینگئی اچھی ہوتی ہے - اندی اور نیم یا کسی اور چیز کی کھلی دینا بھی مفید ہوتا ہے - اگر مکا کی فصل گذے اور آلو کے بعد بوئی جائے ' تو بہت زیادہ کھاد دینے کی ضرورت نہیں ہوتی -

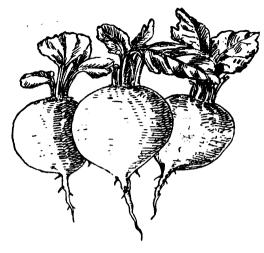


مکا (ب_ایتا) شک*ل ن*بیر ۱۳۹

مکا کی کاشت کے لئے پہلے زمین کو جوت کر اور کھاد ملاکر بھربھری بنا لینا چاھئے ۔ بارش شروع ھرنے پر کاشت ھوتی ھے ' اور جہاں سینٹچائی کا انتظام ھو وھاں وسط مئی سے بوئی جاسکتی ھے ۔ بونے کا اچھا طریقہ یہ ھے کہ دیسی مکا ڈیوہ فت اور جونپوری مکا دو دو فت کے فاصلے پر قطاروں میں اس طرح بوئی جائے کہ پودے کم و بیش ایک

ایک فت پر رهیں - بینے کو کھرپی سے گاڑ کر ڈھالی تین انچ گھرا بوسکتے ھیں اور حل کے پیچھے بھی قطاروں میں ہوتے ھیں۔ اگر پودے گھنے هوں ' تو بیپے سے کچھہ پودوں کو اس طرح اُکھاڑ دیٹا چاھئے کہ باقی پودے مناسب فاصلے پر هوجائیں - مکا نی پوده لگانے میں کامیابی نہیں هوتی - مدی میں بونے کے لئے زمین کو پہلے سینی دینا ضروری ہے -برسات شروع هونے تک دو تین مرتبه اور پانی دینا پوتا هے - مکا کی زمین سے گھاسوں کا دور کرنا اور زمین کو گور کر بھر بھوا رکھٹا نہایت ضروری ھے - برسات کے شروع میں ' جب گھاسیں بہت بوھٹی ھیں ' نکائی کرنی چاهیئے - کل دو تین مرتبه نکائی گوزائی گافی هوتی هے - بهتے وسط جولائی سے تیار ہونا شروع ہرجاتے ہیں - بھٹوں کو ملائم ہونے پر جلد هي استعمال كونا چاهيك ، ورنه زيادة سخت هوجاني ير مزة خواب هرجاتا هے - بیم کے لئے چند تندرست پودے چھوڑ دینا چاهئے - جب دانه اچهی طرح یک جائے تو بهتوں کو تور کر اور خرب خشک کرکے رکھنا چاھئے - مکا کی چویس اور جنگلی جانوروں سے بہت حفاظت کرنی پوتی ہے اور بھٹا آنے پر خاص طور سے نگرانی کی جاتی ہے - `

(۱۱) مولی میں ایک قسم لمبی اور موتی هوتی هے ' اور دوسری قسم ولایتی مولیوں میں ایک قسم لمبی اور موتی هوتی هے ' اور دوسری قسم شلجم کی طرح گول هوتی هے - اِن کو ستمبر سے مارچ تک کسی وقت بو سکتے هیں - لمبی مولی زیادہ نرم هوتی هے - بہتر یه هے که مختلف اوقات میں الگ الگ کیاریاں ہوئی جائیں - اس طرح جب ایک کیاری ختم هوگی ' تو دوسری تیاری کے قریب هوگی - گول مولیوں کی بهتر بهی لگائی جاسکتی هے - لیکن جن کیاریوں میں انہیں رکھنا هو ' وهاں بهی لگائی جاسکتی هے - لیکن جن کیاریوں میں انہیں رکھنا هو ' وهاں بہی لگائی جا اچھا هوتا هے -



ولایتی مولیاں £کل ثبېر ۱۳۷



لیپی موٹی ش*کل* ڈبپر ۱۳۸۸

ولایٹنی مولی کی طرح دیسی مولی کی بھی دو قسمیں ھیں ایک قسم کی مولی پنلی اور لمبی هوتی هے ' اور دوسری گاؤدم موآی اور بہت بری هوتی هے - دوسري قسم '' نواز مولی '' کے نام سے مشہور هے اور جونپور میں خاص کر بہت ہوتی کے - مولی کا بیم قطاروں میں اس طرح بونا چاھئے کہ قطاریں ایک درسرے سے ایک فت کے فاصلے یو ھوں ' اور پودے چه، چهه انبج پر - بيبج تين چار دن ميں جُم آتا هے ' اور پانيم چهه هفتول میں مولی تیار هوجاتی هے - بیبج بکهیر کر بهی بویا جاتا هے -دونوں حالتوں میں بیہے ہوتے وقت زمین نم ناک اور مالیم ہونا چاہئے۔ زمین جننی ملایم اور گهری گوری جائیگی ' مولی اُتذی هی اچهی اور بوی هوگی لیکن اس کے ساتھہ هی زمهن کا طاقتور هونا بھی ضرورہ، هے ' جس کے لئے کہاد کثرت سے دینی چاھئے - گوہر کی کہاد اچھی ھوتی ھے -كهترى فصل ميس راكهة دَالله سے بهت فائدة هوتا هے ـ اس سے يتوں ميس کیں کے کم لگتے هیں ' اور راکھہ میں پوٹاس بھی هوتا هے ' جو مولی کی خاص خوراک هے - یوں تو مولی سال کے هر حصے میں پیدا هوسکتی ھے الدیکن اچھا وقت وھی ھے جو والیتی مولی کی کاشت کے لئے ھے۔ کرمی اور برسات کی مولیوں میں تلخی هوتی هے ' جو بعد کی فصلوں میں نہیں ہوتی - فصل بونے کے آٹھویس دسویں دن پانی دینا اور سینچائی کے بعد گرزائی کرنا چاھئے - جر کے بڑھنے کے زمانے میں گھری گوراثی سے بہت فائدہ هوتا هے - بيم كے لئے مولى كا پيندا لكايا جاتا هے -جو مولیاں وقت پر نہیں اکھاڑی جانیں ' ان میں بھی پھلی آتی ھیں ' جو سینگری کے نام سے بازاروں میں ملتی اور ترکاری کے کام آئی ھے ۔ (۷۲) ، شونگ پھلی ۔ دانے کے لتحاظ سے مونگ پھلی کلی قسم

(۷۲)،مونک پھلی۔۔دانے کے لتحاظ سے مونگ پھلی کئی قسم کی ہوتی ہے ۔ ایک کا دانہ ہوا اور دوسری کا ﷺچھوٹا ہوتا ہے۔ بہرے دانے والی مونگ پھلی کو اکثر مونگ پھلا کہتنے ھیں - ان میں سے ھر قسم پھر کئی طرح کی ھوتی ھے - مونگ پھلے کی قسموں میں بگ جاپا نیز اور اور مونگ پھلی کی قسموں میں ''اسپینھی پی نت' زیادہ مشہور ھے -

• مونگ پهلی هلکی طاقتور زمین میں اچهی هوتی هے - ارزابالوهی زمین اس کے لئے سب سے زیادہ موزوں ہوتی ہے - دوست میں بھی ہوئی جا سکتی هے - کهاد کی کوئی خاص ضرورت نہیں هوتی - باغ کی معمولی زمین میں جس میں تھوڑی سی کھاد پڑی ھو مونگ پھلی کی پیداوار اچھی ھوتی ھے - یہ آخیر مئی یا شروع جرن میں بوئی جاسکتی ھے ' بشرطیکه پانی کا معقول انتظام هو- ورنه برسات شروع هونے پر **فوراً** بوائي كونا چاهئے - زمين كو گور يا جوت كر خوب ملائم بنانا پوتا هے ' اور مونگ پھلی کے اُوپر کا سخّت چھلکا اُتار کر دانہ ہویا جاتا ہے ليكن يه خيال ركهنا ضروري هے كه دانے پر جو سرح چهلكا هوتا هے اس کو کسی طرح صدمه ٍ نه پهدچے - بوائی کهرپی سے بیج تین انبی گهرا گار کر اچھی ہوتی ہے - بونے کے وقت زمین مین کافی نسی ہونا چاہئے -ایک قطار کا درسری قطار سے دو فت اور بیبے کا بھیے سے تیزہ فت فاصله رکھنا چاھئے - جو فصل مدئي ميں بوئی جانی ھے اُس کو بونے سے پہلے ایک سینچائی اور بونے کے بعد بارش شروع هونے تک ایک یا دو موتبه سینچائی کرنی پوتی هے - برسات ختم هونے پر دو ایک مرتبه سینچائی کونا ' اور بارش شروع هونے پر نکائی گورائی کرکے زمین کو گھاسوں سے صاف اور ملائم رکھنا ضروری ھے - پھول آنے کے وقت ایک اور گورائی کونا بهت ضروري هوتا هے - اگر اس وقت زمين مالئم نه هوگی ، تو پيداوار خراب هوجائیگی ، اور مونگ پهلی اچهی نه بیته کی ، فصل فومبر میں تیار هوجاتی هے اس وقت پتے پیلے هوجاتے هیں - فصل کے پکٹے سے پہلے یا پکئے کے عرصہ بعد کھودنا اچھا نہیں ھے 'کھونکہ پہلی حالت میں مونگ پھلی بینچ کے کام کی نہیں ھوتی 'اور دوسرے صورت میں بینچ جمئے لگتا ھے - فصل تیار ھونے پر پودے ھاتھہ سے اُکھار کر پھلیاں کھریھرں سے چن لیتنے ھیں - یہ چنائی اکثر دو مرتبہ کرنا پوتی ھے کیونکہ مونگ پھلی متی میں مل کر پہلی مرتبہ کیاریوں میں چھوت جاتی ھے - کھرد کر خشک کر کے رکھنے پر عرصے تک خراب نہیں ھوتی - کھودنے کے بعد نین چار دن خشک کرینا چاھئے -

(۷۳) میٹھی۔ میٹھی ساگ کے لئے ہوئی جاتی ہے ' اور اس کا دانہ مسالے کے کام آتا ہے۔ اس کی کاشت دالک کی طرح ہوتی ہے۔ اور اس کے لئے زمین بھی اُوسی طرح تیار کرنا چاہئے۔ اس کا بیمج سٹمبر اکٹوبر میں ہویا جاتا ہے۔

(۷۲) ونیلا یه جزیره ماریشس کا ایک پودا هے ' اور بلکال میں خوب پہلتا پہولتا ہے ۔ اس صوبے میں لکھنؤ ھارتی کلچول گارتین میں لکیا گیا اور بھوپال میں بھی آزمایا گیا ۔ اگرچہ کامیابی بہت کم ھوئی ہے لیکن یہ خیال ہے کہ اگر کافی توجہ کی جائے تو مشکل نہیں ہے ۔ ماریشس میں بڑے درختوں کے نیجے تنه کے چارونطرف ایک فت کے قریب اونچی میلڈ باندہ دیتے ھیں ' اور باغ کی اچھی مٹی میں کھاد ملا کر اس میں بھر دیتے ھیں ۔ اس کے بعد پودا متی میں لکایا جاتا ہے ' اور متی کی سطع پر اینت بچھادی جاتی ہے ۔ کچھہ دن کے بعد پودا نکلتا ہے ' اور درخت پر لھتتا اور پھیلتا ہے ۔ پودے کی شاخوں میں کچھہ ایسے حصے ھوتے ھیں ' جو پیر ٹیر چڑھنے اور اسے پکڑے رھئے میں مدد دیتے ھیں ۔ ھندوستان میں جو پھل اُتا ہے ' وہ ماریشس کے میں مدد دیتے ھیں ۔ ھندوستان میں جو پھل اُتا ہے ' وہ ماریشس کے

ونيلا كي طرح عمدة نهيں هوتا ' اور جلد خراب هرجاتا هے - اسے درخت كے كرد متى بهر كر لكانے كے بجائے بوے گملوں ميں بهي لكایا جا سكتا هے - پرانے درخت كا قلم جلد لكتا هے اور مارچ لپریل میں پیول آجاتے هيں -

اچھا پہل حاصل کرنے کے لئے پھولوں میں مصنوعی طریقہ پر پھل پیدا کرنے کی طاقت پوھانا ضروری ھے۔ اِس کا طریقہ بہت آسان ھے۔ اور ھر شخص اس کام کو ذرا سی احتیاط سے کر سکتا ھے۔ جب پھول عرصہ تک کھلے رھیں' اور نہ مرجھائیں تو سمجھہ لینا چاھئے کہ ان میں پھل پیدا کرنے کی اھلیت پیدا نہیں ھوئی اس وقت پھول کی اس بھیای کو جسمین پراگ کیسر بھوا رھتا ھے کسی باریک قیلچی سے اھستہ سے اوقہا دینا چاھئے۔ اگر یہ عمل کامیاب ھوگا' تو پھول دو دن میں مرجھا جائیگا؛ ورنہ جب نک کامگابی نہ ھو پھر یہ عمل کیا جاسکتا ھے۔ جب پھلوں پر زردی آنا شروع ھو' تو اُسی وقت توڑ لینا چاھئے۔ عرصے تک روکئے سے وہ آخیر میں بہت پھت جاتے ھیں۔ پھلوں کو توڑ کر کچھہ دیر دھوپ میں رکھنا اور پھر سائے میں خشک کرنا اچھا ہوتا ھے۔ ونیلا کی دیر دھوپ میں رکھنا اور پھر سائے میں خشک کرنا اچھا ہوتا ھے۔ ونیلا کی میں میں ہوتی ھیں۔ ان میں سے پھل

(۷۵) ولایتی پیاز -- اس کو انگریزی میں ''لیک'' Ineck کہتے ھیں اصل میں یہ ایک قسم کی پیاز ہے ' جس میں دیسی پیاز کی طرح پرقیاں نہیں ھوتیں بلکہ تنے کے نیچے کا حصہ گداز اور موتا ھوتا ہے ۔ اسی کے لئے اس کی کاشت ھوتی ہے - کچی پیاز میں جو خاص قسم کی ہو ھوتی ہے وہ اُس میں بہت کم ھوتی ہے - گوبر اور پتی کی کہاد اور هلکی دومت زمین اُس کی کاشت کے لئے مناسب ھیں - بونے کا اچھا

طریقہ یہ ہے کہ زمین کو خوب باریک تیار کرکے بھیج بکھیر کر کیاری میں بوٹیں ' جب پودے بانچ چھہ انچ کے هوجائیں تو خوب پانی دیکر پود کو اوکھیویں - اور جس جگہہ اسے رکھنا منظور هو وهاں کھرپیوں سے ایک ایک فت کی قطاروں میں لگائیں - نچار انچ گہرا گاڑنا کافی ہے - بودا بڑا هونے پر متی چوهانا ضروری هوتا ہے - پانی بہت دینا پڑتا ہے ' اور پودے کی چوتی کات دینا بہت منید ثابت هوتا ہے ' کیونکہ ایسا کرنے سے تنہ جس کے لئے کاشت هوتی ہے زیادہ گداز هوجاتا ہے -

(۷۱) ولایتی کدو یه ایک قسم کا کدو هے جو به لحاظ شکل کئی طوح کا هوتا هے - انگریز اس کو زیادہ پسند کرتے هیں - پهل کا رنگ زیادہ ترسبني مائل سفید هوتا هے - اس صوبے میں فروری سے اپریل تک اس کی کاشت هوسکتی هے - فروری کا زمانه اسکے لئے اچها خوتا هے - کاشت کئی طوح سے هوتی هے - اس صوبے میں اس طریقے کے اختیار کرنے میں کامیابی هوئی هے :

دو دو فت قطر اور گهرائی کے تھالے بنا کو خرب ستی ھوئی گوہر کی کھاد کو گڑھوں میں ڈالنا چاھئے - پھر کُڑھے میں دو تین بینج تھوڑے تھوڑے تھوڑے سے فاصلے پر بریا جائے - جب تک بینج نہ جمیں گڑھوں کو ھزارے سے پانی دے کر تر رکھنا چاھئے - جب پودے میں تین چار پتی نکل آتی ھے ' تو ایک قسم کے سرخ کیڑے اس کو بہت نقصان پہنچاتے ھیں - اُس وقت مٹنی کے تیل کا ایملشن یا معمولی تیل میں دو حصہ پانی ملاکر پتوں پر چڑکنا چاھئے - مالی زیادہ تر راکہ ڈالٹے ھیں - مگر فرمنگر کا خیال ھے کہ راکہ سے پودے کو نقصان پہنچتا ھے -

کچهه دنوں اگر پردوں کی حفاظت هوجائے تو پهر یه کهتروں سے محفوظ هو جاتا هے ـ جو خود بخود اس کو برا هوجائے پر چهور دیدے هیں۔ جب پہول آجائیں ' تو: اُن کو کسی تدر کم کردیدا چاھئے۔ اگر پہول نه توزے جائیں گے ' تو پہل زیادہ ضرور آئینگے ؛ لیکن وہ چھوٹے اور کم مزہ ھو جائینگے ۔ اسی طرح پہلوں کو پکلے کے ساتھ ھی توز لیدا چاھئے ۔ انہیں عرصے تک درخت میں نه رہنے دینا چاھئے ' ورنه وہ خراب ھو جاتے ھیں۔

(۷۷) هاتهی، چک - اس کی دو قسمه هیش - ایک کو " يروشلم هاتهي چک " کهتے هيئي اور دوسرے کو صرف هاتهي چک " يا گلوب هانهي چک " کهتنے هين - يووشام هانهي چک کو انگريو، زیاده پسند کرتے هیں لیکن اس کی کشت عام طور پر نہیں هوتی -عالانكة يه كجهة مشكل نهيس هي - بوني كالجها طريقة يه هي كه دو فت چوری اور ایک فت گہری نیالیاں کیاری میں بناکر اس میں تھوری کھاں قالیس ' اور خوب گوڑائی کرکے ملادیں - بھت زیادہ کھاں کی ضرورت نہیں ھے - گؤیر کی سوی ھوٹئی کھاد اس کام کے لئے اچھی ھوتی ھے -جب نالیون میں کھاد مالچکیں' تو قعائی تھائی فت کے فاصلے ہو۔ تیں چار انچ گہرائی میں جو کی کانتہ بوکر پانی دے دیں۔ اس کی کاشت ملی سے جوالئی تک هوتی هے - بندرہ بیس دن میں کلے نکل آتے هيں - برسات ميں پردا اچھی طرح برهانا اور تين چار فت ارنجا هو جاتا هے - ستمبر اکتبر میں کلهاں آتی هیں ' جن کو کہالجے سے پہلے تور دینا چاھئے۔ نومبر میں ھاتھی چک تیار ھوجاتا ھے۔ اس وقت درختوں کو الگ کرکے جووں کو تھہ دس دن ستی میں دیا رهنے دینا چاهئے؛ که گانتهیں پخته هوجائیں - اس کے بعد کہود کر كام ميس لائيس - كهودنے سے پہلے ناليوں ميں هلكا پلائي ديئے سے كهدائي. مین آسانی هوجاتی هے -

﴿ اكر هاتهي چك تيار هونے پر فوراً كهود ليا جائے ' تو أسے مالى میں دباکر رکھنا چاھئے ؛ ورنہ ھوا سے خشک ھو جاتا ھے - اس فصل کو سینچائی کی بہت ضرورت نہیں ہے ۔ برسات ختم هرنے پر چار پانیم مرتبه پانی دے دینا پوتا ہے - بیم کے لئے خوب پکی كانتهيى فصل كهردنے پر چهانت كر بالو ميں احتياط سے ركهنا چاهئے بالو پر بہت خشک موسم میں تهورًا پانی چهوک دینے سے گرهین خشک نہیں هوتی - گلرب هاتهی چک کی نسبت فرمنگر کا خیال هے کہ بہ نسبت انگلستان کے هندوستان میں اس ترکاری کی کاشت زیادہ هوتي هے - اس كا بيب بويا جانا هے ، اور بودة لكائي جاتى هے - بهم آخير جولائی یا شروع ستمدر میں گمارں یا بکسوں میں بونا اور کسی ایسی کھای هوئی مگر سایه دار جگهه میں رکهنا چاهئے 'جہاں بارش کا پانی بهت نه پہنچ سکے - بہت زیادہ پانی سے پودہ کل جانی ہے - جب پودہ چھہ سات انیم اونچی هوجائے - تو کیاریوں میں تین تین فت پر لگانا چاهلے -پروشام ھاتھی چک کو گلوب چک سے کم کھاد دیدا چاھئے - کھوی فصل میں لونا متی دالنے سے زیادہ فائدہ ہوتا ہے۔ اس کی کیاریوں پو ساید هونا اچها نہیں هونا - فروری کے آخیر میں فصل تیار هو جاتی ہے -مارچ سے مئی تک پھل آتا ہے۔ بیج کے اتنے تلدرست اور وہ درخت چهور دينا چاهئے جن ميں پہلے پهول آيا هو -

(۷۸) هلدی اس کی دو تسییل هوتی هیں - ایک کی گره پری ملائم اور هلکے رنگ کی ' اور دوسری کی چهوائی ' سخت اور گهرے رنگ کی هوتی هے - زمین اور کهاد بالکل ادرک کی طرح هونا چاهئے - گر ایسی فصل کے بعد بوئی جائے جس میں خوب کهاد دی گئی هو ' تو کهاد کی بچت هو سکتی هے اس کی اکاشت ادرک کی طرح اپریل مئی میں کی جاتی هے چونکه اسے آبپاشی کی بهت ضرورت هوتی هے '

اس لئے اکْثر نہروں کے کنارے اور زیادہ تر سایٹہ دار تراثی کی زمیں میں بوئی جاتی ہے ۔ زمین کو گھاسوں سے صاف اور متی کو بھر بھرا رکھنا نہایت ضروری ہے اور اِس وجہ سے کئی مرتبہ نکائی گورائی کرنا پرتی ہے ۔ جب پودے کچھہ اُونچے ھو جاتے ھیں ' تو کچھہ متی جروں پر چرھائی جاتی ہے ؛ ورنہ اگر بارش زیادہ ھوتی ہے ' تو ھلدی کو نقصان پہلچتا ہے ۔ نومبر میں ھلدی تیار ھوجائی ہے ۔ اس وقت بیج کے لئے اچھی گرھیں خوانت کر سایہ میں رکھنا چاھئے ۔ بونے سے کچھہ دن پہلے گرھوں کو پتیوں سے تھک کر اور پانی چھڑک کر رکہ دیتے ھیں ' تاکہ کلا برھنا شروع ھوجائے ۔ سات آٹھہ دن بعد پنوں سے نکال کر کیاریوں میں لگاتے ھیں ۔ کھیت سے کھودی ھوئی ھلدی فوراً بازار لے جانے کے کام کی نہیں ھوتی ' بلکہ وہ ایک خاص طریقہ سے آبالی اور خشک کی جاتی ہے ' جس سے پیداوار کا وزن قریب قریب تینتھس فی صدی کم ھو جاتا ہے ۔

(۱۳۱۲) ضيمه **الف**

موسم کے لحاظ سے پھولوں اور پودوں کی سرسری تقسیم -

| جا ڑے کی ترکاریاں | ا کے یہول کے کے | گرمی و برسات کے پھول | گرمی و برسات کی ترکاریاں |
|--------------------------|-----------------------|-------------------------|-----------------------------|
| باقله | ايسةر | اجريتم | ক্,• |
| man | شمر پاره | موسا | 5 |
| چقندر | √رنیشن | گل مهندي | بیگن |
| گوبهی | د یزی | عقيق | بهنڌي |
| گاچر | ڏاين _و تهس | مرغ كيس | مولى |
| كرمتلا | جرينيم | كاسمس | لوکی |
| سيلرى | گلخهرو • | گیندا | چو ^{لائ} ي |
| كانتهم كوبهي | إلسى | سورج مکهی | گوار |
| پياز | شميم | زينيا | چچندا |
| س رس وں | پينزي | گل عبا <i>س</i> | تورژي |
| متر | پٿونيا | ائپوميا | كريلا |
| ي الک | فالأكس | كوليس | وغيرة |
| تماتر | استاك | پورٿوليکا | |
| براكولي | پهول مٿر | كغوالويولس | |
| شلجم | سلطان | جهت پٿا | |
| آلو | وربينا | وغيرة | |
| وغهرة | بنفشه | | |
| | وغيرة | 7.7.7 | |

ضييه ب

باغ میں موقع کی مناسبت سے مشہور پھولوں و پودوں کی منعقصر ترتیب -

- (۱) گملوں میں لکا کر برامدہ میں رکھنے کے پودے: گل داؤدی - بگونیا - کلاتیم - کروائن - فرن - جرینیم - آرکڈ - پام -گلاب - سلویا - وربینا - دهلیا - آکزیس وفیرہ -
 - (۲) گملوں میں لکانے کی بیلیں :--تھنبر جیا - جذبہ - کلیٹوریا وغیرہ -
 - (۳) دیگر بهلیں :--آئپومیا - بگونیا - چنبیلی ـ گلاب - بوگنویلها وغیرہ -
- (۳) خوشبودار پهول :— اشوک - چمپا - کامنی - گلاب - چنمبهلی - بهلا - مولسری - کهورَا وغهره -
- (٥) خوشبودار پتی کے پودے :— اگیا ۔ ایلایچی - ایوکےلپٹس - لونگ - لین ٹینا - تلسی - جریڈیم وفیرہ -
- (۲) سایه دار درخت جو باغ کے راستوں پر لمانے کے لئے موزوں ھیں :— مولسری ایوکےلپٹس ولایتی ببول شیشم املی کمرخ وغیرة -
 - (۷) خوبصورت پتوں کے درخت و پودے : —
 کروتن ۔ سرو کلاذیم ۔ پام فرن ۔ الوکیشا وغهره ۔
 - (۸) بازه لئانے کی چهزیں: —
 مہندی دیورنتا دیدرینا ولایتی ببول گزهل رغیره -

⁽نوت)۔۔۔اِن میں سے مناسب جیزوں کا انتخاب صاحب بام کی پسند پر منعصر ہوگا اور فہرست بالا صرف رہذبائی کے لئے کارآمد ہوگی - ۔ د

ضيمه ج

پهولوں کی خاندانی و نسلی ترتیب معه اُن کے انگریزی (عام) الطیلی (علمی) و هندوستانی ناموں کے بحواله " تقسیم " حصه دوم

مكمل پهول—Angiosperms

ایک دال والے (یک دل) Monocots

| لاطيني | أنكريزي | هندرستاني | كيفيت |
|--------------------------|------------|------------|--------|
| | | نام | |
| 1. Amaryllidacea | ••• | ••• | نسل |
| (a) Agave | ••• | ••• | خاندان |
| " Bubosa | Agave . | رام بانس | |
| (b) Narcisus | · | ••• | خاندان |
| " Polyanthus | Narcisus | تركس | پهول |
| 2. Aroideae | • • • | | نسل |
| (a) Alocasia | ••• | ألوكهشها " | خاندان |
| " Thibicintiana | Alocasia | " | يهول |
| (b) Caladium | ••• | كالآديم | خاندان |
| "Argyrites "Verginale | Caladium | ,, | پهول |
| (c) Richardia | ••• | رچرڌيا | خاندان |
| " Ethiopica | Richardia | 17 | پهول |
| 3. Graminaceae | ••• | ••• | نسل |
| (a) Andropagon | ••• | ••• | خاندان |
| "Shaenanthus | Lemon | ائيا | پهول |
| | grass | | |
| (b) Bambusa | ••• | ••• | خاندان |
| " Nana | Bamboo | بانس | پهول |
| (c) Cynodon | ••• | ••• | خاندان |
| " Dactylon | Lawn-grass | دوب ع | پهول |

| لا طیئی | انگريزي | هندوستانی نام | كيفيت |
|-------------------------|-----------------|------------------|-------------------------|
| 4. Irridaceae | ••• | ••• | نسل |
| (a) Crocus. | ••• | ••• | خاندان |
| " Sativus | Saffrron | زعفران | پهو <i>ل</i> |
| 5. Liliaceae | ••• | | نسل |
| (a) Asperagus | • . • • • | ••• | خاندان |
| ,, Acerosus | Asperagus | مرچوبة | پهول |
| (b) Lilium | | ••• | خاندان |
| " Longiflorum | Lily | سوسو | پهول |
| (c) Polianthus | ••• | | په ر <i>ن</i> خاندان |
| " Tuberosa | Tuberosa | گل شبو | پهول پهول |
| (d) Tulipa | Tulip | لاله | خاندان |
| () = == [| | | و پهول |
| 6. Orchidaceae | • • • | ••• | نسل |
| (a) Orchids | Orchid | آرکڌ | خاندان |
| | • | | و پهول |
| 7. Pandeneae | ••• | ••• | نسل |
| (a) Pandanus | ••• | ••• | خاندان |
| " Odoratissimus | The Screw | کیوڙه | پهول |
| 8. Palmaceae | ••• | ••• | نسل |
| (a) Areca | ••• | ••• | خاندان |
| " Catechu | ${f Beetlenut}$ | سپاری | پہول |
| (b) Calamus | ••• | ••• | خاندان |
| " Cilliaris | Cane | بید یا بیت | پهول |
| (c) Corypha | ••• | ••• | خالدان |
| " Elata | Fan-palm | تهالی یات | پېول |
| (d) Livistonia | ••• | ••• | خاندان |
| ,, Mariatiana | Livistonia | ينكة كهجور | پهول |
| (9) Scitamineae | ••• | ••• | نسل |
| (a) Canna | ••• | ••• | خاندان |
| " Italica) " Austria | Canna | عقيق | پهول |

| هندوستاني نام | کیفیت |
|---|--|
| ایلایچی Im بهومی چىپا | خاندان پېول خاندان پېول |
| • مكمل | |
| ال و دال | |
| اکینتهس د اکینتهس د اکینتهس دین د اسرهیا دین د اسلوشیا د اکرے چین د اگرے چین دین دین دین درد دین دین درد دین دین دین دین دین دین دین دین دین دی | نسل خاندان بهول خاندان خاندان نسل بهول خاندان نسل بهول خاندان بهول نسل بهول خاندان بهول بهول خاندان بهول بهول خاندان بهول بهول خاندان بهول |
| | الله الله الله الله الله الله الله الله |

| | (m | 'IA) | | |
|---------------------|-------|-------------------|----------------------------|------------------|
| الطيئي | | انگریزی | هندپوس ت انی تام | كيفيت |
| 5. Bignoniaceae | | ••• | ••• | نسل |
| (a) Bignonia | 1 | ••• | ••• | خاندان |
| "Chamberlayn | ieii | Bignonia | بكنونيا | پہول |
| 6. Begoniaceae | | ••• | ••• | تسل |
| Begonia | , | Begonia | بگونیا | پهول و خاندان |
| 7. Boragineas | | ••• | ••• | نسل |
| (a) Heliotropium | | ••• | ••• | . خاندان |
| "Peruvianu | m | Heliotrope | هیلیو تروپ | پہول |
| (b) Myostosis | | ••• | ••• | خاندان |
| " Palustris | | Forget-me- not | ألفت | پهول |
| 8. Cacteae | | ••• | ••• | نسل |
| Cactus | | Cactue | <u>ت</u> هو ر | خاندان |
| | | | | و پېول |
| 9. Companulaceae | | ••• | ••• | نسل |
| (a) Companula | | ••• | ••• | خا دان |
| Lychnitis | | Bell-flower | پهول گهنتی | پہول |
| (b) Clintonia | | ••• | ••• | خاندان |
| "Pulchella | | Clintonia | كلنتونيا | پہول |
| 10. Caryophyllaceae | | ••• | ••• | نسل |
| Dianthus | | ••• | ••• | خاندان |
| (a) " Chinensis | | Dianthus | ••• | پہول |
| (b) "Reddeioig | _ | " | ••• | پهول |
| (c) "Barbatus | | " | ••• | پهول |
| (d) " Caryophy | yllus | Carnation | كارنيشن | پهول |
| 11. Compositeae | | ••• | ••• | نسل |
| (a) Achillia | | ••• | ••• | خاندان |
| " Nichfali | um | Milfoil | اچيليا | پهول |
| (b) Ageratum | | ••• | * ••• | خاندان |
| " Mexicana | | Ageratum | أجرياتم | پهول |

| لاطهثي | أنكريزي | كيفهت هندوستانى نام |
|------------------------|-----------------------|--------------------------|
| (c) Aster | | • خاندان |
| | Aster | |
| , Annunus | Aster | پهول ایستر خاندال |
| (d) Bellis | ··· | • |
| " Perennis | Daisy | پهول تيزي |
| (e) Brachychome | ••• | خاندان |
| " Iberidifolia | Swan Daisy | پهول دريائی . ديزي . |
| (f) Cacalia | ••• | خاندان |
| " Coccinia | Tussel | - |
| ,, | flower | يهول شگوفه |
| (g) Calendula | ••• | خاندان |
| " Officinale | English • Matigold | _ |
| (h) Centaria | • ••• | خاندان |
| " Moschata | Sweet | قسم پہول |
| | Sultan | سلطان |
| " Sanveolens | Yellow Sul | قسم پہول بسنتی |
| (a) Charren ath and un | | سىطان خاند'ن |
| (i) Chrysanthemum | O1 | |
| "Sinense | Chrysan- themum | پېول گلداؤدى |
| (j) Cineraria | Cineraria | پهول و سنريريا خاندان |
| (k) Coreopsis | ••• | خاندان |
| " Tinetoria | Coreopsis | پهول کوریا پسس |
| (l) Cosmos | • • • | خاندان |
| " Bipinnatus | Cosmos | |
| " Trucifolious | Cosmos | 9 |
| (m) Dahlia | ••• | خاندان |
| Dahlia | Dahlia | پهول دهلیا |

| لاطهئى | انگريزي | کیفیت هندوستانی نام |
|-----------------------|------------------------|-----------------------------|
| n) Gaillardia | ••• | خاندان |
| ", Picta | Gallardia | پهول گهالاردیا |
| (o) Helianthus | ••• | خاندان |
| " Annuus | Helianthus | پہول سورج مکھی |
| (p) Pyrethrum | • • • | خاندان أأأأ |
| " Parthenifoliam | Golden Fea | ther پہول |
| (q) Rhodanth | ••• | خاندان |
| " Mangleni | Rodanth | يهول رودينته |
| (r) Tagetes | ••• | خاندان |
| Tagetes Patula | French | قسم پہول فرانسیسی |
| | Marigold | اگیندا |
| ,, Erecta Afr | rican Marigo | قسم پهول افریقی ld گیندا |
| (s) Vittadenia | ••• | خاندان |
| " Australia | Australian | پهول آستيريلين |
| | Daisy | ڏيزي |
| (t) Zinia | ••• | خاندان |
| " Elegans | Zinia | پهول زينيا |
| 12. Convolvulaceae | ••• | نسل |
| Convolvulus Syn. Ipom | | خاندان |
| Ipomea Purpura | Convolvu- lus Major | قسم پهول کفوالویولس |
| Ipomoea Grandiflora | Ipomoea | قسم پهول آئپوميا |
| | (Moon | (مه پاره) |
| | flower) | |
| " Rubro-calruba | Morning Glory | قسم پهول صدو حی |
| 13. Euphorbiaceae | • • • | نسل |
| (a) Cheiranthus | ••• | خاندان |
| " Cheiri | Wall- flower | پهول وال ُفاور |

| الطينى | انكريزي | كينيت هندوستاني |
|-----------------|-----------------|---------------------------------|
| | | نام |
| (b) Erysimum | ••• | خاندان |
| " Perofskianum | Yéllow Stock | پهول بسنتی استاک |
| (c) Iberis | • • • | خاندان |
| " Odorata | Candy Tuft | قسم پهول سنهد |
| | (white) | شکر پاره |
| " Umbellata | Candy Tuft | قسم يهول ارغواني |
| | (purple) | شکر پاره |
| (d) Koeniga | ••• | خاندان |
| " Maritima | Sweet | يهول الائسم |
| () | Alysum | • |
| (e) Malcomia | *** | اندان |
| " Maritima | Virginia | |
| CENTRAL 1 | Stock. | |
| (f) Mathiola | Ct - I | خاندان |
| " Annua | Stock | جرمنی . استاک |
| 14. Cruciferae | • | |
| (a) Ricinus | ••• | ىسى خاندان |
| ,, Communis | Caster | يهول اندّى يا |
| ,, Communis | plant | پهون اندی یا |
| (b) Croton | prant | ریمتای خاندان |
| Croton | Croton | پہو <i>ل</i> کرو ^ت ن |
| 15. Geraneaceae | 0101011 | پ <i>ېون وردن</i> نسل |
| (a) Impatience | ••• | خاندان |
| " Balsamina | Balsom . | پہو <i>ں</i> گل مہندی |
| (b) Oxalis | ••• | چهر <i>ن کی به</i> دی |
| Oxalis | Oxalis | پهول آکزیلس - |
| (c) Pelergonium | ••• | خاندان |
| Geranium | Geranium | پهول چرينيم |
| | | • |

| لأطيني | انگريزي | هذدوستاني | کینینت |
|-----------------------|-------------|----------------|----------------------|
| | | نام | |
| (d) Tropaeolum | ••• | ••• | خاندان |
| " Major | Nasturtium | نيشتر شيم | پہول |
| 16. Gesneraceae • | ••• | ••• | تسل |
| (a) Achimenes | ••• | ••• | خاندان |
| Achimenes | Achimenes | أيكي | پہول |
| • | | مهنس | • |
| (b) Gloxinia | ••• | | خاندان |
| " Speciosa | Gloxinia | كالكسينيا | يهول |
| 17. Guttiferae | ••• | ••• | ئسل |
| Colophyllum | ••• | ••• | خاندان |
| Colophyllum Mophyllum | Mexandrian | سلطانه | پہول |
| • • | Laurel | چىپا | C7(4 |
| 18. Labiateae | ••• | • • • | نسل |
| (a) Ocimum | ••• | | خاندان |
| * * | Basil . | ت ل سى | يهول پهول |
| (b) Salvia | ••• | ٠ | چہرں خاندان |
| " Augustifolia | | سعلما | يهو <u>ل</u> پهول |
| 19. Leguminoceae | S42114 | **/ **** | نسل |
| (Papilionaceae) | ••• | ••• | صد <i>ن</i> ذات |
| (a) Arbus | | | مات خاندان |
| ,, Precatorius | Wild | ٠٠٠ گهونگچی | _ |
| ,, Trecatorius | | دېوندېچى | پہول |
| (b) Lathyrus | Lequorin | | t. n.* |
| • • • | ••• C | * • • • | خاندان |
| " Odorata | Sweet Pea | پهول متنر | |
| " Latifolia | Everlasting | سدا بهار | فسم پہول |
| | Pea | متر | |
| (c) Lupinus | " | 73 | خاندان |
| Lupins | Lupins | ليوپلس | پېول |
| (d) Poiniciana | ••• | ••• | خاندان |
| "Regia | Peacock (| كرشن چوور | پهول |
| • | flower | | |
| $(\mathbf{Mimoceae})$ | ••• | ••• | خات |
| | | | |

| لاطيني | انگريزي | هندوس ت انی نام | كيفيت |
|---------------------------------------|-----------|---------------------------|--------------|
| (e) Acacia | ••• | | خاندان |
| Acacia | Acacia | اكيشها | پهو <i>ل</i> |
| (f) Mimosa | ••• | ••• | خاندارم |
| " Pudica | Sensitive | چهوئی | پهول |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | Plant | _ | r |
| | | لاجونتى | |
| (Caesalpineae) | ••• | | ذات |
| (g) Bauhinia | ••• | ••• | خاندان |
| " Variegata | ••• | كچنار | پېرل |
| (h) Saraka | ••• | ••• | تخاندان |
| " Indica | Saraka | أشوك | پهول |
| 20. Linaceae | ••• | ••• | نسل |
| Linum | r | ••• | خاندان |
| " Grandistora | Scárlet | السى | پہول |
| | Flax | | |
| 21. Lythraceae | ••• | ••• | نسل • |
| (a) Lawsonia | | • • • • | خاندان |
| " Alba | Lawsonia | لنص | پهول |
| (b) Punica | ••• | | خاندان |
| " Grantum | Double | ر امار | قسم پہوا |
| | flowered | | |
| | Pomog- | | |
| | ranate | | |
| 22. Magnoliaceae | ••• | ••• | نسل |
| Michilia | ••• | ••• | خاندان |
| " Champaca | Michilia | چسپا | پهول |
| 23. Malvaceae | ••• | ••• | نسل |
| (a) Abutilon | ••• | ••• | خاندان |
| " Bedfordianum | Abutilon | جهومكا | چپول پهول |
| (b) Althaea | : | ••• | خاندان |
| ", Rosea | Hollyhock | کل خیرو | پهول |
| | | | |

| لأطهائي | انگريزي | هلدوسعاني نام | كيفيت |
|-----------------------------|------------------------------|---------------------|--------------------|
| (c) Hibiscus | ••• | ••• | خاندان |
| " Metabilis | · Changeable Rose | كأل عمجائب | پهول |
| " Torluosus | Hibiscus | بالا | پہول |
| "Althaea Syreaci | us | گوهل | پهول |
| 24. Myrtaceae | ••• | ••• | انسل |
| (a) Coryophyllus | ••• | ••• | خاندان |
| " Aromaticus | Clove | لونگ | پهول |
| (b) Eucalyptus | ••• | ••• | خاندان |
| "Globulus . | Eucalyptus | ایو کے لپ ٹس | پهول |
| (c) Myrtus | ••• | ••• | خاندان |
| " Communis | Myrtle | ولاينتى | پہول |
| 25. Nyctagineae | | مهندی | ti |
| (a) Bougainvillea | ••• | ••• | .سر خاندان |
| (a) Bougamvmea, Spectabilis | Bougain- | بوكفويليا | • |
| " Speciaoms | villea | بوصويتي | پہول |
| (b) Mirabilis | ••• | ••• | خاندان |
| " Julapa | Marvel of Peru | کل عباس | پهول |
| " Longiflora | Sweet | خرشدردار | پ هول |
| " | Scented Marvel of Peru | گلُ عبدا <i>ُسُ</i> | <i>5</i> /(• |
| 26. Nymphaceae | ••• | ••• | نسل |
| Nelumbium | | ••• | خاندان |
| " Speciosum | Sacred | كلنول | پېول |
| | Lotus | | |
| 27. Oleaceae | ••• | ••• | نسل |
| (a) Jasminum | ••• | چىبىلى | خاندان |
| , Aurborescens | ••• | نواتي | و پهول قسم پهول |
| ** | | - ,, | |

| لاطيئى | نگريزي | هندوستناني ا | كيفيت |
|--------------------------------------|---------------------|----------------------|--------------------|
| _ | | أنام | |
| Jasminum Auriculatum "Grandiflora | | پ جوهی | قسم پہوا |
| " Sambae | | بيلا | |
| | | موتها وموكرا | |
| | • | بهی علےم | |
| | | نباتات کے | |
| | | اضول سے اسی | |
| | | قسم میں | |
| | | شامل ه ي ں - | |
| | | صرف فروعي | |
| | | . فرق ه ي ں - | |
| (b) Nyctanthes | • | | خاندان |
| " Arbor Tristis | Night Blooming | هرسنگار | پهول |
| | Tree of | | |
| 43.01 | Sadness | | |
| (c) Olea | ••• | • ••• | کاند ان |
| " Fragrans | ••• | ••• | پهول |
| 28. Onagraceae | • •.• | ••• | نسل |
| (a) Clarkia | Olambii. | | خاندان |
| " Elegans | Clarkia | كالركها | پهول |
| (b) Oenothera | Francis a | جهت يتا | خاندان پهول |
| " Drummondi | Evening Primrose | جهد پ | پهون |
| 29. Papaveraceae | 1111111086 | | نسل |
| Papaver | ••• | ••• | خاندان |
| "Somniferum | Рорру | لالة أحب | ي _ۇ بول |
| ,, Sommor and | r oppj | (پوسته) | UF (4 |
| 30. Passifloreceae | ••• | ••• | نسل |
| Passiflora | Passion | جذبه | خاندان |
| | Flower | | پېول |
| | | • | - / 1 1 |

| لاطيذى | انگریزی | هندوستانی ن ^{ام} | کیفیت |
|-------------------|------------|------------------------------|--------|
| 31. Polemonaceae | ••• | ••• | نسل |
| Phlox | ••• | ••• | خاندان |
| " Drummondi | Phlox | فلاكس | پهول |
| 32. Portulaceae | ••• | ••• | نسل |
| Portulaca | • | ••• | خاندان |
| " Grandiflora | Portulaca | <u> </u> | پهول |
| 33. Primulaceae | ••• | ••• | نسل |
| Primula | ••• | ••• | خاندان |
| " Vulgaris | Primrose | پرمروز | پهول |
| " Veris | Cowslip | گومكة | پہول |
| 34. Ranunculaceae | ••• | ••• | نسل |
| Clematis | ••• | | خاندان |
| ,, Flannula | Clematis | كليميةس | پهول |
| 35. Resedaceae | ••• | ••• | نسل |
| ,, Odorata | Mignonetle | شديم | خاندان |
| | | • | و پهول |
| 36. Rosaceae | ••• | ••• | نسل |
| "Roses | ••• | ••• | خاندان |
| "Roses | Rose | گلاب | پېول |
| 37. Rubaciaceae | ••• | ••• | نسل |
| Gardenia | ••• | • • • | خاندان |
| " Florida | Cape Jas- | کنده راج | پهول |
| | mine | | |
| 38. Rutaceae | ••• | ••• | نسل |
| (a) Clausena | ••• | ••• | خاندان |
| " Heptophylla | Clausena | كرن پهول | پهول |
| (b) Murraya | ••• | ••• | خاندان |
| " Exotica | ••• | كامنى | پهول |
| 39. Sapotaceae | ••• | , | نسل |
| Mimusops , | ••• | ***** | خاندان |
| " Elengi | ••• | مولسرى | پهول |
| | | | |

| لاطينى | ا نگ ريزي | هندوس تان ی نام | کینیت |
|---|------------------|---------------------------------|------------------|
| 40. Solanaceae | ••• | • | نسل |
| Petunia | • ••• | ••• | خاندان |
| "Nyctaginiflora) "Phoeniea | Petunia | پت ونیا | پهول |
| 41. Stericulaceae | • | | نشل |
| Pixtapetes | ••• | ••• | خاندان |
| ,, Phoenicia | | | پہول |
| 42. Terustroemiaceae | ••• | .,,,, | نسل نسل |
| Camellia | ••• | •• | |
| " Japonica | Camellia | كميليا | خاندان پهول |
| 43. Verbanaceae | ••• | ••• | نشل |
| Verbena | Verbena | | خاندان |
| | • | , | و پهول |
| 44. Violaceae | • | | نسل |
| (a) Viola | • | ••• | خاندان |
| ,, Tricolor | | | قسم پهول |
| " Odorata | • | <u> </u> | |
| نوت—بعض خاندان اپنے مشہور قسموں کے نام سے موسوم ھیں - اس لئے جہاں اُن کے الگ الگ تذکرے میں سہولیت نہیں ھے وھاں قسم و خاندان ایک ھی میں بیان کئے گئے ھیں - | | | |
| Gymnospern | ممل پهول—18 | نام | |
| لاطيذى | انگریزی | هندوستاني نام | كيفيت |
| 1. Coniferae | ••• | ••• | نسل |
| (a) Conifers | Conifers | کو نه ِ فر <i>س</i>) | پهول و خاندار |
| (b) Cupressus | Cypress | _ | " |

ضييه د

آردو اصطلاحات و نام اور آن کے انگریزی ترجیے صفحہ

| , 4 <u>P</u> | آب و هوا (Climate) |
|--------------|--|
| 144 . 16h. | اجرام (Spores) |
| 44+ | اخروك (Walnut) |
| rrr | ادرک (Ginger) |
| rrr | اراروی (Arrowroot) |
| 149 | (Orehid) رَكَة |
| 14+ | ارکة (بری) (Orchid Terresterial) |
| 14+ | ارکد (هوائی) (Orchid Aerial) |
| 14+ 44+ | (Peach) 55 |
| *4* | استابری (Strawberry) |
| ۳۸ | (Egyptian Screw Water Lift) اسكريو پىپ |
| ryr | آه پهل (Longan) |
| 1+A | افزایش نسل (Propagation) |
| ٣ | (Oxygen) آکسیجی |
| <i>የ</i> ቁጥ | آکی (Akee) |
| rry | آلو (Potato) |
| 144 | آلو بىنجارا (Bokhara Plum) |
| 144 | آلوچه (Plum) |
| ٣ | اليوميليم (Aluminium) |
| 144 | آم (Mango) |
| 18+ 149. | (Guava) امرود |
| ** | امرول (Malay Apple) |
| 141 | أملى (Tamarind) |
| . 0 Y | أمونيم سلنيت (Amonium Sulphate). |
| 140 : 441 | ان (Pomogranate) |

```
صفحعته
11 ' 1"+ ' 10" ' fyf
                                                   (Fig) انجير
A1 ' 1"+ ' 10" ' +V"
                                               انگور (Grapes).
     IVO ' TVA
                                          انناس (Pine-Apple)
                                    آنوله (Emblica Officinalis)
                                      (Glass-house) آئنه خانه
         10+
         111
                                             بادام (Almond) بادام
                                                 (Beans) باتله
         474
                                             باليدكي (Growth)
         1+0
                                             بخارات (Vapours)
          v I
                                        وبوهل (Monkey Fruit) وبوهل
         115
          91
                                              بل جار (Bell-jar) بل
                               بهور (بالوهي) زمين (Sandy Soil)
         4 44
                                                 (Quince)
     1+0 1+4
                                                   بيبے (Seed)
         140
               بيبے - ايک دال والا (يک دل) (Monocotyledonous)
                    بيبم - دو دال والا (هو دل) (Dicotyledonous)
         140
          9+
                                بیبے بونے کی مشین (Seed-drill)
                                      بيم جمنا (Germination)
         1+0
     17+ ' + AM
                                            بير (Round Plum) بير
          71
                                        بيرى (Swing Basket) بيرى
         ٣٨٢
                                               بیکی (Brinjal)
                                            (Parsnip) يارسني
                              پانی (قال کا) (Lift (Irrigation))
                                یانی (تور کا) ,, (Flush) ,,
                      پانی (ایک مکعب نت نی سکند) (Cusec)
          ۸V
                                                 پپری (Crust)
         TVY
                                               (Papaya) يبيتا
         1+1
                                              (Leaf-blade) يتا
```

```
صفححة
      464
                                         يترا (San-Hemp)
 91 10+
                                          پچکاری (Spray)
                                پراگ کیسر (Pollen-grain)
      1+1
                            (Trichosanthes Diocea) يرول
      444
                                    يسته (Pistachio Nut)
      1.4 V
                                     پنکهری (پهول) (Petal)
      1+1
                                 پنکهری (پتی نیا) (Sepal)
      1+1
                                          يوتاس (Potash)
                                           (Seedling, 34
      110
                                            پودینه (Mint)
     rrv
                                      پهپهوندي (Fungus)
      100
                              الم (Malabar-nightshade) يوے
     201
1+0 , 140 , 444
                                          پهول (Flower)
  140 144
                               پهول معمل (Angiosperm)
  140 144
                             پهول نامکيل (Gymnosperm)
                                 پهرل کا خاندان (Species)
      144
                                   پهول کی قسم (Variety)
      141
                                    پهول کی ذات (Genus)
      144
                           پهول کی نسل (Natural Order)
      144
                                             پیاز (Onion)
     101
                                پیتی (زمین) (Peaty Soil)
       ~
                      پیوند (زبان دار) (Tongue Grafting)
      111
                            پیوند (بغای) (Cleft Grafting)
      114
                               پیوند (دوشاخه) (Inarching)
      11+
                        پیوند (شکافی) (Wedge grafting)
      111
                                    پیوند لگانا (Grafting)
      114
                                    تبخير (Evaporation)
                    تحلیل کیسیاوی (Chemical Analysis)
      44
                                  تخته بندی (Terracing)
   90 , 90
                                        تختیاں (Tablets)
                                     تربوز (Water Melon)
      ¥9+
```

```
صفححة
                                                                                                                                      تربیت (Training)
           144
                                                                                              ترتیب (پهل) (Classification)
           14+
                                                                                                تقسیم (پهول) (Classification)
           140
                                                                                                           تورئى (Luff Acutangula)
           ror
                                                                                                                                                         تيزاب (Acid)
                    9
                                                                                                                                      (Acidity) تيزابيت
               24
                                                                                                                                                                 <u>...</u>
                                                                                          تياري (Peruvian Gooseberry)
           200
                                                                                                       تماتر (ولايتي بيكن) (Tomato)
100 , 404
                                                                                                                تومى تومى تومى الرومي (Tomi-Tomi)
            19+
                                                                                       (Sizigium Jambolanum) جامن
              491
                                                                                                              جامن (گلاب) (Rose-apple)
             MIV
      1+ ' OA
                                                                                                                                               (Gypsum) جيسم
                                                                                                                                             (Bacteria) جراثیم
         A 4 9
                                                                                                                                               (Bushy) جهازدار
              144
                                                                                          (Adventitious Root) (جهکوا (جو
                   94
                                                                                      چ
چارہ کاتنے کی مشین (Chaff-cutter)
                   A 9
  PAP : 209
                                                                                                                          چچندا (Snake Gourd)
                                                                                                                                 چشمهٔ لکانا (Budding)
                 111
                                                                                                                                                    (Pumilo) چکوترا
                + 9r
                                                                             چوکهتا (شیشه کا) (Frame (glass) ) چوکهتا
                    91
                                                                                                                               چولائی (Amaranthus) چولائی
                P4+
                                                                                                                                                        چونا (Calcium)
                                                                                                                                                     (Cherry) چيري
       11 ' 19"
                                                                                                        چهري مويا (Cherry-moyer)
                 191
                                                                                            (Triptasia Trifolata) ki, U المعالمة ال
                  490
                                                                                                                چين پيپ (Chain-pump) چين
                      24
                                                              (Double Gear Chain Pump) چين پيپ
                      20
                                                                                                                                                 (دو يهيون والا)
```

| صفحة | |
|----------|---|
| | ~ |
| 179 | حفاظت خانه (Conservatory |
| P41 | ار (Cress) حليم |
| | •_ |
| | ~ |
| 794 | خرپوزه (Melon) |
| | S |
| 115 | (Layering) دابه |
| 111 | دابه زباندار (Tongue-layering) دابه |
| 111 | دایه چها دار (Ring-layering) |
| 7 9 A | دریان (Civet-cat-fruit) |
| 44 | درجه (Degree) |
| ٧٧ | درجه حرارت (Temperature, Degree of heat) درجه |
| 18 | درجه انجماد (Freezing Point) |
| 44 449 | درجه کمترین (Minimum temperature) |
| 44 4 4 9 | درجه بیش ترین (Maximum temperature) |
| 9+ 691 | دستی گاری (Wheel-barrow) |
| ۸ ۸ | دستی هو (Hand-hoe) |
| ~ | درمت (Loam) |
| ۳ | درمت هلکی (Light Loam) |
| 104,161 | (Dahalia) ليا |
| | ت |
| 1+1 | تنتہل (یعی) (Leaf-stalk) |
| | ن |
| 140 | (Nursery) (العربة كا) (Nursery) |
| | ,) |
| 199 | رام پهل (Sweet Sop) |
| P-44 | (Mustard) رائی |

```
( PTT )
```

```
صفحته
                                                (Yams) رتالو,
       44
                                         (Percolation): رساؤ
          4
                                      رس بهری (Rasp-bery)
       491
                                         (Humidity) رطوبت
        V+
                                     رهت (Persian Wheel) وهت
        3
                                           زرد آلو (Apricot)
زمین (Soil)
                          زمین کی بالائی سطح (Surface Soli)
                               (Sedentary Soil) (پکی) زمین
          ۲
                            (Sedimentary Soil) (زمین (آبی)
          ۲
                      زمین میں سورائح کرنے کا آلتہ (برما) (Augur)
        1 1
               زمین درز نلدار (Under-ground Pipe Drains) زمین درز
        19
                              زيترن صحرائي (Wild Olive)
                                      سبزه زار (Grass-Lawn) سبزه
       120
                                    سنتی گرید (Centigrade)
        4 4
                                   (Water Caltrops) الملكهارة
       40
                                             سوديم (Sodium)
                            سوديم نائقريت (Sodium Nitrate)
        ٥٧
                               سهجن (Horse Radish Tree)
       244
                                              (Lettuce) سلاد
       r49
11 ' 10m ' m+0
                                             سيب (Apples)
                                             سيلري (Celery)
       741
                                            سيليكن (Silicon)
          ۳
                                   سيم (چوکور) (Goa-beans)
       rvr
                          سيم (ركت) (Lublub Purpuream)
       3 V I
                          (Canavalia Gladiata) (مکهن) سیم
       TVT
                                            (Sewage) سيويج
        04
```

| | • |
|-----------|--|
| صفحا | |
| | ث |
| | (2) |
| ir+ | شاخیں چهانتنا (Pruning) |
| 1r+ ' r+v | شریفه (Custard Apple) |
| 41 , L+A | شفتالو (Peach) |
| 444 | شکر پاره (Candy-tuft) شکر |
| 440 | شکر قند (Sweet-potato) |
| rvr | شلجم (Turnip) |
| 1+ ' 40" | شور (اوسر زمینی) (Alkaline Soil) |
| 14,14 | شور زمین کا استعمال (Utilisation) |
| 14 6 14 | شور زمین کی اصلح (Reclaimation) |
| ۲ | شهد کی ممهیاں پالنا (Apiculture) |
| • | عر |
| ۲ | عرامل معصرفه (Weathering Agencies) |
| 10+ | را من المسروة (Entomology) |
| , 44 | علم نباتات (Botany) |
| • | (===================================== |
| | ع |
| r | فیر محلول (حل ناپذیر) (Insoluble) |
| | ف |
| 4 4 | فارن هائت (Fahrenheit) |
| ٣ | فاسفورس (Phosphorus) |
| r+9 | فالسة (Grewia Asiatica) |
| | •• |
| | \mathcal{S} |
| v | قطر (Condensation) |
| 11+ | قلم (Cutting) |
| ٧ | قوت جاذبه (Hygroscopicity) |
| 4 | قوت كشش (Capillary Action) |
| | ک ، د |
| ال الله | |
| ۲1+ پ | (Cashew Nut) |
| ٣ | کار آمد غذا (A vailable plant food) |

```
صفحته
                                    (Carbon) کار بن
                                الشعاري (Farming)
   ٣
                                 (Jack Fruit) كتهل
                                  (Cabbage) کرمکلا
                          كروندا (Carissa Carandas) كروندا
 711
                                   كرة أرض (Globe)
  4 1
                       (Momordica Charantia) كريا
 rvv
                         (Mushroom) (کیمتیا (کیمیته)
rv9
                      (Cucumis Uirlessimus) کری
27
                             (Cultivator) کلتی ریتر
  ۸٧
                                     (Crown) كلغي
7 A +
                                  كاورين (Chlorine)
 rvr
                                     (Gourd) أكسهوا
TVT
                             ر(Calcareous) کنکریای
                                      (Citron) کنولا
4+4
                                     (Manure) کهاد
 3
                    (Organic Manure) (کهاد (عضری)
 2
                (Inorganic Manure) (فيرعضري) کهاد (غيرعضري
 3
                      (Liquid Manure) (کهاد (رقیق)
 80
                      کهاد (منجمد) (Solid Manure)
 20
                    (Natural Manure) کهاد (قدرتی)
 80
                 (Artificial Manure) (مصنوعي)
 80
                       (Green Manure) (هری )
 M9
                       (Poudrette) (پاخانه کی)
 04
        (Nitrogenous Manure) (کهاد (نائتروجن والی)
 3
               كهاد (پوتاش والي) (Potassic Manure)
 3
          كهاد (فاسفورس والي) (Phosphatic Manure)
 3
                    كهاد (چونا والي) (Lime Manure)
 3
                         (Mimusops Kauki) كهرني
410
                                (Date Palm) كهجور
416
                           (Mucuna Nivea) کهساچ
٣٨٣
                                 (Cucumber) کیدرا
200
                              (Wood-Apple) کیتها
710
```

```
( rry )
```

| صفحته | |
|---------------------------|---|
| ٣ | (Chemical) کیسیاوی |
| 714 | (Plaintain) کیلا |
| | ` ` ` گ |
| • | |
| 740 | المجر (Carrot) |
| 1+À | لگهیاں (Bulb) |
| 1+4 | گربه کیسر (Ovule) |
| 791 | (Shallot) كندنا |
| r | اندهک (Sulpher) |
| 7 .49 | کوبهي پهول (Cauliflawer) |
| ۳ <i>۸</i> 9 | گوبهي گانقهه (Knol-Kohl) |
| 1+4 ' 114 | گوتی (Gooty) |
| 9+ | گھاس کاتنے کی مشین (Lawn Mower) |
| 1+1 | گهندّي (پتی) (Pulirnus) گهند (پتی) (باداد سود ۱۱۰) |
| 791 7 44 | (Horse-radish) |
| 1 m | (اروئی) گہوئیاں (Colocasia Antiquorum) گلاب (Rose) |
|) | · , , , , , , , , , , , , , , , , , , , |
| | \mathcal{J} |
| 711 | (Pierardia Sapida) لتكوا |
| 797 | (Asperagus Beans) لوبيا |
| r19 | (Loquat) لوكات |
| ۲9۲ | لوکی (Bottle-gourd) |
| ٣ | لوها (Iron) |
| 791 | لهسن (Garlic) |
| r19 | ليچى (Nephelivm Lichi) |
| r+9 | لیک (ولایتی پیاز) (Leek) |
| " '+ | ليمو (Lemon) |
| ""+ | ليسو ميتها (Sweet Lemon) |
| | , " r |
| ۳ | ماده عضوی (Organic Matter) |
| ٣ | ماده فیر عضوی (Inorganic Matter) |
| | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |

```
صندحه
                                          (Pistil) when
  1+1
                                            متر (Peas)
  m91
            متى (پلتنے والا هل) (Soil Turning Plaugh)
   15
             متى يلتنے والا حصة (هل كا) (Mould-board)
   15
                          • (Pissiculture) مجهلي پالا
     ۲
                                     محلول (Soluble)
                                  (Amaranthus) Lup
444 , 444
                       مرفیاں یالنا (Poultry Farming)
                                  مرکب (Compound)
                         مرکب یعی (Compound Leaf)
  1+1
                                          (Pore) مسام
                            مصنوعی یهاریاں (Rockery)
  1rv
                            (Anemometer) مقياس الهوا
   40
                             مقياس الموسم (Barometer)
   44
                        مقياس الحرارت (Thermometer)
   44
                           • (Atmometer) مقياس الماء
   VI
                       مقياس الرطوبت (Hygrometer)
   1
       مقياس الرطوبت (دينيل كا) (Daniel's Hygrometer)
   1 1
   ۸۶
                                مقياس الرطوبت ويبوست
           (Thermometer (wet and dry bulb) )
                                           (Maize) K
  M++
   71
                                       (Cubic) مكعب
                                        منطقه (Zone)
   VD
                              منگرستین (Mangosteen)
  211
                     مواشي ركها (Animal Husbandry)
     ۲
                                      (Mosaic) موزیک
  100
             موسم (Season)
موسم کی روزانه تبدیلیاں (Daily Variations)
   V9
   V9
                موسم کے سالانہ تغیرات (Annual Variation)
   ۸٠
                                  (Tap Root) 33
   94
94 " 141
                                       (Radish) مولى
                            مونگ پهلی (Ground Nut)
  4+4
                             • (Magnesium) میکنیشیم
    ۳
```

| | ن |
|---------|---|
| 1++ | نار (سوت) (Tendril) |
| r+r 'r+ | لارنگى (Orange) |
| rrr | ناریل (Cocoanut) |
| سهب | ناشیاتی (Pear) |
| 410 | . (Bread-fruit) نان پهل |
| ٠٨ | نائتروجن بنانا (Nitrification) |
| ٨ | نائتروجن بنانے والے جراثهم (Nitrifying Bacteria). |
| ۸ (| ا نائتروجن خرچ کرنے والے جراثیم (De-nitrifying Bacteria |
| ٨ | نائقرولايم (Nitrolime) |
| 140 | , (Phanerogams) (پیول دار) |
| 140 | نباتات (بلا پھول کے) (Cryptogams |
| 741 | نجمی سیب (Star-Apple) |
| rr | نکاس (Drainage) |
| rrv | نعواین (Nectarine) |
| 4 | نلدار کنوال (Tube-Well) |
| | 3 |
| 244 | رامپی (Wampee) |
| M+4 | (Vanilla) ونيلا |
| 202 | (Peppermint) ولايتى پودينه |
| P 7 V | ولايتي نونا (Sour Sop) |
| | ४ |
| r+9 | (Artichoke) هاتهی چک |
| ٣ | هاندررجن (Hydrogen) |
| 09 | هذی (Bone) |
| 09 | هدّی کا چوره (Crushed Bone) |
| 09 | هذي کا کوئله (Bone Charcoal) |
| .09 | هذي كي راكهم (Bone Ash) |

| صفحة | |
|------------|--|
| 09 | ه تی ک ی خاک (Bone Dust) |
| 09 | ه قبی گلائی هوئی (Bone Superphosphate) |
| p+1~ | هزاره (نارنگی) (Chinsse Orange) |
| ^ ' | هل (Plough) |
| ۸۳ | هلّ (پنجاب) (Plough Punjab) |
| ۸۳ | هل (قرن ریست) (Turn-Wrest Plough) |
| rj+ | هلنی (Turmeric) |
| 44 | هوا (Wind) |
| 43 | هوا (مستقل) (Permanent Wind) |
| 43 | هوا (فير مستقل) (Variable Wind) |
| 43 | هوا (موسمى) (Seasonal Wind) |
| 42 | هوا (مقامی) (Local Wind) |
| 44 | هوله (برساتی) (Monsoon) |
| | |

غلطي نامع

| محيح | فلطى | سطرْ | نببر صفحته |
|----------------------------|---|----------|--------------|
| ية نشان نه هونا چاهئے | . \$ | 1 | 9 |
| دن میں اس قسم | دن اس قسم | 1 | • 19 |
| سبب | · • • • • • • • • • • • • • • • • • • • | 11 | 44 |
| زیادتی | يادتى • | 1 | ۴٩ |
| مسطح تحقته | سطم تخته | ••• | ** |
| کهاد | و کهاه | . 1 | 17 17 |
| اگر پردے کی فذا کا یہ خرج | کو پودے کی فذا کا یا خرچ | • 1• • 9 | ויו |
| وهان ان کی | وهان ۱ کی | 71 | ۳۸ |
| ڀائس مير در در د | ا ئس | ۳ | 4+ |
| مقياس الهوا ياموسم هي | مقياس الهوا هے | 4 | 44 |
| اوسط تعداد | تعداد ارسط | 1 | · W |
| ش> <i>ك</i> | شامل | ••• | 1++ |
| تر تنے | تر قاء | 0 | 111 |
| پودوں * م | پرودوں کے • | 15 | 111 |
| فخيره | (۸) ذخيرة | 3 | 110 |
| گہلے | (9) گبلے | 1+ | 144 |
| شاخين | (۱۰) شاخیں | ٥ | 15- |
| آرایش <u> </u> | (۱۱) آرایش | ٣ | 188 |
| سبزه زار | (۱۲) سيزه زار | ٨ | Irv |
| حفاظت خانے | (۱۳) حفاظت خانے | 1st | 1179 |
| آئيئة خالة | شيشلا خانه | 4 | 14+ |
| ضييه ج | ضبيبة ثبير ا | آخر ہ | 144 |
| ببول ولايتنى | ولايتى ببرل | 11 | 114 |
| ھوجائے گا | ھوجائے کا | آخر | 7 75 |
| ابهرے | ابرے | ٧ | 7,417 |
| نْسلُ | نثل | أخر | 277 |
| سدا يهار | سدا بهار ذار | 19 | r++ |
| پهلی دا ر | پهلی و ^ا ر | Ir | ron |
| هندي <i>الاصل</i> | م هندالاصل | IA | 441 |
| ہتیاں | پتی | 7 | 3 9+ |
| | | | |